दो दुनिया का वारिस

अनकही कथा

(भाग - एक)

डॉ. निशा शास्त्री

र

दो दुनिया का वारिस: अनकही कथा

(भाग – एक)

डॉ. निशा शास्त्री

राजमंगल प्रकाशन

An Imprint of **Rajmangal Publishers**

अनुक्रमणिका

लेखिका की कलम से

मेरे प्यारे पाठकों, यह मेरा पहला प्रयास है हिंदी भाषा में एक विज्ञान फैंटसी उपन्यास या यूँ कहूं कि साइंस फिक्शन नावेल लिखने का, और इसको मैंने सरल शब्दों में लिखने का प्रयास किया है। आशा है आपको मेरा यह प्रयास पसंद आएगा और आप इसको अपना सहयोग और प्यार देंगे।

ये कहानी मेरे द्वारा ही लिखित अंग्रेजी उपन्यास Child of Two Worlds – The Saga Untold – Book 1, से प्रेरित है और काफी हद तक उस पर आधारित भी है। परन्तु इस उपन्यास का अपना अलग आकर्षण है और कई ऐसे रोचक घुमाव है जो आपको हतप्रभ कर देंगे। किसी अंतरतारकीय सभ्यता की राजनीती, प्रशासन कैसा होगा और कैसे कोई अन्तर्ग्रही युद्ध लड़ा जाएगा मैंने उसकी कल्पना कर इस उपन्यास को लिखने का प्रयास किया है।

चूँकि यह एक साइंस फिक्शन नावेल है इसलिए मैंने हिंगलिश का प्रयोग करने की भी स्वतंत्रता ले ली है ताकि इसका आनंद केवल मौलिक रूप से हिंदी बोलने वालों के साथ साथ वो लोग भी ले सके जो शुद्ध हिंदी से ज्यादा हिंगलिश का प्रयोग करते हैं।

आशा करती हूँ मेरा ये दिल से किया गया प्रयास आप लोगों को पसंद आएगा। मैं इस कहानी का दूसरा भाग भी जल्द ही आपके सामने पेश करूँगी।

प्रस्तावना

धर्मा के लिए आज का दिन बहुत ही खुशियों भरा दिन था। ये तारीख वो कभी नहीं भूल सकता था। 25 अप्रेल 2079 ये वो दिन था जब उसने अपने पचीसवें जन्मदिवस पर एक ऐसा कार्य कर दिखाया था जो अति सराहनीय था। उसने विश्व अंतरिक्ष संघ की सबसे मुश्किल परीक्षा को बहुत ही आसानी से उत्तीर्ण कर लिया था।

ये वह परीक्षा थी जिसमे बहुत ही कठिन शारीरिक और अत्यधिक जटिल भौतिकीय के प्रश्न जैसे एम्-थ्योरी, स्टिंग थ्योरी, क्वांटम भौतिकी इत्यादि के प्रश्न आते थे जो आर्टिफिशल इंटेलीजेंट कम्प्यूटर्स भी मुश्किल से ही हल कर पाते थे। धर्मा ने न सिर्फ परीक्षा उत्तीर्ण की थी अपितु वह प्रथम आया था और इससे उसे सीधे ही MV केरेस्टोर नामक अति आधुनिक अंतरिक्ष यान में फ्लीट लेफ्टिनेंट का स्थान मिल जाएगा जो लोगो को कई वर्षो की मेहनत के बाद भी बमुश्किल ही मिलता था। धर्मा अब इस अति अत्याधुनिक विमान में बैठ कर, जो प्रकाश गति के 15% तक की गति हासिल करने में सक्षम था, जल्द ही मंगल गृह की यात्रा पर जाएगा।

यदि किसी को किस्मत की मार का सबसे प्रमुख उदाहरण देखना है तो वह धर्मा का उदाहरण देखे। आज जहाँ उसकी ख़ुशी का ठिकाना नहीं है, उसे पता चला है की ज़ोरो नामक एक एलियन उसे किसी दूसरी दुनिया में ले जाने आया था; और सबसे ज्यादा गंभीर और दिल दहलाने वाली बात यह थी की धर्मा के माता - पिता उस क्रूर ज़ोरो का स्वागत ऐसे कर रहे थे जैसे वो भगवान का भेजा हुआ कोई दूत हो।

धर्मा अपने घर ख़ुशी ख़ुशी आया था अपने माता पिता को ये खुशखबरी देने की वो अब MV केरेस्टोर में उड़ान भरेगा और वो भी फ्लीट लेफ्टिनेंट बन कर जिसका सपना विश्व के सभी नौजवान देखते थे परन्तु ये ख़ुशी कुछ पल में ही गायब हो गई थी। जल्द ही धर्मा के पैरो तले ज़मीन खिसक गयी जब उसे पता चला उसे ज़ोरो के साथ किसी दूसरी ही दुनिया में जाना था।

धर्मा को ये लम्बा, बेहद पतला व्यक्ति जिसने काले रंग के कपडे पहन रखे थे, और जिसके माथे पर बहुत ही अजीब सी एक मणि चमक रही थी इस समय किसी शैतान के साथी संगी से कम नहीं लग रहा था। वो उसके घर में क्यों था? वो भी जब धर्मा के पिता भारतीय फ़ौज के मेजर जनरल थे। वह घर जो मिलिट्री हेडक्वार्टर में था जिसके चारो ओर इतनी सिक्योरिटी थी। कौन है ये शैतान जो धर्मा को उसके माता पिता से, उसकी दुनिया से दूर कर देने आया था।

“नहीं माँ, मैं इस एलियन के साथ नहीं जाऊंगा। कौन है ये और मैं क्यों जाऊँ इसके साथ?” धर्मा ने बहुत ही आक्रामक स्वर में बोला।

ज़ोरो को समझ नहीं आ रहा था की क्यों उसका मालिक उसके साथ नहीं जाना चाहेगा और वो बहुत ही मासूमी भरे शब्दों में बोला, “मेरे मालिक आपके लिए पृथ्वी मात्र एक छलावरण थी, एक छुपने का स्थान। अब समय आ गया है आप मेरे साथ चलिए और इरीट्रिया को क्रूर नोकोईविड से बचाइए।“

धर्मा को आश्चर्य हुआ ये ज़ोरो उसे अपना मालिक क्यों बोल रहा है और ये इरीट्रिया को बचाने का क्या मसला है। धर्मा को बहुत ही विस्मय भी हुआ की ये एलियन हिंदी ठीक से नहीं बोल पा रहा था, भाषा नहीं आना एक बात है परन्तु बोलना ही नहीं आना।

“मालिक फ्रां गैलेक्सी के लोग मानसिक संदेशो से ही बाते कर लेते है, हमें बोल कर संवाद की आदत नहीं है।“ ज़ोरो ने बोला। उसने धर्मा का मन पढ़ लिया था।

धर्मा के आश्चर्य की सीमा न रही। ये एलियन तो अति विकसित है। ज़ोरो ने फिर बहुत ही विनम्रता से कहा, “मालिक हमारे पास समय बहुत कम है, हमें निकलना होगा।“

धर्मा को बहुत ही ज्यादा गुस्सा आ रहा था। उसे समझ ही नहीं आ रहा था की वो इस एलियन को क्या जवाब दे। गायत्री देवी ने धर्मा की कशमकश को समझ लिया था। वो खुद भी भावनात्मक उथलपुथल से गुज़र रही थी, उनका एक मात्र पुत्र उनसे बिछड़ने वाला था, वो भी शायद हमेशा के लिए।

"तुमको ज़ोरो के साथ जाना ही होगा। इरीट्रिया के लोगो की तुम ही एक आखरी उम्मीद हो।" गायत्री देवी बहुत ही भावुक स्वर में बोली। उनकी भी मनस्थिति ऐसे ही थी की मानो पूरा लिविंग रूम उन्हें काटने को दौड़ रहा हो। उस आलीशान कमरे की हर चीज उन्हें अब बेमानी लग रही थी।

"नहीं, क्यों माँ। मुझे न तो इरीट्रिया से कुछ लेना देना है न ही इस एलियन से। मैं आपके साथ ही रहूँगा। या फिर आप दोनों भी चलो। " धर्मा किसी छोटे बच्चे की तरह जिद्द करते हुए बोला।

गायत्री देवी को पता था कि धर्मा को समझाना मुश्किल है। फिर भी वो बोली, "मेरे बेटे, आज से बहुत वर्ष पहले में रूल में काम करती थी। रूल एलियंस जीवन की खोज करने वाली एक संस्था थी और हम अंतरिक्ष में बहुत से सिग्नल भेजते थे।“

"और उन सिग्नल्स को समझ कर प्रोफेसर बोरो ने पता लगा लिया था की ये ही वो स्थान है जहाँ आपको छुपाना सबसे आसान हो जाएगा।" ज़ोरो बीच में बोला। हालाँकि उसको बोलने में बहुत ज्यादा तकलीफ हो रही थी।

गायत्री देवी ने ज़ोरो की ओर देखा और इशारो ही इशारो में ज़ोरो समझ गया की उसे बीच में नहीं बोलना है। गायत्री देवी धर्मा को कुछ बहुत महत्वपूर्ण समझाने की कोशिश कर रही थी।

गायत्री देवी ने आगे बोला, "मेरे प्यारे बेटे तुम मेरे जैविक बेटे नहीं हो। तुमको ज़ोरो ने मुझे दिया था।"

धर्मा के पैरो के नीचे से ज़मीन खिसक गयी। उसे समझ नहीं आ रहा था की वो क्या करे या क्या कहे। उसके हाव भाव बदल गए।

गायत्री देवी ने उसे कस कर गले लगाया और बोली, "परन्तु तुम किसी भी तरह मेरे पुत्र से कम नहीं हो। तुम थे इसलिए मैंने और तुम्हारे पिता ने किसी और संतान की कोशिश भी नहीं की थी। तुम ही मेरे लिए सब कुछ थे।"

गायत्री देवी बहुत ही ज्यादा भावुक हो गयी। वो ज़ोर ज़ोर से रोने लगी। धर्मा को समझ नहीं आ रहा था की क्या हो रहा था। पिछले एक घंटे में उसकी ज़िन्दगी पूरी तरह से बदल चुकी थी। ऐसा लगा मानो दुखो का पहाड़ एक दम से उस परिवार पर टूट पड़ा हो। धर्मा को ये तारीख हमेशा याद रहेगी। उसका जन्मदिन ही उसे अब एक श्राप लग रहा था।

धर्मा के पिता मेजर जनरल तेज प्रताप जो चुप चाप खड़े ये सब देख रहे थे, धर्मा के पास आ कर बोले, "मेरे बेटे तुम हमेशा ही गायत्री और मेरे बेटे रहोगे। हालाँकि सच यही है की ज़ोरो ने गायत्री से संपर्क किया

और उसने अपने आप को गायत्री की लैब में ही ट्रांसमिट कर लिया था। वो अपने साथ एक नवजात बच्चे को ले कर आया था।"

धर्मा को ये सब एक मिथ्या लग रहा था। ज़ोरो किसी स्पेसशिप में नहीं बल्कि ट्रांसमिट होकर सीधे ही उसकी माँ के लैब में आ गया था।

ज़ोरो ने धर्मा का मन पढ़ लिया था और उसने फिर बड़ी मासूमी से बोला, "मालिक हमने आपकी माता को एक वेक्टर भेजा था, जो उन्होंने अपने लैब में रख लिया था। ये वेक्टर हमें वहां ट्रांसमिट करने में मदद करता है। अभी भी मैंने अपना स्पेसशिप आपके सौर मंडल के बाहर ही रखा है और मैंने अपने को यहाँ ट्रांसमिट किया है।"

धर्मा को अब और भी ज्यादा यकीन हो गया की ज़ोरो बिलकुल झूट बोल रहा है। सोलर सिस्टम के बाहर से इतनी जल्दी तो प्रकाश की किरण भी नहीं आ सकती।

ज़ोरो ने फिर धर्मा का मन पढ़ लिया, वो बोला, "मालिक हम प्रकाश की गति से 1000 गुना से भी तेजी से ट्रांसमिट हो सकते है।"

धर्मा ने व्यंगात्मक स्वर में बोला, "हाँ तुमने आइंस्टीन का नाम तो सुना नहीं होगा।"

मेजर जनरल तेज प्रताप गुस्से में बोले, "धर्मा ज़ोरो झूट नहीं बोल रहा है। वो यहाँ ट्रांसमिट होकर आया है।“

तेज प्रताप फिर धर्मा के पास धीरे से आये और उसके कंधे पर हाथ रख कर बोले, "मुद्दे की बात यह है की उसने जब तुम्हें गायत्री को दिया था तो ये वादा लिया था की गायत्री तुमको अपने पुत्र के समान पालेगी और सही समय पर उसे वापस म्यूवर्स भेज देगी, वो दुनिया जहां से वो नवजात बच्चा आया था।"

धर्मा को अब कुछ भी कहने को नहीं था। परन्तु वो इतनी आसानी से अपने माता पिता को छोड़ कर नहीं जा सकता था। ये सब कुछ उसे एक दुःस्वप्न जैसे लग रहा था।

इससे पहले की कोई भी कुछ बोलता एक बहुत बड़ा धमाका हुआ। सभी को बहुत ही आश्चर्य हुआ की मिलिट्री हेडक्वार्टर में ऐसा धमाका ये तो बहुत ही सिक्योर फैसिलिटी थी। एक और धमाका हुआ और एक के बाद एक धमाकों की लड़ी लग गई। मेजर जनरल तेज प्रताप ने अपनी कलाई में बंधे संचार यन्त्र से एक काल किया और पूछा, "ये धमाके कैसे हो रहे है।"

सामने वाले ने उत्तर दिया, "सर टेररिस्ट हमला हुआ है, बहुत ही खतरनाक ..." इससे पहले वो अपना वाक्य पूरा करता वो उत्तर देने वाला मर गया और सिग्नल डेड हो गया।

धर्मा बहुत घबरा गया और इससे पहले वो कुछ बोलता, ज़ोरो ने बोला, "मालिक हमें निकलना पड़ेगा। "

धर्मा का गुस्सा अब फुट फुट कर बाहर आने को था, की कैसा है ये मणि धारी लम्बा पतला व्यक्ति जो समय की नज़ाकत को नहीं समझ रहा। इतना बड़ा हमला हुआ है और वो जाने की बात कर रहा है परन्तु इससे पहले धर्मा ज़ोरो को कुछ बोलता एक धमाका उसी रूम में हो गया जिसमे वो सब थे। वहां बहुत बड़ी आग लग गयी।

ज़ोरो को समझ आ गया था की धर्मा इतनी आसानी से उसके साथ जाने वाला नहीं है। ज़ोरो ने गायत्री देवी को देखा और फिर मेजर जनरल तेज प्रताप को, जैसे उनसे इजाजत मांग रहा हो। दोनों ने ही ज़ोरो को आँखों ही आँखों में आज्ञा दे दी। दोनों का ही मन अत्यधिक भावुक हो रखा था परन्तु उन्हें पता था की इसके अलावा कोई और उपाय नहीं है।

उनका प्रिय पुत्र उनका जिगर का टुकड़ा उनका सब कुछ अब उनसे हमेशा के लिए विदा होने वाला था।

धर्मा ने भी ये नज़रो की भाषा का आदान प्रदान देख लिया था परन्तु इससे पहले वो कुछ भी कहता या करता ज़ोरो ने अपनी कलाई की त्वचा में अन्तर्निहित लेज़र ब्लास्टर से धर्मा पर प्रहार किया और धर्मा बेहोश हो गया।

ज़ोरो ने धर्मा को गोद में उठाया और एक मानसिक सन्देश दिया। ज़ोरो वहां से ट्रांसमिट होने लगा। ज़ोरो ने जाते जाते गायत्री देवी और मेजर तेज प्रताप को मानसिक सन्देश भेजा, "मैं आप लोगो की मदद करना तो चाहता हूँ परन्तु इस समय कर नहीं पाऊँगा, मुझे अत्यधिक खेद है।"

"कोई बात नहीं ज़ोरो, बस एक वादा करो मेरे पुत्र का तुम हमेशा ध्यान रखोगे।" गायत्री देवी रुआंसा होकर बोली।

"बिलकुल। आप दोनों को मेरा कोटि कोटि प्रणाम, मेरे मालिक का इतने वर्षो तक अच्छे से ध्यान रखने के लिए। " ज़ोरो ने मानसिक सन्देश भेजा।

ज़ोरो बीम हो चूका था। इधर गायत्री देवी और मेजर तेज प्रताप एक बहुत बड़े आग के गोले की चपेट में आ चुके थे। पूरा परिवार एक दम से ऐसे बिखर जाएगा इसकी कल्पना धर्मा ने कभी नहीं की होगी।

धर्मा अपने सफर पर निकल चूका था, उसकी नियति उसे बुला रही थी। वो म्यूवर्स का कर्म योगी था, उस पैरेलल यूनिवर्स में ही उसे अपना भाग्य बनाना था, उस समय किसी को भी ये नहीं पता था की धर्मा आ कर पूरी फ्रां गैलेक्सी में हलचल मचा देगा।

धर्मा को अब पता चलने वाला था की वो सन आफ गॉड है, एक ऐसा व्यक्ति जो कुछ भी कर सकता है, जिसकी ताकत असीमित है और वो

ऐसा सब कुछ कर सकता है जो और कोई नहीं कर सकता। अब ये सब सच है या कोई बहुत ही बड़ा और घिनोना षड़यंत्र ये धर्मा को धीरे धीरे समझ आ ही जाएगा।

~~~

अध्याय एक - धर्मा की यात्रा

धर्मा ने जब आँखे खोली तो उसके सामने बहुत ही अजीब से यन्त्र थे, चारो और यहाँ वहां विचरते रोबोट और ड्रोइड्स। धर्मा हवा में उत्तोलित (झूलता हुआ) था और उसे समझ नहीं आ रहा था की कैसे वो उस असिस्टेंट लड़की की तरह हवा में लटका हुआ था जैसा जादूगर रमेश अपने शो में दिखाता था। धर्मा का सर बहुत ही भारी हो रखा था।

तभी धर्मा को लगा की किसी ने उसे गोद में उठा कर ज़मीन पर बहुत ही आराम से खड़ा कर दिया था। उसके आस पास का नज़ारा किसी बड़ी साइंस फिक्शन मूवी का सेट लग रहा था। धर्मा को हालाँकि सांस लेने में या हवा के दबाव की कोई दिक्कत नहीं हो रही थी। इसका मतलब था की इस जगह का वातावरण वैसा ही था जैसे पृथ्वी पर होता था।

धर्मा ने देखा सामने का एक दर्पण धीरे धीरे टूट रहा था और उसमे से ज़ोरो चलता हुआ आ रहा था, जैसे ही ज़ोरो ने दर्पण को पार किया वो दर्पण वापस से जुड़ गया। धर्मा को समझ आ गया था की वो दर्पण कोई द्वार है।

"मालिक आप ठीक तो है। मुझे माफ़ कर दीजिये मैंने आपको थोड़ा ज्यादा जोर से घायल कर दिया।" ज़ोरो, जो धीरे धीरे चलता हुआ धर्मा के पास आ रहा था, उसने विनम्रता से बोला।

"कोई बात नहीं। क्या ये है इरीट्रिया?" धर्मा अपना सर मसलते हुए बोला।

"नहीं मालिक ये है जनक 290, एक निफ़्टी।"

धर्मा अभी अभी बेहोशी से उठा था, उसे इसमें दिलचस्पी नहीं थी की निफ्टी क्या है? धर्मा ने आशंकित होते हुए ज़ोरो से पूछा, "ज़ोरो मेरे माता पिता का क्या हुआ?"

ज़ोरो थोड़ा सकुचाया, परन्तु फिर उसने मानसिक सन्देश दिया, "मालिक अफ़सोस वो शायद ज़िंदा नहीं बचे होंगे, मैंने उन्हें आग में जलते हुए देखा था।"

धर्मा को बहुत ही गुस्सा आ रहा था साथ ही वो बहुत ही भावुक भी हो गया था। धर्मा की मनस्थिति एक ऐसे बालक की सी हो गयी थी जिसे नहीं पता था की उसे क्या चाहिए। उसके मन में बस गुस्सा, तनाव और क्षोभ था। धर्मा फुट फुट कर रोने लगा। ज़ोरो को समझ नहीं आ रहा था की वो क्या बोले। ज़ोरो ने धर्मा को गले लगा लिया।

"क्या हम वापस चल सकते है। मुझे मेरे माता पिता के आखरी दर्शन तो कर लेने दो। " धर्मा रोते हुए बोला।

ज़ोरो ने बहुत ही विनम्र भाव से टेलीपैथी की, "मालिक आप सन आफ गॉड हो, फ्रां गैलेक्सी में सबसे ताकतवर और शक्ति शाली, आप से बड़ा और ताकतवर कोई नहीं। यदि आप आदेश देंगे तो हमे मानना ही पड़ेगा। परन्तु मैं आप से विनती करता हूँ की आप इरीट्रिया के बारे में जाने, वो लोग अनेको वर्षो से क्रूर नोकोईविड के हाथो पीड़ित है, वो सब आपका बेसब्री से इंतज़ार कर रहे है।"

धर्मा को समझ आ गया था की उसे अपनी नियति से समझौता करना ही पड़ेगा, इसलिए भी धर्मा को ज़ोरो के साथ इरीट्रिया जाना चाहिए क्योंकि ये उसके माता पिता की भी इच्छा थी, और हो सकता है ये उनकी आखरी इच्छा हो।

"ठीक है ज़ोरो, बताओ मुझे, क्या है इरीट्रिया और कौन है नोकोईविड।" धर्मा ने अपने आप को संभालते हुए कहा।

ज़ोरो की ख़ुशी का ठिकाना नहीं रह गया। उसने बहुत ही उत्साहित हो कर बोला, "मालिक मुझे पता था की बोफ कभी गलत नहीं हो सकती।"

"बोफ, वो क्या है?" धर्मा ने पूछा।

"मालिक बोफ हमारी धार्मिक पुस्तक है। जिसमे लिखा है की सन आफ गॉड आएंगे और नोकोईविड के क्रूर चुंगल से इरीट्रिया को छुड़ाएंगे।"

धर्मा को कभी भी किसी भी धार्मिक पुस्तक या बातो पर यकीन नहीं था, परन्तु वो ज़ोरो का दिल और धार्मिक भावनाये आहत नहीं करना चाहता था। धर्मा ने कुछ नहीं बोला।

"मालिक आपको भूख लग रही होगी।" ज़ोरो ने धर्मा से पूछा।

"हाँ थोड़ी सी।" धर्मा ने पेट पर हाथ फेरते हुए कहा।

ज़ोरो ने मानसिक आदेश दिया और एक रोबोट धर्मा की तरफ बढ़ा। उस रोबोट ने अपने हाथ धर्मा की तरफ आगे किये और उसकी हथेली की ऊपरी परत हट गयी। उसकी आयताकार हथेली में दो गोलिया रखी थी एक नीली और एक लाल।

"मालिक आप पहले नीली गोली खा लो।" धर्मा को ज़ोरो का मानसिक सन्देश प्राप्त हुआ।

"मुझे पानी चाहिए होगा ये गोली खाने के लिए।" धर्मा को कुछ समझ नहीं आया और वो अकस्मात बोल उठा।

"नहीं मालिक। आप इस गोली को अपने मुँह में रख लीजिये ये अपने आप ही मुँह में घुल जाएगी।"

धर्मा ने नीली गोली को अपने मुँह में रख लिया। धीरे धीरे वो गोली धर्मा के मुँह के अंदर घुल गयी और थोड़ी ही देर में धर्मा को ऐसा लगा कि मानो उसने भर पेट खाना खा लिया था।

"अब आप ये लाल गोली खा लीजिये।" ज़ोरो बोला।

"नहीं अब मेरा पेट ऊपर तक भर गया है”, धर्मा ने अपने हाथ अपने गले पर रख कर इशारा करते हुए कहा। “तुमने एक ही गोली से इतना पेट भर दिया, लग रहा है मैंने दो दिनों का खाना एक साथ खा लिया हो।"

"मालिक ये लाल गोली आपकी पानी की आपूर्ति को पूरा करेगी। आप खा लीजिये।" ज़ोरो बड़ी विनम्रता से बोला।

धर्मा को कुछ समझ नहीं आ रहा था। ज़ोरो और ये सब लोग बहुत ही ज्यादा विकसित सभ्यता थी, मानसीक तरंगो से बातचीत करना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर बीम कर लेना और खाने के लिए सिर्फ एक गोली और बहुत दिनों तक खाने की आवश्यकता ही नहीं। धर्मा ने लाल गोली भी खा ली और उसको ऐसे लगा उसकी भूख प्यास सब तृप्त हो गयी थी।

"मालिक अब आप चाहे तो आराम कर लीजिये।" ज़ोरो बोला।

"आराम तो कर लूंगा परन्तु पहले ये बताओ की ये निफ़्टी क्या है।"

धर्मा का ध्यान उन पहले शब्दों पर गया जो ज़ोरो ने उसे बेहोशी से उठने के बाद बोले थे। धर्मा ज़ोरो से परिस्थितियों को जानने का प्रयास कर रहा था और इसलिए भी ताकि उसका ध्यान अपने माता पिता पर नहीं जाए।

"सर निफ़्टी का मतलब एक अति आधुनिक स्पेसशिप जो प्रकाश की गति से 7000 गुना या उससे तेज चले।" ज़ोरो बोला। अब ज़ोरो अधिकतर मानसिक सन्देश से ही बात कर रहा था जैसा की इरीट्रिया या Xor के लोग करते थे।

धर्मा आश्चर्यचकित हो गया था।

"क्या कोई चीज इतना तेज चल सकती है। आइंस्टीन के अनुसार ये संभव नहीं है।" धर्मा ने अचरज से पूछा।

"मालिक मुझे टेक्निकल चीजों का ज्ञान नहीं है वो तो आपको प्रोफेसर बोरो ही दे पाएंगे, परन्तु मैं आपको यह बता सकता हूँ की म्यूवर्स में अनेकों चीजे है जो प्रकाश की गति से तेज चलती है।" ज़ोरो ने बहुत ही विनम्रता से कहा।

धर्मा ने सोचा हो सकता है ज़ोरो सच बोल रहा हो, वैसे भी आइंस्टीन के सिद्धांत यूनिवर्स में लगते है किसी पैरेलल यूनिवर्स में नहीं, वहां के अपने भौतिकी के नियम हो सकते है।

"क्या तुम मुझे इस स्पेसशिप के कमांड रूम में ले जा सकते हो। मुझे बाकि के क्रू मेंबर्स से भी मिलना है।" धर्मा ने कहा।

"मालिक मैं आपको अभी बीम कर के जनक 290 के कण्ट्रोल रूम में पहुंचा देता हूँ, परन्तु यहाँ कोई भी क्रू नहीं है सिवाय इन रोबोट्स और ड्रोइड्स के जो आपकी सेवा के लिए यहाँ मौजूद है।"

ज़ोरो ने इतना कहा और धर्मा को अपने साथ जनक 290 के कमांड रूम में बीम कर लिया। धर्मा के आश्चर्य की सीमा न रही की जनक 290 में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए भी बीम करना पड़ता है। कितना बड़ा है जनक 290।

धर्मा को एक टेलीपैथीक सन्देश मिला,

"आपका जनक 290 के कमांड रूम में स्वागत है।"

धर्मा ने ज़ोरो की और देखा। ज़ोरो समझ गया और बोला, "मालिक जनक 290 आपका स्वागत कर रहा है। ये एक निफ़्टी है, एक ऐसा स्पेसशिप जिसे कोई कमांड नहीं कर सकता। ये अपने आप स्वयं में ही पर्याप्त है।"

"मैं कुछ समझा नहीं।" धर्मा विस्मित होकर बोला।

"मालिक जनक 290 स्पेस के हर खतरे को भांप कर उससे निपट सकता है। ये अपने आप को ठीक भी कर सकता है। इसको एक बार ही बताना होता है की कहाँ जाना है।"

"बहुत विकसित स्पेसशिप है, बिना किसी कप्तान और क्रू के चलता है। परन्तु यदि इस स्पेसशिप को कोई कमांड नहीं कर सकता तो, तुम भी इसे कहीं और नहीं ले जा सकते थे।"

"मैं ले जा सकता हूँ मालिक। यदि आप किसी कारण से पृथ्वी पर न होकर किसी और गृह पर होते तो मैं जनक 290 को वहां ले जाता।"

धर्मा कुछ सोच में पड़ गया।

"इस यात्रा के लिए जनक 290 ने मुझे अपना नियंत्रक मान लिया है। हालाँकि इसके स्थायी नियंत्रक प्रोफेसर बोरो है।"

यह कहते हुए ज़ोरो के हाव भाव में अलग सा ही अभिमान था। अब ये अभिमान इसलिए था की वो धर्मा - जो सन आफ गॉड है - को लेने आ रहा था या इसलिए की इस यात्रा के लिए जनक 290 का नियंत्रक बना था, यह कह पाना मुश्किल था।

धर्मा को कुछ बहुत ज्यादा समझ नहीं आया। परन्तु उसको समझ आ गया था की जनक 290 एक अति विकसित स्पेसशिप है, और वो उसे पृथ्वी से किसी दूसरी दुनिया में ले जा रहा था।

जनक 290 ने धर्मा का मन पढ़ लिया था और उसने धर्मा को मानसिक सन्देश दिया, "आपको दिखाता हूँ की हम कहाँ है।" इतना बोल कर जनक 290 ने एक बहुत ही बड़ी आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले धर्मा के आगे प्रस्तुत कर दी।

धर्मा ने देखा की एक वृतीयकार उड़न तश्तरी एक यूनिवर्स से टनल के थ्रू निकलकर दूसरे यूनिवर्स में जा रही है। जनक 290 ने धर्मा को टेलीपैथी की, "हम अब आपके अंतरिक्ष की सीमा को पार करके म्यूवर्स में जा रहे है।"

धर्मा ने इतना विकसित कुछ नहीं देखा था। उस आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले पर उसे सब कुछ साफ़ साफ़ दिख रहा था की कैसे वो यूनिवर्स को छोड़ कर दूसरी दुनिया का सफर तय कर रहा था। स्क्रीन पर ये भी आ रहा था की जनक 290 की गति प्रकाश की गति से 7000 गुना तेज़ थी।

ज़ोरो ने धर्मा को जनक 290 द्वारा दिखाए गए मानचित्र में खोते हुए देखा। ज़ोरो ने धर्मा को बोला, “मालिक जब तक हम मेज़ोल नहीं पहुँच जाते, मैं आपको बताता हूँ जितना भी मुझे पता है।“

“मेज़ोल?”, धर्मा ने आश्चर्य से पूछा। “हम तो इरीट्रिया प्लेनेट जा रहे थे।“ धर्मा के मन में कुछ शंका हुई।

“मालिक आप के सभी प्रश्नो के उत्तर आपको धीरे धीरे मिल जाएंगे। मैंने नहीं कहा की हम इरीट्रिया जा रहे है।“

धर्मा ने सोचा अभी तो यह एलियन बोल रहा था की इरीट्रिया को नोकोईविड के क्रूर शासन से आज़ादी दिलानी है, और अब बोल रहा है मैंने नहीं कहा की हम इरीट्रिया जायेंगे।

जोरो ने फिर धर्मा के मन की बात पढ़ ली और टेलीपैथी की, “मालिक आप शंकित मत होइए, आपको इरीट्रिया को आज़ाद कराना है परन्तु प्रोफेसर बोरो और साथी प्लेनेट मेज़ोल में छुपे हुए है। जनक 290 हमें वहां लेकर जा रहा है। वहां से हम अपने मिशन की शुरुआत करेंगे।“

धर्मा को कुछ समझ नहीं आ रहा था। इन् लोगो का इरीट्रिया को आज़ाद कराने का यह प्लान है की किसी प्लेनेट मेज़ोल पर छुपे रहो और फिर बहुत वर्षो बाद एक बच्चे को जिसे पृथ्वी पर छोड़ा था उसे वापस ले आओ और वो इन्हे आज़ादी देगा। क्या ये लोग इतने बेवकूफ है या कोई हिडन एजेंडा है। धर्मा ज्यादा सोचना नहीं चाहता था क्योंकि ज़ोरो उसके मन की बात पढ़ लेता था। ज़ोरो ने हालाँकि धर्मा की मन की बात पढ़ ली थी, परन्तु उसने कुछ बोलना उचित नहीं समझा।

&

जिस समय धर्मा जनक 290 स्पेस शिप में ज़ोरो के साथ एक अनजान प्लेनेट मेज़ोल जा रहा था तभी इरीट्रिया प्लेनेट के बाहर एक सेटेलाइट स्टेशन में बैठे जार्विस के सामने कुछ बहुत पेचीदे समीकरण प्रस्तुत हो रहे थे।

जार्विस जॉन प्लेनेट की हुन्न[1] प्रजाति से था जो वैसे भी अपनी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए मशहूर थे।

जैसे जैसे जार्विस समीकरणों का अध्यन कर रहा था उसके मेंढकाकार चेहरे की रंगत बदल रही थी, उसके दोनों टेन्टेकल्स बहुत तेजी से हिल रहे थे और नेत्र वृंत (eye stalk) और ज्यादा चौड़े हो रहे थे। उसकी पतली टाँगे उत्तेजना से कम्पन्न कर रही थी और उसके पतले हाथ तेजी से कम्प्यूटर्स को कुछ कमांड दे रहे थे।

जार्विस ने दुबारा सभी समीकरणों को अपने समुख उपस्थित यंत्रो पर फिर से रन किया। जार्विस की आँखे फटी की फटी रह गयी। उसने आखिर ऐसा क्या देख लिया था?

जार्विस ने तुरंत एक मानसिक सन्देश दिया और संयत्रो ने उसका कनेक्शन डायस से कर दिया। डायस आधा मानव और आधा मशीन था। वो अत्यधिक क्रूर और तुनक मिज़ाज था। नोकोईविड के प्रशासन में वो सबसे महत्वपूर्ण पदों में से एक, मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स के पद पर था। पूरी अजय सेना तथा सारे जासूस सब उसके ही अधीन थे। डायस जार्विस को पसंद करता था और इसलिए जार्विस को अधिकार था की वह डायस से सीधे बात कर सकता था।

डायस ने टेलीपैथी द्वारा बोला, “जार्विस तुम्हें पता है मैं गवर्नर कोर के फंक्शन में जा रहा हूँ यदि कुछ ख़ास नहीं है तो यह समय बर्बादी तुम्हें भारी पड़ेगी।“

जार्विस ने नर्वस स्वर में टेलीपैथी की, “सर मुझे पता है परन्तु यह इतना महत्वपूर्ण है की आपको अभी बताना जरुरी था।“

डायस ने क्रोधित स्वर में टेलीपैथी की, “ठीक है, बोलो।“

---

[1] मतलब जानने के लिए देखें :- अनुलग्नक 3 - शब्दकोश और मुख्य किरदार – प्रविष्टि 23

जार्विस ने ख़ुशी जाहिर करते हुए टेलीपैथी की, “सर उसका पता मिल गया है।“

डायस ने विस्मय से कहा, “क्या? तुम्हें कैसे पता लगा। मेरा कोई जासूस अब तक मुझे नहीं बता पाया और तुमने पता लगा लिया।“

डायस खुश तथा शंकित दोनों था।

जार्विस ने जवाब दिया, “सर अभी एक निफ़्टी प्रतिबंधित क्षेत्र से यानि पैरेलल यूनिवर्स की टनल से निकला है और मेरे समीकरण बताते है की वह D90 गैलेक्टिक एरिया की तरफ जा रहा है। मैंने ऐरिपो वेव्स की ट्रेल छोड़ दी है और जैसे ही यह निफ़्टी किसी प्लेनेट पर लैंड होगा मुझे पता चल जाएगा।“

डायस ने गुस्से में पूछा, “परन्तु इससे यह कैसे पता लगा की उसमे वो टेररिस्ट है।“

जार्विस थोड़ा नर्वस था और उसकी पतली टाँगे बुरी तरह से कम्पन्न कर रही थी। उसने जवाब दिया, “सर यह निफ़्टी जो हमारे रिकाड्र्स मैं रजिस्टर्ड नहीं है, जो टाइमेक्स के रजिस्टर में भी नहीं है यानि यह न तो Xor का न ही मैर्केल का निफ़्टी है तो इसका मतलब ----”

इससे पहले की जार्विस अपनी बात पूरी कर पाता डायस समझ गया की टेररिस्ट बोरो का निफ़्टी है। डायस ने प्रशंसा करते हुए बोला, “बहुत बढ़िया जार्विस तुमने अच्छा काम किया है। मुझे बताओ ये निफ़्टी कहा जा रहा है। तुम तो निफ़्टी को भी हैक कर सकते हो।“

जार्विस बोला, “सर मैंने हैक कर लिया है। मेरे ख्याल से ये निफ़्टी मेज़ोल नामक प्लेनेट की तरफ जा रहा है। मैंने आपको कोआर्डिनेट भेज दिए है।“

“बहुत अच्छा। तुम इस निफ़्टी की सर्वेलन्स करते रहो।“ डायस ने बोला और कनेक्शन काट दिया।

डायस ने तुरंत इरीट्रिया से मजोल प्लेनेट जो इरीट्रिया से 1000 प्रकाश वर्ष दूर था अपने एक जासूस को एक मैसेज भेजा। इतनी दूर ये मैसेज कुछ ही घंटो में पहुँच जाएगा। म्यूवर्स के लोगो ने बहुत ही ज्यादा तरक्की कर ली थी। 1000 प्रकाश वर्ष की दूरी जिसे प्रकाश को भी पहुँचने में 1000 वर्ष लगने थे वहां कुछ ही घंटो में सन्देश पहुँच जाना, बहुत बड़ी बात थी। धर्मा को ये म्यूवर्स बहुत विस्मित करने वाला था।

यह मैसेज ऐरिपो वेव्स से जाएगा परन्तु इसे जाने में काफी घंटे लग जायेंगे डायस अपने चैम्बर से उठा और नोकोईविड के चैम्बर की तरफ चलने लग गया। नोकोईविड क्लाउड सेण्टर बिल्डिंग में रहता था जो इरीट्रिया की सबसे शानदार बिल्डिंग थी। यह बिल्डिंग हवा में इरीट्रिया प्लेनेट के चारो और चक्कर लगाती थी। इस बिल्डिंग को जमीन से देखने पर यह एक बहुत बड़े बादल जैसी दिखती थी।

नोकोईविड जब भी इरीट्रिया आता था वह यही रहता था। इरीट्रिया का गवर्नर कोर भी यही रहता था और डायस भी। डायस बहुत खुश था उसे पता था नोकोईविड के लिए टेररिस्ट बोरो को पकड़ने से ज्यादा जरुरी कुछ भी नहीं था। इतने सालो बाद अब टेररिस्ट बोरो हाथ लगा था।

&

ज़ोरो ने धर्मा को उसका कमरा दिखा दिया था। धर्मा जनक 290 के सबसे आलिशान कमरे में था जहाँ हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध थी। वहां अनेको रोबोट्स और ड्रोइड्स थे जिनका काम ही धर्मा की सेवा करना था। धर्मा आखिरकार सन आफ गॉड था। धर्मा एक बहुत ही आरामदायक बिस्तर पर लेट गया। ज़ोरो भी धर्मा के बिस्तर के सिरहाने रखे एक छोटे सोफे पर बैठ गया।

"तो हम कब तक मेज़ोल पहुंचेंगे।" धर्मा ने बिस्तर पर लेटते हुए पूछा।

"तकरीबन 45 दिनों में।"

"ठीक है ज़ोरो मुझे कुछ इरीट्रिया के बारे में बताओ।"

"जी मालिक।"

धर्मा बिस्तर पर लेटा हुआ था और ज़ोरो ने मानसिक सन्देश भेजने शुरू किऐ। धर्मा को लगा जैसे ज़ोरो जो भी बताना चाह रहा है वो उसे सन्देश के रूप में मिल रहा है तथा ज़ोरो जो भी दिखाना चाहता है वह धर्मा देख पा रहा है। ज़ोरो की टेलीपैथिक पावर बहुत पावरफुल थी। धर्मा को यकीन हो गया था की ज़ोरो बहुत समय से टेलीपैथी के द्वारा ही बात कर रहा था। जैसे इंसान जब बोलते है और एक दूसरे से बात कर लेते है, बहुत से जानवरो के लिए यह बहुत आश्चर्य की बात होती है।

ज़ोरो ने धर्मा के मन की बात फिर पढ़ ली थी।

ज़ोरो ने बोला, "मालिक आप भी धीरे धीरे सीख जायेंगे। आप भी मेरी तरह फ्लेशी प्रजाति के है।"

धर्मा ने विस्मय से सोचा, “फ्लेशी प्रजाति।“

ज़ोरो ने मन पढ़ लिया और बोला, "हाँ इरीट्रिया पर मुख्यतः चार अलग प्रजाति के लोग रहते है।"

ज़ोरो ने एक विज़न प्रकाशित किया और धर्मा को लगा कि वह कोई मूवी देख रहा है। ज़ोरो की टेलीपैथिक पावर्स गज़ब की थी।

"इरीट्रिया प्लेनेट में दो बड़े भू भाग है। आप इन्हे दो महाद्वीप भी बोल सकते है। एक है ग्रीनलैंड जहाँ इरीट्रिया के सिविलाइज़ेशन की शुरुआत हुई थी और दूसरा हेयस जो इरीट्रिया का सबसे विकसित महाद्वीप है। यहाँ पर सात देश है और हर देश का अपना अलग चुनिंदा मुख्या है, जिसे सत्रप कहते है।

ज़ोरो ने धर्मा को विज़न प्रेषित किया। धर्मा ने देखा की हेयस महाद्वीप बहुत ही बड़ा भू भाग था। तक़रीबन पृथ्वी के एशिया के जितना बड़ा।

ज़ोरो की आवाज धर्मा को मानसिक रूप से सुनाई दी जबकि उसे हेयस महाद्वीप का विज़न दिख रहा था।

ज़ोरो ने कहा, "इरीद्रिया में चार इंटेलीजेंट प्रजातियां है। पहली है ऐंजलन।"

धर्मा को ऐंजलन का विज़न प्राप्त हुआ। धर्मा ने देखा की ऐंजलन मानवरूपी बहुत ही सुन्दर और सुडोल प्रजाति थी। उनके पीछे के हिस्से में बहुत तगड़े पंख थे जिसे वे जब चाहे निकाल सकते थे और जब चाहे फोल्ड कर सकते थे। जब वो पंख फोल्ड रखते थे तो वो बिलकुल पृथ्वी के मानव के जैसे दिखते थे। ऐंजलन स्त्रियाँ बहुत ही सुन्दर थी तथा पुरुष सुडौल और ताकतवर।

ज़ोरो ने मानसिक रूप से कहा और धर्मा को ज़ोरो की आवाज विज़न देखते देखते ही सुनाई दी, "ऐंजलन बहुत ही ताकतवर और समझदार प्रजाति है। हेयस में अधिकतर हिस्सों में इनकी ही जनसँख्या सबसे ज्यादा है।"

धर्मा ने सोचा की ऐंजलन ही अपने आप में इतने ताकतवर और अद्वितीय है तो बाकि प्रजातियां कैसी होंगी?

ज़ोरो ने धर्मा का मन पढ़ लिया और बोला, "दूसरी प्रजाति है सेन्टॉरस।"

सेन्टॉरस का विज़न धर्मा को प्राप्त हुआ और उसने देखा की सेन्टॉरस पृथ्वी के काल्पनिक पात्र के जैसे ही थे आधे मनुष्य और आधे घोड़े। सेन्टॉरस बहुत तेज भाग सकते थे और शक्तिशाली थे, इसलिए इनकी सामान्यत फौज में बहुतायत थी।

ज़ोरो ने आगे मानसिक सन्देश के द्वारा बोला, "मालिक मैं और आप फ्लेशी है।"

फिर ज़ोरो ने फ्लेशी का विज़न प्रेषित किया। धर्मा ने देखा फ्लेशी बिलकुल ही पृथ्वी के मनुष्य की तरह थे।

ज़ोरो ने बोला, “मालिक ये तीन प्रजातियां धीरे धीरे इरीट्रिया के हेयस और पूरे ग्रीनलैंड में फ़ैल गयी। हालाँकि इनकी उत्पत्ति ग्रीनलैंड भू-भाग पर हुई थी। समुद्री जीव इन्हे जमीनी प्रजाति बोलते है। “

धर्मा ने कहा, “इरीट्रिया सही में एक काम्प्लेक्स प्लेनेट है।“

धर्मा को अचानक एक शब्द ने विचलित किया और उसने आश्चर्य से पूछा, "समुद्री जीव इन्हे जमीनी प्रजाति कहते है, मतलब जो चौथी इंटेलीजेंट प्रजाति तुम्हें मुझे बताना बाकी है वो समुद्र पर रहती है।”

“मालिक आप सच में बहुत स्मार्ट है। बस वो चौथी प्रजाति समुद्र पर नहीं, समुद्र के अंदर समुद्र तल पर रहती है।"

धर्मा के आश्चर्य की सीमा न रही। उड़ने वाले मानव और आधे घोड़े आधे मानव तक तो ठीक था, परन्तु ये क्या प्रजाति है जो समुद्र तल पर रहती थी।

ज़ोरो ने एक विज़न प्रेषित किया। धर्मा ने देखा इरीट्रिया के समुद्र तलो के नीचे भी सभ्यता बसी हुई है। धर्मा ने देखा ये लोग आधे मनुष्य और आधी मछली थे। ये बहुत बड़े और ताकतवर थे। ये बहुत तेजी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर तैर के जा सकते थे।

ज़ोरो ने मानसिक तरंगो से ही विज़न भेजते हुए बोला, "ये हैं ऐक्यान, ये लोग बहुत ही ताकतवर और पराक्रमी है।"

धर्मा ने देखा समुद्र तल पर अनेको बड़े बड़े शहर बने हुए है। ऐसे विशालकाय भवन, ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी बड़ी ट्रैन शायद एक देश से दूसरे देश में जाने के लिए, शहरो में यहाँ वहां भागते और तैरते आधे मनुष्य आधी मछली जैसे प्रजाति के लोग। यह सब कुछ एक अलग ही नज़ारा पेश कर रहा था।

अधिकतर लोग खुद ही तैर कर दूरियां पार कर रहे थे। कुछ लोगो के पास उनकी बेल्ट से बंधा हुआ कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस था जिसके जरिये

वो लोग तेजी से कृत्रिम पावर के बल पर बहुत तेजी से तैर पा रहे थे। धर्मा ने कभी इतनी विकसित सभ्यता की पानी के नीचे कल्पना भी नहीं की थी। पृथ्वी पर उसने जो कहानियां पढ़ी थी उसमे भी ऐसी किसी सभ्यता का जिक्र नहीं था जो संपूर्ण समुद्र तल पर फैली हुई हो। जैसे पृथ्वी पर मनुष्य अलग अलग देशो में बटा हुआ था परन्तु फिर भी समूची धरती पर मनुष्य ही राज करता था वैसे ही ऐक्यान लोग समुद्र पर राज करते थे। उनके अलग अलग कृत्रिम दैत्याकार मशीनों ने समुद्र में निश्चय ही काफी प्रदुषण किया होगा।

ज़ोरो ने विज़न प्रेषित करते करते बोला, "ज्यादातर ऐक्यान समुद्र तलो पर बने शहरो में रहते है परन्तु कुछ उथले पानी में भी रहते जिन्होंने हेयस के किसी न किसे देश की नागरिकता ले रखी है।"

धर्मा बोला, "वास्तव में इरीट्रिया तो बहुत ही जटिल प्लेनेट है। इसको समझने के लिए तो समय चाहिए। "

ज़ोरो ने विज़न भेजने बंद कर दिए और कहा, "मालिक आप थक गए होंगे। मुझे लगा ही नहीं की कितना समय हो गया है। आप आराम कर ले। मैं आपको कुछ घंटो बाद फिर मिलूंगा।"

धर्मा ने कहा, "ठीक है तुम भी आराम कर लो।"

ज़ोरो ने कहा, "मालिक मैं फ्लेशी हूँ और फ्लेशी बहुत ही कम सोते है।" धर्मा को समझ नहीं आया उसे क्या बोलना चाहिए। वो भी फ्लेशी था या मानव या पता नहीं क्या। धर्मा ने हाथ हिला कर बाय का इशारा किया। ज़ोरो उस कमरे से चला गया। धर्मा बिस्तर पर लेटा रहा तभी उसकी नज़र सामने रखी कुछ किताबों पर पड़ी। धर्मा ने अकस्मात ही एक किताब को उठा लिया हालाँकि वो खुद ही गहन चिंतन में चला गया।

धर्मा को नहीं पता था की ज़ोरो सच बोल रहा है या उसे कोई कहानी सुना रहा है। सच में क्या ज़ोरो ये मानता है की जिस व्यक्ति को उसने इतनी आसानी से किडनैप कर लिया वह उसे किसी खतरनाक दुश्मन से बचा सकता

है। धर्मा कशमकश में था। उसे समझ नहीं आ रहा था की उसे क्या करना चाहिये। उसे लगा उसे जनक 290 को कण्ट्रोल करके यहाँ से वापस पृथ्वी पर चले जाना चाहिए।

तभी जनक 290 ने उसे टेलीपैथी के द्वारा सन्देश प्रेषित किया, "ऐसा मत सोचना क्योंकि मैं ऐसा सोचने वालो को भी दण्डित करता हूँ फिर चाहे वो सन ऑफ गॉड ही क्यों न हो।"

धर्मा के आश्चर्य की सीमा न रही। उसको समझ आ गया की वो फस चूका है। धर्मा के पास अब कोई चारा नहीं था। उसे इस कहानी के साथ ही आगे बढ़ना था। उसको बस ये समझ नहीं आ रहा था की यदि ज़ोरो झूट बोल रहा है और कोई हिडन एजेंडा है तो गायत्री देवी और मेजर तेज प्रताप उसके माता पिता ने क्यों इसमें ज़ोरो का साथ दिया। धर्मा शंकित था की आगे क्या होने वाला है। धर्मा को अपने माता पिता की भी बहुत याद आ रही थी। उसे यकीन ही नहीं हो रहा था की उन लोगो को कुछ हो गया होगा।

~~~

अध्याय दो - मेज़ोल पर लैंडिंग

जनक 290 तेजी से प्लेनेट मेज़ोल की तरफ बढ़ रहा था। धर्मा अभी तक अपनी नकारात्मक कश्मकश में ही घूम रहा था जब उसे अहसास हुआ की इस नकारात्मकता से बाहर आने के लिए उसे अपने मन को कही लगाना पड़ेगा। उसने उस किताब पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया जो उसने अकस्मात ही उठाई थी। उसे लगा किताब पढ़ने से मन भी बहल जाएगा और उसे नींद भी आ जाएगी।

वह उस किताब का निरिक्षण करने लगा। वह किताब कुछ पुरानी सी लग रही थी। धर्मा ने एक एक कर चारो किताबो को देखा सभी बहुत पुरानी लग रही थी और उनकी लिखाई कुछ समझ नहीं आ रही थी। तभी धर्मा को टेलीपैथी हुई। "यह पुस्तके प्राचीन फ्लेशी लिपि में लिखी गयी है। यह ड्रोइड आपको इसका अनुवाद सीधे सीधे मानसिक तरंगो से कर देगा।"

जनक 290 ने धर्मा के मन की बात पढ़ ली थी और एक ड्रोइड यानि छोटा रोबोट धर्मा की तरफ बढ़ा और उसने धर्मा से चारो पुस्तके ले ली।

धर्मा आश्चर्यचकित हो गया। जनक 290 बहुत ही विकसित स्पेस शिप था। ऐसा कुछ भी धर्मा ने पहले कभी नहीं देखा था। ड्रोइड यानि छोटे रोबोट ने पुस्तकें पढ़ी और धर्मा को मानसिक तरंगो से उन चारो किताबों के बारे में बताने लग गया। धर्मा को धीरे धीरे सब कुछ समझ आ गया था।

वो चारो पुस्तकें इरीट्रिया की सभ्यता के बारे में थी। कैसे ऐंजेलन, सेन्टॉरस और फ्लेशी की उत्पत्ति और विकास ग्रीनलैंड पर हुआ। कैसे पक्षीवृंद से ऐंजेलन का विकास हुआ। कैसे पक्षी धीरे धीरे मानवरूपी इंटेलीजेंट प्रजाति में विकसित हो गए और पूरे ग्रीनलैंड पर फ़ैल गए।

जहाँ एक और ऐंजेलन का विकास हो रहा था वही अश्ववृन्द से सेन्टॉरस का विकास भी धीरे धीरे हो रहा था। ऐंजेलन तथा सेन्टॉरस के मध्य अनेको युद्ध भी होते थे, परन्तु क्योंकि ऐंजेलन उड़ सकते थे और चार हाथों से हमला कर सकते थे इसलिए सेन्टॉरस ऐंजलन का मुकाबला नहीं कर पाए और भू भाग पर ये स्थापित हो गया था की ऐंजेलन शक्तिमान है और वो ही राज योग के काबिल है। ऐंजेलन राजा के वंशज ही धीरे धीरे अलग अलग भू भागो में शासन करने लगे। धीरे धीरे ग्रीनलैंड पर ऐंजेलन प्रजाति का शासन स्थापित हो गया। ऐंजलन ही राजा, मंत्री तथा अन्य राजकीय पदों पर आसीन होते थे। शासन, राजनिति, उच्च सेना के पद, कला, विद्या आदि में हर तरफ ऐंजलन की ही बहुतायत थी। सेन्टॉरस सेना के निचले पद के सैनिक, कृषक, काश्तकार, लोहार, शिल्पकार आदि में निपुण हो गए। ग्रीनलैंड की सभ्यता इन्ही ऐंजलन और सेन्टॉरस के इर्द गिर्द घूमने लगी और विकसित होने लगी।

धर्मा को आश्चर्य हुआ की फ्लेशी का समाज में बहुत ही निचला स्थान था। फ्लेशी जो पृथ्वी के मानव की तरह दिखते थे और धर्मा को उनसे विशेष लगाव हो गया था वो ऐंजलन प्रधान दुनिया में बिलकुल ही निम्न श्रेणी पर थे।

धर्मा ने जाना की फ्लेशी का विकास कैसे हुआ था। कुछ मछलियाँ धीरे धीरे भू पर आ गयी और जैसे पृथ्वी पर मानव का विकास इन जलीय जीवों से हुआ वैसे ही इरीट्रिया पर भी इन जलीय जीवो से मनुष्य रूपी फ्लेशी का विकास हुआ।

हालाँकि जमीन पर रहने वाले फ्लेशी ऐंजेलन और सेन्टॉरस दोनों से ही कमज़ोर थे इसलिए इन लोगो का जीवन कठिन था। अधिकतर फ्लेशी या तो ऐंजेलन राज घराने के लोगो के सेवक बने या फिर उन्होंने सन्यासी जीवन ले लिया और जंगलो में कुटिया में रहे।

बहुत सी मछलिया जमीन के विकास क्रम में विकसित नहीं हो पायी और वापस समुद्र में चली गयी। इन मछलियों से धीरे धीरे एक्यान प्रजाति का विकास हुआ जिन्होंने समुद्र तल को अपना घर बना लिया और धीरे धीरे जैसे पृथ्वी पर मनुष्य का साम्राज्य स्थापित हो गया वैसे ही एक्यान ने समुद्र पर राज करना शुरु कर दिया।

धर्मा ने जान लिया था की ग्रीनलैंड पर जब ऐंजलन का शासन हो गया और एक सुचारु सभ्यता स्थापित हो गई, तो कई पीढ़ियों बाद ऐंजलन राज पुत्रो में आपस में सत्ता का भयंकर खुनी संघर्ष चालू हो गया था। तब बहुत से ऐंजलन उड़ उड़ कर हेयस भू भाग में जा कर छुप गए थे।

हेयस भू भाग ग्रीन लैंड जितना उपजाऊ नहीं था। वहां या तो बड़े बड़े रेगिस्तान थे या बड़ी बड़ी पर्वत श्रंख्लायें। या तो बहुत गर्म या अत्यधिक ठंडा तथा वहां पर बहुत ही खतरनाक और विशालकाय जानवर थे।

इन सब कठिनाईओं के बावजूद भी जो ऐंजलन शरणार्थी ग्रीनलैंड से भाग कर आ गए थे, उन्होंने हेयस भू भाग को अपना स्थायी घर बना लिया था। इन लोगो ने अनेको ऐसे हथियार बना लिए जो ग्रीनलैंड के ऐंजलन ने भी नहीं सोचे थे। जैसे बारूद से चलने वाली बड़ी तोप, क्योंकि वो विशालकाय और मांसभक्षी जानवर इन्हे अन्यथा अपना शिकार बना रहे थे। वो बड़े जानवर इन बहुत ही खतरनाक हथियारों से ही मारे जा सकते थे। इन ऐंजलन लोगो ने धीरे धीरे कई आविष्कार किये और देखते ही देखते हेयस भू भाग ग्रीनलैंड से बहुत ही ज्यादा विकसित और उन्नत हो गया था।

हेयस पर अलग अलग सात देश थे, और ग्रीनलैंड से इतर वहां राजा का पुत्र राजा नहीं बनता था बल्कि चुनाव होते थे। बहुत से फ्लेशी जो की ग्रीनलैंड में ऐंजलन राज घरानो की चाकरी से दुखी हो गए थे, वो भी हेयस पहुँच गए परन्तु उनकी स्थिति वहां भी कुछ ज्यादा सुधरी नहीं थी। सेन्टारस को हालाँकि हेयस पर एक अलग देश मिल गया था जिसका नाम था सेंटारी लैंड।

हेयस के सात देश अपने अपने प्रतिनिधि या सत्रप को चुनते और वो सातों अपने में से एक को पूरे हेयस भू भाग का महा-सत्रप चुनते थे। जिस समयकाल की वो किताबे थी उनके मुताबिक हेयस का महा सत्रप था महाराजा, सेंटारी लैंड का सत्रप रांका और ग्रीनलैंड का राजा किंग हीरा था। ग्रीनलैंड में सभी व्यापारियों का नेतृत्व क्वीन जोबा करती थी और योगी बाबा उन फ्लेशी लोगो का गुरु था जो ग्रीनलैंड के जंगलो में सन्यासी जीवन बिताते थे।

महाराजा एक ऐंजलन था और हेयस भू-भाग का सबसे ज्यादा शक्तिशाली व्यक्ति था। उसके समय पर ही फ्लेशी लोगो को दंगो में मारा गया और उसी के समय में एलियन हमला हुआ था।

इधर समुद्र पर एक अलग ही सभ्यता ने जन्म ले लिया था और वो ऐक्यान लोग आपस में बहुत ही लड़ते थे। वो एक लड़ाकू प्रजाति थी। वो कई बार तो समुद्र पर चल रहे जहाजों को भी लूट कर समुद्र में सामान ले जाते थे। इनकी इस आपसी लड़ाई को रोकने के लिए परम गुरु नामक उन सबके के नेता ने प्रमुख भूमिका निभाई। परम गुरु ने न सिर्फ ऐक्यान के आपसी झगडे मिटाये अपितु धरती पर रहने वाले लोगो से भी ऐक्यान लोगो के रिश्ते बहुत अच्छे कर दिए। महाराजा और परम गुरु बहुत अच्छे दोस्त बन गए थे।

धर्मा को इतना तो समझ आ गया था की इरीट्रिया भूमि पर ऐंजलन की चलती थी और समुद्र पर एक्यान की, और धर्मा को ये भी समझ आ गया था की ऐंजलन में भी हेयस भू भाग ज्यादा विकसित था इसलिए जमीन पर रहने वाले सभी लोगो में महाराजा ही सबसे शक्ति शाली था।

साथ ही धर्मा ने जाना की ऐंजलन, सेन्टॉरस और एक्यान सभी मूर्ति पूजा करते है और मुर्तिया बनाने के लिए एक विशेष मटेरियल का प्रयोग करते थे - पवित्र ब्लैक स्टोन; जबकि फ्लेशी लोग मूर्ति पूजा के विरुद्ध है। वो सिर्फ बोफ में भरोसा करते है और उनके लिए मूर्ति पूजा करना बहुत बड़ा पाप है।

कई बार फ्लेशी लोगो को दंगो में मारा गया, परन्तु अधिकतर उनको बचाने वाले भी वो ही मूर्ति पूजा करने वाले लोग ही होते थे।

धर्मा को जिस प्रजाति ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया था वो थी एक्यान। समुद्र तल पर बसी ये प्रजाति हेयस के जैसी ही थी, अति उन्नत और बहुत शक्तिशाली। पानी के अंदर उनको कोई नहीं हरा सकता था। परम गुरु वास्तव में बहुत शक्तिशाली था जो पूरे एक्यान का प्रतिनिधित्व करते थे और सबसे ज्यादा पूज्यनीय थे। महाराजा और परम गुरु की दोस्ती भी हेयस और एक्यान लोगो के आर्थिक तरक्की के लिए बहुत मददगार साबित हो रही थी।

धर्मा को इरीट्रिया की कहानी बहुत ही जटिल लगने लगी थी। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था। क्या वो खुद एक फ्लेशी है। क्या उसे बोफ में मानना चाहिए, क्या फ्लेशी लोगो पर इरीट्रिया के ही अन्य लोग अत्याचार कर रहे थे, तो इन सब में नोकोईविड कहाँ से आ गया। धर्मा पूरी तरह से भ्रमित हो गया था। उन किताबो ने उसे कुछ ज्ञान देने के बदले बहुत ही ज्यादा परेशान कर दिया था।

अब सिर्फ एक ही किताब बची थी जो धर्मा ने नहीं पढ़ी थी। वो एक स्वर्णिम कवर में रखी हुई थी। धर्मा ने वो किताब निकाली और उस ड्रोइड असिस्टेंट को दी, उस ड्रोइड ने किताब का शीर्षक पढ़ा, "बोफ" इससे पहले वो ड्रोइड आगे पढता धर्मा ने वो किताब ले ली और उसे वापस कवर में डाल दिया। धर्मा को बहुत तेज नींद आ रही थी। इरीट्रिया की जटिल प्रजातियों और सभ्यता ने उसे बुरी तरह से परेशान कर दिया था।

धर्मा सो गया और जल्द ही सपनो की दुनिया में खो गया। इरीट्रिया और उसकी अलग अलग सभ्यताए उसे सपने में भी नज़र आ रही थी। उड़ता हुआ महाराजा, तैरता हुआ परम गुरु और कुटिये में बैठे योगी बाबा तीनो धर्मा को कह रहे थे तुम फस गए हो।

धर्मा को समझ आ गया ये प्लेनेट जिसका नाम पृथ्वी के देश से मिलता है, न सिर्फ जटिल है अपितु बहुत ही खतरनाक। नोकोईविड ने इन लोगो को गुलाम बना रखा है और ये चाहते थे है की एक फ्लेशी जिसको ये लोग सबसे कमज़ोर मानते है आ कर इन्हे उस खतरनाक नोकोईविड की गुलामी से आज़ाद कराये।

ये सब धर्मा को एक बहुत ही बड़ा षड़यंत्र लग रहा था। वो इन्ही उधेड़बुन में कब गहरी नींद में चला गया उसे पता भी नहीं चला। वह तक़रीबन 15 घंटो तक सोता रहा।

&

जॉली ने अपनी ब्लैकरॉक कार को मानसिक आदेश दिया और वह कार एक बहुत ही बड़े टेंट रूपी घर में बदल गयी। उस टेंट रूपी घर में छह कमरे थे और जॉली केंद्र के एक कमरे मैं बैठा हुआ था। जॉली के आस पास बहुत सारे उपकरण और अनेको अलग प्रकार के हथियार थे। लौरा, जॉली की गर्ल फ्रेंड भी जॉली के साथ थी। लौरा को नहीं पता था की जॉली यहाँ इस उजाड़ मेजोल गृह के एक वीरान रेगिस्तान में क्या कर रहा था। टेंट के बाहर का रेगिस्तान बुरी तरह से तप रहा था। क्या जॉली इसको इंटरेस्टिंग डेट बोलता था?

लौरा जो ऐंजलन प्रजाति की थी वो कुछ दिनों पहले ही जॉली के संपर्क में आयी थी जब जॉली इरीट्रिया पर था। जॉली एक नामूह[2] था (मनुष्य रूपी प्रजाति जो Xor में विकसित हुई) और एक बहुत ही प्रशिक्षित जासूस। जॉली डायस का सबसे चहिता जासूस था, क्योंकि वो बहुत ही ज्यादा चालाक और कुटिल था और इसलिए भी क्योंकि जॉली के पिता नोकोईविड के सबसे ख़ास आदमियों में से एक थे - मिनिस्टर ऑफ़ नियो Xor - मतलब इरीट्रिया

[2] मतलब जानने के लिए देखें :- अनुलग्नक 3 - शब्दकोश और मुख्य किरदार – प्रविष्टि 8

जैसे बहुत से ग्रहो के प्रशासनिक अधिकारी। अनेको गृह उनके प्रशासनिक नियंत्रण में थे, साथ ही उन ग्रहो का सारा कर और वित्त उनके ही नियंत्रण में था।

जॉली हमेशा अपने वफादार रोबोट असिस्टेंट को अपने साथ रखता था। जॉली ने रोबोट असिस्टेंट को कुछ मानसिक सन्देश दिए और उसने उपकरण आदि को व्यवस्थित करना तय कर दिया। जॉली की मानसिक सन्देश देने की कला इतनी निपुण थी की वो जिसे चाहे उसे ही वो सन्देश मिलते थे। लौरा को पता भी नहीं चल रहा था की जॉली और उसका रोबोट क्या बाते कर रहे है। हालाँकि लौरा को भी मानसिक सन्देश से बाते करना आता था जैसा अब अधिकतर फ्रां गैलेक्सी के इंटेलीजेंट जीवो को आता था, परन्तु जॉली के सन्देश को कोई मशीन भी पकड़ ले, संभव नहीं था।

लौरा ने थोड़ी देर इंतज़ार किया फिर उसके सब्र का बाँध टूट गया। उसको लग गया की जॉली अपने कार्य में ही इतना ज्यादा व्यस्त है वो उससे कुछ समय ही नहीं दे रहा।

लौरा ने झिल्ला कर बोला, "तो क्या ये तरीका है तुम्हारा मेरे साथ समय बिताने का।"

जॉली ने उसे थोड़ा इग्नोर किया और अपने रोबोट असिस्टेंट को कुछ आवश्यक निर्देश देने लग गया। लौरा को ये बात बहुत ही बुरी लगी की जॉली उसे ज्यादा तवज्जो उस रोबोट को दे रहा था। इसका मतलब जॉली अपने काम को अपनी गर्ल फ्रेंड के ऊपर प्रमुखता दे रहा था।

"जॉली तुम मुझे पहले बता देते तो मैं तुम्हारे साथ इस उजाड़ प्लेनेट पर नहीं आती।" लौरा अत्यधिक गुस्से में बोली। "मैं इरीट्रिया में ही खुश थी। वो कोनसा मनहूस दिन था जिस दिन मैंने तुम्हारे साथ मेज़ोल आने का फैसला किया।"

जॉली बहुत ही प्रशिक्षित जासूस था उसने अनेको खतरनाक मिशन अकेले ही अंजाम दे दिए थे। वो डायस का चहेता था और पूरे Xor साम्राज्य में ऐसा कोई नहीं था जो उससे पार पा जाए; परन्तु लड़कियों के पास एक अलग शक्ति होती है, ये जॉली को शायद मालूम नहीं था। उसने खतरनाक अपराधियों को पकड़ा होगा परन्तु गर्ल फ्रेंड को समझा पाना उसके बस की बात नहीं थी। लौरा का रौद्र रूप देख कर जॉली के चेहरे की हवाइयां उड़ गई थी।

"डार्लिंग स्वीट हार्ट बस कुछ मिनट में ही यह सब ख़त्म और मैं तुम्हारे साथ समय बिताऊंगा।"

"नहीं मुझे तुम्हारे साथ कुछ समय नहीं बिताना। मैं इस रेगिस्तान में पानी ढूंढ़ने जा रही हूँ। तुम्हें तो मेरे से कोई मतलब है ही नहीं।

"स्वीटहार्ट ऐसा नहीं है...”

"कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है।" लौरा ने अत्यंत गुस्से में जॉली के शब्दों को काटते हुए बोला।

जॉली को समझ आ गया था की उसे काम रोक कर पहले लौरा के साथ कुछ समय बिताना पड़ेगा। लौरा को आखिर वो साथ ले कर आया था तो ये उसकी जिम्मेदारी बनती है की वो लौरा को थोड़ा समय तो दे।

जॉली ने काम रोक दिया और लौरा को बोला, "चलो स्वीटहार्ट अंदर वाले कमरे में चलते है जहाँ होंगे केवल तुम और मैं। ये काम वगैरह सब बाद मे।"

लौरा खुश हो गयी थी। वो जॉली से साथ समय बिताने आयी थी, जॉली को काम करते रहने देने नहीं। दोनों अंदर रूम में चले गए और रोबोट असिस्टेंट अपने ही किसी काम में लग गया। उस असिस्टेंट को बिना जॉली के निर्देशों के नहीं पता था की कैसे उस टारगेट की मॉनिटरिंग करे, क्योंकि वो टारगेट भी बहुत ज्यादा कुटिल और चालाक था।

यदि वो रोबोट असिस्टेंट कोई मानव होता तो उसे गुस्सा आता की ऐन मौके पर लौरा जॉली को भटका कर ले गयी। इससे उस चालाक टारगेट को अपनी जगह बदलने का मौका मिल जाएगा। मेज़ोल बहुत बड़ा गृह था और बड़ी मुश्किल से ही वो लोग उस टारगेट को ढून्ढ पाए थे।

&

जब धर्मा की नींद खुली तो धर्मा को लगा की वह पूरी तरह से ऊर्जावान हो चूका है। उसका ध्यान बोफ की तरफ गया। उसने फिर वह पुस्तक उठाई और ड्रोइड रोबोट को देने लगा ताकि वो रोबोट मानसिक तरंगो से समझा सके; परन्तु फिर धर्मा को न जाने क्या लगा उसने बोफ को एक तरफ रख दिया। धार्मिक पुस्तके उसे ज्यादा पसंद नहीं थी। धर्मा को नहीं पता था की ज़ोरो उसे देख रहा है। ज़ोरो उसको हर पल मॉनिटर कर रहा था। ज़ोरो को जब लगा की धर्मा बोफ को नहीं पढ़ रहा तो उसने धर्मा के रूम में अपने आप को बीम कर लिया।

"मालिक आपने बोफ नहीं पढ़ी।" ज़ोरो ने पूछा।

धर्मा को थोड़ा अजीब लगा की ज़ोरो को कैसे पता चल जाता है की धर्मा क्या कर रहा होता है। वह हर बार धर्मा के पास इतनी जल्दी कैसे पहुँच जाता है। धर्मा सोच में पड़ गया।

ज़ोरो ने धर्मा का मन पढ़ लिया और बोला, "मैं आप पर हर पल नज़र रखता हूँ।"

ज़ोरो को यह बोलने में कोई शर्म नहीं थी की वो धर्मा की प्राइवेसी में दखल दे रहा था।

"कोई बात नहीं। मुझे ये बताओ की मैं कहा नहाऊँ।" धर्मा ने बात को बदलते हुए बोला।

"मालिक आप पास वाले चैम्बर में चले जाइये।"

धर्मा पास वाले चैम्बर में चला गया। वो एक बहुत ही छोटा सा चैम्बर था। जनक 290 में काफी उजाला था परन्तु इस चैम्बर में काफी अँधेरा था। एक छोटी अँधेरी गुफा सा था ये चैम्बर। धर्मा को नहीं पता था की कैसे इस अँधेरे चैम्बर में वो नहा सकेगा या अपने नित्य कर्म कर सकेगा। उसने आज तक कभी भी किसी स्पेसशिप में यात्रा नहीं की थी। हाँ यदि ज़ोरो उसे किडनैप नहीं करता तो शायद वो MV केरेस्टोर में सफर कर रहा होता।

तभी धर्मा से किसी ने टेलीपैथी की, "अपने कपडे उतारिये।"

धर्मा को कुछ समझ नहीं आया। फिर टेलीपैथी हुई, "अपने कपडे उतरिये।" धर्मा को समझ आ गया की जनक 290 उसे कपडे उतरने के लिए बोल रहा है। इतना ज्यादा विकसित है ये स्पेसशिप। हालाँकि धर्मा को अभी तक जनक 290 ने विस्मित कर रखा था, परन्तु उसने अपने कपडे उतार दिए।

धर्मा को लगा की बहुत सारी छोटी छोटी सुइयों से उस पर तेज किरणे डाली जा रही थी। धर्मा की बॉडी की सारी गन्दगी साफ़ हो रही थी। उसके आंतरिक हिस्से भी साफ़ हो रहे थे। धर्मा को ऐसा लगा की वह पूरी तरह से साफ़ हो चूका था। ऐसा बहुत अच्छी तरह नहाने के बाद भी नहीं होता।

तभी धर्मा को एक अलग सी गुदगुदी हुई। उसे लगा कोई बहुत छोटा जानवर या कीड़ा उसके शरीर पर चल रहा है। धीरे धीरे उसका पूरा शरीर एक अलग ही प्रकार के कपडे से ढक गया। वो कपडा फिर अपने आप ही एक टाइट टी-शर्ट और जीन्स पेंट में बदल गया। उस कपड़े का कुछ हिस्सा लाल रंग के दो जूतों में बदल गया और उन्होंने धर्मा के पैरो को ढक लिया।

धर्मा को फिर टेलीपैथी हुई, “आप बाहर जा सकते है।“

धर्मा को कुछ समझ नहीं आया। वो बाहर आ गया।

“मालिक आप पर ये पिकाबोट ड्रेस खूब फब रही है।“ ज़ोरो ने अपने दांये हाथ की तर्जनी ऊँगली और अंगूठे को जोड़ते हुए इशारा करते हुए कहा।

धर्मा को कुछ समझ नहीं आ रहा था वो बहुत ही असमंजस की स्थिति में था।

ज़ोरो को समझ आ गया उसने कहा, “मालिक जब भी हम स्पेस ट्रेवल में होते है हम ऐसे ही नहाते है और ऐसे ही साफ़ होते है।“

धर्मा को बहुत आश्चर्य हुआ। जनक 290 इतना विकसित स्पेस शिप है की वो इंसानी क्रू को साफ़ कर देता है और ऐसे पिकाबोट ड्रेस देता है। बहुत ही विकसित स्पेस शटल है।

ज़ोरो ने धर्मा का मन पढ़ लिया और बोला, “जनक 290 ने आपको साफ़ जरूर किया है परन्तु यह पिकाबोट ड्रेस मैंने आपको भेजी है। मैं आपको निर्वस्त्र कैसे देख सकता था।“

धर्मा ने सोचा, “पिकाबोट ड्रेस। बड़ा अजीब नाम है ड्रेस के लिए।“

ज़ोरो ने फिर से धर्मा का मन पढ़ लिया था, वह बोला, “पिकाबोट ड्रेस Xor प्लेनेट की खोज है। Xor साम्राज्य का 410 वां प्लेनेट इरीट्रिया है। नोकोईविड जो की Xor का सुप्रीम कमांडर है, उस ने जब इरीट्रिया को जीत लिया और नोकोईविड का शासन इरीट्रिया में स्थापित हो गया तब इरीट्रिया वासियो को बहुत सारी चीजों का पता चला उनमे से एक थी पिकाबोट ड्रेस। यह ड्रेस किसी भी कपडे का या फैब्रिक का रूप बदल सकती थी। अभी आप इसके मालिक है आप इसे जो भी मानसिक सन्देश देंगे यह ड्रेस वैसी ही बन जाएगी।“

धर्मा को आश्चर्य हुआ। ये लोग कितने विकसित है।

धर्मा ने बोला, “फिर तो मुझे ये मानसिक तरंगो से बात करने की कला जल्द ही सीखनी पड़ेगी।“

“हमें मेज़ोल पहुँचने में 44 दिन लगेंगे तब तक मैं आपको सीखा दूंगा।“

धर्मा ने जवाब दिया - मैं बहुत ज्यादा उत्सुक हूँ।

&

नोकोईविड को अभी तक वो दो यादे बहुत सताती थी। एक तरफ उसके पिता राल्फ की मौत वो भी उन्ही लोगो के हाथो जिनकी सेवा के लिए उसके पिता ने अपनी पूरी ज़िन्दगी लगा दी थी। नोकोईविड को अभी भी पिता राल्फ के अंतिम शब्द याद थे जब रॉल्फ को सजाए मौत दी जा रही थी।

"मेरी गलती सिर्फ ये थी की मैं इरीट्रिया हार गया।"

नोकोईविड इन शब्दों को कभी नहीं भूल पाया। आज तक़रीबन 400 वर्षो बाद भी उसे अपने पिता को दी जा रही सजाए मौत साफ़ साफ़ दिखती थी। दूसरा सबसे बुरा हादसा था नोकोईविड के नवजात बेटे का क्रूर बोरो द्वारा अपहरण। बोरो ने अपने ही नाती का अपहरण किया था। नोकोईविड को आज भी इस बात का दुःख था की कैसे कोई नाना अपने नाती को उसके माता पिता से अलग कर सकता है। नोकोईविड की पत्नी जो की बोरो की बेटी थी इस दुखद घटना से पहले ही एक दुर्घटना में मारी जा चुकी थी। उसके बाद बोरो ने नोकोईविड के पुत्र का भी अपहरण कर के नोकोईविड को दुनिया में अकेला कर दिया।

"यदि तुम्हारी ये खबर गलत निकली तो तुम बहुत पछताओगे।" नोकोईविड ने डायस को कहा।

डायस यदि दुनिया में किसी से डरता था तो वो नोकोईविड था। नोकोईविड अत्यंत बद्तमीज़ और बददिमाग था। वो बहुत इंटेलीजेंट था और पूरी फ्रां गैलेक्सी में नोकोईविड से इंटेलीजेंट कोई नहीं था।

डायस की इतनी भी हिम्मत नहीं थी की वो नोकोईविड के पास भी आ सके। वो नोकोईविड के विशाल चैम्बर में बहुत दूर खड़ा था। नोकोईविड डायस से कम से कम 200 फ़ीट दूर एक बहुत ऊँचे सिहासन पर बैठा था। डायस को ही अधिकार था की वो नोकोईविड के चेम्बर के अंदर आकर बात कर सके। बाकि लोगो को तो बाहर से ही मानसिक तरंगो से बात करनी पड़ती

थी। नोकोईविड कई मीटर दूर खड़े व्यक्ति से भी आसानी से मानसिक तरंगो द्वारा बात कर सकता था।

डायस डरते डरते टेलीपैथी करता है, "नहीं मेरे मालिक खबर पक्की है। टेररिस्ट बोरो मेज़ोल प्लेनेट पर ही है।"

नोकोईविड ने आक्रोश भरे स्वर में कहा, "फिर मेरी अजय सेना की टुकड़ी को आदेश दो अभी के अभी जाए और बोरो को पकड़ कर ले आये।"

डायस को पता था नोकोईविड यह ही आदेश देगा। डायस ने विनम्रता से बोला, "मेरे मालिक मैंने मेरे जासूसों को बोल दिया है वो अपना काम कर देंगे।"

"जब तुम्हारे पास अजय सेना है तो जासूसों की क्यों मदद लेनी है।" नोकोईविड ने गुस्से में कहा।

"मेरे मालिक हमने मेज़ोल के तरफ Super Space Way (सुपर स्पेस वे) नहीं बनाया है। अजय सेना को वहां पहुँचने में 55 से 60 दिन लग जायेंगे।" डायस ने बड़े गंभीर स्वर में बोला।

नोकोईविड के गुस्से की सीमा न रही, "इतने में तो वो टेररिस्ट मेज़ोल छोड़ कर जा भी सकता है। मैंने आदेश दिया था की स्पेस वे बन जाना चाहिए तुम लोगो ने इतनी लापरवाही क्यों की।"

डायस ने अत्यंत विनम्रता से जवाब दिया, "मेरे हुज़ूर हम स्पेस वे मैर्केल की तरफ बना रहे थे ताकि यदि मैर्केल से कोई आक्रमण करता है तो हम वहां जल्दी पहुँच सके। परन्तु मेज़ोल तो उलटी दिशा में है। हमें ऐसा लगा की वहां स्पेस वे बनाने का कोई मतलब ही नहीं है।"

नोकोईविड गुस्से से लाल पीला हो गया। वो बोला, "तुम जैसे निक्कमे लोगो को मैंने भर्ती कर रखा है। तुम्हें जो करना है करो परन्तु बोरो को यदि पकड़ कर ट्रायल के लिए Xor नहीं भेजा गया तो समझ लेना तुम्हें क्लाउड बिल्डिंग छोड़ कर X141 की जेल में समय बिताना पड़ेगा।"

डायस बुरी तरह डर गया था। उसे किसी भी कीमत पर बोरो को पकड़ना था। डायस को अब अपने किये पर गुस्सा आ रहा था, उसे अपना अति उत्साह भारी पड़ गया था। उसको बोरो को पकड़ने के बाद ही नोकोईविड को बताना चाहिए था। यदि अब बोरो मेज़ोल से भागने में कामयाब हो गया..., ये सोच कर ही डायस की रूह काँप रही थी। नोकोईविड की क्रूरता की कोई सीमा नहीं थी।

नोकोईविड अत्यंत बददिमाग, क्रूर और बिगड़ैल मिज़ाज़ था और वो कब क्या फैसला लेगा किसी को नहीं पता था। उसको सिर्फ एक ही लड़की नियंत्रित कर सकती थी परन्तु अफ़सोस वो भी बहुत सालो पहले मर चुकी थी। उसकी मृत्यु के बाद से नोकोईविड और भी ज्यादा अप्रत्याशित हो गया था।

नोकोईविड ने डायस को जाने का इशारा कर दिया और डायस डरते डरते अपने आधे मशीन आधे मानव शरीर को ले कर चुप चाप अपने चैम्बर में आ गया।

&

धीरे धीरे दिन बीत रहे थे और ज़ोरो धर्मा को मानसिक तरंगो से बात करना सीख रहा था। फ्रां गैलेक्सी की सभी इंटेलीजेंट प्रजातियां अब मानसिक तरंगो से ही बातें करती थी। धर्मा भी बहुत जल्दी ही ये कला सीख रहा था।

कुछ दिनों में धर्मा ने मानसिक तरंगो द्वारा टेलीपैथी करना सीख लिया। उसने ज़ोरो को टेलीपैथी के जरिये सन्देश दिया, "जब इरीट्रिया में ऐंजेलन, सेन्टॉरस, फ्लेशी और पानी के अंदर ऐक्यान जैसे विकसित लोग थे तो नोकोईविड और Xor के लोग तो बहुत ही विकसित होंगे।“

ज़ोरो खुश हुआ की बहुत ही जल्द धर्मा ने टेलीपैथी करना सीख लिया है। वो वास्तव में दो दुनिया का वारिस था - दो दुनिया का ज्ञान और ऊर्जा लिए हुए।

“हाँ मालिक। हालाँकि Xor के लोग दिखने में फ्लेशी या पृथ्वी के मानव जैसे ही दीखते है। इरीट्रिया के लोगो ने मानसिक तरंगो से बाते करना Xor के लोगो से ही सीखा था। Xor और इरीट्रिया के दूसरे युद्ध के बाद।“ ज़ोरो ने मासूमियत से धर्मा के प्रश्न का उत्तर दिया।

“दूसरा युद्ध।“ धर्मा ने आश्चर्यचकित होकर बोला।

“हाँ मालिक। Xor और इरीट्रिया के बीच दो युद्ध हुए और दूसरे युद्ध के बाद Xor का इरीट्रिया पर कब्ज़ा हो गया तब से इरीट्रिया के लोग Xor के और नोकोईविड के अधीन हो गए और नोकोईविड ने सब लोगो को मानसिक तरंगो से बात करना सीखा दिया।“ ज़ोरो ने टेलीपैथी के जरिये जवाब दिया।

“दूसरा युद्ध के बाद इरीट्रिया पर Xor का कब्ज़ा हुआ तो पहले युद्ध में क्या हुआ।“ धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

“पहला युद्ध हम जीत गए थे।“ ज़ोरो ने उत्साहित हो के जवाब दिया।

धर्मा के आश्चर्य और चिंता की कोई सीमा न रही। ये लोग जो एक बार नोकोईविड को हरा चुके है अब चाहते है की धर्मा उनके लिए युद्ध जीते। क्या ये बिलकुल ही पागल है?

ज़ोरो ने धर्मा की मन की बात पढ़ ली। वो जानता था की धर्मा को अभी सिर्फ मानसिक तरंगो से बात करना आता है किन्तु दुसरो से छुपाना नहीं आता।

“मालिक पहले युद्ध में नोकोईविड को नहीं हमने नोकोईविड के पिता राल्फ को हराया था। उनका बदला लेने के लिए नोकोईविड ने हम पर हमला कर दिया।“

धर्मा पूरी तरह से कंफ्यूज़ हो गया था। राल्फ और Xor को ये लोग एक बार हरा चुके है। तो वो धर्मा से क्या चाहते है?

ज़ोरो ने आगे कहा, “नोकोईविड को हराना हमारे लिए मुश्किल है क्योंकि उसके पास क्विड नामक हथियार है जिससे वह पूरी गैलेक्सी को एक साथ मिटा सकता है।“

धर्मा ने डरते हुए कहा, “क्या ...। पूरी गैलेक्सी को एक साथ ख़त्म कर सकता है। उससे मैं कैसे लडूंगा।“

“मालिक आप सन ऑफ गॉड हो। बोफ कहती है की आप नोकोईविड को आसानी से ख़त्म कर देंगे।“

धर्मा को अब अजीब सी शंका होने लगी। यह पूरी कहानी एक बहुत बड़ा स्कैम है। यह लोग जो एक बार नोकोईविड के पिता को हरा चुके है अब ये मानते है की पृथ्वी पर पल रहा बालक आ कर नोकोईविड को हरा सकता है - वो भी उस नोकोईविड को जो चाहे तो पूरी गैलेक्सी को एक बार में ख़त्म कर सकता है।

धर्मा का दिल पूरी तरह बैठ गया। उसे समझ ही नहीं आ रहा था की वो कैसे इतने शक्ति शाली दुश्मन का मुकाबला कर सकता है। इन लोगो ने उसे कहाँ फसा दिया है। धर्मा ने धीरे धीरे अपने आप को संभाला और ज़ोरो को कहा की उसे मानसिक सन्देश को छुपाना भी सिखाये।

समय धीरे धीरे बीतता गया और जल्द ही जनक 290 ने ऐलान किया - हम मेज़ोल पहुंच चुके है। ज़ोरो के ख़ुशी की सीमा न रही और धर्मा के डर और शंका की।

&

जॉली को सभी उपकरण सही लग रहे थे। एक बार उसका टारगेट उसको चकमा दे कर निकल चूका था, इसलिए जॉली कोई चांस नहीं लेना चाहता था। क्योंकि उसे वापस से उस टारगेट की ट्रेल जानने में कई दिन लग गए थे। जॉली वापस कोई गलती नहीं कर सकता था।

उसकी गर्लफ्रेंड लौरा को समझ नहीं आ रहा था की जॉली किसका पीछा कर रहा था और बार बार वो उस ब्लैकरॉक कार से मेज़ोल के अलग अलग स्थान पर क्यों घूम रहा था।[3]

जॉली अपने इंस्ट्रूमेंट्स को बार बार क्रॉस चेक कर रहा था। उसकी ब्लैकरॉक कार अभी भी टेंट रुपी घर में बदल रखी थी। लौरा फिर से काफी ज्यादा बोर हो रही थी। उसके पास करने को कुछ नहीं था। जॉली वापस अपने काम में व्यस्त हो गया था।

उसने अपने रोबोट असिस्टेंट को मानसिक सन्देश दिया, "टारगेट ने अपना स्थान बदल लिया, परन्तु उसे नहीं पता की मैंने उस पर डबल सर्वेलेंस लगा रखी है। मैंने इन इंस्ट्रूमेंट्स को वापस से टारगेट पर सेट कर दिया है।"

जो बाते जॉली अपने असिस्टेंट को बोल रहा था वो लौरा नहीं सुन पा रही थी। जॉली अपने रोबोट असिस्टेंट से हमेशा ही सिक्योर मेन्टल वेव्स से बात करता था। लौरा को ये बात बिलकुल पसंद नहीं आती थी।

उसने आखिर कार गुस्से में बोल दिया, "तुम मुझे अपने साथ क्यों लाये हो जब तुम्हें मेरे साथ कोई टाइम स्पेंड ही नहीं करना था।

“अरे बस यह इंस्ट्रूमेंट्स एक बार सेट हो जाए फिर मुझे कुछ नहीं करना।“ जॉली ने प्यार से बोला।

“इंस्ट्रूमेंट सेट हो जाए फिर यहाँ इस बेजान जंगल में तुम मेरे साथ क्या टाइम स्पेंड करना चाहते हो।“ लौरा अत्यधिक गुस्सैल स्वर में बोली।

लौरा काफी ज्यादा बैचेन हो रही थी, इसलिए जॉली को बोलना पड़ा, “अरे स्वीटहार्ट मुझे एक टारगेट का पीछा करना है। बस इंस्ट्रूमेंट सेट होते ही मेरा काम ख़त्म फिर बस बैठना है और कुछ नहीं करना है।“

“तुम किस टारगेट का पीछा कर रहे हो।“ लौरा ने पूछा।

---

[3] मतलब जानने के लिए देखें :- अनुलग्नक 3 - शब्दकोश और मुख्य किरदार – प्रविष्टि 47

जॉली ने कुछ जवाब नहीं दिया और अपना काम करने में लग गया। लौरा उसे नाराज़गी भरी नज़र से देखती रही। जॉली अपने ड्रोइड रोबोट के साथ बात कर रहा था परन्तु वह सिक्योर मेन्टल वेव्स से टेलीपैथी कर रहा था। लौरा बहुत ही कोशिश कर रही थी परन्तु जॉली और उसके रोबोट असिस्टेंट के बीच की बाते वो नहीं पकड़ पा रही थी।

जॉली अजय सेना का एक प्रमुख स्पाई था। उसे जिसे भी मेन्टल वेव्स से जो भी सन्देश देना होता था वो दे सकता था। कोई भी उसका मेन्टल सन्देश आसानी से पकड़ नहीं सकता था। इसलिए लौरा चाह कर भी जॉली और उसके रोबोट असिस्टेंट के बीच की बातो को जान नहीं पा रही थी।

"यदि तुम्हें इस टिन के डब्बे के साथ ही बात करनी है तो मुझे यहाँ क्यों लाये।" लौरा गुस्से में बोली। "इस बेजान जगह पर; इस फालतू प्लेनेट मेज़ोल पर। तुम किस टारगेट का पीछा कर रहे हो।"

जॉली काम करते करते रुक गया और लौरा के पास आ कर बोला, "तुम्हें पता है की मैं यह सब तुम्हें नहीं बता सकता। इतना समझ लो मेरा काम बस हो गया है और मुझे टारगेट को सिर्फ फॉलो करना है। इंस्ट्रूमेंट सेट हो गए है मैं अब तुम्हारे साथ टाइम स्पेंट कर सकता हूँ।"

लौरा ने जॉली को कस के हग किया तभी जॉली के इंस्ट्रूमेंट पर एक सिक्योर मैसेज आ गया। लौरा ने गुस्से से जॉली को देखा। जॉली ने सिक्योर मैसेज को जवाब दिया और उसने जान बूझ कर स्पीकर मोड पर रख दिया ताकि लौरा को भी मानसिक सन्देश प्रेषित हो सके।

सन्देश इरीट्रिया से एक जासूस का था, "मुझे मालूम पड़ा है की इरीट्रिया के गवर्नर कोर का मर्डर होने वाला है। सपोर्टर ऑफ़ बोफ नामक एक टेररिस्ट आर्गेनाइजेशन ने गवर्नर कोर के किसी बॉडी गार्ड को प्लांट किया है जो कोर का मर्डर करने वाला है। तुम्हें अपने पिता से बात करनी पड़ेगी और गवर्नर कोर को फंक्शन कैंसिल करने के लिए बोलना पड़ेगा।"

सन्देश ख़त्म हो गया था।

लौरा ने आश्चर्य से पूछा, “तुम्हारा ये जासूस इतनी महत्वपूर्ण जानकारी इरीट्रिया में किसी को देने की बजाय तुम्हें यहाँ मेज़ोल में मैसेज कर रहा है। जो इरीट्रिया से 1000 प्रकाश वर्ष दूर है और एक तरफ सन्देश आने में ही कई घंटे लग जाते है।“

जॉली ने मानसिक सन्देश दे कर कम्युनिकेशन बंद की। उसने लौरा की तरफ देखा और बोला, “गवर्नर कोर के प्रशासन में छोटे स्पाई की बात कोई नहीं सुनता।“

लौरा ने हाथ का इशारा करते हुए मजाकिया लहजे में बोला, “तो तुम बहुत बड़े स्पाई हो।“

तभी लौरा को अहसास हुआ की इरीट्रिया का स्पाई बोल रहा था जॉली को अपने पिता से बात करने के लिए।

“तुम्हारे पिता कौन है।“ लौरा ने जॉली का हाथ पकड़ के बोला।

“मेरे पिता मिनिस्टर ऑफ़ नियो Xor हैं।“ जॉली ने जवाब दिया।

लौरा ने आश्चर्य से बोला, “क्या। मतलब नोकोईविड प्रशासन में 25 ग्रहो के और इरीट्रिया के गवर्नर कोर के बॉस। इतने बड़े व्यक्ति के बेटे को स्पाई बनने का ख्याल कैसे आया। तुम तो कोई भी बड़ा पद आसनी से ले सकते थे। मेज़ोल जैसे इतने खतरनाक प्लेनेट में आकर जान जोखिम में क्यों डाली।“

जॉली ने जवाब नहीं दिया और अपना काम करने लग गया। लौरा उठी और बहार जाने लगी। जॉली ने लौरा का हाथ पकड़ते हुए बोला, “अरे मैं अभी फ्री हो जाऊंगा। फिर हम साथ में टाइम स्पेंड करेंगे। नाराज़ मत हो।“

लौरा ने प्यार भरे स्वर में बोला, “मैं नाराज़ नहीं हूँ। तुम बिजी लग रहे हो। फिर इस मैसेज के बाद तुम्हें अपने पिता से बात करनी पड़ेगी। उन्हें सन्देश

देना पड़ेगा। इन सब सिक्योर मैसेज में समय लगेगा तब तक मैं बाहर का एक चक्कर लगा के आती हूँ। देखु तो इस बेजान जगह पर क्या क्या नज़ारे है।"

लौरा ने जॉली को बहुत ज़ोर से हग किया और बहार निकल गयी। जॉली अपने रोबोट ड्रोइड को इंस्ट्रक्शंस देने में व्यस्त हो गया।

&

धर्मा और ज़ोरो मेज़ोल में उतर कर खाली बेजान जमीन पर तकरीबन तीन किलोमीटर तक पैदल चलने के बाद एक घर में गए। धर्मा को लगा था की वह किसी बहुत विकसित प्लेनेट में पहुंचेगा। जनक 290 ने उसे आश्चर्यचकित कर रखा था। उसने जनक 290 से ज्यादा विकसित कुछ नहीं देखा था। इसलिए धर्मा को लग रहा था की वो किसी बहुत ही विकसित प्लेनेट पर उतरेगा। परन्तु मेज़ोल बहुत ही रुखा और सूखा था।

जिस बिल्डिंग में ज़ोरो धर्मा को ले के गया वो बिल्डिंग भी टूटी फूटी और पुरानी थी। लग ही नहीं रहा था की यह किसी विकसित सभ्यता का कंस्ट्रक्शन है। पृथ्वी पर ऐसी बिल्डिंग सेकड़ो वर्ष पहले बनती थी। धर्मा ने जैसे ही बिल्डिंग में एंट्री ली उसने अपने आप को एक बहुत बड़े कमरे में पाया और सामने लेडी तारा खड़ी थी।

"मेरे भाई तुम आ गए।" तारा ने अपनी बांहे फैलाई और बोला। धर्मा को पता नहीं था की यह कौन है। परन्तु उसने तारा को धीरे से गले लगाया।

"यह लेडी तारा है आपकी बड़ी बहन।" ज़ोरो ने धर्मा को बताया।

लेडी तारा धर्मा को दिखने में पृथ्वी की ही किसी 35-40 वर्ष की महिला की तरह दिखी।

धर्मा कन्फ्यूज़्ड था की वो क्या कहे या क्या करे। ज़ोरो ने उसे तनावमुक्त करने के लिए कहा, "चलिए मालिक लेडी तारा और मैं आपको प्रोफेसर बोरो के पास ले चलते है। आपकी सारी शंकाओ का समाधान वो कर देंगे।"

लेडी तारा ने सर हिलाया और हाथो से इशारा किया; धर्मा और ज़ोरो दोनों लेडी तारा के पीछे पीछे चलने लग गए। वो बहुत ही पुरानी ईमारत थी और उसका निर्माण बहुत ही औसत दर्जे का प्रतीत हो रहा था। धर्मा धीरे धीरे लेडी तारा के पीछे चलते चलते ज़ोरो के साथ एक छोटे से कमरे में आ गया। लेडी तारा उसको एक बहुत छोटे और अँधेरे कमरे में ले आयी थी। यह पृथ्वी के किसी लिफ्ट की तरह लग रहा था। जैसे ही वो तीनो उस छोटे लिफ्ट रूपी कमरे में गए लेडी तारा ने मानसिक सन्देश दिया और वह कमरा छोटा और छोटा होता जा रहा था।

धर्मा को समझ नहीं आ रहा था ज़ोरो पृथ्वी से इतनी दूर ला कर क्या इस प्रकार मारना चाहता है। धीरे धीरे कमरा बिलकुल छोटा हो गया। एक प्रकाश की तेज पुंज ने चारो ओर से उन्हें घेर लिया और धीरे धीरे प्रकाश छट गया। उसने अपने आप को एक बहुत ही आलिशान भवन के कमरे में पाया। यहाँ आराम की सभी चीजे मौजूद थी। दीवारों पर भांति भांति की पेंटिंग्स व् टेपेस्ट्री, बड़े गद्देदार सोफे, आरामदायक कुर्सियां, संगमरमर के विशाल मेज़, अनेको रोबोट्स ऐसे उपकरण और संयंत्र जो धर्मा ने कभी न देखें हो; उस कमरे में चारो ओर विलासिता की झलक दिखती थी।

उसके बीचो बीच खड़ा था प्रोफेसर बोरो।

दिखने में प्रोफेसर बोरो पृथ्वी के ही किसी सामान्य बुज़ुर्ग की तरह लग रहे थे। उनकी आयु धर्मा को कुछ 55-60 वर्ष की लग रही थी जबकि वो 650 वर्षो से भी अधिक आयु के थे।

“तुम्हारा स्वागत है।“, प्रोफेसर बोरो ने धर्मा को टेलीपैथी की।

धर्मा ने टेलीपैथी से जवाब दिया, “धन्यवाद। आप प्रोफेसर बोरो है।“

बोरो काफी खुश हो गया की धर्मा ने टेलीपैथी की कला सीख ली।

बोरो ने कहा, “क्या बात है मुझे नहीं पता था की तुम टेलीपैथी कर सकते हो।“

“हाँ ज़ोरो ने मुझे सिखाया।“

“तुम्हारा नाम क्या है।“ प्रोफेसर बोरो ने मानसिक सन्देश द्वारा बोला।

धर्मा आश्चर्य चकित हो गया। प्रोफेसर बोरो उसका मन नहीं पढ़ पा रहे थे। परन्तु बोरो ने धर्मा का मन पढ़ लिया था और बोरो बोला, “हम टेलीपैथी से वो ही जान सकते जो व्यक्ति सोच रहा हो; जो उसके अवचेतन मन (sub-conscious mind) में क्या चल रहा है वो नहीं जान सकते।“

“समझ गया। मेरा नाम धर्मा है।“

प्रोफेसर बोरो धर्मा के पास आये और बोले, “शाबाश। सन ऑफ़ गॉड अब तुम्हें मैं सेरिब्रल मशीन में डाल देता हूँ।

धर्मा कंफ्यूज़ हो गया। यह उससे क्या चाहते है।

प्रोफेसर बोरो ने कहा, “धर्मा तुम पृथ्वी पर कुछ ऐसे चीजे सीख चुके हो जो हमें नहीं पता। जब तुम्हें हमारा ज्ञान मिल जाएगा तो तुम पृथ्वी में अर्जित ज्ञान को मिक्स करके नोकोईविड के क्विड से भी ज्यादा खतरनाक हथियार बना सकते हो।

धर्मा पूरी तरह से कंफ्यूज़ हो चूका था। उसने कहा, “आप इसलिए बोल रहे है क्योंकि बोफ में लिखा है की मैं एक खतरनाक हथियार बना सकता हूँ इसलिए मैं हथियार बना पाऊँगा।“

बोरो ने गुस्से में बोला, “सिर्फ इसलिए नहीं। हालाँकि बोफ सच्ची है परन्तु तुम वैज्ञानिक रूप से सोचो तो भी दो दुनिया का ज्ञान जिसे प्राप्त हो वो किसी भी सूरत मैं ज्यादा शक्तिशाली होगा।“

धर्मा को कुछ समझ नहीं आ रहा था। वह बहुत ही असमंजस में था।

तभी लेडी तारा ने टेलीपैथी की, “प्रोफेसर बोरो एक बहुत अच्छे साइंटिस्ट है परन्तु उनको स्टोरी सुनानी नहीं आती है।“

धर्मा ने तारा की और देखा।

तारा ने आगे बोला, "इससे पहले तुम - दी ग्रेट सन ऑफ गॉड - जिसमे दो दुनिया का मिश्रित ज्ञान और ऊर्जा समाहित होगी, प्रोफेसर बोरो के लिए हथियार बनाओ, तुम्हें समझाना होगा की पहेली है क्या जिसे सन ऑफ गॉड को सुलझाना है।"

बोरो को यह समय बर्बादी ही लगी परन्तु वो कुछ नहीं बोला। वो चुप चाप दूसरे कमरे में चला गया और लेडी तारा और धर्मा उस बड़े कमरे में जहा धर्मा टेलिपोर्ट हो कर पंहुचा था, बैठ गए।

ज़ोरो भी प्रोफेसर बोरो के साथ चला गया था। सूरज तेजी से प्रकाशमान था और कमरे में पूरी रौशनी आ रही थी। लेडी तारा ने धर्मा को सोफे पर आराम से बैठा कर कहानी शुरू की।

~~~

अध्याय तीन - प्लेनेट Xor

लेडी तारा ने धर्मा को विज़न प्रेषित करना प्रारम्भ किया। जब टेलीपैथी द्वारा सन्देश का आदान प्रदान होता है तो जो भी विज़न टेलीपैथी भेजने वाला देना चाहता है वो प्रेषिती यानि पानेवाले को ऐसे दिखता है मानो उसके आगे किसी कृत्रिम स्क्रीन पर कोई मूवी चल रही हो।

"धर्मा मैं तुम्हें सबसे पहले Xor के बारे में बताती हूँ। जब तक तुम्हें सब कुछ नहीं पता चलता तब तक तुमको अच्छे से न तो नोकोईविड की क्रूरता समझ आएगी और न ही Xor और इरीट्रिया की दुश्मनी।"

"थैंक्स। इससे मुझे कुछ बैकग्राउंड मिल जाएगा।" धर्मा ने भी टेलीपैथी से जवाब दिया। धर्मा को यू मानसिक संदेशो द्वारा बातचीत करना बहुत ही लुभा रहा था।

"Xor एक बहुत ही विकसित सभ्यता है और उसका साम्राज्य फ्रां गैलेक्सी के 410 प्लेनेटस पर है।"

तारा ने विज़न भेजा और धर्मा ने देखा की कैसे Xor प्लेनेट से दूर दूर तक के प्लैनेट्स भी Xor साम्राज्य का हिस्सा थे। धर्मा को समझ आ गया की नोकोईविड एक बहुत ही बड़े साम्राज्य का सुप्रीम कमांडर है। इसका मतलब उसके पास बहुत बड़ी सेना है और बहुत ही सारे रिसोर्सेज है। ऐसे दुश्मन को हराना तक़रीबन असंभव है।

तारा ने धर्मा का मन पढ़ लिया था क्योंकि धर्मा को अभी भी अपने विचार छुपाने नहीं आते थे।

तारा ने बोला, "हाँ Xor अत्यंत शक्तिशाली और विकसित सभ्यता है परन्तु ये हमेशा से ऐसा नहीं था। कई लाखो वर्ष पहले Xor भी पृथ्वी की

तरह एक प्लेनेट था जिस पर नामूह नामक प्रजाति का विकास हुआ जैसे पृथ्वी पर मानव।"

तारा ने विज़न दिखाया।

Xor दो सूर्यो की परिक्रमा करता हुआ दिखा। Xor एक यूनिक प्लेनेट था जो दो सूर्यो की परिक्रमा एक लेमनिसकेट लूप (lemniscate loop) में करता था। धर्मा को बहुत ही आश्चर्य हो रहा था की कैसे एक प्लेनेट दो सूर्यो की परिक्रमा करता है जो भी एक दूसरे की परिक्रमा करते थे। Xor पहले एक सूर्य की परिक्रमा करता है फिर जैसे ही वो दूसरा सूर्य नज़दीक आता है Xor प्लेनेट उस सूर्य के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से अपनी कक्षा बदल कर दूसरे सूर्य की परिक्रमा करने लगता था। फिर जैसे ही वो दोनों सूर्य वापस पास में आते है अपनी कक्षा बदल कर पहले सूर्य की परिक्रमा में लग जाता था।

फिर धर्मा को दिखा की Xor पर बिलकुल मानव रूपी सभ्यता का धीरे धीरे विकास हुआ। धर्मा ने देखा Xor बिलकुल पृथ्वी की तरह दिख रहा था। Xor में विकास का क्रम वैसे ही था जैसे पृथ्वी पर। पहले सरल जीव उत्पन्न हुए और धीरे धीरे मानव रूपी नामूह[4] नामक प्रजाति का वर्चस्व हो गया।

नामुँह का विज़न धर्मा को दिखा। तारा की टेलीपैथी करने की शक्ति किसी भी तरह ज़ोरो से कम न थी। शायद थोड़ा ज्यादा ही थी। धर्मा को नामूह प्रजाति दिखी। नामूह दिखने में पृथ्वी के मनुष्यो की तरह ही थे। नामूह को देख कर धर्मा को लगा यदि पृथ्वी पर विकास का क्रम ऐसे ही चलता रहा तो अगले 500 वर्षो में पृथ्वी के मानव भी नामूह जैसे हो जायेंगे।

लेडी तारा ने कहा, "नामूह प्रजाति तीन अलग अलग जातीय समूह में बटी हुई है।"

---

[4] मतलब जानने के लिए देखें :- अनुलग्रक 3 - शब्दकोश और मुख्य किरदार – प्रविष्टि 8

धर्मा को तारा का विज़न मिला जिसमे उसने देखा नामूह प्रजाति के तीन अलग अलग जातीय समूह। पहला एक्रिमियाँ जो दिखने में पृथ्वी के कॉकेशियन्स (भारोपीय) के जैसे दिखते थे। दूसरा नदरिमान जो की दिखने में पृथ्वी के मंगोलायड प्रजाति के जैसे दिखते थे और तीसरे थे ओसलवनियाँ - विशाल शरीर, शीर्ष भुजा और बड़े उदर के गौर वर्णी आकृति, जो दिखने में उन सबमे सबसे सुन्दर थे।

Xor में एक और मानवाकृति रूपेण प्रजाति थी जिनका नाम था मग। मग प्रजाति जंगलो में रहती थी और आधे मनुष्य और आधे गोरिल्ला रुपी प्रजाति थी। धर्मा को मग का भी विज़न दिखा।

"इतना पुराना इतिहास जानना क्या जरुरी है।" धर्मा ने बीच में टोका।

तारा ने बोला, "हाँ धर्मा बिलकुल आवशयक है। हमेशा याद रखो अपने दुश्मन के बारे में छोटी से छोटी जानकारी युद्ध में सहायक होगी।"

धर्मा ने कुछ नहीं बोला। उसने विज़न पर फोकस किया।

"हम अपनी कहानी की शुरुआत करते है। आज से 1000 वर्ष पूर्व एक्रिमियाँ का निर्वाचित प्रधान फ्लोरमान कोन्ताना करके एक बहुत ही लोकप्रिय और दूरंदेशी लीडर था। उसने धीरे धीरे एक्रिमियाँ का वर्चस्व Xor में बहुत बढ़ा दिया था। उसने नदरिमान और ओसलवनियाँ के लोगो को युद्ध में हरा कर तक़रीबन 50% Xor पर कब्ज़ा कर लिया था। उसने मग को गुलाम के रूप में रखने की प्रथा चालू की थी।

धर्मा को Xor के तीन विशाल भू-खंड दिखे। एक्रिमियाँ ने किस प्रकार फ्लोरमान कोन्ताना के नेतृत्व में कई युद्ध लड़े और नदरिमान और ओसलवनियाँ की सेनाओं को हराकर तकरीबन 50% Xor पर कब्जा कर लिया। Xor के जितने भी महत्वपूर्ण, उपजाऊ और आधुनिक शहर थे उन सब पर फ्लोरमान कोन्ताना और एक्रिमियाँ लोगो का कब्जा था।

फ्लोरमान कोन्ताना को हमेशा से ही विशाल स्पेस आकर्षित करता था और उसे Xor को या यूँ कहे एक्रिमियाँ को एक बहुत बड़ा अंतरतारकीय साम्राज्य बनाना था। फ्लोरमान कोन्ताना ने स्पेस मिशन चालू किये। उसने नज़दीकी प्लेनेट पर बहुत सारे मिशन भेजे। वहां से उसे ऐसे खनिज मिले जिससे उसने और अधिक तेजी से उड़ने वाले स्पेस शिप और खतरनाक हथियार बनाए। धीरे धीरे उसने मग तथा युद्ध बंदियों को नाडुस प्लेनेट पर भेजना चालू किया।

धर्मा ने देखा की किस प्रकार से कोन्ताना प्रशासन ने धीरे धीरे युद्धबंदियों और मग को नाडुस गृह पर भेजना शुरू कर दिया। नाडुस प्लेनेट एक बहुत ही हरा भरा प्लेनेट था। जिस पर बहुत ही खतरनाक विषैले और अत्यधिक विशाल जानवर रहते थे। वहां पर मग और युद्धबंदी, जो अधिकतर नदरिमान और ओसलवनियाँ जातियों से थे, को जबरदस्ती भेज दिया जाता था।

हालाँकि कुछ ही वर्षो में इन लोगो ने नाडुस पर एक अलग ही सभ्यता को स्थापित कर लिया था। नाडुस की ये सभ्यता धीरे धीरे अपने आप में ही एक आत्मनिर्भर समाज बन गया और उसकी Xor पर हर प्रकार की निर्भरता खत्म हो गयी। अलग अलग देश बन गए माल और सेवाओं का आदान प्रदान शुरू हो गया, भूमि उपजाऊ थी और मीठा पानी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध था और बड़े बड़े विशाल जीवों को भी जब पालतू बना लिया गया तो इससे कृषि और दुग्ध उद्योग को बहुत सहायता मिली। कोन्ताना को लगा की नाडुस कहीं उसके हाथ से न निकल जाए इसलिए उसने एक बहुत बड़ी अजय सेना की टुकड़ी को नाडुस में स्थायी रूप से बैठा दिया। ये लोग नाडुस के लोगो का काफी शोषण करते वो भी केवल इसलिए ताकि उन लोगो को हमेशा याद रहे की वो Xor से विस्थापित युद्धबंधी और गुलाम मग थे।

धर्मा ने प्रश्न किया, “हम नाडुस पर इतना फोकस क्यों कर रहे है। उसे समझ नहीं आ रहा था की ये कहानी किधर जा रही है।“

“तुम समझ जाओगे।“ तारा ने कहा।

हालाँकि धर्मा संतुष्ट नहीं था परन्तु उसने और प्रश्न पूछने उचित नहीं समझे।

तारा ने आगे बताना चालू किया, “फ्लोरमान कोन्ताना ने धीरे धीरे कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहो पर भी अपने लोगो को भेजा। जहाँ एक तरफ आने में ही अनेको वर्ष लग जाते थे। परन्तु कोन्ताना की दूरंदेशी और महत्वाकांक्षा का कोई अंत नहीं था। उसने अनेको ग्रहो, चंद्रमाओं, क्षुद्रग्रहों आदि पर नामूह को बसाना शुरू कर दिया। नाडुस पर फली फूली सभ्यता ने उसे यकीं दिला दिया था की इन रहने योग्य बाह्य ग्रहों पर Xor का साम्राज्य फ़ैल सकता है। इन खगोलीय बॉडीज पर उसे अनेक खनिज भी मिले जिससे और अधिक तेज गति के यान और नए नए उपकरण बनाये गए।

कोन्ताना अब केवल एक्रिमिया का नहीं पूरे Xor साम्राज्य का सुप्रीम कमांडर था। उसके राजनैतिक विरोधी उसकी इस दूरंदेशी से विचलित थे परन्तु Xor की सामान्य जनता चाहे वो एक्रिमियाँ हो या नदरिमान और ओसलवनियाँ वो भी इस साम्राज्य विस्तार से खुश थे। कोन्ताना एक बहुत बड़ा हीरो बन गया था।“

"तो क्या नदरिमान और ओसलवनियाँ लोग भी कोन्ताना को ही अपना लीडर मानने लगे।" धर्मा ने अनायास ही प्रश्न पूछ लिया। हालाँकि वो अभी भी विज़न ही देख रहा था की कैसे सौर साम्राज्य अनेकों प्रकाश वर्ष दूर फैले ग्रहों तक फ़ैल गया था।

"उनके पास कोई और विकल्प भी नहीं था। चूँकि दूर ग्रहों पर ये लोग आराम से अपनी स्वतंत्रता से रह सकते थे इसलिए उन लोगों ने भी कोन्ताना का विरोध करने की बजाए सुदूर बाह्य ग्रहों पर बसना ही बेहतर समझा।" तारा ने उत्तर दिया।

"समझ गया और नाड़ुस का उदहारण तो सामने था ही, कैसे Xor प्लेनेट के इतने नज़दीक होने के बावजूद भी वहां की सभ्यता एक आत्मनिर्भर सभ्यता बनकर उभरी थी।" धर्मा ने अपने आप को समझने के लिए कहा।

लेडी तारा ने आगे का विज़न दिखाया और बोला, " कोन्ताना ने करोड़ों अरबों किलोमीटर दूर ग्रहों पर लोगों को भेजा और वहां सभ्यता स्थापित कर दी परन्तु वो उस पर ठीक से नियंत्रण नहीं रख पा रहा था। वो लोग Xor प्लेनेट को न तो कर भेजते न ही उनसे कोई सम्पर्क रखते।“

धर्मा ने विज़न देखा कैसे परिंजय जैसे गृह जो Xor प्लेनेट से 5 प्रकाश वर्ष - लगभग 475 ख़रब किलोमीटर्स - दूर था और जहाँ पहुँचने में कोन्ताना के स्टरगेज़ शिप्स को जो कोन्ताना के सबसे तेज़ स्पेसशिप्स थे को 24-25 वर्ष लगते थे; ऐसे ग्रहों ने कोन्ताना को अपना सुप्रीम कमांडर मानने से इंकार कर दिया। मदर प्लेनेट Xor से भी कोई रिश्ता नहीं रखना चाहते ये लोग और कुछ ही वर्षों में कोन्ताना को लगने लगा उसने साम्राज्य का इतना विस्तार करके खुद का ही नुक्सान कर लिया था। क्योंकि इन सब स्पेस मिशन में बहुत अधिक खर्चा हो जाता था और यदि उस प्लेनेट से कर और खनिज आदि नहीं मिले तो ये खर्चा Xor के लोगो को उठाना पड़ता था। कोन्ताना का ये मिशन अब Xor के लोगो को खटकने लगा था। फ्लोरमान कोन्ताना के राजनैतिक विरोधी अब कोन्ताना के सबसे महत्तवाकांक्षी परियोजना को ही उसकी सबसे बड़ी हार बता रहे थे।

लेडी तारा ने विज़न प्रेषित करते हुए बोला, "ऐसा लग रहा था की फ्लोरमान कोन्ताना का कण्ट्रोल ख़त्म होता जा रहा है। तभी Xor साम्राज्य को मैर्केल नामक बहुत ही शक्तिशाली एलियन प्रजाति का पता चला।“

“इसका मतलब की Xor साम्राज्य को एक बहुत ही खतरनाक विरोधी मिल गया था।“ धर्मा ने उत्सुकता से कहा।

तारा ने जवाब दिया, “नहीं। फ्लोरमान कोन्ताना एक बहुत ही शातिर खिलाडी था। उसने मैर्केल से संधि कर ली।“

तारा ने मैर्केल का विज़न भेजा, धर्मा ने देखा की मैर्केल मानव रूपी प्रजाति वाले, स्वर्णिम त्वचा लिए, अति सुन्दर लोग है। वो कोमल, तीखे नयन नक्शा वाले, सामन्यतः पतले और लम्बे लोग है।

“मैर्केल स्त्रियां बहुत ही ज्यादा सुन्दर और पुरुष बहुत ही ज्यादा इंटेलीजेंट थे।“

"हाँ, मैं देख सकता हूँ।" धर्मा को विज़न में मैर्केल स्त्रियां अत्यधिक सुन्दर लग रही थी। वो उनके आकर्षण में खो सा गया था, उसको लगा की इन सुन्दर स्त्रियों के सामने तो शायद स्वर्ग की अप्सराये भी फीकी लगेंगी।

तारा के चेहरे पर एक शरारती मुस्कराहट आ गयी। उसने आगे का विज़न दिखाया और टेलीपैथी की, “मैर्केल व्यापार और विकास में मानते थे। मैर्केल एक व्यापारिक कौम थी। हालाँकि उनके पास आधुनिक फ़ौज भी थी परन्तु उनका मुख्य कार्य पूरे गैलेक्सी में व्यापारिक सम्बन्ध बनाना ही था। वो युद्ध में ज्यादा भरोसा नहीं करते थे।“

“इसका मतलब जब मैर्केल की फ्लोरमान कोन्ताना से मुलाकात हुई तो मैर्केल को लगा की इतनी विकसित सभ्यता से व्यापर करना चाहिए।“ धर्मा विज़न देखता हुआ मानसिक सन्देश द्वारा बोला।

लेडी तारा ने जवाब दिया, “हाँ। मैर्केल को लगा जिस सभ्यता ने इतने खगोलीय पिंडो में अपने आप को फैला लिया है इनसे यदि व्यापर किया जाए तो अनेकों दुर्लभ और नवीन खनिज पदार्थ मिल सकेंगे जो उनके लिए भी बहुत फायदेमंद रहेगा।“

तारा ने आगे बोला, "मैर्केल और कोन्ताना ने अपने बीच व्यापारिक सम्बन्ध बनाऐ। क्योंकि मैर्केल की व्यापर करने की इच्छा थी और फ्लोरमान

कोन्ताना को इतने खतरनाक एलियन प्रजाति से, जो अनेको प्रकाश वर्ष लम्बा सफर कुछ दिनों में ही कर लेती थी, युद्ध नहीं करना था।"

"मैर्केल ने फ्लोरमान कोन्ताना का प्रस्ताव मान लिया। मैर्केल को प्रकाश से 100 गुना से भी तेज उड़ने वाले स्पेस शिप बनाने आते थे। फ्लोरमान कोन्ताना को वही चाहिए था।" तारा ने कहा।

धर्मा को विज़न भेजने जारी रखे थे और धर्मा देख रहा था कैसे मैर्केल के तेज उड़ने वाले स्पेसशिप की मदद से फ्लोरमान कोन्ताना ने अपना 409 ग्रहो में फैला विशालकाय साम्राज्य पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया था। उसकी अजय सेना अब पूरी मजबूती के साथ इन ग्रहो पर शासन कर रही थी।

तारा ने विज़न भेजने के साथ साथ मानसिक रूप से बोलना भी चालू रखा था।

"कोन्ताना को तेज गति के स्पेस शिप के द्वारा अपने राज्य पर कण्ट्रोल करना बहुत आसान हो गया। अब परिंजय जैसे ग्रहों पर वो 20-22 दिनों में ही पहुँच जाता था जहाँ जाने में पहले 25 वर्ष लगते थे। मैर्केल प्रजाति के प्रतिनिधियों को उसने Xor प्लेनेट में बसा लिया। मैर्केल Xor साम्राज्य के अलग अलग प्लेनेट से टैक्स और अनेक प्रकार के खनिज पदार्थ लेता था और बदले में फ्लोरमान कोन्ताना को फटल स्पेस शिप देता था जो की प्रकाश की गति से 100 से 150 गुना तेज चलते थे।"

धर्मा ने बोला, "इसका मतलब मैर्केल का मिलना फ्लोरमान कोन्ताना के लिए बहुत अच्छा रहा।"

तारा ने जवाब दिया, "हाँ। फ्लोरमान कोन्ताना ने Xor साम्राज्य को अलग अलग प्लैनेट्स पर पहुंचा तो दिया था परन्तु उसे एक गणतांत्रिक अन्तर-तारकीय साम्राज्य बनाने का काम हुआ मैर्केल के अति तेज़ स्पेसशिप्स की मदद से; मैर्केल ने कोन्ताना की बहुत मदद की थी।

&

जॉली को अपने साथी जासूस का मैसेज मिला। जॉली किसी भी मिशन में अकेले काम नहीं करता था। वो हमेशा एक एडिशनल जासूस अपने साथ रखता था जिसके बारे में किसी को पता नहीं होता था। उसकी गर्लफ्रेंड लौरा को भी नहीं पता था।

"मुझे कुछ शक हो रहा है।" जॉली के साथी जासूस ने मैसेज दिया।

"क्या?" जॉली ने पूछा।

जॉली का साथी जासूस मेज़ोल प्लेनेट में ही किसी गोपनीय जगह पर बैठा था। उसने बोला, "किसी ने टारगेट को मैसेज भेजा है।"

"कही बाहर से आ रहा है ये मैसेज।" जॉली ने उत्सुकता से पूछा। हालाँकि उसको पता था की मेज़ोल प्लेनेट के आस पास कोई भी ज्ञात प्लेनेट ऐसा नहीं था जहाँ इंटेलीजेंट वासियों का बसेरा हो।

जॉली के साथी ने कहा, "नहीं, मेज़ोल से ही। मुझे थोड़ा टाइम दो मैं डिकोड करता हूँ। पर तुम होशियार रहना।"

"ठीक है।" जॉली बोला।

जॉली अपने उपकरण इत्यादि को ठीक करने में बिजी हो गया। तभी उसे डायस का मैसेज मिला, " टेररिस्ट बोरो मेज़ोल में छुपा है। उस पर नज़र रखो।"

ये सारे सन्देश अनेको संचार तंत्र के यंत्रो से आते थे और सीधे ही मानसिक सन्देश के रूप में प्राप्त हो जाते थे।

जब तक जॉली को पूर्ण रूप से सन्देश प्राप्त होता तब तक लौरा वापस आ गयी थी।

लौरा ने गुस्से से बोला, "तुम अभी तक अपने काम में ही व्यस्त हो।"

"बस स्वीटहार्ट काम ख़त्म होने ही वाला है। तुम थोड़ी देर और रुको।" जॉली ने जवाब दिया।

लौरा कुछ कह पाती उससे पहले ही जॉली ने डायस का मैसेज ओरेकल मोड पर डाल दिया जिससे आस पास के सभी लोग जो उस टेंट रुपी कार में मौजूद है मानसिक रूप से सन्देश प्राप्त कर सके; और खासकर लौरा भी मैसेज को जान सके।

डायस का सन्देश था, "टेर्रोरिस बोरो मेज़ोल में छुपा है। उस पर नज़र रखो। अजय सेना निकल गयी है। जब तक अजय सेना नहीं पहुँच जाती तब तक वह टेररिस्ट मेज़ोल से निकलना नहीं चाहिए।"

लौरा का हाव भाव बदल गया। उसका गुस्सा ख़त्म हो गया था।

लौरा ने बोला, "जॉली मैं समझ सकती हूँ तुम बहुत ही बिजी हो। टेररिस्ट बोरो बहुत ही खतरनाक है। तुम अपने काम पर ध्यान दो।"

"धन्यवाद लौरा। तुम वापस कहाँ जा रही हो।" जॉली बोला।

"तुम अपने काम मे बहुत बिजी लग रहे हो और मैं नहीं चाहती की मैं तुम्हें अभी डिस्टर्ब करूँ। तुम काम कर लो मैं तुम्हें ज्यादा परेशान नहीं करुँगी।"

जॉली ने सर हिलाया। लौरा ने जॉली के माथे को चूमा और बहार निकलने लगी। जॉली ने अपने रोबोट को मानसिक सन्देश दिया।

रोबोट के हाथ से एक तरंग निकली और लौरा के हाथों और पैरों में बेड़िया बंध गयी। लौरा स्तब्ध रह गयी। उसके चेहरे के हाव भाव बदल गए।

जॉली एक बहुत ही शातिर जासूस था और उसे कोई भी बेवकूफ नहीं बना सकता था।

लौरा आखिर क्या झूट बोल रही थी।

&

धर्मा को इतनी सारी इनफार्मेशन समझने में दिक्कत हो रही थी। उसने मन ही मन इस इनफार्मेशन को एक बार फिर दोहराया। Xor एक बहुत ही विकसित प्लेनेट था। उसकी एक्रिमियाँ नामक प्रजाति जो कॉकेशियन्स

(भारोपीय) जैसे दिखती थी उनका लीडर फ्लोरमान कोन्ताना ने सम्पूर्ण Xor पर अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया और नदरिमान, ओसलवनियाँ और मग को नाड़ुस प्लेनेट पर भेज दिया। साथ ही फ्लोरमान कोन्ताना ने Xor का साम्राज्य कई प्लैनेट्स पर फैला दिया। परन्तु उसे इस पर कण्ट्रोल करना मुश्किल हो रहा था। तभी उसे मैर्केल जैसे शक्तिशाली एलियन प्रजाति मिली। जो की सुनहरे रंग के सुन्दर लोग थे। कोन्ताना ने मैर्केल की मदद से अपने साम्राज्य पर अपना कण्ट्रोल अच्छे से कर लिया।

इन सब से यह साबित होता है की Xor साम्राज्य विशाल तो है परन्तु उसमे बहुत सी आंतरिक खामिया है। जैसे एक्रिमियाँ के लोग ही Xor पर आधिपत्य जमाये बैठे है नदरिमान, ओसलवनियाँ और मग को भड़काया जा सकता है, क्योंकि इन जातियों का एक्रिमियाँ के लोगो द्वारा शोषण होता आ रहा है। यदि सही स्ट्रेटेजी बनायीं जाए तो नोकोईविड को हराया भी जा सकता है। धर्मा की सन ऑफ़ गॉड रूपी छवि इसमें मददगार होगी। लोगो को धार्मिक भावनाओ द्वारा भड़काना आसान रहेगा।

तारा ने धर्मा की मन की बात पढ़ ली थी। वो मन ही मन बहुत खुश थी। धर्मा अब धीरे धीरे स्ट्रेटेजी के बारे में सोच रहा था की कैसे नोकोईविड को हराया जा सकता है। तारा को ये बात बहुत अच्छी लगी।

लेडी तारा ने कहानी को आगे बढ़ाया, "फ्लोरमान कोन्ताना ने मैर्केल के लोगो को Xor पर बसा लिया। मैर्केल लोगो ने Xor के अलग अलग शहरो में अपने बड़े बड़े ठिकाने खोल लिए। यही से यह मैर्केल के लोग अलग अलग प्लैनेट्स पर जाते, कर वसूलते और खनिजों का खनन करते।"

"मतलब मैर्केल के लोग Xor साम्राज्य के किसी और गृह पर नहीं बसे, अपितु सब Xor प्लेनेट पर ही रहे और यही से ही अपना व्यापार चलाते थे।"

“हाँ धर्मा। Xor पर बसे ये मैर्केल लोग बहुत ही सुन्दर थे और अनेको नामूह इनके प्रति आकर्षित हो गए।धीरे धीरे मैर्केल और Xor के लोगो के आपसी शादियों से एक नयी प्रजाति उत्पन्न हुई - मिलांज।“

“मिलांज - नामूह और मैर्केल की मिश्रित प्रजाति।“ धर्मा बीच में बोला।

लेडी तारा ने कहा, “हाँ। मिलांज जो दिखने में मैर्केल जैसे ही थे परन्तु सबसे होशियार और स्मार्ट। मिलांज कुछ ही वर्षो में Xor के सभी इम्पोर्टेन्ट पदों पर आसीन हो गए। वो पढ़ने में तेज थे सारे एग्जाम आसानी से पास कर लेते थे। पूरी आबादी का मात्र ½ प्रतिशत होने के बावजूद भी Xor प्लेनेट के सभी महत्वपूर्ण पदों पर मिलांज ही आसीन थे, चाहे वो प्रशासन हो पुलिस, न्यायपालिका, व्यापर या प्राइवेट कम्पनीज।“

“वो तो हो सकता है। मिलांज के पास मैर्केल और नामूह दोनों के मिश्रित जीन्स थे।“

“सही कह रहे हो धर्मा। ये मिलांज धीरे धीरे सोसाइटी के सबसे रसूकदार लोग बन गए। परन्तु मिलांज और मैर्केल में एक फर्क था।“

“वो क्या?" धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

"मैर्केल जिस प्रकार मिलनसार थे और नामूह की एक्रिमिया, नदरिमान और ओसलवनियाँ प्रजातियों के साथ मिलजुल कर रहते थे, मिलांज अपने आपको इन सबसे श्रेष्ठ मानते थे और किसी के साथ सोशल रिलेशनशिप नहीं रखते थे।“

"ओह इससे तो वो अकेले पड़ जायेंगे।" धर्मा ने विस्मय से कहा।

“हाँ, परन्तु उनको कुछ फर्क नहीं पड़ता था। मिलांज अपने में ही खुश थे। वो लोग आपस में ही शादी करते थे और आपस में ही मिलते जुलते थे। इससे धीरे धीरे Xor के दुसरे निवासी जैसे एक्रिमियाँ को ईर्षा होने लगी।“

“ये ही तो कर्मा है। एक्रिमियाँ प्रजाति ने नदरिमान, ओसलवनियाँ और मग को सेकंड ग्रेड नागरिक बनाया उन्हें नाडुस पर भेज दिया तो अब उनके साथ भी वो ही हो रहा है। मिलांज उनके साथ वो ही कर रहे है।“ धर्मा ने उत्साहित होते हुए कहा।

“हाँ वो तो सच है। परन्तु एक फर्क है। एक्रिमियाँ मेजोरिटी में थे परन्तु मिलांज बहुत छोटी माइनॉरिटी।“

धर्मा ने कहा, “समझ गया। Xor के अनेक शहरो में फैले मिलांज पर अत्याचार शुरू हो गया होगा।“

“न सिर्फ उन पर बल्कि मैर्केल के लोगो पर भी और अत्याचार ही नहीं घनघोर अत्याचार।“

तारा ने विज़न प्रेषित किया और धर्मा ने देखा किस प्रकार से बड़ी उपद्रवी भीड़ मैर्केल और मिलांज को प्रताड़ित कर रहे है, उन्हें जिन्दा जला रहे है, स्त्रियों पर बहुत ही ज्यादा अत्याचार कर रहे है और यहाँ तक की छोटे बच्चो को भी नहीं छोड़ रहे।

लेडी तारा ने कहा, “एक्रिमियाँ मेजोरिटी ने मिलांज का कत्ले आम चालू कर दिया।“

“फ्लोरमान कोन्ताना ने कुछ नहीं किया।“ धर्मा ने पूछा।

“नहीं। चुनाव नज़दीक था और कोन्ताना को लगा यदि वो कुछ बोलेगा तो चुनाव हार जाएगा। एक्रिमियाँ मेजोरिटी ही उसे वोट करती थी।

“नदरिमान और ओसलवनियाँ लोगो ने भी कुछ नहीं किया।“

“नहीं। आख़िरकार वो लोग भी Xor के मूल निवासी थे उनको लगा था की मिलांज और मैर्केल विदेशी है। उनको क्यों सपोर्ट करना।“

“फिर तो मिलांज को Xor प्लेनेट पर कोई नहीं बचा पाया होगा क्योंकि सब उनके खिलाफ जो थे। धर्मा ने उदास स्वर में कहा।

“हाँ। तक़रीबन 50% मिलांज मारे गए। जब मैर्केल के व्यापारियों ने मैर्केल में सन्देश भेजा तो मैर्केल ने एक बहुत बड़ी फ़ौज भेजी।“

“इसका मतलब फ्लोरमान कोन्ताना ने जो व्यापारिक सम्बन्ध मैर्केल से बनाये थे वे ख़त्म हो गए।“

“हाँ धर्मा। मिलांज पर हो रहे अत्याचारों पर फ्लोरमान कोन्ताना की ख़ामोशी मैर्केल नेतृत्व को पसंद नहीं आई।“

धर्मा ने विज़न में देखा किस प्रकार फटल शिप्स में बैठ कर मैर्केल सेना Xor को चारो और से घेर लेती है और देखते ही देखते Xor में मौजूद अजय सेना को हरा देती है।

“मैर्केल की फौजो ने बहुत ही आसनी से Xor की फौजो को हरा दिया और Xor प्लेनेट पर कब्ज़ा कर लिया। फ्लोरमान कोन्ताना को बंदी बना लिया गया।“

~~~

अध्याय चार - कोन्ताना की हार

धर्मा ने आश्चर्य से बोला, “कोन्ताना को गिरफ्तार कर लिया।“

लेडी तारा ने बोला, “हाँ। परन्तु कोन्ताना एक बहुत ही कुटिल व्यक्ति था। उसने मैर्केल से माफ़ी मांग ली और शयी पर, जो की Xor का चन्द्रमा है, काफी खर्चा करके एक बहुत बड़े हिस्से पर मिलांज और मैर्केल के लोगो को बसा दिया। शयी को अपना अलग शासन अपनी अलग फ़ौज दी गयी।“

लेडी तारा ने आगे की कहानी बताई, “इस प्रकार कोन्ताना ने मैर्केल से अपने आप को बचा लिया। Xor के मून शयी पर अब पूरी तरह केवल मिलांज और मैर्केल का राज था। वहां Xor के किसी भी निवासी का जाना प्रतिबंधित था। Xor के निवासियों को इससे बहुत बड़ा झटका लगा। उनके एक मात्र चन्द्रमा पर अब मिलांज और मैर्केल का कब्ज़ा हो गया था। हर रात जब जब Xor के निवासी चाँद को देखते थे तो उन्हें लगता था की किस प्रकार कोन्ताना ने मैर्केल के आगे आसानी से घुटने टेक दिए। उन्हें कोन्ताना अब बहुत ही ज्यादा खटकने लगा था।“

“कोन्ताना तो फिर हीरो से जीरो बन गया। उसने एक्रिमियाँ के लोगो के लिए कितना कुछ किया, उसने Xor साम्राज्य को इतने सारे प्लैनेट्स पर फैला दिया था और मैर्केल से संधि करके तेज गति के स्पेस शिप भी ले लिए, फिर भी लोग उसी की बुराई कर रहें थे।“ धर्मा ने थोड़े उदासी भरे स्वर में कहा।

“हाँ धर्मा, यही तो Xor की सबसे बड़ी विडम्बना रही है। उनके सबसे बड़े लीडर कोन्ताना को ही उन्होंने एक दम से नज़रअंदाज़ कर दिया क्योंकि वो एक युद्ध हार गया था।“

“इससे साबित होता है की Xor का साम्राज्य बड़ा और विशाल तो है परन्तु उसकी नींव काफी कमज़ोर है।“ धर्मा बोला।

“बिलकुल सही कहा।“

“फिर कोन्ताना का क्या हुआ।“

“राल्फ जो कोन्ताना का कट्टर विरोधी था और हर बार कोन्ताना से चुनाव हार जाता था, उसने इस मौके का पूरा फायदा उठाया।“

“राल्फ। नोकोईविड का पिता।“ धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

“हाँ। कोन्ताना पहली बार काफी कमज़ोर पड़ गया था। राल्फ ने इसका पूरा फायदा उठाया। राल्फ ने कहा की वो मैर्केल से बदला लेगा। इस आधार पर राल्फ को चुनाव में मदद मिली और वो चुनाव जीत भी गया। और फिर शुरु हुआ ----

धर्मा ने बीच में ही बोला, “Xor और इरीट्रिया का पहला युद्ध।“

“क्या बात है, तुम्हें कैसे पता।“ तारा ने अत्यधिक ख़ुशी से पूछा।

‘आपने इतना सारा बैकग्राउंड बताया है तो यह अनुमान लगाना बिलकुल मुश्किल नहीं था।“ धर्मा ने थोड़ा शरमाते हुए कहा। उसे अपनी तारीफ सुनना थोड़ा अजीब लग रहा था।

धर्मा ने आगे बोला, "राल्फ को यदि मैर्केल जैसे ताकतवर एलियन से बदला लेना है तो उसे कुछ चाहिए होगा और वो शायद इरीट्रिया पर होगा।“

लेडी तारा मन ही मन खुश हुई, उसने धर्मा से ज्यादा स्मार्ट इंसान नहीं देखा था। उसको समझ आ गया की धर्मा वास्तव में नोकोईविड को टक्कर दे सकता है।

लेडी तारा ने बोला, “बिलकुल सही बोला तुमने। अब हम समझेंगे Xor और इरीट्रिया का पहला युद्ध। राल्फ Xor का सुप्रीम कमांडर बन चूका था और वो एक बहुत बड़ा साइंटिस्ट भी था। उसकी कंपनी ने स्पेस में बहुत

काम किया था। उसने अपने लोगो को विश्वास दिलाया की वो मैर्केल से बदला लेगा।

धर्मा ने बीच में ही कहा, “यह कहानी तो अब बहुत ही ज्यादा इंटेरेस्टिंग होने वाली है।“

लेडी तारा ने उत्साहित हो के उत्तर दिया, “हाँ।“

&

इससे पहले तारा कुछ और बोल पाती ज़ोरो बहुत ही घबराते हुए आया और धर्मा और तारा से बोला, “हमें निकलना पड़ेगा।“

ज़ोरो के पीछे पीछे प्रोफेसर बोरो भी आये और बहुत ही बैचेन हो कर बोले, “लौरा पकड़ी गयी है।“

धर्मा कंफ्यूज़ हो गया, “लौरा ...। लौरा कौन है।“

ज़ोरो ने बोला, “लौरा हमारी जासूस है जो नोकोईविड की जासूस टोली में घुस गयी थी।“

बोरो ने बीच में बोला, “ये सब अभी इम्पोर्टेन्ट नहीं है। हमें फ़ौरन ये जगह छोड़नी पड़ेगी।“

ज़ोरो ने बोला, “फिर लौरा। हमें लौरा को बचाना होगा। मेरे पास लौरा की लोकेशन है।“

बोरो ने गुस्से में बोला, “क्या बकवास है। नोकोईविड के जासूस अत्यंत पावरफुल होते है। लौरा को उसके हाल पर छोड़ दो और निकलो यहाँ से।“

ज़ोरो उदास हो गया। धर्मा ने ज़ोरो को देखा और बोला, “हम लौरा को बचाने चलेंगे।“

धर्मा का ज़ोरो से अलग कनेक्शन हो गया था। उसने ज़ोरो के साथ जनक 290 पर तक़रीबन 50 दिन बिताये थे और ज़ोरो से उसका पूरा ख्याल रखा था। धर्मा को अनेको बार अपने माता पिता की याद सताती थी और तब

ज़ोरो ही धर्मा को सांत्वना देता था। धर्मा ज़ोरो को दुखी नहीं देख सकता था। उसका ज़ोरो के साथ बहुत ही कम समय में बहुत ज्यादा घनिष्ठ सम्बन्ध बन गया था।

"क्या पागलपन है। हम किसी को बचाने नहीं जा रहे। हम यहाँ से भाग रहे है।" प्रोफेसर बोरो अत्यधिक गुस्से में गुर्राया।

"प्रोफेसर बोरो यदि हमारा कोई अपना किसी मुसीबत में हो तो उसे बचाना ही होगा। हम उसे बचाने जा रहे है ये आदेश है सन ऑफ गॉड का।" धर्मा ने बहुत ही आधिकारिक टोन में बोला।

प्रोफेसर बोरो बहुत ही दुखी हो गया। उसने कहा, "तुम्हें अभी नोकोईविड के जासूसों की ताकत का अंदाज़ा ही नहीं है मेरे सन ऑफ गॉड।"

लेडी तारा ने बीच में बोला, "प्रोफेसर बोरो मैंने धर्मा के साथ थोड़ा टाइम स्पेंट किया है मुझे उस पर विश्वास है। यदि वो कह रहा है की हमें लौरा को बचाना चाहिए तो मैं धर्मा से सहमत हूँ।"

बोरो को विश्वास नहीं हो रहा था परन्तु उसके पास कोई ऑप्शन भी नहीं था। ज़ोरो बहुत खुश हो गया और उसने बहुत ही खुश हो कर आँखों में नमी भरते हुए धर्मा को देखा। धर्मा ने आँखों से इशारा करके ज़ोरो को आश्वासन दिया।

कुछ ही देर में प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा, ज़ोरो और धर्मा, एक बहुत ही शानदार कार - ब्लैकरॉक - में बैठ गए थे। धर्मा को ये कार विस्मित कर रही थी। उसने इतनी विशालकाय कार नहीं देखी थी। एक त्रिकोण रुपी कार जो बहुत सुन्दर दिख रही थी। धर्मा ने देखा ब्लैकरॉक कार के पीछे दो बहुत भारी इंजन थे जो उसे असीमित गति देते होंगे और ऊपर एक जाल था जो शायद सूरज की रौशनी से बिजली बना लेता था।

ब्लैकरॉक कार एक शानदार कार थी जो अपने आप चलती थी, अपने को एक घर रुपी टेंट में कन्वर्ट कर सकती थी और हर प्रकार के खतरे

को भांप कर अपने मालिक को सूचित कर देती थी। बोरो ने सन्देश दिया और ब्लैकरॉक कार बहुत ही तेजी से अपनी डेस्टिनेशन की तरफ बढ़ गयी।

ज़ोरो ने धर्मा को बोला - मालिक ये कार भी जनक 290 की तरह ही एक बहुत विकसित कार है।

धर्मा को संशय हुआ की प्रोफेसर बोरो और इन लोगो के पास इतना पैसा कैसा आया की ये जनक 290 और ब्लैकरॉक जैसे विकसित और महंगे संसाधन अफ़्फोर्ड कर सकते है।

&

जॉली डायस को सन्देश भेज रहा था की लौरा ने उन्हें धौका दिया है और ये पूछा की डायस आदेश दे की बोरो का क्या करना है। क्या बोरो को मार दिया जाए क्योंकि लौरा ने बोरो को सतर्क कर दिया है और बोरो अब भाग भी सकता है। मेज़ोल प्लेनेट पर बोरो के बहुत सहयोगी है फिर उसको पकड़ना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

जब तक जॉली डायस को सन्देश भेज रहा था तब तक जॉली की ब्लैकरॉक कार जो टेंट में कन्वर्ट हो रखी थी में ज़ोरो, तारा और धर्मा घुस चुके थे। प्रोफेसर बोरो थोड़ी दुरी पर ही अपनी ब्लैकरॉक में बैठे हुए उनको देख रहे थे और उनका इंतज़ार कर रहे थे।

ज़ोरो ने देखा, लौरा बेहोश पड़ी है और ऐसा लग रहा था की लौरा को जॉली ने काफी टार्चर किया है। ज़ोरो को इतना गुस्सा आया की उसने स्किन के अंदर छिपे लेज़र ब्लास्टर से जॉली पर आक्रमण किया। जॉली का ध्यान डायस को सन्देश देने में था और इससे पहले की वो कुछ समझ पाता ज़ोरो के लेज़र ब्लास्ट ने उसे मार डाला। हालाँकि जॉली ने मरते मरते भी अपने रोबोट को मानसिक सन्देश दे ही दिया था।

रोबोट ने लेज़र से ज़ोरो पर हमला किया। धर्मा ने ज़ोरो को एक तरफ धक्का दिया और वो लेज़र धर्मा के कंधे पर आ कर लगा। धर्मा ने रोबोट को एक कराटे किक मारी जिससे रोबोट दूर जा कर गिर गया।

शारीरिक युद्ध की कला ख़त्म हो चुकी थी इसलिए रोबोट को इतनी तेज किक की आदत नहीं थी। वो डैमेज हो चूका था। लेडी तारा ने अपने ब्लास्टर से रोबोट को ख़त्म कर दिया था। धर्मा के कंधे से खून बह रहा था। ज़ोरो भावुक हो गया। सन ऑफ गॉड ने एक तुच्छ सेवक के लिए इतना खतरा लिया। ज़ोरो ने तुरंत ही मानसिक आदेश दिया और एक छोटे पिकाबोट कण ने कपडे का रूप लेकर धर्मा के घाव को ढक दिया।

प्रोफेसर बोरो जो की ब्लैकरॉक कार में ही बैठे हुए थे चिल्ला कर बोले, "जल्दी से लौरा को उठाओ और निकलो यहाँ से।"

ज़ोरो, तारा और धर्मा टेंट से बाहर आ गए। बेहोश लौरा को ज़ोरो ने गोद में उठा रखा था। इन लोगो को ये नहीं पता था की जॉली का साथी जासूस पास में ही था। उसने एक खतरनाक लेज़र ब्लास्टर से इन लोगो पर हमला कर दिया।

कोई भी BLACKROCK (ब्लैकरॉक) कार जब टेंट से कार में या कार से टेंट में कन्वर्ट होती थी तो पहले एक बड़ी मोटी सपाट दीवार के रूप में हो जाती थी फिर वो अपने आप कार या टेंट का शेप ले लेती थी। किस्मत से जॉली की मृत्यु के बाद उसकी ब्लैकरॉक कार वापस अपने आप को टेंट से कार में कन्वर्ट कर रही थी, और उस कार ने मोटी सपाट दिवार का शेप लिया हुआ था जब दूसरे जासूस ने दूर से लेज़र ब्लास्ट किया। हालाँकि उस ब्लास्ट का निशाना धर्मा और उसके साथी थे परन्तु जॉली की ब्लैकरॉक कार ने ब्लास्ट का रास्ता रोक लिया। एक बहुत बड़ा धमाका हुआ। धर्मा और उसके साथियों को ज्यादा नुक्सान नहीं हुआ। जॉली की ब्लैकरॉक कार ने किस्मत से उन्हें बचा लिया था।

बोरो घबरा गया। वो चीखा, “तुम लोग जल्दी से कार में बैठो आस पास एक और जासूस भी है।“

सभी बोरो की ब्लैकरॉक कार में बैठ गए। इससे पहले की बोरो कार को आदेश देता धर्मा ने बोला, “अपनी कार को उस तरफ ले चलो जहाँ से जासूस ने लेज़र ब्लास्ट किया है।“

“तुम बिलकुल पागल हो गए हो।“ बोरो चीखा।

“ये मेरा आदेश है।“ धर्मा ने गंभीर और आधिकारिक रूप से बोला।

बोरो के पास कोई चारा नहीं था। उसने ब्लैकरॉक को आदेश दिया और वो उस तरफ तेजी से जाने लगी जहाँ से दूसरे जासूस ने उन पर ब्लास्ट किया था, तभी कुछ ही पलो बाद धर्मा ने आदेश दिया, “अब कार को आदेश दो की जितनी जल्दी हो सके उलटी दिशा में चले।“

बोरो को कुछ समझ नहीं आया परन्तु उसने कार को आदेश दिया। बोरो ने सोचा धर्मा ये क्या पागलपन कर रहा है और ब्लैकरॉक कार को आगे पीछे करवा रहा है, वो दूसरा जासूस किसी भी पल उन लोगो को निशाना बना सकता है, परन्तु बोरो के आश्चर्य की सिमा न रही जब उसने देखा की ब्लैकरॉक ने आराम से अपने आप को रिवर्स कर लिया और उस स्थान से बहुत दूर निकल गयी।

“मैंने समझ लिया था की ये ब्लैकरॉक कार बहुत तेज चलती है। इसलिए मैंने कहा था की जासूस की तरफ ले चलो। क्योंकि जासूस को ये नार्मल नहीं लगेगा और जब तक वो समझेगा हम गाडी को दूर ले जा चुके होंगे।“ धर्मा ने विस्मित बैठे अपने साथियो से कहा।

प्रोफेसर बोरो ने कहा, “परन्तु तुमको ऐसा क्यों लगा की वो हमारी उसकी तरफ जाने से विचलित होगा। वो फायर भी तो कर सकता था।“

“मैंने सोचा था की वह दोसरा जासूस ब्लैकरॉक को मारने के लिए निशाना साधेगा। परन्तु ये कभी नहीं सोच पायेगा की प्रोफेसर बोरो कार को

उसी की तरफ ले कर आ जायेंगे। जब आप उसकी तरफ कूच कर रहे हो तो वो कंफ्यूज़ हो जाएगा और हो सकता है वहां से भागने की कोशिश करे। इतना समय काफी था हमारे लिए ब्लैकरॉक कार को रिवर्स करके भागने के लिए।"

लेडी तारा के आश्चर्य की सीमा न रही। धर्मा ने इतनी जल्दी इतनी समझदारी दिखाई। लौरा को बचाया फिर ज़ोरो को बचाया और अब हम सब लोगो को भी बचा लिया।

बोरो को भी समझ आ गया की धर्मा बहुत ही दूरंदेशी और शानदार लीडर है। नोकोईविड से युद्ध अब वास्तव में मज़ेदार होने वाला था। धर्मा धीरे धीरे तैयार हो रहा था। ये सब छोटे छोटे संकेत थे की धर्मा क्या कुछ कर सकता है। पूत के पाँव पालने में दिख रहे थे।

&

धर्मा ने पूछा। हम कहाँ जा रहे है। लेडी तारा ने जवाब दिया हम एक दूसरे देश जा रहे है। यहाँ से तक़रीबन 5000 km दूर। ब्लैकरॉक को उन लोगो ने एक जंगल में छोड़ दिया था। पैदल वो लोग ½ किलो मीटर गए और फिर बोरो ने एक गुफा रूपी टनल में एंट्री की। आगे का रास्ता एक बहुत बड़े पत्थर ने रोक रखा था। बोरो ने मानसिक सन्देश दिया और बड़ा पत्थर अपने आप गायब हो गया और उन्हें टनल में जाने का रास्ता मिल गया। बोरो ने फिर सन्देश दिया और एक ट्रैन रूपी बड़ी सी गाडी आ गयी थी। सब लोग उसमें बैठ गए।

धर्मा कंफ्यूज़ था इसलिए लेडी तारा ने बोला, "ये है कार्ट, एक स्पेशल कार है जो धरती के अंदर बनी टनल में चलती है। यह हमें 10-12 घंटो में मेज़ोल के दूसरे देश में पहुंचा देगी। यहाँ से 5000 km दूर।"

धर्मा को समझा आ गया था। बोरो की ब्लैकरॉक कार ट्रेस हो सकती थी। जॉली के साथी जासूस को पता था की बोरो किस ब्लैक रॉक कार में भागा है। इसलिए हो सकता है वो ब्लैकरॉक का पीछा कर ले। परन्तु इस जंगल में इस टनल से बोरो कहाँ गया है ये पता लगाना किसी के लिए भी

आसान नहीं होगा। धर्मा को संशय था की बोरो को कौन फाइनेंस कर रहा है। इतना पैसा - जनक 290 जैसे स्पेस शिप, ब्लैक रॉक कार और अब ये टनल और टनल में कार्ट जो उन्हें 5000 km ले जाएगी।

बोरो ज़ोरो और लेडी तारा सभी ने धर्मा का मन पढ़ लिया था। परन्तु किसी ने भी कुछ नहीं बोला। सब चुप चाप कार्ट में बैठे थे और कार्ट तेज़ी से चल रही थी। लौरा अभी भी बेहोश थी हालाँकि ज़ोरो ने लौरा को मेडिकल ट्रीटमेंट दे दिया था।

लेडी तारा ने धर्मा को बोला, “हमें 10 घंटे लगेगे और इतना समय...।”

धर्मा ने तारा के बोलने से पहले कहा, “काफी है Xor और इरीट्रिया का पहला युद्ध समझने के लिए।“

“बिलकुल।“

~~~

अध्याय पांच - राल्फ का प्लान

तारा ने विज़न भेजा और धर्मा को दिखा की राल्फ एक बहुत बड़े कांफ्रेंस रूम में अपने सहयोगियों के साथ बैठा हुआ था। बहुत सारे रोबोट और ड्रोइड उन लोगो की सेवा में लगे हुए थे। राल्फ के पीछे एक बहुत बड़ी स्क्रीन लगी हुई थी। राल्फ अपने लोगो के साथ कुछ बहुत गंभीर मसलो पर चर्चा कर रहा था।

"यह है राल्फ की वार कौंसिल। राल्फ चुनाव जीत कर सुप्रीम कमांडर बन चूका है। कोन्ताना कही दूर चला गया था। कोन्ताना राल्फ जैसे नौसिखिये से हार गया था। उससे अपनी बेइज्जती बर्दाश्त नहीं हुई। राल्फ कोन्ताना के सामने बच्चा था और एक बच्चे से हारना कोन्ताना के अहम् को आहत कर गया था। राल्फ ने वादा किया था ही वो मैर्केल को हराएगा। इस war council (वार कौंसिल) में उसी का प्लान बन रहा था।"

" जैसन योजना समझाओ की हम इरीट्रिया पर कब और कैसे हमला करेंगे।" राल्फ ने अपने रूखे स्वर में बोला।

वहां उपस्थित सभी लोग बहुत ही उत्साहित थे। उन्हें नहीं पता था की राल्फ ने क्या योजना बनाई थी और कैसे इरीट्रिया पर जीत से मैर्केल के विरुद्ध फायदा मिलेगा।

"धन्यवाद सुप्रीम कमांडर। इरीट्रिया जो Xor से 1000 प्रकाश वर्ष दूर है उस पर कब्ज़ा करना बहुत मुश्किल है।" जैसन ने अपना सर हिलाया और सब लोगो को सम्बोधित करते हुए बोला।

जैसन एक एक्रिमिया प्रजाति का सुडोल व्यक्ति था। राल्फ का वो सबसे वफादार और काबिल कमांडर था। जैसन ने अजय सेना में रहते हुए अनेक मिशन में सफलता पायी थी। उससे ज्यादा होशियार और समझदार कमांडर पूरी अजय सेना में बमुश्किल ही मिलेगा।

इससे पहले की जैसन कुछ और बोलता एक सदस्य ने बोला, “इरीट्रिया। ये क्या है। हमें तो लगा था की हम मैर्केल को हराने के लिए योजना बना रहे है।“

राल्फ को बीच में टोकना बिलकुल भी पसंद नहीं था। उसने गुस्से से बोला, “मैर्केल से हम क्यों हारे।“

सब लोग चुप थे।

“इसलिए नहीं की हमारी अजय सेना कमज़ोर है। हमारी फ़ौज मैर्केल की फ़ौज के बराबर ही है।“

सब लोग अभी भी चुप चाप थे। राल्फ के सामने बोलने की हिम्मत किसी में नहीं थी।

“परन्तु इसलिए की हमारी फ़ौज को एक प्रकाशवर्ष की दुरी पार करने में स्टरगेज़ शिप की मदद से लगते है तक़रीबन साढ़े तीन वर्ष और मैर्केल के फटल शिप को मात्र साढ़े तीन दिन। उनकी ये गति उन्हें हमसे श्रेठत्तर बनाती है।“

सब लोग चुप चाप सुन रहे थे। राल्फ का एकालाप चालू था और राल्फ जब बोल रहा हो तो बीच में बोलने की हिम्मत किसी में नहीं थी।

राल्फ ने आगे बोला, “इसलिए इरीट्रिया पर नियंत्रण करने से हमें फायदा मिलेगा। जब मैं साइंटिस्ट था तो कुछ राकेट इरीट्रिया से आकर मेरे स्पेस स्टेशन से टकराये। जब मैंने पता किया तो मालूम पड़ा इन राकेट में जो ईंधन है वो है अन्तियम। अन्तियम ही वो ईंधन है जिससे मैर्केल के फटल स्पेसशिप प्रकाश गति से 150 गुना तेज उड़ पाते है। हमारे पूरे Xor साम्राज्य में अन्तियम कही नहीं मिलता। परन्तु इरीट्रिया अन्तियम का भण्डार है।“

राल्फ ने आगे बोला, “इसलिए मैंने सोचा की यदि हम इरीट्रिया पर कब्ज़ा कर ले और मैर्केल के जैसे या उससे भी तेज स्पेस शिप बना ले तो हम

मैर्केल से ताकतवर हो जायेंगे। हम शयी को भी Xor साम्राजय का हिस्सा बना लेंगे जो की अभी मैर्केल का हिस्सा है।"

निकाटोर नामक एक मंत्री जो कोन्ताना का शिष्य माना जाता था परन्तु अब वो राल्फ की पार्टी में था, बोला, "परन्तु सुप्रीम कमांडर हमें 1000 प्रकाश वर्ष की दूरी तय करने में तो 3000 वर्ष से भी ज्यादा लग जायेंगे। यदि हम मैर्केल से उनके फटल स्पेस शिप मांगे तो मैर्केल को पता चल जाएगा, और वो इरीट्रिया पर हमसे पहले कब्ज़ा कर लेंगे।"

"इसलिए ही बोल रहा हूँ की सब लोग चुप चाप जैसन की बात सुने। उसने योजना बनाई है।" राल्फ गुस्से में गुर्राते हुए बोला। इन बेमतलब के सवालो से वो बहुत ही ज्यादा चिढ़ गया था।

जैसन को समझ आ गया राल्फ चाहता है की वो अपनी बात जारी रखे। जैसन ने बोला, "इरीट्रिया 1000 प्रकाश वर्ष दूर है परन्तु यूको वर्महोल मात्र 30 प्रकाश वर्ष।"

जैसन ने थोड़ा विराम लिया। फिर बोला, "30 प्रकाश वर्ष की दुरी हमारे स्टारगेज़ शिप्स लगभग 100 वर्षो में पूरी कर लेंगे और फिर यूको वर्महोल को पार करते ही हमारी फ़ौज इरीट्रिया में होगी।"

निकाटोर फिर बीच में बोला, "पर हमें वर्महोल पार करना नहीं आता। उसका कोड हमारे पास कहा है।"

"निकाटोर तुम जैसन को बोलने दो बीच बीच में मत टोको।" राल्फ बहुत गुस्से में बोला।

निकाटोर घबरा गया और चुप चाप बैठ गया। राल्फ के सामने किसी को भी बोलने की इजाजत नहीं थी कोन्ताना के शिष्य को तो बिलकुल भी नहीं।

“मुझे पता है की हमें वर्महोल पार करना नहीं आता है परन्तु मेज़ो कारपोरेशन को आता है। उन्होंने अभी अभी ये कारनामा कर दिखाया है।” जैसन बोला।

निकाटोर फिर से बीच में बोला, “मेज़ो कोरोपोरशन तो शयी में है। उसका मालिक एक मिलांज है।”

निकाटोर राल्फ का मज़ाक उड़ा रहा था। राल्फ एक मिलांज की मदद ले रहा है। राल्फ को ये बिलकुल अच्छा नहीं लगा पर वह चुप रहा।

“हाँ मैं जानता हूँ मेज़ो कारपोरेशन शयी में है और उसका मालिक कोलार्क एक मिलांज है। परन्तु हमारे पास कोई और चारा नहीं है।” जैसन ने जवाब दिया।

“यदि तुमने मिलांज की मदद ली तो वो मैर्केल को बता देगा। ये बताने की जरुरत नहीं है की शयी हमारे दुश्मन मैर्केल का एजेंट है। शयी मून की हिस्ट्री तो सभी को पता है। राल्फ ने चुनाव शयी के नाम पर ही तो जीता है। कोन्ताना की सबसे बड़ी गलती जो हर रात Xor से दिखती है - यही नारा था न राल्फ आपका।” निकाटोर बार बार बीच में बोल रहा था।

निकाटोर राल्फ को अपमानित करने की कोशिश कर रहा था। राल्फ को ये बिलकुल भी पसंद नहीं आ रहा था।

राल्फ ने गुस्से में बोला, “निकाटोर तुम बद्तमीज़ और मुर्ख हो। जैसन तुम अपनी बात पूरी करो।”

निकाटोर चुप हो कर बैठ गया। राल्फ का गुस्सा बहुत तेज था।

जैसन आगे बोला, “ये सच है की कोलार्क - मेज़ो कारपोरेशन का मालिक एक मिलांज है परन्तु उसने अभी अभी वर्महोल को पार करने का कोड बनाया है। हम ये बोलेंगे की हमे जांच करनी है कि वर्महोल कोड सही काम करता है या नहीं। कोलार्क को मालूम नहीं पड़ेगा की हम क्या चाहते है। और ये वर्महोल हमें बिलकुल इरीट्रिया के पास ले जाएगा।

इतने में राल्फ का संचार मंत्री बोला, "हमने बहुत सारे रोबोट कोलार्क के कोड के जरिये वर्महोल पार करके इरीट्रिया भिजवाए है। इन रोबोट ने हमें बताया की इरीट्रिया पर विकसित सभ्यता है परन्तु हमारी अजय सेना का सामना नहीं कर सकती।"

जैसन ने कहा, "हाँ हमने चुपचाप रोबोट भेज कर जांचा है की वर्महोल को पार किया जा सकता है या नहीं और निकाटोर हमने ये रोबोट मैर्केल के फटल स्पेसशिप को किराये पर ले कर भेजे थे, उसके बावजूद भी मैर्केल को पता नहीं चला।"

"कुछ रोबोट भेजना और फ़ौज भेजना दोनों अलग बात होती है।" निकाटोर ने गुस्से से उत्तर दिया।

राल्फ चिल्लाया, "हाँ निकाटोर इसलिए हम फ़ौज भेजने के लिए अपने स्टारगेज़ शिप का प्रयोग कर रहे है मैर्केल के फटल नहीं। मैर्केल के फटल शिप का इस्तेमाल हमने सिर्फ ये जानने की लिए किया था की वर्महोल पार करके रोबोट सफलतापूर्वक आ जा सकते है या नहीं।"

"परन्तु मैर्केल के फटल शिप से तो वर्महोल की दुरी कुछ दिनों में ही पूरी हो सकती है इसलिए इरीट्रिया जाकर रोबोट जानकारी ले आये परन्तु अभी जैसा जैसन ने बताया की स्टारगेज़ शिप से इरीट्रिया पहुँचने में हमारी फ़ौज को 100 वर्ष से भी ज्यादा लगेंगे।" निकाटोर ने राल्फ को प्रतिप्रश्न किया।

रॉल्फ को समझ आ गया था निकाटोर क्या बोलना चाह रहा था। राल्फ बोला, "मैं जानता हूँ की इस मिशन को पूरा होने में लगभग 110 वर्ष लगेंगे।।।"

निकाटोर बीच में बोला, "और तुम सुप्रीम कमांडर केवल 60 वर्षो के लिए ही हो।

राल्फ ने बोला, "इसलिए मुझे दुबारा चुनाव जीतना होगा। मुझे एक और टर्म चाहिए होगी।"

&

धर्मा ने बीच में टोकते हुए पूछा, “एक बात समझ नहीं आयी, इन लोगो ने 110 वर्षो कि योजना बनायीं है।"

तारा समझ गयी की धर्मा को क्या संशय हो रहा था, तारा ने बोला, "धर्मा Xor के लोगो ने सभी प्रकार के बैक्टीरिया और वायरस का पता लगा लिया था और उन्हें कोई भी बीमारी नहीं मार सकती थी, उन्होंने उन जींस (genes) का पता भी लगा लिया था जिससे बुढ़ापा आता है और उसको उल्टा कर दिया था। इसलिए वो लोग बूढ़े भी नहीं होते थे।“

धर्मा बोला समझ गया, "इस तरह से तो Xor के निवासी लगभग अमर ही थे। "

“हाँ, केवल युद्ध और आत्महत्या ही कारण थी मृत्यु का।"

“आत्महत्या।“ धर्मा को बहुत ही आश्चर्य हुआ, “इतने विकसित लोग भी आत्महत्या करते है।“

“हाँ धर्मा, जैसे जैसे हम विकसित होते है हमारी मनस्थिति ही हमारे दुखों का कारण बन जाती है।

“समझ गया। आप आगे बताईये।“

लौरा ने कहानी को आगे बढ़ाया और आगे का विज़न प्रेषित किया।

निकाटोर बोला, “राल्फ चूँकि इस मिशन को पूरा होने में इतना समय लगेगा, हमें गवर्निंग कौंसिल को किसी तरह से राज़ी करना चाहिए...”

इससे पहले निकाटोर अपना वाक्य पूरा करता राल्फ चिल्लाया, “क्या तुम बिलकुल पागल हो। यदि मैंने गवर्निंग कौंसिल को बताया जिसमे नदरिमान ओसलवनिया आदि के प्रतिनिधि भी है तो पता नहीं कौन मैर्केल को खबर लीक कर देगा।“

निकाटोर बोला, “परन्तु राल्फ यदि तुमने बिना किसी को बताये अपनी फ़ौज इरीट्रिया पर भेजी वो भी इतना खर्चा करके तो तुम गवर्निंग कौंसिल को क्या जवाब दोगे।“

रॉल्फ को ऐसे मुश्किल पैदा करने वाले लोग बिलकुल पसंद नहीं थे। उसने मानसिक सन्देश दिया और कुछ रोबोट सैनिक निकाटोर को बंदी बनाने आ गए।

निकाटोर को समझ आ गया था की राल्फ उसे मरवा देगा। निकाटोर ने बोला, “मुर्ख राल्फ मैं तेरी भलाई के लिए बोल रहा था। क्या तूने ये सारे दृष्टिकोण सोचे। नहीं। तेरा विनाश नज़दीक है। तू कठिन प्रश्नो का उत्तर ढूंढने के बजाए उन लोगो को मरवा देता है जो तेरे से प्रश्न पूछते है। तेरी विपरीत बुद्धि तेरा विनाश जल्दी करवाएगी।“

निकाटोर इससे पहले कुछ और बोल पाता रोबोट ने उसका गला दबा दिया। निकाटोर मर गया और उसका शव रोबोट ले कर चले गए।

राल्फ एक बहुत ही क्रूर शासक था। इस मीटिंग में जितने भी 8-10 लोग बैठे थे वह सब राल्फ के ख़ास थे परन्तु निकाटोर जैसे लोग राल्फ को सही रास्ता बताना चाहते थे। निकाटोर के आलावा कोई नहीं था जो राल्फ का विरोध करता या उसको सही सलाह देता। ये चाटुकार लोग राल्फ को अंततः मरवा ही देंगे।

&

“राल्फ ने भरी सभा में निकाटोर को मरवा दिया। कोई ऐसे किसी की भी हत्या कैसे कर सकता था।“ धर्मा के मन में कुछ संशय हुआ।

तारा ने जवाब दिया, “राल्फ ने ये मीटिंग एक सुदूर प्लेनेट के एक गोपनीय जगह रखी थी। किसी को पता भी नहीं चलेगा, हाँ यदि राल्फ के बाकि मंत्री जो वहां मौजूद थे वो गवाही दे तो...

धर्मा ने बीच में बोला, “वो तो बहुत मुश्किल है। क्योंकि यदि वो राल्फ के ख़ास नहीं होते तो राल्फ उन्हें इतनी गोपनीय बाते बताता ही नहीं।“

“हाँ, सही सोच रहे हो तुम धर्मा।“

“तो अन्तियम (Antium) के कारण राल्फ इरीट्रिया पर कब्ज़ा करना चाहा रहा था। परन्तु किसी ने पहले नहीं बताया की इरीट्रिया पर अन्तियम (Antium) का भंडार था।“

“हाँ धर्मा। चलो अब मैं बताती हूँ। जिस समय कोन्ताना अपना साम्राज्य बढ़ा रहा था और Xor के लोग मैर्केल के लोगो के साथ व्यापर कर रहे थे और मिलांज का जन्म हो रहा था, उस समय Xor से 1000 प्रकाश वर्ष दूर इरीट्रिया पर कुछ बहुत रोचक घट रहा था।

~~~

अध्याय छह - इरीट्रिया पर कूच

तारा ने धर्मा को इरीट्रिया का विज़न भेजा।

तारा बोली, “आज से 700-800 साल पहले इरीट्रिया में हेयस पर सात अलग अलग देश थे जिनके प्रधान को सत्रप बोला जाता था।“

धर्मा ने बीच में बोला, "हाँ मैंने उन किताबो में पढ़ा था जो ज़ोरो ने मुझे दी थी। "

"ओह तो तुम जानते हो इरीट्रिया के बारे में।"

"थोड़ा बहुत।"

"तो चलो देखते है तुम्हें क्या पता है।" तारा ने थोड़ा मजाकिया स्वर में बोला।

धर्मा ने बोला, “हेयस भू भाग पर अधिकतर ऐंजलन का आधिपत्य था। सेन्टॉरस को अलग देश - सेंटारी लैंड - दे दिया गया था। फ्लेशी सेकंड ग्रेड नागरिक थे और ऐक्यान पानी के अंदर खुश रहते थे।“

धर्मा ने थोड़ा पॉज लिया अपने विचारो को एकत्रित किया और फिर बोला, “फ्लेशी बोफ को मानते थे जबकि बाकि तीनो मूर्ति पूजा करते थे।“

लेडी तारा ने बीच में धर्मा को बताया, "हालाँकि तीनो ही भगवान की मूर्ति बनाने के लिए एक ख़ास पत्थर का इस्तेमाल करते थे जिसकी खदाने या तो हेयस में ऐंजलन के कब्जे में थी या पानी के अंदर ऐक्यान के कब्जे में।“

धर्मा बोला, “हाँ हाँ, हेयस में तेजी से प्रगति हो रही थी। मैंने पढ़ा था की ग्रीनलैंड से सभ्यता की शुरुआत हुई परन्तु हेयस भू-भाग पर विकास ज्यादा तेजी से हुआ था।

तारा ने कहा, “हाँ। धीरे धीरे जब हवाई जहाज और फाइटर जेट बने तब फ्लेशी की समाज में अहमियत बढ़ी।“

धर्मा ने कहा, “मैं समझा नहीं।“

तारा ने बोला, “फ्लेशी चूँकि मूर्ति पूजा के विरुद्ध थे और इतने ताकतवर नहीं थे जितने ऐंजलन और सेन्टॉरस, इसलिए वे हमेशा से ही उनकी उपेक्षा होती थी। परन्तु जब कृत्रिम उड़ान की बात आयी तो फ्लेशी से अच्छे पायलट कोई नहीं थे।“

“अच्छा तो इसका मतलब फ्लेशी को समाज में उचित स्थान मिल गया था।“ धर्मा ने सर हिलाते हुए कहा।

तारा ने कहा, “हाँ कुछ समय के लिए। परन्तु कुछ फ्लेशी लोगो को स्पेस आकर्षित करता था और उन्होंने ऐसे राकेट बनाने की सोची जो स्पेस में दूर तक जा सके। परन्तु उस के लिए ईंधन मिलता था ब्लैक स्टोन से।“

“ब्लैक स्टोन तो भगवान की मूर्ति बनाने के लिए इस्तेमाल होता था।“

“हाँ फ्लेशी मूर्ति पूजा में नहीं मानते थे। फ्लेशी लोगो को चूँकि ब्लैक स्टोन की खान और खदान में जाने की अनुमति नहीं थी इसलिए कुछ फ्लेशी लोगो ने भगवान की मूर्ति चुराई और राकेट बना के उड़ा दिए।“

“तो क्या बाकि लोगो को पता नहीं चला।“ धर्मा ने विस्मय से पूछा।

“शुरुआत में जब कुछ ही मूर्तियां चुराई गयी तो किसी को समझ नहीं आया ये मूर्ति कौन और क्यों चुरा रहा है। परन्तु जब फ्लेशी के कुछ समूह ने अति कर दी, और ज्यादा दूर जाने वाले राकेट बनाने के लिए बहुत सारी मुर्तिया एक साथ चुराई तो वो पकडे गए।“

“तो यह वो राकेट है जो कुछ साल बाद राल्फ को Xor में मिले।“

“हाँ, धर्मा। फ्लेशी ने इतने अच्छे राकेट बनाये थे की उन्होंने 1000 प्रकाश वर्ष की दुरी मात्र 8-9 वर्षो में पूरी कर ली थी।

“परन्तु फ्लेशी के पास राकेट बनाने के पैसे कहा से आये।“ धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

“फ्लेशी भले ही सामाजिक तौर पर पीछे थे परन्तु जब से कृत्रिम विमान का कारोबार शुरू हुआ तो फ्लेशी लोगो ने बहुत तरक्की की। उन्होंने कई हवाई जहाज और फाइटर जेट के कारखाने बनाये। फ्लेशी लोग विमानिक शास्त्र में सबसे उत्तम साबित हुए थे।“

“ओह हाँ अपने बताया था की फ्लेशी कृत्रिम उड़ान के मास्टर बन गए थे।“

“हाँ अनेक फ्लेशी उद्योगपति और बिजनेसमैन राकेट में पैसे लगा रहे थे। उनको लगा यदि स्पेस शिप बनाये जाए तो वो लोग अलग अलग प्लैनेट्स पर कब्ज़ा कर सकते है।“

“मतलब कोन्ताना जैसे लीडर इरीट्रिया में भी थे जो इरीट्रिया को अनेक ग्रहो पर राज करने वाला साम्राज्य बनाना चाहते थे।“ धर्मा ने उत्साह से पूछा।

“अफ़सोस इरीट्रिया पर कोई भी कोन्ताना जैसा दूरदर्शी लीडर नहीं था।“ तारा ने दुखी स्वर में बोला। उसने आगे कहा, "ऐंजलन और सेन्टॉरस को स्पेस में कोई रुचि नहीं थी। फ्लेशी लोगो ने जब ऐसे राकेट भेजे और यह पता चला की फ्लेशी ने भगवान की मूर्ति को गला कर ईंधन बनाया है तो हंगामा हो गया। फ्लेशी लोगो को मारा गया, फ्लेशी औरतो को गुलाम बना के रखा गया और फ्लेशी बच्चो को भी मार डाला गया।“

“इतना अत्याचार।“ धर्मा ने दुःख और चिंता भरे स्वर में कहा।

“हाँ धर्मा। फ्लेशी ने जब माफ़ी मांगी और वादा किया की वो राकेट और स्पेस के बारे में भुल जायेंगे तब जाकर फ्लेशी को माफ़ किया गया। सभी फ्लेशी को एक बहुत छोटे देश लक्स फुल्गोर में भेज दिया गया और ये आदेश दिया गया की फ्लेशी केवल वही रहेंगे। फ्लेशी लक्स फुल्गोर के बाहर कोई भी व्यापार या काम करने की इजाजत नहीं थी।“

"परन्तु आपने कहा था फ्लेशी बहुत अच्छे पायलट थे और फाइटर जेट भी उड़ाते थे। उनका क्या हुआ।"

"कुछ फ्लेशी को यह छूट दी गई की वह पायलट बने रह सके। परन्तु ऐसे लोग बहुत कम थे। ज्यादातर फ्लेशी लक्स फुल्गोर में ही रहते थे। इन दंगो के चलते फ्लेशी की आबादी तक़रीबन आधी से भी कम हो गई थी।"

&

धीरे धीरे कार्ट ने बहुत सा रास्ता पार कर लिया था। लौरा अभी भी बेहोश थी और ज़ोरो उसके पास ही बैठा था। प्रोफेसर बोरो किन्ही आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले के घेरे में बैठे बैठे कुछ गहन अध्यन कर रहे थे। लेडी तारा और धर्मा एक ही सीट पर बैठे थे और धर्मा उन विज़न में खोया हुआ था जो लेडी तारा उसे दिखा रही थी।

तारा ने कहा, "चलो अब वापस चलते है राल्फ के पास। वो कहानी अभी अधूरी है।"

"मैं जानने के लिए उत्सुक हूँ।" धर्मा ने उत्तर दिया।

तारा ने विज़न भेजा। धर्मा ने देखा राल्फ चिंतित था और उसके साथ उसका सेनापति जनरल विज और उसकी राजनैतिक सलाहकार निष् बैठे थे।

राल्फ बोला, "मुझे किसी भी तरह दुबारा चुनाव जीतना है।"

जनरल विज बोला, "आप जीत जायेंगे। परन्तु क्या जैसन चला गया।"

राल्फ ने कहा, "नहीं। मैंने अभी वापस से एक सभा बुलाई है ताकि मैं जैसन से उसकी योजना एक बार अच्छी तरह से और समझ लूँ।" राल्फ ने निष् की ओर देखा और पूछा, "निष् तुम क्या कहती हो। मेरे जितने की क्या संभावना है।"

निष् ने कहा, “अभी चुनाव दूर है। परन्तु आपने जनता को वादा किया है की आप मैर्केल को हरा देंगे। जनता भूलेगी नहीं, और आपके विरोधी जनता को भूलने भी नहीं देंगे। आप को कुछ तो करना होगा।“

राल्फ बोला, “मैं मैर्केल को जरूर हरा दूंगा परन्तु मुझे एक बार और जीतना है।“

“परन्तु अगला चुनाव आप कैसे जीतोगे। जनता पूछेगी मैर्केल को कैसे हराया। यहाँ तक की कोलार्क की मदद से आप अपने स्टारगेज़ शिप को कही भेज रहे है ये बात भी चुनाव में उठेगी।“ निष् थोड़ा घबराते हुए बोली।

वो राल्फ की राजनैतिक सलाहकार थी और कोन्ताना को चुनाव हारने में निष् ने बड़ी भागीदारी निभाई थी। शयी - कोन्ताना की गलती जो हर रात Xor से दिखती है; यह नारा भी निष् का ही ब्रेनचाइल्ड था।

“मुझे पता है निष्।“ राल्फ बोला। हालाँकि उसके स्वर में थोड़ी सी बेचैनी थी। “जनरल विज नाडुस के क्या हाल है।“

विज बोला, ”सब अच्छा है।“

राल्फ बोला, “ठीक है मीटिंग के बाद मुझे तुम से नाडुस के बारे में कुछ बात करनी है।“

विज बोला, “ठीक है।“

राल्फ सभा में चला गया। उसमे वो ही 8-10 लोग थे जो राल्फ के ख़ास थे।

“तुम तैयार हो।“ राल्फ ने जैसन से पूछा। राल्फ के आवाज़ में तल्खी थी। उसे पता था ये मिशन बहुत ही महत्वपूर्ण है। उसने बिना किसी को बताये इतना बड़ा कदम उठाया था।

“जी सर।“ जैसन ने सैलूट करते हुए बोला। उसने आगे कहा, "मैं चार स्टरगेज़ शिप ले कर निकल रहा हूँ। दो शिप्स में अजय सेना की एक-एक टुकड़ी और बाकि दो शिप्स में तकनीकी सामान रोबोट और कुछ इंजीनियर्स

जिससे जब मैं इरीट्रिया पर कब्ज़ा कर लू, तब हम फटल स्पेसशिप बना सकेंगे।"

"एडमिरेर को ले लिया साथ में।" राल्फ ने पूछा।

एडमिरेर एक ऐसी रोबोट थी जो दिखने में किसी सुन्दर किशोर लड़की की तरह दिखती थी परन्तु वह एक बहुत ही खतरनाक आर्टिफिशलय इंटेलीजेंट रोबोट थी। Xor प्लेनेट का सबसे बेहतरीन निर्माण। वो बहुत सारी गणनाएं एक साथ कर सकती थी और बहुत ही ज्यादा समझदार थी।

"हाँ सर एडमिरेर को ले लिया। मैं और एडमिरेर ही पूरे मिशन में जगे रहेंगे बाकि जितने भी सैनिक और इंजीनियर्स हैं वो सुप्त अवस्था में रहेंगे। जब हम इरीट्रिया पर पहुँच जायेंगे तब हम उन लोगो को उनकी नींद से उठा देंगे।"

राल्फ ने बोला, "ठीक है। किसी को कुछ पूछना है।"

किसी की भी हिम्मत नहीं थी की कुछ पूछ सके।

तभी एक मंत्री ने बोला, "जैसन क्या अजय सेना की दो टुकड़ी काफी रहेगी।"

जैसन बोलना तो चाहता था की यदि उसको 5-6 स्टारगेज़ शिप्स और मिल जाए और वो 5-6 अजय सेना की टुकड़ी ले जा सके तो काफी अच्छा रहेगा परन्तु इससे पहले राल्फ बोला, "हाँ 2 टुकड़ी काफी है। इरीट्रिया पर सभ्यता तो है परन्तु वो इतनी विकसित नहीं है की अजय सेना की एक भी टुकड़ी का सामना कर सके। दो टुकड़ी तो बहुत हो गयी।"

राल्फ ने दो टुकड़ी बोल दिया था और राल्फ का शब्द अंतिम होता था। अब जैसन नहीं बोल सकता था उसे 5-6 टुकड़ियां चाहिए।

राल्फ को इसी बात के लिए निकाटोर टोकता था। राल्फ किसी और की सुनता ही नहीं था। इससे गलती होने की संभावना बढ़ जाती थी।

राल्फ ने आदेश दिया, "जैसन तुम निकलो और विजयी भव।"

राल्फ को अब करना था लम्बा इंतज़ार। एक सदी से भी ज्यादा का इंतज़ार। राल्फ मीटिंग से वापस अपने चैम्बर में आ गया था। निष् और जनरल विज उसके साथ थे। राल्फ अपने आरामदायक सोफे पर बैठा था परन्तु वो अत्यधिक बैचेन था।

निष् बोली, “राल्फ ये मिशन तो जब सफल होगा तब होगा। जैसन को इरीट्रिया जीतने और फटल स्पेसशिप बना कर Xor भेजने में बहुत समय है। उसके बाद तुम्हें मैर्केल को हराने में भी समय लगेगा। परतु अभी अगला चुनाव 60 वर्षो में है। कुछ सोचा है क्या करोगे कैसे ये चुनाव जीतोगे। तुम्हारी विरोधी डेल और शिनी बहुत खतरनाक है।“

“प्लान नाड्स।“ राल्फ की आँखों में एक चमक थी। उसने कुछ योजना बना लिया थी कैसे वो अगला चुनाव जीतेगा।

“प्लान नाड्स। वो क्या है।“ निष् ने विस्मय से पूछा।

राल्फ ने कुछ बहुत ही खतरनाक सोच लिया था। राल्फ को किसी भी कीमत पर अगला चुनाव जीतना था और इस इरीट्रिया के मिशन को गुप्त रखना था।

राल्फ को कुछ करना होगा क्योंकि उसके विरोधी यह प्रश्न उठाएंगे की राल्फ ने मैर्केल को हराने के लिए क्या किया। कोन्ताना सिर्फ इसलिए हारा था क्योंकि राल्फ ने जनता को यकीन दिला दिया था की वो मैर्केल को हराएगा। यदि राल्फ ने कुछ ख़ास नहीं किया तो उसके विरोधी इसका बहुत बड़ा चुनावी मुद्दा बनाएंगे। कोन्ताना गायब था परन्तु डैल, शिनी और परिंजय गृह का वो खड़ूस एवं कुटिल प्रेजिडेंट सैडल अभी राजनीती में राल्फ के सबसे प्रमुख विरोधी थे। कैसे राल्फ अपने इतने बड़े प्रतिद्वंदियों को अगले चुनाव में हरा पायेगा, ये चिंता राल्फ को हमेशा सताती थी।

राल्फ की उम्मीद थी जैसन फटल शिप्स बना ले और फिर वो इन मैर्केल और मिलांज को शयी से खदेड़ दे, उसके बाद वो कोन्ताना से भी बड़ा नाम बन जाएगा।

परन्तु जब तक जैसन इरीट्रिया को जीत कर फटल स्पेसशिप बना न ले राल्फ को जनता का ध्यान कही और लगाना था। मैर्केल से रिश्ते अब थोड़े ठीक हो गए थे परन्तु पहले जैसे नहीं। मैर्केल से युद्ध में हार राल्फ को और सभी Xor के लोगो को सताती थी। मैर्केल अब अपने प्रकाश गति से तेज उड़ने वाले फटल शिप बहुत ही मुश्किल से देता था, वो भी बहुत ऊँचे दामों पर। राल्फ को पता था की जैसन सफल हो कर आएगा और जल्दी ही वो मैर्केल को Xor साम्राज्य से निकाल देगा और उन सपोले मिलांज को भी।

निष् राल्फ को देख रही थी जो अपने ही ख्यालो में खोया हुआ था। उस को समझ आ गया कुछ बहुत बुरा होने वाला है। वो राल्फ को बहुत अच्छे से पहचानती थी।

&

कार्ट टन्नल में तेजी से जा रही थी, बोरो अपना काम कर रहा था कुछ मानसिक गणनाएं, ज़ोरो लौरा की देखभाल कर रहा था हालाँकि वो बेहोश ही थी। लेडी तारा और धर्मा एक साथ एक सीट पर बैठे थे। जल्द ही कार्ट अपने गंतव्य पर पहुँच जाएगी।

तारा ने विज़न भेजा और बोला, "आज से लगभग 600 वर्ष पूर्व, जैसन चार स्टारगेज़ शिप के साथ इरीट्रिया के मिशन पर निकल चूका था। दो शिप्स में अजय सेना और बाकी दो में शिप बनाने की सामग्री, इंजीनियर्स, रोबोट, खाना पीना आदि। उसे सौ वर्षो से अधिक का समय लगना था। इन 100 वर्षो में Xor में अनेको घटनाएं घटी।"

धर्मा ने बीच में बोला, "परन्तु 60 वर्षो बाद तो चुनाव था Xor पर।"

“हाँ धर्मा। Xor साम्राज्य 409 ग्रहो में फैला हुआ था। 410 वां गृह इरीट्रिया उस समय Xor के कब्जे में नहीं था। इन 409 ग्रहो पर चुनाव होते और इनके गवर्नर फिर आपस में वोट कर के एक सुप्रीम कमांडर चुनते थे। उस समय जब राल्फ सुप्रीम कमांडर था उसके विरोधी थे डेल और शिनी। शिनी सुर नामक एक प्लेनेट की गवर्नर थी। और डेल Xor प्लेनेट का मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स।

“Xor का सुप्रीम कमांडर तो राल्फ था न, तो डैल मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स कैसे हुआ वो तो उसका विरोधी था।“ धर्मा ने आश्चर्यचकित हो कर पूछा।

“धर्मा, Xor साम्राज्य का प्रशासन और राज्य व्यवस्था थोड़ी भिन्न है। चूँकि Xor प्लेनेट का चुनाव डैल ने जीता था इसलिए डैल बना Xor प्लेनेट का गवर्नर और मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स और वही पर राल्फ ने आइवीश से चुनाव जीता था इसलिए बना आइवीश का गवर्नर और मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स। इसका मतलब आइवीश की अजय सेना और सिविल प्रशासन का अधिकार राल्फ के पास था और Xor प्लेनेट का डैल के पास।

"मैं समझ गया।"

"इतनी जल्दी समझ गए।" तारा को आश्चर्य हुआ।

"हाँ। ऐसे ही 409 ग्रहो के अलग अलग गवर्नर थे और उन सब ने मिलकर फिर राल्फ को अपना सुप्रीम कमांडर बना लिया परन्तु अपने गृह के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी वो लोग ही थे। Xor साम्राज्य एक फेडरल साम्राज्य था।"

"हाँ धर्मा। तुम वास्तव में बहुत समझदार हो। चलो कहानी आगे बढ़ाते है।“

लेडी तारा ने Xor साम्राज्य का विज़न प्रेषित किया और बोला, “राल्फ Xor साम्राज्य का, जो 409 ग्रहो में फैला हुआ था, सुप्रीम कमांडर था।

परन्तु Xor प्लेनेट उस साम्राज्य की जननी थी, जहां से सभी लोग अलग अलग प्लैनेट्स पर फैले थे इसलिए Xor प्लेनेट सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण था। कोन्ताना भी हमेशा से ही Xor से ही चुनाव जीतता था। Xor में गवर्नर डेल चुनाव जीता था। इसलिए डेल राल्फ का सबसे प्रमुख विरोधी था। डेल को हमेशा लगता था की वो राल्फ को अगला सुप्रीम कमांडर का चुनाव हरा देगा। उसे 409 प्लैनेट्स में से मेजोरिटी का सपोर्ट चाहिए था। शिनी डेल की प्रमुख सहयोगी थी।“

धर्मा ने बोला, “समझ गया। राल्फ के लिए मुश्किलें बहुत थी।“

तारा ने कहा, “हाँ और राल्फ ने चालू किया प्लान नाड्स।“

~~~

अध्याय सात- क्रेस का खेल

तारा ने धर्मा को विज़न भेजा और बोला, “हम देखने जा रहे है नाडुस पर खेले जाने वाला सबसे प्रसिद्ध खेल – क्रैस का खेल।“

धर्मा ने देखा दो बिलकुल गोरिल्ला रूपी विशालकाय मानव उस मैदान के बीचो बीच खड़े है। दोनों पंजा लड़ाने वाले थे। एक बहुत बड़े दैत्याकार रूपी गोरिल्ला मानव ने अपने से एक फुट छोटे गोरिल्ला रूपी मानव को देख कर बोला, "कालिया आज भी धरतल हारेगा, मगथ को हराना तुम्हारे बस का नहीं है।"

"तू अपनी फ़िक्र कर सज्जन, आज तू जिन्दा नहीं जाएगा।" कालिया चिल्लाया।

दोनों ने भंयकर हुंकार भरी और रेफरी के इशारे पर पंजा लड़ाना शुरू किया। सज्जन कालिया से विशाल था, ज्यादा शक्तिशाली था इसलिए उसके जीतने की सम्भावना ज्यादा थी। यह मुकाबला मगथ की भूमि पर हो रहा था इसलिए चारो तरफ मगथ ही मगथ के नारे लग रहे थे। धरतल के लोग भी थे परन्तु उनकी संख्या काफी कम थी। हर कोई सज्जन सज्जन चिल्ला रहा था।

कुछ क्षण में ही सज्जन ने कालिया का हाथ काफी नीचे कर दिया था, जब उसका ध्यान उस बहुत ही गंदे और बदबूदार कीचड पर गया जो कालिया अपने हाथ पर लगा कर लाया था।

"ये कीचड क्या लगा कर आया है अपने पंजो में। " सज्जन ने घृणित स्वर में पूछा।

कालिया कुछ न बोला। उसका सारा ध्यान बस सज्जन को जीतने से रोकने पर था।

सज्जन के हाथो पर भी वो गन्दा कीचड पूरी तरह से लग गया था। परन्तु पंजा युद्ध के बीच में सज्जन हट नहीं सकता था, वरना वो हार जाता। सज्जन ने कालिया का पंजा काफी नीचे कर दिया था। कालिया पूरी कोशिश कर रहा था की वो बस हारे नहीं। सज्जन बहुत ही ताकतवर था, और तेजी से अपने हाथ पर दबाव डाल रहा था। किसी भी क्षण सज्जन जीत सकता था।

सज्जन को हालाँकि वो गन्दा कीचड जो कालिया अपने हाथो में लगा कर लाया था बहुत ही परेशान कर रहा था। उसमे अजीब सी बदबू भी आ रही थी और वो बहुत ही निकृष्ट दिख रहा था। सज्जन को लगा उसे रेफरी से शिकायत करनी चाहिए। फिर उसे लगा वो जीत ही रहा था। वो किसी भी क्षण कालिया का पंजा गिरा देगा और यह पंजा युद्ध जीत जाएगा। क्या शिकायत करनी है, वैसे भी सज्जन अपने नाम के मुताबिक साफ़ सुथरे खेल में भरोसा करता था किसी शिकायत या बेईमानी में नहीं।

सज्जन की सेना का अमात्य जो खेल में सबसे प्रमुख भूमिका निभाता था, वो दूर खड़ा देख रहा था और अपने सहयोगी नाशक से बोला, “ये सज्जन इतना समय क्यों ले रहा है। उस कालिया का हाथ मरोड़ क्यों नहीं देता।"

नाशक जो की इस खेल में अमात्य के बाद सबसे महत्वपूर्ण था बोला, "हाँ पता नहीं सज्जन को इतना समय क्यों लग रहा है। लगता है कालिया ने काफी मेहनत कर ली है।"

कालिया का अमात्य जो की दूर से देख रहा था जोर जोर से बोल रहा था, "कालिया तुम जीतोगे - तुम जरूर जीतोगे।"

सज्जन ने कालिया को बोला, "बड़ी जान आ गयी है तुझमे कालिया मेरा इतना देर मुकाबला कर लिया।"

कालिया चुप था और किसी तरह सज्जन को जीतने से रोके हुए था। उसकी मुख की एक एक नस अब साफ़ साफ़ दिख रही थी, इससे पता चलता

था की कालिया ने कितना दम लगा रखा था सज्जन को जीतने से रोकने के लिए।

कालिया बस समय का इंतज़ार कर रहा था और वह समय आ गया। उस कीचड ने, जो सज्जन के हाथ पर लग गया था, अपना काम कर दिया था। सज्जन को लगा उसका हाथ सुन्न हो रहा था। वो चिल्लाया, "कालिया ये तूने क्या किया, मैं रेफरी को बोलूंगा"

परन्तु इससे पहले सज्जन या कोई भी कुछ समझ पाता कालिया ने सज्जन का हाथ दूसरी तरफ पटक दिया और बहुत ही जोर का झटका देकर तोड़ दिया। सज्जन दर्द से कराह उठा था। कालिया ये पंजा युद्ध जीत गया था।

चारो तरफ मगथ के समर्थको में एक अजीब सी ख़ामोशी छा गयी। किसी को यकीन ही नहीं हो रहा था की सज्जन जीता हुआ पंजा युद्ध आसानी से हार जाएगा। कालिया ने काफी अच्छा खेल खेला था। वह इतनी देर में पहली बार बोला, "मुर्ख सज्जन अभी तो सिर्फ तेरा हाथ टुटा है, अभी तो यहाँ से तेरी लाश जाएगी।"

कालिया यह बोल कर वहां से धीरे धीरे अपने हाथ अकड़ में ऊपर उठा कर चलता हुआ चला गया। उस पूरे स्टेडियम में सारी मगथ की जनता को कालिया ने एक बहुत बड़ा थप्पड़ मारा था। वो समझते थे की सज्जन कालिया से पंजा युद्ध में कभी हार ही नहीं सकता।

कालिया अपने अमात्य के पास आया और बोला, "कैसा लगा।"

अमात्य बोला, "बहुत ही ज्यादा अच्छा। तुम हारते हारते जीत गए।"

कालिया बोला, "सब इस कीचड का कमाल है।" उसने अपना हाथ आगे किया।

अमात्य ने पूछा, "ये क्या है।"

"तुम्हें पता है की जब भी हम अभ्यास करते थे मेरा हाथ हमेशा सुन्न रहता था या दर्द में रहता था।"

"हाँ "

"उसका कारण ये केमिकल ही था। एक ऐसा केमिकल जो हाथ को सुन्न कर देता है। मैंने तो धीरे धीरे अपनी बॉडी को अभ्यस्त कर लिया परन्तु सज्जन को समय ही नहीं मिला।"

"परन्तु यदि मेडिकल टेस्ट हुआ तो, सज्जन अभी रेफरी को शिकायत कर सकता है। "

"तुम चिंता मत करो ये केमिकल थोड़ी देर में अपने आप हवा हो जाता है। मेडिकल में कुछ नहीं आएगा।"

"तुम वास्तव में सबसे ज्यादा कुटिल हो कालिया।“ अमात्य ने कालिया को गले लगा लिया। “आज हम मगथ की धरती पर मगथ को हराएंगे। तुमने पंजा युद्ध जीत कर शुरुआती जीत का बिगुल बजा दिया है।“

इधर सज्जन अपना टूटा हाथ लेकर अपने अमात्य और नाशक के पास आया। अमात्य बोला, "ये क्या हो गया सज्जन। तुम तो जीत रहे थे अचानक से कालिया ने तुम्हारा हाथ ऐसे झटक के तोड़ दिया जैसे वो किसी मोम की गुड़िया को उठा रहा हो। "

सज्जन बोला,"ये कीचड देख रहे हो", उसने अपने दूसरे हाथ से अपना टूटा हुआ हाथ ऊपर किया।“

अमात्य बोला, "ये कीचड कहाँ से आया।"

सज्जन बोला, "कालिया ने बेईमानी की। वो कोई कीचड अपने हाथ पर लगा कर आया था, उसका हाथ तो सुन्न नहीं हुआ परन्तु मेरा हाथ सुन्न हो गया और उसने मेरे हाथ को झटक दिया।“

उनका मेडिकल असिस्टेंट भी वहां आ गया था। वो बोला, "मैं अभी इस कीचड का सैंपल टेस्ट के लिए भेजता हूँ और फिर औपचारिक शिकायत भी दर्ज करता हूँ। "

सज्जन बोला, "वो सब बाद में। हम पंजा युद्ध हार गए है मतलब हमें केसरी वस्त्र मिलेंगे और हमें पूर्व दिशा से खेलना पड़ेगा। इसका मतलब वो अम्लीय दलदल हमारा रास्ता रोकेगा।“

"कोई बात नहीं सज्जन, हम हर तरह से सज्ज है। उस कालिया ने धोखे से तुम्हें पंजा युद्ध तो हरा दिया परन्तु उसकी मौत आज यही इसी मैदान में लिखी है।" अमात्य ने बहुत ही गुस्से और घृणा से बोला।

&

धर्मा ने पूछा, "ये कैसा खेल है जिसमे मरने मारने की बाते हो रही है।"

"धर्मा ये क्रैस का खेल है। यहाँ दो फौजे आपस में एक दूसरे से युद्ध करती है। बस फर्क इतना है की हर फ़ौज को बारी बारी से मौका मिलता है।"

"परन्तु इसमें तो लोगो की जान जा रही है।"

"हाँ धर्मा, परन्तु यह खेल नाड़ुस पर सदियों से खेला जा रहा था। आज भी ये लोग विशाल मैमथ, गिद्धों आदि का प्रयोग करते है जबकि ये लोग चाहे तो प्लेन्स, टैंक आदि का इस्तेमाल कर सकते है।"

धर्मा को कुछ समझ नहीं आया की ये कैसा खुनी खेल है। परन्तु उसने बोला, "ठीक है आप आगे बताइये।"

तारा ने आगे का विज़न प्रेषित किया। धर्मा ने देखा की केसरी वस्त्र वाली सेना के पास 11 लोग है और ऐसे ही पीले वस्त्र पहनी सेना के पास भी 11 लोग है। कालिया जो पीली सेना का सम्राट था बीचो बीच था और उसके दोनों और बाकि पांच-पांच लोग थे। सम्राट एक विशालकाय हाथी दृश्य मैमथ पर बैठा था। उस मैमथ के दांत बहुत तीखे थे और साथ ही वो बहुत ही विशाल था। सम्राट के पास केवल एक ढाल और एक भाला था। सम्राट के पास और कोई हथियार नहीं था।

सम्राट कालिया के दांयी और उसका अमात्य और चार पैदल सैनिक। अमात्य चार शानदार घोड़ों वाले रथ पर सवार था जिसके पास अग्नि बाण, विषयुक्त बाण आदि छोड़ने के लिए बहुत ही ताकतवर धनुष था। उसके पास बहुत ही सारे विस्फोटक भी थे और विस्फोट करने वाले बाण भी। सम्राट कालिया के बांयी और नाशक था और साथ ही चार पैदल सैनिक थे।

नाशक एक बहुत ही बड़े विशालकाय गिद्ध पर सवार था। नाशक ही एक ऐसा व्यक्ति था जो गिद्ध पर उड़ कर हवा में सवार हो कर अग्नि प्रज्चलित मशाल फेंक सकता था। अमात्य और नाशक के साथ जो सैनिक थे उनमे से दो के पास बड़ी बड़ी ढाल थी इतनी बड़ी की वो सम्राट को उनके मैमथ पर बैठे बैठे ढक सके और अमात्य के बाणो से बचा सके।

तारा ने आगे का विज़न प्रेषित किया।

धर्मा ने देखा की केसरी वस्त्र पहनी सेना के सामने एक बहुत बड़ा अम्लीय दलदल है। धर्मा समझ गया की उनकी सेना को हमेशा ये खतरा रहेगा की वो सीधे आगे नहीं बढ़ सकते। उनको उस दलदल के दांये और बांये से निकलना पड़ेग। धर्मा का ध्यान पीली सेना के पास दोनों ओर बने छोटे कमरों ने आकर्षित किया।

तारा समझ गयी की धर्मा का ध्यान किस ओर जा रहा है ओर बोली, "यह कमरे सम्राट के लिए है। यदि दोनों में से किसी भी सम्राट को कभी लगे की उन्हें आराम चाहिए तो वो एक चाल के लिए इस कमरे में आराम कर सकते है। उनके मैमथ भी बदल दिए जायेंगे और उन्हें नयी ढाल और भाला भी मिल जाएगा। "

धर्मा ने पूछा, "परन्तु ये तो पीला वस्त्र पहनी सेना के पास है।"

"हाँ। यही फायदा है पंजा युद्ध जीतने का, की उस सम्राट के पास होते थे शीतल कमरे और दूसरे सम्राट को मिलता था अम्लीय दलदल।"

"परन्तु इस अम्लीय दलदल से नुक्सान क्या है, वो सम्राट चाहे तो इसके अगल बगल से निकल सकता है।"

"हाँ धर्मा परन्तु इसमें चाल बर्बाद होंगी और इतनी देर में सामने वाला अपने अमात्य और नाशक को सम्राट के बिलकुल नजदीक स्थापित कर सकता है।

"समझ गया। ये पृथ्वी के खेल शतरंज जैसा ही है परतु उससे काफी घातक।"

खेल शुरू हुआ। मगथ की जनता को हालाँकि पंजा युद्ध में सम्राट सज्जन की हार से काफी धक्का पहुंचा था परन्तु खेल अभी शुरू हुआ था, ख़त्म नहीं इसलिए उन लोगो ने फिर से अपने आप में जोश भर लिया। पहली चाल थी सम्राट कालिया की और वो चिल्लाया, "मेरी पहली चाल, मेरी दांयी ओर का पहला सैनिक आगे बढे।"

कालिया के दांयी ओर का पहला सैनिक एक वर्ग आगे बढ़ गया। सैनिक एक बार में एक ही वर्ग आगे बढ़ सकता था पूरा युद्ध का मैदान 121 वर्गों में बटा हुआ था।

सम्राट सज्जन चिल्लाया, "मेरी पहली चाल, नाशक ऊपर।"

सम्राट की बांयी और खड़ा नाशक तीस फुट ऊपर चला गया। एक बार में नाशक 30 फुट ही ऊपर जा सकता था।

सम्राट कालिया का अमात्य उससे बोला, "ये सज्जन नाशक को कहाँ ऊपर भेज रहा है अभी। ये तो सामान्य चाल नहीं है।"

कालिया बोला, "छोडो न उस जहर ने इस सज्जन का दिमाग भी ख़राब कर दिया होगा।"

कालिया चिल्लाया, "मेरी दूसरी चाल मेरा पहला बांया सैनिक आगे।"

वो सैनिक भी एक वर्ग आगे आ गया।

सम्राट सज्जन का अमात्य बोला, "ये कालिया क्या कर रहा है। सैनिको को एक एक वर्ग आगे बुला रहा है।"

सज्जन बोला, "कालिया बिलकुल ही रक्षात्मक खेल खेलता है और यह ही उसकी हार का कारण बनेगा।"

सज्जन चिल्लाया, "मेरी दूसरी चाल, नाशक छह वर्ग आगे।"

नाशक जो 30 फुट ऊपर हवा में उड़ रहा था छह वर्ग आगे चला गया। इस प्रकार नाशक मैदान के एक दम केंद्र में आ गया। नाशक अब कालिया के अमात्य पर हमला कर सकता था यदि वो केंद्रे में आता है तो।

कालिया चिल्लाया, "मेरी तीसरी चाल पहला दांया सैनिक एक वर्ग बांये।"

वो सैनिक अपनी बांयी ओर एक वर्ग चला गया। वो इस प्रकार धीरे धीरे सम्राट कालिया की तरफ आ रहा था।

सज्जन के अमात्य को कालिया की चालें समझ नहीं आ रही थी। उसने पूछा, "ये कालिया क्या चाहता है।"

"वो अपने दोनों सैनिको की ढाल बनाना चाहता है। मैंने कहा न वो बहुत रक्षात्मक खेलता है। तुम तैयार हो।"

अमात्य ने अपना धनुष जोर से पकड़ा और अपना सर हिलाया।

सज्जन चिल्लाया "मेरी तीसरी चाल अमात्य छह वर्ग आगे।"

पूरे मगथ के दर्शक हतप्रभ रह गए। ये सज्जन पागल हो गया है क्या। पहले इसने पंजा युद्ध हारा और अब सीधे ही अमात्य को छह वर्ग आगे भेज रहा है। दो वर्ग आगे तो अम्लीय दलदल है। यदि अमात्य के रथ के घोड़े उस अम्लीय तरल की जलन से बिदक गए या मर गए तो, अमात्य का खेल ख़त्म।

परन्तु सब लोगो की आँखों के सामने अमात्य अपने रथ को लेकर उस अम्लीय दलदल को पार कर गया। वो घोड़े अत्यधिक दर्द सह कर भी;

अपने पाँव जला कर भी उस दलदल को पार कर गए थे। यह किसी करिश्मे से कम नहीं था। अमात्य ने अपने अश्वो को बहुत ही अच्छा प्रशिक्षित किया था।

सम्राट सज्जन का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। उसके अमात्य और उन अति प्रशिक्षित घोड़ो ने वो कर दिखाया था जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। कोई भी रथ अम्लीय दलदल को पार नहीं कर पता था। घोड़े या तो बिदक जाते थे और रथ को कहीं और ले जाते थे और इसलिए नियमानुसार अमात्य को खेल से बाहर कर दिया जाता था, या घोड़े दलदल में या उससे बाहर निकलते ही नीचे गिर जाते थे और साथ में अमात्य भी नीचे गिर जाता था। अमात्य यदि रथ में नहीं होता था तो उसे खेल से बाहर मानते थे।

परन्तु सज्जन के अमात्य ने दलदल को पार कर लिया और उसके घोड़े अत्यधिक दर्द में होने के बावजूद भी खड़े थे। हालाँकि वो अब ज्यादा हिल डुल नहीं पाएंगे परन्तु उन्होंने अमात्य को मैदान के बींचो बीच ला दिया था और अब अमात्य के सामने सम्राट सज्जन एक सीधा लक्ष्य था। अमात्य के बाण आसानी से चार वर्ग आगे खड़े सम्राट कालिया को निशाना बना सकते थे।

कालिया हैरान और परेशान दोनों हो गया। उसे उम्मीद ही नहीं थी की अमात्य ऐसा कुछ करेगा। ये उसने प्लान ही नहीं किया था। वो घबरा गया और चीखा, "मेरी अगली चाल मेरा पहला बांया सैनिक एक वर्ग दांया।"

कालिया ने अपने अमात्य और नाशक के आगे एक एक सैनिक खड़े कर दिए थे। इससे कालिया पर यदि सामने वाला अमात्य हमला करेगा तो वो अपनी ऊँची ढाल से उसे बचा लेंगे। परन्तु इसका नुक्सान था की कालिया का अमात्य अपने ही सैनिक के पीछे था और वो कोई भी सीधे हमला नहीं कर पायेगा।

मगथ के लोगो को कुछ समझ नहीं आ रहा था की सज्जन क्या कर रहा है। अमात्य को इतना बड़ा खतरा नहीं उठाना चाहिए था।

प्रेजिडेंट नोडी जो मगथ का सबसे लोकप्रिय नेता था और वहां का सबसे बड़ा प्रशासनिक अधिकारी वो भी वहां अपनी टीम की हौसलाअफजाई के लिए दर्शक दीर्घा में मौजूद था। उसने अपने खेल मंत्री से बोला, "ये सज्जन और इसका अमात्य बहुत ही ज्यादा दिलेर है।

"हाँ सर। वरना आजतक अम्लीय दलदल को सीधे पार करने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई।" खेल मंत्री नोडी की हाँ में हाँ मिलते हुए बोला।

सज्जन चिल्लाया, " मेरी अगली चाल सम्राट एक वर्ग आगे। "

सब लोग हैरान हो गए। सबको लगा अब अगली चाल अमात्य द्वारा सम्राट कालिया पर हमला। क्यों सज्जन समय और चाल बर्बाद कर रहा था? अमात्य के घोड़े किसी भी समय उसका साथ छोड़ सकते थे। वो अम्ल से बुरी तरह से घायल थे।

परन्तु सम्राट सज्जन ने इस चाल से अपने आपको अम्लीय दलदल से ठीक पहले स्थापित कर लिया था। इससे क्या फायदा होना था ये किसी को नहीं पता था।

कालिया हँसा और अपने अमात्य से बोला, "ये क्या पागलपन है। लगता है कीचड का असर दिमाग पर होने लगा है।"

कालिया का अमात्य थोड़ा शंकित था परन्तु वो कुछ बोला नहीं।

कालिया बोला, "मेरी अगली चाल अमात्य एक वर्ग दांये।"

कालिया ने अपने अमात्य को दांये खिसका दिया था ताकि वो उस पैदल सैनिक के पीछे से हट जाए। अब अमात्य आगे बढ़ने के लिए तैयार था।

सज्जन चिल्लाया, "मेरी अगली चाल अमात्य का सम्राट कालिया पर विस्फोटक द्वारा हमला।"

अमात्य ने विस्फोटक बाण को अपने विशाल धनुष पर ताना और पूरी तेजी से चला दिया। कालिया ने इसलिए अपने पैदल सैनिक बुलाये थे और उन दोनों सैनिको ने अपनी ढाल आगे कर दी।

परन्तु विस्फोटक घातक था और दोनों सैनिको की ढाल टूट गयी।

कालिया घबरा गया। अमात्य के एक वार ने ही उसके सैनिको की ढाल तोड़ दी थी। अब यदि अमात्य ने हमला किया तो क्या होगा। कालिया चिल्लाया, "अमात्य सम्राट सज्जन के अमात्य पर हमला करो।"

सज्जन का अमात्य कालिया के ठीक सामने था चार वर्ग की दुरी पर इसलिए उसके हमले कारगर थे परन्तु कालिया का अमात्य बहुत ही टेढ़ी दिशा में था। उसने अमात्य पर हमला किया परन्तु सज्जन के अमात्य ने उस विषबाण को बड़ी आसानी से अपनी ढाल से बचा लिया।

सज्जन चिल्लाया, 'अमात्य विस्फोटक बिना बाण संधान किये सम्राट कालिया पर चलाओ।"

नियमानुसार एक प्रकार के हथियार एक ही बार प्रयोग में लाये जा सकते थे।

सज्जन के अमात्य ने अपने हाथ में एक विस्फोटक गोला लिया और उसकी पिन निकाल कर तेजी से सम्राट कालिया की तरफ फेंक दी। सम्राट कालिया ने उसे अपनी ढाल से बचाया परन्तु वो विस्फोट इतना भयंकर था की सम्राट कालिया बुरी तरह घायल हो गया। उसके शरीर से खून बहना चालू हो गया। उसका वाहन मैमथ भी घायल हो गया उसका एक दांत टूट गया था और वो बहुत जोर से चिंघाड़ रहा था।

मगथ की जनता बहुत ही ज्यादा खुश थी। वो लोग बहुत ज्यादा शोर कर रहे थे। कालिया को समझ नहीं आ रहा था वो क्या करे। कालिया चिल्लाया, "मेरी अगली चाल सम्राट शीतल द्वार में।" कालिया शीतल द्वार में चला गया। वो एक चाल तक वहां रह सकता था हालाँकि उसको उसके बाद बहार निकलना था।

इधर सम्राट सज्जन को समझ नहीं आया की वो इस चाल में क्या करे उसने आदेश दिया, "अमात्य उन दोनों सैनिको को अग्नि बाण से उड़ने की कोशिश करो।"

सज्जन को लगा जब तक कालिया शीतल द्वार से वापस नहीं आता तब तक उसके सैनिको की हत्या ही की जाए। उससे कालिया विचलित होगा और कुछ गलती करेगा। अमात्य ने एक अग्नि बाण छोड़ा और दोनों सैनिक को, जिनको कालिया ने अपनी शुरूआती चालों में अपनी सुरक्षा के लिए बुलाया था, जला कर मार डाला। कालिया के अमात्य और नाशक बहुत ही गुस्से में थे। उन दोनों का कुछ उपयोग नहीं हो रहा था और सज्जन का ये अमात्य जो अम्लीय दलदल पार कर आया था बहुत ही ज्यादा नुक्सान पहुंचा रहा था।

कालिया का मैमथ बदल दिया गया था, उसे मेडिकल ट्रीटमेंट मिल गयी थी, उसे नयी ढाल और भाला मिल गया था। परन्तु उसने वापस जाने के बदले साम्राज्य सज्जन की तरफ जाने का फैसला किया।

अम्लीय दलदल पार कर के सज्जन का अमात्य दूसरी तरफ पहुँच गया था वो सज्जन को बचाने नहीं आ सकता। इसलिए कालिया ने सज्जन पर खुद ही हमला करने की सोची। वैसे भी सज्जन अम्लीय दलदल के किनारे पर खड़ा था और उसके पैदल सैनिक उससे दूर। कालिया चिल्लाया, "सज्जन मैंने तेरे हाथ को तोडा है और मैं ही तेरी गर्दन तोडूंगा। मेरी अगली चाल सम्राट सज्जन की तरफ छह वर्ग।"

परन्तु इससे एक नुक्सान हुआ। कालिया भी अब अम्लीय दलदल के नज़दीक था क्योंकि सम्राट सज्जन तो अम्लीय दलदल के किनारे पर खड़ा था। यदि कोई हमला हुआ और सम्राट कालिया का मैमथ यहाँ वहां हिला तो वो अम्लीय दलदल से आहत हो सकता है और बिदक सकता है। सज्जन ने इसलिए अपने आप को अम्लीय दलदल के नज़दीक स्थापित किया था और अपने नाशक को ऐसे जगह जहाँ से वो कही पर भी हमला कर सकता था। वो

पूरी तरह से मध्य रेखा के ऊपर था। कालिया ये बात पूरी तरह से भूल गया था की नाशक ऊपर ही मंडरा रहा है। सज्जन ने बहुत ही शातिर खेल खेला था। उसके अमात्य का अम्लीय दलदल को पार कर जाना इतना ज्यादा विस्मयकारी था की कालिया और उसका अमात्य भूल गए की सज्जन का नाशक ऊपर ही है।

कालिया बिलकुल सम्राट सज्जन के पास आ गया था। दोनों एक दूसरे के सम्मुख थे, परन्तु कालिया नाशक को भूल चूका था।

सज्जन ने आदेश दिया "नाशक सम्राट कालिया पर हमला करो।"

नाशक ने अपने एक तेज गति की मशाल सम्राट कालिया पर फेंक दी। ऊपर सी उड़ती हुई वो आग की ज्वाला बहुत तेजी से कालिया की ढाल पर लगी और चिंगारिया उसको और उसके वाहन मैमथ को जला गयी। कालिया को बहुत दर्द हुआ और उसका मैमथ बुरी तरह चिंघाड़ने लगा।

सज्जन ने बहुत ही अच्छा खेल दिखाया था। कालिया बुरी तरह फस चूका था। मगथ के लोग बहुत ज्यादा शोर मचा रहे थे। सज्जन ने दिखा दिया था की कालिया धोखे से उसका हाथ तोड़ सकता है परन्तु सज्जन के शानदार खेल का मुकाबला नहीं कर सकता था।

कालिया चिल्लाया, "मेरी अगली चाल नाशक 30 फुट ऊपर।"

पहली बार कालिया ने नाशक का प्रयोग किया था।

सज्जन को लगा उसके नाशक के वार से कालिया ज्यादा प्रभावित नहीं हो रहा और उसने अपने अमात्य का प्रयोग करने की सोची। सज्जन ने आदेश दिया, "अमात्य सम्राट कालिया पर हमला कर दो।"

बस सज्जन ने यही गलती कर दी थी। यह उसकी इस पूरे खेल की पहली गलती थी जो की उसे बहुत भारी पड़ने वाली थी। अमात्य को सम्राट कालिया पर हमला करने के लिए अपना रथ मोड़ना पड़ेगा। उसके घोड़ो ने बहुत हिम्मत दिखा कर अपने आप को एक जगह स्थापित कर लिया था।

परन्तु अम्लीय तरल ने उनके पैर गला डाले थे। वो ज्यादा हिल डुल नहीं सकते थे। जैसे ही अमात्य ने उन्हें हिलाया वो नीचे गिर गए। रथ बिखर गया और अमात्य खुद नीचे गिर गया। अमात्य खेल से बाहर हो गया था।

कालिया की ख़ुशी की सीमा न रही। उसने अपने अमात्य को आदेश दिया, "अमात्य छह वर्ग आगे।"

कालिया का अमात्य अम्लीय दलदल के दूसरी तरफ आ गया। अब वह सम्राट सज्जन पर भी और नाशक पर भी हमला कर सकता था, दोनों ही उसकी रेंज में आ गए थे।

सज्जन अपनी गलती से बुरी तरह आहत हो गया और एक और गलती कर बैठा, उसने आदेश दिया, "नाशक कालिया के अमात्य पर हमला करो।"

सज्जन का नाशक कालिया के ठीक ऊपर था यदि वो कालिया पर हमला करवाता तो शायद कालिया को नाशक बहुत ज्यादा घायल कर सकता था। परन्तु अमात्य अम्लीय दलदल के पार था। वहां तक नाशक मशाल नहीं फेंक सकता था परन्तु नाशक ने कोशिश की और उसका वो प्रयास विफल हो गया। कालिया चिल्लाया, "मुर्ख सज्जन देख मैं तेरे नाशक का क्या हाल करता हूँ।"

कालिया ने आदेश दिया, 'मेरी अगली चाल अमात्य सज्जन के नाशक पर अग्नि बाण से हमला।"

कालिया के अमात्य ने अग्नि बाण छोड़ा और नाशक का गिद्ध पूरी तरह आग में लपट गया और नीचे गिर गया। नाशक भी खेल से बाहर हो गया था।

कुछ ही चालो में गेम पलट गया था। सज्जन के दोनों सहयोगी नाशक और अमात्य बाहर हो गए और कालिया का नाशक और अमात्य उसके

साथ। यह ही नहीं सज्जन कालिया के अमात्य की रेंज में था और एक विषबाण काफी था सज्जन का खेल समाप्त करने के लिए।

मगथ की जनता पूरी तरह से शांत हो गयी थी। धरतल के समर्थक अब शोर मचा रहे थे।उनको लग गया की वो जीत चुके है। अमात्य अभी सम्राट सज्जन को मौत के घाट उतार देगा। परन्तु तभी कालिया ने घोषणा की, "मैं इस लूले सम्राट सज्जन को अपने हाथ से मरूंगा।"

कालिया का अमात्य चिल्लाया, "कालिया ये क्या बोल रहे हो, तुम्हारे पास अमात्य और नाशक दोनों है और बहुत सी चालें। हमें आदेश दो हम इस मुर्ख सम्राट सज्जन को मार डालेंगे।"

कालिया ने जवाब दिया, "नहीं ये मेरा शिकार है। इसे मैं अपने हाथो से मारूंगा।"

कालिया ने भाला अपने हाथ में लिया और बोला, "मेरी अगली चाल, सम्राट कालिया द्वारा सम्राट सज्जन पर भाले से हमला।"

कालिया ने भाला ज़ोर से फेंका, सज्जन अपना पैर हावड़ा पर अटकाया और नीचे कूदा। इस तरह भाला उसके सीने में नहीं ग़ुस्सा परन्तु उसके हाथ के आर पार हो गया।

कालिया बहुत ज़ोर से हसा और चीखा, "तेरा दांया हाथ मैंने पंजा कुश्ती में तोड़ दिया था और तेरा बांया हाथ मैंने भाले से।"

सज्जन का विशालकाय शरीर धीरे धीरे रक्त से दरिया में डूब गया।

सज्जन की चाल थी, वो चिल्लाया "कालिया तूने मेरा दांया हाथ धोखे से किसी केमिकल से ख़राब किया है और फिर उसे तोड़ दिया।"

कालिया चिल्लाया, "हाँ मेने तेरा हाथ उस कीचड वाले केमिकल से सुन्न करके तोड़ा।"

कालिया अपनी उत्तेजना में भूल गया की धरतल के लोग भी अब शोर नहीं कर रहे थे, वह जो बोल रहा था सबको सुनाई दे रहा था क्योंकि वहां

पर पूरी तरह शांति हो गयी थी। लोगो को सज्जन की मौत दिख रही थी। परन्तु कालिया का ये धोखा लोगो को बहुत बुरा लगा। इससे पहले कालिया कुछ भी समझता सज्जन चिल्लाया, "मेरी अगली और आखरी चाल, सम्राट सज्जन द्वारा सम्राट कालिया पर भाले से आक्रमण और कालिया की मौत।"

सम्राट सज्जन अपने लहूलुहान हाथ से भाला उठाने का प्रयास कर रहा था, कालिया बहुत जोर से हस रहा था और सारी जनता सज्जन सज्जन के नारे लगा रही थी। कालिया को इतना यकीन था की उसने सज्जन के दोनों हाथ ख़राब कर दिए है की उसने सज्जन के हमले से बचने के लिए अपनी ढाल भी नहीं उठाई।

सज्जन ने बिना समय व्यर्थ किये अपने टूटे हाथ से जो पंजा लड़ते समय टूट गया था, उससे भाला उठाया और कालिया कुछ समझ पाता उससे पहले उसे बहुत ज़ोर से फेंक दिया और वह भाला कालिया के ह्रदय के पार हो गया।

कालिया हतप्रभ रह गया और टूटते शब्दों से बोला,"यह कैसे ..."

"धूर्त कालिया मेरा हाथ तो तेरी दवाई का असर ख़त्म होते ही ठीक हो गया था और वो कभी टूटा ही नहीं था मैं सिर्फ नाटक कर रहा था ताकि तेरी सच्चाई सब के सामने ला सकू।

कालिया को यकीन नहीं हुआ की सज्जन इतना बड़ा धोखा दे सकता है। कालिया की मृत्यु हो गयी।

कालिया का अमात्य और नाशक सदमे में चले गए कालिया उन दोनों के होते हुए भी हार गया और सज्जन के नाशक और अमात्य ख़ुशी से पागल हो गए उनके सम्राट ने गज़ब की बहादुरी दिखाई थी।

~~~

अध्याय आठ - फ्री मि का आतंक

तारा ने विज़न प्रेषित किया और बोला, “राल्फ ने जब जैसन को इरीट्रिया के लिए रवाना कर दिया था तभी राल्फ ने नियम निकाल दिया था की क्रैस का खेल नाडुस पर नहीं खेला जाएगा। इसके बावजूद नाडुस पर यह युद्ध रूपी खेल खेला जा रहा था और दर्शको में था नाडुस का प्रसिद्ध लीडर नोडी।“

धर्मा ने देखा युद्ध रूपी खेल अपने चरम पर था और सज्जन ने कालिया के शरीर के आर पार भाला घुसा दिया था, और कालिया का गोरिल्ला रूपी शरीर खून से लथपथ हो गया था। उस भाले ने उसके हृदय को चीर के रख दिया था और कालिया बुरी तरह से मृत्यु पूर्व तड़प रहा था, तभी अजय सेना के कुछ सैनिक आये और उन्होंने उस खेल को बंद करा दिया और नोडी को बुरी तरह पीटने लग गए।

वहां मौजूद दर्शक जब अजय सेना के इन-चार्ज से पूछने लगे की नोडी को क्यों मारा जा रहा है तो उन्होंने कहा ये खेल जो बैन हो गया था उसको नोडी बढ़ावा दे रहा है। नोडी काफी ज्यादा पसंद किया जाने वाला नेता था। नोडी ने बहुत लोगो की मदद की थी। वो काफी बुज़ुर्ग था और इस बुरी तरह से दी जाने वाली यातना से वो मर गया। इस प्रकार नोडी की मृत्यु देख वहां मौजूद भीड़ और युद्ध रूपी खेल, खेल रहे सैनिक आहात हुए और जोश ही जोश में अजय सेना के उन लोगो पर आक्रमण कर दिया।

अजय सेना का इन-चार्ज मारा गया।

अजय सेना के बाकी लोग भाग गए। परन्तु थोड़ी ही देर में वहां अजय सेना की एक बहुत बड़ी टुकड़ी बहुत खतरनाक हथियारों के साथ आयी और वहां मौजूद लोगो को मार दिया। तक़रीबन 2000 लोगो की हत्या कर दी गयी। साधारणतया यदि Xor या कही और विकसित प्लेनेट पर यह घटना

घटी होती तो हंगामा हो जाता परन्तु जो 2000 लोग मारे गए वो नाडुस के रहने वाले थे। उनके जीने या मरने से Xor साम्राज्य में किसी को भी कोई फर्क नहीं पड़ता था।

नाडुस का गवर्नर खाटू इस समय राल्फ के चैम्बर में खड़ा था। खाटू राल्फ का एजेंट था जिसके अंडर में पूरी अजय सेना की टुकडिया थी जो नाडुस पर तैनात थी।

“बस 2000 लोग।“ राल्फ खाटू के विपरीत, दूर एक खिड़की के पास से उगते सूरज को देख कर बोला।

खाटू को कुछ समझ नहीं आया।

राल्फ को खाटू की ये चुप्पी रास नहीं आयी। वो खाटू की ओर पलटा और चिल्लाया, “तुम्हारा टारगेट है कम से कम 50,000 लोग हर रोज किसी न किसी बहाने से मरने चाहिए।“

खाटू कंफ्यूज था। वो अभी भी चुप था। अचानक राल्फ को क्या हो गया था। नाडुस पर सब ठीक चल रहा था। पहले तो राल्फ ने क्रैस खेल को अवैध घोषित किया ये जानते हुए भी की यह खेल ही नाडुस के लोगो का नशा है। नाडुस पर रह रहे अलग अलग देशो में बटे लोग इसी खेल को जीतना अपनी शान समझते थे और कभी भी किसी भी सुप्रीम कमांडर ने इसे अवैध घोषित नहीं किया था। अब राल्फ चाहता है की नाडुस पर रोज पचास हज़ार लोग मारे जाए। इससे तो नाडुस पर गृह युद्ध का खतरा बढ़ जाएगा।

राल्फ गंभीर स्वर में बोला, “खाटू यदि तुम इस टारगेट को पूरा न कर सके तो कोई और नौकरी ढून्ढ लेना।“ राल्फ ने हाथ का इशारा किया और बोला, “तुम जा सकते हो।“

खाटू काफी असमंजस में था। वो राल्फ के कमरे से निकल कर सीधे अपनी गाडी में बैठ कर स्पेस स्टेशन गया और फ़ौरन स्पेस एलीवेटर पकड़ कर Xor से नाडुस लोट आया। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था।

स्पेस एलीवेटर उसे जब Xor से नाडुस ला रहा था तो उसने अपने रोबोट असिस्टेंट को नाडुस की खबरे दिखाने का आदेश दिया। हर तरफ खबरों में नोडी की बेरहम मृत्यु और अजय सेना द्वारा 2000 निहते लोगो के बर्बर खून के विरुद्ध जन आक्रोश था।

धर्मा ने बीच में पूछा, "तो क्या राल्फ का बस यही प्लान था। नाडुस के लोगो को मारो। इससे उसे सत्ता वापस कैसे प्राप्त होगी। इससे तो वो और कमज़ोर लीडर दिखेगा।"

तारा ने विज़न भेजना जारी रखा और जवाब दिया, "तुम आगे देखते जाओ, क्या होता है। राल्फ कोई कच्चा खिलाडी नहीं था। नाडुस तो प्लान का एक छोटा सा हिस्सा था परन्तु प्लान बहुत ही ज्यादा खतरनाक था। राल्फ को किसी भी हाल में 60 साल बाद चुनाव जीतना था।"

"राल्फ ने शुरुआत तो बहुत ही अजीब तरीके से की है। देखते है वह चुनाव जीत पाता है या नहीं।" धर्मा अकस्मात् बोला।

तारा ने आगे का विज़न दिखाया और कहानी को आगे बढ़ाया।

&

खाटू ने आदेश दिया की वो सभी नाडुस के वासी जिन्होंने टैक्स नहीं दिया है उन्हें मार दिया जाएगा। तक़रीबन 500 लोगो को सबके सामने मार डाला गया। धरतल नामक देश जो नाडुस का एक प्रगतिशील देश था उसके एक शहर में एक नाइ की दुकान में नाइ अपने ग्राहक के बाल काटते काटते बात कर रहा था।

नाइ की दुकान के स्क्रीन पर 500 टैक्स चोरो की मृत्यु का सीन चल रहा था। नाइ स्क्रीन देखते हुए बोला, "ये तो अत्याचार है। कही भी किसी भी प्लेनेट पर टैक्स न देने का यह तो परिणाम नहीं है। नाडुस के लिए इतना बुरा कानून क्यों।"

ग्राहक बोला, “क्योंकि हम आजाद नहीं है। नाड्डस में सारे कानून खाटू बनाता है जो राल्फ का गुलाम है। नोडी को सरे आम मार दिया गया, 2000 लोगो को बेरहमी से मार दिया गया किसी ने कुछ नहीं बोला। ये बेगुनाह लोग जो टैक्स नहीं दे पाए उन्हें भी मार दिया गया।“

नाइ बोला, “पर ये खाटू चाहता क्या है।“

ग्राहक बोला, “खाटू तो एक मोहरा है।“

नाइ बोला, “अरे तो राल्फ भी क्या चाहता है। नाड्डस के लोगो ने Xor का क्या बिगाड़ा है। हम तो चुप चाप जी रहे थे। अचानक से हमारे खेल क्रैस को अवैध कर दिया, मगथ के चहेते नेता नोडी को मार दिया, 2000 लोगो को मार दिया और अब ये टैक्स चोरी का इलज़ाम लगा कर बिना सुनवाई 500 लोगो को मार दिया।“

“हाँ यह तो मुझे भी समझ नहीं आ रहा। हमे खाटू और राल्फ से माफ़ी मांग लेनी चाहिए यदि जाने अनजाने में हमसे कोई गलती हो गई हो।“ ग्राहक अपनी कुर्सी से खड़ा हो कर बोला।

“तुम लोगो की यही गलती है। तुम लोग आवाज़ नहीं उठाते।“ एक खूंखार आवाज ने दोनों को अपनी और आकर्षित किया। नाइ की दुकान में आया एक रहस्मयी व्यक्ति जिसका चेहरा मास्क से ढका हुआ था और जो बेहद खतरनाक लग रहा था। उसके हाथ में एक छोटा अज़गर लिपटा हुआ था जिसे वो सहला रहा था।

उस रहस्यमयी व्यक्ति की आकृति और हावभाव को देख कर नाइ और उसका ग्राहक दोनों ही घबरा गए थे।

“तुम कौन हो।“ नाइ ने थोड़ा डरते हुए पूछा। उस रहस्यमय व्यक्ति का रूप और आभा ही कुछ ऐसा था की किसी के भी सिहरन दौड़ जाए।

रहस्यमयी व्यक्ति बोला, “फ्री मि।“

“फ्री मि - ये कैसा नाम है?” नाइ ने आश्चर्य से पूछा।

रहस्यमयी व्यक्ति बोला, "नाम नहीं है। मिशन है। यदि तुम लोग राल्फ के जुल्मो से परेशान हो जाओ तो कल्बे देवी माता के मंदिर में आ जाना। वहां चिल्लाना फ्री मि। मैं तुम्हें राल्फ के खिलाफ युद्ध में मदद करूँगा।"

नाइ और ग्राहक दोनों बहुत ही ज्यादा घबरा गए। वो लोग गरीब थे और किसी भी समस्या में या राजनैतिक षडयंत्रो में नहीं पड़ना चाहते थे।

"अभी के अभी मेरी दुकान से बहार निकलो। ऐसी बाते भी हमें मरवा सकती है। हमें तुम से या तुम्हारे मिशन से कोई मतलब नहीं है।" नाइ चिल्लाया। ये गुस्से से ज्यादा भय की चीख थी।

रहस्यमयी व्यक्ति जाते जाते बोला, "कोई बात नहीं तुमको या किसी को भी कभी भी ऐसा लगे की राल्फ के अत्याचारों के खिलाफ आवाज़ उठानी है तो तुम्हें पता है ना की कहां आना है।"

वो रहस्यमयी व्यक्ति चला गया। नाइ और बाल कटवाने वाला व्यक्ति भौचक्के से रह गए।

&

राल्फ ने खाटू को वीडियो कॉल किया। राल्फ की होलोग्राफिक इमेज खाटू के सामने मौजूद थी।

राल्फ ने गुस्से में बोला, "कितने आदमी मरे पिछले 30 दिनों में।"

खाटू ने अटकते अटकते बोला, "सर 3000।"

"तुम्हारे जैसे निकम्मे से यही उम्मीद थी।"

"सर नाडुस में स्थिति बहुत ही नाज़ुक है। कभी भी विद्रोह हो सकता है।" खाटू डरते डरते बोला।

"अजय सेना के लीडर में इतना डर। तुम अभी अपना त्याग पत्र दे दो। मैं किसी और को ये पद भार देता हूँ।"

खाटू काफी डर गया।

“नहीं सर। मैं आपकी सभी बाते मानूंगा। पर मैं कैसे 50,000 लोगो को रोज मारु।“

राल्फ को समझ आ गया था की ये खाटू कुछ नहीं कर पायेगा। समय बीत रहा था।

राल्फ गुस्से में बोला, “तीन काम करो, पहला मागि नदी का पानी अपने कब्जे में ले लो, किसी भी नाडुस के व्यक्ति को मागि नदी का पानी नहीं मिलना चाहिए।

खाटू दबे स्वर में बोला, “पर सर मागि नदी तो उनके लिए पवित्र नदी है। बिना मागि नदी के पानी से अपने भगवान की पूजा किये दिन की शुरुआत नहीं करते और यदि वे ऐसे पूजा नहीं करते तो दिन भर कुछ खाते पीते भी नहीं है। बहुत से लोग भूखे प्यासे मर जायेंगे।“

राल्फ ने अपना सर पीट लिया और बेहद खूंखार स्वर में चिल्लाया, “खाटू जो दिमाग तुम्हारे पास नहीं है उसका इस्तेमाल मत करो। जो बोल रहा हूँ वो करो। जितने लोग मरे मरने दो।“

खाटू कुछ नहीं बोला। वो चुप चाप सारे अनुदेशों को अपनी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में नोट करता रहा।

राल्फ ने आगे कहा, “सभी अस्पताल बंद कर दो। जो भी लोग अस्पताल में है उन्हें निकाल दो और जो नहीं माने उसे मार दो।“

खाटू को कुछ समझ नहीं आ रहा था परन्तु वह चुप ही रहा।

“अपनी अजय सेना की टुकड़ी को कहो रोज़ शिकार पर जाए और हर सैनिक कम से कम 100 लोगो को मारे। जो जितने अधिक लोगों को मारेगा उसे उतना अधिक इनाम मिलेगा।“

राल्फ ने बिना कुछ और बोले कनेक्शन काट दिया। खाटू परेशान हो गया। वो राल्फ का एजेंट जरूर था परन्तु नाडुस पर बहुत समय से रह रहा था।

उसका नाड़ुस के लोगो के साथ एक अलग सा लगाव हो गया था और वैसे भी नाड़ुस के लोग कभी भी अजय सेना को परेशान नहीं करते थे।

राल्फ ये क्या पागलपन कर रहा था। खाटू को कुछ समझ नहीं आया परन्तु उसने राल्फ के खिलाफ जाना उचित नहीं समझा। उसने वह सभी बाते जो राल्फ ने बताई थी, उनको लागू कर दिया।

जनता में विद्रोह हो गया। कुछ ही दिनों में लोगो ने खाटू के दफ्तर के बाहर अनशन किया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ। बहुत लोगो को मार दिया गया। अजय सेना को खुली छूट थी। वो जब चाहे किसी को भी मार देते थे, किसी को भी लूट लेते और कही भी कब्ज़ा कर लेते थे। अजय सेना का अत्याचार बहुत ज्यादा बढ़ गया था। अस्पताल बंद हो गए और टैक्स बहुत ज्यादा बढ़ा दिया गया था। मागि नदी का पानी भी नाड़ुस के लोगो को नहीं दिया जा रहा था जिससे वो पूजा पाठ भी नहीं कर पा रहे थे। बहुत से लोग तो बिना खाये पिए ही मर गए थे।

नाइ की नज़रो के सामने अजय सेना ने उसके पूरे परिवार को मार दिया था और उसकी पत्नी और बेटी को उठा कर ले गए थे। नाइ ने किसी तरह छुपते छुपाते अपनी जान बचाई। खाटू का अत्याचार काफी बढ़ गया था। नाइ को उस रहस्यमयी व्यक्ति की याद आयी और वो तुरंत कल्बे माता के मंदिर पहुँच गया। नाइ चिल्लाया – “फ्री मि ---- फ्री मि”

वो रहस्यमयी व्यक्ति सामने आ गया।

“तो तुम्हें मेरी बाते अब समझ आ ही गयी।“

“खाटू पागल हो गया है। वो और उसकी अजय सेना हमें वैसे ही मार रही है। ऐसे मरने से अच्छा है लड़ कर मरो।“ नाइ जल्दी जल्दी बोला।

फ्री मि बोला, “सही बोल रहे हो। तुम अपने जैसे 50 लोगो को इकठ्ठा करो और ये जैकेट पहन कर खाटू के दफ्तर पर चले जाओ।“

नाइ को कुछ समझ नहीं आया परन्तु उसने कुछ भी पूछना उचित नहीं समझा।

नाइ ने कुछ ही दिनों में 50 लोग इकठ्ठा किये और वे सब जैकेट पहन कर खाटू के दफ्तर पहुँच गए। खाटू के गार्ड्स ने उन्हें बाहर ही रोक दिया।

वो लोग खाटू से मिलने की जिद्द करने लगे और गार्ड्स उन्हें बाहर ही रोक रहे थे। परन्तु कोई भी कुछ समझ पाता उससे पहले ही बहुत बड़ा धमाका हुआ। पूरा दफ्तर उड़ गया। कई अजय सेना के लोग मारे गए।

पूरा Xor साम्राज्य एक दम से सदमे में आ गया। नाडुस वासी अजय सेना पर ऐसा हमला करने की सोच भी सकेंगे ये ही विस्मित करने वाला था, उन लोगो ने ऐसा हमला अंजाम दे दिया ये तो बहुत ही आश्चर्यजनक था। नाडुस का इतिहास 1000 वर्ष से भी पुराना है और कभी भी नाडुस के लोगो में इतनी हिम्मत नहीं आयी थी की वो किसी एक अजय सैनिक को भी नुक्सान पहुंचा सके। फिर अचानक क्या हुआ; नाडुस पर इतना बड़ा धमाका कैसे हो गया - वो भी अजय सेना के दफ्तर पर। कोई भी ये नहीं मान रहा था की नाडुस के लोगो के पास इतने खतरनाक बम आ सकते है। जो अजय सेना के कवच को भेद सके और खाटू का दफ्तर जो शायद कोई छोटा मोटा नुक्लेअर हमला भी झेल सकता था उसको डैमेज कर सके।

जब ये धमाका हुआ खाटू अपने दफ्तर में था। वो इन धमाकों की आवाज़ सुन कर अपने केबिन से निकल कर बाहर आने लगा जब उसने देखा कुछ बहुत से रोबोट उसकी तरफ बढे चले आ रहे है। उसने उन रोबोट से ही पूछा, "ये धमाका कैसा था।"

एक रोबोट बोला, "सर आपके दफ्तर पर बहुत बड़ा हमला हुआ है। बहुत से सैनिक मर गए है। हम आपको सुरक्षित जगह ले जाने आये है।"

खाटू को अजीब लगा। वो बोला, "तुम रोबोट लोग आये हो। मेरी अजय सेना के सैनिक कहा है।"

रोबोट ने बेमन से कहा, “कहा न मारे गए। आप हमारे साथ चलिए।“ उसकी मैटेलिक ध्वनि बहुत ही रूखी और बेजान थी।

खाटू ने विश्वास नहीं किया। उसने बोला, “नहीं मैं तुम्हारे साथ नहीं चलूँगा। मुझे मेरे सिक्योरिटी इन चार्ज से बात करने दो।“

रोबोट ने अपनी मैटेलिक ध्वनि में बोला, "ठीक है तुम ऐसे नहीं मानोगे।" एक लेज़र किरण छोड़ी और खाटू बेहोश हो गया। रोबोट खाटू को कंधे पर डाल कर वहां से उड़ गया। खाटू का अपहरण हो गया था। अजय सेना के दफ्तर पर इतना बड़ा हमला नाडुस के इतिहास में कभी नहीं हुआ था।

&

इस घातक हमले ने पूरे Xor साम्राज्य को हिला दिया था। गवर्निंग कौंसिल की मीटिंग बुलाई गयी थी। सुप्रीम कमांडर को चुनने वाली गवर्निंग कौंसिल कभी भी सुप्रीम कमांडर से प्रश्न कर सकती थी, और अजय सेना पर इस प्रकार से हमला वो भी नाडुस पर तो बहुत ही बड़ी बात थी। इतिहास में पहली बार नाडुस के लोगो ने ऐसा कुछ अपघात किया था।

राल्फ के साथ साथ ये मीटिंग सभी 409 ग्रहो के गवर्नर अटेंड कर रहे थे। यह पृथ्वी के किसी देश की संसद जैसा ही था। राल्फ को हालाँकि मेजोरिटी का समर्थन हासिल था परन्तु इस मीटिंग में हर पार्टी के लोग होते थे। इस गवर्निंग कौंसिल में राल्फ के प्रमुख विरोधी डैल और शिनी भी आमंत्रित थे।

सभी लोगो के पास इस समय चर्चा का एक ही मुख्य विषय था। वो वीडियो जो इस वक्त Xor साम्राज्य में वायरल हो चूका था। हर कोई वो वीडियो ही देख रहा था। खाटू की मौत का वीडियो।

एक रहस्यमयी व्यक्ति ने पहले खाटू की उंगलिया काटी; फिर हाथ, फिर पैर और धीरे धीरे तड़पा तड़पा कर खाटू को मार डाला। अजय सेना के

कमांडर की ऐसी मौत जिसने पूरे Xor साम्राज्य को हिला कर रख दिया था। इसलिए ये गवर्निंग कौंसिल की मीटिंग बुलाई गयी थी।

शिनी ने पहला प्रश्न किया, “नाडुस के लोगो के पास इतनी हिम्मत और इतने संसाधन कहा से आ गए। खाटू के दफ्तर पर जो ब्लास्ट हुआ वो इतना परिष्कृत था जो की नाडुस के लोग नहीं कर सकते थे। ये Xor की अजय सेना के अलावा कोई नहीं कर सकता।“

राल्फ बीच में चिल्लाया, “शिनी - तुम क्या कहना चाह रही हो। ये मत भूलो मैर्केल हमारे दुश्मन है और उनके पास ऐसी बहुत सी तकनीक है।“

शिनी बोली, “मैर्केल ऐसा क्यों करेंगे?”

राल्फ बोला, “अजय सेना खुद ऐसा क्यों करेगी? अपने ही लोगो को क्यों मारेगी।“

तभी डेल बोला, “वो तो तफ्तीश के बाद ही मालूम पड़ेगा। परन्तु खाटू ने नाडुस पर ये पागलपन वाली नीतिया क्यों लागु की थी।“

“मुझे क्या पता।“ राल्फ ने झिल्लाकर कहा।

डेल बोला, “पता नहीं या बताना नहीं चाहते। तुम गवर्निंग कौंसिल से क्या छुपा रहे हो राल्फ।“

राल्फ को डेल का यह अंदाज़ बिलकुल भी पसंद नहीं आ रहा था। परन्तु वो चुप रहा।

डेल ने आगे बोला, “हमारे चार स्टारगेज़ शिप किसी अनजान मिशन पर गए हुए है।“

राल्फ के चेहरे की हवइया उड़ गयी। डैल को कैसे पता चल गया की जैसन चार स्टरगेज़ शिप ले कर इरीट्रिया पर हमला करने गया है।

डैल ने नोट कर लिया की राल्फ इस प्रश्न से कुछ विचलित हो रहा है। उसने आगे कहा, "नाडुस पर अटपटी नीतियाँ, स्टरगेज़ शिप्स का अनजान मिशन पर जाना, राल्फ ने गवर्निंग कौंसिल से और क्या क्या छुपा रखा है।“

राल्फ थोड़ा संभाला और बोला, “डेल लगता है की आज कल तुम बहुत ज्यादा फिक्शन नावेल पढ़ रहे हो। मत भूलो मैं चुनाव जीत के आया हू। जनता को मुझ पर विश्वास है।“

शिनी बीच में बोली, “तो तुम्हारा कर्त्तव्य बनता है की तुम सही सही जवाब दो।“

राल्फ बोला, “बिलकुल। नाड़ुस पर खाटू ने क्या निति बनायीं ये इतना महत्वपूर्ण नहीं है। नाड़ुस हमारे लिए कभी भी महत्वपूर्ण नहीं था। परन्तु हाँ अजय सेना पर हमला और खाटू की बेरहम हत्या चिंता का विषय है। कौन है ये टेररिस्ट फ्री मि और क्या चाहता है मैं जल्द ही पता लगाकर आप लोगो को बताऊंगा। मुझे पांच वर्ष का समय दे दीजिये मैं आप सबके सामने अपनी अगली गवर्निंग कौंसिल मीटिंग में सब कुछ बता दूंगा।“

राल्फ की लोकप्रियता अभी ताजा ताजा थी। गवर्निंग कौंसिल के अधिकतर सदस्य राल्फ का समर्थन करते थे। उन्होंने राल्फ की बात मान ली और राल्फ को अगली मीटिंग तक का समय मिल गया। उसके पास अब पांच साल थे।

&

शिनी बहुत उदास थी। वो सुर प्लेनेट पर अपने घर में बने एक बड़े से केबिन में बैठी थी। उसे विश्वास ही नहीं हो रहा था की राल्फ इतनी आसानी से गवर्निंग कौंसिल से बच जाएगा। अधिकतर लोग राल्फ से कड़े प्रश्न नहीं पूछ रहे थे। राल्फ को कमज़ोर करना ही होगा। शिनी ने डेल को कनेक्ट किया।

डेल Xor में अपने दफ्तर में था। Xor प्लेनेट और सुर प्लेनेट की दुरी कई मिलियंस किलोमीटर्स की थी परतु फिर भी Xor साम्राज्य ने इतनी तरक्की कर ली थी की इतनी दूरी से भी वीडियो कॉल बहुत ही आसानी से लग जाती थी और बात ऐसे होती थी जैसे दो लोग आमने सामने बैठ कर बाते कर रहे हो। शिनी के सामने डेल की होलोग्राफिक इमेज का प्रतिरूप था।

शिनी ने बोला, “हमें कुछ करना होगा। राल्फ आसानी से पांच साल की महोलत ले कर निकल गया।“

डेल बोला, “हाँ। नाडुस में हंगामा हुआ इतने लोग मारे गए परन्तु Xor साम्राज्य के किसी भी अन्य गृह को कोई मतलब नहीं है। यदि यही कत्ले आम Xor में या किसी और गृह में हुआ होता तो अब तक हंगामा हो गया होता।“

शिनी ने आँख मारी और अपने हाथ को तेजी से झटका और बोली, “समझ गयी।“

डेल बोला, “क्या?”

शिनी बोली, “इसलिए राल्फ ने नाडुस को चुना है।“

"तुम पहेलियाँ क्यों बुझा रही हो।“

"तुम थोड़ा सोचो डैल तुम्हें समझ आ जाएगा।“

डैल ने थोड़ा विराम लिया और बोला, "मतलब तुम यह कह रही हो की ये राल्फ की चाल है। नाडुस पर अत्याचार करो और फिर एक टेररिस्ट फ्री मि पैदा करो।“

शिनी बोली, “हो सकता है... फ्री मि ...। राल्फ का आदमी हो।“

डेल बोला, “पर इससे राल्फ को क्या फायदा मिलेगा?”

शिनी बोली, “यह ही तो समझ नहीं आ रहा।“

डेल बोला, “हो सकता है फ्री मि मैर्केल का आदमी हो।“

शिनी बोली, “हाँ हो तो सकता है। क्या में मिलु इस फ्री मि से।“

डेल बोला, “क्या करोगी मिल कर।“

शिनी बोली, “जो इतनी आसानी से नाडुस पर अजय सेना के कमांडर को मार सकता है तो सोचो वो कितना काम का आदमी होगा। राल्फ के खिलाफ काम आ सकता है।“

डेल बोला, “परन्तु तुम उससे मिलोगी कैसे।“

शिनी बोली, “वो मुझ पर छोड़ दो। मेरा एक आदमी है - एक व्यापारी जो किसी को भी ढूंढ कर मेरी मीटिंग फिक्स करवा सकता है।“

डेल बोला, “ठीक है ... फिर मिलो ... इस फ्री मि से।“

शिनी ने डेल से कनेक्शन काट दिया और अपने रोबोट असिस्टेंट को बोला, “मुझे जगत शेठ से कनेक्ट करो।“

जगत शेठ नाड्स पर था और नाड्स पर ऐसा कोई नहीं था जिससे वो मीटिंग नहीं करवा सकता था। जल्द ही जगतसेठ से कनेक्शन स्थापित हुआ।

शिनी बोली, “मुझे फ्री मि से मिलना है।“

जगत शेठ बोला, “शिनी मैडम का हुकुम सर आँखों पर। परन्तु 5 लाख टिक लगेगे।“

शिनी चिल्लाई, “5 लाख टिक। पागल हो गए हो। एक मीटिंग के 5 लाख कौन मांगता है।“

जगत सेठ बोला, “ठीक है फिर आप अपने आप मीटिंग सेट कर लो।“

शिनी ने रिक्वेस्ट की, “प्लीज 5 लाख बहुत ज्यादा है।“

जगत सेठ ने कहा, “मैडम फ्री मि भी तो बहुत कीमती है।“

शिनी समझ गयी की जगत सेठ उसकी मज़बूरी का फायदा उठा रहा है परन्तु उसके पास कोई भी चारा नहीं था।

शिनी बोली, “ठीक है। सिक्योर ट्रांसफर कर रही हूँ। मीटिंग फिक्स करो।“

~~~

अध्याय नो - गहरी चाल

नाडुस का चन्द्रमा अनेको दुर्लभ खनिजों का भण्डार था। अनेक खदान और खदानों में कार्य करते रोबोट, ड्रोइड्स और दैत्याकार मशीने उस चन्द्रमा के स्थायी वासी थे। वहां पर Xor साम्राज्य की अलग अलग कम्पनीज को खुदाई करने का लाइसेंस मिला हुआ था और वहां अधिकतर या तो खदानों में कार्यरत रोबोट और मशीन या फिर स्पेसशिप्स जो माल की आवाजाही में लगे थे वो ही देखने को मिलते थे।

नाडुस के इस चन्द्रमा पर इसलिए कोई भी जीवित प्राणी नहीं दिखता था। परन्तु आज वहां एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति ने कदम रखा था। सुर प्लेनेट की निर्वाचित गवर्नर और मिनिस्टर ऑफ डिफेन्स शिनी वहां पर आयी थी।

इस बेजान उजाड़ सुनसान भूमि पर सुर की सबसे ताकतवर और महत्वपूर्ण व्यक्ति का आना इंगित करता था की कोई बहुत ही बड़ा कार्य अंजाम दिया जाने वाला था।

शिनी एक बहुत आधुनिक स्पेस सूट में एक सेफ हाउस में फ्री मि का इंतज़ार कर रही थी। शिनी को समझ नहीं आया की फ्री मि ने उसे इस उजाड़ बेजान जगह क्यों बुलाया है। तभी एक रोबोट शिनी की तरफ बढ़ा और बहुत ही विनम्रता से बोला, "शिनी मैडम मैं फ्री मि हूँ।"

शिनी के आश्चर्य की सीमा ही नहीं रही। फ्री मि के पास इतनी टेक्नोलॉजी थी की वो किसी गोपनीय जगह बैठ कर एक रोबोट के जरिये शिनी से बात कर सकता था तो उसने शिनी को इस उजाड़ चन्द्रमा पर क्यों बुलाया।

फ्री मि रोबोट के जरिये बोला, "शिनी मैडम मैं एक बहुत ही अनुभवी हैकर हूँ। मैं किसी भी रोबोट या कंप्यूटर सिस्टम को आसानी से हैक कर सकता

हूँ। ये मेरे लिए मुश्किल नहीं है। आप को मैंने यहाँ इसलिए बुलाया क्योंकि सुर, जो आपका गढ़ है, वहां भी राल्फ के बहुत से जासूस है।"

शिनी आश्चर्यचकित रह गई। उसे समझ आ गया था की ये टेररिस्ट फ्री मि कोई बहुत ही खतरनाक इरादा रखने वाला कुटिल और चालाक व्यक्ति है। इसका यदि सही उपयोग किया जाए तो यह बहुत काम आ सकता है।

वो बोली, "तुम जानते हो फ्री मि तुम्हें भी नाडुस के लोगो को आज़ादी दिलानी है और मुझे भी Xor के लोगो का भला करना है----"

"शिनी मैडम", फ्री मि ने रोबोट के जरिये शिनी की बात को बीच में ही काटते हुए बोला, "यदि हम एक दूसरे से सच बोले तो ज्यादा फायदा होगा।"

शिनी सकपका गयी। उसे समझ ही नहीं आ रहा था की वो क्या बोले। ये फ्री मि टेररिस्ट तो कुछ ज्यादा ही स्याना बन रहा था।

फ्री मि उस रोबोट के जरिये बोला, "मुझे नाडुस की आज़ादी नहीं अपने आप को एक स्वतंत्र गृह का प्रधान देखना है। मेरी अपनी सेना मेरा अपना साम्राज्य, जो की क्रूर Xor के अधीन नहीं हो, और आपको Xor का सुप्रीम कमांडर का चुनाव जीतना है जो अब केवल 55 वर्ष दूर है।"

शिनी फ्री मि की इतनी सच्ची और स्वछंद बातो से विस्मित हो गयी। उसको समझ ही नहीं आ रहा था की वो क्या बोले। उसने जगत सेठ को यह मीटिंग करने के लिए बहुत भारी रकम दी थी, परन्तु अब शिनी को खुद को समझ नहीं आ रहा था की वो कैसे इस टेररिस्ट का फायदा उठाये। शिनी को लगा की बेहतर है उस टेररिस्ट से ही पूछा जाए की उसका इरादा क्या है।

शिनी बोली, "तो फिर आगे का क्या प्लान है।"

"प्लान सिंपल है। मैं Xor पर आक्रमण करूँगा और राल्फ को बता दूंगा की वो कितना कमज़ोर है। तुम इस बात का चुनावी मुद्दा उठाना की राल्फ कैसा शासक है जो Xor को टेररिस्ट आक्रमण से भी नहीं बचा पा रहा।"

शिनी के पैरो तले ज़मीन खिसक गयी। उस चन्द्रमा पर उसे ऐसा लगा जैसे अचानक से ही सुर गृह जितना गुरुत्वाकर्षण आ गया। उसको समझ नहीं आ रहा था की ये टेररिस्ट बिलकुल पागल है या वो कोई सपना देख रही है। शिनी को समझ नहीं आ रहा था की वो क्या कहे, उसने गंभीर हो कर बोला, "तुम पागल तो नहीं हो, Xor कोई नाड्‌स की तरह नथिंग प्लेनेट नहीं है, वो अजय सेना का मुख्यालय है।"

"वो तुम मुझ पर छोड़ दो शिनी मैडम। मुझे पता है मैं क्या क्या कर सकता हूँ।"

शिनी घबरा गयी, उसने इतना दिलेर या अति पागल व्यक्ति जीवन में पहले कभी नहीं देखा था। कौन था ये फ्री मि?

शिनी ने अपने आप को संभाला और बोला, "परन्तु यदि Xor पर हमला हो भी गया तो Xor का गवर्नर और मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स तो डैल है, ये राल्फ के साथ साथ डैल को भी राजनितिक नुक्सान पहुंचा सकता है। डैल तो हमारी पार्टी का आदमी है, राल्फ का विरोधी और मेरा सहयोगी।"

"तुम बहुत ही भोली हो शिनी मैडम।" उस रोबोट के जरिये फ्री मि बोला। शिनी को कुछ समझ नहीं आया।

थोड़ी देर तक शांति रही, और शिनी को पहली बार आस पास हो रही खुदाई का अहसास हुआ। उस चन्द्रमा पर कोई वातावरण नहीं था, इसलिए शिनी को मालूम ही नहीं पड़ रहा था की आस पास बहुत ही दैत्याकार और जटिल मशीनों से बहुत बड़ी खुदाई का काम चल रहा है। सेफ हाउस उस बेजान उजाड़ जगह पर वैसा ही था जैसे किसी रेगिस्तान में कोई ओएसिस। उस शांति को फ्री मि की आवाज़ ने भंग किया जो उस सेफ हाउस में गूंज रही थी।

"माना की डैल मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स है। परन्तु आपको ये बोलना है की राल्फ ने नाड्‌स पर क्या किया। एक टेररिस्ट को नहीं पकड़ सका जो अब Xor पर हमला कर रहा है। डैल को भी यदि नुक्सान होता है तो आपके

लिए अच्छा ही है। आपका एक और विरोधी कम हो जाएगा। वरना मैं तो राल्फ को बर्बाद करूँगा ही, हो सकता है डैल फायदा उठा ले और वो सुप्रीम कमांडर बन जाए।“

शिनी कंफ्यूज़ हो गयी थी। परन्तु मन ही मन कुछ सोच कर बोली, “मैं तुम से सहमत हूँ। मुझे अपना फायदा देखना चाहिए, तुम Xor पर हमला कर दो।“

“बहुत अच्छे मैडम, मुझे लगा ही था आप मुझे Xor पर हमला करने की इज़ाज़त दे देंगी।“

फ्री मि का तल्खी भरा व्यंग शिनी को समझ आ गया था, वो बोली, "क्या कीमत चाहते हो?"

"आप बहुत समझदार है, इसलिए आपको डिस्काउंट, मात्र 10 करोड़ टिक"

“10 करोड़ टिक। पागल हो गए हो तुम।“

“Xor पर हमला सस्ता कैसे हो सकता है मैडम।“

“10 करोड़ टिक सुर गृह की सालाना इनकम का 50% है। तुम समझ रहे हो कितनी बड़ी रकम है।“ शिनी बहुत ही गुस्सैल स्वर में बोली।

शिनी को समझ नहीं आ रहा था की वो कहाँ फस गयी थी। वो खुद भी कंफ्यूज़ थी, एक तरफ उसे लग रहा था की यदि फ्री मि Xor प्लेनेट पर हमला करने में कामयाब हो गया तो उसको चुनाव में बहुत ही फायदा मिलेगा। वो राल्फ को एक असफल सुप्रीम कमांडर साबित कर सकती है, जिसने बड़े बड़े वादे किये मैर्केल को हराने के परन्तु वो Xor की रक्षा एक टेररिस्ट से भी नहीं कर पाया। और यदि इन सब में डैल को भी नुक्सान होता है तो शिनी के लिए तो अच्छा ही है।

शिनी को वो पथ अब साफ़ साफ़ दिख रहा था, जिस पर चल कर वो Xor साम्राज्य की सुप्रीम कमांडर बन सकती थी। इस टेररिस्ट ने नाडुस की

अजय सेना पर इतनी आसानी से हमला करके साबित कर दिया था की वो अजय सेना को चुनौती दे सकता है। Xor पर हमला वास्तव में राल्फ को बहुत कमज़ोर लीडर साबित कर देगा और शिनी इसका फायदा उठा सकती थी।

ये थे Xor साम्राज्य के महान नेता जो अपने ही मदर प्लेनेट पर हमला करने से बाज़ नहीं आ रहे थे, वो इतने स्वार्थी थे की उनको सिर्फ अपना राजनैतिक स्वार्थ दिख रहा था चाहे फिर उसके लिए एक टेररिस्ट से, जो मदर प्लेनेट Xor पर ही हमला करने का प्लान बना रहा था, दोस्ती करने को राज़ी थे। घिनौनी राजनीती अपने चरम शीर्ष पर थी।

शिनी सोच रही थी की हो सकता है Xor पर हमले से डैल को भी राजनैतिक नुक्सान हो और उस को फायदा पहुँच जाए। ये सौदा शिनी को बहुत ही ज्यादा आकर्षित कर रहा था। परन्तु फिर भी 10 करोड़ टिक उसे इसके लिए बहुत ज्यादा लग रहे थे।

बहुत देर तक कोई उत्तर न आने पर, फ्री मि बोला, "मैं आपकी ख़ामोशी को समझ गया, मैं डैल से बात कर लेता हूँ।"

"क्या, डैल से क्या बात करोगे?"

“डैल के साथ मिल कर कुछ और प्लान बना लूंगा। आपके साथ समय व्यर्थ करने में क्या फायदा है।“

रोबोट कम्युनिकेशन काटने ही वाला था की शिनी बोली, “नहीं रुको मैं तुम्हें 10 करोड़ सिक्योर ट्रांसफर कर रही हूँ। Xor पर हमला कब होगा।“

“टिक ट्रांसफर के एक साल में।“

रोबोट ने कनेक्शन काट दिया। शिनी को सुरक्षित उस सेफ हाउस से वो रोबोट एक स्पेस शिप तक ले गया और शिनी वापस सुर प्लेनेट पहुँच गयी। उसे 10 करोड़ टिक का इंतज़ाम करना था।

&

राल्फ अपने केबिन में बैठा था जब उसके रोबोट असिस्टेंट को एक सिक्योर कॉल आयी। राल्फ को पता था की ये कॉल किस की है, उसने एक मानसिक सन्देश भेजा और उसके रोबोट असिस्टेंट ने कॉल कनेक्ट कर दिया।

इससे पहले सामने वाला कुछ बोलता, राल्फ बोला, "शिनी मान गयी।"

"हाँ"

"अच्छी बात है, और जहाँ तक मैं तुम्हें जानता हूँ तुम ने उसे अच्छे से लूट लिया होगा"

"हाहा" सामने वाला धीरे से हसा और फिर बोला, 'अब आपका आदेश मैं कैसे झुठला सकता था।"

"मैंने कब बोला की शिनी को लूट लो, वैसे अच्छा ही किया।"

"अब क्या सच में Xor पर हमला करना है।"

"बिलकुल" राल्फ सामान्य रूप से बोला।

"परन्तु क्या आप ..." सामने वाला थोड़ा हिचकिचाया।

"फ्री मि" राल्फ चिल्लाया और आगे बोला, "तुमको मैंने X141 की कैद से इसलिए नहीं छुड़ाया था की तुम मेरे से ही प्रश्न करो, जितना बोला है उतना करो।"

"ठीक है" फ्री मि थोड़े घबराये स्वर में बोला।

कार्ट तेजी से अपना सफर पूरा कर रही थी परन्तु उससे भी तेज गति से धर्मा के मन में उथल पुथल हो रही थी। उसने बीच में ही बोला, "राल्फ खुद ही फ्री मि को सपोर्ट कर रहा था।"

लेडी तारा ने उत्तर दिया, "हाँ"

धर्मा बोला, "परन्तु इससे तो राल्फ अपने आप को ही कमज़ोर कर रहा है, वो चुनाव कैसे जीतेगा।"

लेडी तारा बोली, "राल्फ एक बहुत ही शातिर खिलाडी था, ये सब उसके एक बहुत ही जटिल प्लान का हिस्सा था।"

धर्मा को कुछ समझ नहीं आया। वास्तव में राल्फ एक अत्यधिक कुटिल व्यक्ति था, परन्तु इस फ्री मि के जरिये नाडुस में खुद की ही अजय सेना को मरवा कर और अब Xor पर हमला करवा कर राल्फ क्या मकसद हासिल करना चाहता है। धर्मा को ये कहानी बहुत ही रोमांचक करने वाली लग रही थी।

उसने बोला, "ठीक है आप आगे बताइये।"

फ्री मि ने किसी गुप्त स्थान से ये सिक्योर कॉल किया था और फ्री मि को राल्फ भी ट्रेस नहीं कर सकता था। वो एक बहुत ही प्रशिक्षित और प्रतिभावान हैकर था परन्तु राल्फ के जितनी दूरंदेशी और कुटिल राजनैतिक समझ उसके पास नहीं थी।

फ्री मि बोला, “मुझे अब Xor पर हमला करना होगा।“

राल्फ बोला, “हाँ। तुम आईविश प्लेनेट चले जाओ। वहां तुम्हें क्रूसेडर नामक जहाज और और बहुत सा आधुनिक हथियार और सामान मिल जाएगा। Xor पर हमला ज़ोरदार होना चाहिए।

राल्फ ने कनेक्शन काट दिया।

धर्मा ने उत्सुकता से पूछा, "क्या राल्फ एक बहुत बड़ा जोखिम नहीं ले रहा था।“

"धर्मा, वो जोखिम तो ले रहा था परन्तु यदि वो अगला चुनाव नहीं जीतता तो इरीट्रिया को जीत कर भी कुछ नहीं होता।"

"ऐसा क्यों?" धर्मा ने असमंजस भरे स्वर में पूछा।

"क्योंकि इरीट्रिया के अन्तियम से फटल स्पेसशिप्स बना कर मैकेंल को हराने का ख्याल बाकि किसी सुप्रीम कमांडर को नहीं आया था और न ही उनको इससे फर्क पड़ता।"

"तो आप यह कह रही हैं की मैर्केल के शयी पर शासन से बाकि किसी को दिक्कत नहीं थी।"

"धर्मा ये सब राजनीती है। सब लोगो को अपना स्वार्थ देखना था। Xor एक 409 ग्रहो जितना विशाल साम्राज्य था उसका सुप्रीम कमांडर बहुत पावरफुल था, अब यदि किसी एक चन्द्रमा पर मैर्केल और मिलांज रहते भी है तो इसका सुप्रीम कमांडर या Xor के निवासियों पर इतना कोई ख़ास प्रभाव नहीं होता था।"

"तो राल्फ ने सिर्फ अपने आप को साबित करने के लिए इतना क्रूर खेल खेला।"

"धर्मा, यदि राल्फ इरीट्रिया को जीत कर मैर्केल को Xor से बाहर निकालने में कामयाब हो जाता तो वो कोन्ताना से भी बड़ा राजनेता और लीडर बन कर उभरता।"

"समझ गया राल्फ को चुनाव सिर्फ इसलिए जीतना था ताकि जब जैसन इरीट्रिया जीत कर वापस आये तो वो मैर्केल से युद्ध कर उन्हें Xor से बाहर खदेड़ दे और Xor के इतिहास में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखवाए।"

तारा ने आगे कहा, "इसलिए राल्फ ने यह प्लान बनाया ताकि कोई उस पर शक भी न करे और उसका काम भी हो जाए। राल्फ ने जब उस सभा में प्लान बनाया था की उसे 60 वर्ष बाद चुनाव जीतना है तो उसने एक कैदी को जो बहुत बड़ा हैकर था, उसे जेल से आज़ाद करवाया और फ्री मि बनाया।"

धर्मा बोला, "वो ही मीटिंग जिसमे राल्फ ने निकाटोर को मरवा दिया था।"

"हाँ। अब राल्फ फ्री मि के जरिये ये खेल खेल रहा था।"

"कुछ तो गड़बड़ लग रही है। आप आगे बताओ देखते है।"

धर्मा को कुछ संशय हो रहा था परन्तु उसने कुछ भी नहीं सोचा या बोला। तारा खुश हो रही थी। धर्मा वास्तव में बहुत स्मार्ट था।

तारा ने आगे बताया। फ्री मि आईविश पहुँच गया। आईविश प्लेनेट राल्फ का गढ़ था। राल्फ वहां से हर बार चुनाव जीतता था। राल्फ की इजाजत के बिना आईविश में पत्ता भी नहीं हिलता था। राल्फ की साइंटिफिक लेबोरेटरी आईविश पर ही थी। राल्फ ने बहुत से तेज़ स्पेस शिप और खतरनाक हथियार बनाये थे। राजनीति में आने से पहले राल्फ एक बहुत बड़ा साइंटिस्ट था जो इन हथियारों और स्पेस शिप को बेच कर बहुत अमीर बन चूका था। फ्री मि को कई क्रूसेडर स्पेस शिप और बहुत से हथियार मिल गए थे और फ्री मि अब Xor पर हमला करने को तैयार था।

धर्मा बोला, "क्या शिनी ने पैसे ट्रांसफर कर दिए थे।"

तारा बोली, "हाँ। शिनी ने गबन किया और फाइनेंसियल एंट्रीज में गड़बड़ करके 10 करोड़ टिक फ्री मि को ट्रांसफर कर दिए थे। उसे यकीन था फ्री मि Xor पर हमला कर देगा और वो राल्फ को गवर्निंग कौंसिल के सामने नीचा दिखा पायेगी और राल्फ को चुनाव हराकर सुप्रीम कमांडर बन जाएगी।"

धर्मा बोला,"परन्तु ये इतना आसान नहीं होने वाला था।"

तारा बोली, "हाँ राल्फ बहुत ऊँची चीज था। शिनी और डैल जैसे नौसिखिए उसे नहीं हरा सकते थे।"

धर्मा ने बोला, "ठीक है आप आगे बताईये।"

&

नडाल ! Xor का सबसे प्रगतिशील शहर। दौड़ती भागती जिंदगी जो न सुबह देखती थी न शाम, न दिन और न ही रात। बस यहाँ से वहां भागते हज़ारो लाखो लोग। अलग अलग प्रजातियों के अलग अलग ग्रहो से आये लोग, जो नडाल को एक मेगा-गैलेक्टिक शहर बनाती थी। एक सेंसस के मुताबिक नडाल पर तक़रीबन 25 मिलियन लोग निवास करते थे और

तक़रीबन 2 मिलियन लोग रोज़ अनेको स्थानों और ग्रहो से आया जाया करते थे। एक ऐसा शहर जो पूरे Xor साम्राज्य का सबसे बेहतरीन और विकसित शहर माना जाता था। यह एक सपनो का शहर था और कोई भी इस शहर में आ कर निराश नहीं लौटता था। यहां हर किसी के लिए कुछ न कुछ था। इसलिए इस शहर में हर समय चहल पहल रहती थी।

यह शहर कभी नहीं सोता था और आज का दिन भी रोज मर्रा की ही तरह बहुत ही बिजी था। लोग यहाँ वहां अपने को बीम कर रहे थे, जो बीम करना अफ़्फोर्ड नहीं कर सकते वो उड़ने वाली कारो में या तेज चलने वाली ट्रेनों में यहाँ वहां जा रहे है। इंसानो से ज्यादा तादाद में उपस्थित रोबोट और ड्रोइड्स भी अपने अपने कामो में व्यस्त थे।

इन अनेको दौड़ते भागते, एक स्थान से दूसरे स्थान पर अपने को बीम करते लोगो को आज नहीं पता था की उनके साथ क्या होने वाला है। वो एक बहुत ही खतरनाक और जहरीले प्लान की बलि चढ़ने वाले थे।

नडाल शहर की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी Xor प्लेनेट के मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स - डैल की। डैल Xor का गवर्नर था और साथ ही था मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स इसका मतलब वो Xor प्लेनेट का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भी था और अजय सेना की उन टुकड़ियों का मुख्या भी जो Xor प्लेनेट की सुरक्षा हेतु नियुक्त थी। डैल अपने अति सुरक्षित ऑफिस में बैठा कुछ बहुत गहन चिंतन कर रहा था। उसके सम्मुख उपस्थित यन्त्र कुछ काम्प्लेक्स कॅल्क्युलेशन्स में लगे थे और डैल बेसब्री से उन प्रश्नो का उत्तर का इंतज़ार कर रहा था जो इन कॅल्क्युलेशन्स के बाद सामने आएंगे।

तभी डैल की असिस्टेंट भागते हुए डैल के कमरे में आ गयी और बहुत ही चिंतित और विचलित स्वर में बोली, "सर इमरजेंसी है।“

डैल गुस्से में बोला, “क्या हुआ।“ डैल को ऐसी डिस्टर्बेंस बिलकुल भी पसंद नहीं थी।

“सर एक पैसेंजर स्पेस शिप शायद किसी टेक्निकल खराबी के कारण तेजी से नडाल शहर पर गिर रहा है। अभी वो नडाल शहर से 100 किलोमीटर ऊपर है। आप बोले तो लेज़र अटैक करके शिप को ख़त्म कर देते है।“

“ऐसे कैसे हुआ? हमारे स्पेस शिप ऐसे मॉल फंक्शन तो नहीं करते।“ डैल उस आर्टिफीसियल स्क्रीन्स से जिनमे वो घुसा हुआ था से बाहर निकलता हुआ बोला।

“सर वो पता लगाने का अभी समय नहीं है। स्पेसशिप तेजी से नीचे गिर रहा है। यदि वो नडाल पर गिरा तो बहुत नुक्सान हो जाएगा।“ असिस्टेंट बहुत ही घबराई हुई थी तथा उसकी चिंता साफ़ साफ़ उसके हाव भाव और चेहरे पर दिख रही थी।

“तो उस जगह को खाली करवा लो और स्पेसशिप को गिरने दो।“ डैल ने बहुत ही सामान्य स्वर में उत्तर दिया।

“सर जगह खाली करवाने में समय लग जाएगा। हम स्पेस शिप को लेज़र से ब्लास्ट कर देते है।“

डैल बोला, “परन्तु स्पेसशिप में यदि यात्री हुए तो। तुम स्पेसशिप से कम्युनिकेशन स्थापित करके पता करो।“

असिस्टेंट बोली, “सर स्पेसशिप से कम्युनिकेशन नहीं हो पा रहा है। यहाँ तक की स्पेसशिप के रेडिएशन के कारण हमारा भी कम्युनिकेशन आपस में नहीं हो पा रहा है। कुछ यात्रियों के लिए नडाल को खतरे में क्यों डालना। यदि आपके मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स होते हुए नडाल को नुक्सान हुआ तो ये आपकी छवि के लिए बहुत बुरा होगा। आप Xor से ही चुनाव जीतते है और नडाल के लोग ही आपके लिए वोट करते है। यदि नडाल को कुछ होता है तो इसका आपके चुनाव पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ सकता है।“

डैल को आश्चर्य हो रहा था की ये असिस्टेंट स्पेसशिप को लेज़र से उड़ाने के लिए इतना क्यों इंसिस्ट कर रही है। डैल को समझ आ गया था की कुछ तो गड़बड़ है। परन्तु क्या उसको वो समझ नहीं आ रहा था। इतने सालो में कभी किसी भी पैसेंजर स्पेसशिप का मुक्त पतन (फ्री फॉल) किसी ने भी नहीं सुना या देखा था; और ये असिस्टेंट उस स्पेसशिप को लेज़र से ब्लास्ट क्यों करवाना चाह रही है। डैल को थोड़ी हिचकिचाहट और चिंता हुई।

तभी असिस्टेंट बहुत ज़ोर से घबराहट भरे स्वर में बोली, "सर स्पेसशिप अब केवल 10 किमी ही ऊपर रह गया है। अभी आदेश नहीं दिया तो वह स्पेसशिप नडाल के बीचो बीच गिरेगा और काफी नुक्सान पहुंचाएगा।"

"परन्तु तुम इस स्पेसशिप को लेज़र जाल में बाँध कर दूर भी तो ले जा सकती हो।" डैल ने प्रति प्रश्न किया।

"सर वह उपकरण और प्रशिक्षित टेक्निशंस अभी नडाल से बहुत दूर है, उन्हें आने में समय लगेगा। अभी सिर्फ हमारे पास अजय सैनिक और उनके घातक लेज़र ब्लास्टर्स है। आप आदेश दीजिये, ये स्पेसशिप अब किसी भी समय नडाल पर गिर सकता है।"

डैल घबरा गया था और उसे कुछ नहीं सूझ रहा था।

"सर मात्र 2 किमी पर है स्पेसशिप" असिस्टेंट बुरी तरह से पसीना पसीना हो रखी थी जबकि डैल के यहाँ वातावरण नियंत्रित था।

"सर आदेश दे।"

डैल को कुछ समझ नहीं आ रहा था। यह असिस्टेंट उससे क्या करवा रही है। परन्तु अब समय नहीं था। डैल ने आदेश दिया। असिस्टेंट ने डैल के आदेश को रिकॉर्ड कर लिया। असिस्टेंट ने फ़ौरन अजय सेना को हुकुम दिया की डैल का आदेश था की उस स्पेसशिप को जो नडाल पर गिर रहा था, लेज़र से उड़ा दो। अजय सेना ने तुरंत अनेको फाइटर जेट्स से स्पेसशिप पर लेज़र अटैक कर दिया। उन लोगो को तब पता नहीं था कि आइवीश ने एक ऐसा

नुक्लेअर बम बना लिया था जो दिखने में स्पेसशिप जैसा दिखता है परन्तु वो लेज़र किरणों को सोख कर बम को एक्टिवटे कर देता है। उस पर यदि लेज़र से हमला किया जाए तो वो बम एक्टिवटे हो जाता है। लेज़र किरणों ने स्पेसशिप के अंदर रखे नुक्लेअर बम को एक्टिवटे कर दिया था। नुक्लेअर बम को ब्लास्ट करने के लिए जो आवश्यक ऊर्जा चाहिए थी वो इन लेज़र किरणों ने दे दी थी। स्पेसशिप ने एक बहुत बड़े नुक्लेअर बम ब्लास्ट को अंजाम दे दिया।

नडाल शहर - Xor का सबसे प्रगतिशील शहर देखते ही देखते ख़ाक में बदल गया। डैल का आदेश बहुत महंगा पड़ा। यदि स्पेसशिप गिरता तो कुछ ही लोग मरते परन्तु स्पेसशिप रूपी नुक्लेअर बम ने लेज़र से एक्टिवटे होते ही तक़रीबन पूरे शहर को ही समाप्त कर दिया। बचे थे तो केवल वो सरकारी या व्यापारिक भवन जिनको अति सुरक्षित बनाया गया था जैसे डैल का ऑफिस, अजय सेना के भवन आदि।

अन्यथा एक भरा पूरा शहर जो अभी तक अपनी जवानी की अंगड़ाइयां ले रहा था अचानक से किसी मृत वृध्द की तरह शांत हो गया। उस नुक्लेअर धमाके ने बहुत से लोगो को, रोबोट्स और ड्रोइड्स को वेपोराइस कर दिया था। अत्यधिक मात्रा में रेडिएशन और बहुत से लोगो को तो पता भी नहीं चला की कब उनकी इहलीला समाप्त हो गयी। इतना बुरा और घिनोना कृत्या कोई बहुत पापी शैतान ही कर सकता था। इतने लोगो को एक साथ मार डालना ये किसी इंसान के बस की बात तो नहीं थी। डैल बुरी तरह सदमे में चला गया। हालाँकि उसके ऑफिस और घर को कुछ नहीं हुआ था और जल्द ही उसके रोबोट उसे एंटी-रेडिएशन सूट पहना देंगे परन्तु उसने बहुत ही बड़ी भूल या ये कहे पाप किया था। उसने लेज़र ब्लास्ट का आदेश दिया और एक नुक्लेअर बम को एक्टिवटे कर दिया।

डैल समझ गया था कि उसकी असिस्टेंट उस फ्री मि टेररिस्ट से मिली हुई थी। वो असिस्टेंट उस दिन के बाद से ही गायब हो गयी थी। फ्री मि ने उसे मरवा दिया था। नडाल पर इस हमले ने पूरे Xor साम्राज्य को हिला दिया था। मैर्केल ने भी जब युद्ध किया था तो भी XOR प्लेनेट के किसी भी शहर पर इतनी तबाही नहीं मची थी। राल्फ का शासन बहुत बुरा चल रहा था परन्तु डैल का दिया हुआ आदेश सभी लोगो को अजीब सा लग रहा था।

&

"राल्फ भी क्या नडाल में ही रहता था।", धर्मा ने विस्मय से पूछा। उसको राल्फ का ये कुकृत्य की उसने अपने ही प्लेनेट पर नुक्लेअर हमला करवाया काफी घृणित कृत्य लगा था। इस सूचना ने उसे बहुत ही बुरा सदमा दिया था।

"नहीं धर्मा। राल्फ और सुप्रीम कमांडर का प्रशासन Xor के कैपिटल सिटी में रहते थे परन्तु नडाल Xor गृह का ही नहीं अपितु सम्पूर्ण Xor साम्राज्य का सबसे ज्यादा प्रगतिशील शहर था। Xor का गवर्नर और मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स वहाँ पर रहता था।"

"फिर तो राल्फ ने बहुत ही तगड़ी चाल चली है।"

"तुम क्या सोच रहे हो धर्मा।" तारा ने खुश होते हुए पूछा।

"बहुत ही अच्छा प्लान था राल्फ का, उसने नुक्लेअर हमला उस शहर में करवाया जहाँ डैल था जिससे पता चले की डैल और उसका प्रशासन कितना ज्यादा कमज़ोर है।"

"हाँ धर्मा। लोगो ने राल्फ से प्रश्न तो किये, परन्तु डैल को भी किसी ने नहीं छोड़ा, उसने इतनी लापरवाही दिखाई थी। न तो वह अपने शहर पर इतना घातक हमला बचा सका और न ही उसे ये ख्याल आया की कोई पैसेंजर स्पेसशिप गिर रहा है और उससे कम्युनिकेशन नहीं हो रहा तो काफी संभव है ये किसी टेररिस्ट की कारगुज़री हो।"

"राल्फ ने अच्छा खेल खेला था।" धर्मा ने कहा, उसने पहली बार राल्फ की तारीफ की थी हालाँकि वो इस बात से बहुत ही पीड़ित था की कैसे कोई व्यक्ति अपने छोटे से निजी स्वार्थ के लिए इतना बुरा कदम उठा सकता था। तारा ने कहानी को आगे बढ़ाया। राल्फ ने गवर्निंग कौंसिल कि मीटिंग बुलाई। क्योंकिं डैल पर एक्शन वो खुद अकेला नहीं ले सकता था। डैल गवर्निंग कौंसिल का मेंबर था और Xor प्लेनेट से चुनाव जीता था।

मीटिंग में सभी 409 प्लैनेट्स के गवर्नर मौजूद थे और ये घटना बहुत ही गंभीर थी। कुछ ही दिनों में गवर्निंग कौंसिल की ये दूसरी मीटिंग थी और सभी लोगो में इतना गुस्सा और रोष था की इस मीटिंग में कोई बहुत ही बड़ा निर्णय होने वाला था। शिनी मन ही मन बहुत खुश थी, राल्फ और डैल दोनों के खिलाफ एक अलग ही माहौल बन गया था। हालाँकि उसे पता था की फ्री मि ने नडाल शहर को चुना न की कैपिटल सिटी को, जो शिनी के खुद के लिए एक बहुत बड़ा सदमा था। उसको लगा था की वो टेररिस्ट फ्री मि कैपिटल सिटी को टारगेट करेगा ताकि राल्फ को बहुत ही ज्यादा नुक्सान पहुँचाया जा सके, परन्तु फ्री मि नडाल शहर को नक़्शे से ही साफ़ कर देगा ये शिनी को नहीं पता था।

मीटिंग में सबसे पहले शिनी ने अपना मत रखा। वो बेहद गुस्से में तमतमाई हुई बोली, "तो क्या यह है राल्फ का एडमिनिस्ट्रेशन। एक टेररिस्ट फ्री मि की इतनी हिम्मत की उसने Xor के नडाल शहर को नुक्लेअर बम से उड़ा दिया। राल्फ क्या कर रहा है?”

राल्फ को इतनी ऊँची आवाज़ पसंद नहीं आयी वो चिल्लाया, “शिनी। तुम्हें कैसे पता ये फ्री मि ने किया है।“

शिनी थोड़ा सकपका गयी, उसे नहीं पता था की राल्फ उसकी इतनी छोटी गलती पकड़ लेगा। वो थोड़ा सम्भली और बोली, "तो और कौन कर

सकता है। हम भूले नहीं है की फ्री मि ने किस बेरहमी से नाडुस के अजय सेना के कमांडर को मारा था।“

राल्फ को समझ आ गया था की शिनी बैकफुट पर चली गयी है। उसने आगे कहा, "पर इस हमले की गलती तो हमारे मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स - डैल की है। उसने लेज़र ब्लास्ट का आदेश दिया। जो सरासर गलत है। यदि वो वास्तव में कोई स्पेस शिप भी था तो भी प्रोटोकॉल के हिसाब से उस स्पेसशिप को फाइटर जेट के जरिये दूर ले जाना चाहिए था।“

डैल को पता था की उसके खिलाफ एक अलग सा माहौल बन गया है। वो लोगो के रोष का कारण था और उनका टारगेट भी। उसकी असिस्टेंट ने उसे बुरी तरह फसा दिया था। डैल ने अपनी सफाई में बोला, "मेरे पास समय नहीं था। स्पेसशिप तेजी से नडाल पर गिर रहा था।

राल्फ गुर्राया और बोला, " तो भी ये तुम्हारा ही विफलता है। तुम्हें समय रहते एक्शन लेना चाहिए था। तुम्हारे लोग इतने निकम्मे है कि उनको तब तक कोई भनक ही नहीं लगी जब तक कि स्पेसशिप नडाल के ऊपर तक आ गया था।

डैल बोलना चाहता था कि कम्युनिकेशन फ़ैल हो गया था, हो सकता है फ्री मि ने उसके असिस्टेंट को पैसे दिए हो या दबाव बनाया हो परन्तु डैल जानता था कि गवर्निंग कौंसिल में कोई उसकी बात नहीं सुनेगा।

शिनी ने डैल के बचाव में आने की कोशिश की क्योंकि वो चाहती थी की लोगो का फोकस डैल से हट कर राल्फ पर जाए।

शिनी बोली, “मैं भी मानती हूँ कि ये डैल कि गलती है परन्तु ये सुप्रीम कमांडर कि भी गलती है। नाडुस में हंगामा, Xor पर हमला इन् सब कि जिम्मेदारी सुप्रीम कमांडर को भी लेनी पड़ेगी।“

राल्फ एक शातिर खिलाडी था और उसने अपनी चाल बहुत शातिराना ढंग से चली थी। उसने शिनी को देख कर बोला, "मैं जिम्मेदारी लेता

हूँ मुझे सिर्फ दो वर्षो कि महोलत दे दीजिये मैं पता लगता हूँ कि की क्या टेररिस्ट फ्री मि ही इसके पीछे है और है तो कौन है ये फ्री मि टेररिस्ट और कैसे बिना डरे फ्री मि इतना बड़ा कदम उठा सकता है। कौन उसे फण्ड दे रहा है? यदि मैंने पता नहीं लगाया तो मैं अपना त्याग पत्र दे दूंगा।"

राल्फ ने अपने त्याग पत्र देने की बात कह कर गेम पलट दिया था। जहां एक और डैल अपने आप को डिफेंड करता दिख रहा था जबकि गलती पूरी तरह से उसकी थी, उसके ही शहर पर उसकी ही लापरवाह आदेश के चलते हमला हुआ था, वहीं दूसरी और राल्फ पूरी तरह से जिम्मेदारी ले रहा था। गवर्निंग कौंसिल के ज्यादातर लोगों को राल्फ का प्रस्ताव पसंद आया की सुप्रीम कमांडर को 2 वर्ष का समय देना चाहिए। यदि 2 वर्षो में फ्री मि को नहीं पकड़ा जाता जो राल्फ का त्याग पत्र स्वीकार कर लिया जाएगा।

गवर्निंग कौंसिल ने सहमति से बोला, "हाँ ये पूरी विफलता तो डैल की है परन्तु राल्फ भी इस जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता, क्योंकि फ्री मि टेररिस्ट अब बहुत ज्यादा स्वतंत्र हो गया है।"

गवर्निंग कौंसिल ने फैसला किया और डैल को गवर्नर एंड मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स, Xor के पद से निकाल दिया था। डैल को अब दुबारा चुनाव जीतना पड़ेगा, डैल की छोटी सी लापरवाही बहुत महँगी पड़ी थी।

गवर्निंग कौंसिल से राल्फ से भी त्यागपत्र ले लिया था और राल्फ को ये कहा गया था की 2 वर्ष तक ये त्यागपत्र अमल में नहीं लाया जाएगा परन्तु यदि राल्फ ने फ्री मि का पता नहीं लगाया या फिर कौन उसे फण्ड कर रहा है, तो राल्फ के त्यागपत्र को स्वीकार कर लिया जाएगा।

राल्फ को अगले दो साल में फ्री मि को या तो पकड़ना होगा या फिर ख़त्म करना होगा। Xor पर हमले ने गवर्निंग कौंसिल को हिला दिया था।

~~~

अध्याय दस - शिनी की मौत

कार्ट अपनी अति तीव्र गति से चली जा रही थी। धर्मा कार्ट की खिड़की से बाहर देख रहा था, और विचार कर रहा था की राल्फ ने कितना खतरनाक प्लान बनाया था। उसे अब धीरे धीरे राल्फ की गहरी चाल समझ आ रही थी। धर्मा ने कहा, "तो राल्फ ने यह प्लान किया था। उसने फ्री मि को पैसे शिनी से दिलवाये और हमला किया Xor के उस शहर में जहां डैल था पर ताकि उसके दोनों विरोधी एक साथ फस जाए।“

तारा बोली, “हाँ। बहुत कुटिलता से राल्फ ने डैल और शिनी दोनों को फसा दिया था। शिनी ने फ्री मि को पैसे दिए थे और डैल मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स होने के बावजूद Xor के सबसे महत्वपूर्ण शहर नडाल पर नुक्लेअर हमला नहीं रोक पाया।“

धर्मा बोला, “राल्फ ने अपने दो प्रमुख विरोधियों को बहुत ही मुश्किल स्थिति में फसा दिया था, हालाँकि मुझे लगता है शिनी को अभी तक समझ नहीं आया होगा।“

तारा बोली, “हाँ राल्फ को अब चुनाव जीतने में आसानी होगी।“

धर्मा बोला, “अच्छा। परन्तु आइवीश से राल्फ ने बहुत सारे स्पेस शिप और हथियार फ्री मि को दिलवाये थे उनका क्या हुआ।“

तारा बोली, “हाँ आगे बताती हूँ।“

राल्फ अपने केबिन में बैठा हुआ था जब उसे रोबोट के जरिये सिक्योर कॉल आया। कॉल फ्री मि का था।

“मेरे लिए अब क्या आदेश है।“

राल्फ बोला, “नाडुस को आज़ाद घोषित कर दो और परिंजय पर हमला कर दो।“

फ्री मि बोला, “परन्तु परिंजय जाने में तो बहुत साल लग जायेंगे। कम से कम 15 वर्ष।“

राल्फ बोला, “मुझे पता है। परिंजय 5 प्रकाश वर्ष दूर है। परन्तु वहां का प्रेजिडेंट सैडल एक मात्र ऐसा व्यक्ति है जो मेरा विरोधी है। यदि परिंजय पर हमला भी सफल हो गया तो मेरा वो विरोधी भी ख़त्म हो जाएगा।“

फ्री मि बोला, “ठीक है। आपने मुझे आइवीश से हथियार और स्पेस शिप दिला दिए है मैं परिंजय पर हमला करता हूँ।“

राल्फ बोला, “हाँ पर उससे पहले तुम्हें मेरी दोस्त शिनी से बात करनी चाहिए।“

फ्री मि समझ गया की राल्फ क्या कहना चाहता है।राल्फ ने कनेक्शन काट दिया। राल्फ मंद मंद मुस्कुरा रहा था। वो जनता था की उसे 2 साल बाद गवर्निंग कौंसिल को जवाब देना है। परन्तु उसने कुछ बहुत घातक सोच लिया था और जल्द ही वो उसे अंजाम भी देने वाला था।

इधर फ्री मि ने तुरंत ही शिनी को कॉल किया। शिनी अपने घर पर आराम कर रही थी। सुर गृह पर उस समय रात का समय था। शिनी ने सिक्योर कॉल का उत्तर दिया।

फ्री मि बोला, “आप आज कल खबर नहीं देख रही है।“

शिनी बोली, “नहीं, मुझे सब पता है। Xor पर हमला वाकई शानदार था। तुमने मेरे दोनों विरोधी राल्फ और डैल को एक साथ धो डाला।“

“वो पुरानी खबर हो गयी है मैडम। ताज़ा खबर देखो।“

शिनी ने अपने असिस्टेंट को कमांड दिया और उस रोबोट ने आर्टिफीसियल स्क्रीन पर शिनी को ताज़ा खबर दिखाई। नाडुस गृह ने अपने आप को आज़ाद घोषित कर दिया था। नाडुस गृह अब Xor साम्राज्य का हिस्सा नहीं रहा। मीडिया वाले इन गुरिल्ला रूपी मानवो के इस प्लेनेट की आज़ादी

की घोषणा को बार बार दिखा रहे थे और बेहद मिर्च मसाला लगा कर पेश कर रहे थे।

शिनी बोली, “अरे ये क्या पागलपन है। अजय सेना आ कर नाडुस पर कब्ज़ा कर लेगी।“

"मैंने कहा था न की मेरा मकसद एक आज़ाद गृह का मालिक बनाना है। मैं बनूँगा नाडुस का महान सम्राट।"

"मुर्ख, ये कोई क्रेस का खेल नहीं है, जो तुम सम्राट बन जाओगे, तुम्हें अजय सेना की ताकत का अंदाज़ा भी नहीं है। तुम्हें क्या लगता है नाडुस के अजय सैनिक के कमांडर को मार दिया या नडाल शहर को नुक्लेअर बम से उड़ा दिया तो तुम अजय सेना का मुकाबला अपनी इस बंदरो की सेना से कर सकते हो।"

शिनी बहुत ही गुस्से में थी और उसे नहीं पता था की ये फ्री मि क्या करने जा रहा है। फ्री मि अपने पूरा प्लान नहीं बताता था जैसे उसने कभी नहीं बताया था की वो नडाल पर हमला करेगा, इसलिए शिनी को फ्री मि के प्रति भी एक अलग ही प्रकार का गुस्सा था।

फ्री मि थोड़ा शांत स्वर में अनुरोध करता हुआ बोला, "इसलिए मुझे तुमसे एक मदद चाहिए।“

शिनी झिल्लाकर बोली, “क्या?”

फ्री मि बोला, “तुम तुरंत नाडुस को एक स्वतंत्र गृह घोषित कर दो। यदि सुर प्लेनेट ने हमें मान्यता दी और कुछ और लोगो ने भी तो हम एक अलग स्वतंत्र गृह हो जायेंगे।“

“इसका निर्णय तो Xor साम्राज्य की गवर्निंग कौंसिल लेगी। किसी भी गृह को Xor साम्राज्य का हिस्सा बनाने या हटाने का प्रस्ताव हम कैसे पारित कर सकते है" शिनी थोड़ा संकुचाते हुए बोली।

फ्री मि चीखा, "नाडुस गृह कभी भी Xor साम्राज्य का हिस्सा नहीं था। नाडुस पर कोन्ताना ने युद्धबंदी और मग को भेजा था। उसने कभी भी नाडुस को अन्य ग्रहो जैसे Xor साम्राज्य का हिस्सा नहीं माना था। नाडुस का प्रतिनिधि गवर्निंग कौंसिल में भी नहीं बैठता है। नाडुस पर अलग-अलग देश के राजा या चुनिंदा प्रतिनिधि अपने अपने देश पर राज्य करते थे, जैसे नोडी मगथ के निर्वाचित प्रधान थे। परन्तु अजय सेना ने उनको बेरहमी से मार दिया। नाडुस हमेशा से ही अजय सेना के अवैध कब्जे से परेशान रहा है।

शिनी सोच में पड़ गई।

फ्री मि ने अपना एकालाप चालु रखा, "ज्यादा सोचो मत। यदि नाडुस स्वतंत्र हो गया तो तुम्हें गवर्निंग कौंसिल में और चुनाव में यह कहने का मौका मिल जाएगा की कोन्ताना तो मैर्केल जैसे शक्तिशाली एलियन प्रजाति से युद्ध हारा था और शयी को उनके हवाले किया था, परन्तु राल्फ जो बड़ी बड़ी बाते करता है मैर्केल को हराने की परन्तु वो एक टेररिस्ट फ्री मि से नाडुस को नहीं बचा पाया। सोचो तुम्हें चुनाव में कितना फायदा मिलेगा। चुनाव अब नज़दीक है।"

शिनी ने निर्णायक स्वर में कहा, "ठीक है। मैं सुर की संसद में नाडुस को स्वतंत्र गृह घोषित करने का प्रस्ताव पारित करती हूँ। साथ ही मेरी पार्टी के लोगो को बोलती हूँ जो अलग अलग ग्रहो पर प्रधान है ऐसे प्रस्ताव पारित कर दे। तुम्हें 5-6 ग्रहो का समर्थन तो मिल ही जाएगा।"

फ्री मि बोला, "हाँ यह काफी होगा।"

&

जल्द ही 2 वर्ष का समय काफूर हो गया। गवर्निंग कौंसिल की मीटिंग बुलाई गयी। राल्फ से प्रश्न पूछे जा रहे थे की फ्री मि का क्या हुआ। मीटिंग में इस बार भी पिछली बार कि तरह शिनी के तेज तर्रार प्रश्नों ने राल्फ का स्वागत किया।

शिनी बोली, “पिछली मीटिंग में राल्फ को दो वर्षो का समय दिया गया था फ्री मि को पकड़ने का या मरने का, राल्फ जवाब दे उन्होंने क्या किया?

राल्फ बोला, “मैं इस माननीय सभा को बताना चाहता हूँ की मैं फ्री मि को पकड़ ही लेता, परन्तु अफ़सोस गवर्निंग कौंसिल के कुछ महान सदस्य गन्दी राजनीती के लिए फ्री मि को पैसा और संसाधन दे रहे है।“

शिनी ने प्रत्याक्रमण करते हुए राल्फ को नीचे दिखते हुए बोला, "ये सब बहाने है राल्फ। तुम्हें गवर्निंग कौंसिल को जवाब ही देना होगा।“

राल्फ बोला, “मैं तैयार हो कर आया हूँ। सबसे पहले मैं यही कहूंगा की नाड्डुस को स्वतंत्र गृह सुर ने क्यों माना। नाड्डुस Xor का हिस्सा था।“

शिनी चिल्लाई इससे पहले राल्फ और कुछ भी कहता, "नहीं नाड्डुस कभी भी Xor साम्राज्य का हिस्सा नहीं था।“

पूरी गवर्निंग कौंसिल स्तब्ध रह गई, कोई भी ये मानने को तैयार ही नहीं था की नाड्डुस Xor साम्राज्य का हिस्सा नहीं था। मीटिंग रूम में एक अलग प्रकार की सुगबुहाट पैदा हो गई, सभी लोग आपस में बाते करने लग गई। शिनी तब ज़ोर से बोली, "नाड्डुस पर मग और युद्धबंदियों को भेजा गया था। वो उनका ही घर था। Xor ने कभी भी आधिकारिक रूप से नाड्डुस को Xor साम्राजय का हिस्सा नहीं बनाया था। नाड्डुस पर अजय सेना की टुकड़ी हमेशा से ही अवैध कब्ज़ा बनाये रखने के लिए ही थी।“

राल्फ शिनी की बात काटते हुए बोला, "शिनी तुम्हारी राजनीती Xor साम्राज्य के लिए खतरनाक साबित होगी। कल को ऐसे फिर बहुत से गृह अपने आप को Xor साम्राज्य से अलग कर लेंगे।“

“नहीं सुप्रीम कमांडर बाकि सभी गृह के प्रतिनिधि यहाँ है। हम सब चुनाव जीत कर आये है। हम सब ने फिर आपस में चुनाव करके अपने में से एक को सुप्रीम कमांडर बनाया है। अफ़सोस वो कमांडर फ़ैल हो गया।“

गवर्निंग कौंसिल पूरी तरह से सुन्न थी। सभी को अफ़सोस था की किस प्रकार से Xor साम्राज्य की आपसी लड़ाई फ्री मि जैसे टेररिस्ट को बढ़ावा दे रही है। इससे मैर्केल को मदद मिलेगी और Xor का दुश्मन Xor साम्राज्य को नुक्सान पहुंचा सकता है।

राल्फ बोला, "मैंने जनता से वादा किया था की मैं मैर्केल से बदला लूंगा। मैंने ये भी कहा था की मैं फ्री मि टेररिस्ट को पकड़ लूंगा या मार डालूंगा, परन्तु मुझे अब लगता है की पहले मेरे ही घर को ठीक करना पड़ेगा। अपने बीच बैठे उन शैतानो को जो की Xor को ही ख़त्म करना चाहते है और मैर्केल के एजेंट है उन्हें ख़त्म करना होगा।"

गवर्निंग कौंसिल शांत थी। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था। नाडुस जो कभी भी Xor साम्राज्य के लिए महत्वपूर्ण नहीं था अचानक से उसने एक ऐसे टेररिस्ट को जन्म दे दिया था जिसके विकराल मुँह में अब Xor साम्राज्य का भविष्य जाता हुआ प्रतीत हो रहा था। गवर्निंग कौंसिल को कुछ ठोस कदम उठाने पड़ेंगे।

प्रेजिडेंट सैडल जो परिंजय गृह से थे और मैर्केल के फटल शिप को किराये पर लेकर इस मीटिंग में भाग लेने Xor प्लेनेट आये थे, बोले, "मेरे ख्याल से राल्फ गवर्निंग कौंसिल को तुम्हारा इस्तीफा मंज़ूर कर लेना चाहिए। तुम एक बहुत ही विफल सुप्रीम कमांडर निकले हो।"

राल्फ बोला, "क्या वास्तव में ऐसा है प्रेजिडेंट सैडल।" फिर राल्फ शिनी की तरफ देख कर बोला, "क्या सुर ने सिर्फ इसलिए ही नाडुस को स्वतंत्र ग्रह मान लिया क्योंकि कोन्ताना ने उस पर मग और युद्धबंदियों को बसाया था और फिर हम सब उस प्लेनेट के बारे में भूल गए।"

प्रेजिडेंट सैडल बोले, "और क्या कारण हो सकता है।"

राल्फ फिर शिनी की तरफ देख कर बोला, "बोलो शिनी क्या सिर्फ इसलिए सुर ने नाड्स को आज़ाद घोषित किया क्योंकि नाड्स प्लेनेट मग का प्लेनेट है।"

शिनी अटकते अटकते बोली, “और क्या कारन हो सकता है।“ शिनी को पूर्वाभास हो गया था की राल्फ को कुछ बहुत गूढ़ रहस्य पता लग गया है, उसको नहीं पता था की राल्फ कितना ज्यादा शातिर खिलाडी था।

राल्फ बहुत ही खूंखार स्वर में धीरे धीरे एक एक शब्द पर ज़ोर डालते हुए बोला, "हो सकता है शिनी मैडम और नाड्स का टेररिस्ट फ्री मि एक ही टीम से खेल रहे हो।“

शिनी बेतहाशा क्रोध में बोली, "क्या बकवास है राल्फ। मैं तुम पर मान हानि का दावा कर दूंगी।“

“कर देना।“ राल्फ ने शिनी की धमकी को बिलकुल ही अनसुना सा कर दिया। राल्फ ने आगे बोला, "परन्तु फ्री मि के पास इतना पैसा कैसे आया कि उसने Xor के नडाल पर ऐसे हथियार से हमला किया जिसे Xor कि अजय सेना स्कैन नहीं कर पाई।“

गवर्निंग कौंसिल के सभी लोग बहुत ही ध्यान से राल्फ की बाते सुन रहे थे। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था की Xor साम्राज्य के इतने महत्वपूर्ण और बड़े पदों पर बैठे लोग इतने ज्यादा स्वार्थी और आत्मा केंद्रित थे।

राल्फ का एकालाप जारी था।

“सब उसे एक स्पेसशिप ही समझ रहे थे। इतना बड़ा नुक्लेअर बम जो Xor के राडार कि पकड़ में नहीं आया मतलब वो कम से कम एक करोड़ टिक का तो होगा। इतना पैसा एक टेररिस्ट के पास कहाँ से और कैसे आया।“

शिनी थोड़ा संभाली और यह समझ कर की राल्फ के पास सिर्फ एक थ्योरी है कोई पक्के सबूत नहीं वो बोली, "राल्फ तुम अपनी कमजोरिया मुझ पर थोप रहे हो।“

राल्फ गुर्राया, "नहीं। शिनी। तुम फ्री मि से नाडुस के चन्द्रमा पर जा कर मिली। तुमने फ्री मि को पैसे दिए है ताकि वो हथियार ले सके और Xor प्लेनेट पर हमला कर सके। यहाँ तक की तुम्हें न सिर्फ Xor प्लेनेट पर हमले का सच पता था अपितु तुमने ही वो वीभत्स हमला करवाया जिसका शिकार बानी नडाल की मासूम जनता। तुम्हारी ही पार्टी के डैल ने लेज़र से हमले का आदेश दिया जो प्रोटोकॉल नहीं था।“

शिनी अपनी सीट से खड़ी हो गयी और चिल्लाई, “राल्फ क्या बेतुकी बाते कर रहे हो। अभी के अभी सबूत पेश करो नहीं तो अपना बोरिया बिस्तर बांधो और निकलो यहाँ से। तुम्हारा इस्तीफा मंज़ूर किया जाता है।“

गवर्निंग कौंसिल को कुछ समझ नहीं आ रहा था।

राल्फ चिल्लाया, "शिनी मैं अभी के अभी सबूत दूंगा और गवर्निंग कौंसिल देख लेगी मेरा क्या करना और तेरा क्या करना है।"

राल्फ ने अपने रोबोट को आदेश दिया और रोबोट ने आर्टिफीसियल स्क्रीन पर शिनी और फ्री मि की सारी बाते चला दी। शिनी सदमे में आ गयी। राल्फ के पास ये सब कैसे आया। फ्री मि से मिलने शिनी नाडुस के चन्द्रमा पर गयी थी, फ्री मि को 10 करोड़ टिक दिए और Xor पर हमला करने की बात भी कही।

शिनी और डैल के बीच की बात भी, जिसमे दोनों बोल रहे है की शिनी को फ्री मि से मिलना चाहिए, वो भी बताई गयी।

जैसे जैसे राल्फ शिनी और फ्री मि की मुलाकात और बाते दिखा रहा था वैसे वैसे शिनी का अश्मीभूत शरीर बुरी तरह से कम्पन्न कर रहा था पूरी तरह से पसीने पसीने में हो गया और ह्रदय गति बहुत ज्यादा बढ़ गयी थी।

पूरी की पूरी गवर्निंग कौंसिल सकते में आ गए। शिनी ने 10 करोड़ टिक दे कर फ्री मि से पूछा था की Xor पर हमला कब होगा। ये साम्राजय द्रोह था जिसका दंड केवल एक ही था – मृत्यु दंड। ये सबसे निंदनीय कार्य

था। शिनी को पता नहीं चला था की उसकी पर्सनल सिक्योर बाते कैसे पब्लिक डोमेन में लोगो के सामने आ रही थी।

शिनी इस गवर्निंग कौंसिल में राल्फ के इस्तीफे पर गवर्निंग कौंसिल की मंज़ूरी देखने आयी थी परन्तु राल्फ ने गेम ही पलट दिया। उसने साबित कर दिया की शिनी ही वो अपराधी थी जो फ्री मि की सहायता कर रही थी और फ्री मि तक पहुँचाने के लिए शिनी को गिरफ्तार करना होगा और शिनी की मदद से राल्फ की अन्वेषण कर रही टीम फ्री मि तक पहुँच जाएगी। राल्फ ने 2 वर्ष के अंदर ही एक महत्वपूर्ण सबूत दे दिया था जिससे फ्री मि तक पहुंचा अब आसान हो गया था।

गवर्निंग कौंसिल से शिनी को गवर्निंग कौंसिल से निष्कासित कर दिया और उस पर महाभियोग और साम्राज्य द्रोह का आपराधिक मुक़दमा चलाने का आदेश दिया।

शिनी ये सब सह नहीं पाई और उसने अपनी पिकाबोट ड्रेस को आदेश दे कर वही आत्मदाह कर लिया। कोई भी कुछ नहीं कर पाया न ही कोई कुछ समझ पाया। शिनी ने अपने कुकर्म की सजा खुद को दे दी थी परन्तु उसके मरने से फ्री मि तक पहुँचने का रास्ता बंद हो गया था। रोबोट शिनी की लाश को ले गए और थोड़ी ही देर में गवर्निंग कौंसिल ने अपनी कार्यवाही फिर से शुरू कर दी।

गवर्निंग कौंसिल से राल्फ का इस्तीफा नामंज़ूर कर दिया क्योंकि राल्फ ने 2 वर्ष के अंदर ही बहुत महत्वपूर्ण सबूत दे दिए थे और ये साबित हो गया था की शिनी ही फ्री मि की मदद कर रही थी। अब गवर्निंग कौंसिल से राल्फ को फ्री मि को पकड़ने के लिए कहा परन्तु कोई समय सीमा तय नहीं की गयी।

गवर्निंग कौंसिल के निर्णय को वहां मौजूद मीडिया भी जोर जोर से उछाल रही थी की कैसे शिनी ही फ्री मि को फण्ड कर रही थी और डैल ने जान

बूझ कर कौताही बरती ताकि नडाल पर हमला हो सके और राल्फ को बुरा दिखाया जा सके। शिनी और डैल का खेल ख़त्म हो चूका था।

शिनी के समर्थक मीडिया वाले भी कुछ नहीं कर पा रहे थे और वो भी समय की नाज़ुकता को समझते हुए शिनी और डैल के खिलाफ ही प्रचार कर रहे थे। पूरे Xor साम्राज्य में इस समय फ्री मि से भी घृणित कोई था तो वो थी शिनी क्योंकि उसने Xor साम्राज्य की गवर्निंग कौंसिल का सदस्य होते हुए भी अपने ही साम्राज्य के केंद्र प्लेनेट पर नुक्लेअर हमला करवाने के लिए इतनी भारी रकम दी और इस पूरी साजिश में फ्री मि का साथ दिया।

शिनी को लगा था इस गवर्निंग कौंसिल में राल्फ का पर्दा फाश होगा और उसकी मीडिया वाले इस बात को बहुत ज़ोर शोर से उछालेंगे परन्तु राल्फ ने गेम पूरी तरह से पलट दिया था अब सिर्फ शिनी की फ्री मि से मुलाक़ात और उसकी आत्महत्या ही मीडिया वाले दिखा रहे थे। इससे लोगो में राल्फ के प्रति सहानुभूति और बढ़ गयी की इस प्रकार से उसे अपने अंदर के ही भेदियों से लड़ना पड़ रहा था। राल्फ की लोकप्रियता उतनी ही बढ़ती जाती जितनी लोगो में शिनी के प्रति घृणा।

राल्फ की मुख्य विरोधी शिनी ने सुसाइड कर लिया था, डैल को गवर्निंग कौंसिल ने खुद ने निकाल दिया, अब सिर्फ परिंजय का प्रेजिडेंट सैडल ही एक मात्र विरोधी रह गया था।

कार्ट में धर्मा, लेडी तारा, ज़ोरो और प्रोफेसर बोरो चल रहे थे और तारा ने अपना विज़न भेजना थोड़ी देर के लिए रोक दिया था। वो धर्मा को इस गहरी चाल को अच्छे तरीके से अंतर्भूत कर लेने देना चाहती थी।

धर्मा बहुत गंभीर स्वर में बोला, "राल्फ ने बहुत ही कुटिल गेम खेला। उसे पता था की अगले चुनाव में उसके विरोधी शिनी और डैल होने वाले है। उसने एक हैकर को टेररिस्ट बनाया वो भी ऐसा जो अजय सेना को चुनौती दे सके। उसने फिर नाडुस में ऐसा माहौल पैदा किया कि लोग विद्रोह करे। फ्री

मि ने वहां अपने आप को साबित किया। शिनी और डैल को लालच दिया कि वो उससे मिले और वो उस लालच में फंस गए और आखिरकार Xor के नडाल शहर पर हमला करवा बैठे।"

लेडी तारा ने बोला, "हाँ धर्मा। Xor के लोग ये कभी नहीं भूलेंगे कि चुनाव जीतने के लिए शिनी और डैल ने इतना बड़ा कुकर्म किया। नडाल पर नुक्लेअर हमला करवाया। यह तो मैर्केल ने भी नहीं किया था।"

"परन्तु जब लोगो को मालूम पड़ेगा कि ये सब राल्फ कि ही चाल थी तब क्या होगा।" धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

तारा ने अपनी थ्योरी सामने रखी और बोली, "पहली बात तो राल्फ को लगा की फ्री मि कभी सामने आएगा ही नहीं और दूसरा उसको सिर्फ एक बार चुनाव जीतना था, जैसे ही वो चुनाव जीत जाता है उसे 100 वर्ष के Xor साम्राज्य का सुप्रीम कमांडर घोषित कर दिया जाएगा। फिर उसे कुछ नहीं करना है इरीट्रिया पर फटल शिप्स की फैक्ट्री लगानी है, बहुत सारे शिप्स बनाने है और मैर्केल और मिलांज के शयी को अपने कब्जे में लेना है। तुम्हें याद है न की शयी पर Xor के निवासियों का जाना प्रतिबंधित था। यह राल्फ को और अधिकतर Xor के निवासियों को बहुत खटकता था।"

धर्मा ने पूछा, "परन्तु गवर्निंग कौंसिल ने राल्फ को बहुत ही आसानी से छोड़ दिया उन्होंने उससे यह नहीं पूछा कि फ्री मि को अभी तक पकड़ा क्यों नहीं और फ्री मि कब तक पकड़ा जाएगा। आखिरकार उसने Xor पर हमला किया था।"

लेडी तारा बोली, "बिलकुल धर्मा। गवर्निंग कौंसिल ने पूछा। परन्तु राल्फ ने सारा आरोप शिनी और डैल पर लगा दिया कि उन्होंने फ्री मी को फण्ड दिए थे। अब राल्फ को गवर्निंग कौंसिल ने कुछ महोलत और दे दी थी। ताकि वो फ्री मी को पकड़ सके।"

धर्मा ने पूछा, “राल्फ ने अपने दो विरोधियो शिनी और डैल को तो रास्ते से हटा दिया था। परिंजय का प्रधान प्रेजिडेंट सैडल का क्या हुआ। जैसा आपने बताया था फ्री मी अब क्रूसेडर स्पेसशिप और बहुत सा हथियार लेकर परिंजय पर पहुँच चूका था।

तारा बोली, “हाँ सैडल अब राल्फ का अगला टारगेट था। सैडल भी चुप बैठने वालो में से नहीं था वो भी सही समय का इंतज़ार कर रहा था। राल्फ को नहीं पता था की डैल और सैडल ने मिल कर नडाल पर हुए नुक्लेअर बम वाले हमले का अन्वेषण कर लिया था। उन्होंने पता लगा लिया था की वो बम आइवीश में बना है।“

धर्मा बोला, “तो सैडल तो यह बात गवर्निंग कौंसिल को बता देगा।“

तारा बोली, “हाँ सैडल ये बात गवर्निंग कौंसिल को बताने ही वाला था तभी हुआ ...

धर्मा बीच में बोला, “परिंजय पर हमला।“

तारा बोली, “बिलकुल सही समझे हो धर्मा।“

~~~

अध्याय ग्यारह - राल्फ को सजाए मौत

सैडल एक्रिमियाँ प्रजाति का वृद्ध व्यक्ति था। हालाँकि धर्मा को जो विज़न मिल रहे थे उसमे उसे यह सैडल एक 40-50 वर्षीय कॉकेशियन (Caucasian) लग रहा था, परन्तु सैडल की उम्र 560 वर्ष की थी। उसका लम्बी कद काठी और सुडौल शरीर उस पर खूब फबते थे। अजय सेना का कमांडर जो भी एक्रिमिया प्रजाति का ही था, सैडल से कुछ इंच लम्बा ही था। वो अपनी यूनिफार्म में सैडल के चैम्बर में उसके सामने वाली कुर्सी पर बैठा था। सैडल उस विशाल चैम्बर में एक आर्टिफीसियल स्क्रीन पर परिंजय गृह पर हुए बहुत ही घातक हमलो के बारे में जान रहा था। उसको परिंजय प्लेनेट के अलग अलग शहरो पर हुए हमले और उनसे हुए नुक्सान की इमेज दिख रही थी। टेररिस्टों ने बहुत ही घातक हमला किया था और बहुत ही जान माल का नुक्सान हुआ था।

प्रेजिडेंट सैडल को समझ नहीं आ रहा था की कैसे परिंजय गृह पर अलग अलग जगह हुए इस घातक हमले को अजय सेना न तो पहले से जान पायी और न ही उन्हें रोक पायी। इसलिए उसने अजय सेना के परिंजय के कमांडर को जो की पूरे परिंजय गृह का सिक्योरिटी इन-चार्ज था को बुलाया था और उससे ही इस हमले की जानकारी प्राप्त कर रहा था। उसको असमंजस था की कैसे समय रहते अजय सेना इन हमलों को रोक क्यों नहीं पा रही थी।

“सर इस टेररिस्ट फ्री मि को हमारे सभी ख़ुफ़िया ठिकानो का पता था। उसने धीरे धीरे हमारे सारे आयुधो को समाप्त कर दिया और अलग अलग शहरो में विस्फोट कर के भाग गया।“

सैडल गुस्से में बोला, “यह है अजय सेना। इतनी नौसिखिया।“

कमांडर बोला, “सर हमने उन टेर्ररिस्टो के अटैक को नेस्तनाबूद कर दिया परन्तु फिर भी परिंजय प्लेनेट को काफी नुक्सान हो गया। सर ये किसी इनसाइडर का काम है।“

सैडल बोला, “तुम कहना क्या चाहते हो।“

कमांडर गंभीर स्वर में बोला, “सर आप एक बार सुप्रीम कमांडर राल्फ को बताये की परिंजय पर हमला फ्री मि ने किया है, और उसे परिंजय के सारे गोपनीय ठिकाने पता थे, वो सब जो हम केवल सुप्रीम कमांडर को ही रिपोर्ट करते है और किसी को नहीं और साथ ही उसके पास जो हथियार है वो आइवीश के है। और ...."

सैडल बीच में ही अपनी कुर्सी से खड़ा हो कर बोला, "आइवीश पर पत्ता भी बिना राल्फ की मंजूरी के नहीं हिलता।"

सैडल ने अपने रोबोट असिस्टेंट को कमांड दी और सारी आर्टिफीसियल स्क्रीन्स गायब हो गयी। उसको जो जानना था उसने जान लिया था। सैडल को राल्फ की कमज़ोर नस मिल गयी थी।

राल्फ ने एक गलती कर दी थी, उसने परिंजय पर हमला करने के लिए आइवीश के हथियार का इस्तेमाल तो किया, उससे वो हो सकता है बच जाए, परन्तु जहां जहां हमला हुआ वो उन स्थानों पर हुआ जो गोपनीय और परिंजय की सुरक्षा के लिए अत्यधिक क्रिटिकल थे। टेररिस्ट फ्री मि को यह सूचना किसी और से प्राप्त ही नहीं हो सकती थी। क्योंकिं उसको खुद भी परिंजय का मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स होने के बावजूद अजय सेना इन गोपनीय सूचनाओं से वंचित रखती थी। यह सूचना केवल राल्फ के पास सुप्रीम कमांडर होने के कारण होती थी।

बहुत पहले ही कोन्ताना ने व्यवस्था कर दी थी की, अजय सेना के अलग अलग इन-चार्ज अलग अलग ग्रहो पर होंगे परन्तु वो अपने गृह के गोपनीय ठिकाने और क्लासिफाइड जानकारी केवल सुप्रीम कमांडर को देंगे

ग्रहो के गवर्नर को नहीं। कोन्ताना दूरदर्शी था उसको पता था की यदि कोई गृह आज़ादी का बिगुल बजा दे और युद्ध की स्थिति हो जाए तो इस जानकारी का प्रयोग करके उसे हराया जा सकता था।

राल्फ ने ये जानकारी फ्री मि से साझा करके बहुत ही बड़ी गलती कर दी थी। सैडल के मन में खूंखार राजनैतिक प्लान बन रहा था।

सैडल ने अजय सेना के इन-चार्ज को आदेश दिया, "तुम यह बात किसी को नहीं बताओगे, हो सकता है सुप्रीम कमांडर के यहाँ कोइ भेदी हो जो सूचना लीक कर रहा हो, मुझे उनसे बात करनी होगी।"

अजय सेना के कमांडर ने सर हिलाया और कुर्सी से खड़ा हो कर जाने लगा। वो समझ गया था ये नेता लोग आपस में कुछ बहुत ही बड़ा करने वाले, उसके जैसे फौजी जो जंग में अपनी जान लड़ा देते है, वो इन लोगो से नहीं जीत सकते थे। इतनी विकसित सभ्यता होने के बावजूद भी राजनीती हमेशा जैसे ही अपने बहुत ही कुरूप चेहरा ले कर उपस्थित होती थी। वास्तव में ये दुनिया जैसी आज कल है ये वैसी हमेशा से ही थी, सामन्य लोगो का संघर्ष, फौजियों का बलिदान और अंत में किसी राजनेता का अपने निजी स्वार्थ के लिए सब व्यर्थ कर देना।

सैडल ने तुरंत अपने सबसे विश्वसनीय साथी को बुलाया और कहा, "तुरंत मैर्केल के फटल शिप को हायर करो और Xor जाओ वहां सुप्रीम कमांडर राल्फ को मेरा सन्देश दे देना, वो फ़ौरन तुम्हारे साथ यहाँ परिंजय पर आ जायेंगे।"

"सर सुप्रीम कमांडर मेरे साथ मैर्केल के फटल शिप में Xor से परिंजय आ जायेंगे।" उस असिस्टेंट ने आश्चर्यचकित होकर पूछा।

"तुम प्रोटोकॉल की चिंता मत करो। बस मेरा ये सन्देश उन्हें दे देना।" सैडल बोला। सैडल ने एक गुप्त सन्देश अपने असिस्टेंट को दे दिया और वो असिस्टेंट तुरंत ही Xor के लिए रवाना हो गया।

&

राल्फ को वो गुप्त सन्देश मिल गया था। उसकी भाषा बहुत ही अजीब थी परन्तु राल्फ को मतलब समझ आ गया था। सन्देश में लिखा था की, "यदि तुम चाहते हो कि आइवीश कि बात गवर्निंग कौंसिल तक नहीं पहुंचे तो तुरंत यहाँ आ जाओ।"

राल्फ को सैडल ने तुम कह कर बोला और साथ ही आइवीश की बात, राल्फ समझ गया उस लहजे का क्या मतलब था। किसी और ने सन्देश पढ़ा होता तो समझता की आइवीश पर कोई बात हुई होगी, परन्तु राल्फ समझ गया उसने फ्री मि को आइवीश के हथियार तो दिए परन्तु परिंजय की वो गोपनीय बातें बता दी जो केवल सुप्रीम कमांडर को पता होती थी। यदि जांच हुई तो राल्फ फस सकता था। राल्फ ने परिंजय पर हमला सैडल को फ़साने के लिए किया था परन्तु उसकी ये चाल उस पर उल्टी पड़ गयी। शिनी और डैल को तो राल्फ ने रस्ते से हटा दिया था परन्तु सैडल को हटाना मुश्किल था।

राल्फ ने उस सन्देश कम धमकी को डिलीट किया और तुरंत सैडल द्वारा भेजे गए किराये के मैर्केल के फटल स्पेसशिप से तुरंत परिंजय पहुँच गया। राल्फ को पता था कि सैडल - शिनी और डैल के जितना नौसिखिया नहीं था। सैडल कोन्ताना तक को टक्कर दे देता था।

हालाँकि राल्फ की मिडिया टीम ने ये दिखाया की परिंजय पर बहुत घातक हमले हुए है इसलिए सुप्रीम कमांडर प्रोटोकॉल तोड़ कर तुरंत परिंजय पहुँच गए और इससे राल्फ की इमेज लोगो में और ऊँची हो गयी। हालाँकि बहुत से लोग अभी भी राल्फ के फ्री मि को नहीं पकड़ पाने का मुद्दा बना रहे थे।

सैडल ने Xor साम्राज्य के सुप्रीम कमांडर को एक सन्देश दे कर बुला लिया था। सैडल कि राजनैतिक कुटिलता का यह सबसे बड़ा सबूत था।

राल्फ सैडल के ऑफिस में बैठा था। Xor साम्राज्य का सुप्रीम कमांडर ऐसे बुलाने पर आ जाए इसका मतलब था राल्फ ने ये मान लिया था की सैडल का राजनैतिक पलड़ा इस वक्त भारी है।

राल्फ को नहीं पता था की सैडल को उससे क्या चाहिए? सैडल चाहे तो राल्फ को एक्सपोज़ करके चुनाव में सुप्रीम कमांडर बन सकता था। चुनाव बिलकुल नज़दीक ही थे अब। सैडल ने राल्फ को देखा और उसके चेहरे का उड़ा हुआ रंग सैडल को बहुत ही भा रहा था। सैडल ने सबसे पहले चुप्पी तोड़ी।

"राल्फ हमें मिलकर काम करना चाहिए।"

"सैडल मुझे पता है तुमको मालूम पड़ गया है की फ्री मि मेरा आदमी है।"

"हाँ।"

राल्फ के पास कोई और चारा नहीं था, उसे अब सच बोलना ही था। उसे सैडल को समझाना था की मैर्केल को हारने के लिए राल्फ का चुनाव जीतना जरुरी है।

राल्फ बोला, "तुम और डैल मेरे राजनैतिक विरोधी हो परन्तु मैर्केल हम सब का दुश्मन है।"

सैडल बोला, "मैं कुछ समझा नहीं।" सैडल को ये समझ नहीं आ रहा था की इन सबमें मैर्केल कहाँ से आ गए।

राल्फ बोला, "सैडल मुझे एक प्लेनेट का मालूम पड़ा है जिसके पास अन्तियम का भण्डार है। मैंने वहां फौजे भेजी है। जल्दी ही वो फ़ौज उस प्लेनेट को जीत कर तेज स्पेस शिप बना लेगी और फिर हम मैर्केल को Xor साम्राज्य से बाहर कर देंगे।"

सैडल बोला, "इससे मुझे क्या फायदा?"

राल्फ बोला, "मुर्ख सैडल हर चीज में फायदा नहीं होता।"

"इससे तो अच्छा है मैं चुनाव में तुम्हें एक्सपोज़ कर दूँ और सुप्रीम कमांडर बन जाऊ।"

राल्फ बोला, "तो मैं मैर्केल को बता दूंगा की वो प्लेनेट कौनसा है। फिर तुम्हें कभी भी अन्तियम के भंडार का पता नहीं चलेगा।"

सैडल बोला, "मुझे तो अन्तियम का पता ही नहीं है, और न ही मुझे चाहिए। मुझे मैर्केल के शयी में अपना व्यापार करने से कोई आपत्ति नहीं है। मैर्केल से ज्यादा खतरा तो Xor को तुम जैसे लोगो से है जो Xor के ही शहर को नुक्लेअर बम से उड़ा देते है। मैर्केल लालची है परन्तु तुम्हारी तरह हत्यारे नहीं।"

राल्फ को समझ आ गया था की सैडल ऐसे नहीं मानेगा। वो बोला, "ठीक है एक समझौता करते है। तुम को एक बात तो पता है की तुम यदि मुझे एक्सपोज़ कर दो और मैं सुप्रीम कमांडर का चुनाव हार जाऊं तो भी तुम सुप्रीम कमांडर बनोगे या नहीं कुछ पक्का नहीं कह सकते। यदि मैं एक्सपोज़ हुआ तो लोगो को मालूम पड़ जाएगा की गलती शिनी की नहीं मेरी थी और डैल जो अभी खेल से बहार है वापस पूरी तरह खेल में आ जाएगा।"

सैडल समझ रहा था की राल्फ क्या बोलना चाह रहा है। सैडल को पता था की शिनी और डैल एक ही पार्टी के है और शिनी की सुसाइड से और टेररिस्ट फ्री मि को पैसे देने के कारण उनकी पार्टी सबसे ज्यादा निंदा का शिकार है, यदि सबको पता चल जाए की डैल की गलती नहीं थी, तो वो ही सुप्रीम कमांडर के पद का सबसे बड़ा दावेदार है।

राल्फ ने सैडल को सोचने का थोड़ा वक्त दिया और फिर बोला, "इसलिए सैडल यदि तुम और मैं मिल जाए तो मैं बनूँगा सुप्रीम कमांडर और तुम Xor प्लेनेट के गवर्नर और मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स।"

सैडल अभी ये सब सोच ही रहा था की राल्फ बोला, "सोचो मत, नडाल शहर को फिर से बसाना है अरबो टिक के कॉन्ट्रैक्ट दिए जायेंगे जितना तुम परिंजय से नहीं लूट पाए इतने वर्षो वो सब सिर्फ एक बार में।"

राल्फ ने बहुत ही कटु सच बोल दिया था। सैडल एक बहुत ही भ्रष्ट नेता था, परन्तु उसे पता था की परिंजय गृह पर उतना पैसा नहीं जितना Xor के पास है। और Xor का गवर्नर मतलब सुप्रीम कमांडर के बाद सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति।

सैडल बोला, "ठीक है राल्फ, तुम्हारी पार्टी मेरी मदद करेगी तो मैं Xor के गवर्नर का चुनाव जीत भी सकता हूँ, परन्तु तुम डैल को कम मत आंको, वो अभी भले ही गवर्निंग कौंसिल से बाहर हो गया हो परन्तु वो वापसी कर सकता है।"

राल्फ बोला - वो तुम मुझ पर छोड़ दो। डैल चुनाव हार जाएगा।

सैडल बोला - वो कैसे।

राल्फ ने फ़ौरन अपने एक सहयोगी को सिक्योर कॉल लगाया और बोला, “मीडिया का इस्तेमाल करने का समय आ गया है।“

&

चारो तरफ यह खबर आग की तरह फ़ैल रही थी। डैल और शिनी कि बातचीत हर चैनल पर प्रसारित हो रही थी। डैल कि पब्लिक में छवि ख़राब करने के लिए मिडिया वाले उस खबर को खूब मिर्च मसाला लगा कर पेश कर रहे थे। Xor साम्राज्य में एक ही बात कि चर्चा हो रही थी कि कैसे शिनी ने फ्री मी को इतने सारे पैसे दिए और फ्री मी ने Xor के सबसे बड़े शहर पर नुक्लेअर हमला करके उसे खाक में मिला दिया। नडाल के हमले कि फुटेज बार बार लोगो को दिखाई जा रही थी। लोगो में शिनी और डैल के लिए एक अलग सी नफरत भर गयी थी। शिनी को पता था कि फ्री मी XOR पर हमला करेगा और उसने इस काम के लिए 10 करोड़ टिक जितनी बड़ी रकम दी थी। शिनी कि फ्री

मी से बात करते हुए कि सारी कॉल्स मीडिया को मिल चुकी थी। शिनी और डैल कि काल भी।

हालाँकि डैल को नहीं पता था कि नडाल पर हमला होने वाला है परन्तु मीडिया ने डैल और शिनी की बातचीत को इस प्रकार तोड़ मरोड़ कर पेश किया की लोगो के सामने साबित हो गया की डैल ने जान बूझ कर लेज़र हमले का आदेश दिया ताकि नडाल पर नुक्लेअर हमला हो सके। डैल चाह कर भी अपने फैसले का बचाव नहीं कर पा रहा था। कोई मानने को ही तैयार नहीं था कि डैल को नहीं पता था कि उस स्पेसशिप में नुक्लेअर बम है।

साथ ही राल्फ ने ये सुर्खी छुड़वा दी की डैल ने फ्री मि को कहीं छुपा दिया है और फ्री मि को बचाने में मदद कर रहा था। लोग सामानयतः पहले ही डैल और शिनी को हेत दृष्टि से देख रहे थे इसलिए सब लोगो ने इस खबर को भी सच ही मान लिया। राल्फ ने गवर्निंग कौंसिल से अनुमति मांगी की डैल को गिरफ्तार कर लिया जाए ताकि उससे अजय सेना पूछताछ कर सके। डैल मारा मारा फिर रहा था और अनेक न्यायलय के चक्कर लगा रहा था ताकि वह गिरफ़्तारी से बच सके।

डैल ने अपने खिलाफ चल रहे मीडिया के दुष्प्रचार से बचने के लिए और इस प्रकार फ्री मि को छुपाने के आरोप और गिरफ़्तारी का भय दिखने का विरोध करने के लिए राल्फ पर काउंटर अटैक किया। डैल ने बोला कि उसके पास फॉरेंसिक साक्ष्य था कि नडाल पर जो हमला हुआ था उसमे आइवीश के हथियार का प्रयोग हुआ था।

इसके प्रति उत्तर में रॉल्फ ने साबित किया कि शिनी ने अपने अकाउंट्स में हेर फेर कि थी। सुर ने आइवीश से हथियार ख़रीदे थे जो शिनी ने फ्री मी को दे दिए। शिनी से बात चीत डैल भी कर रहा था। तो पता नहीं डैल अब ऐसा क्यों कह रहा है कि आइवीश के हथियार से हमला मतलब राल्फ का इन्वॉल्वमेंट। यदि राल्फ को हमला करवाना होता तो राल्फ बिलकुल भी

आइवीश के हथियार का प्रयोग नहीं करता क्योंकि वो हथियार उसी कि लैब में बनते है।

डैल का यह वार फ़ैल हो गया। कोई मानने को ही तैयार नहीं था कि राल्फ को पता था कि फ्री मि राल्फ के हथियारों से हमला करेगा। शिनी और डेल पर ही हर किसी को शक था। साथ ही जब डैल ने सैडल से पूछने के लिए कहा तो सैडल पलट गया। उसने डैल का साथ देने से इंकार कर दिया।

साथ ही राल्फ डैल को गिरफ्तार करके फ्री मि को पकड़ने के लिए दबाव डलवा रहा था। डैल को समझ आ गया वो जल्द ही गिरफ्तार हो जाएगा, तब उसे राल्फ की राजनैतिक सलाहकार निष् ने संपर्क किया।

वो दोनों आइवीश गृह के किसी शहर के किसी गुप्त स्थान में बैठे थे। निष् जो की एक्रिमियाँ प्रजाति की अधेड़ उम्र की महिला थी ने डैल जो छोटे कद का एक्रिमिया प्रजाति का व्यक्ति था को समझाया, "डैल तुम्हारा खेल ख़त्म हो चूका है, तुम अपनी गिरफ़्तारी से नहीं बच सकते।"

"परन्तु निष् आपको पता हैं मैं फ्री मि के बारे में नहीं जानता..."

निष् बीच में बोली, "डैल क्या मुझे तुम्हें राजनीती सिखानी पड़ेगी।"

डैल निष् का इशारा समझ गया।

निष् ने आगे बोला, "तुम्हारा भला इसी में है की तुम मान लो की तुम फ्री मि को जानते हो और फ्री मि परिंजय के हमले में मारा गया।"

"परन्तु मैं ऐसा बोलूंगा तो मेरा राजनैतिक करियर ख़त्म हो जाएगा।"

"वो वैसे भी अब नहीं बचा है। क्या तुम गिरफ्तार हो कर अनेक वर्ष जेल में रहना चाहते हो।"

डैल सोच में पड़ गया। राल्फ ने उसे कहीं का नहीं छोड़ा था।

निष् ने आगे बोला, "हम तुम्हें 50 लाख टिक देंगे और एक आलीशान परन्तु गुमनाम जीवन, तुम्हें केवल इतना बोलना है की फ्री मि मारा गया और तुम उसका साथ दे रहे थे।"

"परन्तु ये बोलने के बाद मेरे को गिरफ्तार कर लिया तो।"

"इतना भरोसा तो तुम्हें करना ही पड़ेगा, तुम्हारे पास कोई और चारा नहीं है।"

डैल को कुछ समझ नहीं आ रहा था। तभी निष् खड़े हो कर जाने लगी और बोली, "कोई बात नहीं डैल कभी कभी कुछ चीजे समझ नहीं आती है।"

निष् ने इशारा किया और उसके रोबोट असिस्टेंट ने डैल को एक रस्सी से बांध दिया। डैल चिल्लाया, "ये क्या कर रही हो।"

निष् खूंखार स्वर में बोली, "कुछ नहीं अजय सेना की अन्वेषण टोली को तुम्हारा पता दे रही हूँ, वो तुम्हें गिरफ्तार करने आ रहे है।"

डैल बोला, "नहीं, मुझे तुम्हारा प्रस्ताव मंजूर है।"

डैल बुरी तरह से रोने लग गया था। डैल को समझ ही नहीं आ रहा था की उसके लिए क्या सही है और क्या गलत। उसने शिनी से बात की और नडाल पर हमला नहीं रोक पाया केवल इतनी सी लापरवाही की इतनी बड़ी सजा।

निष् बोली, "ठीक है डैल बयान दो।"

निष् ने रोबोट असिस्टेंट को बोला और उसने डैल का बयान रिकॉर्ड कर लिया। डैल ने अपना दोष स्वीकार कर लिया की उसने ही फ्री मि टेररिस्ट को नडाल पर हमला करने के लिए कहा और नडाल की सिक्योरिटी को कमज़ोर किया और लेज़र ब्लास्ट का आदेश ये जानते बूझते दिया की उस पैसेंजर स्पेसशिप में नुक्लेअर बम है। डैल ने ये भी माना की फ्री मि परिंजय की अजय सेना द्वारा मारा गया और उन टेररिस्ट में से एक की डैल ने फ्री मि के रूप में पहचान की। डैल ने अपने किये की माफ़ी मांगी और रिकॉर्डिंग बंद कर दी गयी।

इससे पहले डैल कुछ समझ पाता वहां मैकाबर आ गए।

डैल चिल्लाया, "निष् तुमने कहा था की मुझे 50 लाख टिक दोगी और आलिशान जिंदगी।"

निष् के चेहरे पर एक बेहद कुटिल मुस्कान आ गई, वो बोली, "50 लाख टिक इन मैकाबरों को दे दिए हैं, ये तुम्हें दे देंगे और ये ही तुम्हें उस आलिशान जिंदगी में पहुंचा भी देंगे।"

डैल समझ गया उसके जीवन का आखरी दिन आ गया था। उसे अब तक अफ़सोस हो रहा था की क्यों उसने शिनी से फ्री मि से मिलने की बात कही। वो एक कॉल वो एक गलत फैसला डैल को ले डूबा था। वो यहां आइवीश में अकेला इसलिए ही आया था क्योंकि उसे लगा वो राल्फ से कुछ समझौता कर पायेगा परन्तु राल्फ की इस क्रूर साथी निष् ने डैल का कॉन्फेशन भी ले लिया और अब वो इन क्रूर मैकाबरों द्वारा उसे ऐसे मौत देगी जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी। लोगो को लगेगा की डैल ने भी शिनी की तरह ही सुसाइड कर लिया होगा।

राल्फ ने आखिरकार बाज़ी जीत ही ली थी।

&

धर्मा के सामने से विज़न अब धीरे धीरे ख़त्म हो रहा था। उसे डैल का वो रुआंसा सा चेहरा ही नज़र आ रहा था। धर्मा ने लेडी तारा की तरफ देख कर बोला, “अब मुझे समझ आया। राल्फ वास्तव में बहुत कुटिल था। उसने फ्री मी को पैदा किया, उसने शिनी और डैल को फसाया, और फिर सैडल को अपनी तरफ मिलाया। शायद वो चुनाव जीत गया। क्योंकि उसके सारे विरोधी अब रस्ते से हट चुके थे। जनता के पास कोई ऑप्शन ही नहीं होगा की किसे वोट करे।“

तारा बोली, “हाँ। शिनी मारी जा चुकी थी, सैडल राल्फ का साथ दे रहा था, डैल को मैकाबरों ने बहुत बुरी मौत दी थी। आइवीश के मैकाबर राल्फ

के चुने वो हत्यारे थे जिनसे पूरा Xor साम्राज्य घबराता था। ये यदि किसी से डरते थे तो सिर्फ राल्फ से।“

धर्मा बोला, "राल्फ चुनाव तो जीत ही गया होगा, उसके सारे विरोधी ख़त्म हो गए थे, परन्तु ये फ्री मि मुझे नहीं लगता इतनी आसानी से राल्फ का पीछा छोड़ेगा।"

लेडी तारा मन ही मन हर्षायी की धर्मा को कहानी की बारीकियां समझ आ रही थी। उसने बोला, "राल्फ चुनाव जीत गया, अब उसे इंतज़ार था जैसन के सन्देश का कि वो इरीट्रिया जीत गया और तेज गति के स्पेस शिप बना पाया।“

धर्मा ने पूछा, “फ्री मि का क्या हुआ। मुझे शक है कि फ्री मि कि स्टोरी इतनी सिंपल नहीं जितनी लग रही है।“

धर्मा फ्री मि को नहीं छोड़ रहा था और लेडी तारा को ये बात जान कर बहुत हर्ष हो रहा था। धर्मा इतना ज्यादा समझदार कैसे है; वो वास्तव में सन आफ गॉड था। इतना दिमाग किसी और में नहीं हो सकता था।

तारा बोली, “आगे सुनो।“

तारा ने पुनः विज़न भेजना प्रारम्भ कर दिया।

राल्फ अपने केबिन में बैठ कर अपनी जीत का जश्न मना रहा था। उसके पुत्र नोकोईविड ने भी साइंस में बहुत तरक्की कर ली थी और नोकोईविड ने राल्फ कि साइंटिफिक कंपनी में चार चाँद लगा दिए थे। राल्फ बहुत खुश था सब कुछ प्लान के अनुसार ही चल रहा था। अब उसे इंतज़ार था इरीट्रिया पर जीत का। तभी उसके सिक्योर कॉल पर फ्री मि का कॉल आया और हमेशा की तरह उसने वो ही दोहराया, "राल्फ याद रखना यदि तुम इरीट्रिया हार गए तो मैं तुम्हें बर्बाद कर दूंगा।“

फ्री मि ने कॉल काट दिया।

फ्री मि अब राल्फ को परेशान कर रहा था। बार बार कॉल कर के राल्फ को धमकी दे रहा था। राल्फ को समझ नहीं आया कि फ्री मि को इरीट्रिया से क्या मतलब और क्या उसे यह प्लान सैडल ने बताया।

“परन्तु सैडल को इरीट्रिया का नाम तो मैंने कभी बताया ही नहीं था। फिर फ्री मि को कैसे पता चला।” राल्फ गहरी सोच में पड़ गया था।

राल्फ को समझ आ गया था उसे फ्री मि को ख़त्म करना होगा। परन्तु कैसे, करे वो ये काम। उसने मैकाबरों की पूरी फ़ौज लगा दी थी परन्तु फ्री मि गायब हो गया था जब से डैल की सुसाइड की खबर सामने आयी थी। फ्री मि को समझ आ गया था राल्फ उसे भी मरवा देगा। परन्तु फ्री मि राल्फ अब कैसे ढूंढे।

ये फ्री मि बहुत ही रहस्यमयी है। कुछ समय और बीत गया और वो समय आ गया था जब जैसन कभी भी इरीट्रिया पर जीत कि खबर सुना सकता था। तभी एक दिन अचानक से राल्फ को गवर्निंग कौंसिल का सम्मन आया। उसे मालूम पड़ा की गवर्निंग कौंसिल की मीटिंग रखी गयी है और सभी सदस्यों को बुलाया गया है। सामान्यतः गवर्निंग कौंसिल की मीटिंग के बारे में सुप्रीम कमांडर को एडवांस में बताया जाता था परन्तु इस बार राल्फ को ऐसे सम्मन किया गया था जैसे वो कोई अपराधी हो और गवर्निंग कौंसिल उससे पूछताछ करने के लिए बुला रही हो।

राल्फ को कुछ समझ नहीं आ रहा था परन्तु वो गवर्निंग कौंसिल की मीटिंग में गया और मीटिंग में पहुंचते ही उसकी आँखे फटी कि फटी रह गयी। राल्फ के सामने पूरी गवर्निंग कौंसिल मौजूद थी और राल्फ के सामने थे वो तीन लोग जिनकी उपस्थिति राल्फ ने कभी सपने में भी नहीं सोची थी।

पहला :- जैसन; जो इरीट्रिया से हार कर वापस लौट आया था।

जैसन राल्फ के पास आने के बदले गवर्निंग कौंसिल के पास गया परन्तु क्यों। ऐसा क्या हुआ की उसे पहले गवर्निंग कौंसिल के सदस्यों के पास जाना पड़ा।

दूसरा :- वो हैकर जिसे राल्फ ने फ्री मि बनाकर अपने प्लान के लिए उपयोग किया था और जो पिछले कुछ दिनों से राल्फ को ही धमकी दिए जा रहा था। वो फ्री मि हैकर जिसे राल्फ नहीं ढून्ढ पाया था और जिसे उसके मैकाबर नहीं ढूंढ पाए वो यहाँ गवर्निंग कौंसिल के समक्ष खुद ही उपस्थित हो गया था। राल्फ को समझ आ गया था की उसका खेल ख़त्म हो चूका है।

और तीसरा.....

इससे पहले तारा अपनी कहानी आगे बोल पाती धर्मा बोला, "कोन्ताना..."

प्रोफेसर बोरो, ज़ोरो और लेडी तारा के आश्चर्य कि सीमा न रही। प्रोफेसर बोरो बोले, "धर्मा तुम्हें कैसे पता कोन्ताना वहां था।"

हालाँकि लेडी तारा ही धर्मा को स्टोरी सुना रही थी परन्तु बोरो और ज़ोरो का ध्यान धर्मा कि तरफ ही था। लौरा अभी भी बेहोश थी और कार्ट तेजी से ज़मीन के नीचे चल रही थी।

धर्मा बोला, "फ्री मि और कोई नहीं कोन्ताना ही था। राल्फ को भी ये पता नहीं था।"

बोरो ने कहा, "बिलकुल सही।"

धर्मा बोला, "ये अंदाज़ा लगाना बिलकुल भी मुश्किल नहीं था।"

प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो तीनो के आश्चर्य की सीमा न रही। धर्मा ने इतनी आसानी से पता लगा लिया था की कोन्ताना का हाथ है इन सब षडयंत्रो के पीछे जबकि कोई उस समय भी नहीं समझ पाया था की कोन्ताना ही है इन सब के पीछे।

धर्मा ने उन सब के उत्सुक चेहरे देख अपनी बात कही, "इतनी विस्तृत योजना, ऐसे एक्शन किसी हैकर के बस के बात नहीं थे। “

तारा ने बोला, “तुमने इतनी आसानी से कैसे पता लगा लिया की कोन्ताना ही है इन सब के पीछे।

धर्मा ने जवाब दिया, “फ्री मि का इतना पक्का प्लान करना और फ्री मि द्वारा नाड़ुस के लोगो से बाते, शिनी को फ्री मि द्वारा इतनी आसानी से फसा लेना, परिंजय पर इतना खतरनाक हमला, नाड़ुस के अजय सेना पर ब्लास्ट आदि ये कोई हैकर कर ही नहीं सकता। राल्फ को समझ जाना चाहिए था की फ्री मि कोई पक्का राजनीतिज्ञ है। कोन्ताना का इतना आसानी से हार मान लेना भी कुछ सही नहीं लग रहा था। कोन्ताना को मैर्केल से बदला भी लेना था। इसीलिए जब कोन्ताना को पता चला की राल्फ के पास मैर्केल को हारने का कुछ प्लान है तो कोन्ताना ने फ्री मि बन कर राल्फ का साथ देने का सोचा। परन्तु उसे समझ आ गया था की राल्फ का प्लान फुलप्रूफ नहीं है।“

प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो के आश्चर्य कि सीमा न रही। उनको नहीं पता धर्मा ने ये कैसे पता कर लिया। उन्होंने धर्मा के जितना समझदार इंसान नहीं देखा था। धर्मा ने गज़ब कि बुद्धिमता का प्रदर्शन किया था। कोन्ताना के शामिल होने का अनुमान लगाना बिलकुल भी आसान नहीं था। बोरो को यकीन हो गया यदि नोकोईविड को कोई हरा सकता है तो वो धर्मा ही है। परन्तु बोरो के मन में एक अजीब सा डर भी बैठ गया। उसको लग गया कि धर्मा को कोई नियंत्रित नहीं कर सकता। धर्मा ने बोरो कि बॉडी लैंग्वेज पढ़ ली थी। उसको समझ आ गया कि बोरो, तारा और ज़ोरो भी पूरा सच नहीं बोल रहे। परन्तु धर्मा कुछ सोचना नहीं चाहता था। वो लोग उसका मन पढ़ लेते थे। धर्मा को अभी अपने विचार छुपाने नहीं आते थे। बोरो ने फिर भी धर्मा का मन पढ़ लिया था। बोरो का डर अब और भी ज्यादा बढ़ गया था।

लेडी तारा ने स्टोरी को आगे बढ़ाया।

राल्फ ने आश्चर्य से बोला, “कोन्ताना तुम यहाँ।“

कोन्ताना बोला, “ जैसन युद्ध हार गया। मैंने तुमसे कहा था कि यदि तुम इरीट्रिया हार गए तो मैं तुम को बर्बाद कर दूंगा।“

राल्फ ने जैसन का झुका हुआ चेहरा देखा और उसे समझ आ गया की इरीट्रिया के लोगो ने उसकी अजय सेना को हरा दिया। हालाँकि ये लगभग असंभव था, आखिर कैसे उन नौसिखियों ने अजय सेना को हरा दिया, राल्फ के लिए ये कल्पना करना भी मुश्किल था। राल्फ ने फिर कोन्ताना की तरफ देखा और बोला, "कोन्ताना तुम्हें इन सबसे क्या मतलब? मुझे लगा था तुमने सन्यास ले लिया।“

कोन्ताना बोला, “मुर्ख राल्फ निकाटोर मेरा आदमी था। उस मीटिंग कि डिटेल्स वो मुझे लाइव भेज रहा था। तुमने उसे बेरहमी से मरवा दिया। मुझे समझ आ गया तुझे चुनाव जीतना है तू कुछ ऐसा ही प्लान करेगा। फ्री मी का आईडिया मेरा ही था। फ्री मी हैकर मेरा ही आदमी था। तुझे लगा वो जेल में बंद एक कैदी है और तू उसे छुड़वा कर उससे अपना प्लान पूरा करवाएगा। परन्तु वो हैकर लोगो से बात नहीं करता था। वो मैं करता था। तुझे इतना सा समझ नहीं आया कि वो हैकर शिनी जैसे कुटिल राजनीतिज्ञ से कैसे बात कर सकता है। तू मुर्ख था राल्फ। मैं ही सबसे मिलता और बाते करता था। मैं ही इन लोगो को चला रहा था। तेरे से भी मैं ही बाते करता था। ये हैकर तो मात्र मेरा एक छोटा सा मोहरा था।“

राल्फ के चेहरे कि रंगत उड़ गयी।

कोन्ताना ने आगे बोला, “मुर्ख तुझे चुनाव जीताने का प्लान तू नहीं मैं बना रहा था।“

राल्फ बोला, “तुम प्लान बना रहे थे।“

कोन्ताना ने कहा, “याद कर तुझे हर चीज़ के लिए मैं ही उकसा रहा था। Xor पर हमले के सिवाय सब कुछ मेरा ही प्लान था। Xor पर हमला तेरा

मूर्खता और क्रूर प्लान था। मेरी गलती ये हुई की मैंने तुझे रोका नहीं। मुझे लगा डैल और शिनी को एक साथ ख़त्म करने के लिए Xor पर हमला ही ठीक रहेगा। तुझे चुनाव जिताने के लिए इससे अच्छा कुछ नहीं था।"

राल्फ विस्मित होते हुए बोला, "तुम मुझे क्यों चुनाव जीतना चाहते थे?"

कोन्ताना बोला, "शिनी, डैल और सैडल को मैर्केल से कोई आपत्ति नहीं थी। वो मुर्ख लीडर थे। तू ही था जिसने इरीट्रिया को ढूँढा, अन्तियम को ढूंढा। इसलिए मैंने निकाटोर को तेरे पास भेजा ताकि वो तुझे सही प्लान करना सीखा सके।" कोन्ताना का बेहद गुस्सैल एकालाप चालू रहा, "तू मुर्ख था तुझे लगा निकाटोर तेरा विरोधी है इसलिए तूने उसे मरवा दिया। इसलिए मुझे हैकर कैदी को तेरे पास भेजना पड़ा। खुद फ्री मि बन कर नाड्स पर जाना पड़ा और शिनी आदि से बात करनी पड़ी। परिंजय पर हमला करना पड़ा। मुझे तेरे हर प्लान कि खबर पल पल थी। मुर्ख राल्फ मैंने ऐसे ही नहीं इस पूरे Xor साम्राज्य को खड़ा कर दिया है।"

राल्फ को समझ आ गया था कि कोन्ताना कितना बड़ा खिलाडी था। कोन्ताना ने आगे बोला, "यदि तूने निकाटोर को मरवाया न होता तो शायद मैं तुझे सही प्लानिंग करावा देता और ये जैसन युद्ध नहीं हारता। परन्तु तूने निकाटोर को मरवा दिया और मेरे पास इंतज़ार करने के आलावा कोई विकल्प नहीं था।"

पूरी गवर्निंग कौंसिल सुन्न थी। गवर्निंग कौंसिल के लोगो ने कभी नहीं सोचा था की कोई इतनी खतरनाक और क्रूर प्लानिंग कर सकता है और उसे अंजाम दे सकता है।

कोन्ताना ने अपना लेक्चर जारी रखा, "परन्तु अब जब जैसन युद्ध हार कर आ गया है तो मेरे पास और कोई चारा नहीं रहा। यदि इरीट्रिया को तू जीत लेता और मैर्केल को Xor से बाहर कर देता तो तेरे ये सब पाप माफ़ हो जाते,

परन्तु अब नहीं। तुझे और मुझे दोनों को ही अपने पापो का प्रायश्चित करना होगा।“

कोन्ताना ने राल्फ का पूरा प्लान स्क्रीन पर दिखा दिया। किस प्रकार राल्फ ने Xor पर हमला करवाया। कैसे उसने अपने ही लोगो को मरवाया। नडाल पर नुक्लेअर हमला परिंजय पर कत्ले आम आदि सब कुछ। नाड्डुस के अत्याचार भी दिखाए गए परन्तु Xor साम्राज्य के लोगो को मग कि जान कि कोई कीमत नहीं थी।

गवर्निंग कौंसिल ने राल्फ को सुप्रीम कमांडर से हटा दिया और राल्फ पर मुक़दमा चलाने का आदेश दिया। कोन्ताना द्वारा दिए गए सबूत काफी मजबूत थे। राल्फ और कोन्ताना दोनों को ही सजाए मौत हो गयी। हालाँकि कोन्ताना ने पिकाबोट ड्रेस को आदेश दे कर खुद ही आत्महत्या कर ली। राल्फ को जब सजाए मौत मिल रही थी तो नोकोईविड वही था। राल्फ चिल्लाया मैंने सिर्फ एक गलती कि मैं इरीट्रिया हार गया यदि मैंने इरीट्रिया जीत लिया होता तो न कोन्ताना ये भेद खोलता न ही मेरी ये हालत होती। जैसन तूने क्या किया।

जैसन के सामने राल्फ को सजाए मौत मिली। जैसन भी अपने ख्यालों में डूब गया। उसके सामने पिछले कुछ दिनों का सारा दृश्य बिलकुल ताज़ा ताज़ा उभरने लगा। वो कैसे इरीट्रिया पहुंचा और जीतते जीतते भी हार गया।

~~~

अध्याय बारह - Xor और इरीट्रिया का प्रथम युद्ध - दूत एडमिरेर

कार्ट अपने डेस्टिनेशन पर पहुँच चुकी थी। कार्ट ने उन्हें एक छोटे से शहर के बाहर छोड़ा था। बाकि का सफर प्रो बोरो, लेडी तारा, धर्मा और ज़ोरो ने पैदल ही तय किया। ज़ोरो ने लौरा को गोदी में उठा रखा था। तक़रीबन 2 किलो मीटर पैदल चलने के बाद वो लोग मुख्य शहर में पहुंचे जो दिखने में पौराणिक रोमन शहर जैसा लग रहा था। सभी लोगो ने मानसिक आदेश दिया और उनकी पिकाबोट ड्रेस वैसे ही हो गयी जैसे बाकि शहर वालो की थी। धर्मा को अभी ये करना नहीं आता था इसलिए लेडी तारा ने उसे एक छोटा पत्थर रुपी औजार दिया और उसे धर्मा के माथे पर लगा दिया। धर्मा कि ड्रेस भी अपने आप बदल गयी। धर्मा, ज़ोरो और प्रोफेसर बोरो की ड्रेस एक बड़े चोगे में परिवर्तित हो गयी थी, लेडी तारा की ड्रेस एक लम्बी स्टोला पोशाक में बदल गयी थी। लौरा की ड्रेस चेंज नहीं हुई क्योंकि वो बेहोश थी।

धर्मा को समझ आ गया की ये इसलिए किया गया है की दूर से किसी को पता नहीं चले की ये लोग इस शहर के नहीं है।

धीरे धीरे वो लोग आगे बढे और एक बड़े से घर में घुस गए। आस पास कि गली में बहुत शोर हो रहा था परन्तु उस विशाल घर में बहुत सन्नाटा था। बोरो ने मानसिक आदेश दिया और घर का दरवाजा खुल गया। उस घर में बहुत ही आलीशान सोफे, बिस्तर, पेंटिंग्स, साइंटिफिक उपकरण, बड़े इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स इत्यादि थे। बहुत से रोबोट वहां घर कि साफ सफाई में लगे थे। बोरो बहुत ही अमीर था। मेज़ोल के अलग अलग देशो में उसके पास ठिकाने थे वो भी इतने आलिशान।

वे सब अंदर घुस गए। लौरा को ज़ोरो ने मेडिकल रूम में ले जा कर अच्छे से उपचार दे दिया था। लौरा को अब किसी भी समय होश आ सकता था। उसकी तबियत अब ठीक हो रही थी। जॉली ने उस पर बहुत अत्याचार किये थे परन्तु लौरा के मज़बूत आत्मबल ने सब कुछ झेल लिया था।

धर्मा और तारा एक सोफे पर बैठे थे और प्रोफेसर बोरो जनक 290 को भी वहां बुलाने कि तैयारी कर रहा था। जनक 290 को बोरो यही से कमांड दे कर बुला सकता था।

तारा ने Xor और इरीट्रिया के युद्ध की कहानी को आगे बढ़ाया और आगे का विज़न दिखाया।

धर्मा ने देखा चार स्टरगेज़ शिप्स अत्यधिक गति लेते हुए अब बिलकुल यूको वर्म होल के नज़दीक पहुँच चुके थे। राल्फ ने चुनाव जीत लिया था और अब वो बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था की कब जैसन उसे इरीट्रिया की जीत का समाचार देगा। जैसन भी बहुत ही ज्यादा उत्सुक था राल्फ को ये समाचार देने के लिए। जैसन ने पूरा सफर जागते हुए किया था। वो बाकि के लोगो की तरह सुप्त अवस्था में नहीं था। बाकि लोग अपने अपने सलंबर चेम्बर में आराम से सो रहे थे, वो तकरीबन 100 वर्ष बाद उठेंगे, परन्तु जैसन स्पेस शिप पर वैसे ही अपना जीवन यापन कर रहा था जैसे स्पेस के क्रू मेंबर्स करते है। फर्क ये था की बाकि सभी स्पेस के क्रू मेंबर्स कुछ ही दिनों में वापस अपने अपने ग्रहो पर चले जाते हैं, परन्तु जैसन को एक पूरी सदी तक वैसा जीवन बिताना था जहाँ उसका साथी था केवल ये अनंत आकाश।

एडमिरेर और जैसन एक ही स्टरगेज़ शिप पर थे और बाकि तीन स्टरगेज़ शिप पर तीन अलग अलग रोबोट इन-चार्ज थे। बाकि सभी सैनिक और टेक्निशन सुप्त अवस्था में थे। केवल जैसन ही एक मात्र व्यक्ति था जो इतने वर्षो से उस स्टरगेज़ शिप को अहसास दिला रहा था की कोई जीवित व्यक्ति भी उस विशालकाय गतिमान वस्तु का मेहमान था।

धर्मा ने जो विज़न देखा उसमे जैसन बहुत ही ज्यादा बूढ़ा और कमज़ोर व्यक्ति प्रतीत हो रहा था। कोई ऐसा जो इस सफर से बहुत ही ज्यादा दुखी हो गया हो, जिसके पास जीवन जीने की ऊर्जा ही नहीं बची हो। वहीं एडमिरेर दिखने में किसी 16-17 वर्षीया खूबसूरत लड़की कि जैसी थी और यह कह पाना बहुत मुश्किल था कि वो एक बहुत ही खतरनाक रोबोट वारियर थी।

"हम अब यूको वर्महोल पार करेंगे। हमें कोलार्क के दिए हुए कोड को रन करना होगा। तुम तैयार हो।" एडमिरेर ने जैसन के कंधे को थोड़ा झकझोरते हुए बोला। जैसन स्टरगेज़ शिप के कण्ट्रोल रूम में अकेला बैठा हुआ स्पेस की अनंत शुन्य को निहार रहा था। उसने इतने सारे वर्ष बिना कुछ किये व्यतीत किये थे। पहले कुछ वर्ष उसने हर प्रकार का आनंद लिया, किताबे पढ़ी, व्यायाम किया, जो भी अलग अलग मनोरंजन के साधन थे वो सब करके देख लिए परन्तु कुछ ही वर्षो में वो उन सब से ऊब गया। उसको पता भी नहीं चला की कब उसे ये 100 वर्ष इतने लम्बे लगने लगे की वो इंतज़ार ही करता रह गया। उसके लिए ये यात्रा एक जेल की कैद बन गयी थी। वो बैचेन हो रहा था, एक एक पल उसको अनेको वर्ष जैसे लग रहा था। ये अनंत आकाश अब एक दर्दनाक कब्रिस्तान लग रहा था जहाँ वो ज़िंदा दफ़न था। जैसन ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था की स्टरगेज़ शिप पर 100 वर्ष बिताना इतना ज्यादा कठिन होगा।

जैसन इतने वर्ष स्पेस के शुन्य को निहारता हुआ बेहद परेशान हो चूका था। उसका मनोवैज्ञानिक संतुलन बिगड़ गया था। उसने अपने जीवन में कभी भी इतनी लम्बी यात्रा नहीं कि थी।

धर्मा ने बीच में ही कहा, "Xor का सेनापति जो इरीट्रिया को जीतने गया था वो ही मानसिक रूप से अस्थिर हो गया तो युद्ध क्या जीतेगा।"

"ऐसा नहीं है धर्मा। जैसन एक बहुत ही शक्तिशाली और समझदार इंसान था। वो मानसिक रूप से थोड़ा अस्थिर जरूर हो गया था परन्तु उसे हल्के में मत लो। उसने इरीट्रिया को लगभग जीत ही लिया था।" लेडी तारा ने विज़न भेजते हुए धर्मा के प्रश्न का उत्तर दिया।

"फिर तो यह कहानी काफी रोचक होती जा रही है। वो जीतते जीतते हार कैसे गया।" धर्मा ने उत्साहित होते हुए कहा।

तारा ने कहानी को आगे बढ़ाया और धर्मा को आगे का विज़न भेजा।

"ठीक है। वर्महोल को पार करने का कोड रन किया जाए।" जैसन ने उदासीन स्वर में आदेश दिया।

उसने बहुत दिनों से एडमिरेर से भी बात नहीं की थी। वो कई वर्षों से सिर्फ अनंत आकाश को ही कण्ट्रोल रूम में बैठ कर निहारे जा रहा था।

"तुम थोड़ा आराम कर लो। तुम अभी भी सलंबर चैम्बर में जा सकते हो।" एडमिरेर ने बहुत ही स्नेहिल स्वर में बोला।

"नहीं। जब में इतना समय बिना उस ठंडी कब्र की सहायता के निकाल सकता हूँ तो अब तो वो घडी आने वाली है जिसका मुझे एक सदी से इंतज़ार था। तुम कोड रन करो।" जैसन ने उग्र स्वर में आदेश दिया।

एडमिरेर ने कुछ कहने का प्रयास किया परन्तु जैसन ने अपना दायाँ हाथ हवा में उठा कर एडिमिरेर की तरफ दिखा दिया। एडमिरेर समझ गयी जैसन इस बारे में कोई भी बात नहीं करना चाहता। जैसन नहीं चाहता था कि जब वर्म होल का कोड रन हो तो वो सो रहा हो। उसको सुप्रीम कमांडर राल्फ ने बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य दिया था और उसे वो ढंग से पूरा करना चाहता था। यदि जैसन को सोना ही होता तो वो बहुत पहले सो जाता। अब जब उन्होंने लगभग ये यात्रा पूरी कर ली है तो जैसन सलंबर मोड में नहीं जाएगा।

बाकि अजय सेना के सारे सैनिक सलंबर मोड में थे, वो अपने अपने सलंबर चैम्बर में एक बहुत ही लम्बी नींद सो रहे थे - सौ वर्ष लम्बी नींद।

एडमिरेर ने कोड रन किये और चारो स्पेस शिप देखते ही देखते वर्म होल के अंदर चले गए। जैसन और एडमिरेर को कण्ट्रोल रूम से सब दिख रहा था। उनको लगा की वर्महोल उन्हें अपने अंदर निगल गया था। वो वर्म होल में ऐसे घूमे जा रहे थे जैसे कोई नाव किसी बवंडर में फंस जाती है। जैसन और एडमिरेर को समझ नहीं आया कि क्या कोड सही तरीके से रन हुए है। क्या वो ये वर्महोल पार कर पाएंगे?

जैसन जगा हुआ था और बहुत ज्यादा थका हुआ। वर्म होल में शिप बहुत ही बुरी तरह से घूम रहे थे और धीरे धीरे उनका गुरुत्वाकर्षण भी बढ़ रहा था। किसी भी जीवित इंसान ने कभी भी वर्म होल को पार नहीं किया था। अभी तक वर्म होल केवल मैर्केल के शिप ने ही रोबोट के साथ पार किया था और इसलिए ये कहना मुश्किल था कि वर्म होल का जीवित व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

धीरे धीरे स्पेसशिप्स बहुत भारी हो गए थे। जैसन को लग रहा था की उसका वज़न बहुत ज्यादा बढ़ गया है। उसको अपना हाथ उठा पाना भी मुश्किल हो रहा था। स्टरगेज़ शिप्स तेजी से घूम रहे थे और उनका कम्युनिकेशन सिस्टम भी जाम हो चूका था। वर्म होल के अंदर ऐसा लग रहा था की कोई बहुत भारी चीज उन्हें अपनी और खींच रही है। जैसन को अब असहनीय पीड़ा हो रही थी। उसे जगे रह कर वर्म होल पार नहीं करना चाहिए था। उसका मनोवैज्ञानिक संतुलन पहले से ही बिगड़ा हुआ था इस पीड़ा ने उसे और ज्यादा आहत कर दिया था। जैसन को लगा उसका शरीर दो हिस्सों में बट जाएगा - मानो ऐसा लग रहा था जैसे की बहुत से हाथी उसे दोनों और से खींच रहे हों। जैसन को लगा उसका अंतिम समय आ गया।

जैसन को जैसे ही लगा की वो इस असहनीय पीड़ा से मर जाएगा तभी सब कुछ सामान्य हो गया। धीरे धीरे उनका स्टरगेज़ शिप सामान्य रूप से उड़ने लगा। जैसन की पीड़ा धीरे धीरे कम हो गई थी। उसका वजन भी सामान्य

हो गया था। जैसन वर्म होल पार करने वाला पहला व्यक्ति बन चूका था। परन्तु जैसन को इससे ज्यादा ये ख़ुशी थी की वर्म होल कोड ने सही काम किया है और अब वो इरीट्रिया के बिलकुल पास था।

जैसन ने एडमिरेर को बहुत ही ज़ोर से हग कर लिया, जब उसने कण्ट्रोल रुम की स्क्रीन पर अपने शिप्स को इरीट्रिया के सौर मंडल के अंदर पाया।

&

<u>प्लेनेट इरीट्रिया (हेयस भू भाग)</u>

सफायर बहुत तेजी से अपने पंखो को फड़फड़ाते हुए उस विशालकाय ऑफिस के डोम पर उतरी। वो बहुत घबरायी हुई थी। उसने अपने पंखो को फोल्ड किया और तेजी से उस बड़े रूम के अंदर घुस गयी। वहां खड़े ऐंजलन सैनिक जो अपनी सामान्य यूनिफार्म में बहुत ही सुन्दर दिख रहे थे उन्होंने अपनी बंदूकों को पकड़ कर झुक कर सलाम किया। ये हेयस का सामान्य सैलूट था। सफायर हेयस की स्पेस मामलो की इन-चार्ज थी और सीधे महाराजा को रिपोर्ट करती थी जो हेयस का चुनिंदा सत्रप - महाप्रधान- था।

सफायर के पास अनुमति थी इसलिए सारे आटोमेटिक द्वार अपने आप सफायर के चेहरे को देखते ही खुल गए। सफायर मापित कदमो से चलती हुई उस कमरे के द्वार तक पहुँच गयी जो उसके चेहरे के प्रिंट से नहीं खुला। वो था महाराजा के चैम्बर का द्वार जो केवल महाराजा के चेहरे के स्कैन से ही खुलता था या फिर महाराजा के आदेश पर उसके कुछ बहुत ही वफादार पहरेदारों के चेहरों के प्रिंट से।

"मुझे तुरंत महाराजा से मिलना है।" सफायर ने जल्दी जल्दी उस रिसेप्शनिस्ट से बोला जो महाराजा के द्वार के बाहर थी। वो रिसेप्शनिस्ट फ्लेशी प्रजाति की थी, उसने फ़ोन लगाया और महाराजा के असिस्टेंट जो की एक और फ्लेशी था से पूछा, "सफायर मैडम आयी है, उन्हें तुरंत महाराजा से मिलना है।"

वहां से जवाब आया, "महाराजा से पूछ कर बताता हूँ।"

"तुम लोग समझ नहीं रहे हो मुझे एक बहुत आवश्यक बात महाराजा से करनी है। तुम लोग बिना बात के समय बर्बाद मत करो।" सफायर झिल्लाते हुए बोली।

"मैडम हमें प्रोटोकॉल तो पूरा करना पड़ेगा। " रिसेप्शनिस्ट अपने सरल स्वर में बोली।

"तुम फ्लेशी लोग किसी भी काम के नहीं हो।" सफायर बेतहाशा ज़ोर से चिल्लाई।

सफायर ने मुख्य पहरेदार को इशारा किया जो की एक ऐंजलन था। सफायर को पता था ये गार्ड महाराजा का सबसे वफादार पहरेदार है और वो समय की नज़ाकत को समझेगा। ये फ्लेशी लोग किसी काम के नहीं थे। जबसे इनके विरुद्ध दंगे हुए थे और इनके बहुत से लोग मारे गए थे, बाकि बचे शरणार्थियों को कई नौकरिया भीख में मिल गयी। इसलिए ये मुर्ख यहां महाराजा के चैम्बर में बैठे है जबकि इनकी औकात तो सड़क साफ़ करने की भी नहीं थी।

उस मुख्य पहरेदार ने बिना अंदर से कोई इजाजत आये, अपने चेहरे को स्कैन किया और द्वार खोल दिया। सफायर ने उसे सर के इशारे से धन्यवाद दिया और अंदर चली गयी। वो रिसेप्शनिस्ट फ़ोन का रिसीवर हाथ में लिए देखते ही रह गयी।

उस गार्ड ने उसकी इजाजत के बिना ही द्वार खोल दिया था। फ्लेशी की इरीट्रिया में कोई इज्जत नहीं थी चाहे वो हेयस के महाराजा के असिस्टेंट या रिसेप्शनिस्ट ही क्यों न हो। एक ऐंजलन प्रजाति का सिक्योरिटी गार्ड उनसे ऊँची पहुँच और रसूख रखता था।

सफायर फ़ौरन महाराजा के कक्ष में पहुँच गयी। वहां बाहर महाराजा का फ्लेशी असिस्टेंट ज़मीन पर खड़ा था जबकि महाराजा बहुत ऊँचे हवा में

अपने पंखो को फैलाये उड़ रहे थे। महाराजा कम से कम 100 फ़ीट ऊपर उड़ रहे थे। सफायर ने उस फ्लेशी अस्सिस्टेंट को बहुत ही घृणित दृष्टि से देखा और आँखों से इशारा किया की वो वहां से जाकर अपनी डेस्क पर बैठ जाए। वो चुपचाप चला गया।

महाराजा हवा में उड़ता हुआ अपने बड़े डोम रूपी कमरे की बड़ी खिड़की से बाहर बहुत दूर दो गिद्धों की लड़ाई देख रहा था। सफायर ने अपने पंख खोले और उड़ कर महाराजा के पास पहुँच गयी। उसने महाराजा के पास अपने आप को स्थिर किया और बहुत ही विनम्र स्वर में बोली, "इस प्रकार आपके विश्राम में खलल डालने के लिए माफ़ी परन्तु आपको बहुत महत्वपूर्ण सूचना देनी है।

महाराजा ने सफायर की तरफ देखा भी नहीं और बहुत ही अरुचि से बोला, "क्या बात है सफायर, इतना क्यों घबराई हुई हो। उधर देखो," महाराजा ने खिड़की की ओर इशारा करते हुए कहा, "हम इन गिद्धों से ही विकसित हुए है कई बार मैं जब इनका अध्यन करता हूँ तो मुझे ऐंजलन प्रजाति की भी कई बातो का पता चलता है"

"सफायर इन सब में बिलकुल भी रुचिकर नहीं थी। वो हेयस की या यूँ कहे पूरे प्लेनेट की स्पेस एजेंसी की मुखिया थी। उसको महाराजा को बहुत ही महत्वपूर्ण बात बतानी थी। उसने बिना महाराजा की बात पर कोई भी प्रतिक्रिया न देते हुए कहा, "महाराजा हमें एलियन मूवमेंट का पता चला है। हमारे राडार ने बताया है की कोई बहुत सारे एलियन शिप्स बहुत ही तेजी से हमारी ओर आ रहे है।"

महाराजा पहली बार सकपकाया और सफायर की तरफ एकटुक देखने लगा।

"क्या। एलियन शिप्स। ये इन फ्लेशी की ही करतूत होगी। इन्होने फिर से कोई राकेट छोड़ा होगा। मैं इन लोगो को छोडूंगा नहीं।"

महाराजा और सफायर अनायास ही नीचे आ गए और महाराजा सफायर को लेकर अंदर अपने निजी कक्ष में चला गया। दोनों एक बड़े सोफे पर बैठ गए। सफायर को पता थी की महाराजा को फ्लेशी के राकेट आदि भेजने से यह ही प्रमुख आपत्ति थी की वे क्रूर एलियंस को कहीं खबर न कर दे। महाराजा को हमेशा से ही स्पेस और एलियंस से डर लगता था।

"महाराजा, कोई बहुत ही विकसित एलियंस हमारी तरफ बढे चले आ रहे है। हो सकता है फ्लेशी लोगो ने जो बहुत सालो पहले राकेट छोड़े थे उनको ट्रेस करते हुए एलियंस यहाँ आ गए हो।"

"इसलिए मैं इन मुर्ख दुर्बल बेपंखी लोगो को बोलता था की ये फालतू राकेट वगैरह मत भेजो। परन्तु ये मतभ्रमि और नास्तिक लोग हमारे पवित्र ब्लैकस्टोन को पिघला कर राकेट बना कर स्पेस के एलियंस को न्योता भेज रहे थे। अब क्या ये बेपंखी अति दुर्बल लोग मुकाबला करेंगे इन क्रूर एलियंस का।"

महाराजा को फ्लेशी बिलकुल भी पसंद नहीं थे और उसका बस चलता तो वो इन लोगो का समूल चूल नाश कर देता। परन्तु ये कुटिल राजनीती अपना फन हर जगह फैला लेती थी।

सफायर ने बीच में बोल कर महाराजा के गहन विचार को तोडा, जिसमे वो फ्लेशी के विरुद्ध विषाक्त निंदा के अनुक्रम में था।

"आप बोलो तो मैं सभी लोगो को खबर कर देती हूँ। आप को सभी के साथ मीटिंग कर लेनी चाहिए। मेरी कॅल्क्युलेशन्स के हिसाब से 3 से 4 दिन में वो एलियंस यहाँ होंगे।"

"ठीक है, सफायर तुम मीटिंग फिक्स कर दो।"

&

जल्द ही सरन शहर में जो हेयस भू-भाग का सबसे विकासशील शहर था, और महाराजा एवं सभी महत्वपूर्ण लोग वही रहते थे। महाराजा ने एक

बहुत ही आलिशान होटल में एक स्पेशल मीटिंग रूम बुक कराया और वहीँ पर आज एलियन हमले से निपटने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण मीटिंग हो रही थी।

हेयस भू-भाग सात देशों में बटा हुआ था परन्तु उन सबका चुनिंदा मुख्य सत्रप या प्रधान अधिकारी महाराजा था जो पूरे हेयस भू-भाग का प्रतिनिधित्व करता था। महाराजा के साथ उसकी ऐंजलन प्रजाति की सेना और सुरक्षा प्रमुख ज्योति, हेयस भू-भाग में रह रहे सेन्टॉरस का प्रतिनिधि - रांका, सफायर तथा एक्यान का परम गुरु मौजूद थे। ये लोग सबसे ज्यादा ताकतवर और प्रभावशाली थे परन्तु चूँकि बात एलियन हमले की थी इसलिए ग्रीनलैंड भू-भाग के राजा जो सबसे पुराने राजवंश से ताल्लुक रखते थे किंग हीरा (ऐंजलन), ग्रीन लैंड की सबसे प्रमुख व्यापारी क्वीन जोबा (ऐंजलन) और योगी बाबा (फ्लेशी) जो सभी बोफ में मानने वाले फ्लेशी लोगो के धार्मिक गुरु थे, भी आमंत्रित थे।

परम गुरु एक बड़े से पानी के चैम्बर में थे। परम गुरु बहुत बड़े आकार के थे और आधे मनुष्य और आधी मछली थे। उन्होंने बहुत सी मालाएँ पहन रखी थी और कम से कम उनकी ऊंचाई 55 से 60 फ़ीट की थी। उन्होंने एक हेलमेट पहन रखा था जिससे वो पानी के अंदर से भी जो बोलते थे वो स्पीकर के जरिये बाकि लोगो को सुनाई देता था और बाकि लोग जो बोलते थे उनको उस हेलमेट से सुनाई देता था। यह सभी लोग उस भाषा में बात कर रहे थे जो सभी लोग कॉमन रूप से बोलते थे, हालाँकि हर किसी की अपनी भी एक भाषा थी परन्तु हर किसी के लिए ये कॉमन भाषा सीखना बचपन से ही अनिवार्य था।

परम गुरु उन सब लोगो में सबसे सम्मानीय थे और साथ ही साथ एक्यान लोगो के प्रतिनिधि, एक्यान लोगो से धरती पर रहने वाले बहुत घबराते थे क्योंकि एक्यान लोग अत्यधिक बलशाली थे। उन्हें समुद्र में हराना

तकरीबन असंभव था। भूतकाल में जब भी जमीन पर रहने वाले और समुद्री लोगो में युद्ध हुए पलड़ा समुद्री लोगो का ही भारी रहा था और उसका एक प्रमुख कारण उन लोगो का एक अत्यधिक खतरनाक हथियार 'अन्निहिलटर" भी था।

परम गुरु अपने पानी वाले चैम्बर में अपने आप को स्थिर करते हुए बोले, "महाराजा क्या खबर पक्की है।"

महाराजा, जो एक बहुत ही बड़ी और केंद्र में रखी कुर्सी पर बैठा था, बोला, "हाँ परम गुरु। एलियंस कभी भी हमला कर सकते है।"

बाकि सभी लोग महाराजा के चारो ओर एक वृताकार आकृति में बैठे थे।

किंग हीरा - ग्रीन लैंड के राजा बोले, "परन्तु इसकी क्या गारंटी है की एलियन हमला ही करेंगे। हो सकता है वो हमारे साथ मिल जूल कर रहे।"

क्वीन जोबा - ग्रीन लैंड की सबसे बड़ी व्यापारी, भी किंग हीरा को देखते हुए बोली, "हाँ हो सकता है। एलियंस के साथ व्यापर बहुत रोचक होगा।"

हालाँकि हेयस भू-भाग ने ग्रीनलैंड से बहुत अधिक तरक्की कर ली थी, परन्तु ग्रीनलैंड से ही जीवन की शुरुआत हुई थी ओर इसलिए किंग हीरा ओर क्वीन जोबा की हेयस के लोगो में काफी इज्जत थी। महाराजा ने उन दोनों की ओर देखा ओर बोला, "किंग हीरा ओर क्वीन जोबा, आप लोगो की बात यदि सच होती है तो इससे अच्छा कुछ नहीं, परन्तु हमें हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।"

इतने में योगी बाबा जो फ्लेशी के स्पिरिचुअल गुरु थे, बोले, "हाँ जहाँ तक हो हमें युद्ध नहीं करना चाहिए।"

महाराजा, योगी बाबा की आवाज़ से ही बहुत ज्यादा गुस्से में आ गया। उसकी फ्लेशी के प्रति नफरत जग जाहिर थी। उसने इन सब को जान से

मार डालने का चुनावी वादा भी किया था। ऐंजलन ओर सेन्टॉरस लोगो ने बहुत से फ्लेशी लोगो को दंगो में तड़पा तड़पा के मार भी डाला था, परन्तु जब फ्लेशी लोगो ने सब से माफ़ी मांग ली तब महाराजा को मज़बूरन अनेक 'फ्लेशी बचाव संगठनों' के दबाव में न सिर्फ कत्ले आम रुकवाना पड़ा अपितु कुछ फ्लेशी लोगो को नौकरियां भी देनी पड़ी। अधिकतर फ्लेशी या तो लक्स फुल्गोर में थे या ग्रीन लैंड में अपने धार्मिक गुरु योगी बाबा के साथ योग करते और बोफ के अनुसार साधारण जीवन बिताते थे। योगी बाबा उन्ही सारे फ्लेशी का प्रतिनिधित्व करते थे जो बोफ में मानते थे।

महाराजा ने गुस्से में योगी बाबा की ओर देखा और बोला, "ये तो तुम मुर्ख फ्लेशी लोगो को राकेट उड़ाने से पहले सोचना चाहिए था। क्यों आज तक हेयस ने इतनी तरक्की करने के बाद भी कोई सिग्नल स्पेस में नहीं भेजा। क्योंकि हमें हमेशा एलियंस का खतरा था। परन्तु ये मुर्ख फ्लेशी बिना सोचे समझे हमारे पवित्र मंदिर की मूर्तियों को चुरा चुरा कर राकेट लांच करते थे। ये सब इनकी मूर्खता का परिणाम है।"

योगी बाबा महाराजा के इन जहर उगलती बातों से सकते में आ गए। उन्हें समझ नहीं आया की वो क्या करे। उस मीटिंग में सभी लोग महत्वपूर्ण थे परन्तु योगी बाबा को लगता था की उन्हें सिर्फ बेइज्जत करने के लिए बुलाया गया है। वो चुप चाप बैठ गए।

परम गुरु ने इस विषैले माहौल को हल्का करने ने लिए गंभीर स्वर में बोला, "कोई बात नहीं महाराजा। फ्लेशी को उनकी गलतियों की सजा मिल चुकी है। अब समय है इन एलियंस पर विचार करने का। हेयस लैंड को जो भी सहायता समुद्र से चाहिए वो हम करेंगे। हम ऐक्यान एक मार्शल प्रजाति है, हम योद्धा है और युद्ध से नहीं घबराते। हम जरुरत पड़ने पर एक बात बिलकुल साफ़ कर देते है की हम उन एलियंस को पानी पर तो उतरने ही नहीं देंगे। यदि

उन्होंने हमारे महान समुद्र में उतरने की गलती की तो वो उनकी कब्र बन जाएगा।"

परम गुरु के इन जोशीले वाक्यों ने सभी लोगो में एक अलग सी ऊर्जा भर दी थी। सभी को यकीं हो गया था की वो सब यदि एक हो कर मुकाबला करे तो एलियंस को टक्कर दे सकते है ओर उन्हें हरा भी सकते थे।

महाराजा को पता था परम गुरु और सभी ऐक्यान बहुत ही बहादुर प्रजाति थे। वो आसानी से पानी पर हारने वाले नहीं थे। परन्तु महाराजा को चिंता थी तो हेयस लैंड की। हेयस बहुत ही प्रगतिशील भूमि था। उनके पास बहुत शानदार हथियार यहाँ तक की नुक्लेअर वेपन्स भी थे परन्तु एलियंस हो सकता है उनसे भी ताकतवर हो। कैसे महाराजा अपने लोगो की रक्षा उनसे करेगा?

क्योंकि हो सकता है एलियंस को समुद्र के अंदर युद्ध करना न आता हो, परन्तु एलियंस को भूमि पर युद्ध करना तो आता ही होगा और जो इतनी तेज गति से स्पेसशिप्स लिए चला आ रहा है वो एलियन मामूली नहीं हो सकता।

परम गुरु समझ गया की महाराजा क्या सोच रहा था। वो बोले, "महाराजा तुम चिंता मत करो, तुम इन एलियंस से मुलाकात करो, देखते है क्या रहता है। यदि एलियंस आक्रामक रहे तो हम जितना हो सके तुम भूमि पर रहने वालो की मदद करेंगे। और जरुरत पड़ने पर अन्निहिलटर का इस्तेमाल भी करेंगे।"

महाराजा को परम गुरु के इन शब्दों ने काफी ज्यादा राहत पहुंचाई थी। उसको उम्मीद थी तो परम गुरु से, क्योंकि वो जानता था की यदि कोई उसकी इन एलियंस से लड़ने में मदद कर सकता है तो वो परम गुरु ही है। ग्रीन

लैंड के लोगो से कुछ उम्मीद नहीं की जा सकती और ये फ्लेशी इन लोगो को तो जान से ही मार डालना चाहिए था।

&

इधर इरीट्रिया प्लेनेट से तकरीबन 1000 प्रकाश वर्ष दूर Xor के चन्द्रमा शयी पर एक बहुत ही बड़ी कंपनी मेजो कारपोरेशन के मुख्यालय में एक बहुत ही बड़े कमरे में उस कारपोरेशन का एक अति वरिष्ठ अधिकारी क्रोम कुछ समीकरणों के बीच घिरा हुआ था। उस स्क्रीन रहित डिस्प्ले में वो एक छोटे बालक की तरह अपने हाथो को यहां वहां मचलाता हुआ एक समीकरण को दूसरे के ऊपर किसी को किसी के नीचे रख रहा था। जैसे जैसे वो उन समीकरणों के साथ खेल रहा था उसके चेहरे पर एक अलग ही प्रकार की ख़ुशी दर्शित हो रही थी।

क्रोम ने अचानक से ही कुछ बहुत ख़ास देख लिया था। उन समीकरणों ने उसे बहुत ही हर्षित कर दिया था और उसकी ख़ुशी की सीमा न रही। उसे यकीन ही नहीं हो रहा था। उसने अपने आप को तुरंत कोलार्क के कमरे में बीम कर लिया। कोलार्क, जो मेजो कारपोरेशन का मालिक था, उस समय खुद एक बहुत ही पेचीदा समीकरणों के जाल में उलझा हुआ था। उसका पूरा कमरा हीलियम नियॉन लेज़र डिस्प्ले से भरा हुआ था और अनेको गणित की समीकरण और कॅल्क्युलेशन्स चारो तरफ हवा में उत्तोलित हो रखी थी। कोलार्क को इस प्रकार से क्रोम का आना बिलकुल पसंद नहीं आया।

"क्रोम तुम बिना इजाजत मेरे कमरे में मत आया करो। ये बीमिंग की सुविधा इमरजेंसी के लिए है।" कोलार्क बिना क्रोम की और देखे अपने समीकरणों में उलझे उलझे ही बोला।

"ये बहुत बड़ी इमरजेंसी है।" क्रोम उस स्क्रीन लेस्स डिस्प्ले से भरे कमरे में उन समीकरणों को चीरता हुआ कोलार्क के पास आ कर बोला।

"मैं शयी की गवर्नमेंट के लिए कुछ इम्पोर्टेन्ट वर्म होल्स के कोड पर काम कर रहा हू। उन्हें मैर्केल जाने के लिए शार्ट कट चाहिए। अभी मैं कोई डिस्टर्बेंस नहीं चाहता। ये पायलट प्रोजेक्ट यदि मंज़ूर हो गया तो मुझे शयी की गवर्नमेंट से बहुत बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा।" कोलार्क ने क्रोम को देखते हुए बोला, जो अब उसके बिलकुल सामने आ गया था।

"यहाँ नियति तुम्हें फ्रां का सबसे अमीर आदमी बनाना चाहती है और तुम चिल्लर कॉन्ट्रैक्ट के पीछे पड़े हो।"

"क्रोम क्या बकवास कर रहे हो।"

"तुमको पता है की राल्फ के प्रशासनिक अधिकारी बार बार हमसे यूको वर्महोल के कोड ले रहे थे। उन्होंने फैलानी की कंपनी से बहुत से स्पेसशिप भी हायर किये थे।"

"क्रोम मुद्दे पर आओ मेरे पास समय नहीं है|" कोलार्क गुस्से में झिल्लाते हुए बोला।

"उन्होंने कई बार यूको वर्महोल पार किया। फैलानी की स्पेसशिप से बार बार रोबोट को आर पार कराया।"

"तुम एक बात कितनी बार रिपीट करोगे।" कोलार्क की आँखों में अब अंगार थे। क्रोम उसकी कंपनी में काम कर रहा एक मुलाज़िम और वो मेजो कारपोरेशन के मालिक का समय यूँ व्यर्थ कर रहा था। कोलार्क ने क्रोम को कुछ ज्यादा ही सर पर चढ़ा रखा था, परन्तु कोलार्क जानता था की क्रोम से अच्छा समर्पित प्रोफेशनल उसे नहीं मिलेगा। क्रोम एक मिलांज था और बहुत ही इंटेलीजेंट था।

"इसलिए रिपीट कर रहा हूँ की तुम समझ जाओ।" क्रोम ने आँखों को मटकते हुए बोला।

"नहीं समझा।" कोलार्क ने सपाट चेहरे के साथ उत्तर दिया। उसका स्वर्णिम चेहरा जितना सुन्दर था उतना ही भयंकर भाव उसके चेहरे पर आया हुआ था।

"मैर्केल साम्राज्य के दो सबसे होशियार इंजीनियर्स कौन है।" क्रोम ने कोलार्क से प्रश्न किया।

कोलार्क का इन सब बातों में समय व्यर्थ करने का बिलकुल भी इरादा नहीं था, परन्तु क्रोम लगता था कुछ बहुत बड़ी बात कहने आया था, कोलार्क ने सोचा की थोड़ी देर और क्रोम को झेलते है। उसने अभिमानी स्वर में उत्तर दिया, "मैं और फैलानी।"

"तुम दोनों से इंटेलीजेंट मैर्केल प्रजाति में कोई पैदा ही नहीं हुआ। यहाँ तक की कोई मिलांज भी तुम दोनों से इंटेलीजेंट नहीं है।"

कोलार्क के चहेरे से लग रहा था की वो क्रोम की इन फालतू बातो से बोर हो रहा है। परन्तु क्रोम ने उसकी परवाह न करते हुए आगे बोलना जारी रखा, "कोलार्क तुमने वर्म होल पार करने का कोड बना दिया। बहुत पैसे कमाए परन्तु फिर भी तुम फैलानी से पीछे हो।"

क्रोम ने कोलार्क की दुखती रग पर हाथ रख दिया था। कोलार्क और फैलानी एक दूसरे को बहुत चाहते थे। फैलानी बहुत ही सुन्दर और इंटेलीजेंट लड़की थी। इंजीनियरिंग ख़त्म करते ही फैलानी ने प्रकाश की गति से तेज स्पेसशिप बनाने का प्लान तैयार कर लिया था। उसके लिए उसे चाहिए था अन्तियम जो केवल एक ख़ास गृह पर मिलता था। मैर्केल की सरकार ने उस गृह का ऑक्शन किया और फैलानी ने अपना सब कुछ लगा कर वो गृह खरीद लिया। उसके ऊपर बहुत कर्जा हो गया।

फैलानी ने कोलार्क से बहुत से पैसे मांगे परन्तु कोलार्क ने मना कर दिया था। कोलार्क के हिसाब से इतना कर्जा लेना सही नहीं था। कोलार्क को ऐसा भी लगा की फैलानी के डिज़ाइन में कुछ त्रुटि है और शायद अन्तियम

मिलने के बाद भी वो स्पेसशिप्स नहीं उड़ेंगे। फैलानी ने एक अमीर आदमी से शादी कर ली और फटल स्पेसशिप बनाने का कारखाना खोल दिया। हालाँकि फैलानी के डिज़ाइन में त्रुटि थी परन्तु जब कोलार्क को लगा की फैलानी ने कारखाना खोल लिया है तो उसने फैलानी को बताने की कोशिश की, परन्तु फैलानी ने खुद ने ही कुछ जुगाड़ लगा कर फटल शिप बना लिए। कोलार्क को लगा था की फैलानी के स्पेसशिप्स के डिज़ाइन गड़बड़ थे परन्तु फिर भी फैलानी ने प्रकाश की गति से 150 गुना तेज चलने वाले स्पेसशिप बनाये जिनके बल पर मैर्केल ने अपना साम्राज्य फैला लिया।

मैर्केल को Xor और कोन्ताना मिले। कोन्ताना को बहुत से फटल स्पेसशिप चाहिए थे। फटल स्पेसशिप जो प्रकाश की गति से 100 से 150 गुना तेज चलते थे जो केवल फैलानी बनाना जानती थी। फैलानी को ही सारे कॉन्ट्रैक्ट मिले। कोन्ताना से फैलानी ने Long term contract (लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट) किये। फैलानी फ्रां गैलेक्सी की सबसे अमीर लड़की बन गयी। उसने अपने पति को छोड़ दिया।

कोलार्क ने तब उसको प्रोपोज़ भी किया था और बताने की कोशिश की थी की फैलानी के स्पेसशिप के डिज़ाइन हर प्रकार के अन्तियम के लिए उपयुक्त नहीं था परन्तु फैलानी ने कोलार्क को बहुत बुरी तरह बेइज्जत करके घर से बहार निकल दिया था। कोलार्क को ये बर्दाश्त नहीं हुआ। वो मैर्केल प्लेनेट छोड़ कर शयी पर आ गया। तब तक मैर्केल और Xor का युद्ध हो चूका था और युद्ध हारने के बाद कोन्ताना ने शयी पर मैर्केल और मिलांज को बसा दिया था। कोलार्क ने शयी पर रह कर वर्म होल पार करने का कोड बनाया और काफी पैसे कमाए।

&

चारो स्टरगेज़ शिप्स अब इरीट्रिया प्लेनेट से मात्र 5 लाख किलोमीटर की दुरी पर थे। उनकी गति बहुत ज्यादा धीमे हो चुकी थी। उन्होंने अपने आप

को रिवर्स कर लिया था ताकि वर्म होल से निकलने के बाद वो जिस तेज गति को पकड़ चुके थे उसे धीमी कर सके। इन स्टरगेज़ शिप्स ने सबसे ज्यादा ईंधन का इस्तेमाल अपने आप को इरीट्रिया के पास रोकने के लिए ही किया था। स्टरगेज़ शिप्स धीरे धीरे अपने आप को धीमा कर रहे थे और इधर एडमिरेर ने एक प्लान बना लिया था।

जैसन भी बहुत दिनों बाद नहा धो कर अपनी एक नई शानदार यूनिफार्म में था। उसने अपने आप को अच्छे से ग्रूम भी कर लिया था और आज वो बहुत ज्यादा जच रहा था। इतने दिनों की अनंत की यात्रा का उसकी मानसिक हालत पर प्रभाव पड़ा था परन्तु उसको अपना कार्य अच्छी तरह से याद था।

एडमिरेर और जैसन दोनों ही कण्ट्रोल रूम में बैठे थे और अपने चारो स्टरगेज़ शिप्स को धीमा होते हुए देख रहे थे। एडमिरेर अपनी कुर्सी से उठ कर जैसन के पास आयी जो एक विशाल स्क्रीन के सामने एक बहुत ही आराम दायक सोफे पर बैठा था, और बोली, "हम इरीट्रिया के बेहद नज़दीक है। परन्तु यदि तुम आदेश दो तो मैं पहले अकेले वहां जाती हूँ परिस्थिति का जायजा लेती हूँ और फिर तुम्हें और अपनी फौजो को बताती हूँ।"

जैसन हालाँकि बाहर से ठीक लग रहा था परन्तु उसकी मानसिक स्थति कुछ बहुत ज्यादा अच्छी नहीं थी। वो कुछ सोच नहीं पा रहा था। उसने पूछा, "परन्तु तुम अकेली क्यों जाना चाहती हो, तुम चाहो तो कुछ सैनिको को साथ ले जाओ।"

"नहीं जैसन यदि मैं सैनिक साथ ले गयी तो हो सकता है इरीट्रियावासी एलियन का हमला समझ ले और काउंटर अटैक कर दे।"

"तो तुम उन चींटियों को मसल देना।" जैसन गुस्से में बोला।

"नहीं जैसन, जब तक जरुरत नहीं हो तब तक क्यों युद्ध करना। हमें यहाँ अपनी फैक्ट्री खोलनी है और शिप्स बनाने है। हो सकता है अन्तियम इन लोगो के काम का ही न हो और ये हमें वो ऐसे ही दे दे।"

"तो वो इन तुच्छ प्राणियों के लिए अच्छा रहेगा, इनको जैसन के कहर से बचा लेगा।" जैसन बहुत ही ज्यादा गुस्सैल हो गया था। वो बिना बात के इतना ज्यादा ओवररिएक्ट कर रहा था।

एडमिरेर चुप हो गयी। उसे समझ आ गया था की जैसन कुछ भी ढंग से सोच नहीं पा रहा था। फिर भी उसने जैसन के आदेश का इंतज़ार किया। जैसन की मानसिक स्थिति कैसे भी हो उसे एडमिरेर के विवेक पर बहुत ज्यादा भरोसा था। जैसन ने कहा, "ठीक है एडमिरेर तुम अकेले जाओ। परन्तु जाने से पहले हमारे सभी सैनिको और टेक्नीशियनो को जगा दो। उनको कुछ दिन लगेंगे अभ्यस्त होने में।"

एडमिरेर ने ठीक वैसा ही किया उसने सभी सैनिक और टेक्नीशियनो को जगा दिया और स्टरगेज़ शिप्स को इरीट्रिया प्लेनेट से एक लाख किलोमीटर दूर ही रोक दिया। वो चारो स्पेसशिप इरीट्रिया से एक लाख किलोमीटर दूर रुककर उस प्लेनेट के चक्कर लगा रहे थे। इरीट्रिया पर यदि कोई टेलिस्कोप से देखेगा तो उसे चार बहुत ही छोटे आकर के पत्थर इरीट्रिया के चक्कर काटते दिखेंगे।

एडमिरेर एक छोटे से प्लेन में बैठ कर अकेले ही इरीट्रिया की तरफ निकल पड़ी। वो जल्द ही इरीट्रिया के वातावरण में घुस गयी।

&

इधर सफायर पल पल इन एलियंस पर नज़र रखी हुई थी। उसने अपने विस्तृत टेलिस्कोप से देख लिया था की कैसे एलियंस के शिप्स थोड़ी दुरी पर रुक गए थे और किन्ही कृत्रिम सेटेलाइट की भांति प्लेनेट इरीट्रिया की कक्षा में स्थापित हो गए और गृह के चारो और चक्कर लगाने लगे।

सफायर को समझ नहीं आ रहा था की ये एलियंस क्या चाहते थे। सफायर ने देखा की एक बहुत ही छोटा प्लेन उन विशालकाय स्पेसशिप्स से निकला और उनकी ओर आने लगा। सफायर को ज्यादा कुछ समझ नहीं आया परन्तु इतना उसने अंदाज़ा लगा लिया था की ये स्पेसशिप्स से छूटा राकेट किन्ही दूत को लेकर उनकी तरफ आ रहा था।

उसने तुरंत महाराजा को हॉटलाइन पर फोन करके सूचित किया की एलियंस के स्पेसशिप्स कुछ ही दुरी पर रुक गए थे और एक बहुत ही छोटा प्लेन उनकी तरफ तेजी से उड़ा चला आ रहा था। महाराजा अपने बड़े विशाल चैम्बर में बैठा था और तुरंत उसने अपनी सुरक्षा प्रबंधों की मुख्या ज्योति को बुलावा भेजा। ज्योति तुरंत ही महाराजा के सामने उपस्थित थी।

ज्योति ऐंजलन प्रजाति की थी और महाराजा की बहुत ही ज्यादा विश्वसनीय थी। ज्योति ने महाराजा के चैम्बर में आ कर पहले तो कस्टमरी सैलूट किया फिर बहुत ही अदब से बोली, "आदेश दे महाराजा मैं क्या कर सकती हूँ।"

"तुम अपनी फौज के कुछ सबसे तगड़े लोगो को ले जाओ और इस एलियन से जो शायद अकेला हमारी ओर आ रहा है उससे हवा में ही मिलो। पता लगाओ ये एलियन क्या चाहता है। क्योंकि वो अकेला आ रहा है इसका मतलब इन एलियंस का हम पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है, परन्तु फिर भी हम कोई चांस नहीं ले सकते।" महाराजा ने अपनी बुलंद आवाज़ में बोला। वो इस वक्त अपनी एक विशाल कुर्सी पर बैठे हुए थे ओर बहुत ही गंभीर लग रहे थे।

"ठीक है महाराजा। आप को बाकि लोगो को भी बता देना चाहिए।" ज्योति ने शिष्ट स्वर में उत्तर दिया।

"हाँ ज्योति। मैंने एक्यान के पूज्यनीय प्रतिनिधि परम गुरु, सेन्टारस के प्रधान रांका, ग्रीनलैंड के राजा किंग हीरा, ग्रीनलैंड व्यापारियों की अध्यक्ष क्वीन जोबा सभी को बता दिया है।"

महाराजा ने जान बूझ कर योगी बाबा का नाम नहीं लिया। उसे फ्लेशी से कोई मतलब नहीं था और वो मनाता था बोफ का धर्म इरीट्रिया के लिए बहुत ही बुरा था।

ज्योति ने महाराजा को पारम्परिक सैलूट किया और महाराजा के कक्ष से निकल गयी। ज्योति ने जल्द ही अपने सबसे काबिल मिलिट्री कमांडर्स को एकत्रित किया और अपने मिलिट्री हेडक्वार्टर के बड़े कांफ्रेंस रूम में सबको सम्बोधित करते हुए बोली, "ऐसा लगता है की कोई एक एलियन या कुछ थोड़े एलियंस हमारी ओर आ रहे है। महाराजा का आदेश है की हम उन लोगो से अकेले हवा में ही मिले।

"परन्तु यदि उसने हमला कर दिया तो, हमें अपने हथियारबंध सैनिको को तैयार रहने का आदेश दे देना चाहिए।" एक मिलिट्री हेड ने बोला।

"हाँ." ज्योति ने सर हिलाते हुए कहा और फिर वो जोश जो की एक फ्लेशी था की ओर देखा ओर बोली, "तुम अपने फाइटर जेट्स को तैयार रखना, यदि हम पर हमला हुआ तो तुम्हें काउंटर अटैक करना होगा।"

जोश ज्योति का बहुत ही पसंदीदा कमांडर था। फ्लेशी लोग बहुत ही अच्छे पायलट और कृत्रिम वैमानिक शास्त्र के धुरंधर थे। जोश हेयस की वायु सेना का महत्वपूर्ण सदस्य था।

जोश ने सावधान मुद्रा में सैलूट करते हुए बोला, "यस सर।"

जल्द ही ज्योति बहुत सारे ऐंजलन सैनिको के साथ हवा में उड़ गयी। हालाँकि वो सभी सैनिक सिवाय अपने एक छोटी सी पिस्तौल के अलावा कोई भी हथियार लेकर नहीं गए। सभी के पास बड़े बड़े गुलदस्ते और अनेको उपहार थे।

थोड़ी देर में एडमिरेर का प्लेन इरीट्रिया के वातावरण में काफी नीचे उतर आया था और एडमिरेर को दिखा बहुत सारे उड़ते और पंख फड़फड़ाते मानव रूपी लोग अनेको फूल और उपहार लेकर एक बड़े से वृताकार आकृति में उड़ते हुए शायद एडमिरेर का ही इंतज़ार कर रहे थे।

एडमिरेर को समझ आ गया था कि इन लोगो ने अपने टेलिस्कोप से देख लिया होगा की एलियंस शिप्स अंतरिक्ष में ही रुक गएँ थे और एक बहुत छोटा शिप निकल कर इरीट्रिया की तरफ आ रहा था। इसलिए ये लोग इतना बड़ा वृत्त बनाकर यहां उसका इंतज़ार कर रहे थे।

एडमिरेर ने अपना जहाज हवा में स्थिर कर दिया और खुद अकेली ही निकल कर उड़ती हुई उन लोगो के पास पहुँच गयी। ज्योति आदि ने सोचा न था की एलियन हवा में ऐसे उड़ सकते थे। ज्योति ने देखा की एक बहुत किशोरी युवती उड़ती हुई उसके पास आ गयी और उन सब लोगो को एक टेलीपैथी हुई, "हेलो मेरा नाम एडमिरेर है। मैं Xor नामक प्लेनेट से आयी हुई जो यहाँ से लगभग 1000 प्रकाश वर्ष दूर है।"

ज्योति को कुछ समझ नहीं आया। उसको पता नहीं की वो क्या बोले। तभी उसको एक और टेलीपैथी हुई, "हाई, मुझे समझ आ गया की तुम इन सबकी लीडर हो। तुम्हें कुछ बोलने की जरुरत नहीं है तुम सोचो मैं समझ जाउंगी।"

ज्योति को समझ आ गया एडमिरेर बहुत ही विकसित एलियन है। उससे कुछ बोलने की जरूरत नहीं है। वो सोचेगी और एडमिरेर समझ जाएगी। एडमिरेर का ऐसा साधारण और गर्मजोशी वाला बर्ताव ज्योति को बहुत अच्छा लगा।

"हाई, मेरा नाम ज्योति है, मैं इन सबकी इन-चार्ज हूँ। आपका यहाँ स्वागत है, आप इतनी दूर से यहाँ आये है, हम आपको अपने प्रधान के पास ले

चलते है और आपके विश्राम की व्यवस्था करते है।" ज्योति ने अपने मन में सोचा और एडमिरेर ने उसका मन पढ़ लिया।

ज्योति और बाकि सभी लोग उड़ते उड़ते एडमिरेर को महाराजा के चैम्बर में लेकर चले गए। एडमिरेर को बाहर बैठाया गया और ज्योति महाराजा से मिलने अकेले अंदर गयी। महाराजा अपनी स्क्रीन पर एडमिरेर को देख रहा था और साथ ही मीडिया के सारे लोग पूरी दुनिया को एलियन का फीड दिखा रहे थे। परम गुरु भी समुद्रतल पर बसे अपने शहर लेनोगे में बैठे बैठे सारी खबर देख रहे थे। ग्रीनलैंड के किंग हीरा, क्वीन जोबा और साथ ही योगी बाबा भी इस ऐतिहासिक लम्हे को बहुत ही गंभीर हो कर देख रहे थे - मानो पूरा इरीट्रिया बस रुक गया हो। हर तरफ सिर्फ इस एलियन के ही चर्चे थे।

"सर, ये एलियन टेलीपैथी के जरिये बात करते है और हमारे मन की बात पढ़ लेते है।" ज्योति ने जल्दी जल्दी बोला। इस वक्त वो और महाराजा दोनों अकेले ही थे और महाराजा बस टकटकी लगाए स्क्रीन पर एडमिरेर को ही निहार रहा था।

वो इतनी सुन्दर और यौवनपूर्ण बालिका लग रही थी की कहीं से भी महाराजा को या किसी भी अन्य को उससे किसी प्रकार का कोई खतरा नज़र नहीं आ रहा था। अपनी पहली नज़र में ही महाराजा को ये एलियन बहुत अधिक पसंद आ गयी थी।

"हम्म", महाराजा स्क्रीन पर एडमिरेर को घूरते हुए बोला।

ज्योति समझ गयी की महाराजा को एडमिरेर पसंद आ गयी थी परन्तु उसका ये फ्लेशी से मिलता जुलता रूप महाराजा को संशित भी कर रहा था।

"महाराजा सफायर ने एडमिरेर का पूरा मूवमेंट चेक किया है, वो उन एलियन स्पेसशिप्स से अपने एक छोटे से राकेट से आयी है और हमारे सामने

ही उसमे से उतर कर हम से मिली। वो वास्तव में एलियन है।" ज्योति ने महाराजा का संशय दूर करने और बात को आगे बढ़ने के लिए बोला।

"हाँ, समझ गया।"

"क्या सर।"

'यही की ये फ्लेशी हमारी धरती की पैदाइश नहीं है, ये इन्ही एलियंस के साथी है।"

ज्योति असमंजस में पड़ गयी। महाराजा हँसा और बोला, "अरे मैं मजाक कर रहा हूँ, मुझे उम्मीद नहीं थी की एलियंस दिखने में फ्लेशी जैसे दिखेंगे।"

महाराजा फिर ज्योति को लेकर अपने कमरे से बाहर आ कर वहां गया जहा एडमिरेर और बाकी लोग थे।

महाराजा एडमिरेर को देख कर बोला, "आपका हेयस भू-भाग पर स्वागत है।"

एडमिरेर ने सर हिला कर महाराजा को धन्यवाद किया।

"आप तो बहुत ही विकसित प्रजाति है। आप उड़ भी सकते है और मानसिक तरंगो से बात भी कर सकते है।" महाराजा अपनी बुलंद आवाज़ में एडमिएर की तारीफ करते हुए बोले।

तभी सफायर जो की एडमिरेर से मिलकर अति प्रसन्न थी बोली, "आप 1000 प्रकाश वर्ष दुरी से यहाँ आ गए, और आप ने अपने स्पेस शिप दूर रख कर अकेले ही यहाँ आने का फैसला किया।"

एडमिरेर ने उन सब लोगो को टेलीपैथी द्वारा बोला, "मैंने स्पेस शिप इसलिए वहां छोड़े ताकि आप लोगो को ये न लगे की हम आप पर कोई हमला कर रहे है। हम आपके साथ व्यापारिक सम्बन्ध रखना चाहते है।"

"ये तो बहुत ही अच्छा है। हम भी आपके साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध रखना चाहेंगे।" महाराजा बोला। उसे फ्लेशी से अत्यंत घृणा थी परन्तु फ्लेशी

जैसे दिखने वाली एलियन को वो पसंद करने लगा था ये उसका दोहरा व्यक्तित्व था या एडमिरेर की महाआभा - कह पाना मुश्किल था।

"हमें इरीट्रिया के वासियों का ये मिलन पूर्ण बर्ताव बहुत ही लुभाया, मैं आप लोगो को जल्द ही हमारे बाकि साथियों से मिलवाउंगी।" एडमिरेर ने सभी लोगो को बहुत ही विनम्रता से हाथ जोड़ कर टेलीपैथी की।

महाराजा ने थोड़े से परेशान भाव से पूछा, "इरीट्रिया क्या है?"

"आपके गृह का नाम। इरीट्रिया का मतलब - सम्भावनाओ से भरा ग्रह। हमने Xor में इस ग्रह का नामकरण किया था। आप लोग अपने ग्रह को किस नाम से बुलाते है।"

'हम तो जमीन ही बोलते है, हाँ हमारे जमीनी हिस्से को हेयस और दूसरे भूखंड को ग्रीनलैंड।"

'तो आप अपने इस गृह को कोई नाम नहीं देते।" एडमिरेर ने आश्चर्यचकित हो कर सब लोगो को टेलीपैथी की।

"बोफ के अनुसार हमारे गृह का नाम - रश्मिधरा है।" जोश ने बीच में बोला। वो भी वहां तब तक आ गया था।

महाराजा को ये बात बिलकुल पसंद नहीं आयी की जोश बीच में बोल रहा था। वैसे महाराजा को नहीं पता था की यदि जोश नहीं भी बोलता तो भी एडमिरेर उसके मन की बात पढ़ ही लेती।

"तुम लोगों को यहाँ किसने बुलाया।" महाराजा चिल्लाया और जोश को समझ आ गया वो चुप चाप वहां से चला गया।

“वैसे इरीट्रिया बहुत ही अच्छा नाम है। सम्भावनाओ से भरपूर धरती।" महाराजा ने एडमिरेर को स्नेहिल भाव से देखते हुए बोला।

तो महाराजा क्या हम अब से अपने गृह को इरीट्रिया बुलाये।" सफायर बोली।

"बिलकुल सफायर क्यों नहीं।"

"और अच्छा है अब यदि हमें Xor से मैत्री और व्यापर करना ही है तो हमारे गृह का औपचारिक नाम तो होना ही चाहिए।" महाराजा ने बहुत ही खुशनुमा अंदाज़ में कहा।

एडमिरेर ने अपनी पहली ही मुलाकात में Xor के निवासियों का एक बहुत ही अच्छा चित्रण पेश किया था और इरीट्रिया के सबसे शक्तिशाली लोगो में से एक महाराजा को इतनी जल्दी इतना ज्यादा प्रभावित कर दिया था।

धीरे धीरे महाराजा ने राजसी प्रोटोकॉल के तहत एडमिरेर की मुलाकात सभी महत्वपूर्ण लोगो से करवाई। वो सब लोगो से मिली। परन्तु उसने कुछ भी नहीं खाया पिया। इरीट्रिया पर सभी को बहुत अजीब लग रहा था की एडमिरेर कुछ भी नहीं खा पी रही थी। उनको पता ही नहीं चला की एडमिरेर एक रोबोट है। उनको लगा एलियन ऐसे ही होते है।

एडमिरेर ने परम गुरु से पानी के अंदर जा कर मुलाकात की और सभी लोगो के आश्चर्य की सीमा न रही जब एडमिरेर परम गुरु से मिलने के लिए आसानी से समुद्र तल तक पहुँच गई। एडमिरेर ने सभी लोगो से बहुत ही गर्मजोशी से मुलाकात की और परम गुरु को उसने बहुत ही ज्यादा प्रभावित कर दिया। एडमिरेर जिस आसानी से समुद्र तल के शहरो में घूम रही थी उसने उन सब लोगो को विस्मय में डाल रखा था। परम गुरु को लग रहा था की एलियन शायद समुद्र तल में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाएंगे क्योंकि उनको लगा की एक्यान लोग ही एक मात्र ऐसे लोग है जो समुद्र तल पर आराम से रह सकते थे।

हेयस और समुद्र तल के सभी प्रमुख लोगो से मिलने के बाद एडमिरेर ग्रीनलैंड में जाकर किंग हीरा, क्वीन जोबा और योगी बाबा से भी मिली। एडमिरेर अनेको मंदिर भी गयी और उसने बोफ को भी पढ़ा। एडमिरेर ने उन खदानों को जिनमे ब्लैक स्टोन का खनन होता था वो भी वहां जा कर देखा।

एडमिरेर ने बहुत ही कम समय में सभी लोगो को अपने गज़ब के आकर्षक व्यक्तित्व, गर्मजोशी और विनम्र व्यवहार से प्रभावित कर दिया था। वो लोग एडमिरेर से इसलिए भी प्रभावित हो गए थे की वो न तो सोती थी न ही कुछ खाती थी हालाँकि जो वो लोग नहीं जानते थे की एडमिरेर उन लोगो का मन पढ़ भी रही थी और अलग अलग स्थानों को स्कैन करके रिकॉर्ड भी कर रही थी। एडमिरेर ने दो दिन इरीट्रिया पर बिताये। दो दिन में ही उसने पूरे इरीट्रिया प्लेनेट को अच्छे से पढ़ लिया था।

एडमिरेर ने फिर उन लोगो से विदा ली और अपने प्लेन में बैठ कर वापस स्टरगेज़ शिप पर पहुँच गयी जहाँ जैसन उसका बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था।

&

“ओह तो एडमिरेर को तो इरीट्रिया वासी बिना युद्ध के ही थोड़ा बहुत ब्लैकस्टोन दे देते।" धर्मा ने विज़न देखते देखते प्रश्न किया।

"हाँ, धर्मा यदि जैसन न होता और एडमिरेर खुद अकेली ही इन-चार्ज होती तो शायद इरीट्रिया से युद्ध होता ही नहीं।" लेडी तारा ने बोला।

"मैं कुछ समझा नहीं।" धर्मा ने आश्चर्य से बोला।

"इसलिए तो यह कहानी अत्यधिक रोचक है। इसमें पल पल परिस्थितियां बदल जाती है। बिलकुल जीवन की तरह।" तारा ने कहा हालाँकि उसके इन शब्दों में इस बार किसी दार्शनिक के दर्शन की झलक दिख रही थी।

"समझ गया मतलब कहानी में ट्विस्ट।" धर्मा ने थोड़ा मजाकिया स्वर में कहा।

"हाँ और साथ ही एक और बड़े किरदार का कहानी में प्रवेश।" तारा ने भी मजाकिया स्वर में उत्तर दिया।

"बहुत ही रोचक कहानी है।" धर्मा ने उत्सुकता से बोला।

तारा ने आगे का विज़न दिखाना जारी रखा।

कोलार्क अपने सारे स्क्रीनलेस डिस्प्ले बंद कर चूका था। वो और क्रोम दोनों एक दूसरे को देख रहे थे। कोलार्क ने थोड़ा गंभीर स्वर में बोला, "तुम कहना क्या चाहते हो।"

"तुम ने बहुत पैसे कमाए परन्तु फिर भी फैलानी से पीछे हो। बताओ क्यों।"

कोलार्क थोड़ा व्यथित हुआ परन्तु उसने कभी भी सच्चाई से मुँह नहीं मोड़ा था। वो जानता था की फैलानी उससे बहुत ही ज्यादा अमीर और शक्तिशाली है।

"क्योंकि फैलानी की कंपनी फटल स्पेस शिप बनाती है जो प्रकाश गति से 100 से 150 गुना तेज उड़ता है। एक ऐसा प्रोडक्ट जिसके लिए मैर्केल और Xor दोनों की ही गवर्नमेंट और प्राइवेट कम्पनीज भर भर के पैसे देने को तैयार है।" कोलार्क ने उत्तर दिया।

"और फटल स्पेस शिप जिन कीमतों पर मैर्केल गवर्नमेंट द्वारा खरीदे जाते है या Xor की गवर्नमेंट और प्राइवेट कम्पनीज को भाड़े पर दिए जाते है वो हमारे वर्महोल के कोड की कीमत से भी ज्यादा है।" क्रोम बीच में बोला, "मतलब स्केल भी ज्यादा और प्रोडक्ट का पर कैपिटा दाम भी ज्यादा।"

"हाँ क्रोम, इसलिए फैलानी फ्रां गैलेक्सी की सबसे अमीर लड़की है और मैं शायद पहले एक प्रतिशत में भी नहीं। परन्तु वर्महोल के कोड बनाना जटिल है और जीवित व्यक्तियों को बीम करवाना और भी ज्यादा बड़ा करिश्मा। ऐसा इंजीनियरिंग मार्वल केवल मैंने ही किया है और हम अच्छे पैसे कमाते है। मैं इससे खुश हूँ।"

"और कोलार्क, यदि मैं ये कहूं की तुम अब इन सब के साथ साथ फटल शिप भी बना सकोगे।"

“कैसे? फटल शिप बनाने के लिए जो अन्तियम (antium) चाहिए वो एक मात्र गृह फैलानी के कब्जे में है।“

“और मैं बोलू की एक और गृह है जिसके पास अन्तियम (antium) का अनंत भण्डार है।“

“क्या।“ कोलार्क को एक बहुत ही सुखद सदमा लगा था। कहीं और भी अन्तियम का भण्डार हो सकता है ये बहुत बड़ी बात थी। क्योंकि फैलानी के डिज़ाइन कोलार्क को अच्छे से पता थे यदि उसको अन्तियम मिल जाए तो शायद वो भी फटल शिप्स बना सकता था। वैसे भी Xor में कई ऐसे इंजीनियर्स थे जो फटल शिप्स डिज़ाइन कर सकते थे परन्तु बिना अन्तियम के वो उड़ नहीं सकते थे। इसलिए सबसे महत्वपूर्ण था अन्तियम पर कब्ज़ा। फैलानी ने अपनी पूरी एक प्राइवेट फ़ौज लगा रखी थी उस गृह की रक्षा के लिए जहाँ अन्तियम का भण्डार था। साथ ही मैर्केल की फ़ौज से भी फैलानी ने करार कर रखा था उस अन्तियम के भण्डार वाले गृह को सुरक्षा देने का।

हाँ कोलार्क। तुम्हें पता है न राल्फ के लोग बार बार हमसे यूको वर्म होल के कोड ले रहे थे।“

“हाँ।“

“बस मुझे कुछ शक हुआ। मैंने उनको जब आखरी बार कोड दिया तब मैंने उसमे एक बग डाल दिया। उनके स्पेसशिप का सारा डाटा मेरे पास आ गया। मैंने कुछ टेस्ट रन किया और मुझे पता चल गया की वो लोग इरीट्रिया नामक प्लेनेट पर जा रहे है जहाँ अन्तियम का भण्डार है।“

कोलार्क के मन में भयंकर प्लान बन रहा था। उसने तुरंत क्रोम को आदेश दिया, “क्रोम तुम फ़ौरन फैलानी से एक फटल स्पेसशिप उधार ले लो। आइवीश से खतरनाक फाइटर मैकाबर को कांटेक्ट करो। वो लोग पैसो के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते है। उनसे कहो हमारे फटल शिप को अगवा कर के इरीट्रिया ले जाए।“

क्रोम सकपका गया। हालाँकि वो चाहता था की इरीट्रिया पर कोलार्क कब्ज़ा कर ले परन्तु उसका मतलब था मैर्केल की सरकारी मदद से न की खुद अकेला युद्ध करने पहुंच जाए राल्फ के खतरनाक कमांडर के साथ। क्रोम ने हल्का सा हकलाते हुए पूछा, "पर मैं कुछ समझा नहीं।"

"क्रोम मैं इरीट्रिया जाऊंगा और उस प्लेनेट को कब्जे में ले लूंगा।" कोलार्क ने बहुत ही अधिकार और उल्लास से कहा।

उसके चेहरे पर ग़ज़ब का आत्मविश्वास था। उसे फैलानी को नीचे दिखाने का अवसर मिल गया था। फ्रां गैलेक्सी को अब उसे दिखाना था की कोलार्क क्या चीज़ है। फैलानी जो कुछ भी है अपने पूर्व अमीर पति के कांटेक्ट और मैर्केल के बड़े सरकारी पदों पर बैठे लोगो की मेहेरबानी से है परन्तु कोलार्क अकेला अपने आप को इस गैलेक्सी का सबसे अमीर और कामयाब आदमी बनाएगा।

क्रोम खुश था की कोलार्क ने ऐसा फैसला किया है परन्तु कहीं न कहीं उसके मन में बहुत बड़ी शंका भी थी। उससे रहा नहीं गया और उसने कोलार्क से आखिर अपने मन की बात कह ही दी। क्रोम बोला, "परन्तु जैसन वहां पर अजय सेना ले कर गया है। मैकाबर अजय सेना का मुकाबला नहीं कर सकते।"

कोलार्क के चेहरे पर एक कुटिल मुस्कान थी। उसने कहा, "तुम्हें पता नहीं। मेरी लीडरशिप में मैकाबर अजय सेना को हराएंगे।"

क्रोम को विश्वास नहीं हुआ की कोलार्क इतना खतरनाक फैसला लेगा। परन्तु वो बहुत खुश हुआ। उसको पता था कोलार्क चाहे तो कुछ भी कर सकता था।

क्रोम ने जल्द ही फैलानी से एक फटल शिप्स लम्बे समय के लिए उधार पर ले लिया। उसने मैकाबर लोगो से बात भी की और जल्द ही 25 मैकाबर हत्यारों को राज़ी कर लिया एक बहुत ही खतरनाक मिशन पर जाने

के लिए। आइवीश के मैकाबर पूरी फ्रां गैलेक्सी में बदनाम थे। वो पैसो के लिए किसी की भी हत्या कर सकते थे या कोई भी काम। उनसे बेहतर मर्सिनरी पूरी आकाश गंगा में ढूंढे से भी नहीं मिलेगा।

~~~

अध्याय तेरह - जैसन का हमला

मेज़ोल प्लेनेट के उस शहर में अब धीरे धीरे शांति हो गयी थी। सूरज छुप गया था और संध्या की एक अजीब रौशनी चारो ओर थी। धर्मा कहानी सुनने में और देखने में इतना मगन था की उसे पता ही नहीं चला की कब शाम हो गयी थी।

लेडी तारा ने विज़न भेजने बंद किये तब जाकर धर्मा को अहसास हुआ की वो उस शानदार कमरे में एक बहुत ही आरामदायक सोफे पर बैठा था।

"हमें बहुत देर हो गयी है, तुम्हें भूख लगी होगी।" तारा ने स्नेहिल शब्दों में पूछा। उसे भी मालूम ही नहीं पड़ा की कितना समय निकल गया है।

"आपकी कहानी इतनी शानदार है की मैं तो उसी में डूब कर रह गया। हाँ अब जब आपने अहसास दिलाया है तो लग रहा है थोड़ी भूख है।" धर्मा ने अपने पेट को हल्के से मसलते हुए बोला।

तारा ने एक मानसिक आदेश दिया और वहां एक रोबोट तेजी से अपने रोलर स्केट्स पर रोल करता हुआ पहुँच गया। रोबोट ने अपने हाथ को आगे किया और धर्मा को वही दो गोलियां, एक लाल और एक नीली दिखी।

"मुझे लगा इस गृह पर मैं कुछ वास्तविक भोजन कर पाउँगा।" धर्मा थोड़ा उदास होते हुए बोला।

"बिलकुल धर्मा। परन्तु ये कम्बख्त ज़ोरो उस लौरा की तीमारदारी में ही लगा हुआ है वरना मैं उसे बोलती, उसने तुम्हें प्रभावित करने के लिए पृथ्वी के जैसे कुछ व्यंजन बनाना सीखे है।"

धर्मा को बहुत ही आश्चर्य हुआ। वास्तव में ज़ोरो धर्मा के लिए कुछ भी कर सकता था। उसने भाषा मुँह से बोलना सीखा और खाना बनाना भी। धर्मा को ज़ोरो पर बहुत ही प्रेम आया।

धर्मा ने बिना कुछ ज्यादा बोले वो दोनों गोलियां खा ली और लेडी तारा ने भी दोनों गोलियों का सेवन कर लिया। उनको अब बहुत समय तक भूख और प्यास नहीं लगने वाली थी।

तारा ने कहा, "चलो अब मैं ये कहानी आगे बढाती हूँ।"

इससे पहले तारा कुछ भी बोल पाती, बहुत ही तेज़ कदमो से चलते हुए

ज़ोरो धर्मा और तारा के पास आया और बोला, “लौरा को होश नहीं आ रहा।“

"तुम परेशान मत हो," तारा ने ज़ोरो को सांत्वाना देते हुए कहा। "तुम तुरंत प्रोफेसर बोरो को बता दो, वो यहाँ के लोकल डॉक्टर को जानते हैं। "

ज़ोरो प्रोफेसर बोरो के पास चला गया। धर्मा को समझ आ गया था की जितनी फिक्र ज़ोरो को लौरा की है उतनी न तो प्रोफेसर बोरो को है और न ही लेडी तारा को।

ज़ोरो भागते हुए प्रोफेसर बोरो के पास चला गया जो की अपने किसी और ही कमरे में बैठे हुए किन्ही गहन कॅल्क्युलेशन्स में उलझे हुए थे।

“तो ये कोलार्क अब मैकाबर जैसे भाड़े के हत्यारे ले जा कर इरीट्रिया पर कब्ज़ा करने का प्लान बना रहा था।“ धर्मा ने लेडी तारा से पूछा।

“मैं समझ सकती हूँ की तुमको लग रहा होगा की कोलार्क कैसे भाड़े के हत्यारो से अजय सेना का मुकाबला करेगा।“ लेडी तारा ने धर्मा को देखते हुए बोला।

“हाँ वो भी और क्या कोई पूछेगा नहीं की फटल शिप कैसे हाईजैक हो गया।“

“फटल शिप के लिए फैलानी बहुत पैसे लेती थी। और यदि समय पर उसका शिप वापस नहीं आता था तो वो अपने शिप की कीमत वसूल कर लेती थी।“

“समझ गया। यदि कोलार्क की कंपनी ने फैलानी को फटल शिप के पैसे दे दिए तो उसे कोई मतलब नहीं रहेगा और मैकाबर का तो काम ही था पैसे ले कर युद्ध करना।“

“हाँ धर्मा। चलो में तुम्हें आगे बताती हूँ।“ लेडी तारा ने बोला और आगे का विज़न प्रेषित किया।

एडमिरेर ने जैसन को इरीट्रिया का नक्शा आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले पर दिखाया और बोला, "ये हे इरीट्रिया - जिसे नेटिव लोगों ने कोई नाम नहीं दिया है, हाँ बोफ धर्म के अनुसार इसका नाम रश्मिधरा है।"

जैसन बहुत ही एकाग्रचित होकर उस आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले को देखने लग गया। इरीट्रिया प्लेनेट दो बड़े भू-भाग या भू-खंड में बँटा हुआ था। एक था हेयस और दूसरा ग्रीनलैंड। हेयस बहुत ही विकसित प्रान्त था और वो भू-भाग सात अलग अलग देशो में बँटा हुआ था। हर देश का अपना एक मुख्य प्रधान था और सातो प्रधान मिलकर एक महा-सत्रप को चुनते थे। वो महा-सत्रप इस वक्त था महाराजा। वो हेयस का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति था।

जैसन ने देखा महाराजा एक छह फुट लम्बा गौर वर्णी सुडोल माध्यम आयु का पुरुष था जिसके दो बहुत ही शक्तिशाली पंख उसे बहुत तेजी से उड़ने की क़ाबलियत देते थे। महाराजा की सेना की मुख्या थी ज्योति और वो भी गौर वर्णी सुन्दर स्त्री थी जिसके पंख भी अति बलशाली थे।

जैसन ने देखा हेयस के शहर सरन में अन्तियम का बहुत बड़ा भंडार है परन्तु सरन शहर हेयस के मध्य में था और हेयस की सेना के लिए उस शहर को बचाना ज्यादा आसान होगा। दूसरा सबसे बड़ा भण्डार था ग्रीनलैंड में गिरी पर्वत श्रंखला के बीचो बीच। ग्रीनलैंड अपने नाम के ही भांति बहुत हरा भरा था और वो राजनैतिक राज्य क्षेत्र में नहीं बँटा हुआ था। वो पूरा का पूरा क्षेत्र सभी के लिए मुक्त था। कोई भी वासी कही भी विचरण कर सकता था। ग्रीनलैंड

में अनेको राजा थे और अपनी अपनी जनता का प्रतिनिधित्व करते थे। ग्रीनलैंड हेयस की भांति विकसित नहीं था और वहां अभी भी प्राचीन काल से चली आ रही सभ्यता जो प्रमुखता कृषि प्रधान थी, चली आ रही थी। इन अनेको राजाओ का राजा था किंग हीरा जिसको ग्रीनलैंड का चक्रवर्ती सम्राट कहा जा सकता था। हालाँकि किंग हीरा की फौज या संसाधन बहुत ही मौलिक और साधारण से थे। जैसन को समझ नहीं आया की क्यों महाराजा ने फ़ौज भेज कर ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा नहीं कर लिया।

एडमिरेर समझ गयी जैसन क्या सोच रहा था, उसने जैसन को बोला, "भूतकाल से ही ग्रीनलैंड के चक्रवर्ती का राज्य सम्पूर्ण ग्रीनलैंड पर चलता था और राजा का बेटा ही राजा बनता था। कुछ ऐंजलन उड़ कर हेयस आ गए और वहां की सभ्यता ग्रीनलैंड से बहुत ज्यादा विकसित हो गयी। अनेको सेन्टॉरस और फ्लेशी भी विकसित जीवन के सपने के साथ हेयस आ गए, परन्तु हेयस के लोग शुरू से ही ग्रीनलैंड के राजा को आदर और सम्मान के साथ देखते थे और वही परंपरा आज भी कायम है।"

"ठीक है एडमिरेर फिर हम अपनी फैक्ट्री इसी गिरी पर्वत पर बनाएंगे, यहाँ बहुत सा अन्तियम है और हेयस की सेना से दूर ताकि हमारी फैक्ट्री को कोई नुक्सान नहीं पहुंचा सके। वैसे ये चींटिया मुझे सरन पर भी फैक्ट्री बनाने से नहीं रोक पाएंगी परन्तु कुछ विलम्ब जरूर कर पाएंगे, और मेरे पास समय ही नहीं है। "

एडमिरेर ने आगे बोला, "इरीट्रिया का सबसे अनोखा क्षेत्र है समुद्री तल। वहां एक बहुत ही शक्तिशाली और इंटेलीजेंट प्रजाति एक्यान का राज है। जहाँ एक तरफ जमीन पर ऐंजलन, सेन्टारस और फ्लेशी जैसी प्रजातियां फैली हुई थी वैसे ही पूरे समुद्र तल पर एक्यान फैले हुए थे। उनका सबसे प्रमुख प्रतिनिधि जिसकी सभी एक्यान लोग बात मानते है, वो है परम गुरु। "

जैसन ने देखा परम गुरु एक आधा मानव आधा मछली जैसे बहुत ही विशालकाय प्राणी है। समुद्र तल पर बड़ी बड़ी नगरियां और आलिशान वास्तुकला की सजधज थी। जैसन ने इतनी विकसित समुद्र तल पर बसी नगरी किसी भी गृह पर न तो सुनी थी न देखी।"

यहाँ पर भी लेनोगे शहर में अन्तियम का भण्डार है। " एडमिरेर ने लेनोगे के शहर जो समुद्र तल पर बसा था ओर समुद्र वासियों का सबसे विकसित और प्रभावशील शहर था, को ज़ूम करके दिखाया।

"ठीक है तो हम फैक्ट्री गिरी पर्वत पर बनाएंगे और सरन तथा लेनोगे को भी अपने कब्जे में ले लेंगे।" जैसन ने कहा। "पर हमारा पहला टारगेट है गिरी पर्वत।"

"वैसे हमें कुछ भी टारगेट करने की जरुरत नहीं है।" एडमिरेर ने कहा। एडमिरेर इरीट्रिया के लोगों से मिल चुकी थी उसे पता था की कैसे उनसे आराम से शांति के द्वारा ही अन्तियम हासिल किया जा सकता है। "हम चाहे तो उनसे शांति से बात कर के...।"

इससे पहले एडमिरेर अपनी बात पूरी करती, जैसन चिल्लाया, "नहीं एडमिरेर हमें शांति और संधि नहीं चाहिए। हमे अन्तियम पर कब्ज़ा कर के जल्दी ही फटल जैसे शिप्स बनाने होंगे।"

एडमिरेर कुछ और बोल पाती उससे पहले ही जैसन ने वार्तालाप बंद करवा दिया। उसका मनोवैज्ञानिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। वो बहुत ही उग्र व्यवहार कर रहा था। एडमिरेर को चिंता थी की कहीं जैसन अपने इस बिना बात की उग्रता के चलते अपना नुक्सान न करा बैठे।

जैसन ने आदेश दिया, "मेरे दोनों स्टरगेज़ शिप्स को आदेश दो की फ़ौरन इरीट्रिया पर लैंड होने की तैयारी करे। "

कुछ ही दिनों में जैसन और उसके दोनों स्पेसशिप्स सरन शहर से थोड़ी दूर एक रेगिस्तान में लैंड कर गए। जैसन के फैक्ट्री बनाने वाले स्टरगेज़ शिप्स

अभी भी अंतरिक्ष में इरीट्रिया के चक्कर ही लगा रहे थे। उनको जैसन ने अभी लैंड होने का आदेश नहीं दिया था। एडमिरेर ने जैसन को बता दिया था की इरीट्रिया के लोगो के पास ऐसे साधन या राकेट नहीं है जो उसके अंतरिक्ष में चक्कर लगा रहे स्पेसशिप्स को नुक्सान पहुंचा सकते हो।

जैसन को यह भी पता था कि इरीट्रिया के लोगो के पास तेज गति से उड़ने वाले फाइटर जेट प्लेन्स है, नुक्लेअर बम है और समुद्री जीवो के पास अन्निहिलटर नामक कोई हथियार है जो धरती के किसी भी स्थान पर भूकंप ला सकता था।

जैसन और एडमिरेर को राजकीय सम्मान के साथ महाराजा ने सरन शहर में एक बहुत बड़े मीटिंग रूम में बुलाया।

पूरे विश्व का मीडिया बढ़ चढ़ के जैसन और एडमिरेर की ही खबर दिखा रहा था। एडमिरेर ने बहुत ही अच्छी इमेज पेश की थी और सभी लोगो ने जैसन से बहुत ज्यादा उम्मीद बाँध रखी थी। लोगो में उत्सुकता थी की एलियंस से किस प्रकार से व्यापर किया जाएगा। जल्द ही उस विशाल मीटिंग रूम में जैसन और एडमिरेर को बहुत ही आदर सम्मान के साथ बैठाया गया। महाराजा, परम गुरु, ज्योति, सफायर, किंग हीरा, क्वीन जोबा, योगी बाबा इत्यादि सभी लोग वहां उपस्थित थे। परम गुरु एक पानी के विशाल चैम्बर में विराजमान थे। उन्होंने वो हेलमेट पहन रखा था जिससे वो पानी के अंदर से भी बात कर सकते थे। वैसे जैसन और एडमिरेर को बात करने के लिए किसी भी आवाज़ की आवश्यकता नहीं थी। वो मानसिक तरंगो से बात कर सकते थे। वहां पर मीडिया के भी बहुत से वरिष्ठ लोग भी मौजूद थे ताकि वो जैसन द्वारा कही गयी बातो को ट्रांसलेट करके पूरी दुनिया तक खबर पहुंचा सके।

हालाँकि लोगो ने पहली बार इतने विशालकाय स्पेसशिप्स और अजय सेना के लोगो को देखा था। अजय सैनिक अपने कवच पहने हुए थे और बहुत ही खतरनाक लग रहे थे। उनकी संख्या हालाँकि बहुत ही कम थी और

महाराजा व् परम गुरु को लगा था की जैसन भी एडमिरेर की भांति शांति की वार्ता करने ही आया है। किसी को नहीं पता था की एक ही अजय सैनिक पूरी इरीट्रिया के लोगो के लिए शायद काफी था। अजय सेना की शक्ति से इरीट्रिया के लोग बिलकुल भी वाकिफ नहीं थे। उन्होंने अभी सिर्फ एडमिरेर को देखा था जो की एक बहुत सुन्दर किशोरी के रूप में उन्हें दिखी थी।

मीटिंग चालू हो गयी और सबसे पहले, परम गुरु ने बोलना चालू किया। परम गुरु वहां सबसे सम्मानीय थे। "हम चाहते है की...।"

"मुझे तुम लोगो से कुछ बात नहीं करनी है। " जैसन के गुर्राए स्वर की टेलीपैथी सभी लोगो को हुई।

सभी लोग बहुत ही अचंभित हो गए। जैसन एडमिरेर के विपरीत बहुत ही गुस्सैल और घमंडी व्यवहार दर्शा रहा था। उसने परम गुरु को अपनी बात तक पूरी तरीके से कहने नहीं दी।

परम गुरु को अपनी बेइज्जती महसूस हुई, और खासकर इसलिए क्योंकि पूरा विश्व वो मीटिंग लाइव देख रहा था। परन्तु फिर भी उन्होंने अपने आप को संभाला और विनम्र स्वर में ही कहा, "आप लोग क्या चाहते है।"

एडमिरेर ने मीटिंग की इतनी ख़राब शुरुआत देखकर उसे कुछ दूसरी दिशा देने के प्रयास से कुछ टेलीपैथी करने की सोची परन्तु तब तक जैसन पहले ही बोल चूका था, "तुम हमें अन्तियम दे दो। हम सभी अन्तियम के भंडार पर कब्ज़ा कर लेंगे। और अपनी फैक्ट्री बनाएंगे।"

"अन्तियम मतलब ब्लैक स्टोन।" एडमिरेर ने विनम्रता से अन्तियम का मतलब स्पष्ट किया। उसका यह एक छोटा सा प्रयास था उस विषाक्त माहौल को थोड़ा सा सामान्य करने का।

"परन्तु ब्लैकस्टोन हमारे लिए पवित्र है क्योंकि हम उससे हमारे भगवान की मूर्तियां बनाते है। वो हमारे लिए बहुत ही पवित्र और पूज्यनीय है।" महाराजा ने एडमिरेर की ओर देखकर बहुत ही प्यार भरे स्वर में बोला।

"मूर्खो। तुम लोगो से इजाजत नहीं ले रहा हूँ। बोल रहा हूँ। मरने से बचना है तो चुप चाप अन्तियम हमें दे दो।" जैसन ने अत्यधिक बदतमीजी से सभी को टेलीपैथी की।

जैसन का इतना उग्र व्यवहार महाराजा और परम गुरु दोनों को ही पसंद नहीं आ रहा था। योगी बाबा मन ही मन खुश था उसने पहली बार किसी को महाराजा ओर परम गुरु से इतनी बदतमीजी से बात करते देखा था। हालाँकि योगी बाबा शंकित भी था की ये एलियन जो फ्लेशी जैसे ही दिखता है आखिर बिना कारण इतना उग्र क्यों हो रहा था।

एडमिरेर ने जो 2 दिन इरीट्रिया पर बिता के बहुत ही अच्छी छवि बना ली थी वो जैसन ने 2 मिनट से भी कम समय में बर्बाद कर दी थी। जैसन ने इरीट्रिया वासियों के ईगो को बिना बात के चोट पहुंचा दी थी।

"तो फिर देख लेते है कौन मरता है।" परम गुरु ने बहुत ही बुलंद आवाज़ में धमकी भरे स्वर में कहा।

परम गुरु को इतना गुस्से में देख किसी की भी हिम्मत नहीं हुई कुछ भी कहने की।

"तुम्हारी जैसी मछलियां हम फ्राई करके नाश्ते में खाते है।" जैसन परम गुरु की तरफ देख कर गुर्राया। जैसन खड़ा हो गया और जाने लगा, और जाते जाते वो बोला, "मैं चाहता तो अभी तुम लोग को बता देता अजय सेना क्या चीज है। परन्तु ये शांति प्रस्ताव की मीटिंग है। मैं जा रहा हूँ परन्तु तुम परिणाम भुगतने के लिए तैयार हो जाओ। "

जैसन गुस्से में वहां से निकल गया। उसके साथ एडमिरेर भी निकल गयी। जैसन और एडमिरेर ने अपने सूट को मानसिक सन्देश दिया और जल्द ही वो दोनों उड़ते हुए अपने स्पेसशिप्स पर पहुँच गए। वहां से स्पेसशिप्स में बैठ कर जैसन वापस अंतरिक्ष की तरफ चला गया।

सभी लोगो को जैसन का यह व्यवहार बहुत ज्यादा बुरा लगा। जैसन ने यदि एडमिरेर जैसा ही अच्छा व्यवहार दर्शाया होता तो शायद उसे ज्यादा कुछ करने की जरुरत ही नहीं पड़ती और इरीट्रिया वासी उसे वहां फैक्ट्री लगा लेने देते। परन्तु उसके अति अशिष्ट और रूखे व्यवहार ने इरीट्रिया के लोगो में एलियंस के प्रति एक अजीब सी नफरत भर दी थी।

जैसन अपने स्पेसशिप पर आ गया था और उसने सभी सैनिको को आदेश दिया, "इन तुच्छ लोगो को दिखा दो अजय सेना का कहर।"

"जी सर।" सैनिको ने एक साथ बोला।

कुल मिला कर 100 अजय सैनिक थे। उनमे से 25 सैनिको ने मानसिक सन्देश दिया और अपने आप को एक अभेद्य कवच में ढक लिया। वो सैनिक स्पेसशिप्स से निकल कर उड़ गए और साथ ही दोनों स्पेसशिप्स अंतरिक्ष की और निकल गए। कुछ ही समय में जैसन और एडमिरेर अपने स्पेसशिप्स में इरीट्रिया के वातावरण से और इरीट्रिया के हमलों से बहुत दूर चले गए।

इधर वो 25 अजय सैनिक उड़ कर जल्द ही सरन शहर पहुँच गए जहाँ मीटिंग हुई थी। उन लोगो ने वहां आग बरसानी चालू कर दी। उन सैनिको ने अपने विशेष सूट से छोटे छोटे बहुत सारी मिसाइल छोड़ी जो अत्यधिक घातक थी। उन्होंने शहर में अलग अलग जगह पर भयंकर विस्फोट कर दिए। बहुत ज्यादा तबाही मच गई थी।

ज्योति अपने सैनिको के साथ पहुंची। उसके अनेक टैंक्स और फाइटर जेट प्लेन्स भी थे और अनेको ऐंजलन सैनिक उड़ते हुए बहुत खतरनाक गन्स के साथ इन अजय सैनिको पर फायरिंग कर रहे थे। अनेको सेन्टॉरस भी वहां आ गए थे और बड़ी बड़ी मशीन गन्स से उन सैनिको पर हमला कर रहे थे।

अजय सैनिको पर इन हमलो का कुछ भी फर्क नहीं पड़ रहा था क्योंकि उन सैनिको की फोर्स फील्ड इनमे से किसी भी हथियार को अजय सैनिको तक पहुँचने ही नहीं देती थी। ये फोर्स फील्ड शायद कोई छोटा मोटा

नुक्लेअर हमला तक झेल ले तो इन टैंक्स और प्लेन्स के हमले तो कुछ भी नहीं। परन्तु अजय सैनिको के हमले उन लोगो के लिए झेलना संभव नहीं था।

उन सैनिको की गति भी फाइटर जेट प्लेन की गति से बहुत तेज थी। उन अजय सैनिको ने उड़ उड़ कर अपनी मिसाइल से कई फाइटर जेट्स को ध्वस्त कर दिया। उनके लेज़र ब्लास्ट्स से बहुत से ऐंजलन और सेन्टारस सैनिक मारे गए थे।

टैंक्स के हमले भी बेकार थे और अजय सैनिक के लेज़र अटैक टैंक को आसानी से नष्ट कर रहे थे। केवल 25 अजय सैनिक थे परन्तु उन्होंने सरन शहर को एक आग का बवंडर बना दिया था। चारो तरफ आग ही आग थी और लेज़र ब्लास्ट्स हर जगह हो रहे थे। एक भरा पूरा शहर मात्र कुछ घंटे में ही खँडहर बन चूका था। महाराजा, परम गुरु, आदि ने यहाँ वहां भाग कर जान बचाई। बहुत से साधारण नागरिक भी अजय सेना के कहर के चपेट में आ गए थे। वो सब लोग भी अपनी जान से हाथ धो बैठे थे।

कुछ मिनटों में ही 25 अजय सैनिको ने हज़ारो ऐंजलन व् सेन्टॉरस सैनिको, कई फाइटर प्लेन्स, कई टैंक व् अनेको सेना के वाहनों को ख़त्म कर दिया था। शहर की बड़ी बड़ी बिल्डिंग आग की गिरफ्त में थी और अनेको ब्लास्ट्स ने वहां मातम का माहौल कर दिया था। जिसको मौका मिल रहा था वो भाग रहा था, क्योंकि ये 25 यम के दूत उस शहर को कब्रिस्तान बनाने में लगे हुए थे।

अजय सेना के सैनिको को एक खरोच भी न आयी और ज्योति के हज़ारों सैनिक भगवान को प्यारे हो गए थे। पहली बार इरीट्रिया के लोगो को मालूम पड़ा था की अजय सेना को – अजय- क्यों कहते है। इनके किसी भी वार का उन पर कोई असर नहीं होता था। उनकी फोर्स फील्ड जो उनके कवच के चारो और बनी हुई थी इन हमलो से टूटने वाली नहीं थी।

अजय सेना के लेज़र ब्लास्ट्स, स्माल मिसाइल्स और मिनी-नुक्लेअर बुलेट्स ने बहुत अधिक तबाही मचा दी थी। कुछ ही मिनटों में सरन शहर तबाह हो गया था। मात्र 25 अजय सैनिक उस शहर को नेस्तनाबूद कर देंगे जो हेयस का गढ़ था। ये बात न तो ज्योति के गले से उतर रही थी न ही महाराजा के। महाराजा और परम गुरु को ज्योति ने बमुश्किल एक टनल के जरिये सुरक्षित निकाल दिया था। परम गुरु तुरंत समुद्र नगरी चले गये और महाराजा को भी साथ ले गए। महाराजा को सुरक्षित रखना जरुरी थी ताकि वो लोग कुछ प्लान बना सके। अजय सेना का कहर जारी था और जैसन का गुस्सा इरीट्रिया के लोगो के लिए बहुत ही भारी पड़ा था। शुरूआती हमले ने दिखा दिया था की 1000 प्रकाश वर्ष दूर से आये ये एलियन कोई मामूली प्रजाति नहीं थे।

जैसन के स्पेसशिप अंतरिक्ष में स्थापित हो गए थे और उन पर हमला करना इन लोगो के लिए मुश्किल था। अब यदि इरीट्रिया वासियों को जैसन पर काउंटर हमला करना है तो उसके वो चार स्पेसशिप्स जो अब इरीट्रिया की परिक्रमा कर रहे थे उन्हें उड़ाना होगा। किसी भी तरह उन्हें ऐसे राकेट बनाने होंगे जो उन स्पेसशिप्स को ख़त्म कर सके।

&

जैसन एडमिरेर के साथ अपने स्पेसशिप के कण्ट्रोल रुम में बैठा हुआ था। उसके साथ उसकी अजय सैनिक भी थे। जैसन ने अपने सामने इरीट्रिया के नक़्शे का स्क्रीनलेस डिस्प्ले खोल रखा था। वो गिरी पर्वत की श्रंखला को देख कर बोला, "एडमिरेर तुम एक काम करो अपने 25 सैनिको के साथ इस गिरी पर्वत को अपने कब्जे में ले लो और वहां फैक्ट्री स्थापित कर लो।"

"ठीक है जैसन। मैं जल्द ही गिरी पर्वत को अपने कब्जे में लेती हूँ और अपने दोनों स्पेसशिप्स जिसमे इंजीनियर्स और फैक्ट्री का सामान है उसे वहां लैंड करवाती हूँ। "

जैसन ने अपने बाकि अजय सैनिको को देख कर बोला, "25 अजय सैनिक अभी सरन शहर को तबाह कर रहे है। वो लोग उस शहर का समूल चूल नाश कर देंगे। परन्तु ये तबाही रुकनी नहीं चाहिए। तुम लोग 25-25 के हिस्सों में बट जाओ और अलग अलग शहरो को टारगेट करना चालू कर दो। हेयस भू-भाग तंदूर की तरह जलना चाहिए।"

"यस सर" सभी सैनिक ने एकध्वनि से बोले।

"जैसन मुझे पता है की इन हेयस के लोगो के पास नुक्लेअर हथियार हैं और इस प्रकार हमले से तुम इन लोगो का ध्यान हमारी फैक्ट्री से हटाकर इन सैनिको पर लगाना चाहते हो।" एडमिरेर ने जैसन के प्लान को समझने का प्रयास किया।

"नहीं एडमिरेर। इनके नुक्लेअर अटैक से फैक्ट्री को बचाने के लिए तो हमारी डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर काफी है।"

"तो फिर ये हमले..." एडमिरेर को कुछ समझ नहीं आया।

"ये हमले इन तुच्छ प्राणियों को ये बताने के लिए की जैसन की बात न मानने का क्या नतीजा होता है। "

जैसन के चेहरे पर एक बहुत ही कुटिल मुस्कान थी। एडमिरेर समझ गयी थी की अब हेयस के किसी भी शहर के लिए शांति से जीना संभव नहीं था। जैसन ने हेयस को तबाह करने की सोच ली थी। 100 वर्षो के सफर ने जैसन को एक बहुत ही उग्र, कठोर और क्रूर इंसान बना दिया था।

जल्द ही एडमिरेर अपने 75 सैनिको के साथ गिरी पर्वत पर लैंड हो गयी। उन सैनिको ने अपने लेज़र ब्लास्ट्स से जल्द ही आस पास का इलाका साफ़ कर दिया और दोनों स्पेसशिप्स जो टेक्निशियंस और इंजीनियर्स को लिए हुए थे वो वहां लैंड हो गए। जल्द ही वहां फैक्ट्री बनाने का काम चालू हो गया और एक ही दिन में फैक्ट्री की आउटलाइन भी बन गयी।

25 सैनिक वहीँ फैक्ट्री की आउटलाइन के पास रुक गए और बाकि 50 सैनिक, 25-25 के दो समूह बनाकर जैसन के आदेश के मुताबिक हेयस को तबाह करने निकल गए। उनके बाकि 25 साथी अभी सरन को ही पूरी तरह नेस्तनाबूद करने में लगे थे। अब सरन जैसा हाल बाकि शहरो का भी होना था।

वो स्पेसशिप्स जिनसे एडमिरेर और उसके अजय सैनिक आये थे तथा दोनों मालवाहक स्पेसशिप्स वापस से अंतरिक्ष में पहुँच गए। वो अंतरिक्ष में इरीट्रिया की कक्षा को पार्किंग की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। वो इतने विकसित स्पेसशिप्स थे की कुछ घंटो में ही हज़ारों किलोमीटर दूर इरीट्रिया की कक्षा में चले जाते और जरुरत पड़ने पर वापस भी आ जाते थे।

सफायर ये सारे मूवमेंट नोट कर रही थी। उसे पता थे की ये स्पेसशिप्स कहाँ है और वो ये सारी खबर महाराजा को देती रहती थी।

इधर महाराजा ने समुद्र तल पर बसे लेनोगे शहर में शरण ले रखी थी। ज्योति उसे उन अजय सैनिको की खबर दे रही थी जो हेयस के अलग अलग शहरो को टारगेट करके उन्हें नेस्तनाबूद कर रहे थे। ज्योति ने महाराजा को बता दिया था की 25 - 25 अजय सैनिको के तीन अलग अलग समूह किसी न किसी शहर को टारगेट कर रहे थे, इसका मतलब हर 2-3 दिन में हेयस के तीन शहर बर्बाद हो रहे थे - औसतन रोज़ एक शहर। अनेको लोगों की मौत, जान- माल का ऐसा विनाश जो कभी देखा न कभी सुना गया। यदि ये तबाही जल्द न रोकी गयी तो पूरा हेयस बर्बाद हो जाएगा।

महाराजा का एलियन को लेकर जो डर था वो अब उसे मूर्त रूप में परिवर्तित होते लग रहा था।

महाराजा ने परम गुरु से संपर्क किया और परमा गुरु ने महाराजा को एक बहुत बड़े मीटिंग रुम में बुला लिया। महाराजा ने वो सूट पहन रखा था जिससे वो पानी के अंदर आराम से जीवन यापन कर सेक। समुद्र तल पर गुरुत्वाकर्षण भी भिन्न होता है और एटमोस्फियरिक प्रेशर बहुत ही ज्यादा।

हालाँकि हेयस के लोगो ने इतनी तरक्की कर ली थी की वो ऐसे सूट पहन कर समुद्र तल पर बसी इस दुनिया में आराम से घूम सकते थे। समुद्र तल हेयस के लोगो के लिए एक बहुत बड़ा पर्यटन स्थल था, और लेनोगो तो खासकर बहुत ही ज्यादा लोकप्रिय था। महाराजा खुद कई बार लेनोगो आ चूका था। हालाँकि इस बार वो शरणार्थी के रूप में अपनी जान बचाने के लिए आया था।

ये वही विशालकाय मीटिंग रूम था जहाँ एडमिरेर परम गुरु से मिली थी और परमगुरु और एडमिरेर की मुलाकात की एक बहुत विशाल फोटो भी वहां लगी हुई थी। महाराजा उस फोटो को घूर ही रहा था जब परम गुरु तैरते हुए उस मीटिंग रूम के अंदर आ गए।

"मुझे भी वो लड़की बहुत पसंद आयी थी परन्तु उसका वो साथी बहुत ही क्रूर और बददिमाग।" परम गुरु बोले।

महाराजा थोड़ा सकपकाया और परम गुरु के पास आ गया और बोला, "हमे उस बददिमाग एलियन को बताना पड़ेगा की इरीट्रिया के लोगो से पन्गा लेना कितना महंगा साबित होगा।"

"बिलकुल महाराजा। हेयस के पास खतरनाक नुक्लेअर हथियार है तुम उनका इस्तेमाल करो।"

"परन्तु दिक्कत यह है की वो एलियन अपने स्पेसशिप को ले कर अंतरिक्ष में उड़ गया है और वही कही है। हमारे पास ऐसे राकेट नहीं है जो अंतरिक्ष में नुक्लेअर हथियार छोड़ सके।" महाराजा दुखी हो कर बोला। वो तैर कर यहाँ वहां फ्लोट कर रहा था। उसकी मनस्थिति बहुत ही ज्यादा विचलित थी।

"ये सब इन फ्लेशी के कारण हुआ है। क्या उनसे कहे राकेट बनाने के लिए?" परम गुरु थोड़े से गंभीर स्वर में बोले। वो महाराजा जितने विचलित नहीं थे। उसका एक प्रमुख कारण ये भी था की अजय सेना ने समुद्र तल पर हमला नहीं किया था।

"नहीं मैं फ्लेशी से कोई भी सहयोग लेने के खिलाफ हूँ। मुझे नहीं लगता वो हमारी कोई भी मदद कर सकते है।" महाराजा चिल्लाया। इतना भयंकर एलियन हमला भी महाराजा को फ्लेशी के खिलाफ नफरत को भुलाने में सहायक नहीं हुआ था। उसकी फ्लेशी के प्रति नफरत ज्यों की त्यों थी।

"परन्तु वो राकेट बना सकते है।" परम गुरु शांत स्वर में बोले।

"सामान्य राकेट की बात अलग है और ऐसे राकेट जो नुक्लेअर हथियार ले जा सके की बात अलग है। आप इन फ्लेशी को नहीं जानते। यदि हमने उनको अपने नुक्लेअर हथियार दिए तो वो उस एलियन के साथ मिलकर हमें ही ख़त्म कर देंगे। वो एलियन को ब्लैक स्टोन दे देंगे।" महाराजा जल्दी जल्दी बोला। महाराजा को पता था की फ्लेशी लोगो पर ज्यादा भरोसा नहीं किया जा सकता। वैसे भी फ्लेशी लोगो को दंगो में बहुत ही बुरा अत्याचार झेलना पड़ा था। हो सकता है वो इस मौके का फायदा उठायें और एलियन के साथ मिल कर ऐंजलन और सेन्टॉरस से बदला ले। परम गुरु इन सब बारीकियों को नहीं समझते ये जमीनी लोगो के जीवन की सबसे मुश्किल और जटिल पहेली थी।

"हाँ। ये एंगल तो मैंने सोचा ही नहीं। फ्लेशी पर भरोसा नहीं कर सकते।" परम गुरु ने अपना सर हाँ में हिलाते हुए जवाब दिया। उनको जमीनी लोगों की इतनी जटिल जीवन शैली और आपसी मतभेद कभी भी समझ नहीं आये थे।

"सफायर ने मुझे बताया है की एलियंस स्पेस शिप्स गिरी पर्वत के पास उतरे है। वहां पर बहुत मात्रा में ब्लैक स्टोन है।"

"ओह क्या बात है। इसका मतलब उन लोगो ने गिरी पर्वत को अपना ठिकाना बनाने की सोची है। "

"हाँ परम गुरु।"

"फिर ठीक है। हम फिर वही हमला करेंगे। तुम नुक्लेअर हमला करना और हम करेंगे अपने अन्निहिलटर से हमला।"

धीरे धीरे इरीट्रिया के लोग कुछ प्लान कर रहे थे। हालाँकि पूरा प्लान महाराजा और परमगुरु पर ही निर्भर था। और कोई नहीं था इरीट्रिया में जो एलियंस का मुकाबला कर सकता था।

इधर योगी बाबा - फ्लेशी के स्पिरिचुअल गुरु अपने हर प्रवचन में बोल रहे थे की एलियंस को ब्लैक स्टोन दे कर समझौता कर लेना चाहिए। उनके हिसाब से उस सच्चे भगवान ने ही इन एलियन को भेजा है क्योंकि वो भगवान मूर्ति पूजा करने वालो को सबक सीखना चाहता था। इसलिए उस एलियन ने केवल वो ही पत्थर माँगा जिससे मूर्तियां बनती है और कुछ नहीं है। यह एक संकेत था की मूर्ति पूजा बंद कर देनी चाहिए।

योगी बाबा के इन प्रवचनों से ग्रीनलैंड पर तो कुछ ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा परन्तु हेयस में फ्लेशी दंगो के शिकार हो गए। हेयस के ऐंजलन और सेन्टारस अजय सैनिको को तो नहीं मार पा रहे थे परन्तु उन्होंने अपने ही फ्लेशी भाइयो को अति क्रूर तरीके से मारना शुरु कर दिया। बहुत से लोगो ने फ्लेशी को जैसन और एडमिरेर का रूप देकर उन पर अवर्णनीय अत्याचार किये। फ्लेशी के विरुद्ध बहुत आक्रामक दंगे शुरु हो गए। ये सब खबर जैसन को भी मीडिया कवरेज से मिल रही थी। वो अपने स्पेसशिप में बैठा बैठा इन तुच्छ लोगो की खबरों को सुन रहा था और उनकी पीड़ा से लुफ्त उठा रहा था।

&

कोलार्क फटल शिप में बैठा था। ये शिप एक बहुत बड़े गोलाकार आकृति का था जो अपनी धुरी पर बहुत तेज गति से भ्रमण करता था। इस भ्रमण से इस शिप के अंदर बैठे लोगो को वैसा ही गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव मिलता था जैसा की किसी गृह पर। साथ ही इस शिप को दूर से देखने पर इसके दोनों तरफ दो खोखली नलियों समान आकृति दिखती थी। दरअसल

ये नालिया आगे के स्पेस को सिकोड़ने के लिए था पीछे के स्पेस को विस्तारित करने के काम आती थी। इस स्पेस सकुचन से ये गोलाकार आकृति अंतरिक्ष में प्रकाश गति से 100 से 150 गुना तक की गति लेने में सफल हो जाती थी।

इसकी आंतरिक सरंचना दो हिस्सों में बटी थी। उतरी गोलार्ध और दक्षिणी गोलार्ध। उतरी गोलार्ध में प्रीमियम सेगमेंट था जहाँ सम्पूर्ण गुरुत्वाकर्षण के साथ साथ बड़े बड़े घर थे। उसमे लोग चाहे तो फूटबाल और गोल्फ जैसे खेल भी खेल सकते थे और उनकी सेवा करने के लिए अनेको रोबोट थे, जो उनका पूरा ध्यान रखने के लिए थे।

इस शिप में केवल एक कप्तान और एक लेफ्टिनेंट होता था। बाकि सभी रोबोट और ड्रोइड्स ही होते थे। ये कप्तान और लेफ्टिनेंट ही पूरी तरह से शिप के लिए उत्तरदायी होते थे।

शिप के दक्षिणी गोलार्ध में नार्मल सेगमेंट था और फैलानी ने उसे ऐसे डिज़ाइन किया था की ज्यादा से जयादा लोग उसमे आ सके। वो भी अपने आप में एक पूरे शहर जैसा ही था बस थोड़ा संकुल और तंग।

हालाँकि सामान्यतः दक्षिणी गोलार्ध में बहुत से यात्री होते थे कई बार तो 10 से 11 हज़ार और तब 100 से 120 दिन की यात्रा भी उन लोगो के लिए अत्यधिक कठिन और दुःख दायी होती थी। परन्तु कोलार्क ने पूरा फटल शिप किराये पर लिया था और किसी भी अन्य यात्री, जिसको कोलार्क ने आमंत्रित न किया हो, की वहां गुंजाइश नहीं थी।

शिप का कप्तान बिलकुल खुश नहीं था क्योंकि कोलार्क ने दक्षिणी गोलार्ध के नार्मल सेगमेंट में अपने 25 लोगो को यात्रा करने का आमंत्रण दे दिया था। इन लोगो का बैकग्राउंड चेक वो कप्तान नहीं कर पाया था और बिना बैकग्राउंड चेक किये कप्तान किसी को भी अपने फटल शिप पर नहीं लेकर जाता था।

इस समय वो फटल शिप शयी चन्द्रमा पर मेजो कारपोरेशन के द्वारा किराये पर लिए गए लैंडिंग स्टेशन में खड़ा था। वो विशालकाय गोलाकार शिप जिसका व्यास तक़रीबन 2 किलो मीटर था और उसका घनत्व 4 किलोमीटर क्यूब था। इतना विशाल गोलार्ध को लैंड होने के लिए बहुत ही विशालकाय जगह की आवश्यकता थी। इसलिए कोलार्क ने बहुत पैसे खर्च करके एक लैंडिंग स्टेशन किराये पर लिया था।

उस लैंडिंग स्टेशन में वो 25 लोग पहले से ही उपस्थित थे जो एक एक कर उस फटल शिप में चढ़ रहे थे। कोलार्क प्रीमियम सेगमेंट में बैठा अपनी विशेष पेय का लुत्फ़ उठा रहा था जब उस कप्तान ने कोलार्क के पास आ कर बोला, "क्या इन 25 लोगो को ले जाना जरुरी है। मुझे बिना बैकग्राउंड चेक किये लोगो को अपने शिप पर चढाने से ऐतराज है।"

कोलार्क के चेहरे पर एक बहुत ही चिढ़ाने वाली मुस्कान आयी। वो बोला, "कप्तान ये सभी लोग इंजीनियर्स है और मैंने ये फटल शिप यूको वर्महोल के कुछ कोड चेक करने के लिए किराये पर लिया है। मैंने इन सब का बराबर किराया तुम्हारी मालिक फैलानी को दे दिया है।"

"इन लोगो को देख कर लगता नहीं की ये कोई इंजीनियर्स है। ये गुंडे और बदमाश ज्यादा लग रहे है।" कप्तान ने थोड़ा नाराज़गी दिखते हुए बोला।

"तुम इतना परेशान मत हो। तुम अपना काम करो। मैंने फैलानी से बात कर ली है। उसे इन सब की उचित कीमत दे दी गयी है। "

कप्तान कुछ नहीं बोला। उसको फैलानी का यह ही रवैया पसंद नहीं आता था। उसने फटल शिप को लोकल टैक्सी जैसी वस्तु बना दिया था। फैलानी को पैसे का इतना लालच था की कोई भी दाम देकर फटल शिप से कुछ भी उपयोग कर सकता था। वो तो मैर्केल की सरकार ने फैलानी को Xor

को फटल शिप्स बेचने की इजाजत नहीं दी हुई वरना फैलानी तो पैसे के लिए राल्फ और उसके लोगो को फटल बेचने को भी तैयार हो गयी थी।

परन्तु कप्तान एक कर्मचारी था और उसे ज्यादा कुछ बोलने की इजाजत नहीं थी। धीरे धीरे वो 25 लोग नार्मल सेगमेंट में चले गए। कप्तान और उसका हुम्[5] प्रजाति का लेफ्टिनेंट अपने स्थान पर बैठ गए और कोलार्क भी अपने अति आलिशान विशाल भवन में स्थापित हो गया। शयी चन्द्रमा से शिप ने लिफ्ट ऑफ किया और देखते ही देखते शयी से हज़ारो किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में निकल आया और शिप ने चालू किया अपना फटल मोड। दोनों नालियों ने अंतरिक्ष को संकुचित करना और उस शिप को प्रकाश गति से कई गुना तेज गति प्रदान करना शुरू कर दिया।

धीरे धीरे फटल शिप अपने गंतव्य की तरफ तेजी से बढ़ा चला जा रहा था। इधर प्रीमियम सेगमेंट में बैठा कोलार्क इन दिनों किन्ही बहुत पेचीदा डिज़ाइन के अध्यन में लगा हुआ था। वो कई बार उन डिज़ाइन को चेंज करता और अपने अनेक यंत्रो की सहायता से उन पर कोई सिमुलेशन रन करता। ऐसा प्रतीत हो रहा था की कोलार्क कोई बहुत तेज स्पेसशिप बनाने के प्रोटोटाइप पर काम कर रहा था।

इधर नार्मल सेगमेंट में भी वो 25 लोग काफी आराम से थे क्योंकि नार्मल सेगमेंट साधारणतया 5-6 हज़ार लोगो से भरा होता था। वरना फटल शिप का किराया वसूल करना मुश्किल होता था। वो लोग सब बहुत ही खतरनाक ट्रेनिंग में अपना समय व्यतीत कर रहे थे। कप्तान उन लोगो पर नज़र रखे हुए थे और वो कहीं से भी कोई इंजीनियर नहीं लग रहे थे। वे अधिकतर समय अपने हथियारों और अपने बख्तरबंद कवच में एक दूसरे से युद्ध का ही अभ्यास कर रहे थे।

---

[5] मतलब जानने के लिए देखें :- अनुलग्नक 3 - शब्दकोश और मुख्य किरदार – प्रविष्टि 23

कप्तान को मालूम पड़ गया था की ये लोग किसी प्रकार के युद्ध में जाने की ट्रेनिंग कर रहे थे। हो सकता है युद्ध न हो कोई लड़ाकू खेल हो अभी कप्तान कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कह सकता था। उसने कुछ भी करने या कहने की कोशिश नहीं की। वो चुप चाप सब कुछ देखता रहा।

कुछ दिनों तक तो ठीक था क्योंकि वो लोग जिन हथियारों का प्रयोग कर रहे थे वो मानक के हिसाब से कोई भी रख सकता था बशर्ते उसके पास उचित लाइसेंस हो। परन्तु कुछ दिनों बाद इन लोगो ने ऐसे हथियार निकाल लिए और ऐसे युद्धक सूट धारित कर लिए जो मानो किसी महायुद्ध में जाने के लिए सज्ज हो रहे हो। मानक प्रोटोकॉल ऐसे किसी भी प्रकार के हथियार या युद्धक सूट का प्रयोग पूरी तरह से निषेध करता था।

कप्तान को अब बहुत दुःख हो रहा था की क्यों बिना बैकग्राउंड चेक किये हुए उसने शयी से ऐसे लोगो को अपने शिप में चढ़ाया। इन लोगो का सामान भी ढंग से जांचा नहीं गया क्योंकि कोलार्क ने आमंत्रण पर इन लोगो को बुलाया था। उसे फैलानी की इस प्रकार की पॉलिसीस से बहुत ही ज्यादा चिढ थी।

कप्तान अब ज्यादा कुछ नहीं कर सकता था फिर भी उसने अपने लोग में लिख दिया था की ये लोग किस प्रकार की हरकते कर रहे थे। कप्तान ने वो सारी परिस्थिति बयां कर दी कि किस प्रकार से कोलार्क ने 25 लोगो को आमंत्रित किया और ये लोग बहुत ही खतरनाक हथियार और युद्धक सामग्री से लेस थे।

कप्तान ने लोग में ये भी लिख दिया कि उसके मत में ये लोग टेररिस्ट थे और कोलार्क इनका साथ दे रहा था। फ्री मि के आतंक की खबर कप्तान को भी थी और उसे लगा कहीं ये लोग फ्री मि के साथी तो नहीं। ये कोलार्क इन लोगो को कहाँ लेकर जा रहा था। यह सिक्योर लोग था और कभी किसी

भी अन्वेषण में यदि ये फटल शिप जांचा गया तो जांचकर्ताओं को कप्तान का यह लोग मिल जाएगा।

धीरे धीरे समय बीता और पृथ्वी के समयानुसार तक़रीबन 110 दिनों बाद वो शिप यूको वर्महोल के नज़दीक पहुँच गया था। 30 प्रकाश वर्ष की दुरी जिसे तय करने में जैसन के स्टरगेज़ शिप्स को 100 वर्ष लगे थे वो दुरी फटल शिप्स ने मात्र 100 दिनों में हासिल कर ली थी। इसलिए तो फैलानी फ्रां गैलेक्सी की सबसे ज्यादा अमीर लड़की थी। ये करिश्मा किसी भी और के बस का न था।

उसी समय उन 25 बेहद खतरनाक लोगो में से एक ने उस एलीवेटर में घुसने का प्रयास किया जिससे वो प्रीमियम सेगमेंट में पहुँच सके। नार्मल सेगमेंट वालो के लिए प्रीमियम सेगमेंट में जाने की अनुमति नहीं थी और जब उस व्यक्ति ने एलीवेटर को अपने लेज़र गन से उड़ा कर खोलने की कोशिश की तो कप्तान और उसके लेफ्टिनेंट के होश उड़ गए।

कप्तान ने तुरंत घोषणा की, "तुम ये क्या कर रहे हो, तुरंत उस एलीवेटर से दूर चले जाओ। तुम्हारे को इस एलीवेटर के पास जाने की अनुमति नहीं है।"

उस घोषणा का उस व्यक्ति पर कोई असर नहीं हुआ। उसने अपनी लेज़र गन से एलीवेटर पर फायर किया। हालाँकि एलीवेटर की बाहरी परत जल गयी परन्तु एलीवेटर खुला नहीं। कप्तान को कुछ समझ नहीं आ रहा था की वो व्यक्ति क्या चाहता था।

कप्तान ने घोषणा की, "तुमको इस कृत्य के लिए दण्डित किया जाएगा। तुरंत हटो वहां से।"

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, "मुझे कोलार्क को कुछ बहुत महत्वपूर्ण बताना है इससे पहले वो इस फटल शिप को यूको वर्महोल में ले जाए। उसके कोड चलेंगे नहीं। मुझे उससे बात करनी है।"

कप्तान विस्मित और चिंतित था। उसको समझ नहीं आ रहा था की ये मुर्ख गुंडे जैसे दिखने वाला व्यक्ति कोलार्क को क्या बता पायेगा। परन्तु यदि फटल शिप वर्महोल में गया और कुछ गड़बड़ हो गयी तो कप्तान की और उसके हुन्न लेफ्टिनेंट की जान को भी खतरा हो सकता है।

"तुम वही रुको मेरा असिस्टेंट आ रहा है वो तुम्हारी बात कोलार्क से करवा देगा।" कप्तान ने जवाब दिया और अपने असिस्टेंट को बोला, "ओला तुरंत एलीवेटर से नार्मल सेगमेंट में जाओ और उस व्यक्ति की कोलार्क से बात करा दो।"

कप्तान ने यह ही गलती कर दी थी। वो एलीवेटर कितने भी लेज़र फायर को झेल लेता ख़राब हो जाता परन्तु किसी भी अनधिकृत व्यक्ति से खुलता नहीं। परन्तु अब लेफ्टिनेंट ओला उस एलीवेटर को खोल कर जब उस व्यक्ति के पास जाएगा तो वह व्यक्ति उस मौके का फायदा उठा कर एलीवेटर के अंदर आ जाएगा। और ठीक ऐसे ही हुआ। जैसे ही ओला एलीवेटर से नार्मल सेगमेंट में उतरा और एलीवेटर का द्वार खुला, वह व्यक्ति कूद के एलीवेटर के अंदर आ गया।

ओला चिल्लाया, "मुर्ख ये क्या कर रहे हो। तुम एलीवेटर में आने के लिए अधिकृत नहीं हो।"

"अब तो मैं आ गया हूँ, मुझे कोलार्क के पास ले चलो।" वह आदमी बेहद खूंखार स्वर में बोला।

"तुम पागल हो क्या। मैं तुम्हारी कोलार्क से बात करा देता हूँ परन्तु मैं तुम्हें वहां लेकर नहीं जा सकता।" ओला दबे स्वर में बोला। हालाँकि वो बहुत ज्यादा घबरा गया था। उसका मेंढाकार चेहरा बुरी तरह से पसीने पसीने हो चूका था और पतली टाँगे बहुत बुरी तरह कम्पन्न कर रही थी।

"तुम वो ही करोगे जो मैं कह रहा हूँ। यदि तुम्हें अपनी जान प्यारी है तो।" उस व्यक्ति ने अपनी लेज़र गन ओला के मुँह में घुसा दी और बोला।

ओला घबरा गया था। उसे समझ नहीं आ रहा था की वो क्या करे। ये आदमी कोलार्क से मिलने के लिए इतना उतावला हो रहा है की उसे मारने की धमकी दे रहा था।

"तुम ये क्या कर रहे हो। ये सब दंडनीय अपराध है।" कप्तान ने घोषणा की।

इधर कोलार्क को भी ये सब घोषणा सुनाई दे रही थी। कोलार्क ने कप्तान को कॉल लगाया।

"मैं इस आदमी की जिम्मेदारी लेता हूँ। उसे ऊपर प्रीमियम सेगमेंट में आने दो। बिना बात के उतवलेपन में कहीं कोई अनहोनी न हो जाए।" कोलार्क ने बहुत ही शांत स्वर में कहा।

कप्तान को कुछ बहुत अच्छा नहीं लग रहा था। उसे मन में संशय हो रहा था की कोलार्क इन लोगो से मिला हुआ था। परन्तु ये आदमी कोलार्क से मिलकर भी क्या कर लेगा। और उसे अपना लेफ्टिनेंट भी दिख रहा था जो अभी उस बेहद खूंखार आदमी के कब्जे में था और वो उसे कुछ भी कर सकता था।

"ठीक है कोलार्क। तुम्हारे कहने पर मैं उसे प्रीमियम सेगमेंट में आने की इजाजत दे रहा हूँ।" कप्तान बोला।

"ठीक है। तुम चाहो तो तुम भी यहां आ जाओ। मेरा बॉडीगार्ड भी है, तुम इस आदमी को अपने हाथो से सजा दे देना।" कोलार्क ने शांत स्वर में कहा।

"मैं भी आ रहा हूँ।" कप्तान बोला। उसे अपने लेफ्टिनेंट की चिंता थी।

इधर आज्ञा मिलते ही एलीवेटर उस आदमी और ओला को लेकर प्रीमियम सेगमेंट में आ गया। एलीवेटर का दरवाजा खुला और कप्तान व कोलार्क ने देखा कि ओला के मेंढाकार चेहरे की हवाइयाँ उडी हुई थी और उसको गर्दन से पकड़कर वो आदमी चलते हुए कोलार्क के पास आ रहा था। ओला दर्द में था और उसका चार फ़ीट का शरीर हवा में लटका हुआ था। उस आदमी ने ओला को झटके से पटक दिया।

"ये क्या बदतमीज़ी है।" कप्तान चिल्लाया और तुरंत ओला के पास गया। ओला हल्का हल्का खांस रहा था।

कोलार्क के बॉडी गार्ड ने उस आदमी को अपनी लेज़र गन दिखाई और बोला, "जो बोलना है कोलार्क से जल्दी बोलो।"

"कुछ बोलना नहीं करना है" उस आदमी ने कुटिलता से मुस्कुराते हुए कहा।

इससे पहले बॉडीगार्ड कुछ समझ पाता उस व्यक्ति ने एक तेज झपट्टा मारा और उस बॉडीगार्ड की लेज़र गन उसके हाथ से छिटक गयी। बॉडी गार्ड कुछ कर पाता उससे पहले ही उस आदमी ने अपनी लेज़र गन से बॉडी गार्ड पर फायर किया और उसकी इहलीला समाप्त हो गयी।

उस आदमी ने फिर कप्तान की तरफ लेज़र गन मोड़ी और बोला, "तुम्हारी आवाज़ बहुत कर्कश है, मुझे पसंद नहीं आयी।"

"तुम क्या पागलपन कर रहे हो मुझे मार डालोगे तो ये शिप कौन उड़ाएगा। ये फटल शिप है जानते हो न इसे उड़ाना किसी के लिए इतना आसान नहीं।"

वो आदमी ज़ोर से हँसा और उसने लेज़र गन का ट्रिगर दबा दिया।

कप्तान को समझ आ गया था इन लोगो को फटल शिप उड़ाना भी आता है और ये सब खेल इस फटल शिप को पाने के लिए ही किया गया था। काश फैलानी पैसे के लिए इतनी लालची नहीं होती। वो कभी इस फटल शिप पर इन लोगो को नहीं बैठाता। इससे पहले वो कुछ और सोच पाता लेज़र ने उसके हृदय को आर पार कर दिया और वो वहीँ मर गया। उस आदमी ने ओला की ओर लेज़र गन मोड़ी और बोला, "अब तुम्हारा क्या इरादा है मेंढक।"

"मैं तुम्हारे साथ हूँ।" ओला कांपते हुए बोला। उसे समझ आ गया था की ये जो कोई भी इसका इरादा बहुत ही खतरनाक है। उसने कुछ पलों में दो लोगो को मौत के घाट उतर दिया था।

"बहुत अच्छा निर्णय है" उस आदमी ने बोला और कोलार्क की और देखा।

कोलार्क ने उसे बाकि लोगो को भी प्रीमियम सेगमेंट में लाने के लिए कहा और खुद ओला के साथ शिप के कण्ट्रोल रूम में चला गया।

जल्द ही कोलार्क ने कोड रन कर दिए और वो फटल शिप आसानी के साथ वर्महोल पार करता हुआ इरीट्रिया पहुंच गया था। फटल शिप इस मायने में भी स्टरगेज़ शिप्स से बहुत बेहतर था क्योंकि उसकी डिज़ाइन उसे वर्महोल पार करने में मदद करती थी और जो कुछ जैसन ने वर्महोल पार करते हुए झेला था वो कोलार्क और उसके मैकाबर को नहीं झेलना पड़ा।

कोलार्क को अपना मिशन अब दिख रहा था - इरीट्रिया को अब एक और एलियन मिलने वाला था - वो जो इरीट्रिया की किस्मत ही पलट कर रख देने वाला था .

~~~

अध्याय चौदह - जैसन बनाम कोलार्क

रात के घनघोर अँधेरे ने मेज़ोल के उस शहर को अपने आगोश में ले लिया था। धर्मा कहानी सुनने में इतना ज्यादा मगन था कि उसे पता ही नहीं चला कब एक पूरा दिन निकल गया था। वो अभी आगे कि कहानी जानने का इच्छुक था जब प्रोफेसर बोरो ने कहानी के इस क्रम को तोडा।

"हमें तुरंत यहाँ से भागना पड़ेगा।" प्रोफेसर बोरो कि कर्कश ध्वनि मानसिक सन्देश के द्वारा लेडी तारा और धर्मा को प्राप्त हुई। उन्हें कुछ समझ नहीं आया कि प्रोफेसर बोरो कब उस कमरे में आ चुके थे और कब उनके पीछे पीछे ज़ोरो भी आ चूका था।

लेडी तारा ने प्रोफेसर बोरो को इतना घबराये हुए कभी नहीं देखा था।

"क्या हुआ?" तारा बोली।

"लौरा को होश आ गया और उसने बताया है की उस क्रूर डायस और नोकोर्ईविड को मालूम पड़ गया है की हम मेज़ोल में छुपे है। डायस और नोकोर्ईविड ने अजय सेना को भेजा है।" बोरो ने बेतहाशा जल्दी में अपने वाक्य पूरा किया। मानसिक संदेशो से वार्ता करने का सबसे अच्छा अनुभव यह ही था कि कोई कितनी भी जल्दी अपना सन्देश दे दे आपका मस्तिष्क उसे अपने हिसाब से ही ग्रहण करता था।

"यह तो बहुत बुरा हुआ। यानि यदि अजय सेना मेज़ोल में आ जाएगी तो हमें पकड़ लेगी या हो सकता है मार डाले।" लेडी तारा ने घबराते हुए कहा।

"लौरा को कैसे पता।" धर्मा बोला। वो थोड़ा संशित था।

लौरा भी अब उस रूम में आ गई थी। वो सबसे आखिर में उस कमरे में आयी थी और धर्मा को थोड़ा अजीब लगा कि इतनी देर बाद क्यों आयी जबकि उसे भी प्रोफेसर बोरो और ज़ोरो के साथ ही आ जाना चाहिए था। धर्मा को इन लोगों पर कुछ संशय हो रहा था।

"मालिक लौरा ने खुद ने सुना। वो वहीँ पर थी जॉली के साथ जब डायस का इरीट्रिया से सन्देश आया था।"

"क्या आपके पास जनक 290 के अलावा भी कोई और स्पेस शिप है।" धर्मा ने कुछ देर सोचने के बाद बोला।

"तुम क्या सोच रहे हो धर्मा।" बोरो ने धर्मा से प्रश्न किया।

"मेरे ख्याल से आप जनक 290 को इरीट्रिया की तरफ भेज दो।" धर्मा ने तपाक से जवाब दिया।

उसके इस जवाब ने प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा, ज़ोरो और लौरा सभी को असमंजस में डाल दिया। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वो क्या बोल रहा था।

"ये क्या बकवास है?" प्रोफेसर बोरो ने गुस्से में बोला।

"और हम किसी और स्पेस शिप से कही और चले जाते है।" धर्मा ने शांत रहते हुए अपनी बात पूरी की।

"क्या पागलपन है।" प्रोफेसर बोरो चिल्लाये। "जनक 290 हमारा सबसे विकसित स्पेस शिप है। जो प्रकाश गति से 7000 गुना तेज चलता है। इसके अलावा बाकि हमारे सभी शिप मात्र प्रकाश गति से 100 गुना तेज उड़ सकते है। अजय सेना के स्पेस शिप जो जनक 290 जितना तेज उड़ते है, हमें आसानी से पकड़ लेंगे।"

"सोचिये यदि आप अजय सेना के कमांडर होते तो आप क्या सोचते।" धर्मा ने शांत स्वभाव से उत्तर दिया। "उनको पता है लौरा हमारे पास है। उस दूसरे जासूस ने अब तक तो ये डायस को बता ही दिया होगा।“

"धर्मा तुम क्या कहना चाहते हो?" लेडी तारा बोली। उसको समझ आ गया था की धर्मा ने कुछ प्लानिंग कर ली थी। धर्मा के साथ कुछ समय बिताने पर ही लेडी तारा उसकी फैन हो चुकी थी। उसे विश्वास था की धर्मा मुश्किल परिस्थिति को भी आसानी से पार करने की कला जानता था।

"आप लोग सोचो," धर्मा ने सबको मानसिक सन्देश भेजे और बोला, "जब उनको पता है लौरा हमारे पास है और सुरक्षित है तो लौरा ने हमें बता दिया होगा की अजय सेना मेज़ोल पर आने वाली है। उनको नहीं पता की लौरा को होश में आने में इतना समय लगा होगा। उनको नहीं पता जॉली ने लौरा को कितना टार्चर किया था।"

धर्मा ने लौरा की ओर देखा और वो भी बाकि लोगो की ही तरह कन्फ्यूज्ड थी। उसे समझ नहीं आ रहा था की धर्मा क्या चाहता है। उनके पास जनक 290 है और उसने इनको बता दिया है की अजय सेना आने वाली है फिर भी धर्मा जनक 290 को छोड़ किसी दूसरे स्पेसशिप में कही जाने की बात कह रहा था। धर्मा या तो बहुत ही ज्यादा कुटिल है या अत्यधिक मुर्ख।

"उससे क्या साबित हुआ।" बोरो चिल्लाया। उसे धर्मा का यह पहेली बुझाने वाला स्वांग बिलकुल पसंद नहीं आ रहा था।

"सिर्फ ये की अजय सेना के कमांडर को क्या लगेगा। क्या होना चाहिए प्रोफेसर बोरो का कदम।" धर्मा ने प्रोफेसर बोरो से प्रश्न किया।

बोरो सोच में पड़ गया।

"तुम ही बताओ सन ऑफ़ गॉड।" बोरो ने मंदे स्वर में बोला।

"अजय सेना के कमांडर को पता चल गया होगा की लौरा ने प्रोफेसर बोरो को बता दिया है की अजय सेना मेज़ोल पर आने के लिए इरीट्रिया से निकल चुकी है। अजय सेना को मेज़ोल आने में जितना समय लगेगा उतना ही समय है प्रोफेसर बोरो के पास।" धर्मा ने फिर से अपनी बात को दोहराया।

"तो इससे क्या साबित हुआ।" प्रोफेसर बोरो ने झिल्लाकर कहा।

"यह की प्रोफेसर बोरो का स्वाभाविक कदम होगा की जनक 290 से कहीं और भाग जाओ। " धर्मा बोला।

"और जनक 290 को वो लोग ट्रेस कर सकते है।" ज़ोरो बोला। वो इतनी देर चुप रह कर समझने की कोशिश कर रहा था की आखिरकार सन आफ गॉड क्या प्लान कर रहे थे।

"अजय सेना को यदि जनक 290 की ट्रेल मिल गयी होगी, जो की काफी संभव है मिल गयी हो, क्योंकि यह ही एक मात्र स्पेस शिप है जो पैरेलल यूनिवर्स से आया है, तो वो जनक 290 का पीछा करेंगे।" धर्मा बोला।

"यदि अब जनक 290 इरीट्रिया जा रहा होगा तो अजय सेना का कमांडर सोचेगा की बोरो और साथी भी इरीट्रिया जा रहे है।" प्रोफेसर बोरो उत्साहित होकर बोले, "वो जनक 290 का पीछा करके उसको पकड़ लेंगे। परन्तु उसमे हम नहीं होंगे। हम किसी और स्पेसशिप में जिसकी कल्पना भी अजय सेना ने नहीं की होगी उसमे होंगे।"

"और कुछ दिनों बाद वापस मेज़ोल में आ जायेंगे। उस जासूस को भी ख़त्म कर देंगे।" ज़ोरो ने ख़ुशी ख़ुशी बोला।

"हाँ या फिर हम मेज़ोल छोड़ेंगे ही नहीं। हम यही रहेंगे और Xor और इरीट्रिया के युद्ध की कहानी सुनेंगे।" धर्मा ने बोला और आराम से एक सोफे पर जाकर बैठ गया।

प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा, लौरा, ज़ोरो सभी भौचक्के रह गए। जो समस्या उन लोगो को इतनी बड़ी लग रही थी, उसे धर्मा ने आसानी से सुलझा दिया। उन लोगो को यकीं ही नहीं हो रहा था की धर्मा इतनी आसानी से किसी भी समस्या का समाधान कैसे निकल लेता है। क्या वो वास्तव में सन आफ गॉड है। अब तो बोरो को भी यकीं हो रहा था।

"आप आगे सुनाइए कोलार्क और जैसन ने इरीट्रिया पर क्या क्या किया।" धर्मा ने लेडी तारा की और देखकर कहा।

&

कुछ ही दिनों में गिरी पर्वत पर फैक्ट्री का आउटलाइन बन गई थी। अजय सेना के सभी 100 के 100 सैनिक अब उस फैक्ट्री के आस पास अपना एक किला बना चुके थे। वो सब अब उस फैक्ट्री और उसके पास किले-नुमा भवन में ही रहते थे। अजय सैनिक बीच बीच में जाकर हेयस के अलग अलग शहरों को तबाह करते रहते थे परन्तु काफी हद तक अब सबका लक्ष्य फैक्ट्री और स्पेसशिप्स के निर्माण पर ही था।

हेयस पर अजय सेना के अनियमित और अकस्मात हमले हालाँकि हेयस के लोगों और सेना में डर बैठाने के लिए काफी थे। इसलिए महाराजा समुद्र तल स्थित लेनोगो शहर में शरण लिए हुए था और वही से ऑपरेट कर रहा था। उसने अपना एक ऑफिस वहां बना लिया था। परम गुरु का वो अच्छा दोस्त था।

महाराजा इस समय परमगुरु के दफ्तर में आया हुआ था और परम गुरु, उसके मुख्य शिष्यों, लेनोगे शहर के प्रशासनिक अधिकारीयों और समुद्री सेना के मुख्याओं के साथ बैठा हुआ था। महाराजा ने वो सूट पहन रखा था जिससे समुद्र तल पर वह आराम से रह सकता था।

उसने परम गुरु को बोला, "उन एलियंस ने गिरी पर्वत पर फैक्ट्री बना ली है। मेरी सर्वेलन्स टीम ने बताया है की उनके सभी सैनिक अब वहीँ है और वो महा-घमंडी राक्षस रुपी जैसन भी वही हैं।" महाराजा के स्वर में उग्रता और रोष था।

"हाँ महाराजा, ये तो बहुत ही अच्छा हुआ की वो एलियन और उसके दुष्ट सैनिक सब एक जगह एकत्रित हो गए।" परम गुरु ने अपनी बुलंद आवाज़ में बोला।

"आप अपने लोगो को बोलिये की अग्निहिलटर का इस्तेमाल कर उस एलियन को नष्ट कर दे।" महाराजा ने परम गुरु से प्रार्थना की।

"बिलकुल महाराजा मैं अपने लोगो को बोलता हूँ अग्निहिलटर को तैयार करने के लिए।" परम गुरु ने कहा।

"परन्तु परम गुरु हमने अग्निहिलटर को निर्वापित किया हुआ है।" समुद्री सेना के सेनाध्यक्ष बोला जो अग्निहिलटर का संचालक भी था और परम गुरु का परम शिष्य।

"निर्वापित..." महाराजा को समझ नहीं आया की इस शब्द का क्या मतलब है।

"महाराजा, अग्निहिलटर को हम निर्वापित मतलब बुझा कर ही रखते हैं और केवल आपातकाल में ही प्रज्चलित करते है, और ऐसे प्रज्चलन में तकरीबन 8-10 दिन लग जाते है।" परम गुरु ने महाराजा को समझाया।

"परन्तु आपने तो कहा था की यदि एलियन आये तो आप अग्निहिलटर का प्रयोग करेंगे।" महाराजा बोला।

"हाँ महाराजा।" परम गुरु ने सांत्वना भरे शब्दों में बोला, "और मैंने अग्निहिलटर को प्रज्चल्लित करने का आदेश देने का मन बना भी लिया था परन्तु तभी मैं एडमिरेर से मिला और..."

"मैं समझ गया परम गुरु।" महाराजा बोला।

एडमिरेर से मिलने के बाद किसी के मन में ये ख्याल ही नहीं आया था की उससे युद्ध भी करना पड़ेगा, परन्तु उस क्रूर, बददिमाग और शैतान की संतति जैसन ने ऐसी परिस्थिति उतपन्न कर दी थी की उनके पास उसके साथ एडमिरेर को भी नुक्लेअर बम से उड़ाने के सिवा और कोई विकल्प नहीं था।

"मैं फिर ज्योति को बोलता हूँ की नुक्लेअर हमला किया जाए।" महाराजा ने कुछ देर सोचने के बाद बोला।

"हाँ। और मैं भी अपने लोगो को अन्निहिलटर को प्रज्चलित करने के लिए बोल देता हूँ।" परम गुरु ने अपने सेनाध्यक्ष की ओर देखते हुए कहा।

महाराजा ने ज्योति को वीडियो कॉल लगाया और जल्द ही ज्योति कॉल पर आ गयी। वो किसी बंकर में छुपी हुई थी। अजय सेना का कहर इतना ज्यादा था की ज्योति के सारे प्रमुख सैनिक यहां वहां अपनी जान बचाने को मज़बूर थे।

ज्योति ने महाराजा और परमगुरु को सैलूट किया।

महाराजा ने ज्योति के सैलूट का जवाब दिया और कहा, "ज्योति हमारे नुक्लेअर वेपन्स तैयार हैं।"

"महाराजा हमें बहुत मुश्किल हो रही है।" ज्योति ने बहुत ही उदासी भरे स्वर में कहा।

"क्यों?" महाराजा चौंका और बोला।

"एलियन सैनिक घूम घूम कर और उड़ उड़ कर अलग अलग शहरो में घातक हमले कर रहे है। उन लोगों के कारण मेरी पूरी सेना तित्तर बित्तर हो रखी है।"

"तो इससे नुक्लेअर वेपन का क्या कनेक्शन?" महाराजा ने सकपकाते हुए पूछा।

"हमें हमारे नुक्लेअर वेपन को इनस्टॉल करके चलाने के लिए एक शांत जगह चाहिए। नुक्लेअर वेपन्स का गलत इस्तेमाल न हो जाए इसलिए उसके हर पार्ट्स अलग अलग जगह पर है।" ज्योति बोली। उसके स्वर में अजीब सा डर और बैचेनी थे।

"तो तुम ये कह रही हो की एलियन सैनिक हमले करते रहेंगे तो हम कभी भी नुक्लेअर वेपन को इनस्टॉल नहीं कर पाएंगे।" महाराजा ने गुस्से से बोला।

"सर, दिक्कत ये है की एलियन सैनिक हमारी सेना के लोगों को स्कैन कर लेते है और हम पर हमला कर देते हैं। जब तक हम कहीं किसी बंकर या गुफा आदि में छुपे हैं उनसे बचे हुए हैं परन्तु जैसे ही हम बाहर निकलते हैं, उनका शिकार बन जाते हैं।"

"ऐसे तो हम कभी भी उन्हें नहीं हरा पाएंगे।" महाराजा को अफ़सोस और गुस्सा दोनों था।

परम गुरु और उसके साथी भी सारी बातें सुन रहे थे। उनको समझ आ गया था की जमीनी लोग चाह कर भी कुछ नहीं कर सकते थे। वो कमज़ोर थे और नुक्लेअर वेपन्स की बड़ी बड़ी बाते करने वाले पूरी तरह से समुद्री जींवो पर रक्षा के लिए आश्रित थे।

"हम मदद करते हैं।" परम गुरु बुलंद आवाज़ में बोले। हालाँकि उनके चेहरे पर जमीनी लोगों की मदद करने का घमंड साफ़ झलक रहा था। महाराजा को ऐसे एक्यान लोगों की मदद लेना अच्छा नहीं लग रहा था परन्तु महाराजा बहुत ही शातिर खिलाडी था। अपने मतलब के लिए वो किसी को भी बाप बना सकता था। और परम गुरु से तो उसे उम्मीद थी ही की वो उसे बचा लेंगे। महाराजा अपना स्वाभिमान बिलकुल ही लुटा चूका था।

"धन्यवाद परम गुरु।" महाराजा ने मिमियाते हुए बोला।

"कोई बात नहीं महाराजा। हमें पता है तुम जमीनी लोग कभी भी इतने ताकतवर नहीं थे की किसी ऐसे खतरनाक मुसीबत का सामना कर सको।"

महाराजा कुछ नहीं बोला। ज्योति को भी परम गुरु का ये घमंड पसंद नहीं आ रहा था परन्तु वो चुप थी। जब हेयस का सबसे ताकतवर सत्रप ही परम गुरु की गोद में शरण लेकर बैठा था तो और क्या किया जा सकता था।

"परम गुरु आप कैसे मदद करेंगे, अन्निहिलटर का इस्तेमाल करके।" ज्योति ने आशापूर्ण स्वर में बोला।

"नहीं ज्योति। अभी अन्निहिलटर के प्रयोग में कम से कम 10 दिन का समय है।" परम गुरु ने कहा।

"10 दिन में तो वो एलियन हम सब का नाश कर देगा। महाराजा रोज़ हमारा एक शहर खँडहर हो रहा है।" ज्योति ने प्रार्थना करते हुए कहा। वो अत्यधिक चिंतित और अश्मीभूत थी।

"हम समुद्र से अनेको हमले उस फैक्ट्री पर करते है। इससे उसका ध्यान तुम पर से हट कर हम पर आ जाएगा और मैं उस एलियन के कमांडर को चुनौती भी दे देता हूँ। उसने कहा था वो मुझ जैसे मछली को फ्राई करके खा सकता है।" परम गुरु ने अपनी बुलंद आवाज़ में एक एक शब्द पर ज़ोर देते हुए कहा।

ज्योति और महाराजा को थोड़ी राहत मिली। एक बार वो अपने नुक्लेअर वेपन को सज्ज कर लें फिर वो उस घमंडी शैतान से हेयस की तबाही का बदला लेंगे।

हालाँकि परम गुरु को नहीं पता था की वो कितना बड़ा खतरा उठाने जा रहा था। अब तक कोई भी हमला समुद्र के अंदर नहीं हुआ था। परम गुरु को नहीं पता था वो किस महाशक्ति से टकराने जा रहा है। महाराजा खुद डर के मारे समुद्र में छिपा हुआ था। परम गुरु अपने बड़बोलेपन और दिखावे की बहुत ही बड़ी कीमत देने वाला था।

&

परम गुरु का आदेश हुआ और एक तरफ अग्निहिलटर को प्रज्वल्लित किया गया और दूसरी तरफ समुद्र से अनेकों हमले गिरी पर्वत पर बनी जैसन की फैक्ट्री और किले पर हुए। अग्निहिलटर को पूर्ण रूप से प्रज्वल्लित होने में काफी समय था और उसका प्रयोग तो और भी बाद की बात थी। इधर समुद्री एक्यान सेना के ये बेजान हमले फैक्ट्री का कुछ ख़ास नहीं बिगाड़ पाए। परम गुरु की चुनौती भी मीडिया वाले भर भर के दिखा रहे थे जहाँ परम गुरु बोल रहे थे की यदि एलियन में दम है तो वो लेनोगे पर हमला करे। वहां भी ब्लैक स्टोन का भंडार है।

जल्द ही जैसन तक खबर पहुँच गई की समुद्री एक्यान सेना फैक्ट्री पर हमले कर रही है। जैसन की अजय सेना ने हेयस को तो बहुत नुक्सान पहुँचाया था परन्तु समुद्र तल अभी जैसन की महाशक्ति से अनजान था। उसने जैसन का गुस्सा और कहर नहीं देखा था।

जैसन एडमिरेर के साथ बैठा था और आर्टफिशयल स्क्रीनलेस डिस्प्ले पर लोकल मीडिया की खबरे देख रहा था। उसे समझ आ रहा था की वो मुर्ख मछली जिसे लोग परम गुरु कहते हैं उसे चुनौती दे रहा था। जैसन का मनोवैज्ञानिक संतुलन पहले से ही बिगड़ा हुआ था और वो एक अति क्रूर और तुनक मिज़ाज़ व्यक्ति बन गया था।

"एडमिरेर 50 अजय सैनिकों को लेनोगे भेजो और परमगुरु को पकड़ कर मेरे पास ले कर आओ।" जैसन चिल्लाया। उसने वो स्क्रीनलेस डिस्प्ले बंद कर दिया था।

"जैसन हमारी फैक्ट्री जोर शोर से बन रही है। जमीन पर हम लगातार हमले कर रहे है ताकि ये लोग हम पर कोई भी हमला न कर सके। यदि हमने समुद्र में हमला किया तो जमीन वालो को मौका मिल जाएगा हम पर नुक्लेअर हमला करने का।" एडमिरेर बोली। वो समझ चुकी थी की क्यों परम गुरु अब

ऐसी चुनौती दे रहा था और क्यों अब समुद्र तल से हमले गिरी पर्वत पर हो रहे थे।

"एडमिरेर तुम इतनी कमज़ोर कैसे हो गयी हो।" जैसन चीखा। "हमारी डिफेन्स शील्ड ऑन है और साथ ही कोई भी हमला हमारे ऑटो-सकर को भेद नहीं सकता। तुम मुझे वो बिगड़ैल मछली ला कर दो बस।"

जैसन बहुत ही ज्यादा आक्रामक और गुस्सैल हो गया था। उसको एडमिरेर की तर्कसंगत बातें भी समझ नहीं आ रही थी। परन्तु एडमिरेर को पता था की जैसन ने जो एक बार सोच लिया वो सोच लिया। एडमिरेर ने सर हिलाया और वहां से उठ कर चली गई।

एडमिरेर ने अपनी अजय सेना को आदेश दे दिया था। जमीन पर हमले बंद हो गए, क्योंकि हेयस का अधिकतर भाग अब धुल और अंगार का गुबार बन गया था, इसलिए एडमिरेर ने उन अजय सैनिकों को समुद्र तल पर हमले का आदेश दे दिया था। 25-25 अजय सैनिकों की दो टुकड़ी समुद्र तल की तरफ रवाना हो गयी थी। बाकि 50 सैनिक फैक्ट्री की रक्षा में लगे थे।

25-25 सैनिकों की ये दो टुकड़ियां जल्द ही समुद्र तल स्थित लेनोगे शहर पर पहुँच गयी। जैसे ही वो लेनोगो शहर की बाह्य सीमा में घुसे उन पर अनेकों घातक हमलों से आक्रमण हुआ। एक्यान सेना को लगा था की पानी के इतना अंदर ये अजय सैनिक बेकार होंगे और युद्ध नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कभी भी किसी जमीनी सेना को समुद्र तल पर हमला करते नहीं देखा था। परन्तु ये Xor की अजय सेना थी, एक ऐसी सेना जो कभी भी कहीं भी युद्ध कर सकती थी और जो सेना क्रूर अंतरिक्ष में युद्ध कर सकती हो उसके लिए समुद्र तल क्या ही मुश्किलें पैदा करेगा।

वो घातक हमले अजय सैनिकों के फोर्स फील्ड को भेद नहीं पाए। अजय सैनिकों के घातक लेज़र और प्रिसिशन मिसाइल्स ने उन हमलावरों को

कुछ मिनटों में ही समाप्त कर दिया। डीप सी टैंक्स जो समुद्री सेना के सबसे घातक हथियार थे ऐसे पिघल रहे थे मानो गर्म छुरी मख्खन को काट रही हो। लेनोगे का पहली डिफेन्स लाइन को अजय सेना ने कुछ ही मिनट में लाँघ लिया था।

लेनोगे के सेनाध्यक्ष ने अब अपनी तकरीबन पूरी फ़ौज उन सैनिकों को मारने के लिए भेज दी थी। दस हज़ार से भी ज्यादा एक्यान सैनिक अपने अंडर वाटर वॉर-स्कूटर पर बैठे थे और बहुत सी घातक मिसाइल से लेस अल्टीमेट बैटल-मोबील वहां आ गए। एक्यान सैनिको ने परम घातक मिसाइल तथा अनेकों गोलियों से अजय सेना का स्वागत किया परन्तु यह सब उनकी फोर्स फील्ड के आगे बेकार था। अजय सैनिको की प्रिसिशन लेज़र ब्लास्ट्स ने कुछ मिनिट में ही इन अल्टीमेट बैटल-मोबील को ढेर कर दिया और कई हज़ार एक्यान सैनिकों को चुन चुन कर उनके ह्रदय के आरपार लेज़र फायर कर दिया। अजय सैनिकों के स्कैन और प्रिसिशन फायर इतने सटीक थे की हज़ारो लेज़र फायर होते और कोई भी लेज़र फायर खाली नहीं जाता था।

एक्यान सैनिकों ने ऐसा कभी कुछ भी नहीं देखा था जहां उनके वार दुश्मन के फोर्स फील्ड को पार ही नहीं कर पा रहे थे और दुश्मन का एक एक लेज़र ब्लास्ट उनके कवच को भेदता हुआ उन्हें मौत की नींद सुला रहा था। लेनोगो शहर की महान एक्यान सेना की दूसरी डिफेन्स लाइन भी बहुत ही आसानी से पार हो गयी।

बहुत से सैनिक अब वहां उनका आखरी हथियार ले कर आये - दी ग्रेट कैनन - एक ऐसी तोप जो पृथ्वी के नुक्लेअर बम के सामान ही मिसाइल छोड़ती थी। अजय सैनिको के स्कैनर ने बता दिया था की इस तोप से जो फायर होगा वो उनकी फोर्स फील्ड को शायद भेद सकता था।

फायर हुआ और वो 50 अजय सैनिक आवाज़ की गति से भी अधिक गति से महान समुद्र में चारो और फ़ैल गए और उस तोप का फायर अंततः

समुद्र के तल पर दूर जाकर गिरा और वहां बहुत ज्यादा नुक्सान पहुँच गया। इससे पहले दी ग्रेट कैनन फिर से चल पाती एक मिनी नुक्लेअर बुलेट ने उसको नेस्तोनाबूद कर दिया।

लेनोगो की महान सेना की आखरी उम्मीद भी ख़त्म हो चुकी थी। अजय सैनिकों ने बिना वक्त जाया किये वहां जितने भी एक्यान सैनिक थे उनको एक एक कर टारगेट किया और सबकी इहलीला समाप्त कर दी। आधे घंटे से भी कम समय में लेनोगो शहर की सुरक्षा कवच को अजय सेना ने भेद लिया था।

अब बारी थी इस सुन्दर शहर को कब्रिस्तान बनाने की और अजय सेना ने वो काम बखूबी प्रारम्भ कर दिया। ब्लैक स्टोन का भण्डार लेनोगो शहर से कुछ मील दूर था और कुछ अजय सैनिकों ने उस स्थान को अपने कब्जे में ले लिया और बाकी सैनिक लेनोगो को शमशान बनाने में लग गए। उनके मिनी नुक्लेअर बुलेट्स और बहुत घातक मिसाइल प्रलयंकारी तबाही मचा रही थी। कुछ ही समय में मानो लेनोगे पर आग बरसने लगी। समुद्र के तल पर आग की बारिश भी हो सकती है ये उन मछलियों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था।

Xor ने बहुत तरक्की कर ली थी। वो कहीं भी तबाही मचा सकते थे। परम गुरु ने बहुत बड़ी गलती कर दी थी। अब तक केवल हेयस के लोग ही अजय सेना का कहर झेल रहे थे, समुद्र तल पर जन जीवन सामान्य था - परन्तु अब नहीं। लेनोगे पर चारो तरफ तबाही का मंजर था। ब्लैक स्टोन की खदान पर अजय सेना ने कब्ज़ा कर लिया था।

लेनोगो के लोग त्राहि त्राहि कर रहे थे। परम गुरु अपने कार्यालय में महाराजा और सेनाध्यक्ष के साथ बैठा था। परम गुरु को समझ ही नहीं आया की ये क्या हो गया। वो बुरी तरह से कांप रहा था। उसके सामने उसका शहर इस बुरी तरह जल रहा था। परम गुरु ने सेनाध्यक्ष को देखा और पूछा, "अन्निहिलटर ही अब आखरी उम्मीद है।"

सेनाध्यक्ष ने कहा, "सर उसे प्रज्चलित कर दिया गया है परन्तु मुझे नहीं लगता की हमें उसके इस्तेमाल का मौका मिलेगा।"

सेनाध्यक्ष ने अपने सामने लगी बड़ी स्क्रीन की तरफ इशारा किया और परम गुरु को दिखाया की दो अजय सैनिक उनकी तरफ आ रहे थे। अजय सैनिकों के स्कैनर ने पता लगा लिया था की परम गुरु कहाँ छिपा था और उसे पकड़ने के लिए वो उसके कार्यालय आ चुके थे। हालाँकि वो कार्यालय अति सुरक्षित था परन्तु अजय सेना के लिए नहीं। वो उन मुर्ख मछलियों की कल्पना से भी ज्यादा शक्तिशाली थे। परम गुरु, महाराजा और सेनाध्यक्ष किसी को भी भागने का मौका नहीं मिला। सभी लोगों के देखते ही देखते एक अजय सैनिक उनके सामने मौत का दूत बन कर खड़ा था।

उस सैनिक ने एक फायर किया और सेनाध्यक्ष वहीँ मौत के घाट उतर गया। परम गुरु और महाराजा डर के मारे बुरी तरह कांप रहे थे। वो उस अजय सैनिक से माफ़ी मांग रहे थे परन्तु वो कुछ नहीं बोल रहा था। उसने एक लेज़र फायर किया, महाराजा और परम गुरु को लगा उनका अंतिम समय आ गया। परन्तु वो लेज़र फायर अलग था, उस फायर ने उन दोनों को एक लेज़र फंदे में बांध दिया था। दोनों को समझ आ गया था की ये सैनिक उन्हें जैसन के सामने प्रस्तुत करेगा।

उन दोनों को नहीं पता था की ये सैनिक एडमिरेर को लाइव फीड दे रहा था और एडमिरेर के इशारे पर ही कार्य कर रहा था। एडमिरेर ने ही महाराजा और परम गुरु को पकड़ कर लाने के लिए कहा था, मारने के लिए नहीं।

अजय सेना के पांच सैनिक उस ब्लैक स्टोन की खदान के पास रुक गए और बाकि चार लेनोगे और अन्य समुद्र तल के शहरों पर कहर बरपा रहे थे। एक सैनिक परम गुरु और महाराजा को पकड़ कर जैसन के पास ले जा रहा था।

बाकि सभी सैनिको को एडमिरेर ने वापस फैक्ट्री आ जाने का आदेश दे दिया था।

परम गुरु को लग गया था की वो एलियन अब नाश्ते में उसे ही खायेगा। उसने बहुत बड़ी मूर्खता कर दी थी। उसने अपने बड़बोलेपन के कारण न सिर्फ अपनी जिंदगी अपितु पूर्ण समुद्र नगरी को दांव पर लगा दिया था। जब वो अजय सैनिक किन्हीं जेब कतरो की तरह महाराजा और परम गुरु को लेज़र फंदे में बांध कर घसीटते हुए समुद्र तल से ऊपर उठ रहा था तब महाराजा ने परम गुरु को कहा, "अब आखरी उम्मीद ज्योति ही है, काश हमारा नुक्लेअर हमला सफल हो जाए।"

परम गुरु ने कुछ भी नहीं कहा। वो उस वक्त को कोस रहा था जब उसने इस मुर्ख महाराजा की मदद करने की सोची। उसको नहीं पता था की जैसन की अजय सेना को अजय क्यों कहते हैं। उसने अब देख लिया था ये वो लोग हैं जो कही भी युद्ध जीत सकते थे। परम गुरु ने बिना बात के समुद्र तल पर सामान्य चल रहे जीवन को अपने अहंकार में आकर तबाह कर दिया था। परम गुरु अपने आप को कोसे जा रहा था।

&

कुछ घंटो के लिए हेयस पर अजय सेना के हमले बंद हो गए थे। ज्योति को महाराजा ने समुद्र तल पर अजय सेना के कहर की खबर दे दी थी। ज्योति को पता था की समय बहुत ही कम हैं, परन्तु इतने कम समय में भी ज्योति और उसके कुछ चुनिंदा सैनिको ने नुक्लेअर वेपन के पुर्जे जोड़ लिए थे। जो काम सामान्यतः ज्योति की टीम 15-16 घंटो में करती वो उसने 2 घंटे में कर दिया था। ये शायद अपने आप में एक रिकॉर्ड था या जीवित रहने के लिए परिस्थिति की मांग। ज्योति को पता था की ये उसका आखरी मौका हैं। उसने गिरी पर्वत से 1100 किलोमीटर दूर हेयस के एक शहर पर नुक्लेअर वेपन को इंसटाल कर लिया था। उसकी बैलिस्टिक मिसाइल रेडी थी इस नुक्लेअर पे

लोड को ले जाने के लिए। ज्योति ने फायर का आदेश दिया और मिसाइल फायर हो गयी। ये मिसाइल मात्र तीन मिनट में अपने गंतव्य पर पहुँच जाएगी और फैक्ट्री के साथ साथ गिरी पर्वत का एक बहुत बड़ा हिस्सा तबाह कर देगी।

ज्योति की उम्मीद जल्द ही पूरी होने वाली थी। परम गुरु के बड़बोलेपन ने भले ही लेनोगो को तबाह कर दिया हो परन्तु उसने ज्योति को एक मौका दे दिया था अपना सबसे घातक हथियार का प्रयोग करने के लिए। मिसाइल अपने गंतव्य पर तेजी से बढे चली जा रही थी। ज्योति के दिलो की धड़कन तेजी से बढ़ रही थी। उसने अपने पंख निकाल लिए और वो हवा में उड़ गयी। उसकी उत्तेजना इतनी ज्यादा थी की वो जमीन पर पाँव रख ही नहीं पा रही थी। वो पंखो को अकारण ही फड़फड़ाते हुए हवा में यहाँ वहां लहरा रही थी।

अब केवल कुछ ही सेकंड बचे थे। ज्योति स्क्रीन के पास चिपकी हुई थी। उसे ये नज़ारा देखना था की कैसे वो क्रूर एलियन जिसने हेयस को तबाह किया, धुए के गुबार में विलीन हो जाता हैं। ज्योति को दुःख था की एडमिरेर जैसी अच्छी लड़की भी मौत के घाट उतर जाएगी पर गेंहू के साथ धुन तो पिस्ता ही हैं।

10 – 9 – 8 – 7 - काउंटडाउन स्टार्ट हो चूका था और तभी हुआ एक धमाका। ज्योति की आँखे फटी की फटी रह गयी। फैक्ट्री के अंदर से पता नहीं कहाँ से एक लेज़र आयी और उसने उस मिसाइल को नष्ट कर दिया और जो भी एनर्जी जेनेरेट हुई वो भी किसी बहुत ही अजीब सी मशीन ने सक कर ली। जैसन की डिफेन्स शील्ड को कुछ नहीं भेद सकता था और ऑटो सकर ने सारी एनर्जी और सारा रेडिएशन सक कर लिया था। फैक्ट्री को कुछ भी नुक्सान नहीं हुआ।

ज्योति को समझ ही नहीं आया उसकी नुक्लेअर बम से लेस बैलस्टिक मिसाइल ऐसे नष्ट हो कर सोख ली गयी जैसे कोई छिपकिली किसी छोटे से कीड़े को मौका पड़ते ही निगल जाती हैं।

एलियन के पास नुक्लेअर हथियार को भी सहने की और नष्ट करने की ताकत थी तो वो हेयस की सेना पर इतना हमला क्यों कर रहे थे। ज्योति को लगा था की हेयस पर हमले इसलिए हो रहे थे ताकि उन लोगों को नुक्लेअर हमले का मौका नहीं मिले। परन्तु यदि नुक्लेअर हमला इतनी आसानी से बेअसर कर देना था तो उन एलियंस को क्या डर था। ज्योति भोचक्का रह गयी और तेजी से जमीन पर आ गिरी। ये जंग वो लोग इतनी बुरी तरह से हार जायेंगे ज्योति को पता ही नहीं था।

ज्योति ने महाराजा को इस विफलता का सन्देश दे दिया था। महाराजा का दिल बैठ गया, उसने परम गुरु को भी बता दिया था की ज्योति का नुक्लेअर हमला विफल हो गया। परम गुरु ने महाराजा की बात को अनसुना कर दिया। वो तो उस दिन को कोस रहा था जिस दिन उसने इस मुर्ख जमीनी कीड़े को अपना दोस्त बनाया और इसे बचाने के चक्कर में समुद्री नगरी को दांव पर लगा दिया।

परम गुरु और महाराजा का अंतिम समय आने ही वाला था। वो सैनिक समुद्र की गहराइयों को चीरते हुए उन दोनों को ऊपर ले कर जा रहा था। परम गुरु और महाराजा को पता था की वो एलियन उन दोनों को मार डालेगा।

परम गुरु और महाराजा ने सोच रखा था की वो जैसन से माफ़ी मांग लेंगे और ब्लैक स्टोन दे देंगे। वो दोनों भूल गए थे की जैसन ने उनकी कितनी बेइज्जती की थी। वो अब जैसन के पैर पकड़कर माफ़ी मांगने को भी तैयार थे। वो अपनी भूल का प्रायश्चित करने को तैयार थे। वो ब्लैकस्टोन को पूरी तरह से जैसन को देने के लिए भी तैयार थे। वो दोनों उस सफर के दौरान ये ही सोच

रहे थे की कैसे वो जैसन से माफ़ी मांगेगे। दोनों को ही लगा की एडमिरेर ही वो मसीहा हैं जो उन्हें इस कहर से बचा सकती थी। वो एडमिरेर से माफ़ी मांगेगे और उससे ही विनती करेंगे की ये भयंकर तबाही रोक दी जाए। वो उस फैक्ट्री को बनाने में मदद भी करेंगे और जो भी जैसन बोलेगा वो ही करेंगे।

जैसन की सेना ने कुछ ही दिनों में हेयस के महान योद्धाओ की हवा निकल दी थी। जैसन जैसा खतरनाक कमांडर राल्फ ने ऐसे ही नहीं चुना था। परम गुरु और महाराजा दोनों का ही घमंड चूर चूर हो चूका था। ये थी अजय सेना - ये था जैसन का कहर। ये वो सेना थी जिसने पानी के अंदर एक्यान लोगों को कुछ मिनटों में ही हरा दिया था। उनका शहर लेनोगो जो उनका सबसे प्रमुख शहर था शमशान बन चूका था। अजय सेना के किसी सैनिक को खरोच भी नहीं आयी थी और एक्यान के हज़ारों सैनिक मौत की नींद सो रहे थे। उधर ज्योति की सेना का भी यही हाल था। उसके न जाने कितने सैनिक पिछले कुछ ही दिनों में मारे गए थे। अजय सेना वास्तव में अजय थी। उसको हराना तो दूर उसको कुछ मिनट के लिए रोकना भी हेयस और एक्यान सेना के बस का नहीं था। महाराजा और परम गुरु ने जैसन और अजय सेना को बहुत ही कम आँका था। जो सेना 1000 प्रकाश वर्ष दूरी से आयी थी उसको कम आंकने की गलती कोई मुर्ख ही कर सकता था। अब बस महाराजा और परमगुरु की एक ही उम्मीद थी - एडमिरेर। वो उससे माफ़ी मांग कर विनती करने वाले थे की वो उनको जैसन के कहर से बचा ले। वो कुछ भी करने को तैयार थे।

राल्फ को यदि ये सब लाइव दिख रहा होता तो वो बहुत ज्यादा खुश होता। जैसन ने कुछ ही दिनों में फैक्ट्री भी लगा दी थी, इरीट्रिया के लोगो को बता भी दिया था की अजय सेना से मुकाबला संभव नहीं है। जैसन आराम से इरीट्रिया पर जीत हासिल करके तेज गति के स्पेसशिप्स Xor पर रवाना कर ही देता ...

"यदि कोलार्क नहीं होता।" धर्मा बीच में अकस्मात बोल उठा।

“हाँ धर्मा”

"परन्तु इतनी खतरनाक सेना का मुकाबला कोलार्क अपने उन 25 मैकाबरों के दम पर कर पायेगा।" धर्मा ने प्रश्न किया।

"मैकाबर तो अजय सेना के पाँव की धुल भी नहीं थे।" तारा ने कहा।

"तो फिर कैसे कोलार्क जैसन को हरा पायेगा।" धर्मा ने विस्मित भाव से पूछा।

"धर्मा, महाराजा और परमगुरु के पास यदि कुछ कम था तो वो था विपरीत परिस्थितियों से लड़ने का हुनर।"

"जो कोलार्क के पास था।"

"हाँ धर्मा - कोलार्क ने अपने दम पर जैसन को चुनौती दी इन तुच्छ मैकाबरों के बल पर नहीं।"

"फिर तो ये कहानी वास्तव में रोचक होने वाली हैं।"

"हाँ धर्मा।"

लेडी तारा ने आगे का विज़न दिखाया।

&

परम गुरु और महाराजा को जब अजय सैनिक अपनी लेज़र रस्सी से बाँध कर समुद्र से ऊपर निकला ही था की उस पर एक जोरदार हमला हुआ और पहली बार किसी हमले का किसी अजय सैनिक पर कुछ असर हुआ। उसकी फोर्स फील्ड ने हमले से तो उस सैनिक को बचा लिया था परन्तु हमले का वेग इतना प्रचंड था की वो सैनिक कुछ दूर फिसल गया। उसकी लेज़र रस्सी और फंदा कमज़ोर पड़ गया क्योंकि वो मानसिक तरंगो द्वारा संचालित होता था।

इससे पहले की वो सैनिक कुछ समझता 10-12 मैकाबर सैनिक उड़ते हुए उसे चारों ओर से घेर लेते हैं और लेज़र के घातक हमले शुरू कर देते हैं।

महाराजा और परम गुरु जो अभी भी उस लेज़र रस्सी के फंदे में फंसे थे कुछ समझ नहीं पाते की क्या हो रहा था। ये कौन से सैनिक हैं जो एलियन सैनिक से लड़ रहे थे। अजय सैनिक उस हमले से कुछ विचलित हुआ और उसकी लेज़र रस्सी कमज़ोर हो गयी थी। दो मैकाबरों ने इस त्रुटि का फायदा उठाया और महाराजा एवं परम गुरु को उस लेज़र फंदे से छुड़ा लिया और जितना तेज़ हो सके वहां से भाग लिए।

महाराजा और परमगुरु को वो मैकाबर वहां से भगाकर ले गए थे। उन दोनों को कुछ समझ नहीं आ रहा था की क्या हो रहा था। ये कौन लोग थे जो उन्हें इस प्रकार इस कैद से छुड़ा कर ले जा रहे थे। और लेकर कहाँ जा रहे थे।

इधर वो अजय सैनिक समझ गया की मैकाबर उन दो तुच्छ जीवों को छुड़ाने के लिए ही आये थे। अजय सैनिक ने मैकाबर की वहां होने की कल्पना नहीं की थी इसलिए वो इस अचानक हमले से थोड़ा विचलित हो गया था। परन्तु वो एक अजय सैनिक था और ऐसी कठिनाइयाँ उसके लिए कोई बहुत मुश्किल नहीं थी। मैकाबर भी ये जानते थे और इसलिए जैसे ही महाराजा और परम गुरु उस सैनिक की कैद से छूट गए वो सारे मैकाबर भी वहां से जितनी जल्दी हो भाग लिए। उनको पता था की भले ही वो 10-12 की संख्या में हो यदि लड़ाई लम्बी चल गयी तो एक ही अजय सैनिक उन लोगों पर भारी पड़ेगा। ये थी अजय सेना और अजय सैनिक की प्रतिष्ठा। उनके दुश्मन भी उनसे बहुत ज्यादा घबराते थे, और ऐसी सेना को मुर्ख महाराजा और परम गुरु ने चुनौती दे दी थी।

अजय सैनिक ने मैकाबर के हमले और महाराजा और परम गुरु के भाग जाने की खबर तुरंत एडमिरेर को दे दी और एडमिरेर ने उसे तुरंत वापस आ जाने को कहा।

जैसन गुस्से से लाल पीला हो गया। "ये मैकाबर यहाँ कैसे आ गए। इसका मतलब कोई है जो आइवीश से यहाँ आया है। परन्तु महान राल्फ के होते हुए आइवीश के मैकाबर मेरा रास्ता रोकने क्यों आये है।" जैसन ने एडमिरेर को देखते हुए बोला। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था की ये क्या हो रहा था। सब कुछ ठीक चल रहा था अचानक से ये मैकाबर कहाँ से आ गए।

"मैं पता लगाती हूँ।" एडमिरेर बोली।

जैसन को खतरे का कुछ आभास हो रहा था। वैसे भी उसे अब इरीट्रिया आये कुछ 20 दिन हो गए थे। उसको किसी भी हाल में जल्द से जल्द स्पेसशिप बनाकर Xor रवाना करना होगा। जैसन ने अपने इंजीनियर-इन-चार्ज को सन्देश भेजा। जैसन के यन्त्र इतने ताकतवर थे की वो मानसिक सन्देश दूर कमरे में काम कर रहे इंजीनियर-इन-चार्ज को मिल गया और वो तुरंत ही जैसन के बड़े विशाल चैम्बर में आ गया।

"फैक्ट्री कब तक बनेगी और हम कब पहला अन्तियम शिप बना कर इरीट्रिया से रवाना कर सकते है।" जैसन ने बहुत ही उग्र स्वर में पूछा। उसको अपने इंजीनियर्स के काम में ढिलाई रास नहीं आ रही थी। उसको लग रहा था की उसके इंजीनियर्स बहुत ही ज्यादा समय ले रहे थे।

"सर मुझे कम से कम 60 दिन और लगेंगे।" इंजीनियर-इन-चार्ज थोड़ा डरते हुए बोला।

"क्या।" जैसन अत्यधिक गुस्से में बोला।" हमें 20-25 दिन हो चुके है और तुम्हें अभी 60 दिन और लगेंगे। जल्दी करो।"

जैसन ने हाथो से इशारा किया और इंजीनियर-इन-चार्ज को जाने के लिए बोला। वो जा ही रहा था की जैसन ने अचानक से उसकी गर्दन पकड़ ली और चिल्लाया, "यदि तुमने 50 दिन में शिप नहीं बनाया तो समझ लेना तुमको मैं समुद्र के तल में उस परमगुरु के साथ गाड़ दूंगा।"

जैसन ने झटके से उसकी गर्दन छोड़ दी। इंजीनियर-इन-चार्ज बहुत ज्यादा घबरा गया। जैसन जरुरत से ज्यादा ही एग्रेसिव और क्रूर हो रहा था। उस चक्कर में उसके अपने इंजीनियर्स और टेक्नीशियन घबरा गए थे। वो भी पहली बार ही ऐसा कोई जहाज बना रहे थे। इस अनावश्यक दबाव में गलती की सम्भावना ज्यादा थी।

जैसन को कुछ पूर्वाभास हो रहा था की प्लान सही तरीके से अमल में नहीं आ रहा। मैकाबर का उन तुच्छ कीड़ों को छुड़ा कर ले जाना, उसके इंजीनियर्स को इतना ज्यादा समय लगना जबकि उसके पास उन्नत रोबोट्स थे जो बिना थके काम करते रहते थे और इरीट्रिया पर जिस स्थान पर वो थे वहां सूर्य का प्रकाश भी था जिससे उसके रोबोट्स चार्ज भी होते रहते थे। इन सब के बावजूद जैसन को कुछ डर सताने लग गया था। क्यों वो इतना घबरा रहा था जबकि सब कुछ ठीक ही चल रहा था।

&

परम गुरु, महाराजा दोनों ही आश्चर्य चकित हो गए थे। उनको बचाने वाला मसीहा कौन था। उनके सामने एक स्वर्णिम त्वचा वाला बहुत ही सुन्दर व्यक्ति था। वो किसी देवता से कम नहीं लग रहा था। उसने परम गुरु और महाराजा, इरीट्रिया के दो सबसे महत्वपुर्ण लोगों को जैसन के बहुत बुरे टार्चर से बचाया था।

वो सब लोग योगी बाबा के साथ इस समय ग्रीन लैंड में थे। कोलार्क ने योगी बाबा की कुटिया को चुना था। कोलार्क ने पता लगा लिया था की योगी बाबा की कुटिया ही ऐसी जगह है जहाँ जैसन हमला नहीं कर रहा था। इरीट्रिया के लोगो की तरह जैसन ने भी फ्लेशी लोगो को दर किनार किया हुआ था।

परम गुरु एक तालाब में थे। यहाँ पानी के विशाल चैम्बर जैसी व्यवस्था करना संभव नहीं था। परमगुरु और बाकि सभी लोगो से कोलार्क

टेलीपैथी के जरिये बात करता था। ओला भी कोलार्क के साथ था और 25 मैकाबर सैनिक भी।

कोलार्क और बाकि सभी लोग पानी के तालाब के बाहर ही एक बड़े से बगीचे में बैठे थे। कोलार्क ने सब लोगो को टेलीपैथी की। "पहली गलती तुम लोगो ने यह की, की तुमने जैसन को बहुत कम आँका। उससे युद्ध करना तुम लोगो के बस की बात ही नहीं थी।"

"हम तो युद्ध करना ही नहीं चाहते थे। परन्तु जैसन ने जिस तरीके से हमसे बात की उसके बाद कोई चारा ही नहीं रह गया।" महाराजा बोला। वो कोलार्क के बिलकुल नज़दीक बैठा था।

"तुम्हारी और परम गुरु की यही परेशानी है। तुम लोग ईगो से चलते हो। यदि तुम ब्लैक स्टोन जैसन को नहीं देना चाहते थे तो—" कोलार्क ने कहा, परन्तु इससे पहले वो अपनी बात ख़त्म कर पाता, परम गुरु तालाब से चिल्लाये।

"अरे वो प्यार से मांगता तो हम दे देते।"

"तुम झूट बोल रहे हो। ब्लैक स्टोन के लिए तुमने फ्लेशी का कत्ले आम किया, ब्लैक स्टोन से तुम्हारे भगवान् की मुर्तिया बनती है तुम्हारे लिए ब्लैक स्टोन पूज्यनीय है।" कोलार्क ने प्रति प्रश्न किया। वो जानना चाहता था की ब्लैकस्टोन की इन लोगो की नज़रों में क्या कीमत है।

"हमारे लिए ब्लैक स्टोन पूज्यनीय है परन्तु मूर्ति बनने के बाद। यदि खदान से जो पत्थर निकलता है उसमे से ही कुछ हिस्सा हम देना चाहते तो दे देते।" महाराजा बोला।

"ठीक है यदि मैंने तुम्हें जैसन को हराने में मदद की तो क्या तुम मुझे ब्लैक स्टोन दे दोगे।" कोलार्क ने कठोर स्वर में बोला।

महाराजा और परम गुरु ने एक दूसरे की तरफ देखा। दोनों के पास कोई चारा ही नहीं था। दोनों ने ही जैसन का कहर देख लिया था। पूरा हेयस

जल रहा था और परम गुरु के बड़बोलेपन के कारण अब लेनोगे और समुद्र तल भी जल रहे थे। बचा था तो सिर्फ ग्रीन लैंड क्योंकि वहां किसी ने भी जैसन को चुनौती नहीं दी थी और ग्रीनलैंड के ही गिरी पर्वत पर जैसन ने फैक्ट्री और किला दोनों बना लिया था।

“मुझे जवाब मिल गया है। मैं जैसन को हराऊंगा और उसके बदले सारा का सारा ब्लैक स्टोन मेरा।“ कोलार्क ने निर्णयात्मक स्वर में कहा।

कोलार्क ने अपने आप ही सारा का सारा ब्लैकस्टोन अपने अधिकार में ले लिया था। महाराजा, परमगुरु, ज्योति, और सफायर किसी को भी कुछ भी कहने के लिए नहीं था।

कोलार्क ने योगी बाबा को वन टू वन (केवल योगी बाबा को) सन्देश भेजा और बोला, "हमें तुम्हारे बोफ को बढ़ाना होगा। इन मूर्खो की मूर्ति पूजा पूरी तरह ख़त्म करनी होगी।“

योगी बाबा को यकीं ही नहीं हो रहा था। पहली बार किसी ने फ्लेशी को इतनी इज्जत दी थी। परन्तु योगी बाबा को नहीं पता था की कोलार्क का प्लान बहुत ही बड़ा है। वो एक बहुत ही कुटिल व्यापारी था।

वहां एक लम्बी ख़ामोशी छा गयी। महाराजा और परम गुरु को अब लग रहा था की यदि वो थोड़ा संयम रखते और जैसन को ही ब्लैक स्टोन दे देते तो शायद ब्लैकस्टोन का कुछ हिस्सा जैसन इरीट्रिया वासियों के लिए छोड़ भी देता। परन्तु अब इस स्वर्णिम त्वचा वाले एलियन ने तो पूरा ही ब्लैकस्टोन ले लेने की बात की थी। परन्तु महाराजा और परम गुरु ने जैसन का कहर देख लिया था, उनके नुक्लेअर हथियार भी बेअसर थे और परम गुरु को शक था की क्या अन्निहिलटर भी जैसन की डिफेन्स शील्ड को पार कर पायेगा।

वो लोग जैसन से माफ़ी मांग लेना चाहते थे परन्तु उनको नहीं पता था की जैसन क्या करेगा। वो बहुत ही क्रूर था और अप्रत्याशित। इससे तो ये स्वर्णवर्णी एलियन शायद बेहतर विकल्प था।

जैसन ने कुछ ही दिनों में इरीट्रिया को बता दिया था की वो और उसकी अजय सेना क्या थी और क्या क्या कर सकती थी। दोनों की ही अब हिम्मत नहीं थी जैसन के साथ लड़ने की परन्तु यदि जैसन से युद्ध नहीं किया जाए तो दूसरा कोई विकल्प था ही नहीं। उस दरिंदे से युद्ध करना उन लोगो के बस की बात नहीं थी और उन्हें इस दूसरे एलियन का साथ चाहिए ही था।

महाराजा ने ख़ामोशी को चीरते हुए बोला, "तो अब क्या प्लान है।“

“सबसे पहले हमें ऑटो-सकर और डिफेन्स शील्ड ख़त्म करना होगा।“ कोलार्क ने कहा।

“वो क्या है।“ परमगुरु आश्चर्यचकित हो कर बोले।

“जैसन की फैक्ट्री ही उसका सब कुछ है। उसको ही ख़त्म करना होगा। परन्तु उसके लिए हमें उसके डिफेन्स को ख़त्म करना होगा।“ कोलार्क ने सब लोगो से कहा। उसकी टेलीपैथिक पावर गज़ब की थी, उसे जिन लोगो को ये सन्देश देना होता तो वो लोग ही उसकी बात सुन रहे थे बाकि लोग नहीं। फिलहाल वो ये सारे सन्देश महाराजा, परम गुरु, योगी बाबा, ज्योति और सफायर को ही दे रहा था। बाकी लोगो को कोलार्क की बाते नहीं सुनाई दे रही थी। वो लोग महाराजा या परम गुरु आदि के जवाब से ही अंदाज़ा लगा रहे थे की कोलार्क उनसे क्या बोल रहा होगा।

“तुम्हारे में से सबसे अच्छे पायलट कौन है।“ कोलार्क ने पूछा।

“मेरी फाइटर जेट विंग में बहुत से अच्छे पायलट्स है।“ ज्योति कोलार्क को देखते हुए बोली।

महाराजा को ये बात पसंद नहीं आयी। क्योंकिं ज्योति की फाइटर जेट विंग के सभी पायलट्स फ्लेशी थे। महाराजा को उनसे सख्त नफरत थी परन्तु वो चुप रहा।

“उनके लीडर से मैं मिलना चाहता हूँ।“ कोलार्क ज्योति की तरफ देख कर बोला। उसने पहली बार ज्योति और सफायर को ढंग से देखा था।

“वो यहीं है।“ ज्योति बोली।

ज्योति ने जोश को बुलाया। जोश फ्लेशी प्रजाति का लम्बा, सुडोल व्यक्ति था। वो वहां आ गया ओर उसने कोलार्क को सैलूट किया। कोलार्क ने जोश को देखा और मन ही मन कुछ प्लानिंग की। इधर महाराजा को ये बात बिलकुल पसंद नहीं आयी की जोश ने कोलार्क को सैलूट किया और उसे नहीं। साथ ही महाराजा को एक फ्लेशी के वहां होने से ही आपत्ति थी। माना की वो लोग योगी बाबा की कुटिया में बैठे हैं जो फ्लेशी लोगो का प्रतिनिधित्व करते है परन्तु फिर भी ये बे-पंखी कमज़ोर लोग वहां महाराजा के साथ बैठे हो ये बहुत आपतिजनक था। परन्तु महाराजा को अभी अभी कोलार्क के मैकाबरों ने क्रूर अजय सैनिक से छुड़ाया था। उसके पास कोई भी विकल्प नहीं था। वो चुप ही रहा। रह रह कर महाराजा के सामने वो भयावह दृश्य आ रहा था, जब वो अजय सैनिक महाराजा और परम गुरु को अपनी लेज़र रस्सी में बाँध कर समुद्र तल से पानी को चीरता हुआ उन्हें घसीटता हुआ ले कर जा रहा था।

"जोश हमारा सबसे उम्दा पायलट है। ये हर प्रकार के कृत्रिम विमान उड़ा सकता है।" ज्योति ने जोश की ओर देखते हुए बोला। उसकी आवाज में जोश के लिए एक अलग सा गर्व महसूस किया जा सकता था।

"परन्तु कृत्रिम विमान को अजय सेना के सैनिक देखते ही आसानी से लेज़र से उड़ा देते है। हम ऐंजलन लोग प्राकृतिक रूप से उड़ सकते है ओर अजय सेना को पता भी नहीं चलेगा की ये कोई सैनिक हैं या साधारण नागरिक।" सफायर बोली। उसे भी फ्लेशी लोगो से उतनी ही नफरत थी जितनी महाराजा को। कोलार्क को समझ आ गया था की सफायर नहीं चाहती की जोश को कोलार्क के द्वारा इतना महत्व दिया जाए।

"सुंदरी मेरा प्लान सुन तो लो; और हाँ मुझे तुम्हारी बहुत मदद लगेगी उस जैसन को हारने में। " कोलार्क ने सफायर को वन टू वन (केवल सफायर को) मानसिक संदेशा भेजा। कोलार्क जैसे शक्तिशाली एलियन का उस

फ्लर्टिंग अंदाज़ से उसे सन्देश भेजना सफायर को काफी पसंद आया। सफायर को पता था की किस प्रकार महाराजा जो समुद्र तल में छिप कर बैठा था को इस स्वर्णिम त्वचा वाले सुन्दर व्यक्ति ने ही बचाया था। सफायर को कोलार्क पहली नज़र में ही बहुत पसंद आ गया था।

"मुझे पता है अजय सेना क्या करेगी। " कोलार्क ने इस बार सब लोगो को सन्देश भेजा। कोलार्क ने चुप चाप केवल सफायर को मानसिक सन्देश भेजा था ये वहां उपस्थित किसी को भी मालूम नहीं पड़ा। "परन्तु मुझे वो लोग ही चाहिए जो बहुत तेजी से फाइटर जेट उड़ा सके। "

"सर मैं किसी भी प्रकार का जेट या विमान उड़ा सकता हूँ। हमारे पास बहुत तेज़ फाइटर जेट्स है और मैं उन्हें उड़ा सकता हूँ। " जोश ने गर्व भरे स्वर में बोला।

सफायर और महाराजा दोनों को ही जोश की बाते काँटों जैसे चुभ रही थी। महाराजा ने सफायर को देखा जो कोलार्क को ही घूरे जा रही थी।

कोलार्क ने उन सब लोगो को इग्नोर करते हुए जोश की तरफ देखते हुए बोला, "तुम्हें एक फाइटर जेट तेजी से फैक्ट्री के अंदर ले जाना है। साथ ही तुम्हारी तरह के बाकी बहुत से फाइटर जेट भी वहां हमला करेंगे। "

"परन्तु अजय सेना तो आसानी से हमारे फाइटर जेट को मार गिराएगी। वो लोग हमारे विमानों की गति से बहुत तेज़ उड़ते है।" ज्योति ने कहा।

"हाँ ज्योति मुझे पता है। " कोलार्क बोला। "परन्तु जिस समय ये फाइटर जेट हमला करेंगे उसी समय पूरी हेयस की सेना के साथ फैक्ट्री पर अपनी पूरी शक्ति से जमीनी हमला करेंगे। तुम्हारे सारे टैंक्स, सारी बख्तरबंद गाड़िया, सारे सेन्टारस सैनिक अपने शरीर पर बम बांधे हुए तेजी से भागते हुए जायेंगे और सारे ऐंजलन सैनिक जो भी अपने शरीर पर बम बांधे हुए होंगे तेजी से हवाई हमला करेंगे।"

ज्योति, महाराजा और अन्य किसी को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था। परन्तु वो सब लोग चुप ही रहे। उन्हें नहीं पता था की कोलार्क इस प्रकार के हमले से क्या हासिल करना चाहता था।

कोलार्क ने आगे बोला, " जोश तुम को तुम्हारा सबसे तेज फाइटर जेट तेजी से उड़ाना है और फैक्ट्री में ले जाना है। अजय सेना के सैनिक तुम्हें ट्रेस कर लेंगे और फायर करेंगे। मेरे मैकाबर कोशिश करेंगे की वो उन अजय सैनिको का ध्यान भटका सके। तुम्हें फैक्ट्री में जितना अंदर हो उतना अंदर जाना है। जैसन का आटोमेटिक सिस्टम तुम्हें डिटेक्ट कर लेगा और तुम पर बहुत से फायर करेगा। तुम्हें अपना फाइटर जेट छोड़ कर कूद जाना है और पैराशूट की मदद से फैक्ट्री में उतर जाना जाना।“

"इससे क्या फायदा हुआ।" ज्योति ने पूछा।

“जोश नीचे उतरेगा और उसने भी एक बम बाँध रखा होगा। वो उस बम को ब्लास्ट कर देगा। वो फैक्ट्री के अंदर होगा और ऑटो सकर उस बम की एनर्जी को सक कर लेगा, बस मुझे सकर के सिक्योर कुर्डियनेट्स मिल जायेंगे और मैं एक बग छोड़ दूंगा। वो वाइरस ऑटो सकर और डिफेन्स शील्ड दोनों को ही हैक करके बेकार कर देगा।" कोलार्क ने निर्णायक स्वर में बोला।

“परन्तु जोश को यदि उस दरिंदे ने जिन्दा पकड़ लिया तो वो इसे बहुत ही भयानक मौत देगा।“ ज्योति ने अकस्मात बोला। वो जोश को ले कर कुछ ज्यादा ही चिंतित थी।

“ज्योति सैनिक तो युद्ध में मरते ही है। मुझे नहीं लगता जोश को कोई आपत्ति है।“ महाराजा बोला। उसके स्वर में बनावटी दिखावा था।

जोश को पता था की महाराजा उसे पसंद नहीं करता परन्तु वो ये खतरा अपने गृह रश्मिधरा के लिए ले रहा था और साथ ही वो ज्योति के लिए कुछ भी कर सकता था। इतने वर्षो में हालाँकि उसने कभी भी ज्योति को बोला नहीं था परन्तु वो उसे बहुत पसंद करता था। ज्योति भी जोश को बहुत ज्यादा

पसंद करती थी और यदि वो एक फ्लेशी न होता तो दोनों शायद शादी भी कर लेते। परन्तु ज्योति जोश की रिलेशनशिप का आगे कुछ नहीं हो सकता था और दोनों ने इस बात को अब स्वीकार कर लिया था।

“बिलकुल नहीं सर। अपने प्लेनेट को एक क्रूर एलियन से बचाने के लिए ये फ्लेशी कुछ भी कर जाएगा।“ जोश बोला।

ज्योति का सीना चौड़ा हो गया। उसे जोश पर अत्यधिक गर्व हुआ।

“एक बार वो डिफेन्स सिस्टम हैक हो गया फिर तुम्हारे नुक्लेअर वेपन उस फैक्ट्री को डिस्ट्रॉय कर पाएंगे।“ कोलार्क ज्योति की ओर देखते हुए बोला।

किसी को कुछ समझ नहीं आया था। परन्तु किसी के पास कुछ भी पूछने या समझने का कोई मौका नहीं था। कोलार्क उस एलियन की टेक्नोलॉजी को समझता था और वो लोग नहीं। इसलिए कोलार्क जैसा कह रहा था वैसा ही उन लोगो को करना पड़ेगा।

"मुझे तुम्हारे ऑफिस ले चलो सफायर। तुम्हारे पास वो उपकरण होंगे जो मुझे चाहिए। " कोलार्क ने सफायर को देखते हुए बोला। हालाँकि इस बार उसकी आवाज़ सभी को सुनाई दे रही थी।

कोलार्क के मन में कुछ बहुत भयंकर प्लान बन रहा था। वो अकेला ही जैसन और उसकी अजय सेना को चुनौती देने 1000 प्रकाश वर्ष दूर आया था। उसके पास अब असफल होने का विकल्प नहीं था। उसे यहाँ पर जैसन को हराकर अपना ही शासन संभालना था।

सभा भंग हो गयी थी और सभी लोगो को अपनी अपनी जगह जाने की स्वतंत्रता थी। ज्योति और महाराजा एक गुप्त स्थान में जहाँ ज्योति छुपी थी चले गए और परम गुरु भी वापस लेनोगो शहर जाने की तैयारी करने लगा। उसी समय परम गुरु को कोलार्क का वन टू वन सन्देश प्राप्त हुआ।

"तुम्हारे साथ मेरा ये साथी ओला भी जाएगा।"

परम गुरु ने पहली बार ओला को ढंग से देखा था। मेंढाकार चेहरा, पतली टाँगे, पतले हाथ, तक़रीबन चार फुट की ऊंचाई लिए हुए ये बोना जिसके दो टेन्टेकल्स हवा में लटके हुए हैं और आँखों की जगह नेत्र वृन्द थे। ये इतना बेहूदा दिखने वाला प्राणी कौन था और परम गुरु उसे अपने साथ क्यों ले जाए।

"पूछ नहीं रहा हूँ बता रहा हूँ।" कोलार्क ने गुस्से में मानसिक सन्देश भेजा।

"परन्तु ये हमारे साथ समुद्री नगरी में क्या करेगा। " परम गुरु ने आश्चर्य से पूछा।

"मैं आपके अन्निहिलटर के बारे में सिंखुंगा। " ओला ने बोल कर परम गुरु को बताया।

परम गुरु के पांवो तले जमीन निकल गयी। उनको समझ नहीं आया की कोलार्क और इस मेंढक को उनके अन्निहिलटर के बारे में कैसे पता चल गया। और ये मेंढक बोल कैसे रहा था। इधर महाराजा, ज्योति, सफायर सब को भी आश्चर्य हुआ की ओला उनकी भाषा बोल पा रहा था।

"ये ओला है - हुन्न प्रजाति का एक ऐसा जीव जो बहुत सी भाषाएँ बोल सकता है। जॉन प्लेनेट पर भी लोग बोल कर की संवाद करते है। ओला ने तुम्हारे प्लेनेट की कॉमन भाषा सिख ली है। वो तुम से बोल कर बात कर सकता है। और अन्निहिलटर का पता मुझे तुम से ही चला। तुम सोच रहे थे न की अन्निहिलटर कब तक प्रज्चलित होगा। " कोलार्क ने मानसिक सन्देश दे कर परम गुरु से बोला। ये सन्देश बाकि सब को भी प्राप्त हो रहा था।

परम गुरु सकते में आ गए। ये एलियन तो वो जो भी सोचते थे पढ़ लेता था। उन्होंने फिर भी विरोध करने की सोची परन्तु इससे पहले परम गुरु कुछ बोलते, "तुमसे जितना बोला गया है उतना करो मछली। वर्ना जैसन अभी

भी तुम्हें फ्राई करके खाना चाहता है। क्या बोलते हो तुमको वहां ट्रांसफर कर दूँ।"

कोलार्क ने अत्यधिक क्रोध में बोला। उसने जानबूझ कर ये सन्देश वहां उपस्थित सभी, चाहे एक छोटा से छोटा फ्लेशी सैनिक भी, लोगो को दिया था। क्योंकि कोलार्क चाहता था की सबको पता चले की परम गुरु जिसको वो इतना महान मानते थे और जिससे इतना डरते थे, उसकी कोलार्क के सामने क्या हैसियत थी।

परम गुरु को पहली बार किसी ने इतनी बड़ी धमकी दी थी।

"मैं अग्निहिलटर की जानकारी ओला को देता हूँ। परम गुरु ने शांत और आज्ञाकारी स्वर में बोला।"

परम गुरु को समझ आ गया था की कोलार्क उसे जान बूझ कर बेइज्जत कर रहा था। वहां उपस्थित जमीनी लोग उस पर हस रहे थे। महाराजा को भी मौका मिल गया था इस घमंडी मछली से अपना हिसाब पूरा करने का।

"परम गुरु आप जल्द ही अपने अग्निहिलटर को प्रज्वल्लित कर लो। आपने देखा न हमारे पास समय नहीं है और महान कोलार्क को कौताही पसंद नहीं। " महाराजा ने कुटिलतापूर्ण मुस्कराते हुए कहा।

परम गुरु ने सर हिलाया हालाँकि उसके मन में कुछ और चल रहा था। कोलार्क को सब समझ आ रहा था।

&

जैसन एडमिरेर के साथ बैठा हुआ था। फैक्ट्री पूरी तरह से बन चुकी थी और स्पेसशिप्स के निर्माण का कार्य चल रहा था। जैसन की गुस्से के कारण इंजीनियर्स बहुत तेज़ी से दिन रात कार्य कर रहे थे। जैसन अपने कमरे में बैठ कर सब को मॉनिटर करता रहता था। एडमिरेर भी अनेकों जटिल समीकरणों को सुलझा कर इंजीनियर्स की मदद कर रही थी। अजय सैनिक बारी बारी अपनी शिफ्ट के हिसाब से फैक्ट्री के चारो ओर मंडराते रहते थे। हेयस के

सैनिको के हलके फुल्के हमले कभी कबार होते रहते थे परन्तु उससे कुछ ख़ास फर्क नहीं पड़ता था।

"कुछ पता चला वो मेकाबर लोग कहा से आये।" जैसन ने एडमिरेर को बोला। वो फैक्ट्री का निरिक्षण अपनी आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले पर कर रहा था।

"हाँ। हमारे स्टरगेज़ शिप्स जो इरीट्रिया की कक्षा में स्थापित हैं, उन्होंने नोट किया है की एक फटल शिप इरीट्रिया के ग्रीनलैंड पर लैंड हुआ है।"

"क्या फटल शिप ग्रीनलैंड पर है। क्या वो हमारी फैक्ट्री के आस पास है?" जैसन ने उत्सुकता से पूछा। उसे वैसे भी कुछ गलत होने का पूर्वाभास हो रहा था। हालाँकि सब कुछ प्लान के हिसाब से ही चल रहा था।

"आस पास नहीं काफी दूर है, तकरीबन 1500 किलोमीटर दूर। परन्तु इसका मतलब कोई न कोई मिलांज या मैर्केल आया है।" एडमिरेर ने बोला।

"हाँ क्योंकि फैलानी के फटल शिप लेकर इरीट्रिया कोई Xor प्रशासन से नहीं आ सकता। क्योंकि महान राल्फ की इजाजत के बिना Xor में कोई भी फटल शिप्स को किराये पर नहीं ले सकता।" जैसन ने बोला।

"हाँ, परन्तु मैर्केल और मिलांज को कैसे पता चला इरीट्रिया के बारे में। " एडमिरेर बोली। वो सोच रही थी की ऐसा क्या हुआ होगा की उन्हें इस प्लेनेट का पता चल गया।

"और दूसरी बात ये आइवीश के मैकाबर क्यों उसका साथ दे रहे है।" जैसन बोला।

'मैकाबर केवल पैसो के लिए काम करते है। मिलांज और मैर्केल दोनों के पास ही पैसे की कोई कमी नहीं है।" एडमिरेर बोली।

"हो सकता है। और अब वैसे भी मेरे पास कोई चारा नहीं है। यदि मैकाबर हमारा विरोध करना चाहते है तो ऐसा ही सही।" जैसन ने गुस्से से बोला।

"जैसन जितना मुझे पता है, इन लोगो के पास नुक्लेअर हथियार है।" एडमिरेर ने शंकित होते हुए बोला।

"परन्तु हमारी डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर के होते हुए वो बेकार है।"

"हाँ जैसन यदि किसी ने हमारी डिफेन्स शील्ड को बेकार कर दिया तो।"

"एडमिरेर तुम क्या बकवास कर रही हो।" जैसन चिल्लाया। " तुम्हें लगता है की ये लोग इतने विकसित है की हमारे डिफेन्स शील्ड को नुकसान पहुंचा सकते है।"

"ये लोग नहीं परन्तु जो मेकाबर को लाया है वो पता नहीं कौन है।" एडमिरेर बोली।

जैसन को पहली बार एडमिरेर की बात सही लग रही थी। उसने कहा की, "तुम इनके सारे नुक्लेअर ठिकाने ख़त्म कर दो।"

"मैं अपने सैनिको को बोलती हूँ जिन्हे मैंने समुद्र तल पर आतंक मचाने के लिए भेजा है, की वो नुक्लेअर ठिकाने ढूंढ कर उन्हें समाप्त कर दे। इससे फैक्ट्री की सुरक्षा में लगे सैनिको की संख्या भी कम नहीं होगी।" एडमिरेर ने कहा।

जैसन को हालाँकि परम गुरु को सबक सीखना था परन्तु उसने एडमिरेर की बात मान ली। जैसन चाहे कितना भी अशांत और व्याकुल क्यों न हो उसे पता था की एडमिरेर एक बहुत ही शानदार रोबोट है और उसके सुझाव कभी गलत नहीं होते।

&

परम गुरु और ओला लेनोगो पहुँच गए थे। महाराजा ने ओला को वो सूट दे दिया था जिससे वो आसानी से पानी के अंदर रह सकता था। ओला ने एक वाटर डीप डाइवर व्हीकल भी ले लिया था। परम गुरु तो तैर कर ही समुद्र तल पहुँच गए थे। उनकी बेल्ट में एक ऐसा पावर बूस्टर था जो उनको बहुत तेज गति प्रदान करता था और उन्होंने समुद्र तल की 15 किलोमीटर गहरी यात्रा कुछ मिनटों में ही कर ली थी। ओला के पास भी अत्याधुनिक डीप डाइवर व्हीकल था और वो भी आसानी से पानी को चीरता हुआ परम गुरु के पीछे पीछे चल रहा था। ओला के पास इतना विकसित वाहन होने के बावजूद भी उसे बहुत ही मुश्किल हो रही थी परम गुरु की स्पीड को मैच करने में।

परम गुरु और ओला जल्द ही परम गुरु के दफ्तर में थे जहाँ परम गुरु के अनेकों शिष्य भी आ गए थे। उन सबने जैसन का कहर झेला था और बहुत ही ज्यादा डरे हुए थे। एक शिष्य ने परम गुरु से पूछा, "यह कौन है। " उसने ओला की तरफ इशारा किया।

"ये हमारा मेहमान है और इससे अन्निहिलटर की जानकारी हमें देनी है। "

परम गुरु के शिष्य भौचक्के रह गए। इतनी महत्वपूर्ण जानकारी इस अजीब से दिखने वाले बौने को देनी है। परम गुरु ने अपने सबसे विश्वसनीय साथी को बुलाया। वो बहुत ही बड़ा इंजीनियर भी था और उसे अन्निहिलटर के बारे पूरी जानकारी थी। वो ही एक ऐसा व्यक्ति था जिसे अन्निहिलटर के बारे में सब कुछ पता था।

"तुम सब को पता है की जैसन - वो क्रूर एलियन - पूरे गृह पर तबाही मचा रहा है। उसने समुद्र तल को भी नहीं छोड़ा है और उसके सैनिक हमारे अन्तियम के भण्डार पर कब्जा किये हुए हैं।"

सब लोग बहुत ही गंभीरता से परम गुरु की बाते सुन रहे थे। उन सबको पता था की परम गुरु ने जैसन को चुनौती दी थी और उनकी एक्यान सेना कुछ मिनट भी अजय सैनिकों का सामना नहीं कर पाई थी।

"हाँ। और उसने आपको भी पकड़ लिया था। हम सब चिंतित थे।" एक शिष्य ने बोला।

"हाँ और मुझे एक और एलियन ने बचाया।" परम गुरु बोले।

उन सब लोगो को बहुत ही बड़ा सदमा लगा। ये क्या हो रहा था, एक के बाद एक एलियन आ रहे थे। महाराजा फ्लेशी के बारे में सही बोलता था, वो बेपंखी मुर्ख लोग किसी दिन क्रूर और घातक एलियंस को इस धरती पर बुला कर रहेंगे।

"उस एलियन का साथी है ओला जो हमारी भाषा बोल सकता है।" परम गुरु ने ओला की ओर इशारा करते हुए सब लोगो को बोला।

"अब यदि हम लोगो को उस क्रूर एलियन जैसन से अपने आप को बचाना है तो हमें इस दूसरे एलियन की मदद लेनी पड़ेगी।" परम गुरु शांत स्वर में बोले।

"परन्तु हम उस एलियन को अपने अन्निहिलटर से ख़त्म कर सकते हैं। कुछ दिनों में अन्निहिलटर प्रज्चलित हो जाएगा।" एक शिष्य परमगुरु से बोला। उसने एक्यान भाषा का प्रयोग किया। उसे लगा ओला को केवल इरीट्रिया की कॉमन भाषा ही बोलनी आती होगी समुद्रतल पर बोले जानी वाली एक्यान भाषा नहीं।

"नहीं। हमने उस एलियन कोलार्क से जो हमे बचाने आया है से वादा किया है और हम अपना वादा निभाएंगे।" परम गुरु कॉमन भाषा में बोले ताकि ओला भी समझ सके। परम गुरु अपने विश्वसनीय शिष्य को देखते हुए आगे बोले, “ओला को अन्निहिलटर के पास ले जाओ और उसे उसकी जानकारी दे दो।"

वो शिष्य परम गुरु की बात समझ गया। उसने ज़ोर ज़ोर से अपनी पूँछ हिलायी और हामी में सर भी हिलाया। जहां एक ओर सभी लोगो को लग रहा था की परम गुरु वास्तव में ओला को अन्निहिलटर की जानकारी देना चाहते थे, वहीं उस विश्वसनीय शिष्य को समझ आ गया था की परम गुरु की इच्छा इस मेंढक को कुछ भी बताने की नहीं थी। वो सिर्फ उस मेंढक को मुर्ख बनाना चाहते थे।

परन्तु जो परम गुरु को नहीं पता था वो ये की ओला को भी मन की बाते पढ़नी अच्छे से आती है और वो चुप चाप सब लोगो के मन की बात पढ़ रहा था। ओला दिखने में किसी फालतू मेंढक रूपी बोना जो कम अक्ल और दिमाग वाला होगा लगता था परन्तु वो इसके विपरीत सबसे होशियार और स्मार्ट था। इसलिए वो फटल शिप का लेफ्टिनेंट था और अब कोलार्क के लिए काम कर रहा था। कोलार्क ने जानबूझकर ओला को परम गुरु के साथ भेजा था। क्योंकि वो जनता था की ओला को देखकर एक्यान लोग उसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लेंगे और कोलार्क को एक्यान के राज़ जानने का मौका मिल जाएगा।

परम गुरु का शिष्य ओला को लेकर अन्निहिलटर के पास चला गया। उसको लगा ओला कोई जानवर है जो बोल सकता है। उन लोगो ने जैसन की क्रूरता तो देखी थी परन्तु कोलार्क की शातिरता से वो लोग अनजान थे। ओला को उसने अन्निहिलटर के इन-चार्ज से मिलवा दिया। अन्निहिलटर लेनोगो शहर से कुछ 50 किलोमीटर दूर एक वीरान स्थान पर एक बड़ी भूमि पर बने बड़े से डॉम रूपी भवन में था। उसके चारो तरफ बहुत सुरक्षा थी। उस भवन में केवल परम गुरु, उनके कुछ विश्वसनीय शिष्य और अन्निहिलटर का इन-चार्ज और उसकी टीम ही जा सकते थे। वो सब लोग अंदर पहुँच गए। अन्निहिलटर एक बहुत ही बड़े शिवलिंग रूपी आकर लिए हुए अनेकों अकल्पनीय यंत्रो से सजा हुआ एक उपकरण था।

इन-चार्ज ने ओला को देखा और बोला, "ये उपकरण बहुत ही रेयर मटेरियल से बना हुआ है जो समुद्र तल पर खुदाई कर के निकला गया है। ये मटेरियल लाखो वर्षो से समुद्र में दबे होने के कारण बनता है और कोई चैन रिएक्शन किया जाए तो ये उपकरण ऐसी तरंग निकाल सकता है जो जमीन के किसी भी हिस्से पर भूकंप ला सकता है।"

इन-चार्ज ने धीरे धीरे कुछ सच कुछ झूट ओला को बताना प्रारम्भ कर दिया। ओला को भी मन की बाते पढ़नी आती थी ये उस इन-चार्ज को भी नहीं पता था। उसने इन-चार्ज के मन की बात पढ़ ली थी। इन-चार्ज जो भी ओला को बता रहा था वो गलत था परन्तु इन-चार्ज जो भी सोच रहा था ओला को समझ आ रहा था। यदि अन्निहिलटर का सही इस्तेमाल किया जाए तो जैसन की फैक्ट्री समुद्र तल पर बैठे बैठे ही समाप्त की जा सकती थी। इन-चार्ज को मानसिक तरंगो से बाते करनी नहीं आती थी, किसी भी इरीट्रिया वासी को ऐसे बात करना नहीं आता था। इसलिए वो झूट बोलने के लिए भी पहले सच सोचते और फिर कुछ झूट बोलते। ओला की शक्ति इतनी ज्यादा थी की वो उस मानसिक सन्देश को, जो कोई व्यक्ति झूट बोलने के लिए भी बहुत अल्प समय के लिए सोचता था, पढ़ लेता था। उसने जल्द ही अन्निहिलटर के बारे पूरी जानकारी जल्द ही हासिल कर ली थी।

"तुम इसमें कोआर्डिनेट कैसे डालते हो।" ओला ने पूछा।

इन-चार्ज को सदमा लग गया था। ओला को कैसे पता चला की कोआर्डिनेट डालने होंगे, उसने तो ऐसा कुछ बताया ही नहीं। कैसे ओला को पता चल गया की कोआर्डिनेट डाल कर भूमि के किसी विशेष हिस्से को भी भूकंप से प्रभावित किया जा सकता था।

इन-चार्ज ने तुरंत ही परम गुरु को अपने एक यन्त्र से फ़ोन लगाया और तुरंत बता दिया की ओला को सब समझ आ रहा है। परम गुरु को काफी आश्चर्य हुआ। परम गुरु को जल्दी ही समझ आ गया की ओला को अन्निहिलटर

की गोपनीय बाते मालूम पड़ रही है। परम गुरु ने तुरंत ही अपने सैनिको से बोल कर ओला को गिरफ्तार कर लिया।

परम गुरु को समझ आ गया था की दोनों ही एलियन चाहे जैसन या कोलार्क हो, दोनों ही बुरे थे। परम गुरु किसी का भी साथ देने के पक्ष में नहीं था। परम गुरु को शांति से समुद्र में अपना और अपने लोगो का जीवन चाहिए था।

~~~

अध्याय पंद्रह - एडमिरेर की मौत

कोलार्क सफायर के ख़ुफ़िया दफ्तर में बैठा था जहाँ से सफायर ने एलियंस पर नज़र रखी थी। कोलार्क सफायर से उसके यंत्रो के बारे में सीख रहा था। कोलार्क ने सफायर को स्नेह भरी नज़रो से देख कर बोला, "तुम्हारे उपकरण बहुत उपयोगी साबित होने वाले हैं।"

सफायर को समझ नहीं आ रहा था की कोलार्क सही में बोल रहा था या सिर्फ उसको खुश करने के लिए। कोलार्क ने उसके मन की बात पढ़ ली थी। उसने बोला, "मुझे जैसन की डिफेन्स शील्ड को हैक करने के लिए कुछ बहुत ताकतवर कंप्यूटर चाहिए थे, तुम्हारे ये कंप्यूटर हालाँकि काफी हलके हैं परन्तु मेरे लिए काफी हैं।"

सफायर अभी भी विस्मित थी, उसे नहीं पता थी की ये एलियन सच बोल रहा था क्या।

कोलार्क ने आगे बोला, "मेरे पास बहुत से आधुनिक यंत्र है परन्तु तुम्हारे सेटेलाइट और संचार तंत्र के साथ वो मेल नहीं होंगे। परन्तु तुम्हारे पास जो यंत्र है वो इन संचार तंत्र पर ही चलते है। इसलिए मुझे मेरे आधुनिक यन्त्र और तुम्हारे इन उपकरणों को मिला कर ही काम करना पड़ेगा।

सफायर को कुछ समझ नहीं आ रहा था। कोलार्क को समझ आ गया की सफायर को सिर्फ ऐसे नहीं समझाया जा सकता था।

कोलार्क ने सफायर का हाथ पकड़ा और अपने हाथो में लिया। उसने कहा, "मेरे हाथ में एक बहुत ही छोटी सी माइक्रो चिप लगी हुई है जो मुझे मेरे फटल शिप को सन्देश भेजने के काम आती है और साथ ही ये बहुत घातक लेज़र ब्लास्ट भी कर सकती है।"

सफायर ने विस्मय से कोलार्क का हाथ देखा। कोलार्क अत्यधिक सुन्दर नौजवान था और साथ ही उसने महाराजा और परम गुरु को, जो इरीट्रिया के सबसे शक्तिशाली लोग थे, मृत्यु के मुँह में जाने से बचाया था। सफायर को कोलार्क का उसके प्रति ये आकर्षण बहुत ही अच्छा लग रहा था।

"मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकती हूँ।" सफायर ने कोलार्क से प्रेम भरे स्वर में बोला।

"तुमको मैं कुछ सिखाऊंगा और तुम्हें अपने इन कम्प्यूटर्स पर वो सब प्रोग्राम करने होंगे। क्योंकि मैं तुम्हारी टेक्नोलॉजी के बारे में सीख तो जाऊंगा पर उसमे समय लगेगा।"

"तुम्हें सीखने की जरुरत नहीं है। तुम मुझ से जो भी बोलोगे मैं कर दूंगी।"

"शाबाश। सबसे पहले मैं तुम्हें फटल शिप पर ले चलता हूँ।"

सफायर को आश्चर्य हुआ। उसकी लैब हेयस भू-भाग के एक शहर में थी और फटल शिप ग्रीनलैंड जो की हज़ारो किलोमीटर दूर था वहां पर लैंड हो रखा था।

"तो तुम करिश्मा देखने के लिए तैयार हो।" कोलार्क ने सफायर से बोला।

सफायर को कुछ समझ नहीं आया। कोलार्क ने सफायर को अपनी बाँहों में भरा और एक मानसिक सन्देश दिया।

वो लोग तुरंत ही फटल शिप पर बीम हो गए। सफायर के आश्चर्य की सीमा ही नहीं रही। उसने आज तक ऐसा कभी भी नहीं देखा था। यह एक ऐसा अनुभव था जो सफायर को बहुत ही विस्मित कर रहा था। उसने अपने आप को फटल शिप के कण्ट्रोल रूम में पाया। वो फटल शिप बहुत ही ज्यादा आधुनिक था और सफायर को उसके यन्त्र और अनेकों प्रकार के गैजेट बहुत विस्मित कर रहे थे। वहां बहुत से रोबोट भी थे।

"मेरे पास बीमिंग वेक्टर है, जिसको मैंने यहाँ फटल शिप पर रख दिया है और दूसरा मेरी बेल्ट में है, मैं किसी भी व्यक्ति के साथ किसी भी स्थान पर बीम हो सकता हूँ।

सफायर के आश्चर्य की सीमा नहीं रही। कोलार्क वो सब कर सकता था जो सफायर के लिए किसी साइंस फिक्शन मूवी से कम नहीं थे। कोलार्क कोई भविष्य से आया व्यक्ति था। सफायर कोलार्क पर पूर्ण रुप से मोहित हो चुकी थी।

कोलार्क ने सफायर की ओर देख कर बोला, "अब तुमको मेरे लिए एक काम करना है।"

सफायर ने हामी में अपना सर हिलाया।

"तुम भी उन सब ऐंजलन सैनिको के साथ फैक्ट्री पर हमला करने जाओगी।" कोलार्क ने उदासीन स्वर में बोला।

सफायर को आश्चर्य हुआ। क्या कोलार्क उसे उन दुष्ट एलियंस के पास मरने के लिए भेजना चाहता है। क्या वो उससे प्रेम नहीं करता।

"तुम्हें कुछ नहीं होगा, ये मेरा वचन है।" कोलार्क बोला और सफायर को बहुत ज़ोर से गले लगा लिया।

"मुझे विश्वास है।" सफायर ने रुआंसे शब्दों में बोला। उसने कोलार्क को कसके गले लगा रहा था।

"तुम्हें उस सिस्टम को हैक करने में मेरी मदद करनी है।"

"मुझे क्या करना होगा।"

"तुम्हें इस डिवाइस से" कोलार्क ने सफायर को एक क्यूब नुमा यन्त्र दिया, "उस बम को कण्ट्रोल करना है जो जोश फैक्ट्री पर डालेगा।"

"परन्तु मुझे ये डिवाइस ऑपरेट करनी नहीं आती" सफायर ने कहा।

"मैं तुम्हें सिखाऊंगा।"

कोलार्क ने मानसिक संदेशो से सफायर को समझाना शुरू कर दिया।

एक ओर कोलार्क और सफायर उसके फटल शिप पर बैठ कर कुछ प्लानिंग कर रहे थे वही दूसरी और जैसन और एडमिरेर का पूरा ध्यान स्पेसशिप्स को बनाने में लगा हुआ था।

&

जैसन को इरीट्रिया पर लैंड किये हुए अब 30 दिन हो चुके थे। उसने पूरी तरह से इरीट्रिया प्लेनेट को तबाह कर दिया था। सबसे ज्यादा नुक्सान हेयस भू भाग को हुआ था।

अजय सेना ने हेयस भू भाग पर आतंक मचा रखा था।

हालाँकि अब अधिकतर सैनिक फैक्ट्री के आसपास ही किलाबंदी में रहते थे फिर भी 10-12 सैनिक हेयस के अलग अलग स्थान पर जा कर बम बारी करते रहते थे।

जैसन के सैनिकों ने समुद्र तल का अन्तियम भी ला कर फैक्ट्री के इंजिनीयर्स को दे दिया था। धीरे धीरे उन इंजिनीयर्स ने अन्तियम स्पेसशिप बना लिया था। समुद्र तल से लाया गया अन्तियम बहुत ही उच्च गुणवत्ता का था। जैसन ने पूरी तरह से इंजिनीयर्स के ऊपर नियंत्रण बना रखा था और उसका परिणाम निकल भी रहा था। अन्तियम स्पेसशिप काफी हद तक तैयार हो गया था।

एडमिरेर ने भी अपने सैनिकों से उन सभी स्थानों पर हमले करवा दिए थे जहाँ कही भी उसे नुक्लेअर आर्सेनल होने का शक था।

अजय सेना के सैनिक अलग अलग स्थानों पर जाकर जहाँ भी उन्हें लगता था की हेयस की नुक्लेअर फैसिलिटी है, उस फैसिलिटी को समाप्त कर देते थे। उन सैनिको ने ज्योति के बहुत से सैनिको को बंदी बना कर अपने यंत्रो द्वारा पता लगाने की कोशिश भी की थी की कहाँ कहाँ नुक्लेअर फैसिलिटीज

है। अजय सेना का एक भी सैनिक ज्योति के सैनिको द्वारा आहात नहीं हुआ था और इतने दिनों के युद्ध में हेयस पूरी तरह बर्बाद हो चूका था। ज्योति के कम से कम 10,000 (दस हज़ार) ऐंजलन सैनिक (पांच हजार) 5000 सेन्टॉरस सैनिक और 100 (सो) फ्लेशी सैनिक मारे जा चुके थे। महाराजा और परम गुरु ने लगभग हार मान ही ली थी।

परन्तु फिर भी जैसन को कहीं न कहीं कुछ सत्ता रहा था। उसने एडमिरेर को अपने चैम्बर में बुलाया और बोला, "तुम्हें क्या लगता है वो मिलांज या मैर्केल जो भी आया है क्या कर रहा है।"

"जैसन मैंने पता लगवाया है की मैकाबर अधिकतर ग्रीनलैंड में योगी बाबा नामक एक फ्लेशी की कुटिया में रहते है इसका मतलब वो मिलांज या मैर्केल भी वही आया हुआ है।"

"तो क्या अजय सेना को बोल कर वहां हमला कर दे।"

"परन्तु जैसन हमारी सेना फैक्ट्री की सुरक्षा में लगी हुई है के तुम चाहते हो अभी हम मैकाबरों से युद्ध करे।"

"मैं उन मैकाबरों को नेस्तनाबूद कर दूंगा।" जैसन बहुत ही क्रोध में चिल्लाया।

"वो तो हम कर सकते है परन्तु हमारी प्राथमिकता अभी एक अन्तियम शिप बना कर Xor भेजना है।" एडमिरेर बहुत ही शांत भाव से बोली।

जैसन सोच में पड़ गया। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वो क्या करे। एक तरफ उसे लग रहा था की वो मैर्केल या मिलांज जो भी आया है कही बाज़ी पलट न दे। जैसन को अपने आप पर बहुत ज्यादा शंका हो रही थी।

"तुम्हें क्या लगता है, कुछ दिनों से इतनी शांति क्यों है।"

"बस जैसन मुझे इसी बात का डर लग रहा है। ये लोग इतने दिनों से शांत क्यों बैठे हैं।"

"उस मछली और चिड़िया को भी तुम्हारे सैनिक पकड़ कर नहीं ला पाए।" जैसन अकस्मात चिल्लाया।

एडमिरेर ने जैसन की बात को अनसुना कर दिया परन्तु वो सोच में पड़ गयी। परम गुरु और महाराजा को मैकाबरों ने छुड़ाए हुए 5 दिन हो चुके थे। इतने दिनों में सब कुछ शांत ही था जो की एडमिरेर को कुछ ठीक नहीं लग रहा था।

"हम ऐसा करते हैं की योगी बाबा की कुटिया पर हमला कर देते हैं।" एडमिरेर बोली।

"अभी तो तुम कह रही थी की क्यों अपनी सुरक्षा कम करे।" जैसन बोला।

"हाँ परन्तु अब मुझे लग रहा है की यदि हमने हमला नहीं किया तो हम पर हमला हो सकता है।"

"ठीक है जो करना है करो। मैं स्पेसशिप का निरिक्षण करने जा रहा हूँ।" जैसन बोला। वो उठा और अपने कमरे से बाहर चला गया।

&

कोलार्क सफायर के साथ फटल शिप में था। उसने फटल शिप को ग्रीनलैंड में योगी बाबा की कुटिया के पास स्थानांतरित कर लिया था। साथ ही सफायर के ऑफिस के अनेकों कंप्यूटर, संचार साधन, तथा बड़े टेलिस्कोप आदि वो फटल शिप में ले आया था। सफायर ने भी जल्द ही बहुत कुछ सीख लिया था और वो कोलार्क की पूरी तरह से मदद कर रही थी। सफायर एक कुशाग्र बुद्धि की मालकिन थी। ऐसे ही नहीं वो स्पेस प्रोग्राम की हेड थी।

कोलार्क सफायर के साथ एक जीप में बैठ कर अपने फटल शिप से उस स्थान पर आ गया जहां बाकि सभी लोग उपस्थित थे। सभी को सफायर और कोलार्क की नज़दीकी दिख रही थी परन्तु कोई भी कुछ नहीं बोल रहा

था। सफायर का महत्व अब महाराजा से भी ज्यादा बढ़ गया था। महाराजा को ये सब पसंद नहीं आ रहा था परन्तु उसके पास अब कोई और चारा नहीं था।

अधिकतर सैनिक इत्यादि अब सफायर से ही आज्ञा लेते थे और उसी के आदेशों को मानते थे। सबको पता था की कोलार्क ही अब सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है और कोलार्क की सबसे ख़ास थी सफायर। हालाँकि कोलार्क ज्योति को भी उचित सम्मान देता था क्योंकि ज्योति ने साबित कर दिया था कि वो इस एलियन जैसन को हराने के लिए अपनी जान भी जोखिम में डालने से गुरेज़ नहीं करेगी। जोश भी कोलार्क के खासमखास में से एक बन गया था। सफायर हालंकि फ्लेशी को पसंद नहीं करती थी परन्तु चूँकि कोलार्क को फ्लेशी से कोई आपत्ति नहीं थी इसलिए अब सफायर को भी फ्लेशी लोगों के प्रति उतनी खीज नहीं थी जितनी उसे पहले थी। वो भी अब जोश को उचित सम्मान देती थी।

महाराजा को ये सब बहुत ही बुरा लग रहा था। उसे भी परम गुरु की भांति ज्ञात हो गया था की कोलार्क भी जैसन की तरह ही बहुत बुरा था। महाराजा उस दिन को कोस रहा था जब उन्होंने जैसन को बिना बात के रुष्ट कर दिया था। उन लोगों को जैसन की बात मान लेनी चाहिए थी, तो ये सब नहीं होता। उसको ब्लैकस्टोन चाहिए था तो दे देना चाहिए था बिना बात के उसकी शक्ति को बिना पहचाने महाराजा ने उस मुर्ख मछली के बहकावे में जैसन को नाराज कर लिया। परन्तु अब इन सब बातों पर विचार करने का समय नहीं था। उसे अब जो हो रहा था उसी के साथ आगे बढ़ना था।

कोलार्क अपनी जीप से उतरा और सफायर के साथ एक अस्थायी मंच पर खड़ा हो गया। हालाँकि वहां माइक था परन्तु कोलार्क ने सभी को टेलीपैथी द्वारा सन्देश भेजा।

“आप सब लोग आज देखेंगे कैसे हम ज्योति के नेतृत्व में उस क्रूर जैसन को पहला झटका देंगे।“

सभी लोगों ने ज़ोर ज़ोर से तालिया बजानी शुरू कर दी। कोलार्क की उपस्थिति के कारण ज्योति की सेना में बहुत जोश बढ़ गया था। कोलार्क ने महाराजा का नाम नहीं लिया था अपितु ज्योति का लिया। महाराजा को ये बात भी बुरी लगी परन्तु वो चुप ही बैठा रहा। कोलार्क ने आगे बोला, "और आप आज से उस क्रूर एलियन से डरना भूल जायेंगे। अब डरने की बारी उस क्रूर एलियन की है।"

कोलार्क की इन बातों ने सभी में जोश भर दिया। सभी ज़ोर ज़ोर से नारे लगाने लगे। सभी लोगों को अब लगने लगा था की एलियन का कुछ नुक्सान किया जा सकता था। बहुत से लोग अभी भी संशित थे। किंग हीरा, क्वीन जोबा आदि भी वहां मौजूद थे।

कोलार्क ने बोला, "मैं आप सब को बता दू की किंग हीरा का भी आभारी हूँ क्योंकि उन्होंने भी अपनी पूरी सेना ज्योति को दे दी है और उनके इस भाव का मैं पूरे ह्रदय से सम्मान करता हूँ। "

सभी लोग ज़ोर ज़ोर से तालियां बजने लगे। किंग हीरा जिनको महाराजा और परम गुरु बिलकुल भी इज्जत नहीं देते थे और नाममात्र के लिए ही पूछते थे, आज बहुत खुश थे। सफायर ने देखा की कैसे कोलार्क ने इरीट्रिया के दो सबसे प्रमुख लोगों महाराजा और परम गुरु को नीचे गिरा दिया और जो लोग इतने नीचे थे जैसे किंग हीरा, जोश, ज्योति और वो खुद उन लोगों को सभी की नज़रो में सम्मानित कर दिया।

कोलार्क ने फिर जोश की ओर देख कर बोला, "तुम तैयार हो। "

" जी सर" जोश ने ज़ोर से कोलार्क को सैलूट किया ओर बोला।

कोलार्क ने ज्योति की ओर देख कर बोला, "तुम्हारे सभी सैनिक तैयार हैं।"

"बिलकुल कोलार्क" ज्योति ने बोला।

“ठीक है। यहाँ से गिरी पर्वत लगभग 120 किलो मीटर दूर है।“ कोलार्क बोला।

“मैं ये दुरी मात्र 20 मिनट में पूरी कर लूंगा।“ जोश उत्साह से बोला।

“हाँ। परन्तु मुझे तुम्हारे सभी फाइटर पायलट्स चाहिए। तुम अकेले गए तो टारगेट हो जाओगे।“ कोलार्क बोला।

“मेरे पास 25 फाइटर जेट्स है।“ ज्योति ने बीच में बोला।

"तुम्हारी पूरी फ़ौज को बोल दो कि फैक्ट्री पर हमला कर दे। ज़मीन से आकाश से हर तरफ से। जोश तुम और बाकि 25 फाइटर जेट भी आक्रमण करोगे ओर मेरे मैकाबर भी। इस आक्रमण में तुम को फैक्ट्री पर गिरना है। ऐसे गिरना मानो तुम्हें हिट हुआ हो। तुम गिरोगे तो ऑटो सकर तुम्हारे मलबे को सक करने के लिए एक तरंग छोड़ेगा। सफायर पास में ही उड़ रही होगी परन्तु हमले में भाग नहीं लेगी। वो कुछ दुरी पर ही उड़ रही होगी और वहां से उड़ते उड़ते उस तरंग को मेरे क्यूब उपकरण से हैक कर लेगी और अपने संचार तंत्र से मेरे फटल शिप में रखे मुख्य उपकरण से जोड़ देगी। मेरा वो उपकरण मेरी कलाई में अन्तर्निहित चिप से जुड़ा है और वो फ़ौरन ही ऑटो सकर को हैक कर देगा।“

ज्योति और बाकि सभी को कुछ समझ नहीं आ रहा था। क्योंकि ये तकनीक उन लोगो के लिए बहुत ही विकसित थी। डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर कैसे काम करते थे उन लोगो को नहीं पता था। उसको हैक करना तो बहुत दूर की बात थी। परन्तु कोलार्क को ये सब पता था। वो प्रबल बुद्धिमान था। उसकी बुद्धिमत्ता का व्यक्ति पूरी फ्रां गैलेक्सी में शायद फैलानी को छोड़ कोई नहीं था।

"मुझे कैसे मालूम पड़ेगा कि जोश के प्लेन को सक करने के लिए ऑटो सकर ने तरंग छोड़ी है। वहां पर तो इस हमले के कारण काफी शोर होगा।" सफायर थोड़ी कंफ्यूज थी और उसने पूछा।

"स्वीट हार्ट तुम्हें सिर्फ अपने इंस्ट्रूमेंट पर ध्यान रखना है उसका मानसिक सन्देश तुम्हें मिल जाएगा। जोश के प्लेन को सक करने के लिए जैसे ही ऑटो सकर तरंग भेजेगा जिसका पता तुम्हें चल जाएगा क्योंकि जोश के प्लेन में मैंने वैसे सेटिंग कर दी है।" कोलार्क ने सफायर को वन टू वन सन्देश भेजा।

"परन्तु यदि जोश के प्लेन को ऑटो सकर ने सक नहीं क्या तो।" सफायर ने पूछा।

"तुम्हें पता चल जाएगा।"

सफायर को लग गया कि कोलार्क ने कोई बहुत बड़ी प्लानिंग कर रखी थी।

&

ऐडमिरेर अपने सैनिको के साथ योगी बाबा की कुटिया वाले हिस्से पर ग्रीनलैंड में पहली बार हमला करने की सोच ही रही थी की उसके स्कैनर्स ने दिखाया एक बहुत ही बड़ी फ़ौज अनेकों हथियारों के साथ गिरी पर्वत के मुश्किल घुमावो को पार करते हुए बढ़ी चली आ रही थी। ऐडमिरेर को लगा इसलिए इतनी शांति थी। ये लोग कोई बड़ा हमला प्लान कर रहे थे।

ऐडमिरेर ने देखा अनेकों फाइटर जेट मैकाबर भी फैक्ट्री पर हमले के लिए तैयार हैं और बहुत से ऐंजलन सैनिक भी उड़ते हुए वहां पहुंच चुके थे। सभी लोगो ने फैक्ट्री पर एक ज़ोरदार हमला कर दिया। अनेकों ऐंजलन सैनिक बम वर्षा कर रहे थे। फाइटर जेट्स भी खतरनाक बम गिरा रहे थे। मैकाबर लेज़र से हमले कर रहे थे। सेन्टॉरस तेजी से फायर करते हुए घोड़ो की भांति दौड़ते हुए आ रहे थे और फ्लेशी सैनिक अपनी जीपों पर बैठ कर फायर करते हुए आगे बढ़ रहे थे।

बहुत सी मिसाइल आदि से भी हमला किया जा रहा था। ऐसा प्रतीत होता था की ज़मीन पर रहने वाला हर प्राणी उस वक्त ऐडमिरेर की सेना पर

हमला करना चाहता था। कोई 5000 जमीनी सैनिक और 10,000 ऐंजलन सैनिक उड़ते हुए हमला कर रहे थे। 25 फाइटर जेट्स भी लगातार फायर कर रहे थे और 25 मैकाबर भी हमला कर रहे थे।

ऐडमिरेर के अजय सैनिक तैयार थे। वो वैसे भी हमला करने ही निकल रहे थे। उन सैनिको ने अपने को 25 - 25 की तीन टोलियों में बाँट लिया। 25 सैनिक ऐंजलन और फाइटर जेट से लड़ने हवा में उड़ गए, 25 सैनिक जमीनी सेना से और बाकि 25 उन मैकाबरों से लड़ने चले गए। 25 सैनिक अभी भी फैक्ट्री के अंदर रिज़र्व में थे।

हमला भयंकर था परन्तु हमले का प्रति उत्तर उससे भी ज्यादा घातक। 25 अजय सैनिको ने हज़ारो लेज़र फायर किये और कुछ ही मिनटों में उन सटीक हमलो से हज़ारो ऐंजलन सैनिक पृथ्वी पर गिर गए। उनका इहलीला समाप्त हो गयी। गिरी पर्वत की भूमि रक्त और लाशो से पट गयी। अजय सैनिको ने यह ही हाल जमीनी सेना का किया था। हज़ारो लेज़र फायर ने चुन चुन कर सेन्टॉरस सैनिको के हृदय को भेदा और उन्हें मौत के घात उतार दिया। फ्लेशी की जीपों पर लेज़र हमले हुए और देखते ही देखते वो जीप समेत भस्म हो गए।

गिरी पर्वत का वो हिस्सा लाशो से पट गया। 25 मैकाबर ही थे जो कुछ देर युद्ध कर पा रहे थे। बाकि सैनिक तो मिनटों में ही अपने प्राण पखेरू उड़वा बैठे थे। ज्योति सब कुछ दूर से देख रही थी और उसके दुःख की सीमा ही नहीं थी। इतने लाशे उसने अपने जीवन में कभी नहीं देखी थी। अजय सेना से जीतना असंभव था। कुछ मैकाबर जो अजय सेना को चकमा देकर फैक्ट्री के अत्यधिक नज़दीक आ रहे थे उन पर डिफेन्स शैलद भी हमला कर रही थी।

ऐडमिरेर जैसन के पास गयी और बोली, "हम पर बहुत भीषण हमला हुआ है परन्तु स्थिति काबू में हैं।"

"ऐडमिरेर मुझे इन छोटी बातो की अपडेट मत दिया करो। मैं अभी स्पेसशिप बनाने के कार्य का निरिक्षण कर रहा हूँ। इन बेवकूफ इंजीनियर्स को

कुछ नहीं आता। अन्तियम का भंडार लाकर देने पर भी स्पेसशिप ही नहीं बना पा रहे।“

ऐडमिरेर जानती थी की जैसन उन इंजीनियर्स के सर पर खड़ा था और बहुत ज्यादा बेइज्जती कर रहा था। उनको इसकी आदत नहीं थी और ऐसा स्पेसशिप उन्होंने कभी बनाया भी नहीं था। अन्तियम से भी वो पहली बार ही एक्सपेरिमेंट कर रहे थे। परन्तु ऐडमिरेर कुछ नहीं बोली।

इधर कोलार्क के प्लान के अनुसार बहुत सारे फाइटर जेट्स ने फैक्ट्री पर आक्रमण किया हुआ था। ऐडमिरेर ने देखा की इन फाइटर जेट्स को डिफेन्स शील्ड की लेज़र किरणे ब्लास्ट कर रही थी। डिफेन्स शील्ड ने सारे अटैक को भेद दिया था। तभी ऐडमिरेर ने देखा की एक फाइटर जेट तेजी से गिरा चला आ रहा था। ऐडमिरेर ने अपने स्कैनर से उसको स्कैन किया तो पता चला की ये फाइटर जेट तो बिना किसी कारण के गिर रहा था।

ऐडमिरेर को समझ आ गया की ये अटैक कोई गहरा प्लान था। ऐडमिरेर ने ऑटो सकर को कमांड भेजा की इस प्लेन को या किसी भी और चीज को सक नहीं करना है। ऐडमिरेर ने प्लेन पर लेज़र फायर किया और उसको अपने लेज़र किरणों में बाँध दिया और जमीन पर गिरने पर मज़बूर कर दिया। जोश चाह कर भी ऐडमिरेर के कब्जे से प्लेन को छूटा कर भाग नहीं पाया। ऐडमिरेर ने जोश को गिरफ्तार कर लिया।

उन फाइटर जेट्स ने कुछ मिसाइल भी छोड़ी थी, जो ऑटो सकर पर निशाना लगा कर मारी गयी थी, उसको भी ऑटो सकर ने सक नहीं किया। ऐडमिरेर ने उस मिसाइल को खुद ही अपने एक लेज़र ब्लास्ट से नष्ट कर दिया।

ऐडमिरेर ने देखा की एक ऐंजलन लड़की चुप चाप अपने किसी उपकरण के साथ वहीँ पास में उड़ रही थी।

एडमिरेर ने जब ज़ूम करके उस उपकरण को स्कैन किया तो वो समझ गयी ये क्यूब हैकिंग उपकरण है जिसका इस्तेमाल उच्च कोटि के हैकर

शयी प्लेनेट पर करते थे। ये उपकरण बहुत ही ज्यादा शक्तिशाली थे। एडमिरेर को समझ आ गया उसे किसे ख़त्म करना है और कोलार्क की क्या योजना थी। एडमिरेर ने सफायर पर एक लेज़र फायर किया परन्तु एक मैकाबर जो सफायर की सुरक्षा के लिए उसके पास ही उड़ रहा था उसे उस लेज़र हमले को अपने काउंटर फायर से बेकार कर दिया।

ऐडमिरेर को समझ आ गया की ये हमला मात्र छलावा था और असली प्लान ऑटो सकर को हैक करने का था। इसलिए ये प्लेन ऐसी मिसाइल छोड़ रहे है जो ऑटो सकर को ही निशाना लगा रही थी। ऐडमिरेर ने ऑटो सकर को कुछ भी सक करने से मना कर दिया था। ऑटो सकर ने सक तरंग ही नहीं भेजी और अब सारा मलबा फैक्ट्री पर जमीन पर ही गिर रहा था। ऐडमिरेर ने सभी फाइटर जेट्स और बाकि मैकाबर को जल्द ही मारने का आदेश अपने सैनिको को दे दिया था। कुछ मिनट में ही मैकाबर वहां से भाग गए थे और उन्होंने सफायर को घेर लिया था ताकि उसे किसी भी हमले से बचा सके।

ऐडमिरेर को समझ आ गया की सफायर को जल्द ही ख़त्म करना होगा। उसने अपने अजय सैनिको को आदेश दिया की सफायर को समाप्त कर दे और साथ उन मैकाबरों को भी जो उसे बचाने की कोशिश करे।

अजय सैनिक वहां पहुँच गए और उन मैकाबरों पर हमला कर दिया। सफायर को उन मैकाबरों ने अपने बीच छुपा रखा था परन्तु उन मैकाबरों की हिम्मत नहीं थी की वो बहुत देर तक उन अजय सैनिकों का मुकाबला कर सके। कुछ मिनट में ही वो सब सफायर को छोड़ कर अपनी जान बचा कर भाग गए। सफायर अब किसी भी पल मारी जा सकती थी। उसका जीवन समाप्त होने वाला था। परन्तु वो भागी नहीं और अपने यंत्र को देखती रही। उसे इंतज़ार था उस पल का जब वो ऑटो सकर को हैक कर ले। उसे अपने जीवन की चिंता

नहीं थी परन्तु वो कोलार्क के लिए उस ऑटो सकर को हैक करके ही मरना चाहती थी।

इधर जोश जो फैक्ट्री पर ऐडमिरेर की कैद किये प्लेन में लैंड कर गया था अपना शर्ट उतार कर बहुत ज़ोर से चीखा। ऐडमिरेर कोलार्क का प्लान विफल करने ही वाली थी और सफायर को मार कर कोलार्क को बहुत बड़ा दुःख देने वाली थी जब जोश ने उसका ध्यान भटकाया।

जोश ने एक बम जो उसने अपने शरीर पर बाँध रखा था हवा में फेंक दिया। उस बम को जोश ने एक रिमोट कण्ट्रोल से कमांड दे कर ब्लास्ट करने का आदेश दे दिया था। हर प्रकार की कोशिश करने के बावजूद भी ऐडमिरेर उस बम को स्कैन नहीं कर पा रही थी। उसे समझ नहीं आ रहा था की ये बम क्या था। बम अभी हवा में ही था और ऐसा प्रतीत हो रहा था की ब्लास्ट होने वाला था। ऐडमिरेर को लगा की हो सकता है यह बम घातक एनर्जी या रेडिएशन छोड़े, जो फैक्ट्री को नुक्सान पहुंचा दे। क्योंकि ऐडमिरेर उस बम को स्कैन नहीं कर पायी थी, इसलिए वो अत्यधिक चिंतित थी। साथ ही उसे जैसन की मनोस्थिति का भी पता था की कहीं कुछ छोटी भी ऊंच नींच हो गई तो कहीं जैसन कही बहुत ज्यादा घबरा नहीं जाए। एडमिरेर जैसी समझदार और अति शक्तिशाली रोबोट भी अब जैसन के बर्ताव के कारण अनिर्णय के दलदल में फस गयी थी।

कोलार्क की बुद्धिमत्ता का कोई पार नहीं था। एक तरफ सफायर किसी भी पल ऑटो सकर को हैक करने को तैयार थी और दूसरी तरफ एक ऐसा बम जिसे सक नहीं किया गया तो हो सकता है वो बम फैक्ट्री को उड़ा दे। एडमिरेर बहुत बड़ी उलझन में थी। उसे लगा की यदि ऑटो सकर हैक हो भी गया तो वो उसे ठीक कर लेगी परन्तु यदि इस बम के रेडिएशन ने कुछ घातक हमला कर दिया और फैक्ट्री को या अन्तियम शिप को, जो काफी हद तक बन गया था नुक्सान पहुंचा दिया, तो वो अधिक बुरा होगा।

समय बहुत ही ज्यादा कम था वो बम किसी भी क्षण ब्लास्ट हो सकता था। ऐडमिरेर को लगा जोश फैक्ट्री को नष्ट करने के लिए कुछ बहुत अलग तरीका का हमला कर रहा था और जोश फैक्ट्री को उड़ाने के लिए आया है और इसलिए चुप चाप नीचे गिर रहा था। ऐडमिरेर ने तुरंत ऑटो सकर को कमांड दिया और जोश के उस बम को ऑटो सकर ने सक कर लिया।

ऐडमिरेर से बस यह ही चूक हो गयी। कोलार्क का यह ही प्लान था। वो बम असलियत में ऑटो सकर में वायरस पहुँचाने के लिए मात्र एक छलावा था। जैसे ही ऑटो सकर की तरंग निकल कर उस बम को छुआ सफायर के यंत्र ने उसे सन्देश दे दिया और सफायर ने बग छोड़ दिया। ऑटो सकर में वायरस पहुँच चूका था। कोलार्क को सन्देश मिल गया था, वो अपने फटल शिप पर से यह सब मॉनिटर कर रहा था। सफायर ने अपने दूर संचार सेटेलाइट को उसके फटल शिप से जोड़ दिया था। जैसे ही उसने देखा की सफायर ने बग ऑटो सकर में डाल दिया है उसने सफायर को बीम कर लिया।

अजय सैनिको ने सफायर पर लेज़र फायर कर दिया था परन्तु इससे पहले लेज़र किरणे सफायर का हृदय चीर पाते वो बीम हो कर फटल शिप पर पहुँच चुकी थी।

कोलार्क और सफायर ने मिल कर ने सिर्फ एक बग से जैसन के सबसे मजबूत कवच को धराशायी कर दिया था। ऑटो सकर और डिफेन्स शील्ड हैक हो चुके थे। ऐडमिरेर के होश उड़ गए। उसने जोश को बेतहाशा मारना चालू कर दिया। वो जोश को ले कर जैसन के पास गयी।

&

"ऑटो सकर और डिफेन्स शील्ड एक साथ बेकार हो गए।" धर्मा ने आश्चर्य से पूछा। वो अपने स्थान से उठा और यहाँ वहां घूमने लग गया।

"हाँ धर्मा। जैसन की डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर जुड़े हुए थे। डिफेन्स शील्ड किसी भी आक्रमण पर काउंटर हमला करती थी और जो भी

मलबा या एनर्जी या रेडिएशन उत्पन्न होता वो ऑटो सकर सक कर लेता था। इससे फैक्ट्री को किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता था। कोलार्क को पता था की किस प्रकार के बग से ये दोनों चीजे एक साथ बेकार हो सकती है।" तारा ने धर्मा के प्रश्न का उत्तर दिया।

"फिर तो ज्योति अब फैक्ट्री पर नुक्लेअर हमला कर सकती है। जैसन के पास कोई डिफेन्स नहीं है। धर्मा ने उत्सुकता से पूछा।

"हाँ धर्मा। परन्तु अजय सेना ने अधिकतर नुक्लेअर प्लांट्स को ख़त्म कर दिया था और ऐडमिरेर जल्द ही डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर को ठीक कर लेगी। उतने समय तक हालाँकि जैसन की फैक्ट्री रिस्क पर थी परन्तु अजय सेना के सैनिक मुस्तैद थे।" तारा ने एक बड़े सोफे पर आराम से पैर फैला कर लेटते हुए जवाब दिया।

"कोलार्क ने जैसन को अच्छी टक्कर दी थी।" धर्मा ने कहा।

"कोलार्क को समझ आ गया था की उसको ऐडमिरेर को रस्ते से हटाना होगा। क्योंकि जो डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर उसने ख़राब किये थे उसको सिर्फ ऐडमिरेर ही ठीक कर सकती थी।"

"इसलिए जोश ने अपने आपको पकड़वाया। कोलार्क ने ये बात किसी से नहीं कही थी। महाराजा और ज्योति को भी नहीं पता था असली प्लान क्या है।" धर्मा बोला।

"हाँ। कोलार्क बहुत ही शातिर खिलाडी था।"

तारा ने आगे की कहानी सुनाई।

जैसन ने जोश को बुरी तरह मारना चालू कर दिया।

"इसकी एक एक बोटी काट कर तड़पा तड़पा कर मार डालो।" जैसन चीखा।

“सर, मैं तो एक मोहरा हूँ। हम तो वैसे भी मूर्ति पूजा में नहीं मानते। हमारी बोफ के अनुसार आप हमारे भगवान् के भेजे दूत हैं जो इन मूर्ति पूजा करने वालो को सबक सिखाने के लिए आये हैं।“ जोश ने जल्दी जल्दी बोला।

जैसन ने एडमिरेर की तरफ देखा और एडमिरेर से सर हिलाकर जवाब दिया की ये सच है की फ्लेशी बोफ में मानते हैं और मूर्ति पूजा के खिलाफ है।

“उस सोने के त्वचा वाले आदमी ने मेरे परिवार को बंदी बना रखा है। इसलिए मुझे ये सब करना पड़ा।“ जोश आगे बोला। कोलार्क ने जोश को अच्छे से प्रशिक्षण दिया था। जोश अपने वो मानसिक विचार लेकर ही नहीं आ रहा था जिससे उसका सच सामने आ जाए। वो जैसन और एडमिरेर के चुंगुल में था और ये बहुत ही मुश्किल कार्य था। एक चूक और पूरी योजना चौपट हो जानी थी। परन्तु जोश इस असंभव कार्य को अंजाम दे रहा था। कोलार्क ने अपनी पूरी बाज़ी सफायर और जोश के ऊपर ही लगा रखी थी। सफायर ने अपना काम कर दिया था अब बारी थी जोश की।

“सोने की त्वचा।“ जैसन बोला। जैसन को यकीन हो गया की मैर्केल या मिलांज ही आया है और वो इन इरीद्रिया वालो की मदद कर रहा है।

जैसन ने ऐडमिरेर की तरफ देख कर मानसिक सन्देश दिया, “ऐडमिरेर तुम इस आदमी के साथ जाओ और 2-3 अजय सैनिक ले जाओ। उस मैर्केल या मिलांज को पकड़ कर या मार कर ले आओ।“

“परन्तु मैं पहले डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर को ठीक कर देती हूँ।“ एडमिरेर ने जैसन और जोश दोनों को मानसिक सन्देश द्वारा बोला।

"वो स्वर्णिम त्वचा वाला आदमी भाग जाएगा।" जोश बोला। उसे समझ आ गया था की एडमिरेर उसके साथ अभी जाने में इच्छुक नहीं है।

जैसन ने जोश को देखा और उसका चेहरा बुरी तरह तमतमा रहा था। जैसन ने आदेश दिया, "एडमिरेर तुम अभी जाओ और उस मैर्केल या मिलांज को पकड़ कर मेरे पास लाओ। अजय सेना तब तक फैक्ट्री की रक्षा करेगी।"

जैसन बहुत ही अधिक गुस्से में था। उसे एडमिरेर की वाजिब बाते भी गलत लग रही थी। जैसन ने एडमिरेर की तरह एक बहुत बड़ी गलती कर दी थी। डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर फैक्ट्री का सुरक्षा कवच थे। डिफेन्स शील्ड फैक्ट्री को हर प्रकार के खतरे से बचा सकती थी। चाहे वो हवा से आने वाला नुक्लेअर हमला हो या अन्निहिलटर का भूकंप। डिफेन्स शील्ड भूकंप के कम्पन्न को भी ऑटो सकर को पहुंचा देती और ऑटो सकर उसे सक कर लेता। अब डिफेन्स शील्ड बेकार हो रखी थी। एक मात्र एडमिरेर ही थी जो उसको ठीक कर सकती थी। परन्तु जैसन अपने क्रोध से प्रेरित होने के कारण बिना डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर ठीक कराये एडमिरेर को एक बहुत ही खतरनाक जगह भेज रहा था। उसको नहीं पता था की वो एक भयंकर ब्लंडर कर रहा था। उसने कोलार्क को बहुत ही कम आँका था और यह ही गलती उसको इस मिशन में सबसे भारी पड़ने वाली थी।

“तुम्हें पता है वो सोने की त्वचा वाला आदमी कहाँ है।“ ऐडमिरेर ने जोश की ओर देख कर बोला।

“हाँ लक्स फुल्गोर में।“ जोश ने जवाब दिया। वो उठ खड़ा हुआ हालाँकि उसके होठों से अभी भी खून टपक रहा।

“लक्स फुल्गोर में।“ ऐडमिरेर आश्चर्यचकित रह गयी। वो हेयस का एक मात्र स्थान था जहाँ उसके सैनिको ने हमला नहीं किया था।

एडमिरेर ने तुरंत अपने स्कैनर से ऑटो सकर और डिफेन्स शील्ड को हैक करने वाले के कोआर्डिनेट नोट किये।

जैसन ने गुस्से में पूछा, "ये क्या कर रही हो।" वो एडमिरेर को कुछ स्कैन करते देख रहा था।

"मैं उस कोआर्डिनेट को नोट कर रही हूँ जिस डिवाइस से यह हैक हुआ है।" एडमिरेर ने डिफेन्स शील्ड की और इशारा करके बोला।

"उससे क्या फायदा"

"जैसन, यदि वो मैर्केल या मिलांज हमारे सिस्टम को हैक कर सकता है तो इसका मतलब उसने इसे उस कंप्यूटर या डिवाइस से कनेक्ट किया होगा जो उसके पास होगा। इससे मुझे ये चेक करने में आसानी होगी की ये तुच्छ फ्लेशी सच बोल रहा है या नहीं।"

जैसन ने सर हिला दिया। उसे एडमिरेर पर नाज़ था वो हमेश ही अपने काम के बारे में सोचती रहती थी। जैसन को लगता ही नहीं था की वो एक रोबोट है। जैसन उसे अपनी पुत्री जितना ही प्यार करता था। वो अलग बात है की इस विशाल यात्रा ने उसे बेहद क्रूर, खूंखार और हिंसक बना दिया था। अन्यथा जैसन को इतनी आसानी से नहीं फसाया जा सकता था।

कुछ ही समय में ऐडमिरेर, अपने चार सैनिको के साथ जोश को लिए हुए लक्स फुल्गोर में जोश के बताये स्थान पर पहुँच गयी। वो सब अपने कवच से ढके थे और बहुत तेजी से उड़ रहे थे। एडमिरेर ने जोश को लेज़र किरणों के जाल में बाँध रखा था और वो भी एडमिरेर के साथ ही उड़ रहा था। जोश के लिए यह एक अभूतपूर्व अनुभूति थी, उसने कभी ऐसे उड़ान नहीं भरी थी।

ऐडमिरेर और चार सैनिको को जोश एक बहुत बड़ी बिल्डिंग में ले गया। ऐडमिरेर को कुछ समझ नहीं आ रहा था। वो बिल्डिंग बहुत बड़ी और ऊँची थी। ऐडमिरेर ने स्कैन किया और वो बिल्डिंग हेयस के किसी भी अन्य बिल्डिंग के जैसे ही थी। ऐडमिरेर को कुछ शक हो रहा था परन्तु वो समझ नहीं पा रही थी कि क्या गड़बड़ थी। उसने बिल्डिंग में जाने का फैसला किया और वो सब लोग उस बिल्डिंग में गए।

ऐडमिरेर ने देखा की कोलार्क के सिग्नल उस बिल्डिंग के अंदर से आ रहे थे। ऐडमिरेर ने जब डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर को चेक किया था तो

उसे उस डिवाइस के कोआर्डिनेट मिल गए थे जिससे वो वायरस अटैक हुआ था। कोलार्क की कलाई के अंदर छुपी एक छोटी सी चिप के द्वारा ही कोलार्क ने ये हैकिंग की थी। कोलार्क के पास कोई और डिवाइस या कंप्यूटर नहीं था उसके पास केवल उसका अपना *एम्बेडेड रिस्ट चिप*[6] कंप्यूटर ही था, जो इस जटिल हैकिंग को अंजाम दे सकता था।

ऐडमिरेर को कोलार्क के सिग्नल मिल रहे थे। सिग्नल स्ट्रांग हो रहे थे। साथ ही एडमिरेर ने यह पता लगा लिया था की वो डिवाइस किसी के हाथ की *एम्बेडेड रिस्ट चिप*[7] है। उसको यकीन हो गया था की ये कोई शयी गृह से आया है क्योंकि उसकी चिप की डिटेल्स एडमिरेर को मिल गई थी। एडमिरेर के पास इन सब का बहुत ही बड़ा डेटाबेस था। उसको अब यकीन हो गया था की जोश सच बोल रहा था। यदि वो झूट बोल रहा होता तो या तो कोआर्डिनेट वहां मिलते नहीं और मिलते तो इरीट्रिया के किसी लोकल कंप्यूटर डिवाइस के जिसका डेटाबेस एडमिरेर के पास नहीं होता।

ऐडमिरेर को मालूम पड़ गया की जोश सच बोल रहा है था और वो उसे कोलार्क के पास ही लेकर जा रहा था। एडमिरेर ने अपनी लाइव फीड जैसन को दे रही थी। जैसन भी बहुत ही ज्यादा उत्सुक था कोलार्क की मौत देखने के लिए। एडमिरेर उस तुच्छ स्वर्णिम कीड़े को बहुत बुरी मौत देगी।

एक बहुत बड़े कमरे के अंदर से वो सिग्नल आ रहे थे। ऐडमिरेर और चारो सैनिक रूम के अंदर गए। जैसे ही वो रूम में गए, रूम बंद हो गया। ऐडमिरेर ने देखा कोलार्क का कटा हुआ हाथ वहां रखा है। वो समझ गयी की उसके साथ धोखा हुआ है। ऐडमिरेर ने जोश को देखा। जोश ने अपने आप को बीम कर लिया। ऐडमिरेर को बहुत बड़ा झटका लगा। जोश के पास ऐसे तकनीक कैसे आ गयी। कोलार्क ने जोश को उस स्थान से अपने पास बीम

---

[6] मतलब समझने के लिए देखें :- अनुलग्नक 3 - शब्दकोश और मुख्य किरदार – प्रविष्टि 55

[7] मतलब समझने के लिए देखें :- अनुलग्नक 3 - शब्दकोश और मुख्य किरदार – प्रविष्टि 55

करवा लिया था। केवल कोलार्क को ही ये करना आता था। ऐडमिरेर लाइव फीड जैसन को भी दे रही थी। ऐडमिरेर इससे पहले कुछ और समझ पाती एक बहुत ही बड़ा धमाका हुआ। इतना ज्यादा की चारो सैनिको और ऐडमिरेर के सुरक्षा कवच भी कुछ न कर पाए। जैसन के सामने ही ऐडमिरेर मारी गयी।

जैसन चीखा, "ऐडमिरेर...।" सिग्नल कट गया था। जैसन सदमे में चला गया। ऐडमिरेर की मौत की कल्पना करना भी उसके लिए मुश्किल था।

कोलार्क ने सटीक गणना की थी। उसको पता था की कितना बड़ा नुक्लेअर धमाका करना है जिससे ऐडमिरेर और अजय सैनिक को मारा जा सके। कोलार्क ने उसको इस प्रकार से कवर कर दिया था की ऐडमिरेर के तेज़ स्कैनर भी पता नहीं लगा पाए की उस बिल्डिंग में खतरनाक नुक्लेअर बम फिक्स्ड थे।

&

जैसन हिल गया था। उस नुक्लेअर धमाके में चारो सैनिक और ऐडमिरेर वेपोराइज़ हो गए थे। यानि नुक्लेअर हमला इतना ज्यादा बलशाली और खतरनाक था कि उनकी लाश भी नहीं मिली थी।

जैसन ने कभी नहीं सोचा था की ऐडमिरेर जैसे शानदार रोबोट को कोई मार भी सकता है। कोलार्क की ब्रिलियंस ही थी की उसने नुक्लेअर बम को ऐडमिरेर के स्कैनर से बचाया, जोश को वहां से बीम कर लिया और इतना खतरनाक नुक्लेअर ब्लास्ट किया की उनके पास बच निकलने का कोई विकल्प ही नहीं था। जैसन की फैक्ट्री का सुरक्षा कवच तोड़ दिया गया था, ऐडमिरेर जो एक मात्र ऐसी रोबोट थी जो उस शील्ड को दुबारा ठीक कर सकती थी मारी जा चुकी थी। जैसन को बहुत बड़ा झटका पहुँच गया था। कोलार्क ने जैसन को बराबर की टक्कर दे दी थी। पहली बार जैसन बैकफुट पर था।

कोलार्क ने जैसन को बहुत नुकसान पहुंचा दिया था। महाराजा और योगी बाबा की ख़ुशी की सीमा न रही। उनको कोलार्क किसी भगवान् के

अवतार से कम नहीं लग रहा था। योगी बाबा हालाँकि थोड़े दुखी भी थे। फ्लेशी के एक मात्र देश में इतना बड़ा नुक्लेअर हमला। कोलार्क ने उन्हें वादा किया था की वो इसके बदले उन्हें और फ्लेशी को बोफ को फ़ैलाने की परमिशन देगा।

कोलार्क के मन में अब बहुत खतरनाक प्लान बन रहा था। उसने योगी बाबा की महत्ता बहुत बढ़ा दी थी। क्योंकिं महाराजा ज्योति आदि सभी अब योगी बाबा की कुटिया में ही शरण लिए हुए थे। सब के लिए बोफ पढ़ना और मानना अनिवार्य था। कोलार्क ने भी बोफ में बढ़ चढ़ कर दिलचस्पी दिखाई थी। सफायर ने भी बोफ धर्म अपना लिया था और वो कोलार्क के आगे पीछे ही घूमती थी। सभी लोगो को अब सफायर के जरिये ही कोलार्क से बात करनी पड़ी थी। कोलार्क और सफायर अधिकतर समय फटल शिप में रहते थे जो योगी बाबा की कुटिया के पास ही था। महाराजा, ज्योति आदि भी सब ग्रीनलैंड में योगी बाबा की कुटिया के आसपास ही अपना डेरा जमाये हुए थे। अनेकों टेंट आदि में उन लोगो का वास था। सफायर अब पूरी तरह से कोलार्क के कटे हुए हाथ के इलाज में लगी हुई थी। योगी बाबा ने भी अनेकों लेपो से कोलार्क का इलाज करने की कोशिश की थी।

जोश ने जिस प्रकार का बहादुरी का कार्य किया था वो रातो रात हीरो बन गया था। महाराजा ने भी उसे बधाई दी थी। ऐडमिरेर और चार अजय सैनिको की मौत ने इरीट्रिया के लोगो में अलग ही जोश भर दिया था।

ऐडमिरेर और चार सैनिको को मारने के लिए कोलार्क ने अपना हाथ काट डाला था। कोलार्क इस वक्त उन सब लोगो के साथ अपने फटल शिप में बैठा हुआ था। महाराजा, ज्योति, सफायर, जोश, योगी बाबा और ज्योति के अलग अलग सेना के प्रमुख, किंग हीरा, क्वीन जोबा और रांका - सेन्टॉरस का प्रतिनिधि सभी वहां पर मौजूद थे।

“अब अगला टारगेट है वो चार स्टरगेज़ शिप्स जो अंतरिक्ष में है।“ अपने कटे हाथ को सहलाता हुआ कोलार्क बोला।

“मैं कुछ समझा नहीं।“ महाराजा बोला। वैसे उसका महत्व अब काफी कम हो गया था और वो भी अब रांका, किंग हीरा और क्वीन जोबा की तरह एक साधारण सा प्रतिनिधि बन गया था। उससे ज्यादा महत्व कोलार्क ज्योति, जोश, योगी बाबा और सफायर को देता था।

“अरे यदि हमने जैसन की एक फैक्ट्री डिस्ट्रॉय कर भी दी तो क्या वो उन स्पेस शिप में मौजूद सामग्री से एक और फैक्ट्री डाल देगा। इससे पहले की हम परम गुरु को बोले की वो अन्निहिलटर का प्रयोग कर फैक्ट्री को नष्ट करे हमें वो चार स्टरगेज़ शिप्स नष्ट करने होंगे जो इस वक्त इरीट्रिया की कक्षा में घूम रहे हैं।“ कोलार्क चीखा। वो अब बात-बात में महाराजा की वैसे ही बेइज्जती करता था जैसे महाराजा योगी बाबा और बाकि फ्लेशी की करता था।

परम गुरु मीटिंग में नहीं आता था। वो पानी के अंदर ही रहता था और किसी से भी बात नहीं करता था।

“परन्तु परम गुरु आज कल गायब हो गए हैं वो किसी से भी कुछ बात नहीं कर रहे।“ महाराजा बोला। उसके पास अब कोई और विकल्प नहीं था की वो अपने से भी एक कमज़ोर लक्ष्य ढूंढे जिसकी बेइज्जती कोलार्क कर सके और उस पर से लोगो का ध्यान हट सके।

"वो मछली इतनी जल्दी घबरा गयी। वो तो अपने आपको बहुत बड़ा योद्धा मानती थी। " कोलार्क ने परम गुरु का मज़ाक उड़ाते हुए बोला। कोलार्क के साथ साथ ज्योति, महाराजा, सफायर, जोश आदि सभी जोर जोर से ठहाके लगा रहे थे। परम गुरु का इतना अनादर पहले कभी नहीं हुआ था। इरीट्रिया में वास्तव में अब नया दौर आ गया था।

"महाराजा तुम उस मुर्ख बड़बोली मछली को फोन लगाओ।" कोलार्क ने आदेश दिया।

परम गुरु ने थोड़ी देर से फोन का उत्तर दिया।

"आप को महान कोलार्क बुला रहे हैं, आप तुरंत योगी बाबा की कुटिया के पास खड़े फटल शिप पर आ जाईये। " महाराजा ने सम्मानपूर्वक शब्दों से कहा। भले ही वो पीठ पीछे परम गुरु का मज़ाक उड़ा लेता हो उसके सामने कुछ भी बोलने की महाराजा की हिम्मत अभी भी नहीं थी।

"मुझे माफ़ कर दो महाराजा मैं कोलार्क और जैसन दोनों ही एलियंस से कोई वास्ता नहीं रखना चाहता। हम समुद्री जीव शांति से समुद्र में जीना चाहते है। "

"और हमारा क्या, हेयस को उस क्रूर जैसन ने बर्बाद कर दिया है। " महाराजा चीखा।

"हमारा भी लेनोगो शहर खँडहर बन चूका है। " परम गुरु ने जवाब दिया।

"परम गुरु, तुम ये कह रहे हो की पूरा हेयस भू - भाग और लेनोगो एक समान है। " महाराजा ने पहली बार परम गुरु को ऊँची आवाज़ में कुछ कहा था। उसको पता था की परम गुरु के पास अब वो ताकत नहीं रही जो कभी पहले हुआ करती थी।

परम गुरु ने कुछ भी नहीं कहा।

कोलार्क ने महाराजा से फोन ले लिया। कोलार्क को अब इरीट्रिया पर बोली जाने वाली कॉमन भाषा में बोल कर बात करना भी आ गया था। वो अपनी स्वरतंत्री से बोला, "मुर्ख मछली तुम यहाँ तुरंत आ जाओ वार्ना मुझे वहां आना पड़ेगा। "

परम गुरु ने कोलार्क की आवाज़ पहचान ली और उसने तुरंत फोन काट दिया।

कोलार्क को अत्यधिक क्रोध हो गया। उसने अपने मैकाबरों से बोला, " जाओ उस मछली को पकड़ कर ले कर आओ। उसे इन मीटिंग्स का हिस्सा होना पड़ेगा।"

महाराजा और ज्योति के साथ साथ बाकि सभी इरीट्रिया वासियों के लिए यह बहुत ही अचरज की बात थी। उन्होंने कभी भी परम गुरु और ऐक्यान की ऐसी हालत की कल्पना भी नहीं की थी।

कोलार्क का आदेश पाते ही 15 मैकाबर परम गुरु को लाने के लिए निकल गए। उन मैकाबरों के जाने के बाद कोलार्क ने मीटिंग आगे बढ़ाई।

&

कोलार्क ने अपने आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले से इरीट्रिया गृह को दिखाया और वो चारों स्टरगेज़ शिप्स दिखाए जो इरीट्रिया का चक्कर काट रहे थे। "हमें अब ऐसे राकेट बनाने है जो उन स्पेस शिप्स पर नुक्लेअर अटैक कर सके।" कोलार्क बोला।

"पर क्या हमारे नुक्लेअर हमले इन शिप्स को मार पाएंगे। " ज्योति ने उन शिप्स के आर्टिफीसियल डिस्प्ले की तरफ इशारा करते हुए पूछा।

"मुझे पता है तुम इसलिए शंकित हो क्योंकि डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर ने तुम्हारे नुक्लेअर हमले आसानी से बचा लिए थे। " कोलार्क बोला।

"हाँ" ज्योति बोली।

"परन्तु ये चारो स्टरगेज़ शिप्स क्यों इरीट्रिया पर लैंड नहीं कराये गए। सोचो। " कोलार्क ने ज्योति से प्रति प्रश्न किया।

"क्योंकि उनके पास डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर नहीं है। " सफायर ने बीच में बोला।

"बिलकुल सही सफायर। " कोलार्क ने सफायर के कंधो को हलके से अपने हाथ से छूते हुए बोला।

"क्योंकि जैसन को बहुत सारा सामान लाना था इसलिए वो एक ही डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर लाया था। उसने इरीट्रिया पर हमला करने से पहले अनेकों रोबोट यहाँ भेजे थे। उसे पता था की इरीट्रिया वासी क्या कर सकते है और क्या नहीं। " कोलार्क बोला।

सभी लोगो के आश्चर्य की सीमा ही न रही। इसका मतलब जैसन बहुत समय से उनकी निगरानी कर रहा था। महाराजा और ज्योति एक दूसरे को देखने लग गए।

"इसलिए जैसन ने चारो स्टरगेज़ शिप्स को इरीट्रिया के बाहर ही रखा है। फैक्ट्री और किला बनाने से पहले वो शिप्स यहाँ लैंड हुए और जैसे ही फैक्ट्री और किला बनाने का जरुरी सामान गिरी पर्वत पर उतार लिया गया वो शिप्स वापस से अंतरिक्ष में चले गए। " कोलार्क ने सभी लोगो को बताया।

"तो यदि सटीक हमला किया जाए तो वो चारो शिप्स नष्ट हो जायेंगे। " एक फ्लेशी वैज्ञानिक जो नुक्लेअर पे लोड ले जाने वाले राकेट बनाने का जानकार था बोला।

"हाँ। क्योंकि हमने यदि जैसन की ये फैक्ट्री नष्ट कर भी दी तो क्या। उसके अजय सैनिक पहले चुन चुन कर आप सब को मार डालेंगे और फिर शांति से एक और फैक्ट्री बना लेंगे और अपना अन्तियम शिप बना लेंगे।" कोलार्क ने बोला।

"इसलिए यदि जैसन को हराना है तो हमें पहले उसके चारो स्टरगेज़ शिप्स नष्ट करने होंगे और फिर उसकी यह फैक्ट्री। " सफायर बोली।

"हाँ। और अभी अभी जोश और सफायर के कारण एडमिरेर की मौत हुई है। जैसन अब कोई हमला नहीं करेगा वो चुप चाप अपने स्पेसशिप बनाने में लगा रहेगा। क्योंकि वो इस हमले से अब डर गया होगा।" कोलार्क ने जोश को देखते हुए और सफायर को अपने दूसरे हाथ से बाँहों में लेते हुए सब लोगो को बोला।

ज्योति को भी यह अच्छा नहीं लग रहा था की कोलार्क उसकी सेना का सारा का सारा क्रेडिट केवल जोश और सफायर को दे रहा था। माना की उन दोनों ने बहुत प्रमुख भूमिका निभाई थी परन्तु ज्योति के हज़ारो सैनिको ने अपनी जान दी थी।

कोलार्क ने ज्योति के मन की बात पढ़ ली थी। उसने सब लोगो को बोला, "ज्योति सोच रही है की उसके सैनिको ने भी तो कुरबानी दी है फिर क्रेडिट खाली जोश और सफायर को ही क्यों। क्योंकि तुम इरीट्रिया के लोगों ने फ्लेशी के साथ भी ऐसा ही किया था। तुम उनकी कुर्बानी भूल गए थे तुमने सोचा की केवल महाराजा जो एक ऐंजलन है और परम गुरु जो एक एक्यान है यह ही लोग महत्वपूर्ण है। तुमने कभी भी योगी बाबा, किंग हीरा और क्वीन जोबा को महत्व नहीं दिया, तुमने हज़ारो फ्लेशी जो तुम्हारी सेवा में लगे रहे जो तुम्हारी कृत्रिम विमान में काम आये उनको महत्व नहीं दिया तुमने कभी रांका जो सेन्टारस है उसको महत्व नहीं दिया - तो अब ये गम क्यों। जो तुम बोओगे वो ही पाओगे।"

कोलार्क ने बहुत ही गुस्से में ये मानसिक सन्देश दिया था और ये वहां मौजूद सभी लोगों को मिला था।

महाराजा और ज्योति को भी अपनी गलती का अहसास हो गया था। योगी बाबा कोलार्क से बहुत ही ज्यादा प्रभावित हो गए थे। कोलार्क जैसन के विपरीत न सिर्फ इरीट्रिया का ब्लैकस्टोन चाहता था परन्तु वो इरीट्रिया के सामाजिक ढांचे में जो भेदभाव का बीज था उसे भी मिटाना चाहता था। कोलार्क बहुत ही अलग सोच का मालिक था।

वहां एक लम्बी ख़ामोशी छा गयी। सब लोग अंतर्मनन करने में ही लग गए। उस ख़ामोशी को कोलार्क ने ही तोडा, "तो हम ऐसे राकेट बना सकते है जो उन चार स्टरगेज़ शिप्स को नष्ट कर दे। "

"हाँ कोलार्क, मेरी कंपनी जो लक्स फुल्गोर में है वो ऐसे राकेट बना सकती है।" एक फ्लेशी उद्योगपति बोला।

ये लोग भी अब कोलार्क का साथ दे रहे थे। कोलार्क सभी को साथ ले कर चलता था और उसकी मीटिंग्स में हर वर्ग का कोई न कोई प्रतिनिधि अवश्य होता था।

"लक्स फुल्गोर वैसे भी जैसन के राडार में नहीं है, मुझे नहीं लगता हेयस के उस छोटे भू भाग में जैसन की अजय सेना ने कोई तबाही मचाई है।" ज्योति बोली।

"हाँ ज्योति। हमारी सभी फैक्ट्री और संसाधन बिलकुल अप्रभावित हैं। हम राकेट बना सकते हैं और उन्हें बहुत ही जल्दी अंतरिक्ष में चार स्टरगेज़ शिप्स पर टकरा भी सकते है, परन्तु इरीट्रिया गृह के पलायव वेग को इतनी तेजी से पार करने के लिए जो ईंधन लगेगा वो है " फ्लेशी उद्योगपति बोलते बोलते रुक गया।

"इन्हे ब्लैकस्टोन चाहिए होगा। " जोश ने उसका वाक्य पूरा किया।

"परन्तु हमने भी उपग्रह छोड़े है बिना ब्लैकस्टोन की मदद के। " सफायर बोली।

"स्वीट हार्ट तुम लोगों ने जो उपग्रह छोड़े हैं वो बहुत ही बुनियादी हैं। वो जिस गति से स्टरगेज़ शिप्स पर पहुंचेंगे तो वो शिप्स उनको अपनी लेज़र से नष्ट कर देंगे। हमें अत्यधिक तेज गति से उड़ने वाले राकेट चाहिए जो नुक्लेअर पे लोड ले जा सके। " कोलार्क ने सफायर को देखा और सब लोगों से बोला। वो सफायर को बहुत ही ज्यादा चढ़ा के रखता था। यह बात यदि महाराजा ने बोली होती तो कोलार्क का उत्तर बहुत ही अलग होता।

"समझ गई। " सफायर बोली।

महाराजा और ज्योति को ये बहुत ही असहज लग रहा था परन्तु वो लोग चुप ही रहे।

"ब्लैक स्टोन की तीन ही मुख्य खदान है - गिरी पर्वत में, लेनोगे - पानी के अंदर और सरन शहर में।" महाराजा ने अपना पक्ष रखा। उसने आगे बोला, "गिरी पर्वत पर जैसन ने फैक्ट्री बना रखी है, लेनोगे पर भी अजय सेना का कब्ज़ा है और सरन शहर को अजय सेना बार बार रेड कर के तबाह करती रहती है। वहां से ब्लैक स्टोन लाना.....।

कोलार्क बीच में ही महाराजा की बात काटते हुए बोला, "किंग हीरा तुम ग्रीनलैंड के राजा हो।"

" जी।" किंग हीरा ने सर हिला कर जवाब दिया।

"तुम्हें इस मिशन के लिए कुछ करना होगा। " कोलार्क ने बहुत ही गंभीर स्वर में बोला।

"सर आप आदेश तो मैं कुछ भी करने के लिए तैयार हूँ। " किंग हीरा बोला। उसे बहुत ही गर्व हो रहा था की कोलार्क उससे कुछ करने के लिए कह रहा है। इरीट्रिया पर केवल महाराजा और परम गुरु की ही चलती थी परन्तु अब कोलार्क ने सभी लोगों को अपने साथ मिला लिया था। उसके पास सभी के लिए कुछ न कुछ करने को था।

"क्या ग्रीनलैंड का राजा पूरे ग्रीनलैंड को आदेश दे सकता है की मूर्ति पूज़ा अब से नहीं होगी और जो भी मूर्तियां है वो तुरंत इस फ्लेशी उद्योगपति की फैक्ट्री में लक्स फुल्गोर में भेज दी जाएँगी। " कोलार्क ने अपना आदेश दे दिया था।

सभी लोग बिलकुल सकते में थे। मूर्तियां पूज़नीय थी और उन्हें इस प्रकार से फ्लेशी को ईंधन के रूप में देने का विचार ही बेहद संगीन था। इस बात को लेकर पहले भी कई बार दंगे हो चुके थे।

किंग हीरा ने जवाब नहीं दिया। कोलार्क ने फिर कहा, "किंग हीरा तुम ऐलान कर दो जो भी ग्रीन लैंड में रहेगा उसे बोफ में मानना पड़ेगा। "

"परन्तु हम बोफ में नहीं मानते।" राका जो सेन्टॉरस का प्रतिनिधि था बोला।

कोलार्क का चेहरा तमतमा गया और वो चिल्लाया, "जो बोफ में नहीं मानेगा वो मारा जाएगा।"

कोलार्क बहुत ही खूंखार स्वर में बोल रहा था। जिसने अजय सेना के चार सैनिको को मारा था और जो ऐडमिरेर को मार चूका था, उसको कोई भी रुष्ट नहीं करना चाहता था। अब तो बिलकुल भी नहीं क्योंकि सब को पता था जैसन बदला लेगा और वो क्रूर और बेहद खतरनाक था।

वहां एक बहुत ही बड़ी ख़ामोशी छा गई। रांका, महाराजा और ज्योति को समझ नहीं आ रहा था कि वो क्या करें। ज्योति के अधिकतर सैनिक मर चुके थे, पूरा हेयस तबाह हो चूका था क्योंकि अजय सेना बार बार वहां आक्रमण कर रही थी। जमीन पर बचे थे तो सिर्फ ग्रीनलैंड एक ऐसा बड़ा भू - भाग जहाँ अब कोलार्क कि ही चलती थी और दूसरा लक्स फुल्गोर जो हेयस में था परन्तु जैसन के कहर से दूर - एक फ्लेशी देश।

किंग हीरा ने बहुत सोच विचार करने के बाद आखिर कार अपना मत दे ही दिया।

"ठीक है कोलार्क। मैं अभी आदेश देता हूँ।" किंग हीरा बोले।

"शाबाश किंग हीरा ये एक साहसिक फैसला है परन्तु कई बार ऐसे फैसले भी बहुत ज्यादा आवश्यक होते है। " कोलार्क ने अपने हाथ से किंग हीरा कि पीठ थपथपाई। कोलार्क आगे बोला,"जोश तुम इस मिशन को लीड करोगे। कुछ फ्लेशी लोगो को ले जाओ और सारे मंदिरो से मूर्तियों को लक्स फुल्गोर पहुंचवाओ।"

कोलार्क ने फिर उस फ्लेशी उद्योगपति कि तरफ देखा और बोला, "मुझे वो राकेट जल्दी चाहिए। उन स्पेसशिप्स को ख़त्म करना ही होगा।"

"सर मैं जोश को पल पल कि खबर देता रहूँगा हम बहुत ही जल्दी वो राकेट बना लेंगे। " उद्योगपति बोला।

"बहुत अच्छे। जोश तुम सफायर से डिटेल्स ले लेना कि नुक्लेअर पे लोड कितना होना चाहिए। मैंने सफायर को ये सब बता रखा है। " कोलार्क ने सफायर कि तरफ देखते हुए बोला।

"बिलकुल सर। " जोश बोला। सफायर ने भी अपना सर हामी में हिला दिया।

किंग हीरा को एक तरफ दुःख था की वो पवित्र मूर्तियों को खंडित करवा रहा था तो दूसरी और उसके पास कोई विकल्प भी नहीं था इसलिए वो अपने आप को सांत्वना भी दे रहा था। हालाँकि कोलार्क ने ग्रीनलैंड को बेस बनाया था इसलिए अब ग्रीनलैंड की अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी चल रही थी और हेयस पूरी तरह से तबाह हो चूका था इसलिए भी ग्रीनलैंड की महत्ता बढ़ गयी थी। परन्तु फिर भी किंग हीरा का मन बहुत ही ज्यादा भारी हो गया था।

योगी बाबा बहुत ही ज्यादा खुश थे। उनकी ख़ुशी की तो सीमा ही नहीं रही थी। फ्लेशी लोगों का महत्ता काफी बढ़ गया था ख़ास कर जोश का साहंसी कदम जिसने एडमिरेर और चार अजय सैनिको को मार डाला था वो चर्चा का विषय था। योगी बाबा का महत्व भी काफी बढ़ गया था क्योंकि बोफ के प्रवचन और बोफ के रस्ते पर चलने का सही ज्ञान वो ही लोगों को दे रहे थे। योगी बाबा को लग गया की बोफ वास्तव में सच्ची किताब है। बोफ में लिखा था वो एक मात्र सच्चा भगवान् जल्द ही अपना आदमी भेजेगा जो मूर्ति पूजा को ख़त्म कर देगा। कोलार्क वो ही आदमी था। स्वर्ण त्वचा वाला सुन्दर दूत।

&

जैसन ऐडमिरेर की मौत से विचलित हो गया था। उसके इंजिनीयर्स हालाँकि स्पेसशिप बनाने में व्यस्त थे परन्तु जैसन को एक अजीब सी बैचेनी

थी। कोलार्क को लगा था कि जैसन अब पूरी तरह से स्पेसशिप बनाने में लग जाएगा इसके विपरीत जैसन ने अब बदला लेने कि थान ली थी। उसको बदला लेना था - कोलार्क से और सभी इरीट्रिया वालों से। अब सिर्फ स्पेस शिप बना कर Xor भेजना काफी नहीं था।

जैसन बहुत ही अप्रत्याशित था और कोलार्क ने यहीं चूक कर दी थी। उसको नहीं पता था कि जैसन एडमिरेर कि मौत से इतना विचलित हो जाएगा कि राल्फ का मिशन भूल कर सिर्फ इरीट्रिया वासियों से बदला लेने में लग जाएगा। उसने अब तक अपना पूरा ध्यान अन्तियम स्पेसशिप बनाने में लगाया था परन्तु अब वो सिर्फ बदला लेना चाहता था।

कोलार्क ने एडमिरेर को मार कर जैसन के इंजिनीयर्स पर अहसान कर दिया था। अब जैसन उनके सर पर नहीं खड़ा रहने वाला था और वो लोग अपना काम अब आसानी से करने वाले थे। उनका अन्तियम शिप जल्द ही बनाने वाला था।

इधर जैसन ने अपने मन में एक खूंखार योजन बना ली थी कि वो कैसे इरीट्रिया वासियों से बदला लेगा। उसने अपनी अजय सेना के चार सैनिकों को बुलाया।

"उन मैकाबरों को पकड़ कर ले कर आओ। और याद रहे वो मरने नहीं चाहिए मुझे वो सभी मैकाबर जिन्दा चाहिए।" जैसन चीखा।

चारो सैनिकों ने एक साथ बोला, "जी सर। " वो चारो वहां से निकल गए।

जैसन ने अपने बाकी सैनिकों को बुलाया और बोला, "अब समय आ गया है अपने हथियार मेहम का इस्तेमाल करने का। "

सभी सैनिक बहुत ज्यादा घबरा गए थे। मेहम बहुत ही शक्तिशाली हथियार था और एक शहर को एक ही हमले से खत्म कर देता था। अजय सेना

के बहुत से सैनिक जो तबाही किसी शहर पर दिन भर में मचाते थे वो तबाही मेहम कुछ ही मिनट में मचा देता था।

"तुम लोग पूरे ग्रीनलैंड और सुमद्र को तबाह कर दो और उस फटल स्पेसशिप को तबाह कर दो जो इस वक्त ग्रीनलैंड में पार्क किया गया है।"

"जी सर " सभी सैनिक एक साथ बोले।

एक सैनिक ने हिम्मत करके बोलने कि कोशिश कि, "परन्तु सर हमारी फैक्ट्री पर हमला हो गया तो। "

वो सैनिक काफी घबरा गया था। उसे लगा उसे ये बोलना ही नहीं चाहिए था। क्योंकि जैसन के गुस्से कि कोई सीमा नहीं थी।

परन्तु जैसन ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एडमिरेर कि मौत ने उसे बता दिया था कि उसको बाकी लोगों कि बात भी सुन लेनी चाहिए। उसने साधारण स्वर में पूछा, "तुम्हारे विचार में फिर क्या किया जाए। "

वो सैनिक और साथ ही बाकि सभी हतप्रभ थे। जैसन को एडमिरी कि मौत ने थोड़ा बदल दिया था। परन्तु ये सैनिक इतने दिनों से क्रूर जैसन के साथ रह रह कर बहुत ही ज्यादा क्रूर हो चुके थे। उस सैनिक ने कहा, "सर यदि आप बोले तो पहले हम ग्रीनलैंड को तबाह करते है फिर समुद्र को। हमारे 10 सैनिक तबाही मचाने जायेंगे परन्तु बाकि यही फैक्ट्री में रुकेंगे। और जब हम मेहम को ले ही जा रहे है तो फिर क्या ही दिक्कत है।"

जैसन को उस सैनिक कि बात अच्छी लगी। एक साथ पूरे गृह पर तबाही मचाने में सबसे बड़ा खतरा था कि उसकी फैक्ट्री कि सुरक्षा कमज़ोर हो जाती थी। उसको सैनिक कि बात अच्छी लगी। उसने कहा, "तुम 12 लोग चले जाओ फैक्ट्री कि सुरक्षा 80 लोगों से हो जाएगी।"

वो सभी सैनिक थोड़े संशित हो गए कि जैसन 96 में से 12 सैनिकों को मेहम के साथ भेज रहा था तो 80 क्यों बोल रहा था। जैसन की मनोस्थिति

की खबर उन सैनिकों को भी थी बस वो कुछ बोल नहीं सकते थे। जैसन ने आगे बोला, "मैंने अभी 4 अजय सैनिकों को मैकाबरों के पीछे लगाया है। "

"ठीक है सर। " उन सैनिकों ने एक साथ बोला।

जैसन ने कुछ बहुत ही ज्यादा खतरनाक प्लान बना लिया था।

&

वो चार सैनिक ग्रीनलैंड में मैकाबरों के पास पहुँच गए। मैकाबरों का पता लगाना कोई मुश्किल नहीं था। वो सभी योगी बाबा की कुटिया और फटल शिप के आस पास ही थे। हालाँकि 15 मैकाबर परम गुरु को लाने के लिए समुद्र तल गए हुए थे बाकी 10 वही एक साथ थे। अजय सैनिकों ने उन 10 मैकाबरों पर हमला कर दिया।

सफायर अपने संचार तंत्रो से हर पल आस पास पर नज़र रखे हुई थी और उसने तुरंत ही कोलार्क को मैकाबरों पर अजय सैनिकों के हमले की खबर दे दी थी। परन्तु इससे पहले कोई भी कुछ समझता वो अजय सैनिक एक एक कर मैकाबरों को टारगेट करने लगे।

वैसे तो एक ही अजय सैनिक उन 10 मैकाबरों पर भारी पड़ता और चार अजय सैनिक तो बहुत ही ज्यादा ताकतवर थे। उन मैकाबरों को समझ नहीं आ रहा था की वो कैसे इनका मुकाबला करे। मैकाबरों के हमले को अजय सैनिक बहुत तेजी से यहाँ वहां हो कर चकमा दे देते थे परन्तु अजय सैनिक के सटीक लेज़र प्रहार मैकाबर को लग जाते थे। मैकाबर का सुरक्षा कवच उन हमलो को झेल नहीं पाते थे और मैकाबर को वो प्रहार घायल कर जाते थे।

मैकाबर अपनी पूरी शक्ति से उन चार अजय सैनिकों से लड़ रहे थे परन्तु कुछ मिनटों की लड़ाई में ही वो सब घायल हो चुके थे। उनको पीड़ा हो रही थी। उन लोगों ने वहां से भागने की कोशिश भी की परन्तु अजय सैनिकों ने एक घेरा बना कर उन 10 मैकाबरों को वही फसा लिया। उनको लग गया था

की आज उन सबकी मौत आ चुकी है। तभी एक अजय सैनिक ने उन 10 मैकाबरों को मानसिक सन्देश भेजा।

जैसन जो राल्फ के आदेश से वहां आया था उसने उन सब को फैक्ट्री पर बुलाया था। यदि वो चुप चाप चलेंगे तो वो सैनिक उन्हें कुछ नहीं कहेंगे। वो मैकाबरों को कोई नुक्सान नहीं पहुँचाना चाहते क्योंकि मैकाबर आइवीश गृह के हैं और राल्फ के प्रिय हैं।

मैकाबर को कुछ समझ नहीं आया परन्तु उनको ये लग गया की यदि ये अजय सैनिक उनको मारना ही चाहते थे तो आसानी से मार सकते थे। परन्तु फिर भी उन्होंने उनको घायल ही किया और हो सकता है की राल्फ ने ही इन लोगों को इस गृह पर भेजा हो। मैकाबर पैसे के लिए काम करते थे परंतू उनको अपनी जान ज्यादा प्यारी थी और राल्फ से कोई भी नाराज़गी मोल लेकर आइवीश पर नहीं रह सकता था। वो सब एक एक करके चुप चाप अजय सैनिकों के सामने समर्पित हो गए। अजय सैनिक उन सबको लेकर तुरंत फैक्ट्री चले गए।

कोलार्क के सामने ही उसके बहुत सारे मैकाबर गिरफ्तार हो कर जा चुके थे। सफायर बहुत ज्यादा घबरा गयी थी। वो दोनों फटल शिप में बैठ कर ये सारा दृश्य देख रहे थे। इधर साथ ही ग्रीनलैंड के अलग अलग शहरो में मेहम ने तबाही मचा दी थी। उसकी खबर भी कोलार्क को तुरंत मिल गयी थी। कोलार्क को समझ ही नहीं आ रहा था कि जैसन अपनी फैक्ट्री पर ध्यान देने कि बजाय इतना उग्र व्यवहार क्यों कर रहा था। जैसन को कोलार्क हलके में नहीं ले सकता था। उसने तुरंत ही फटल शिप को और सफायर को सुरक्षित करने की योजना बना ली थी। उसने सफायर को बोला, "तुम्हें इस फटल शिप में अंतरिक्ष में जाना होगा। "

सफायर को कुछ समझ नहीं आया।

कोलार्क ने उसे अपनी बाँहों में भर लिया और बोला, "जैसन ने मेहम का प्रयोग किया है। ये एक ऐसा हथियार है शहर के शहर मिनटों में ख़त्म कर देता है। जल्द ही फटल शिप को भी खत्म कर देगा और ये मैं नहीं होने दे सकता। तुम को इस शिप के बारे में अब काफी कुछ पता चल चूका है तुम इस शिप को लेकर अंतरिक्ष में चली जाओ। "

"परन्तु तुम भी साथ चलो। " सफायर ने जिद्द की।

"नहीं सफायर मुझे अभी जैसन को हराना है। तुम बस एक बाद याद रखना जैसी ही मेरा सिग्नल मिले मुझे फटल शिप पर बीम कर लेना। "

सफायर को कुछ समझ नहीं आ रहा था, उसने जैसन को कसके गले लगा लिया। वो उसको छोड़ कर नहीं जाना चाहती थी।

परन्तु कोलार्क के पास समय नहीं था। मेहम ग्रीनलैंड में तबाही मचाते हुए उनके बेहद पास आ गया था। जैसन को पता था की योगी बाबा की कुटिया के पास ही वो सब लोग है।

कोलार्क ने सफायर को बहुत ज़ोर से हग किया और तुरंत ही फटल शिप से बाहर चला गया। सफायर फटल शिप को ले कर अंतरिक्ष में उड़ गयी। इधर मेहम ने अपना आतंक मचा रखा था और ग्रीनलैंड को तबाह कर रहा था। कोलार्क ने जोश को फोन लगाया और बोला, "जोश मुझे तुरंत अपने फाइटर जेट में लक्स फुल्गोर ले चलो। "

"हमारे सारे फाइटर जेट तो ख़त्म हो गए हैं। " जोश ने बोला।

कोलार्क को समझ नहीं आया की वो क्या करे तभी महाराजा ने उसे गोद में उठाया और बहुत ही तेजी से उड़ने लगा। मेहम ने ग्रीनलैंड में तबाही मचानी चालू कर दी थी। सभी लोग यहाँ वहां भाग रहे थे परन्तु महाराजा बहुत तेजी से उड़ सकता था। वो कोलार्क को बहुत ही तेजी से उड़ा कर लक्स फुल्गोर ले गया।

कोलार्क को पहली बार लगा की महाराजा ने उसकी जान बचा ली थी। महाराजा ने कोलार्क को लक्स फुल्गोर में उस उद्योगपति की फैक्ट्री में उतार दिया था जहाँ वो राकेट बन रहे थे।

"धन्यवाद महाराजा। मैंने आपका इतना अपमान किया फिर भी आपने मेरी जान बचाई। " कोलार्क ने बहुत ही श्रद्धापूर्ण स्वर में कहा।

"नहीं धन्यवाद मुझे आपको देना चाहिए। आपने मेरी आँखे खोल दी। जोश जैसे फ्लेशी को जिसको मैं इतना बुरा भला बोलता था ने पहली बार अजय सेना के सैनिकों को मारने में इतनी मुख्या भूमिका निभाई। इसलिए मैंने सोच रखा था यदि मौका पड़ा तो मैं भी बता दूंगा की ऐंजलन प्रजाति का ये हेयस का सत्रप भी इस मिशन के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर सकता है। " महाराजा ने अश्रुपूर्ण होकर रुआंसे स्वर में बोला।

कोलार्क ने महाराजा को कसके गले लगा लिया।

मेहम के हमले जारी थे और धीरे धीरे ग्रीनलैंड के शहर तबाह हो रहे थे। किंग हीरा, क्वीन जोबा, ज्योति आदि सभी उड़ उड़ कर लक्स फुल्गोर में आ गए। उन लोगों ने योगी बाबा, सेन्टॉरस रांका आदि की भी जान बचा ली और वो उन सबको उड़ा उड़ा कर अपने साथ ले आये। पहली बार इरीट्रिया के इतिहास में ऐंजलन, सेन्टॉरस और फ्लेशी एक जुट दिख रहे थे। एलियन हमले ने इरीट्रिया के लिए कुछ तो अच्छा कर दिया था।

&

इधर कुछ मैकाबर जो परम गुरु को पकड़ने के लिए लेनोगो गए थे परम गुरु को लेकर लक्स फुल्गोर आ गए थे। कोलार्क ने उन्हें लक्स फुल्गोर में आने का आदेश दे दिया था। लक्स फुल्गोर में एक बड़े मीटिंग रूम में सभी लोग थे और वहां भी परम गुरु के लिए एक बड़े चैम्बर की व्यवस्था कर दी गई थी जिसमे समुद्री पानी था और बहुत अधिक दबाव जितना परम गुरु को

सहने की आदत है। परम गुरु को हेलमेट भी दिया गया था ताकि वो सबसे बात कर सके।

मेहम के हमले ने कोलार्क को बहुत विचलित कर दिया था और उसे पता था की अब जल्दी ही जैसन की फैक्ट्री को तबाह करना होगा। जमीनी हमले कुछ कारगर नहीं थे क्योंकि मुस्तैद अजय सैनिकों को छकाना आसान नहीं था। बिना डिफेन्स शील्ड और ऑटो सकर के भी जैसन की फैक्ट्री अजय ही थी। अब केवल परम गुरु और उसका अन्निहिलटर ही कुछ कर सकते थे।

कोलार्क ने परम गुरु को कहा, "आप का अन्निहिलटर प्रज्जवलित हो गया।"

परम गुरु ने उत्तर दिया, "कोलार्क क्या तुम समुद्री जीवो को इन सबसे बाहर रख सकते हो। "

कोलार्क के साथ साथ महाराजा, ज्योति, योगी बाबा, किंग हीरा, क्वीन जोबा, रांका आदि सभी को भी बहुत ही गुस्सा आ गया परम गुरु की ये स्वार्थी बातें सुन कर।

"तो तुम इसलिए मीटिंग में नहीं आ रहे थे। मुझे लगा था की मछली तैरना भूल गयी है। " कोलार्क ने परम गुरु का अपमान करते हुआ तंज कस दिया।

वहां मौजूद सभी लोग ज़ोर ज़ोर से हसने लगे थे। परम गुरु का इतना अपमान कभी नहीं हुआ था। ऐंजलन, सेन्टॉरस और फ्लेशी सब उस पर है रहे थे। ऐसा लग रहा था की वो सब एक हो गए थे और परम गुरु अकेला पड़ गया था। परम गुरु शांत रहा।

"तुम अन्निहिलटर का प्रयोग कर दो जितनी जल्दी हो सके। क्योंकि मेहम बहुत ही जल्द पूरे गृह को तबाह कर देगा। "

"नहीं कोलार्क मुझे और मेरे लोगो को माफ़ कर दो। हमें तुम लोगो से कुछ लेना देना नहीं है। हम समुद्र में आराम से रहेंगे।" परम गुरु ने फिर से करुण स्वर में बोला।

"एक योद्धा को ऐसी बातें शोभा नहीं देती परम गुरु। " महाराजा चिल्लाया। " इरीट्रिया पर जैसन का खतरा है और तुम ..."

परम गुरु बीच में बोला, "महाराजा तुम तो खुद कायर हो। इस सोने की चमड़ी वाले जल्लाद की बात मान कर तुमने बोफ अपना लिया। अपना धर्म भूल गए।"

"मुर्ख मछली - मैं तेरी चमड़ी उधेड़ दूंगा।" कोलार्क बेहद गुस्से में बोला।

परम गुरु पहली बार कोलार्क के सामने गुर्राया, "तू ऐसा कुछ नहीं कर सकता। मैं महाराजा की तरह न तो मुर्ख हूँ न ही तेरा गुलाम। मुझे पता है की जैसन की फैक्ट्री को केवल मैं ही अन्निहिलटर से तबाह कर सकता हूँ। अन्निहिलटर कैसे चलाया जाता है केवल मुझे और मेरे कुछ ख़ास लोगो को ही आता है।"

"और तुम्हें लगता है की यदि तुम लोग मेरा साथ नहीं दोगे तो मैं जैसन से हार जाऊंगा।" कोलार्क ने अंगार भरे स्वर में बोला।

"हाँ। जैसन को सिर्फ ब्लैक स्टोन चाहिए था। मैं उसे वो दे दूंगा। उसके बदले समुद्र में वो मुझे आराम से रहने देगा।" परम गुरु बोला।

"और जो उसने हेयस में इतनी तबाही मचाई। मेरे इतने लोग मार डाले।" महाराजा बीच में बोला।

"वो मेरी समस्या नहीं है।" परम गुरु उदासीन स्वर में बोला।

महाराजा को बहुत गुस्सा आया। उसने एक गलत व्यक्ति पर भरोसा कर लिया था।

"तुम एक दम मुर्ख है - परम गुरु। तेरी जैसी मछली को तो जैसन को परोस ही देना चाहिए।" कोलार्क गुर्राया। "तुझे क्या लगता है एडमिरेर की मौत के बाद जैसन अब सिर्फ ब्लैक स्टोन लेने से मान जाएगा। मुर्ख उसने मेहम का प्रयोग किया है। जो अभी ग्रीनलैंड के एक एक शहर और बस्ती को नष्ट कर रहा है। जल्द ही वो समुद्र को अपना निशाना बनाएगा।"

परम गुरु कुछ नहीं बोला।

" परम गुरु यदि तुम मेरे किसी काम के ही नहीं तो मैं तुम्हें अभी मार डालता हूँ।" कोलार्क चिल्लाया।

" मार डालो। मैं मरने से नहीं डरता।" परम गुरु ने निडर हो कर कहा।

परन्तु जो परम गुरु को नहीं पता था वो ये की कोलार्क एक बहुत ही शातिर खिलाडी था। उसने अपने मैकाबर सैनिक को आदेश दिया और उसने परम गुरु पर लेज़र से फायर किया। परम गुरु एक विशालकाय मछली कम मनुष्य था परन्तु उस लेज़र फायर को नहीं झेल पाया और बेहोश हो गया।

कोलार्क के मन में कुछ बहुत खतरनाक चल रहा था।

~~~

अध्याय सोलह - जैसन की हार

कोलार्क परम गुरु को अपनी कैद में रख कर लेनोगे शहर पहुँच गया। उसके साथ कुछ मैकाबर, ज्योति के बचे कूचे ऐंजलन, सेन्टॉरस और फ्लेशी सैनिक भी थे। परम गुरु को साथ ले कर वो उस स्थान पर पहुंच गया जहाँ अन्निहिलटर था।

कोलार्क ने परम गुरु के मन की बात उन्हें टार्चर कर कर के जान ली थी। फ्लेशी सैनिक परम गुरु को टार्चर करते और प्रश्न पूछते, परम गुरु हालाँकि उन प्रश्नो का उत्तर नहीं देते थे परन्तु इस प्रकार टार्चर करने पर उन प्रश्नो के उत्तर उनके मन में सोचने में आ जाते थे। कोलार्क वो बाते पढ़ लेता था। इरीट्रिया के लोगो ने कभी भी मानसिक संदेशो से बाते नहीं की थी इसलिए उन्हें ये बाते मन में छुपाना इतना आसानी से नहीं आता था।

इसलिए जोश ने जो कारनामा कर दिखाया था वो सराहनीय था। उसने जैसन और एडमिरेर को मालूम ही नहीं पड़ने दिया की वो एक षड़यंत्र का हिस्सा था।

कोलार्क अपने साथ जितने भी हो सके उतने सैनिक ले कर आया था। ज्योति और महाराजा भी उसके साथ थे। उन सबने वैसे सूट पहने हुए थे जो समुद्र तल पर किसी भी जमीन पर रहने वाले व्यक्ति के लिए पहनना आवशयक था। ये सूट उन्हें उच्च दबाव सहने में मदद और ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रहे थे।

अन्निहिलटर जहाँ रखा हुआ था वो पानी के नीचे बसे लेनोगे शहर से थोड़ी दुरी पर था। चूँकि परम गुरु को कोलार्क ने बंदी बना रखा था इसलिए किसी ने भी उसका विरोध नहीं किया और वो उस कमरे तक पहुँच गया जहाँ अन्निहिलटर रखा हुआ था। उसके साथ साथ ज्योति महाराजा आदि भी पहुँच

चुके थे। कोलार्क के मैकाबर ने परम गुरु को लेज़र रस्सी से बाँध रखा था और घसीटते हुए कोलार्क के पीछे पीछे ले जा रहा था।

उस मुख्य कक्ष में 5-6 एक्यान लोग थे जो परम गुरु के सबसे प्रिय और विश्वसनीय थे। कोलार्क के पीछे पीछे पूरी फ़ौज ही उस कक्ष में घुस आयी थी। उन सब के सामने कोलार्क ने बड़ी ही निर्दयिता से परम गुरु के बुरी तरह घायल शरीर को उनके शिष्यों के आगे फेंक दिया। वो सब घबरा गए थे।

"जल्दी से ये अन्निहिलटर शुरू करो और गिरी पर्वत पर भूकंप ले आओ।" कोलार्क गुर्राया। उसका मानसिक सन्देश सभी को मिल रहा था जो भी वहां था। कोलार्क को उस समय पता नहीं था परन्तु ओला पास ही के कमरे में कैद था और उसे भी कोलार्क का मानसिक सन्देश मिल गया था।

वो सब लोग परम गुरु के परम शिष्य थे। किसी ने भी कोलार्क की बात नहीं मानी। उल्टा उन्होंने इमरजेंसी बटन दबा दिया। बहुत से एक्यान सैनिक वहां आ गए थे।

कोलार्क के सैनिको और परम गुरु के शिष्यों की एक्यान सेना में युद्ध प्रारम्भ हो गया। समुद्र में एक्यान लोग इतनी आसानी से हारने वाले नहीं थे। भयंकर युद्ध प्रारम्भ हुआ, हालाँकि मैकाबर को छोड़ कर कोई भी अन्य सैनिक एक्यान सैनिको का मुकाबला नहीं कर पा रहा था। धीरे धीरे ऐंजलन सैनिक और फ्लेशी सैनिक मारे जाने लगे। मैकाबर भी कोलार्क को बचाने में ही लगे हुए थे।

तभी कोलार्क को किसी का मानसिक सन्देश मिला। यह ओला का मानसिक सन्देश था। ओला को मालूम पड़ गया था की कोलार्क आस पास है। कोलार्क उस मानसिक सन्देश का पीछा करते हुए ओला के पास पहुंचा। ओला को परम गुरु के लोगो ने बुरी तरह से टार्चर किया था।

ओला के शरीर से बुरी तरह से खून टपक रहा था और वो किसी भी पल मर सकता था। ओला ने बहुत ही बुरी यातनाएं सही थी। कोलार्क को

बहुत ही बुरा लगा की वो इतने दिनों में ओला के बारे में भूल ही गया था। उसे उम्मीद नहीं थी की परम गुरु ओला की ये हालत करेगा।

“मैं जनता हूँ ये अन्निहिलटर कैसे चल सकता है।“ ओला ने कोलार्क को मानसिक सन्देश भेजा।

“शाबाश ओला। मैं उस मछली को छोडूंगा नहीं।“ कोलार्क ने ओला की ओर देख कर बोला। ओला कोलार्क की बाँहों में था। ओला ने भी कोलार्क का कटा हुआ हाथ देखा। सभी लोगो ने इस युद्ध में बहुत कुछ खोया था।

“आप इन लोगो को यहाँ से ले जाओ। मैं अकेले ही अन्निहिलटर चला सकता हूँ।“

“परन्तु अभी तुम्हें इलाज की जरुरत है।“ कोलार्क ने ओला को कहा।

कोलार्क ने अपने मैकाबर सैनिको को आदेश दिया और कोलार्क, ओला और वो मैकाबर सैनिक वहां से निकल लिए। महाराजा और ज्योति उन एक्यान सैनिको से लड़ रहे थे परन्तु जल्द ही उन लोगो का अंत ही होने वाला था क्योंकि एक्यान सैनिको की संख्या भी ज्यादा थी और समुद्र तल पर उनको ही लड़ने का अभ्यास था; जमीनी सैनिको को नहीं।

कोलार्क को नहीं पता था की वो ओला की मदद तो कर रहा है पर जाने अनजाने में अपनी खुद की मदद भी कर रहा है। कोलार्क और ओला वहां से जा चुके थे और तभी वहां पर आ गए थे अजय सेना के सैनिक।

उन सैनिको ने लेनोगे शहर में तबाही मचा दी थी। उन्हें जैसन ने आदेश दिया था की परम गुरु को पकड़ कर लाये। उन सैनिको ने सभी लोगो को जो भी वहां थे, परम गुरु, महाराजा, ज्योति सब को पकड़ कर जैसन के पास ले गए।

&

मेहम का आतंक अब योगी बाबा की कुटिया से बढ़ कर ग्रीनलैंड के अलग शहरो से होता हुआ समुद्र में चला गया था। योगी बाबा ने जल्द ही

अपनी कुटिया वापस बना ली थी। साधारण जीवन का सबसे अच्छा पहलु ये ही होता था की वो बड़ी आसानी ने वापस स्थापित किया जा सकता था।

योगी बाबा की कुटिया में बहुत से अच्छे और कारगर लेप और जड़ी बुटिया थी। कोलार्क ने योगी बाबा के साथ मिलकर ओला को बहुत जल्दी ही ठीक कर दिया था। ओला ठीक हो ही रहा था की, जोश ने लक्स फुल्गोर से कोलार्क को फोन कर दिया था।

“हमने राकेट बना लिया है।“ जोश ने बताया।

"क्या बात है, इतनी जल्दी।" कोलार्क ने आश्चर्य से पूछा।

"हम फ्लेशी लोग बहुत कम सोते है और इस राकेट को बनाने के लिए तो हम सोये ही नहीं।" जोश बोला।

"शाबाश ये तो बहुत बढ़िया हो गया।"

"मैंने सफायर से नुक्लेअर पे लोड भी समझ लिया और ज्योति ने मुझे नुक्लेअर पे लोड दे दिए थे वो मैंने राकेट पर लोड भी कर दिए।"

"बहुत बढ़िया।"

"मेरे पास सफायर के दिए हुए कोऑर्डिनटस है और अब हम धमाका करने के लिए तैयार है।" जोश ने अति उत्साह में बोला।

"बहुत ही शानदार काम कर दिया तुमने जोश।"

"ये हम सब ने मिल कर किया है।" जोश ने शरमाते हुए बोला।

"हाँ मुझे पता है।" कोलार्क बोला, "अब तुम ये रॉकेट्स तुरंत लांच कर दो।"

"जी सर।" जोश ने फ़ोन काट दिया।

कोलार्क बहुत ही ज्यादा खुश हो गया था। उसने सफायर को अपनी बेल्ट से सन्देश दिया था की वो उसे बीम करने के लिए तैयार रहे। समय आने वाला था।

इधर ओला भी बिस्तर से उठ गया था। उसको पता था की कोलार्क के पास समय बहुत ही कम है। मेहम का हमला भी हो सकता था और अजय सैनिक भी कभी भी आ सकते थे। कोलार्क अब जैसन का नंबर वन टारगेट था।

"मैं भी अन्निहिलटर को चलाने के लिए तैयार हूँ।" ओला बोला। हालाँकि वो बहुत ही ज्यादा दर्द में था परन्तु उसे पता था की कोलार्क को अभी उसकी जरुरत है।

कोलार्क ने उसे बहुत ही स्नेह से देखा और कहा, "ओला तुमने अन्निहिलटर की पूरी जानकारी कब ले ली।"

"क्योंकि वो मछलिया मुर्ख थी। उन्होंने मुझे खूब यातनाएं दी और फिर मुझे मरने के लिए छोड़ दिया और खुद ये भूल गए की मैं उनकी सारी बाते जान सकता हूँ। मैं यातनाओं के बाद भी मन तो पढ़ ही सकता था।" ओला हँसा। हालाँकि उसको हसने में भी दर्द हो रहा था। ओला को बुरी तरह से यातनाएं दी गयी थी।

"परम गुरु ने अन्निहिलटर को प्रज्चलित किया की नहीं।" कोलार्क ने ओला से पूछा।

"हाँ वो तो प्रजवल्लित हो ही चूका है। परम गुरु को नहीं पता था की उसे अन्निहिलटर कब प्रयोग में लाना पड़ सकता है इसलिए उसने अन्निहिलटर को प्रज्चलित ही रखा था।" ओला बोला।

"शाबाश ओला। अब तुम समुद्र तल चले जाओ और अन्निहिलटर का प्रयोग कर दो।" कोलार्क बोला।

"परन्तु मुझे अन्निहिलटर तक एक्यान लोग पहुँचने नहीं देंगे।" ओला बोला।

कोलार्क और ओला बातें ही कर रहे थे की बहुत से मैकाबर सैनिक वहां आ गए। यह वो मैकाबर सैनिक थे जो जैसन की अजय सेना के सामने समर्पण कर चुके थे। बाकी मैकाबर जो अभी कोलार्क के साथ थे उनको आश्चर्य

हो रहा था की उनके कुछ लोगो ने अपना पक्ष बदल लिया था। कोलार्क को मालूम पड़ गया था की, वो जैसन के सामने समर्पण कर चुके, मैकाबर आ चुके थे। वो कुटिया से बाहर आया और उसने देखा दोनों पक्षों के मैकाबर एक दूसरे से कुछ बाते कर रहे थे। कोलार्क को समझ आ गया था की उसके मैकाबर सैनिक अब उसका साथ नहीं देंगे।

एक मैकाबर सैनिक कोलार्क के पास आया और बोला, "आपको जैसन ने बुलाया है।"

कोलार्क ने अपने उन मैकाबर सैनिको को देखा जिन्होंने समर्पण नहीं किया था। उन लोगो ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखाई। कोलार्क समझ गया था की सारे मैकाबर अब उसके विरुद्ध हो चुके थे।

परन्तु कोलार्क बहुत ही शातिर खिलाडी था। उसको हारी बाज़ी पलटनी बहुत अच्छे से आती थी। कोलार्क ने उस मैकाबर को कहा, “मुझे बस थोड़ा सा वक्त दे दो, मैं तुम्हारे साथ चलता हूँ।“

“क्यों?” मैकाबर ने पूछा।

"मुझे महाराजा और परम गुरु से कुछ बात करनी है।" कोलार्क ने जान बूझ कर मैकाबर को घुमाने के लिए बोला।

"वो दोनों तो खुद जैसन की कैद में हैं।" मैकाबर बोला।

"अच्छा?" कोलार्क ने आश्चर्य से पूछा।

मैकाबर ने विस्तार से कोलार्क को सब कुछ बता दिया। कोलार्क के मन में अनेकों प्रश्न थे उन सभी के उत्तर उस मैकाबर ने दे दिए। उस मैकाबर को नहीं पता नहीं था की उसने अनजाने में कोलार्क की बहुत मदद कर दी थी।

"ठीक है मैं ओला और योगी बाबा से मिल कर आ जाता हूँ। क्योंकि हो सकता है फिर उनसे मुलाकात ही न हो।" कोलार्क बोला।

सैनिक मान गया। कोलार्क ओला और योगी बाबा के पास गया।

योगी बाबा और ओला दोनों ही चिंतित थे। उनको समझ आ गया था की मैकाबर ने गद्दारी कर दी थी। कोलार्क ने ओला की तरफ देखा और बोला "तुम को अन्निहिलटर का प्रयोग करना पड़ेगा। "

"परन्तु मुझे वो लोग वहां जाने नहीं देंगे। "

" तुम चिंता मत करो। मुझे जितना मालूम पड़ा है उस हिसाब से अजय सेना और मेहम ने लेनोगो को तबाह कर दिया है। "

"तो फिर अन्निहिलटर भी तबाह हो गया होगा।" ओला चिंतित स्वर में बोला।

"नहीं। अजय सेना को अन्निहिलटर की लोकेशन नहीं पता थी तो उन्होंने लेनोगो को तबाह किया और आगे बढ़ गए। हमारे लिए अच्छा हुआ की तुम अब वहां पर बिना रुकावट जा सकते हो।" कोलार्क बोला।

"ये तो बहुत अच्छा है। "

कोलार्क के सामने ओला रांका की पीठ पर बैठ कर निकल गया। वो जल्द ही उस स्थान पर पहुँच जाएगा जहाँ से वो डीप वाटर व्हीकल में बैठ कर लेनोगो के पास अन्निहिलटर तक पहुँच जाएगा। वो जल्द ही समुद्र तल पर पहुँच जाएगा। कोलार्क ने अपने पत्ते सही ढंग से खेल दिए थे।

थोड़ी देर बाद कोलार्क अपना कटा हुआ हाथ सहलाता हुआ उस मैकाबर के पास आया और बोला, “चले।“

मैकाबर सैनिक ने अपने आप को एक सूट में ढक लिया और कोलार्क को लेज़र रस्सी से बाँध कर ले जाने लगा। कोलार्क को उसी के मैकाबर सैनिक गिरफ्तार कर के जैसन के पास ले जा रहे थे।

&

जैसन के सामने कोलार्क को पेश किया गया।

कोलार्क ने देखा जैसन ने फैक्ट्री में शिप बना लिए है परन्तु फिर भी वो बहुत परेशान है। महाराजा और परम गुरु दोनों ही सामने एक कैद में थे।

परम गुरु की हालत बहुत ख़राब थी। महाराजा को भी टार्चर किया गया था। महाराजा के पंख फाड़ दिए गए थे। ज्योति भी कही दिख नहीं रही थी। कोलार्क समझ गया था की ज्योति को भी अजय सेना के सैनिक और मैकाबर अपने मजे के लिए कही और टार्चर कर रहे होंगे। जैसन ने कोलार्क के कटे हुए हाथ को ज़ोर से दबाया। कोलार्क के मुँह से कराह निकल गयी।

"इसी कटे हाथ से तूने एडमिरेर को मुर्ख बना कर उसकी हत्या की थी ना।" जैसन खूंखार स्वर में गुर्राया।

कोलार्क को बहुत ज्यादा दर्द हो रहा था। उसका हाथ अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुआ था। वैसे भी मैर्केल लोग बहुत ज्यादा शारीरिक रूप से सबल नहीं होते थे। कोलार्क तो अत्यधिक कमज़ोर था।

"बता तुझे कैसे मारु। इस मछली को तो में कल नाश्ते में खा रहा हूँ। और इस चिड़िया के बच्चे को आज रात डिनर में।" जैसन हसते हुए परम गुरु और महाराजा की और देख कर बोला।

कोलार्क मुस्कुराया। उसकी ये मुस्कराहट जैसन को बहुत ज्यादा चुभ गयी। जैसन चिल्लाया, "तू हंस क्यों रहा है मुर्ख मैर्केल। तेरे सुनहरे बदन को मैं जिन्दा जलाऊंगा।"

"मैं नहीं तू मुर्ख है जैसन।" कोलार्क ने बोला।

जैसन ने कोलार्क का कटा हुआ हाथ जोर से मरोड़ दिया। कोलार्क को बहुत ज्यादा दर्द हो रहा था फिर भी वो बोला, "तुझे क्या लगता है तू जीत गया।"

"कोलार्क क्या तू बिलकुल पागल है। तुझे दिख नहीं रहा। तू इन मैकाबर के बल पर मेरा मुकाबला करने चला था।" जैसन चीखा और उसने उन मैकाबरों की तरफ इशारा किया जो वहां खड़े तमाशा देख रहे थे।

"नहीं जैसन। ये तो बिकाऊ कुत्ते है। तूने ज्यादा पैसे दे दिए तो तेरे हो गए।"

“मैंने ज्यादा पैसे नहीं दिए। मैंने उन्हें बता दिया की मैं राल्फ के आदेश से यहाँ आया हूँ। ये मैकाबर आइवीश के है। इन्हे नहीं पता था की मैं राल्फ का आदमी हूँ।“

“कोई बात नहीं। तूने पैसे दिए हो या राल्फ का डर दिखाया हो, तुझे मैंने अपने बल पर चुनौती दी है।“ कोलार्क ने गंभीर हो कर बोला। उसके चेहरे पर गज़ब का आत्मविश्वास झलक रहा था। पहली बार महाराजा और परम गुरु ने कोलार्क का यह रुप देखा था - एक ऐसा व्यक्ति था जो किसी भी परिस्थिति में नहीं डगमगाता था। कोलार्क मौत के मुँह में खड़ा हो कर भी जैसन को ललकार रहा था।

कोलार्क का यह आत्मविश्वास देख जैसन के आश्चर्य की सीमा नहीं रही। वो बोला, “तु देख रहा है न मुर्ख कोलार्क की मैंने स्पेस शिप बना लिए है। महाराजा और परम गुरु इरीट्रिया के दो सबसे ताकतवर लोग ...

जैसन ने एक सैनिक को इशारा किया और उसने उन दोनों पर छोटा सा इलेक्ट्रिक करंट मारा और वो दोनों चिल्ला उठे। जैसन आगे बोला, “ये दो ताकतवर लोग यहाँ मेरी रहम के मोहताज है। इनकी सेनापति ज्योति मेरे सैनिको की थकान मिटा रही होगी। पूरा का पूरा प्लेनेट मेरा गुलाम है।“

कोलार्क ने महाराजा और परम गुरु की ओर देखा। उनकी हालत वास्तव में दयनीय थी। उसने फिर दूर खड़े उन स्पेसशिप्स को देखा और जैसन की ओर मुस्कुराते हुए बोला, "तेरे ये स्पेसशिप उड़ते है।“

“मतलब।“

“इरीट्रिया में जो अन्तियम है वो फैलानी के डिज़ाइन किये हुए शिप्स को पावर नहीं दे सकता।“

जैसन बहुत ही ज्यादा गुस्से और आश्चर्य में आ गया। उसने चीखते हुए बोला, "तुम क्या कहना चाहते हो।“

“मुर्ख जैसन मुझे फैलानी के डिज़ाइन पता है। मुझे इरीट्रिया का अन्तियम भी पता है। यदि इरीट्रिया के अन्तियम से फटल जैसे शिप बनाने है तो फैलानी के डिज़ाइन में एक चेंज करना पड़ेगा। तब इरीट्रिया के अन्तियम से फटल से भी तेज स्पेसशिप बनाये जा सकते है।“

“परन्तु मेरे इंजिनीयर्स ने मुझे ये क्यों नहीं बताया।“ जैसन ने शंकित भाव से पूछा। उसको समझा आ गया था की इसलिए ये स्पेसशिप ढंग से काम नहीं कर पा रहे थे। उसके इंजिनीयर्स ने अभी ही उसे ये बताया था की उन्हें समझ नहीं आ रहा की फैलानी का डिज़ाइन एक दम सही सही अनुसरण करने के बाद भी शिप्स में क्या दिक्कत आ रही थी।

“क्योंकि तूने इन्हे बहुत ज्यादा डरा दिया। हो सकता है कुछ इंजिनीयर्स को ऐसा लगा भी हो परन्तु तेरे डर से कोई कुछ नहीं बोला।“

“कोलार्क तुझे कैसे पता।“ जैसन चीखा।

“क्योंकि मैंने ये टेस्ट रन किये है।“ कोलार्क बोला। “जब में इरीट्रिया के लिए निकला तो उन 100 दिनों मैंने प्रोटोटाइप बना लिया था की कैसे अन्तियम जो इरीट्रिया में मिलता है उससे कैसे स्पेसशिप बनाने है। ये स्पेसशिप बहुत ही उम्दा होंगे और प्रकाश गति से 200 गुना तक तेज चलेंगे। मैंने इनका नाम भी सोचा है - इरीट्रियान शिप।“

“मैं तुझे मार डालूंगा।“ जैसन ने अपनी लेज़र गन निकली और कोलार्क की तरफ साध दी।

“उससे क्या फायदा होगा। इससे बेहतर है साथ में काम करते है।“

“तू मुझे वो शिप देगा।“ जैसन ने आश्चर्य से पूछा।

“नहीं जैसन।“ कोलार्क बोला।

उसने फिर महाराजा और परम गुरु की तरफ देखा और बोला “मैं इरीट्रिया में मेज़ो कारपोरेशन का मुख्यालय खोलूंगा और इरीट्रिया पर राज़

करूँगा। तुम मेरा साथ दो और मेरी सेना के कमांडर बन जाओ। तुम से अच्छा कमांडर मुझे नहीं मिल सकता।"

"मैं सिर्फ महान राल्फ और Xor के लिए काम करता हूँ। तुम्हारी तरह पैसे के लिए नहीं।" जैसन बोला। उसने अपनी लेज़र गन वापस रख दी थी। उसको कुछ सूझ नहीं रहा था वो क्या करे।

"मुर्ख तू यही फस कर रह जाएगा, वापस इरीट्रिया जा ही नहीं पायेगा।" कोलार्क चिल्लाया।

महाराजा और परम गुरु ने देखा की जैसन कोलार्क के सामने बिलकुल ही असमर्थ था। जिस जैसन का उन्हें इतना खौफ था वो कोलार्क के सामने इतना बेबस।

"क्यों नहीं।" जैसन क्रुद्ध स्वर में बोला।

"क्योंकि तेरे चारो स्पेस शिप्स तबाह हो चुके है।" कोलार्क ने कुटिल मुस्कराहट के साथ बोला।

जैसन गुस्से में लाल पीला हो गया था। कुछ उसका मनोवैज्ञानिक संतुलन भी ख़राब हो रखा था। जैसन बहुत ज्यादा गुस्से में आ गया था। महाराजा और परमगुरु दोनों को ही समझ में आ गया की फ्लेशी ने राकेट में नुक्लेअर बम से चारो शिप्स को उड़ा दिया।

"और ये फैक्ट्री अब भूकंप की मार झेलने वाली है।"

जैसन और परमगुरु दोनों ही आश्चर्यचकित थे।

"कोलार्क मेरे सभी लोग जो अन्निहिलटर को चलाना जानते थे यही कैद है या इस दुष्ट जैसन के सैनिको का भोजन बन चुके है। इसने उन सब को तड़पा तड़पा कर रोस्टेड मछलियों का पकवान बनाया मेरे सामने।" परम गुरु चिल्लाये और फिर फुट फूर कर रोने लग गए। इतना महान योद्धा जैसन के आगे इतना बेबस था।

"मेरे भी सभी सैनिको को जैसन ने मेरे सामने तड़पा तड़पा के ..." महाराजा ने बोलना चाहा परन्तु वो अत्यधिक भावुक होने के कारण आगे कुछ न बोल पाया।

अनंत आकाश के जागते हुए सफर ने जैसन को एक क्रूर और बददिमाग इंसान बना दिया था। ऐसे इंसान के हाथ में अजय सेना जितनी अनुशासित और कारगर सेना भी एक अति क्रूर और उपद्रवी सेना बन जाती है।

तभी वहां बहुत जोर से कंपन्न होने लगा।

"परम गुरु तुम भूल गए। मैं कोलार्क हूँ।" कोलार्क बोला।

परम गुरु को समझ आ गया और वो बोला, "ओला"

कोलार्क हंसा। जैसन को कुछ समझ नहीं आ रहा था। उसकी जीती हुई बाज़ी पलट गयी थी। फैक्ट्री में भयंकर भूकंप आ चूका था। जैसन इससे पहले कुछ समझता कोलार्क ने सफायर को सन्देश भेज दिया और जैसन को अपनी बाँहों में भर लिया। वो दोनों वहां से बीम हो कर फटल शिप पर पहुँच चुके थे।

फैक्ट्री तबाह हो गयी थी। अजय सेना के सैनिक यहाँ वहां उड़ कर अपनी जान बचाने लगे। मैकाबर भी यहाँ वह भाग गए। परम गुरु और महाराजा वही दब कर मर गए।

&

"तो इस प्रकार जैसन जीतता जीतता भी हार गया।" धर्मा बोला।

"हाँ धर्मा।"

प्रोफेसर बोरो, लौरा और ज़ोरो भी वहां आ गए थे।

तारा ने बोलना जारी रखा, "जैसन के चारो शिप नष्ट हो चुके थे। उसकी फैक्ट्री भी। अब वो वापस नहीं जा सकता था, वो इरीट्रिया पर फस गया था।"

“परन्तु जैसन तो गवर्निंग कौंसिल के सामने उपस्थित था।“ धर्मा ने पूछा।

“हाँ। कोलार्क ने योगी बाबा के साथ मिलकर जैसन का इलाज किया। कुछ दिनों में वो सामान्य हो गया। उसकी अजय सेना और मैकाबर अब उसके साथ इरीट्रिया पर ही थे। कोलार्क ने अपने फटल स्पेस शिप से जैसन को वापस Xor छोड़ दिया। परन्तु उसने जैसन को गवर्निंग कौंसिल के सामने पेश किया। कोलार्क को वापसी यात्रा में खबरों से मालूम पड़ चूका था की राल्फ दुबारा चुनाव जीत गया है। वो समझ गया था की राल्फ ने क्या क्या कूकर्म किये होंगे। इसलिए कोलार्क ने जैसन को गवर्निंग कौंसिल को दे दिया।“ तारा ने बताया।

“वो जो अजय सेना के सैनिक और मैकाबर थे उनका क्या हुआ।“ धर्मा ने प्रश्न किया।

“उन्हें कोलार्क ने अपनी कंपनी में ले लिया। कोलार्क ने इरीट्रिया को अपना गढ़ बनाया। उसने शयी के बदले इरीट्रिया में मेजो कारपोरेशन का मुख्यालय खोला।

“कोलार्क वास्तव में इरीट्रिया का किंग बन गया था।“ धर्मा बोला।

“हाँ। कोलार्क की कंपनी अब तेज स्पेस शिप बनाकर खूब पैसे कमा रही थी। इरीट्रिया पर फ्लेशी का राज हो गया था। सभी लोग बोफ में मानने लगे। ब्लैक स्टोन अब केवल स्पेसशिप बनाने के काम आता था। अजय सेना और मैकाबर भी आराम से रह रहे थे।“

“कोलार्क ने तो अकेले अपने ही दम पर पूरी अजय सेना को चुनौती दे दी और पूरे गृह को अपने कब्जे में ले लिया। वो वास्तव में बहुत ही विस्मयकारी व्यक्तित्व था।“ धर्मा बोला।

“"हाँ कोलार्क ने ही पूरी बाज़ी पलट दी थी वरना महाराजा और परम गुरु तो जैसन को ब्लैकस्टोन देने को राज़ी हो गए थे।" तारा ने बोला।

“Xor और इरीट्रिया का पहला युद्ध इतना रोचक था तो दूसरा कैसा होगा।“ धर्मा ने उत्सुकता से बोला।

"दूसरा भी अत्यधिक रोचक है और साथ ही बहुत ही अप्रत्याशित है महान कोलार्क का दर्दनाक अंत भी।" प्रोफेसर बोरो बीच में बोले।

"क्या कोलार्क का अंत दर्दनाक हुआ।" धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

"हाँ। उसने आत्महत्या कर ली थी।" तारा ने सहज भाव से बोला।

धर्मा के आश्चर्य की सीमा न रही। इतना प्रभावशाली व्यक्ति भी आत्महत्या कर सकता है।

"इसके लिए मैं तुम्हें सुनाती हूँ Xor और इरीट्रिया के दूसरे युद्ध की कहानी" तारा बोली।

"उससे पहले एक बात बताओ।" धर्मा ने पूछा। "नोकोईविड की अजय सेना को इरीट्रिया आने में कितना समय है।

“क्यों।“ प्रोफेसर बोरो बोले।

“आप बताई फिर मैं आपको एक कहानी सुनाता हूँ।“ धर्मा बोला।

प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा, लौरा और ज़ोरो चारो के आश्चर्य की सीमा न रही। धर्मा क्या बोल रहा था।

“लौरा ने कैलकुलेट किया था, उस हिसाब से कल शाम तक वो यहाँ पहुँच जायेंगे।“ ज़ोरो बोला।

“पर धर्मा तुमने जैसे कहा था मैंने जनक 290 को रेडी कर दिया है और वो आज रात ही मेज़ोल से इरीट्रिया के लिए निकल जाएगा।“ प्रोफेसर बोरो ने बोला।

“तो हम सब को भी उसमे बैठ के निकल जाना चाहिए।“ धर्मा बोला।

“धर्मा क्या पहेलियाँ बुझा रहे हो। साफ़ साफ़ बोलो।“ प्रोफेसर बोरो अत्यधिक क्रोध में बोले।

धर्मा ने लौरा की और देखा और बोला, "क्यों लौरा बोल दू साफ़ साफ।"

लौरा, धर्मा पर अपने स्किन में छिपे लेज़र ब्लास्टर से आक्रमण करने ही वाली थी की धर्मा ने एक तेज छलांग लगाई और लौरा को एक कराटे किक मारी। धर्मा ने लौरा के दोनों हाथ बांध लिए और चिल्लाया, "तारा तुम लौरा को तुरंत अपनी पिकाबोट ड्रेस से बाँध दो।"

"उसकी जरुरत नहीं है।" प्रोफेसर बोरो बोले।

बोरो ने एक मेन्टल कमांड दिया और लौरा एक गिलास चैम्बर में बंद हो गयी।

"अब ये कुछ नहीं कर पाएगी। पर माज़रा क्या है।" प्रोफेसर बोरो बोले।

ज़ोरो, लेडी तारा, प्रोफेसर बोरो तीनो ही विस्मित थे, लौरा उस गिलास चैम्बर से बाहर आने के लिए चिल्ला रही थी और धर्मा के चेहरे पर एक अजीब सी सुकून वाली मुस्कराहट थी। धर्मा कुछ बहुत बड़ा रहस्य उजागर करने वाला था। एक ऐसा रहस्य जो प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो को नहीं पता था। परन्तु धर्मा को इस नयी दुनिया में आये वक्त ही कितना हुआ था की वो प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो को कुछ बता पाए जो उन्हें नहीं पता। प्रोफेसर बोरो के शब्दों में – आखिर ये माजरा था क्या ....

~~~

अध्याय सत्रह - मदर गॉड से मुलाकात

ज़ोरो गिलास चैम्बर में बंद लौरा को निहारे जा रहा था। उसे यकीन ही नहीं हो रहा था की उसका मालिक - सन आफ गॉड - लौरा को इस प्रकार से किसी चैम्बर में बंद कर देगा। धर्मा ने ज़ोरो को देखा और बहुत ही स्नेहिल स्वर में बोला, "ज़ोरो मेरे दोस्त, मुझे अफ़सोस है की लौरा मारी जा चुकी है।"

ज़ोरो सदमे में आ गया। उसने चैम्बर में बंद लौरा की ओर देखा। बोरो और तारा को भी समझ नहीं आ रहा था की क्या हो रहा था।

धर्मा ने लौरा की ओर देखा और बोला, “क्या में आगे बताऊँ या पहले तुम अपने असली रूप में आना चाहोगे।“

लौरा ने अपना रूप बदला और एक दूसरा ही जासूस सामने आ गया।

“तुम कौन हो।“ ज़ोरो चिल्लाया।

“यह वह दूसरा जासूस है जिसने हमारी ब्लैक रॉक कार पर कथित रूप से हमला किया था।“ धर्मा बोला।

प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो सभी हक्का बक्का रह गए थे।

“जॉली ने लौरा को मार गिराया था।“ धर्मा ने बोला। “इस जासूस को उसने लौरा का रूप दिया था। उसकी योजना थी कि लौरा का रूप लिए ये जासूस ऐसा दिखायेगा की लौरा जॉली के कब्जे से भाग कर आ गयी है और साया बन कर हमारे साथ रहेगा ताकि अजय सेना आये और हमें पकड़ ले।“

“कुछ समझ नहीं आ रहा।“ प्रोफेसर बोरो ने कहा।

“जॉली को जब पता चला लौरा भेदी है तब उसने ये प्लान बनाया।“ धर्मा बोला। “उसने दूसरे जासूस को लौरा बना दिया। उसने इस दूसरे जासूस को थोड़ा घायल किया ताकि वास्तव में लगे की लौरा बड़ी मुश्किल से भागी है। परन्तु हम लोग वहां पहुँच गए। जॉली और इस जासूस को और कुछ करने

का हमने मौका ही नहीं दिया। ज़ोरो ने इस जासूस को अपनी गोदी में ले लिया और अंत तक उसके साथ ही रहा। इसलिए ये जासूस बेहोशी का नाटक करता रहा।“

“इसलिए पूरी कार्ट के सफर में लौरा बेहोश होने का नाटक ही करती रही।“ प्रोफेसर बोरो बोले, “जब यहाँ मेडिकल इंस्ट्रूमेंट्स के सामने उसे रखा गया तो उसके सारे मेडिकल पैरामीटर ठीक आये अब लौरा के पास नाटक करने का विकल्प नहीं रह गया था। उसे उठना ही होगा। और उठ गयी तो कुछ बताना भी पड़ेगा ताकि लगे की वो वास्तव में हमारी लौरा है। इसलिए उसने ये बात बता दी की अजय सेना आ रही है।“

“और लौरा ने ये सन्देश भी भेज दिया है की हम मेज़ोल में ही रहेंगे और जनक 290 खाली है।“ धर्मा ने कहा।

प्रोफेसर बोरो, तारा और ज़ोरो के होश गुम हो गए। धर्मा को ये सब कैसे पता चल गया जो उनको नहीं पता लग पाया।

"धर्मा तुमने लौरा की सच्चाई कैसे पता लगा ली। हम में से तो किसी को लौरा पर शक नहीं हुआ था।" प्रोफेसर बोरो ने शंकित स्वर में पूछा। उनको कुछ तो गड़बड़ धर्मा में भी लग रही थी।

“क्योंकि मुझे लौरा पर संदेह हुआ उसकी बॉडी लैंग्वेज देख कर, और मेरे मन की बात लौरा ने पढ़ ली, और उसके हाव भाव चेंज हो गए थे। मैं समझ गया की लौरा ने सन्देश भेज दिया है। इसलिए मुझे लौरा को पकड़ना होगा और आप लोगो को बताना की हमें जनक 290 में भागना ही होगा।“ धर्मा ने कहा।

“परन्तु तुमको कैसे पता की लौरा दूसरा जासूस है। हम सब ने देखा की दूसरे जासूस ने हम पर हमला किया था। हमारी ब्लैक रॉक कार पर, जिसको तुमने समझदारी से बचाया।“ लेडी तारा बोली।

“मुझे तभी शक हो गया था।“ धर्मा बोला। “वो हमला दूसरे जासूस ने नहीं इस जासूस के रोबोट असिस्टेंट ने किया होगा। याद है हम हमले से कैसे बचे थे।“

“तुमने कहा था की ब्लैक रॉक कार को जहा से फायर हुआ है वहां ले जाओ और फिर बीच में ही कार को रिवर्स कर के भाग लिए थे।“ लेडी तारा बोली।

“हाँ।“ धर्मा बोला। “मुझे इसलिए शक हुआ क्योंकि ऐसे कच्चे प्लान में इतना प्रशिक्षित जासूस फस गया। दूसरा मुझे कुछ शक लौरा को देखते ही हो गया था। यदि जॉली ने लौरा को इतनी बुरी तरह टार्चर किया हुआ था तो उसे टेंट गेट पर ही क्यों छोड़ रखा था। ऐसा टार्चर तो अंदर किसी बंद कमरे में होना चाहिए था। और मेरा शक यकीन में बदल गया जब हम पर होने वाले हमले से हम इतनी आसानी से बच कर निकल गए। ये जासूस हमारे साथ ही था तो कैसे इसका असिस्टेंट हमें मार सकता था।“

बोरो को समझ नहीं आ रहा था की वो धर्मा की इज्जत करे या उससे डरे। बोरो ने कभी नहीं सोचा था की धर्मा वास्तव में इतना स्मार्ट निकलेगा। इन सब बातो पर किसी ने ध्यान ही नहीं दिया था। सबको लगा लौरा घायल थी और उन लोगो ने जासूसों को चकमा दे दिया था। धर्मा नोकोईविड को तो हरा ही देगा परन्तु बोरो के मन में गंभीर डर बैठ गया था। बोरो को शक हुआ की धर्मा ने ये सब पहले ही क्यों नहीं बता दिया। बोरो ने धर्मा का मन पढ़ा इस बार वो पूरी तरह ब्लेंक था। बोरो का डर और भी ज्यादा बढ़ गया।

&

ज़ोरो सदमे में था। उसने उस जासूस को बुरी तरह मारना पीटना शुरू कर दिया। उस जासूस ने बताया की धर्मा सच बोल रहा था। लौरा मारी जा चुकी थी और उसने लौरा का भेष बनाया ताकि वो उन लोगो को अजय सेना से पकड़वा सके। प्रोफेसर बोरो, धर्मा और लेडी तारा सभी जनक 290 में बैठ गए

थे और ज़ोरो का इंतज़ार कर रहे थे। ज़ोरो ने उस जासूस को तड़पा तड़पा कर मार डाला था। प्रोफेसर बोरो के समझाने के बावजूद भी ज़ोरो अपनी कुंठा किसी और तरीके से नहीं निकाल पा रहा था। ज़ोरो बहुत ही बोझिल मन से जनक 290 में चढ़ा। जल्द ही जनक 290 ने मेज़ोल प्लेनेट से उड़ान भरी।

पिछली बार धर्मा को मालूम नहीं पड़ा था परन्तु इस बार उसने देखा कैसे जनक 290 धीरे धीरे प्लेनेट से उड़ान भरता था और जब वो अंतरिक्ष में पहुँच जाता था तो मियाँन ड्राइव चालू हो जाती थी। जिससे जनक 290 को प्रकाश गति से तेज उड़ने में मदद मिलती थी। ये मियाँन ड्राइव ही जनक 290 को प्रकाश गति से 7000 गुना स्पीड देती थी।

"धर्मा अब तुम काफी कुछ जान चुके हो इसलिए अब हिस्ट्री छोड़ते है और हथियार बनाते है।" प्रोफेसर बोरो ने कहा।

लेडी तारा कुछ कहना चाहती थी परन्तु रुक गयी। ज़ोरो अब तक सदमे में ही था। लौरा की मौत ने उससे बहुत ज्यादा प्रभावित कर दिया था।

"ठीक है। बताईये क्या करना है।" धर्मा ने कहा।

जनक 290 तेजी से अनंत आकाश में मेज़ोल प्लेनेट से दूर उड़ा जा रहा था। धर्मा ने मेज़ोल में कम ही समय बिताया था परन्तु उसको पूरी Xor और इरीट्रिया की स्टोरी मेज़ोल प्लेनेट पर ही सुनने को मिली थी। मेज़ोल से धर्मा का एक अलग कनेक्शन बन गया था।

बोरो ने धर्मा को एक बहुत छोटे कमरे में बीम कर लिया। ये कमरा एक छोटी अँधेरी गुफा की तरह था। धर्मा ने जनक 290 में बहुत समय बिताया था पर ये छोटा रूम उसने कभी नहीं देखा था। बोरो ने धर्मा का मन पढ़ लिया था।

"ये रूम ज़ोरो के लिए खुला नहीं था।" प्रोफेसर बोरो ने कहा। "वो उन मॉड्यूल्स का प्रयोग नहीं कर सकता जिनकी अनुमति उसको नहीं थी। वो

जनक 290 का अस्थायी और विशेष प्रयोजन के लिए नियंत्रक था। मैं जनक 290 का पूर्ण नियंत्रक हूँ।"

"समझ गया।" धर्मा बोला।

"तुम सामने बैठ जाओ।" प्रोफेसर बोरो ने धर्म को एक छोटे से स्टूल रूपी किसी चीज पर बैठने का इशारा किया।

उस छोटे से कमरे में एक बहुत ही छोटा स्टूल रखा हुआ था, धर्मा उस पर जा कर बैठ गया। वो स्टूल अपने आप ही धर्मा के लिए जो आरामदायक हो ऐसी लाउन्जर सोफे में परिवर्तित हो गया।

प्रोफेसर बोरो ने कोई मेन्टल कमांड दी और एक छोटा सा पेंच नुमा कील उड़ कर धर्मा के सर की तरफ आया और उस पेंच ने अपने आप को एक हेलमेट में कन्वर्ट कर लिया। धर्मा के सर पर एक हेलमेट आ गया था।

धीरे धीरे धर्मा को लगा वो हेलमेट उस छोटे कमरे कि दीवारों से बहुत सी सूचनाएं लेकर धर्मा के मस्तिष्क में सीधे स्थानांतरित कर रहा था। सूचना का ऐसा आदान प्रदान धर्मा ने कभी नहीं किया था। यह तकनीक सेरिब्रल ट्रांसफर कहलाती थी और यह बहुत सारी इनफार्मेशन उसके अंदर डाल रहा थी। ये ठीक वैसा ही था जब धर्मा ने जनक 290 में पहली बार स्नान किया था, बहुत सारे छोटे छोटे पिन जैसी नोंक उसको अपने अंदर घुसती प्रतीत हुई, वैसे ही अब बहुत सारी इनफार्मेशन उसके अंदर जा रही थी।

ये था सेरिब्रल ट्रांसमिशन मॉड्यूल का सबसे प्रखर नमूना, इसके द्वारा काफी इनफार्मेशन कम समय में किसी को भी दी जा सकती थी। परन्तु बोरो ने बहुत सारी इनफार्मेशन एक साथ ट्रांसफर करने का आदेश दे दिया था। तकरीबन उस छोटे कमरे की पूरी इनफार्मेशन। लाखो टेराबाइट इनफार्मेशन जो किसी सुपर कंप्यूटर के लिए भी संगृहीत और संसाधित करना बहुत मुश्किल होता। धीरे धीरे धर्मा को इरीट्रिया प्लेनेट की इनफार्मेशन मिली, फिर Xor के बारे में बहुत सारी टेक्निकल इनफार्मेशन मिली, फिर फ्रां गैलेक्सी

के बारे में और कैसे फ्रां गैलेक्सी का एक हिस्सा मिस्टीरियस स्पेस है जहां अभी तक कोई नहीं जा पाया। इतनी इनफार्मेशन धर्मा के लिए ग्रहण करना बहुत मुश्किल हो रहा था। धर्मा को लगा उसका सर फट जाएगा। बोरो ने फिर भी ट्रांसमिशन नहीं रोका।

धर्मा बहुत ही ज्यादा दर्द में प्रतीत हो रहा था, उसकी चीख निकल गयी, परन्तु बोरो ने ट्रांसफर नहीं रोका। धर्मा को इनफार्मेशन मिलती ही जा रही थी और अब उसकी नसे और ज्यादा इनफार्मेशन ग्रहण नहीं कर पा रही थी। उसके माथे की नसे बहुत मोटी हो रही थी और दिल की धड़कन बहुत ज्यादा तेज। अब यदि कुछ पल और ये ट्रांसमिशन जारी रहता तो धर्मा की मृत्यु हो जाती।

प्रोफेसर बोरो के सामने एक आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले में दिख रहा था की धर्मा की मृत्यु अब किसी भी समय हो सकती है। उसकी धड़कने बहुत तेज हो चुकी थी, और मस्तिष्क अब और सूचना को ग्रहण करने से मन कर रहा था। धर्मा की ह्रदय गति अब कभी भी रुक सकती थी। प्रोफेसर बोरो ने फिर भी ट्रांसमिशन नहीं रोका।

इतनी इनफार्मेशन एक साथ प्रोफेसर बोरो भी ग्रहण नहीं कर सकते थे और न ही नोकोईविड। धर्मा को इतनी इनफार्मेशन एक साथ देने का एक ही मतलब था प्रोफेसर बोरो या तो मानता था की धर्मा सन ऑफ गॉड है या वो धर्मा की जान लेना चाहता था और दिखाना चाहता था की ये एक दुर्घटना थी। सूचना की अधिमात्रा या ओवर डोस के कारण मृत्यु। बोरो धर्मा को मारना क्यों चाहता था? बोरो ऐसा क्या छुपा रहा था?

तभी ज़ोरो वहां आया और अपने त्वचा के भीतर छिपे ब्लास्टर से हेलमेट को ब्लास्ट कर दिया। धर्मा उस कष्टदायी मृत्यु के आगोश में जाने से बचा लिया गया और उसका बेहोश शरीर लॉउन्ज सोफे से नीचे गिर गया। उसका सर चक्कर खा रहा था और वो बेहोश हो गया।

“ज़ोरो ये क्या पागलपन है। तुमने इनफार्मेशन ट्रांसफर क्यों रोकी। तुम्हें किसने अधिकार दिया मेरे काम में दखल देने का।“ प्रोफेसर बोरो चीखा।

“सर, सन आफ गॉड मर जाते।“

“उसकी चिंता मैं कर लेता। तुमको दंड दिया जाएगा।“ बोरो क्रोधित स्वर में बोला।

“आपका दंड सर आँखों पर। परन्तु अभी एक बहुत बड़ी समस्या हो गयी है इसलिए मैं आपको ढूंढते हुए यहाँ आया हूँ।“ ज़ोरो ने कहा।

“क्या समस्या हो गयी है।“ बोरो चीखा।

“उस जासूस ने जो लौरा का रूप बदल कर आया था,...“ ज़ोरो की आँखे नम हो गयी और उसे लौरा की याद आने लगी।

“आगे बोलो और जल्दी बोलो।“ बोरो चिल्लाया।

“उस जासूस ने हमारे मियाँन ड्राइव को भृष्ट कर दिया। जनक 290 अब अंतरिक्ष में किसी अनजान स्थान पर रुक गया है एक ही धुरी पर घूमे जा रहा है।“ ज़ोरो बोला।

“क्या। ये कैसे संभव है।“ बोरो चिल्लाया।

“शायद उस जासूस को यह ही बोला गया होगा की वो जनक 290 को भी ख़राब कर दे। हम सब तो व्यस्त थे, और हमें लगा वो जासूस लौरा है तो हमने उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।“ ज़ोरो ने सफाई देने की कोशिश की।

बोरो का चेहरा लाल पीला हो गया। उसने ज़ोरो को कहा, “इस कम्बखत सन आफ गॉड को उठाओ और बोलो की वो हथियार बनाये। इसे स्पेस में धक्का दे दो और ये तब तक वापस नहीं आएगा जब तक हथियार नहीं बनाता।“

प्रोफेसर बोरो का धर्मा के प्रति ये रवैया देख कर ज़ोरो सदमे में आ गया। बोरो चीखा, “जो बोला है करो।“

बोरो वहां से निकल गया।

&

धर्मा को ज़ोरो ने कुछ पिलाया जिससे धर्मा को ठीक महसूस होने लगा। ज़ोरो बोला, “आप ठीक है मेरे मालिक।“

“हाँ। बस सर बहुत तेज घूम रहा है।“ धर्मा बोला।

“प्रोफेसर बोरो ने कुछ ज्यादा ही इनफार्मेशन आपको एक साथ ट्रांसफर कर दी।“ ज़ोरो बोला।

“हाँ। परन्तु एक अच्छी बात हुई अब में मानसिक सन्देश से बात भी कर सकता हूँ और अपने सन्देश छिपा भी सकता हूँ।“ धर्मा बोला।

“ये तो बहुत अच्छा हुआ मालिक।“

“और एक अच्छी बात हुई है मुझे क्विंड हथियार और क्वांटियम का भी ज्ञान हो गया।“ धर्मा ने ख़ुशी जाहिर करते हुए बोला।

“मैं कुछ समझा नहीं।“ ज़ोरो ने भ्रमित स्वर में बोला।

“मुझे समझ आ गया है की कैसे क्विंड हथियार काम करता है और उसे विफल करने के लिए क्या किया जा सकता है।“ धर्मा ने उत्साहित होकर बोला।

“मैं अभी भी समझा नहीं मालिक। क्या है क्वांटियम और कैसे क्विंड हथियार को विफल किया जा सकता है।“

“कोई बात नहीं। तुम मुझे एक स्पेस सूट दे दो और मुझे अंतरिक्ष में छोड़ दो। मुझे कुछ एक्सपेरिमेंट करने है।“

“प्रोफेसर बोरो भी यह ही बोल रहे थे।“

ज़ोरो के इस कथन से धर्मा का ध्यान प्रोफेसर बोरो पर गया। धर्मा बोला, "प्रोफेसर बोरो कहाँ है। मुझे लगा वो यही रहेंगे जब तक ट्रांसफर चल रहा है।“

“उस जासूस ने हमारे जनक 290 को ख़राब कर दिया है। हम अंतरिक्ष में एक ही स्थान पर अटक गए है। प्रोफेसर बोरो जनक 290 को ठीक करने की कोशिश कर रहे है।“ ज़ोरो मासूमियत से बोला।

“मतलब वो जासूस इतना होशियार था की जनक 290 जैसे अति विकसित स्पेसशिप को भी ख़राब कर सके।“ धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

“अब तो आपको भी काफी ज्ञान हो गया है आप ही सोच लीजिये।“ ज़ोरो मजाकिया स्वर में बोला।

“ठीक है।“ धर्मा ने हसते हुए कहा। "मुझे स्पेस सूट दे दो, मेरी पसंद का।“

कुछ ही देर में धर्मा स्पेस में फ्री फ्लोट कर रहा था।

इधर जनक 290 अपनी जगह पर रुक कर एक ही जगह घूमे जा रहा था। अजय सेना कभी भी आ सकती थी। उस लौरा बने जासूस ने मौका पड़ते ही जनक 290 की मियांन ड्राइव को भृष्ट कर दिया था। उसने जनक 290 को प्रोफेसर बोरो का रूप ले कर धोखा दे दिया था। वो जासूस वास्तव में बहुत ही खतरनाक था। उसने प्रोफेसर बोरो के बाल से उनके जीन्स को अपने एम्बेडेड रिस्ट चिप में स्कैन करके अपने आप को उनके रूप में ढाल लिया था।

इस प्रकार अपने आप को प्रोफेसर बोरो के अवतार में ढाला की जनक 290 भी नहीं जान पाया की वो प्रोफेसर बोरो नहीं है। उस जासूस ने फिर जनक 290 का पूर्ण नियंत्रक होने के कारण उसकी मियांन ड्राइव को इस तरीके से ओवरराइड कर दिया की मिलावटी मियांन को भी जनक 290 नहीं पकड़ पाया और उस मिलावटी मियांन ने असली मियांन से मिश्रित हो कर जनक 290 को कुछ ही दुरी पर रोक दिया।

अब किसी भी समय अजय सेना वहां आ सकती थी और अपनी ऐरीपो वेव्स के जरिये जान सकती थी जनक 290 कहाँ अटका हुआ है और कभी भी उन लोगों को पकड़ या मार सकती थी।

प्रोफेसर बोरो बहुत कोशिश कर रहा था परन्तु वो फिर भी इस भृष्ट मियांन ड्राइव की उलझन को सुलझा नहीं पा रहा था। प्रोफेसर बोरो मन ही मन धर्मा के बारे में सोच रहा था। उस जासूस ने जनक 290 जैसे विकसित स्पेसशिप को - एक निफ़्टी को - इतनी आसानी से छल लिया परन्तु वो जासूस धर्मा को नहीं छल पाया। धर्मा ने उसको पहचान भी लिया और पकड़वा भी दिया। प्रोफेसर बोरो को शक हो रहा था कि धर्मा ने उन लोगो इतना लेट क्यों बताया जबकि वो तो बहुत पहले से जानता था की वो लौरा नहीं दूसरा जासूस था। यदि धर्मा उन्हें पहले बता देता तो उस जासूस को जनक 290 को ख़राब करने का मौका नहीं मिलता। प्रोफेसर बोरो अजीब ही कश्मकश में उलझे थे परन्तु उनको धर्मा की क़ाबलियत पर अब कोई शक नहीं रह गया था। धर्मा नोकोईविड को न सिर्फ टक्कर दे सकता है वो उस क्रूर नोकोईविड को हरा भी सकता था। परन्तु अभी प्रोफेसर बोरो के सामने अपने आप को जिन्दा बचा लेने की चिंता ज्यादा प्रखर थी। अजय सेना कभी भी आ सकती थी।

प्रोफेसर बोरो कोशिश कर रहा था तभी जनक 290 में एक घोषणा हुई – "जो भी इस निफ़्टी में है वो वही रहे। अजय सैनिक अंदर आ रहे है।"

प्रोफेसर बोरो, तारा और ज़ोरो की साँसे अटक गयी। उन्हें पता भी नहीं चला और अजय सैनिक वहां आ गए थे। इससे पहले की कोई कुछ कर पता अजय सैनिक की टुकड़ी के कमांडर ने सब लोगो को गिरफ्तार कर लिया।

उस कमांडर ने तुरंत डायस को सन्देश भेजा, "सर बोरो और साथी गिरफ्तार हो चुके है।"

हालाँकि ये सन्देश इरीट्रिया पहुँचने में कुछ समय लगेगा। प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो को उस कमांडर ने गिरफ्तार करके अपने निफ़्टी में बीम कर लिया था और इरीट्रिया की तरफ निकल गया। उस कमांडर को हालाँकि जनक 290 के लोग बुक से मालूम पड़ गया था की वहां एक और व्यक्ति था परन्तु वो व्यक्ति कहाँ गया कमांडर को मालूम नहीं पड़ा। कमांडर ने

ऐरिपो वेव्स का जाल भी फेंका ताकि किसी भी व्यक्ति का जो आस पास के स्पेस में हो पता चल जाए परन्तु फिर भी उसे धर्मा का कोई ट्रेस नहीं मिला।

धर्मा कहाँ चला गया था।

&

धर्मा स्पेस में फ्री फ्लोट कर रहा था। उसके आस पास केवल अनंत आकाश था। धर्मा ने अपने अभी अभी हुए सेरिब्रल ट्रांसफर से मिली जानकारी के आधार पर आस पास के स्पेस में एक्सपेरिमेंट करने चालू कर दिए।

धर्मा ने मानसिक सन्देश दिया और उसके स्पेस सूट में से कुछ बिलकुल ही छोटे आकर के कण निकले जो धीरे धीरे विशालकाय इंस्ट्रूमेंट्स में कन्वर्ट हो गए। इस स्पेस सूट में अनेको पिकाबोट कण थे जो असलियत में बहुत सारे काम्प्लेक्स इंस्ट्रूमेंट थे। वो इंस्ट्रूमेंट्स अलग अलग एक्सपेरिमेंट कर रहे थे और धर्मा को सारी जानकारी प्रेषित कर रहे थे। धर्मा अब इस सेरिब्रल ट्रांसमिशन के बाद एक बहुत ही विकसित सभ्यता का सदस्य बन गया था। ये अंतरिक्ष; ये म्यूवर्स - ये पैरेलल यूनिवर्स - उसकी कर्म भूमि थी। वो यहाँ का सन ऑफ़ गॉड था। धर्मा ने कुछ ही दिनों में प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो को ये बता दिया था की धर्मा क्या क्या कर सकता था। धर्मा कोई मामूली इंसान नहीं था। जिस इंसान को प्रोफेसर बोरो ने मारने की कोशिश की हो वो मामूली तो हो ही नहीं सकता था। परन्तु इस प्रयास में प्रोफेसर बोरो एक चूक भी कर बैठे थे। बहुत सारी इनफार्मेशन ट्रांसफर करने के चक्कर में वो सारी इनफार्मेशन धर्मा को दे बैठे थे जो जनक 290 में संगृहीत थी और इस प्रकार धर्मा अब इतना ज्ञान लिए हुए था जो नोकोईविड के पास भी शायद न हो। अब धर्मा को अपनी पृथ्वी पर एकत्रित जानकारी के साथ साथ इस पैरेलल यूनिवर्स की भी बहुत सारी जानकारी मिल चुकी थी। धर्मा अब वो कुछ कर सकता था जो शायद प्रोफेसर बोरो के भी बस के बाहर थी। उसने जाने अनजाने में धर्मा

को बहुत शक्तिशाली बना दिया था। धर्मा अब कुछ ऐसे एक्सपेरिमेंट्स के बारे में सोच रहा था जो शायद प्रोफेसर बोरो भी नहीं कर पाए।

धर्मा के एक्सपेरिमेंट्स उसे बहुत सारी जानकारियां दे रहे थे। धीरे धीरे धर्मा स्पेस में फ्लोट करता हुआ उस विशालकाय अंतरिक्ष में उपस्थित एनर्जीस को समझने की कोशिश कर रहा था। धर्मा की ड्रेस उसे उस दिशा में ले जा रही थी जहां भी वो आदेश दे रहा था।

कुछ ही देर में धर्मा को कुछ बहुत ही अजीब सा महसूस हुआ। थोड़ी दूर का स्पेस बाकि के स्पेस से अलग था। वहां एक अजीब सा अनदेखा भार था। जैसे कुछ बहुत ही भारी सामान रख दिया गया हो। उसको लगा की स्पेस में उस तरफ अलग ही प्रकार का गुरुत्वाकर्षण है। धर्मा ने बहुत सारे सिग्नल उस तरफ भेजे। परन्तु उसके किसी भी सिग्नल का कोई जवाब नहीं आ रहा था। यहाँ तक की वो सिग्नल रिटर्न भी हो कर नहीं आ रहे थे। ऐसा था की मानो कोई अनजान शक्ति उन सिग्नल्स को भी अपने यहाँ आने से रोक रही थी। धर्मा ने फिर भी बार बार उसी जगह सिग्नल भेजे तभी अचानक धर्मा को लगा की कोई चीज उसे अपनी ओर खींच रही थी।

धर्मा को उस महान शक्ति ने अपनी और खींच लिया था। धर्मा को लगा की वो एक बहुत ही बड़े क्यूब में फस चूका है। चारो तरफ आँखे चौंधिया देने वाली रौशनी और एक अजीब से शक्ति का अहसास था। धर्मा ने ऐसा कभी भी महसूस नहीं किया था। तभी धर्मा को लगा वो क्यूब चारो ओर से छोटा होता जा रहा था। रौशनी और तेज हो रही थी। एक अलग ही प्रकार की गर्माहट और अँधा कर देने वाला प्रकाश था। धर्मा को कुछ समझ नहीं आ रहा था। उसका दिमाग घूम रहा था। वो धीरे धीरे अपने आप पर से नियंत्रण खो रहा था। धर्मा बेहोश हो गया।

धर्मा को नहीं पता वो कब तक बेहोश रहा। जब उसने आँखे खोली तो वो किसी प्लेनेट पर था। उसके कपडे सामान्य कपडे थे जो वो पृथ्वी पर

पहनता था। उसका वो अत्याधुनिक स्पेस सूट गायब हो चूका था। इस प्लेनेट में एक बहुत सुन्दर जंगल में जहाँ एक बहुत सुन्दर झरना बह रहा था वो कैसे आ गया था। ये कौन सी जगह थी।

तभी धर्मा के सामने लावण्य से भरपूर बेहद ख़ूबसूरत स्त्री आ गयी थी। इस जंगल में झरने के पास ये अति सुन्दर स्त्री जिसने पूर्ण श्वेत वर्णी वस्त्र धारण किये हुए थे, क्या कर रही थी। धर्मा ने इतनी सुन्दर लड़की कभी नहीं देखी थी। धर्मा को समझ नहीं आया वो कहाँ है।

धर्मा ने मानसिक सन्देश दिया और पूछा, “आप कौन है देवी?”

उस लड़की ने हिंदी भाषा में बोल कर जवाब दिया, “मेरा कोई नाम नहीं है फिर भी तुम्हारे लिए सोना ठीक है। तुम मुझे सोना बुलाओ।“

धर्मा के आश्चर्य की सीमा न रही। ये लड़की इस अनजान जगह पर हिंदी में बात कर रही है। क्या धर्मा वापस पृथ्वी पर आ गया था। धर्मा को कुछ समझ नहीं आ रहा था।

वो लड़की हिंदी में बोली, “धर्मा मैंने तुम्हें पूरा पढ़ लिया है। तुम्हारे लिए जो सबसे अच्छा है मैंने वो रूप लिया है, तुम्हारे लिए जो सबसे अच्छी जगह है मैंने वो जगह ढूंढी है और तुम जिस भाषा में सबसे सहज हो उस भाषा में बोल रही हूँ।“

धर्मा पूरी तरह से भ्रमित हो चूका था। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि ये स्त्री कौन थी और वो स्पेस में फ्लोट करते करते इस गृह पर कैसे आ गया, उसके कपडे कैसे बदल गए और ये सुन्दर स्त्री उससे क्या चाहती थी।

“माते मैं कुछ समझा नहीं।“ धर्मा ने विनम्रता से पूछा। “मैं तो स्पेस में फ्लोट कर रहा था जब मझे किसी अनजान शक्ति ने खींच लिया और अब जब मैं होश में आया हूँ तो यहाँ हूँ।“

“पुत्र मैं एक ईथर हूँ।“ सोना बोली।

धर्मा को सेरिब्रल ट्रांसफर से मालूम पड़ चूका था की फ्रां गैलेक्सी में एक सेवन डायमेंशनल (7-dimensional) प्रजाति भी रहती थी। ऐसे लोग जो बिलकुल भगवान् के जैसे ही थे। ये लोग इतने ज्यादा विकसित थे कि इनके सामने Xor, मैर्केल आदि सब प्रजातियां तो बस एक चींटी मात्र थे।

"पुत्र तुम घबराओ मत। तुमने मुझे माता बोला है और तुम सन आफ गॉड हो तो समझ लो मैं तुम्हारी मदर गॉड हूँ।" सोना बोली।

धर्मा अभी भी कंफ्यूज था।

"हम ईथर लोग कई बार एक्सपेरिमेंट करने के लिए थ्री डायमेंशनल वर्ल्ड में आ जाते है। जब मैं एक्सपेरिमेंट कर रही थी तब मुझे तुम्हारे सिग्नल डिस्टर्ब कर रहे थे। साधारणतया तो मैं वहां से चली जाती हूँ, परन्तु तुम कुछ बहुत ही अलग एनर्जी संचारित कर रहे थे। इसलिए मैंने तुम्हें खींचा और तुम पर एक्सपेरिमेंट किये।"

"माता मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा।" धर्मा बोला।

"तुम ऐसे समझ लो की तुम एक चींटी हो और तुम्हें किसी शरारती बच्चे ने अपनी ऊँगली पर उठा लिया।" सोना बोली।

"मैं समझ गया आप बहुत विकसित प्रजाति है। यदि आपका एक्सपेरिमेंट हो गया तो मुझे जाने दे।" धर्मा बोला।

"तुम सन आफ गॉड हो, तुम्हें तो मैं कुछ नहीं कह सकती।" सोना हसते हुए बोली।

"क्यों मेरा मज़ाक उड़ा रही है। मुझे तो ज़ोरो ने भी आसानी से किडनैप कर लिया था।"

"मैं मजाक नहीं कर रही।"

"तो आप मानती है की मैं सन आफ गॉड हूँ।"

"क्यों तुम नहीं मानते हो?"

"नहीं। सन आफ गॉड बोफ में लिखा हुआ एक झूट है जिसका प्रोफेसर बोरो अपने मतलब के लिए लाभ उठा रहा है।" धर्मा ने थोड़े कठोर स्वर में बोला।

"तुम्हें कैसे पता बोफ झूटी है। प्रोफेसर बोरो जैसे लोग तो किसी सच्ची बात को भी तोड़ मरोड़ कर अपने लाभ के लिए प्रयोग कर सकते हैं।" सोना ने धर्मा से प्रति प्रश्न किया।

"तो आप मानती है की बोफ सच्ची है। भगवान् ने लिखी है बोफ।" धर्मा ने आश्चर्य और कटाक्ष दोनों स्वर में बोला।

"वो तो तुम्हें पता लगाना है। परन्तु हाँ बोफ एक ईथर ने ही इरीट्रिया में एक ऐंजलन को बताई थी।"

धर्मा के आश्चर्य की सीमा न रही। ईथर ने ऐंजलन को बताई थी परन्तु जितना उसने लेडी तारा से सुना था कोलार्क के इरीट्रिया पर आकर जैसन को युद्ध में हराने से पहले केवल फ्लेशी ही बोफ में मानते थे। धर्मा ने कुछ कहने की कोशिश करी।

इससे पहले वो कुछ पूछता सोना बोली, "मैं तुम्हें बोफ के बारे में कुछ नहीं बता सकती, कुछ सच तुम्हें खुद ही ढूंढने पड़ेंगे।"

धर्मा थोड़ा शंकित हुआ। इससे पहले वो कुछ भी बोलता सोना बोली, "परन्तु हाँ मैंने तुम्हारा मन पढ़ लिया था की तुम्हें नोकोईविड की इरीट्रिया पर हमले की कहानी जाननी है।"

"आपने कैसे पढ़ लिया। मुझे तो अब अपने मन की बात छुपानी आती है। वैसे भी ये बात तो मेरे अवचेतन मन में थी।" धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

"तुम बहुत भोले हो धर्मा।" सोना हंसी और बोली। "मैं ईथर हूँ। मैं प्रोफेसर बोरो की तरह छोटी सी चींटी नहीं हूँ।"

धर्मा समझ गया ईथर लोग बहुत विकसित थे वो अवचेतन मन भी पढ़ सकते थे।

“चूँकि तुमने मुझे माता बुलाया जबकि मैंने एक बहुत सूंदर स्त्री का रूप लिया हुआ था इसलिए खुश हो कर मैं तुम्हें इरीट्रिया का दूसरा युद्ध दिखाती हूँ।“

“दिखाती हूँ।“ धर्मा ने थोड़ा आश्चर्य से पूछा।

“हाँ मैं तुम्हें भूतकाल में ले जाउंगी और तुम खुद देख लो क्या हुआ। मैं किसी भी काल में आ जा सकती हूँ।“

“तो क्या हम भूतकाल बदल भी सकते है।“

“मैं बदल सकती हूँ। पर अभी मैं तुमको जो हुआ वो दिखाउंगी। हम कुछ बदलेंगे नहीं। हम वैसे ही देखेंगे जैसे पृथ्वी पर तुम कोई मूवी देखते हो। हाँ बीच बीच में मैं फ़ास्ट फॉरवर्ड कर दूंगी ताकि हम एक बहुत बड़े समय खंड की घटना जल्दी से देख ले।“

“मैं अति उत्सुक हूँ माते।“

~~~

अध्याय अठारह - Xor और इरीट्रिया का दूसरा युद्ध

सोना ने धर्मा को तकरीबन 400 वर्ष पूर्व का भूतकाल दिखाया और धर्मा को ऐसा लगा जैसे वो उस भूतकाल में स्वयं मौजूद था और सब कुछ एकदम लाइव देख रहा था। सोना कि शक्ति बेहद शक्तिशाली थी।

धर्मा ने देखा की किस प्रकार कोन्ताना राल्फ के विरुद्ध गवर्निंग कौंसिल को बता रहा था कि राल्फ ने क्या क्या अपराध किये। जैसन, राल्फ के आदेश और अपनी इरीट्रिया पर हमले की कहानी के बारे में बता रहा था। धर्मा ने ये भी देखा की किस प्रकार नोकोईविड के सामने राल्फ को सजाए मौत दी गयी। राल्फ Xor के लोगों के लिए अब एक वीभत्स्ना का पात्र था।

धर्मा ने देखा जब राल्फ को 400 वर्ष पूर्व सजाए मौत मिल रही थी तब नोकोईविड कितना आहत हुआ था। उस समय नोकोईविड एक बहुत बड़ा वैज्ञानिक हो चूका था और राल्फ की कंपनी में चार चाँद लगा चूका था। राल्फ की मौत ने नोकोईविड को बहुत ही ज्यादा सदमा पहुंचा दिया था और नोकोईविड ने ठान ली थी की वो मैर्केल और इरीट्रिया से बदला ले कर रहेगा। उस समय नोकोईविड को भी नहीं पता था की वो कैसे अपना बदला लेगा। धर्मा ने देखा नोकोईविड की आयु उस समय ही कुछ 100 वर्षो की थी।

सोना ने मूवी को फ़ास्ट फॉरवर्ड कर दिया। कुछ 100 वर्ष आगे निकल गए। धर्मा ने देखा की इरीट्रिया पर कोलार्क और फ्लेशी बहुत ज्यादा शक्तिशाली और रसूखदार हो गए थे और इरीट्रिया पर अब सिर्फ एक ही आधिकारिक धर्म था वो था - बोफ।

मैर्केल खुश थे क्योंकि अब फैलानी और कोलार्क दोनों ही प्रकाश गति से तेज़ स्पेसशिप बनाते थे और इस प्रतिस्पर्धा के कारण इन स्पेसशिप के

दाम नियंत्रित थे। कोलार्क धीरे धीरे बहुत अमीर बन गया था। मेडिकल साइंस ने बहुत तरक्की कर ली थी और कोलार्क ने सही ट्रीटमेंट ले कर अपना कटा हुआ हाथ भी वापस ऊगा लिया था।

मैर्केल और Xor साम्राजय अपनी अपनी जगह खुश थे। लोग राल्फ को भूल गए और एक नया सुप्रीम कमांडर चुनाव जीत कर Xor में आ गया था। मैर्केल भी खुश थे क्योंकि अब इरीट्रिया पर पाया जाने वाला अच्छी क्वालिटी के अन्तियम से बहुत ही उच्च कोटि के स्पेसशिप्स बन रहे थे।

फैलानी को जब लगा की कोलार्क अब उससे भी ज्यादा अमीर हो गया था तो उसने उसे प्रोपोज़ किया परन्तु कोलार्क ने विनम्रता से मना कर दिया। कोलार्क ने सफायर जो ऐंजलन प्रजाति की इरीट्रिया के स्पेस कमांड की इन-चार्ज थी और कोलार्क के जैसन के विरुद्ध युद्ध में सहयोगी, उससे शादी कर ली थी। इरीट्रिया बहुत तरक्की कर रहा था। कोलार्क के साथ जो अजय सैनिक और मैकाबर रुक गए थे वो भी बहुत ही अमीर बन गए थे। वो सब बहुत खुश थे। इरीट्रिया पर कोलार्क, ओला, सफायर, अजय सेना की टुकड़ी, मैकाबर, जोश और फ्लेशी सबसे ज्यादा ताकतवर और अमीर थे। योगी बाबा के दिए हुए प्रवचन और बोफ बहुत ज्यादा प्रचलित थे।

यहाँ तक की योगी बाबा के उपदेश मैर्केल के लोग भी सुनते थे और शयी चंद्रमाँ पर रह रहे मिलांज भी। Xor में भी बहुत से ग्रहों पर बोफ का प्रचलन हो गया था। इरीट्रिया के फ्लेशी लोगों ने स्पेसशिप्स और स्पेस यात्रा में अपने आप को सिद्ध कर दिया था। वो स्पेसशिप बनाने की फैक्ट्री में ऊँचे पदों पर आसीन थे और अधिकतर वो लोग ही स्पेसशिप्स के कप्तान, पायलट और क्रू मेंबर्स भी होते थे। फ्लेशी इरीट्रिया के सबसे धनी और सम्पन्न लोगो में से एक हो गए थे।

हालाँकि ऐंजलन, सेन्टॉरस तथा ऐक्यान दुखी थे। क्योंकि अब उनकी मूर्ति पूज़ा निषेध हो गयी थी। कोलार्क की कंपनी को स्पेसशिप बनाने

के लिए ब्लैक स्टोन चाहिए था इसलिए ब्लैकस्टोन की तीनो खदाने अब उनके कब्जे में थी। सारे मंदिर में से सभी मुर्तिया उखाड़ ली गयी थी। फ्लेशी का अब इरीट्रिया पर जोर था। फ्लेशी आबादी का मात्र 5 प्रतिशत थे परन्तु कोलार्क की कंपनी में सभी ऊँचे पदों पर वो ही आसीन थे। ऐंजलन, सेन्टॉरस और एक्यान पर दबाव बन रहा था की वो बोफ अपना ले क्योंकि कोलार्क नहीं चाहता था की ब्लैक स्टोन का कोई भी अन्य इस्तेमाल हो।

धर्मा ने देखा की Xor और इरीट्रिया के पहले युद्ध के समापन से अगले 150 वर्षो तक कोलार्क ने इरीट्रिया पर एक छत्र राज किया और वो फ्रां गैलेक्सी का भी सबसे अमीर व्यक्ति बन गया था। वो न सिर्फ इरीट्रियान शिप जो प्रकाश गति से 200 गुना तेजी से चलते थे को बेचता था परन्तु वर्महोल के कोड और बीम होने की तकनीक भी बेचता था। इन तीनो में ही उसका कोई सानी नहीं था। धीरे धीरे फैलानी कोलार्क से बहुत ही पीछे हो गई थी।

इरीट्रिया पर अभी भी बहुत से ऐसे ऐंजलन, सेन्टॉरस और एक्यान थे जिन्होंने बोफ नहीं अपनाया था। वो अभी भी मूर्ति पूजा करते थे और कोलार्क ने उन लोगो पर बहुत ही अत्याचार किया था। कोलार्क ने जोश को इरीट्रिया का सम्राट घोषित कर दिया था। चाहे समुद्र में एक्यान हो या जमीन पर ऐंजलन और सेन्टॉरस या फ्लेशी सभी का एक मात्र सम्राट जोश था। जोश का वचन ही शासन था और जोश ने बहुत ही क्रूर शासन किया था। उसने अनेकों ऐंजलन पुरुषों को बोफ में नहीं मानने पर Xor और मैर्केल साम्राज्य में पशु के रूप में बेच दिया। अनेकों ऐंजलन स्त्रियों को बुरी तरह बेइज्जत करके उनको भी अनेकों ग्रहो पर बेच दिया। बहुत से एक्यान व् सेन्टॉरस पुरुषो और स्त्रियों को भी अलग अलग ग्रह पर अजूबे पशुओं के रूप में बेच दिया। जो भी बोफ में नहीं मानता था उनको जोश बहुत ही बुरे अत्याचार से गुजरने पर मज़बूर कर देता था। कई लोगो ने इसलिए दिखावे के लिए बोफ में मान लिया परन्तु वो ढके छुपे तौर पर मूर्ति पूजा ही करते थे। कोलार्क का शासन जोश, योगी बाबा और

फ्लेशी के लिए तो अच्छा था परन्तु बहुत सारे ऐंजलन, सेन्टॉरस और एक्यान के लिए नहीं।

इरीट्रिया के ये लोग मन ही मन प्राथना कर रहे थे की क्रूर कोलार्क का अंत हो जाए। इधर जोश की मृत्यु के बाद उसका पुत्र सम्राट बन गया। जोश ने मरते मरते ये कानून बना दिया था की इरीट्रिया पर राजा जोश का ही कोई वंशज बनेगा। जोश ने पांच शादियां की थी और अनेकों ऐंजलन स्त्रियों को भी अपना गुलाम बना कर रखा था और यह प्रथा उसके पुत्रो ने आगे बढ़ा दी थी। कोलार्क ने इरीट्रिया की शानदार सभ्यता को बर्बाद कर दिया था, और जो बचा कुछ था उसे जोश के क्रूर पुत्र गर्त में ले जा रहे थे।

इधर जोश के पुत्रों के अत्याचार और कोलार्क की उदासीनता के कारण इरीट्रिया के ऐंजलन, सेन्टॉरस और एक्यान लोगों ने यह ही प्रार्थना चालू कर दी की कोई और एलियन आ कर कोलार्क का अंत कर दे। शायद उन मूर्ति पूजा करने वाले लोगों की भगवान् ने सुन ली और तब फ्रां गैलेक्सी के सबसे शक्तिशाली एलियन से Xor और मैर्केल की मुलाकात हुई - थाइज़र।

धर्मा ने देखा की उसके पैरेलल यूनिवर्स आने से ठीक 200 वर्ष पूर्व की घटनाये उसको अब लाइव दिख रही थी। जो भी धर्मा के मन में प्रश्न होते उनके उत्तर उसको तुरंत ही मिल जाते थे। सोना अत्यंत ही पावरफुल थी।

&

धर्मा ने देखा की एक बहुत बड़ी नीली चक्र रुपी पिंड किसी तारे पर उतर रहा था। इस नीले पिंड ने उस तारे के कोरोना को पार करते हुए उसके सतह पर लैंड कर लिया और कुछ तरंगो को यहां वहां मारने लगा। सोना ने धर्मा को बोला, "ये है थाइज़र - ये लोग किसी भी सूरज, ब्लैकहोल या किसी भी खगोलीय पिंड पर इस नीली चक्र रुपी अवतार में उतर सकते हैं।" सोना ने धर्मा को दूर एक बहुत ही सुन्दर ग्रह पर भी एक नीली चक्र रुपी पिंड को

उतरता हुआ दिखाया और धर्मा को भरपूर आश्चर्य हुआ जब वो नीली चक्र रूपी आकृति एक बड़े पुरुष में परिवर्तित हो गयी।

सोना बोली, "थाइज़र लोग विशुद्ध ऊर्जा हैं - केवल आत्मा - अधिकतर वो इस नीली चक्र रूपी अवतार में दिखेंगे परन्तु वो किसी का भी रूप ले सकते है किसी के भी शरीर में घुस सकते है।"

धर्मा पूरी तरह से विस्मित हो गया। क्या कोई ऐसे सभ्यता भी हो सकती है, उसने अपने आप से ही प्रश्न किया।

सोना ने थोड़ा फ़ास्ट फॉरवर्ड कर दिया और धर्मा ने देखा एक कृत्रिम स्पेस सिटी का निर्माण हो रहा था। सोना ने बोला, "ये बन रहा है टाइमेक्स का मुख्यालय। थाइज़र, मैर्केल और Xor साम्राज्यों के प्रतिनिधि इस टाइमेक्स में बैठेंगे और अब से ये टाइमेक्स ही फ्रां गैलेक्सी के सभी महत्वपूर्ण निर्णय लेगा।

धर्मा ने देखा की कहने को टाइमेक्स में थाइज़र, मैर्केल और Xor तीनो के प्रतिनिधि हैं परन्तु चलती केवल थाइज़र की ही थी। थाइज़र प्रतिनिधि ने जो बोल दिया वो ही अंतिम निर्णय था।

धर्मा ने ये भी देखा की थाइज़र ने Xor और मैर्केल को ऐरिपो वेव्स के बारे में बता दिया था की कैसे वो प्रकाश गति से 15 लाख गुना तेजी से भी सुचना का आदान प्रदान कर सकती थी। साथ ही धर्मा ने देखा की किस प्रकार से थाइज़र ने वर्म होल को पार करने के आसान तरीके सभी को बता दिए और एक स्थान से दूसरे स्थान पर बीम करने का तरीका भी सभी को बता दिया। थाइज़र ने एक मिलांज की मदद भी की जनक 290 जैसे उन्नत स्पेसशिप बनाने में जो प्रकाश गति से 7000 गुना तेज चलते थे और अपने आप ही स्पेस के सभी खतरों से निपट लेते थे।

धर्मा ने देखा कोलार्क के तीनो ही व्यापर ठप हो गए थे। मिलांज अब जनक 290 जैसे बहुत ही विकसित निफ़्टी बनाने लगे तो फटल शिप या इरीट्रियान शिप्स कोई भी नहीं लेता था। कुछ बच्चे शौकिया तौर पर जरूर

फटल शिप ले लेते थे। कोलार्क केवल एक ग्रह पर ही बीम कर सकता था परन्तु थाइज़र ने अब ऐसे तकनीक जग जाहिर कर दी थी जहां एक ग्रह से दूसरे ग्रह यहाँ तक की एक सौर मंडल से दूसरे सौर मंडल भी लोग अपने आप को बीम कर लेते थे। जब थाइज़र ने ऐसी तकनीक ही आम कर दी थी तो कोई भी कोलार्क की बीम तकनीक पैसे देकर लेने का इच्छुक नहीं था क्योंकि कोलार्क की बीमिंग तकनीक किसी एक ग्रह के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक ही सीमित थी।

कोलार्क के गरीब होने के साथ ही इरीट्रिया भी गरीब होने लग गया था। शयी पर अनेकों निफ़्टी बनाने की कंपनियां खुल गयी और अनेकों वर्महोल के कोड बनाने की और बीम करने की सुविधा देने वाली कंपनियों की भी भरमार थी। कोलार्क कई बार कुंठित हो कर कह देता था की इन लोगो ने जो भी स्पेसशिप बनाये है या बीम करने की तकनीक या वर्महोल पार करने का कोड वो थाइज़र की अनुकम्पा से बनाये थे, जबकि कोलार्क ने खुद ने सब कुछ बनाया था। परन्तु कोलार्क की कुंठा से किसी को फर्क नहीं पड़ता था। इधर इरीट्रिया में जब लोगो को मालूम पड़ा की कोलार्क की कंपनी का दिवालिया बैठ गया है तो दंगे चालू हो गए। लोगो ने सफायर का अपहरण कर लिया और उसे एक बहुत दर्दनाक मौत दे दी। जोश की मौत हो चुकी थी और उसके पुत्र भोग विलासता के आलावा कुछ नहीं करते थे। उनहोंने कोलार्क की कोई मदद नहीं की और कोलार्क अपनी जान से प्यारी पत्नी को ही नहीं बचा पाया और उसकी कंपनी भी डूब गयी थी। कोलार्क इस सदमे से कभी उबर नहीं पाया और उसने अपनी आत्महत्या कर ली।

धर्मा ने सोचा, "कोलार्क का अंत तो वास्तव में दर्दनाक था।"

उसको ये भी ख्याल आया की क्या जनक 290 के लिए अन्तियम चाहिए था या नहीं। धर्मा ने पूछा, “तो क्या जनक 290 के लिए अन्तियम नहीं चाहिए था?”

सोना बोली, “नहीं। अन्तियम से ज्यादा स्ट्रांग मटेरियल था मियान जिससे स्पेसशिप प्रकाश की गति से 7500 गुना तेज़ चलता था और मियान बहुत से ग्रहो पर आसानी से ही मिल जाता है।“

धर्मा बोला, “परन्तु फिर बोफ का क्या हुआ। जब अन्तियम पर निर्भरता ख़त्म हो गयी तो क्या उन लोगो की मूर्ति पूज़ा वापस स्थापित हुई?”

सोना बोली, “कोलार्क का इरीट्रिया पर एक छत्र शासन स्थापित होने में और थाइज़र का मैर्केल, मिलांज और Xor के लोगो से मिलने में तक़रीबन 150 वर्ष लग गए थे। इतने समय में कोलार्क ने बहुत पैसा कमाया और इरीट्रिया के फ्लेशी ने भी खूब पैसा बनाया। इरीट्रिया पर बोफ ही एक मात्र धर्म बन गया था क्योंकि अन्तियम या ब्लैकस्टोन का कोई भी और उपयोग कोलार्क नहीं होने देता था। इसलिए जब बाद में कोलार्क की कंपनी डूब गयी थी तब तक बोफ ने अपने कदम मजबूती से रख लिए थे और मूर्ति पूज़ा तक़रीबन समाप्त हो गयी थी।“

धर्मा ने कहा, “समझ गया। परन्तु इन सबका नोकोईविड से क्या सम्बन्ध।“

सोना बोली, “सम्बन्ध है। नोकोईविड चुप चाप ये सारे घटनाक्रम देख रहा था और अपने ही किसी प्रयोग में लगा हुआ था। उसकी कंपनी आइवीश की ही नहीं अपितु फ्रां गैलेक्सी की एक नामी स्पेस कंपनी थी। हालाँकि कोलार्क की मेज़ो कारपोरेशन जितनी प्रॉफिटेबल नहीं थी।“

"जहाँ सभी मिलांज और मैर्केल और Xor के लोग थाइज़र की अनुकम्पा से निफ़्टी और बीमिंग तकनीक से बने उपकरण बना रहे थे नोकोईविड किसी अन्य खोज में ही लगा हुआ था।“

“इन वर्षो में सब राल्फ की मौत को भूल गए थे। Xor के लोग भी इरीट्रिया को भूल चुके थे। थाइज़र ने अनेको ऐसे मैथमेटिकल मॉडल बतला दिए थे जिसने प्रकाश गति से हजारो गुना तेज स्पेसशिप्स बनाना आसान हो

गया था। अनेको मिलांज, मैर्केल और Xor के भी कई लोग और कम्पनिया अब ऐसे स्पसेशप्स बनाने की सोचने लगी थी। परन्तु नोकोईविड अपनी ही धुन पर सवार था। उससे थाइज़र की इनफार्मेशन में नहीं किसी और ही चीज की खोज थी जिसकी खोज थाइज़र ने भी नहीं की थी। नोकोईविड इतना इंटेलीजेंट था की वो थाइज़र जैसे अति विकसित प्रजाति को भी टक्कर दे सकता था।"

धर्मा बोला, "तो नोकोईविड उस चीज को ढूंढ रहा था जिसका पता थाइज़र को भी नहीं था।"

सोना बोली, "हाँ। चलो मैं तुम्हें ले चलती हूँ आज से 115 वर्ष पहले। नोकोईविड एक्सपेरिमेंट कर रहा था। वो एक बहुत घातक हथियार क्विड बनाने के लिए अनेकों प्रयास कर रहा था।"

सोना धर्मा को भूतकाल की घटनाए ऐसे दिखा रही थी जैसे वो कोई मूवी देख रहा हो। सारी घटनाये उसके सामने ही घट रही थी। ये तारा के द्वारा दिखाए जाने वाले विज़न से भी काफी एडवांस तरीका था। क्योंकि इसमें धर्मा वो ही देख रहा था जो असलियत में घटा था।

धर्मा ने देखा नोकोईविड ने एक अत्याधुनिक स्पेस सूट पहना हुआ था और अंतरिक्ष में यहाँ वहां फ्री फ्लोट करते हुए प्रयोग कर रहा था। उसने कुछ बहुत खतरनाक एक्सपेरिमेंट किये और उसको एक बहुत अनोखी चीज मिल गयी।

क्वांटियम।

&

नोकोईविड ने अपने असिस्टेंट से पूछा, "सब कुछ तैयार है।" नोकोईविड एक बहुत ही विशाल आर्टिफिसियल स्पेस सिटी में बैठे हुआ था और आर्टिफीसियल स्क्रीनलेस डिस्प्ले पर देख रहा था और अनेकों समीकरणों को एक बार फिर से क्रॉस चेक किया। आज नोकोईविड बहुत ही ज्यादा उत्साहित था। ये उसके जीवन का सबसे बड़ा दिन था।

"जी। सुपर स्पेस वे तैयार है और हमारा ऐनियन शिप भी तैयार है। आपके आदेश का इंतज़ार है।" असिस्टेंट भी नोकोईविड के साथ उस कृत्रिम स्पेस सिटी में थी। उसकी असिस्टेंट नोकोईविड के साथ बहुत समय से थी और उसे पता था की नोकोईविड के लिए आज बहुत ही बड़ा दिन था। नोकोईविड ने अपना सब कुछ इस प्रयोग के लिए न्योछावर कर दिया था।

उसके अनेको रोबोट ने बहुत बड़ा स्पेसशिप बना लिया था और वो स्पेसशिप इस वक्त अंतरिक्ष में फ्लोट कर रहा था। नोकोईविड ने एक सुपर स्पेस वे –- भी बनाया था। एक ऐसा रास्ता जिस पर ये स्पेसशिप चलेगा और जनक 290 जैसे निफ़्टी को तकनीक के मामले में बहुत ही पीछे छोड़ देगा। थाइज़र के मेंथेमैटिक मॉडल्स के आधार पर मात्र निफ़्टी ही बन पाया था जो प्रकाश गति से 7500 गुना तक चल सकता था परन्तु यदि ये प्रोयोग सफल हो गया तो ऐनियन शिप निफ़्टी से कई गुना तेज चल सकेगा।

वो सुपर स्पेस वे - एक बहुत लम्बा प्रकाशित रश्मि का कुंतल जाल था। ऐसा लग रहा था की अंतरिक्ष में किसी ने प्रकाश की एक लम्बी रस्सी छोड़ रखी हो। नोकोईविड ने Xor प्लेनेट से लेकर इरीट्रिया तक ये जाल बिछाया था और उसने इसमें बहुत ही ज्यादा पैसा और संसाधन लगा दिया था। नोकोईविड ने बहुत ही बड़ा कर्ज लिया हुआ था। उसका ये एक्सपेरिमेंट यदि सफल नहीं होगा तो वो कर्ज में डूब कर ही मर जाएगा।

नोकोईविड ने एक बार फिर से सभी समीकरणों को जल्दी जल्दी री-रन किया और अपनी असिस्टेंट को आदेश दे दिया, "स्पेसशिप को लांच कर दो।“ असिस्टेंट ने कमांड दिया और जल्दी ही नोकोईविड द्वारा बनाया गया स्पेसशिप Xor से इरीट्रिया तक बिछाए उन महारश्मि के कुंतल जाल में बहुत ही तेज गति से गतिमान हो गया।

नोकोईविड और उसकी असिस्टेंट अपने स्पेस सिटी में बैठ कर सब कुछ देख रहे थे। वो स्पेसशिप बहुत तेज गति से संवेग पकड़ता हुआ कुछ ही

देर में प्रकाश गति को पार कर गया। नोकोईविड के आश्चर्य और विस्मय की सीमा ही नहीं रही जब उसने देखा की ऐनियन शिप ने निफ़्टी के 7500 गुना प्रकाश गति को पीछे छोड़ दिया। ऐनियन शिप हर बीतते पल के साथ अत्यधिक गतिमान हो रहा था, और देखते ही देखते उसने अपनी उच्चतम गति हासिल कर ली थी, प्रकाश गति से कई लाख गुना तेज़। एक ऐसा करिश्मा जो किसी ने भी नहीं कर के दिखाया था। उस शिप ने अपने आप को स्थिर किया और फिर धीरे धीरे अपनी गति कम की ताकि वो इरीट्रिया पर पहुँच जाए। और देखते ही देखते कुछ ही घंटो में वो ऐनियन शिप इरीट्रिया के बिलकुल नज़दीक पहुँच गया और उस रश्मि के जाल से बाहर आ गया।

नोकोईविड ने वो करिश्मा कर दिखाया जो थाइज़र भी नहीं कर पाए थे। उस स्पेसशिप ने अभी तक का सबसे तेज़ सफर तय किया था। एक ऐसा कारनामा जो न कभी सुना गया था न कभी देखा गया था। मात्र कुछ ही घंटो में Xor से इरीट्रिया की दुरी तय कर ली गयी थी।

1000 प्रकाश वर्ष की दुरी जिसे तय करने में जनक 290 जैसे निफ़्टी को 48 दिन लगते थे और फटल शिप्स को दस वर्ष उसको ऐनियन शिप ने कुछ ही घंटो में तय कर लिया था।

ये वो ही दुरी थी जिसको यूको वर्महोल से पार करने में भी जैसन को 100 वर्ष से अधिक का समय लग गया था। कोलार्क के फटल शिप को भी यूको वर्महोल का प्रयोग करने के बावजूद 100 दिन का समय लगा था। नोकोईविड ने वो दुरी बिना किसी वर्महोल की सहायते के कुछ ही घंटो में तय कर ली थी।

नोकोईविड अब अपने इरीट्रिया विजय के सपने के बहुत करीब था। उसके चेहरे पर एक अजीब सा सुकून था और उसके सामने उसके पिता राल्फ का चेहरा आ गया था। *"मैंने बस एक गलती की मैं इरीट्रिया हार गया।"* राल्फ के वो शब्द बार बार उसके सामने आ रहे थे।

नोकोईविड की असिस्टेंट बहुत ही ज्यादा खुश थी। कोई भी आज तक ऐसा करिश्मा नहीं कर पाया था। न ही फ्रां गैलेक्सी के सबसे होशियार माने जाने वाले मिलांज, न ही कोलार्क और फैलानी जैसे सबसे बुद्धिमान मैकेंल और न ही महान थाइज़र। कोई भी इतनी तेज यात्रा करने के कारनामे को अंजाम नहीं दे पाया था।

नोकोईविड के ज्ञान के कद के सामने वो सब बौने थे। नोकोईविड बहुत ही ज्यादा कुशाग्र और बुद्धिमान था। उसकी असिस्टेंट उसके पास आयी और उसे हग करते हुए बोली, "सर अपने कर दिखाया। आखिरकार क्वांटियम का पता कोई नहीं लगा पाया था, अपने लगा लिया और अपने Xor से इरीट्रिया की दुरी कुछ घंटो में ही पार भी कर ली।"

नोकोईविड के सामने अपने पिता को दी जाने वाली सजा-ऐ -मौत आ गयी। राल्फ के वो आखरी शब्द "*मैंने सिर्फ एक गलती की, मैं इरीट्रिया हार गया।*" नोकोईविड जब जब अपने पिता के वो शब्द सुनता तो उसे एक अजीब सी बैचेनी हो जाती थी। उसे अपने पिता के लिए इरीट्रिया को जीतना ही था।

असिस्टेंट ने नोकोईविड को झंझोरते हुए पूछा, "सर क्या हुआ। आपने वो करिश्मा कर दिखाया है जो फ्रां गैलेक्सी में कोई नहीं कर सकता। हम इसको बेच कर बहुत अमीर हो जायेंगे।"

नोकोईविड बोला, "नहीं मुझे इसको बेचना नहीं है। तुम बस मेरे आइवीश से चुनाव की तैयारी करो।"

असिस्टेंट को कुछ समझा नहीं आया। नोकोईविड के ऊपर इतना कर्जा है फिर भी वो अपनी इतनी बड़ी सफलता से पैसा नहीं कामना चाहता बल्कि चुनाव लड़ना चाहता है। क्या ये एक्सपेरिमेंट करते करते नोकोईविड अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है? असिस्टेंट सोच में पड़ गयी थी।

नोकोईविड ने असिस्टेंट को घुरा। असिस्टेंट बहुत समय से नोकोईविड के साथ थी। वो उसकी रग रग से वाकिफ थी। असिस्टेंट ने आगे कुछ नहीं पूछा।

सबको पता था की नोकोईविड से कोई भी कुछ पूछ नहीं सकता था। कुछ ही दिनों में असिस्टेंट ने सारी औपचारिकताएं पूरी कर दी। नोकोईविड आइवीश से चुनाव में खड़ा हुआ।

नोकोईविड आइवीश में अपनी कंपनी के मुख्यालय में बैठा हुआ था जब उसकी असिस्टेंट उसके पास आयी और बोली, " सर सारी औपचारिकताएं पूरी हो गयी हैं, आपका आइवीश के गवर्नर एंड मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स का चुनाव बस एक वर्ष में ही है। "

असिस्टेंट ने सारे फॉर्म इत्यादि स्क्रीनलेस डिस्प्ले पर नोकोईविड को दिखा दिए और वह बोली, "बस एक बात समझ नहीं आ रही आप ये चुनाव जीतेंगे कैसे। "

नोकोईविड ने असिस्टेंट को घुरा। वो थोड़ी डर सी गई और तब नोकोईविड चल कर उसके पास आया और उसे धीरे से हग करते हुए बहुत ही मृदु स्वर में बोला, "तुम चिंता मत करो। मेरे साथ मेरे पिता हैं। "

अस्सिटेंट ने नोकोईविड को कसके गले लगा लिया और बोली, "सर आप बहुत कर्ज में हैं और हमने इतनी बड़ी सफलता हासिल कर ली है, क्या ये चुनाव जरुरी है।"

नोकोईविड को पता था की उसकी असिस्टेंट उसका भला चाहती थी। वो बहुत समय से नोकोईविड के साथ थी और नोकोईविड को उस पर बहुत नाज़ था। ऐनियन शिप की सफलता में जितना हाथ नोकोईविड का था उतना उसकी असिस्टेंट का भी और इसलिए उसकी असिस्टेंट नोकोईविड को बहुत प्रिय थी।

नोकोईविड ने अपनी अस्सिटेंट के कंधे पर हाथ रखा और बहुत ही कोमल स्वर में बोला, "हम पैसा भी कमाएंगे, और हम सत्ता भी हासिल करेंगे। तुम्हें मुझ पर विश्वास है। "

असिस्टेंट ने नोकोईविड की आँखों में एक अलग ही चमक देख ली थी। उसे पता था की नोकोईविड जो चाहता था हासिल कर लेता था। उसने उसे ज़ोर से हग किया और बोला, "मुझे आप पर पूरा विश्वास है। "

नोकोईविड ने चुनाव प्रसार चालू कर दिया और आइवीश के उसके प्रतिद्वंदियों को पता ही नहीं चला की कब राल्फ का बेटा उनका इतना धुर विरोधी बन जाएगा।

आइवीश में इतने सालो बाद भी राल्फ की छवि धूमिल नहीं हुई थी, नोकोईविड को राल्फ का बेटा होने का पूरा फायदा मिला। वो आइवीश का चुनाव बहुत ही आसानी से जीत गया। ये था राल्फ का आइवीश पर नियंत्रण। उसकी मृत्यु के इतने वर्षो बाद भी उसके बेटे को राल्फ के नाम पर ही वोट मिल गए थे। नोकोईविड ने अपनी असिस्टेंट को सही बोला था उसके साथ उसके पिता थे और उसी पिता का बदला अब नोकोईविड को मैर्केल और इरीट्रिया से लेना था। उस क्रूर कोलार्क ने, कोन्ताना ने और मुर्ख जैसन ने जो पाप किये थे उसकी सजा मैर्केल और इरीट्रिया दोनों भुगतेंगे।

सोना ने फ़ास्ट फॉरवर्ड कर दिया। कुछ दिनों में नोकोईविड ने Xor के सुप्रीम कमांडर के चुनाव के लिए आवेदन भर दिया।

&

नोकोईविड आइवीश के गवर्नर हाउस में बैठा था और उसके साथ उसकी परम सहयोगी उसकी असिस्टेंट थी। असिस्टेंट ने नोकोईविड को बोला, “सुप्रीम कमांडर का चुनाव जीतना आसान नहीं होगा। वहां एक से एक धुरंधर बैठे है।“

"उनके पास मेरे जितने पैसे और मैर्केल जैसा समर्थक नहीं है।" नोकोईविड शांत रहते हुए बोला। वह किसी पेचीदा राजनैतिक चर्चा पर अपना ध्यान केंद्रित किये हुए था।

"आपके पास पैसे कहाँ से आये और मैर्केल आपको क्यों समर्थन देंगे।" असिस्टेंट ने आश्चर्यचकित होकर बोला। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था की नोकोईविड क्या योजना बना रहा था।

"मैंने मैर्केल से एक गुप्त संधि कर ली है। यदि वो मुझे पैसे दे तो मैं उन्हें क्वांटियम के बारे में बता दूंगा परन्तु चुनाव जीतने के बाद। इन पैसो से में चुनाव जीतूंगा।"

असिस्टेंट को कुछ समझ नहीं आ रहा था। नोकोईविड को जब उसने कहा था की हम क्वांटियम शिप्स को बेच कर अमीर बन सकते है तब उसने मना कर दिया था। अब वो कह रहा है की उसने मैर्केल से संधि कर ली।

परन्तु जो असिस्टेंट को नहीं पता था वो ये था की नोकोईविड का कोई इरादा था ही नहीं क्वांटियम शिप्स किसी को भी देने का। उसने सिर्फ झूट बोला था। मैर्केल से झूट उसे महंगा भी पड़ सकता था। मैर्केल ने आसानी से कोन्ताना को हरा दिया था। हालाँकि अब समय बदल गया था। कोन्ताना Xor का बीता हुआ कल था और नोकोईविड आने वाला।

नोकोईविड के पास बहुत सारे पैसे थे और मैर्केल का समर्थन। उसके विरोधियों के पास दोनों ही नहीं था। नोकोईविड ने क्वांटियम बना कर ये साबित कर दिया था की Xor के एक्रिमियाँ प्रजाति के लोग मिलांज और मैर्केल से कम नहीं थे। नोकोईविड की अच्छी छवि, उसका क्वांटियम स्पेस शिप बना कर ये दिखा देना की Xor के लोग मैर्केल, मिलांज से कम नहीं, चुनाव प्रचार में बहुत ही फायदेमंद साबित हो रहा था।

यहाँ तक की कुछ लोग तो नोकोईविड के क्वांटियम स्पेसशिप को इतना बढ़ा चढ़ा कर पेश कर रहे थे की वो थाइजर को चुनौती दे रहे थे कि वो

नोकोईविड से तेज स्पेसशिप बना कर दिखाए। नोकोईविड ने मैर्केल द्वारा दी गयी बहुत ही भारी रकम से बड़ी से बड़ी मीडिया एजेंसीज, पी आर फर्म्स आदि का उपयोग किया और अपने विरोधियों के खिलाफ अच्छा सा कैंपेन स्थापित कर दिया। उसके विरोधियों की सारी काली करतुते नोकोईविड की मीडिया एजेंसीज और पी आर फर्म्स ढून्ढ ढून्ढ कर ला रही थी। जबकि उसके विरोधी सिर्फ यह ही राग अलाप रहे थे की नोकोईविड राल्फ का बेटा था। नोकोईविड के खिलाफ कोई भी ऐसी बात नहीं थी जिसे चुनावी मुद्दा बनाया जा सके।

जहाँ तक राल्फ का सवाल था इतने सालो में लोग राल्फ के कुकृत्यों को भूल गए थे। वे भूल गए थे की क्रूर राल्फ ने नडाल शहर को नुक्लेअर बम से उड़ा दिया था। लोगो की मेमोरी बहुत कमज़ोर होती है। अब उनको दिख रहा था तो सिर्फ नोकोईविड का वो करिश्मा जो Xor के किसी भी व्यक्ति ने आज तक नहीं किया था। Xor के लोगो का सर फक्र से ऊपर हो जाता था जब वो बोलते थे की कोलार्क, फैलानी आदि मैर्केल और मिलांज कोई भी नोकोईविड की बुद्धिमता के आगे कुछ नहीं।

जनक 290 जैसे निफ़्टी स्पेसशिप थाइज़र की अनुकम्पा से बने है, परन्तु नोकोईविड ने अपने दम पर इतनी तेज़ ऐनियन शिप्स बनाये जो कुछ मिनटों में ही महाविशाल दुरी तय कर लेते है।

नोकोईविड भी बिना अपने किसी राजनैतिक विरोधी पर कोई कीचड उछाले चुप चाप अपनी क्वांटियम स्पेस शिप के बारे में लोगो को बताता रहा की कैसे उन स्पेस शिप से फ्रां गैलेक्सी में कही भी घंटो में आ जा सकते थे।

नोकोईविड ने बोमिनी नामक अपने स्पेसशिप का डेमो भी पेश किया। बोमिनी नोकोईविड के बेल्ट के बकल जितना छोटा हो जाता था और नोकोईविड का मानसिक सन्देश पाते ही विशालकाय स्पेसशिप में बदल जाता था। नोकोईविड उस स्पेसशिप में बैठ कर पूरे 409 ग्रह गया और वहां के लोगो

और चुनिंदा प्रतिनिधियों से खुद को सुप्रीम कमांडर बनाने की अपील की। नोकोईविड ने Xor के लोगो के साथ एक अलग सा ही जुड़ाव बना लिया था।

"मतलब नोकोईविड लोगो में लोकप्रिय है। मुझे तो लेडी तारा ने बताया था की वो एक क्रूर शासक है।" धर्मा बीच में बोला। वो एक क्यूब में सोना जिसने एक सुन्दर स्त्री का रूप लिया हुआ था के साथ बैठकर भूतकाल के सफर पर निकला हुआ था। वो सारी घटनाएं अपनी नज़रो से देख रहा था।

"धर्मा मैं तुम्हें जो भूतकाल में गठित हुआ वो दिखा रही हूँ। अब किसने क्या बताया क्या सच है या क्या झूट ये सब का फैसला तुम्हें खुद करना है।" सोना ने बेमाना सा जवाब दे दिया।

सोना ने कुछ फ़ास्ट फॉरवर्ड किया और आगे कि घटना दिखाने लगी। धर्मा को ऐसा ही लग रहा था की वो एक मूवी देख रहा था, जबकि वो भूतकाल में हुई सच्ची घटनाये देख रहा था। सोना की ताकत वास्तव में बेमिसाल थी।

नोकोईविड की अच्छी छवि मैर्केल का पैसा और नोकोईविड की जी तोड़ मेहनत रंग लायी और नोकोईविड ने Xor साम्राज्य के सुप्रीम कमांडर का चुनाव जीत लिया। वो 100 वर्षो के लिए Xor का सुप्रीम कमांडर बन गया।

धर्मा ने फिर बीच में बोला, "और उसने पहला काम किया -- इरीट्रिया पर हमला। आप मुझे सीधे ही नोकोईविड द्वारा इरीट्रिया पर हमले की घटना दिखा दो।"

"तुम बहुत ही उतावले हो धर्मा।" सोना बोली और धर्मा को आगे कि घटना दिखने लगी।

&

सोना ने कुछ फ़ास्ट फॉरवर्ड किया और धर्मा को दिखा नोकोईविड अपने कुछ सहयोगियों के साथ Xor ग्रह के सुप्रीम कमांडर के दफ्तर में अपने बड़े विशालकाय चैम्बर में बैठा हुआ था।

"यह है नोकोईविड की वॉर कौंसिल।" सोना बोली।

धर्मा ने देखा नोकोईविड एक बड़ी कुर्सी पर हवा में तकरीबन 200 फ़ीट ऊँचा उठा हुआ था और बाकि लोग नीचे अपनी अपनी कुर्सियों और स्थानों पर बैठे थे। सभी को शारीरिक रूप से वहां उपस्थित होने का आदेश नोकोईविड ने दिया हुआ था हालाँकि सब लोग मानसिक रूप से ही वो मीटिंग कर रहे थे। सब लोगों के मानस रूप एक दूसरे से बाते कर रहे थे। धर्मा को ये दृश्य देख कर बहुत ही आश्चर्य हुआ।

“R7 तुम इरीट्रिया पर हमला करोगे और उसे Xor का 410 वां ग्रह घोषित कर दोगे।“ नोकोईविड ने गंभीर स्वर में बोला।

“जी सर।“ R7 ने उत्तर दिया।

R7 - एडमिरेर के जैसे ही एक रोबोट था, परन्तु वो दिखने में राल्फ के जैसे दिखता था। नोकोईविड ने R7 खुद बनाया था और R7 उतना ही बुद्धिमान और कुशाग्र था जितना कि नोकोईविड था। लोग कहते थे कि R7 नोकोईविड के लिए सबसे ख़ास था।

“परन्तु सर हमें टाईमैक्स को बताना पड़ेगा।“ नोकोईविड का संचार मंत्री अनायास ही बोला। वो वृद्ध था और बहुत समय से नोकोईविड कि पार्टी के साथ जुड़ा हुआ था। हालाँकि उसकी शारीरिक बनावट से वो माध्यम आयु का व्यक्ति ही प्रतीत हो रहा था। नोकोईविड की वार कौंसिल के अधिकतर सदस्य एक्रिमियाँ लोग ही थे। धर्मा को समझ आ गया था कि नोकोईविड भी राल्फ और कोन्ताना की भांति एक्रिमियाँ के लोगों को ही प्राथमिकता देता था।

संचार मंत्री ने आगे बोला, "आपको पता है थाइजर, मैर्केल और Xor की संधि के अनुसार अब ऐसे फैसले जिससे फ्रां गैलेक्सी पर असर पड़े वो टाईमैक्स में ही मंजूर होंगे।

“तुम लोग कम पढ़े लिखे हो क्या।“ नोकोईविड चीखा।

संचार मंत्री सकपका गया।

"Xor ने कितने ही सालो पहले जब राल्फ सुप्रीम कमांडर थे तब ये प्रस्ताव पारित कर दिया था की अन्तियम के भण्डार वाला ग्रह इरीट्रिया Xor का हिस्सा होगा।" नोकोईविड ने कठोर स्वर में कहा।

सब लोग भौचक्के रह गए, यह कब हुआ था।

"कोन्ताना जब भेद खोल रहा था की कैसे राल्फ इरीट्रिया हार गया तब ये प्रस्ताव पारित हुआ था की वो अजय सेना जो इरीट्रिया पर रह गयी थी Xor की सेना है और Xor का ही प्रतिनिधित्व कर रही है किसी कोलार्क का नहीं।" नोकोईविड ने अपना एकालाप जारी रखा था।

लोगो को यकीं ही नहीं हुआ की नोकोईविड को इतनी महीन बातें भी पता थी। उसने बहुत अच्छे से तैयारी की थी। उस गवर्निंग कौंसिल ने जिसने राल्फ पर मुक़दमा चलाने का हुकुम दिया था, उस कौंसिल ने ये भी घोषित किया था की जैसन भले ही राल्फ के कहने पर इरीट्रिया गया हो परन्तु जो अजय सेना वहां गयी थी वो Xor की ही थी और Xor का ही प्रतिनिधित्व कर रही थी। इसलिए यदि इरीट्रिया पर Xor की अजय सेना का अधिपत्य था तो वो ग्रह Xor साम्राज्य के अधिकार क्षेत्र में था।

यदि ऐसी घोषणा न होती तो लोगो में अजय सेना पर से विश्वास उठ जाता की वो सेना स्वार्थी है और अपने खुद के हित में काम कर रही है और कोलार्क जैसे Xor के दुश्मनो से पैसे ले रही थी। उन सैनिको की इज्जत रखने के लिए उस गवर्निंग कौंसिल ने एक प्रस्ताव भी पारित कर दिया था। हर कोई इतने वर्षो पहले के पारित-प्रस्ताव के बारे में भूल ही गया था।

परन्तु नोकोईविड उस प्रस्ताव को इस प्रकार पेश करेगा की Xor की गवर्निंग कौंसिल ने अजय सेना का इरीट्रिया पर अधिपत्य माना और इरीट्रिया इसलिए Xor साम्राज्य का ही हिस्सा था, ये किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। नोकोईविड एक बहुत ही कुटिल व्यक्ति था।

नोकोईविड ने R7 की तरफ देख कर कहा, “तुम्हें पता है की क्या करना है।“

“जी सर।“ R7 बोला।

सभा समाप्त हो गयी। नोकोईविड की सभा में सिवाए उसके कोई नहीं बोलता था। नोकोईविड राल्फ से भी ज्यादा क्रूर था। धर्मा ने देखा सब लोगों के मानस रूप एक एक करके गायब हो रहे थे। वो लोग अपने स्थानों से उठे और जाने लगे। नोकोईविड उस उड़ती हुई विशाल कुर्सी पर ही विराजमान रहा और उसके सामने उड़ता हुआ R7 खड़ा हुआ था। नोकोईविड के पिता के जैसा दिखने वाला R7 नोकोईविड से अलग से अनुदेश ले रहा था। वैसे R7 को नोकोईविड से कुछ अनुदेश लेने की जरुरत नहीं थी वो एकदम वैसे ही सोचता या करता था जैसा नोकोईविड। बस R7 सूर्य की ऊर्जा से चलने वाला एक आधुनिक रोबोट था और हाड मांस का बना हुआ नहीं था वार्ना वो राल्फ का क्लोन कहलाता।

नोकोईविड R7 से कुछ बाते कर ही रहा था की तभी नोकोईविड को मैर्केल के प्रतिनिधि का सिक्योर कॉल आया। नोकोईविड ने वो कॉल उत्तर किया और उसके सामने एक सम्पूर्ण स्पर्शनीय आकृति उभर कर आ गयी। वो आकृति भी हवा में उड़ रही थी क्योंकि नोकोईविड अपनी लाउन्ज सोफे कुर्सी पर बैठ कर हवा में उड़ रहा था। मैर्केल के उस प्रतिनिधि ने नोकोईविड से कहा, "तुम अपना वादा कब पूरा करोगे। "

नोकोईविड को मैर्केल से सख्त चिढ़ थी और उस स्वर्णिम व्यक्ति की शक्ल उसे बहुत ही घिनौनी लग रही थी परन्तु नोकोईविड ने अपनी भावनाओं पर काबू रखते हुए कहा, "बहुत जल्द। मैंने R7 को इरीट्रिया फ़ौज के साथ भेजने का प्रबंध किया है। आपको मेरे ऐनियन शिप का डेमो भी मिल जाएगा और फिर मैं आपको वो तकनीक दे दूंगा। "

“नोकोईविड तुम जानते हो न मैर्केल से दुश्मनी के कारण वर्षो पहले कोन्ताना का क्या हाल हुआ था।“ प्रतिनिधि ने खूंखार स्वर में कहा।

नोकोईविड का खून खोल गया परन्तु उसने अपने पर काबू रखते हुए अपनी बात को फिर से दोहराया।

“बिलकुल। मैं मैर्केल से दुश्मनी क्यों चाहूंगा। मैंने इरीट्रिया पर फ़ौज भेजी है और मेरी ये फौज इसी क्वांटियम से बने सुपर स्पेस वे का इस्तेमाल करने वाली है। आपको डेमो भी मिल जाएगा की कैसे बहुत बड़ी फ़ौज भी इस सुपर स्पेस वे से कुछ घंटो में 1000 प्रकाश वर्ष की दुरी तय कर सकती है। इससे आपको भी ये तकनीक समझने में मदद मिलेगी। आप ने अब तक इसका ऐसा कोई डेमो नहीं देखा है जहाँ इतनी बड़ी फ़ौज और अनेकों स्पेसशिप्स जा रहे हो।"

“ठीक है। परन्तु इस डेमो के बाद हमें ये तकनीक ट्रांसफर कर दो।“ प्रतिनिधि गुर्राया।

नोकोईविड ने कनेक्शन काट दिया।

धर्मा को समझ आ गया था की नोकोईविड का मैर्केल को ये तकनीक देने का इरादा नहीं था। क्या नोकोईविड इतना बड़ा खतरा उठाने को तैयार था? मैर्केल से सीधे युद्ध।

&

R7 कुछ ही देर में बहुत बड़ी अजय सेना ले कर इरीट्रिया पहुँच गया। इरीट्रिया पर मेजो कारपोरेशन का राज था। हालाँकि पिछले कई वर्षो से ये घाटे में चल रही थी। कोलार्क का अंत बुरा हुआ था। उसने खुदखुशी कर ली थी। अब जोश का पोता इरीट्रिया का राजा था। इरीट्रिया में चुनाव नहीं होते थे। फ्लेशी राजा अपना उत्तराधिकारी खुद चुनता था। हालाँकि फ्लेशी लोग जो अब इरीट्रिया के सबसे रसूकदार लोग थे भी पहले के मुकाबले साधारण जीवन ही बीता रहे थे। ऐंजलन लोग फ्लेशी लोगो के असिस्टेंट ही थे और

सेन्टॉरस तक़रीबन विलुप्त हो गए थे। एक्यान भी समुद्र के नीचे एक अति-साधारण जीवन बिताने पर मजबूर थे। उनके साथ तो फ्लेशी लोगो ने और भी बुरा किया था। फ्लेशी व्यापारी उनको पकड़ कर Xor और मैर्केल साम्राज्यों में उन्हें एक अनोखी मछली के रूप में बेच दिया करते थे।

R7 की सेना को बिलकुल भी दिक्कत नहीं हुई इरीट्रिया को जीतने में। किसी भी फ्लेशी सैनिक में हिम्मत नहीं थी की वो अजय सेना का मुकाबला करे। वो अजय सैनिक और मैकाबर जो जैसन के समय से इरीट्रिया में थे, वो भी अब इन सैकड़ो वर्षो में अपनी कला भूल चुके थे। वो केवल इरीट्रिया के गरीब लोगो को ही परेशान करने लायक बचे थे।

R7 की जीत के बाद तुरंत ही नोकोईविड इरीट्रिया पर आ गया। उसने घोषणा कर दी की अब से इरीट्रिया पर चुनाव होंगे और चुनाव में जीता हुआ व्यक्ति ही 100 वर्ष के लिए प्रधान होगा। नोकोईविड ने एक्यान और सेन्टॉरस के लिए विशेष घोषणा की। उसने उन दोनों प्रजातियों को अपनी अजय सेना में शामिल किया और उन्हें समान्नित किया। उसने मूर्ति पूजा स्थापित की और अनेको मंदिर बनाये।

जो लोग भी छुप छुप कर मूर्ति पूजा कर रहे थे उन लोगों को अब खुले आम मूर्ति पूजा करने की छूट मिल गई थी। हालाँकि अब उन लोगों की संख्या बहुत कम बची थी। बोफ के प्रचार प्रसार पर नोकोईविड ने रोक लगा दी। वैसे वो हर प्रकार के धार्मिक प्रचार के खिलाफ था और चाहता था की लोग वैज्ञानिक सोच और स्वभाव रखे। नोकोईविड ने बोफ को निषेध कर दिया। इरीट्रिया के कई लोगों को इससे बहुत आपत्ति हुई हालाँकि नोकोईविड ने ये भी घोषणा की कि ये सारे फैसले इरीट्रिया का चुना हुआ प्रधान ही करेगा। नोकोईविड का फैसला केवल उस समय तक था जब तक चुना हुआ प्रधान नहीं आ जाता।

जहाँ कही भी Xor साम्राज्य में एक्यान या ऐंजलन को तमाशबीन के रूप में रखा गया था, नोकोईविड ने उनको वहां से छुड़ा लिया। एक्यान और ऐंजलन को यकीं ही नहीं हुआ की Xor का सुप्रीम कमांडर आकर उनके लिए लड़ेगा उन्हें उन तुच्छ फ्लेशी लोगो से बचाएगा जिनको हमेशा से ही इरीट्रिया पर एक कमज़ोर और कायर प्रजाति माना जाता था। नोकोईविड को एक्यान और ऐंजलन लोग अपना हीरो मानने लगे थे।

नोकोईविड के आक्रमण से, फ्लेशी को छोड़ कर, इरीट्रिया के सभी लोग बेहद खुश थे। नोकोईविड ने उन लोगो को कोलार्क के द्वारा स्थापित अति क्रूर शासन से आज़ादी दिलाई थी। इरीट्रिया में चुनाव हुआ और एक ऐंजलन नेता ने फ्लेशी के नेता को हरा कर चुनाव जीत लिया। फ्लेशी ताकतवर और रसूकदार तो हो गए थे परन्तु उनकी संख्या बहुत कम थी। इरीट्रिया पर अभी भी सबसे ज्यादा ऐंजलन लोग ही थे। नोकोईविड ने उसे इरीट्रिया का गवर्नर घोषित कर दिया। नोकोईविड ने ये भी ऐलान कर दिया की नोकोईविड खुद अधिकतर समय इरीट्रिया में बिताएगा जब तक इरीट्रिया में सभी लोगो को सही इन्साफ नहीं मिल जाता और प्रशासन सही तरीके से काम नहीं करने लग जाता।

धर्मा को अत्यधिक आश्चर्य हुआ। “मुझे तो बताया गया था कि इरीट्रिया नोकोईविड के क्रूर चुंगुल में है और मुझे उसे छुड़ाना है। परन्तु यहाँ तो चुनाव हो रहे है और ऐंजलन गवर्नर है।“ धर्मा ने विस्मय से बोला।

“मैं तुम्हें केवल भूतकाल दिखा सकती हूँ, मतलब तुम्हें खुद ढूंढने है।“ सोना बोली।

“ठीक है।“ धर्मा ने सर हिलाया।

सोना ने आगे थोड़ा फ़ास्ट फॉरवर्ड कर के दिखाया।

मैर्केल का प्रतिनिधि इरीट्रिया में नोकोईविड के सामने खड़ा था। वो अत्यधिक गुस्से में था। काफी दिन हो गए थे परन्तु नोकोईविड क्वांटियम शिप कि तकनीक हस्तांतरित नहीं कर रहा था।

“नोकोईविड तुम्हें इरीट्रिया आये 10 दिन हो चुके है और तुम वापस Xor जाने के बदले यहाँ इरीट्रिया का प्रशासन सँभालने में लगे हो। हमारी संधि का क्या हुआ।“ प्रतिनिधि बहुत ही खूंखार स्वर में बोला। वो इस वक्त नोकोईविड के सामने व्यक्तिगत रूप से खड़ा था। कोई आकृति नहीं थी। नोकोईविड उसका फ़ोन आजकल उठा नहीं रहा था।

“हमारी संधि तो छलावा थी।“ नोकोईविड खूंखार स्वर में हसते हुए बोला।

“मैं टाइमेक्स में तुम्हारी शिकायत कर सकता हूँ या और बुरा Xor को मैर्केल का गुलाम बना सकता हूँ। कोन्ताना को भूल गए तुम।“ प्रतिनिधि बहुत गुस्से में बोला। उसकी एक एक नस फूल रही थी जब वो मानसिक सन्देश दे रहा था। उसकी स्वर्णिम त्वचा गुस्से से और ज्यादा पीली दिख रही थी।

“मुर्ख मैर्केल, मैं हूँ नोकोईविड।“ नोकोईविड का स्वर और भी ज्यादा खूंखार हो गया। “कोन्ताना तो मेरे पैर की जूती के बराबर भी नहीं है। यदि वो आज जिन्दा होता तो मेरे पिता को धोखा देने के लिए मैं उसे बहुत बुरी मौत देता।“

मैर्केल प्रतिनिधि नोकोईविड के विशाल चैम्बर से उठ कर जाने लगा। उस क्लाउड बिल्डिंग में वो राजकीय अतिथि था। वो जाते जाते बोला, “नोकोईविड अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो।“

नोकोईविड ने उस प्रतिनिधि को इशारे से रोका और बोला, “मैर्केल से मेरा बदला अभी पूरा नहीं हुआ। मेरा इरादा कभी भी तुम्हें ये तकनीक देने का नहीं था।“

“तुम उसका अंजाम देखोगे।” वो स्वर्णवर्णी व्यक्ति गुस्से में बोला। वो बस गेट से बाहर जाने ही वाला था कि नोकोईविड ने उससे कहा,

“मैं नहीं तुम देखोगे कैसे मैर्केल की फौज की हिम्मत भी नहीं होगी मेरे क्षेत्र में घुसने की।”

प्रतिनिधि को कुछ समझ नहीं आया। वो जाने लगा। तभी नोकोईविड ने अपने हाथ में छिपे ब्लास्टर से एक लेज़र किरण मार कर उस प्रतिनिधि को घायल कर दिया।

“ये क्या कर रहे हो। राजकीय अतिथि पर हमला करना टाइमेक्स के नियमो के विरुद्ध है। थाइज़र तुमको सजा देंगे।” प्रतिनिधि दर्द से कराहते हुए बोला।

नोकोईविड क्रूरता से हँसा और धीरे धीरे उस प्रतिनिधि के पास आ गया। नोकोईविड उस प्रतिनिधि से जो कुछ छ फुट का होगा के आगे एक बड़ा विशाल दानव लग रहा था। नोकोईविड ने प्रतिनिधि के सर के पास अपना सर झुकाया और उसकी आँखों में देख कर बोला, "मेरे राजकीय अतिथि मैं तुमको और टाइमेक्स को बता रहा हूँ की मैर्केल की मेरे आगे क्या औकात है। मेरे पिता ने वादा किया था मैर्केल को हराएंगे। वो वादा तो पूरा करना ही पड़ेगा।”

इससे पहले मैर्केल का प्रतिनिधि कुछ कहता या करता नोकोईविड ने अपनी दोनों उंगलिया उसकी आँखों में घुसा डाली और वो स्वर्णिम त्वचा का कोमल व्यक्ति बुरी तरह से चीखने लग गया। नोकोईविड ने क्रूरता भरे ढंग से उस प्रतिनिधि की आँखे फोड़ डाली थी। वो बुरी तरह से तड़प रहा था। धर्मा भी सोना द्वारा दिखाया हुआ ये दृश्य देख रहा था। इतना भयावह दृश्य देखकर धर्मा भी घबरा गया था।

“मैं तुम्हें मरुंगा नहीं। तुम बस मैर्केल के अपने आकाओं को बता देना की वो अब से तुम्हारी तरह अँधा बन कर ही रहे। क्योंकि उन्होंने कुछ

ज्यादा देख लिया तो उनके लिए अच्छा नहीं होगा।“ नोकोईविड ने उस प्रतिनिधि की आँखों में से अपनी उंगलिया निकलते हुए बोला।

वो प्रतिनिधि बुरी तरह से तड़पता हुआ वहां से चला गया। उसकी आँखों से बहुत ज्यादा खून बह रहा था। उसे समझ नहीं आ रहा था की नोकोईविड को मैर्केल की फ़ौज से डर क्यों नहीं लग रहा था। मैर्केल का न सही थाइज़र से तो डरे। नोकोईविड को टाइमेक्स का भी कोई डर नहीं था।

सोना ने थोड़ा फ़ास्ट फॉरवर्ड कर दिया।

कुछ ही दिनों में मैर्केल की फ़ौज इरीट्रिया के सौर मंडल के बाहर तक आ गई थी। नोकोईविड के साथी उसे मैर्केल से युद्ध न करने की सलाह दे रहे थे परन्तु नोकोईविड नहीं माना। वो बोमिनी में बैठ कर खुद ही इरीट्रिया के सौर मंडल के बाहर पहुँच गया जहाँ मैर्केल की सेना थी। उस विशाल अंतरिक्ष में मैर्केल के अनेको विमान और स्पेसशिप्स थे और नोकोईविड अकेला बोमिनी पर सवार उनका मुकाबला करने को तैयार था।

मैर्केल के कमांडर ने अपने स्पेसशिप में बैठे बैठे नोकोईविड के स्पेसशिप बोमिनी में सन्देश भेजा।

“नोकोईविड सरेंडर कर दो। तुमने संधि न मान कर मैर्केल के साथ धोखा किया है और साथ ही हमारे राजकीय प्रतिनिधि को घायल किया है।“ कमांडर की पूर्ण स्पर्शनीय आकृति नोकोईविड के बोमिनी के अंदर थी। कमांडर अपनी मैर्केल की यूनिफार्म में बहुत ज्यादा जच रहा था। ये वो कमांडर था जिसकी फ़ौज को मैर्केल की क्विक आर्मी कहते थे क्योंकि ये कोई भी युद्ध बहुत ही जल्दी ख़त्म कर देते थे। आज भी वो ही होने वाला था बस परिणाम मर्केल की कल्पना से परे था।

“तुम मुर्ख मैर्केल लोगो को मैंने तुम्हारे उस निकम्मे प्रतिनिधि की आँखे फोड़ कर समझाने की कोशिश की थी की नज़रे बंद कर के रहोगे तो जिन्दा रहोगे, फिर भी तुम इतनी बड़ी फ़ौज ले आये और इतने सारे स्पेसशिप्स,

इतने सारे मैर्केल के लोग और इतने सारे हथियार। कितना नुक्सान करोगे मैर्केल का तुम मुर्ख लोग।“ नोकोईविड ने उस आकृति को घूरते हुए बोला।

“लगता है तू पागल हो गया है। हमारी इतनी विशाल सेना का मुकाबला करने अकेला आया है। तुझे क्या लगता है की तुझे तेज स्पेसशिप बनाने आते है तो तू हथियार भी हमसे ताकतवर बना लेगा।“ कमांडर बोला और उसकी वो आकृति नोकोईविड के कंधे पर हाथ रख कर ज़ोर ज़ोर से हसने लगी।

“मुर्ख बना लेगा नहीं, बना लिया।“ नोकोईविड ने उसका हाथ झटकते हुए बोला।

कमांडर को कुछ समझ नहीं आया। इरीट्रिया प्लेनेट से तकरीबन 20 बिलियन किलोमीटर दूर इस विशाल स्पेस में नोकोईविड अकेला पूरी मैर्केल फ़ौज के सामने खड़ा था। *नोकोईविड शायद पागल हो गया है, बोल रहा है हथियार बना लिया है। कहाँ है हथियार।* कमांडर से सोचा।

तभी कमांडर ने अपनी स्क्रीन पर देखा एक बहुत छोटा सा कण नोकोईविड के बोमिनी से निकला और बहुत तेजी से उसकी सेना के मध्य में आ गया। वह छोटा सा कण धीरे धीरे एक विशालकाय मशीन का रूप ले रहा था। देखते ही देखते उस मशीन ने एक बहुत ही बड़े गोले का रूप ले लिया। एक दानवाकार छिद्र एक बहुत ही बड़ा शुन्य। उस गोल चक्र का मुँह अति विशाल हो गया और धीरे धीरे वहां मौजूद स्पेस-टाइम फैब्रिक को अपने अंदर निगलने लगा।

कमांडर को कुछ समझ नहीं आया। नोकोईविड की स्पर्शनीय आकृति जो कमांडर के स्पेसशिप में मौजूद थी क्योंकि उसका नोकोईविड से कम्युनिकेशन अभी भी कनेक्टेड था, जोर जोर से हंसी और बोली, "मुर्ख कमांडर ये हथियार है क्विड। ये स्पेस-टाइम फैब्रिक को खा जाता है। एक ऐसा वैक्यूम उत्पन्न होगा एक ऐसा शुन्य - जो इस पूरे स्पेस को तुम्हारी सेना सहित निगल

जाएगा। तुम्हारे जितने भी स्पेसशिप है ये सब इस में चले जायेंगे। ऐसा समझ लो ये क्विड एक ब्लैकहोल है जो तुम सब को निगल जाएगा।"

कमांडर को यकीन ही नहीं हुआ परन्तु इससे पहले वो लोग संभलते मैर्केल के सारे स्पेसशिप्स एक एक करके उस बड़े से गोल ब्लैक होल में जाने लगे। ऐसा लगा वो विशालकाय ब्लैक होल इन सबको निगलने के लिए मुँह खोले हुए है। कमांडर ने वहां से भागने का आदेश दिया परन्तु उसके स्पेसशिप टस से मस नहीं हुए क्योंकि क्विड ने स्पेस-टाइम फैब्रिक को सक कर लिया था अब वो सारे स्पेसशिप इस वैक्यूम में अंदर जाने के अलावा कही और नहीं जा सकते थे। वो स्पेसशिप्स वही फस कर रह गए थे। धीरे धीरे ब्लैकहोल बड़ा हो रहा था।

देखते ही देखते मैर्केल के तक़रीबन 1000 स्पेसशिप्स जिसमे अनेकों प्रकार के हथियार, रोबोट और बहुत सारे सैनिक थे वो सब उस वैक्यूम में चले गए। धीरे धीरे ब्लैक होल अति विशालकाय हो गया। उसने पहले कुछ स्पेसशिप्स को निगला फिर धीरे धीरे बाकि सभी स्पेसशिप्स को सक कर लिया।

नोकोईविड की असिस्टेंट जो उसके साथ बोमिनी के अंदर थी बहुत ही ज्यादा घबराते हुए बोली, "रोक लीजिये अपने इस हथियार को वर्ना यदि मेरी कॅल्क्युलेशन्स गलत नहीं है तो ये मैर्केल की सेना के साथ साथ पूरे इरीट्रिया के सौर मंडल को खा जाएगा और यदि समय रहते नहीं रोका तो पूरी गैलेक्सी को।"

नोकोईविड मैर्केल के स्पेसशिप्स का धीरे धीरे उस पिशाचरूपी ब्लैक होल में जाने का आनंद ले रहा था। उसको लग रहा था की वो राल्फ का बदला ले रहा था। धीरे धीरे ब्लैक होल बड़ा हो रहा था और मैर्केल के तक़रीबन सभी स्पेसशिप्स को अपने अंदर समा चूका था।

अस‍िस्टेंट के घबराहट की सीमा न रही। वो बोली, “प्लीज रिक्वेस्ट कर रही हूँ। ये इरीट्रिया को भी ख़त्म कर देगा।“

नोकोईविड को जैसे कुछ समझ नहीं आ रहा था। वो अपनी असिस्टेंट की बात जैसे ग्रहण ही नहीं कर रहा था। उसे मैर्केल के स्पेसशिप का उस ब्लैकहोल में जाने का दृश्य इतना सुहावना लग रहा था की मानो वो पागल हो गया हो। उससे सिर्फ अपने पिता का बदला नज़र आ रहा था। इन मैर्केल को हराने का ही वादा किया था आपने पिता जी। लीजिये मैंने आपका वादा पूरा कर दिया। नोकोईविड अपने पिता से बाते कर रहा था। उसे लगा की उसके पिता की आत्मा जहाँ कही भी होगी आज बहुत खुश होगी। उसने इन क्रूर और घमंडी मैर्केल को बता दिया था की राल्फ और राल्फ का बेटा क्या थे।

असिस्टेंट को समझ नहीं आ रहा था की वो क्या करे। नोकोईविड तो पागल हो गया था। उसको समझ आ गया था की यदि नोकोईविड को कोई रोक सकता था तो वो थी उसकी सेक्रेट्री। तभी असिस्टेंट ने इरीट्रिया में प्रोफेसर बोरो की बेटी को कनेक्ट किया। नोकोईविड यदि किसी की सुनता था तो वो थी प्रोफेसर बोरो की बेटी जो की इरीट्रिया में नोकोईविड की सेक्रेटरी थी।

कुछ ही समय में नोकोईविड के बोमिनी में प्रोफेसर बोरो की बेटी की पूर्ण स्पर्शनीय छवि आ गई। वो दिखने में अति सुन्दर थी और उस फ्लेशी लड़की की छवि ने नोकोईविड को तेजी से गले लगाया और बोला, "इस हथियार को रोक दीजिये। ये इरीट्रिया का भी विनाश कर देगा।"

उस लड़की में जादू था। नोकोईविड जो अब तक उस क्रूर दृश्य का आनंद ले रहा था जहाँ मैर्केल के स्पेसशिप्स एक एक करके उस मौत के गोले में जा रहे थे, वहीं अब उसका ध्यान इरीट्रिया को बचाने की तरफ आकर्षित हो गया था। क्योंकि वहां उसकी प्रिय वो लड़की रहती थी जिससे नोकोईविड को पहली नज़र में ही प्यार हो गया था।

नोकोईविड का प्रोफेसर बोरो की बेटी से अलग ही प्रकार का लगाव हो चूका था। पिछले कुछ दिनों में नोकोईविड को प्रोफेसर बोरो की पुत्री इतनी पसंद आ गयी थी को वो भूल गया था की वो Xor साम्राजय का सुप्रीम कमांडर है और बोरो की बेटी मात्र उसकी सेक्रेटरी।

नोकोईविड ने तुरंत ही अपने हथियार को रोक दिया। मैर्केल का कमांडर भाग्यवान था। इससे पहले की उसका स्पेसशिप भी इस ब्लैक होल में समा जाता नोकोईविड ने क्विड को रोक दिया था। धीरे धीरे क्विड छोटा हो गया और एक कण का रूप ले लिया और नोकोईविड के बेल्ट का एक छोटा सा हिस्सा बन गया। क्रूर नोकोईविड किसी लड़की की बात सुनेगा वो भी इरीट्रिया की एक फ्लेशी लड़की की, ये किसी ने सोचा भी नहीं था। परन्तु नोकोईविड ने उसके कहने पर अपने इतने शक्तिशाली हथियार को वापस ले लिया था। ऐसा था नोकोईविड पर उस लड़की का प्रभाव।

परन्तु इन सब में बहुत देर हो गयी थी और इस छोटे से कण ने मैर्केल के तक़रीबन 1500 स्पेसशिप्स और अनगिनत लोगो की जान ले ली थी। मैर्केल ने शायद जितनी धनराशि नोकोईविड को संधि के रूप में नहीं दी होगी उससे ज्यादा तो नोकोईविड के हथियार ने नष्ट कर दी थी। मैर्केल का कमांडर वहां से भाग गया था। यदि प्रोफेसर बोरो की बेटी नहीं होती तो मैर्केल का ये कमांडर आज जिन्दा नहीं होता।

नोकोईविड ने दिखा दिया था वो क्या क्या कर सकता था। राल्फ का बेटा जिसने न सिर्फ ऐसे स्पेस रास्ते बनाने सीख लिए थे जिन पर चल कर स्पेसशिप्स अनंत गति हासिल कर सकते है परन्तु नोकोईविड ने एक ऐसा हथियार बना लिया था जो उसे मैर्केल, Xor, थाइज़र इन सबसे ज्यादा शक्तिशाली बना देता था। एक आदमी जो सबसे ताकतवर था। नोकोईविड।

ऐसा था धर्मा का दुश्मन।

हालाँकि नोकोईविड ने सही समय पर क्विड को रोक दिया था परन्तु इस हथियार के प्रयोग से उस स्पेस में एक प्रकार का छेद हो गया। एक ऐसा छेद जो भरा नहीं जा सकता और जिसके कारण एक पैरेलल यूनिवर्स में जाने का रास्ता बन गया। नोकोईविड के हथियार ने न सिर्फ मैर्केल की सेना को ख़त्म कर दिया था परन्तु इरीट्रिया के बाहर एक ऐसी टनल बना दी थी जो उनको किसी और दुनिया से जोड़ती थी।

“नोकोईविड तो वास्तव में क्रूर था।“ धर्मा बोला।

“ये सब तुम्हें सोचना है।“ सोना बोली।

“इसका मतलब है की बोरो की बेटी को नोकोईविड पसंद करता था तो प्रोफेसर बोरो और नोकोईविड में इतनी दुश्मनी कैसे हो गयी। ये सब कुछ बहुत बड़ा रहस्य है।“

“देखो मैंने वादा किया था तुम्हें इरीट्रिया और Xor का दूसरा युद्ध दिखा दूंगी वो मैंने पूरा किया अब मैं जा रही हूँ।“

“परन्तु ये तो बहुत ही अधूरी कहानी है। आप मुझे पूरा तो बताईये।“

“नहीं, बाकि कहानी सन आफ गॉड को खुद ही पता लगानी है।“ सोना ने व्यंगात्मक स्वर में बोला।

“अरे मैं कैसे पता लगा सकता हूँ।“ धर्मा संशित था।

“जो प्रोफेसर बोरो जैसे खतरनाक व्यक्ति को पकड़वा सकता है वो कुछ भी कर सकता है।“ सोना ने कुटिल मुस्कान के साथ बोला।

धर्मा के आश्चर्य की सीमा न रही। सोना को कैसे पता चल गया।

“मैंने कहा था न की मैं एक ईथर हूँ मुझे वो सब पता है जो किसी को नहीं।“ सोना बोली।

“मुझे प्रोफेसर बोरो के हाव भाव से लग गया था वो कुछ झूट बोल रहे है। जब उन्होंने मेरे से मेरा नाम पूछा और मुझे बताया वो मेरा अवचेतन मन नहीं पढ़ सकते, मैंने तभी से कभी भी ये ख्याल मेरे मन में नहीं लाया कि मैं

बॉडी लैंग्वेज पढ़ने का एक्सपर्ट हूँ। मैं लोगों के हावभाव से बता सकता हूँ की उनके मन में क्या चल रहा है। मुझे कभी भी ज़ोरो के लिए ऐसा नहीं लगा की वो झूट बोल रहा है, परन्तु लेडी तारा और प्रोफेसर बोरो मुझे कई बार झूट बोलते दिखे। मैं समझ गया उन लोगों का कोई स्वार्थ है और हिडन एजेंडा है। वो कहानी को वैसे ही पेश करेंगे जैसी उन्हें सूट करेगी।“

“इसलिए तुमने जान बूझ कर लौरा का सच उन लोगों से छुपाया। " सोना बोली।

“हाँ मैं लौरा के हावभाव से समझ गया था की वो भेदी है। फिर जब मैंने मेज़ोल पर ही रहने की बात कही तो लौरा ने मुझे एक मानसिक सन्देश भेजा की अजय सेना से बचने के लिए जनक 290 से भागो। इन फ़िज़ूल की योजना से उनसे नहीं बचा जा सकता। लौरा ने यह ही गलती कर दी थी। उसने सिर्फ मुझे सन्देश भेजा औरों को नहीं। और मैं समझ गया की वह लौरा बना जासूस इन लोगों को जनक 290 में भेजना चाहता है।“

“क्योंकि उसने जनक 290 को ख़राब कर दिया था।" सोना बोली।

"हाँ"

“मुझे ये भी पता है की तुम्हें अब लग रहा है की नोकोईविड तो वास्तव में क्रूर था। तुम बोरो को क्रूर समझ रहे थे।“ सोना बोली।

“प्रोफेसर बोरो की बॉडी लैंग्वेज से इतना तो समझ आ गया था की वो पूरा सच नहीं बोल रहे थे परन्तु मुझे ये नहीं पता था की नोकोईविड इतना ज्यादा क्रूर है। क्विड का इस्तेमाल सिर्फ अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए करना उचित नहीं लग रहा।“ धर्मा ने घृणित भाव से बोला।

“तो तुम्हें नोकोईविड ऐसा आदमी लगा जिसने अपने स्वार्थ के लिए एक पूरी गैलेक्सी को दांव पर लगा दिया।“ सोना बोली।

“हाँ। इसलिए उसको तो रोकना ही होगा क्योंकि वो फिर वापस अपने किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए ऐसा दुबारा कर सकता है।“ धर्मा बोला।

“तो तुम लड़ो उससे तुम तो सन आफ गॉड हो।“ सोना बोली।

“परन्तु मैं कैसे लड़ सकता हूँ।“ धर्मा को अभी भी अपने ऊपर थोड़ा संशय था।

“तुम्हारे पास हथियार है तो।“ सोना बोली।

“हथियार कहाँ है मुझे बनाना है। धर्मा बोला।

सोना हंसी और बोली, “धर्मा तुम्हारा लेजेंड, तुम्हारी ये दंत कथा कि तुम सन ऑफ गॉड हो ये ही तुम्हारा सबसे बड़ा हथियार है।“

सोना ने ये बोला और गायब हो गयी। सोना ने धर्मा को किसी प्लेनेट पर ट्रांसमिट कर दिया था। धर्मा धीरे धीरे नीचे गिर रहा था। धर्मा के चारो ओर एक अजीब सी रौशनी थी। जैसे ही वो रौशनी छटी उसने अपने आप को इरीट्रिया के किसी शहर में पाया और इससे पहले वो कुछ समझता सामने से आती हुई ब्लैकरॉक कार ने उसे टक्कर मार दी। धर्मा बेहोश हो गया।
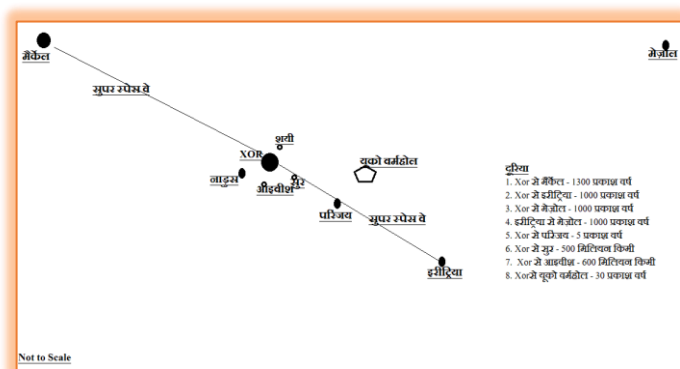
~~~

भाग एक का अंत - अनकही कथा

END OF PART 1 OF THE SAGA UNTOLD

क्या धर्मा नोकोईविड को चुनौती दे पाया? क्या नोकोईविड ने फिर से उस खतरनाक हथियार क्विड का इस्तेमाल किया? क्या था धर्मा का सच? प्रोफेसर बोरो क्या मैर्केल के लिए काम कर रहा था या उसका कोई और हिडन एजेंडा था? धर्मा क्या किसी भयंकर षड़यंत्र में फस गया था? आगे हम जानेंगे कैसे धर्मा ने नोकोईविड जैसी महाशक्ति को चुनौती दी और बोरो की नोकोईविड से मुलाकात का क्या परिणाम निकला? कहाँ है नोकोईविड का पुत्र जिसे बोरो ने किडनैप किया था और क्या है लेडी तारा और ज़ोरो की सच्चाई? इन प्रश्नो का उत्तर देगा इस अति रोचक कथा का दूसरा भाग। इस अनकही कथा का दूसरा खंड जल्द ही आपके सामने पेश होगा।

अनुलग्रक - प्रथम - मानचित्र

फ्रां गैलेक्सी का सरल मानचित्र

अनुलग्नक – द्वितीय

कहानी की समय रेखा

धर्मा के ज़ोरो द्वारा अपहरण होने और मेज़ोल पहुँचने से पहले घटित होने वाली घटनाओ को वर्षो के आधार पर यहाँ बताया जा रहा है। हालाँकि धर्मा जिस पैरेलल यूनिवर्स में गया है - म्यूवर्स - वहां समय का चक्र भिन्न है। वो लोग टाइमेक्स समय चक्र को मानते है जहाँ एक मेक्स का मतलब पृथ्वी के चार वर्ष, एक कैल का मतलब पृथ्वी के दो दिन आदि। परन्तु चूँकि धर्मा को तारा का विज़न उसकी अपनी समझ के आधार पर मिल रहा था इसलिए धर्मा ने समय को पृथ्वी के समयानुसार ही समझा। हम भी कहानी को ज्यादा जटिल न करने के लिए पृथ्वी पर समझे जाने वाले काल के उपाय (Time Measures) के आधार पर ही म्यूवर्स में घटित घटनाओ को यहाँ समझेंगे।

जितने भी वर्षो की यहाँ जानकारी दी जा रही है वो धर्मा के मेज़ोल पर लैंड होने से पहले का समय है।

धर्मा के मेज़ोल में लैंड करने से 1000 वर्ष पूर्व से ये कहानी शुरू हुई थी। तब Xor पर फ्लोरमान कोन्ताना का शासन था और Xor उस समय एक Inter Stellar Empire नहीं था। हम उस समय को शुन्य वर्ष मानेगे और बाकि की घटना उस समय से बताएँगे।

घटनाक्रम	समयकाल	धर्मा के मेज़ोल लैंडिंग से
1. Xor पर फ्लोरमान कोन्ताना का शासन	शुन्य वर्ष	1000 वर्ष पूर्व
2. फ्लोरमान कोन्ताना का मग और युद्धबंदियों (नदरिमान और	100 वर्ष	900 वर्ष पूर्व

	ओसलवनिया) को नाडुस पर भेजना		
3.	कोन्ताना का XOR साम्राज्य को 409 ग्रहो पर फैला देना	150 वर्ष	850 वर्ष पूर्व
4.	फैलानी का मैर्केल प्लेनेट पर फटल शिप की खोज कर लेना	160 वर्ष	840 वर्ष पूर्व
5.	कोन्ताना की मैर्केल से मुलाकात	200 वर्ष	800 वर्ष पूर्व
6.	मैर्केल का कोन्ताना को फटल शिप्स देना और कोन्ताना का XOR साम्राज्य के 409 ग्रहो पर शासन	225 वर्ष	775 वर्ष पूर्व
7.	मिलांज की उत्पत्ति	275 वर्ष	725 वर्ष पूर्व
8.	मिलांज के विरुद्ध दंगे	475 वर्ष	525 वर्ष पूर्व
9.	XOR और मैर्केल का युद्ध	478 वर्ष	522 वर्ष पूर्व
10.	शयी की स्थापना और मैर्केल और मिलांज का शयी पर निवास	480 वर्ष	520 वर्ष पूर्व
11.	कोन्ताना का चुनाव का हारना और राल्फ का सुप्रीम कमांडर बनना	490 वर्ष	510 वर्ष पूर्व
12.	जैसन का चार स्टरगेज़ शिप्स के साथ XOR से इरीट्रिया के लिए कूच / कोलार्क का वर्म होल को पार करने का कोड ढून्ढ लेना	500 वर्ष	500 वर्ष पूर्व

13.	फ्री मी का नाडुस पर आतंक और खाटू की मौत	502 वर्ष	498 वर्ष पूर्व
14.	फ्री मी का XOR के नडाल शहर पर हमला	510 वर्ष	490 वर्ष पूर्व
15.	शिनी की मौत	512 वर्ष	488 वर्ष पूर्व
16.	परिंजय गृह पर हमला	520 वर्ष	480 वर्ष पूर्व
17.	राल्फ का दूसरी बार सुप्रीम कमांडर के चुनाव का परिणाम	560 वर्ष	440 वर्ष पूर्व
18.	कोलार्क को इरीट्रिया का पता लगना	599 वर्ष	401 वर्ष पूर्व
19.	जैसन का इरीट्रिया पहुंचना	कोलार्क के इरीट्रिया में जानने के 60 दिनों में	
20.	कोलार्क का इरीट्रिया पहुंचना	जैसन के इरीट्रिया पहुँचने के 60 दिनों में	
21.	XOR और इरीट्रिया के प्रथम युद्ध का परिणाम	600 वर्ष	400 वर्ष पूर्व
22.	राल्फ को सजाए मौत	602 वर्ष	398 वर्ष पूर्व
23.	थाइज़र की मैर्केल, मिलांज और XOR से मुलाकात	800 वर्ष	200 वर्ष पूर्व
24.	नोकोईविड का XOR का सुप्रीम कमांडर बनना	894 वर्ष	106 वर्ष पूर्व
25.	नोकोईविड के अकेले का मैर्केल सेना के साथ युद्ध	895 वर्ष	105 वर्ष पूर्व
26.	प्रोफेसर बोरो द्वारा नोकोईविड के पुत्र का अपहरण	900 वर्ष	100 वर्ष पूर्व

27. धर्मा की मेज़ोल पर लैंडिंग (current time)	1000 वर्ष	00 वर्ष पूर्व

अनुलग्नक - तृतीय

यहाँ पर इस कहानी के मुख्य किरदार और शब्दकोश दिए हुए है जिससे इस रोचक कहानी को अच्छे से समझा जा सके और इस शानदार स्पेस फंतासी (Fantasy) का लुत्फ़ और अच्छे से उठाया जा सके। ये आपको इस अति रोमांचक कथानक के काम्प्लेक्स वर्ल्ड को समझने में बहुत मदद करेंगे।

शब्दकोश और मुख्य किरदार

1.	धर्मा	इस कहानी का मुख्य पात्र (main character)। पृथ्वी पर बड़ा हुआ एक 25 वर्षीय नौजवान।
2.	ज़ोरो	धर्मा का और प्रोफेसर बोरो का सेवक।
3.	लेडी तारा	धर्मा की कथित बहन जो उसे सारी कहानी सुना रही है।
4.	प्रोफेसर बोरो	नोकोईविड से बदला लेने के लिए जो धर्मा को पृथ्वी से ज़ोरो के ज़रिये लेकर आया है।
5.	नोकोईविड	Xor का क्रूर शासक जिसने इरीट्रिया पर कब्ज़ा कर रखा है।
6.	Xor	वो प्लेनेट जहा नामूह नामक प्रजाति का जन्म और विकास हुआ और जिसके सुप्रीम कमांडर राल्फ ने इरीट्रिया पर हमला किया।
7.	राल्फ	Xor का सुप्रीम कमांडर और नोकोईविड का पिता जिसने इरीट्रिया पर हमला किया।
8.	नामूह	एक बहुत विकसित प्रजाति जो बिलकुल पृथ्वी के इंसानो की तरह ही है। धर्मा के अनुसार यदि पृथ्वी पर इंसान अगले 500 वर्ष और विकसित होंगे तो बिलकुल नामूह जैसे ही हो जायेंगे।

9.	नामूह के जातीय समूह	नामूह तीन जातीय समूह में बटे थे एक्रिमियाँ, नदरिमान और ओसलवनिया।
10.	एक्रिमियाँ	नामूह प्रजाति का एक जातीय समूह जो धर्मा को दिखने में पृथ्वी के कॉकेशियन्स (भारोपीय) के जैसे दिखे।
11.	नदरिमान	नामूह प्रजाति का एक जातीय समूह जो धर्मा को दिखने में पृथ्वी के मंगोलायड प्रजाति के जैसे दिखे।
12.	ओसलवनिया	नामूह प्रजाति का एक जातीय समूह जो धर्मा को लगा की सबसे सुन्दर लोगो का मिश्रण है। ओसलवनियन स्त्रीया बहुत ही ज्यादा सुन्दर थी और पुरुष सुडोल थे।
13.	फ्लोरमान कोन्ताना	एक्रिमियाँ जातीय समूह का लीडर जो Xor का सुप्रीम कमांडर बना और उसने Xor को 409 ग्रहो का एक Inter-stellar Empire बना दिया। उसने नदरिमान और ओसलवनिया के युद्ध बंदियों को और मग को Xor से निकाल कर नाडुस प्लेनेट पर भेज दिया था।
14.	नाडुस प्लेनेट	Xor प्लेनेट के पास ही एक और प्लेनेट जहा विशालकाय जानवर रहते थे जहाँ कोन्ताना ने युद्धबंदियों और मग को जबरदस्ती भेज दिया था।
15.	मग	Xor पर उत्पन्न प्रजाति जो गोरिल्ला रुपी मानव थे। मग एक्रिमियाँ के लोगो के गुलाम के रूप में ही Xor में रह सकते थे।
16.	मैर्केल	एक एलियन प्रजाति जो दिखने में ओसलवनियाँ से भी ज्यादा सुन्दर थे और जिनकी त्वचा स्वर्णिम थी। इन्होने ही कोन्ताना को प्रकाश की गति से 100 गुना तेज उड़ने वाले स्पेसशिप दिए जिससे कोन्ताना अपने 409 ग्रहो पर फैले साम्राज्य को सुचारु रूप से नियंत्रित कर पाया।
17.	अजय सेना	XOR साम्राज्य की एक ऐसी सेना जो बहुत ही खतरनाक थी। इसके सैनिक एक अलग ही प्रकार का कवच धारण किये होते थे जिसे भेदना किसी भी हथियार के लिए

	लगभग नामुमकिन था तथा उनके हथियार बहुत ही विध्वंसकारी थे।
18. मैकाबर	आइवीश गृह पर भाड़े के हत्यारे। इनको कोई भी पैसे दे कर किसी भी गृह पर या जगह पर हमला करवा सकता था।
19. कोलार्क	एक मैर्केल प्रजाति का इंजीनियर जो फ्रां गैलेक्सी में सबसे ज्यादा अकल्मन्द था। इसने वर्महोल पार करने का कोड बनाया और इरीट्रिया में जैसन को अकेले ही टक्कर देने की ठानी।
20. फैलानी	कोलार्क से भी ज्यादा अकल्मंद एक मैर्केल महिला जिसने फटल शिप्स बनाये थे जो प्रकाश की गति से 100 गुना तेज उड़ सकते थे।
21. अन्तियम	वो मटेरियल जिसके सहारे फटल स्पेसशिप प्रकाश गति से 100 गुना तेज उड़ सकते है।
22. जनक 290	प्रकाश की गति से 7000 गुना तेज उड़ने वाला स्पेसशिप।
23. हुम प्रजाति	मेंढकाकार चहरा, बड़ी आँखे, सर पर दो टेन्टेकल्स निकले हुए, छोटी पतली टाँगे और चार फुट से छोटी हाइट।
24. क्रोम	एक मैर्केल जो कोलार्क का असिस्टेंट था।
25. इरीट्रिया की बुद्धिजीवी प्रजातियां	(i) ऐंजलन (ii) सेन्टॉरस (iii) फ्लेशी (iv) एक्यान
26. ऐंजलन	मानव रूपी प्रजाति जिसके चार हाथ थे और दो पंख। इन विशाल पंखो से ऐंजलन बहुत तेज उड़ सकते थे।
27. सेन्टॉरस	आधे मानव आधे घोड़े रूपी प्रजाति।
28. फ्लेशी	मानव जैसे दिखने वाली प्रजाति। ये लोग बोफ में मानते थे।

29.	एक्यान	आधे मानव आधी मछली। ज्यादातर ये लोग समुद्र तल में rahte थे और बहुत लम्बे और शक्तिशाली थे।
30.	महाराजा	ऐंजलन प्रजाति का हेयस का निर्वाचित प्रधान।
31.	हेयस	इरीट्रिया का सबसे विकसित भू भाग। हेयस तक़रीबन एशिया महाद्वीप जितना बड़ा भू भाग था।
32.	ग्रीनलैंड	इरीट्रिया का दूसरा बड़ा भू भाग। ये हेयस से भी थोड़ा बड़ा था परन्तु ये विकास के मामले में हेयस से पीछे था।
33.	योगी बाबा	ग्रीनलैंड में एक बड़े जंगल में कुटिया में रहने वाले। ये फ्लेशी रेस के थे और इनके बहुत सारे फ्लेशी अनुयायी थे। ये सब बोफ में मानते थे |
34.	परम गुरु	एक एक्वियान जो समुद्री जीवो का प्रतिनिधित्व करते थे। घातक हथियार अन्निहिलटर का प्रयोग करना केवल वो ही जानते थे।
35.	बोफ	इरीट्रिया पर फ्लेशी प्रजाति जिस धर्म में मानती थी वो बोफ था और बोफ उस धार्मिक पुस्तक का भी नाम था जिसकी बाते बोफ धर्म मैंने वालो के लिए भगवान् के शब्द थे। बोफ के अनुसार धर्मा सन ऑफ गॉड है जो इरीट्रिया को क्रूर नोकोईविड से आज़ाद कराएगा।
36.	ज्योति	एक ऐंजलन जो हेयस की सेनापति है।
37.	सफायर	एक ऐंजलन जो हेयस की स्पेस इन-चार्ज है। उसने ही हेयस पर XOR की सेना के हमले की जानकारी दी थी।
38.	जोश	एक फ्लेशी जो बहुत अच्छा पायलट है और जिसने कोलार्क की मदद की।
39.	जैसन	राल्फ का कमांडर जिसको इरीट्रिया पर आक्रमण करने के लिए चार स्टरगेज़ शिप्स के साथ भेजा गया था।
40.	एडमिरेर (Admirer)	एक रोबोट जो दिखने में 16-17 वर्षीया सुन्दर लड़की दिखती है और बहुत ही समझदार, शक्तिशाली और अनेको विद्याओ में निपुण है।

41.	R7	एक रोबोट जो नोकोईविड ने बनाया है जो दिखने में राल्फ के जैसा दीखता है और उसमे नोकोईविड जितनी समझदारी और ज्ञान है।
42.	जार्विस	हुम प्रजाति का व्यक्ति जिसने धर्मा के जनक 290 में पैरेलल यूनिवर्स के आने की खबर डायस को दी थी।
43.	डायस	नोकोईविड की सेना का सेनापति जो आधा इंसान और आधा मशीन है। अजय सेना के सभी कमांडर सारे जासूस आदि डायस के ही अधीन थे। नोकोईविड के बाद XOR साम्राज्य का सबसे प्रमुख व्यक्ति डायस ही था।
44.	टाइमेक्स	थाइज़र, मैर्केल और XOR साम्राज्यों का एक समूह जो फ्रां गैलेक्सी से सम्बंधित सारे महत्वपूर्ण फैसले करता है।
45.	निफ़्टी	ऐसे स्पेसशिप जो प्रकाश गति से 7000 गुना या और तेज उड़ते है और जो अपने आप में एक इंटेलीजेंट मशीन है। उन्हें कोई कमांड नहीं कर सकता वो अपने आप को किसी भी खतरे से खुद ही बचा लेते है।
46.	बोमिनी	नोकोईविड का स्पेसशिप जो इतना छोटा हो जाता है की नोकोईविड की बेल्ट की बकल बन जाता है और नोकोईविड का मानसिक सन्देश मिलते ही एक अति विशालकाय स्पेसशिप में कन्वर्ट हो जाता है। ये प्रकाश की गति से तक़रीबन ek लाख गुना तेज चल सकता था।
47.	ब्लैकरॉक कार	एक ऐसी विकसित कार जो मानसिक सन्देश से एक बड़े विशालकाय भवन में कन्वर्ट हो सकती थी और वापस कार में भी। ये बहुत तेज चलती थी और ये किसी भी भूखंड चाहे पहाड़, रेगिस्तान, जंगल या समुद्र के ऊपर चल सकती थी।
48.	क्विड	नोकोईविड का हथियार जो एक बार में पूरी फ्रां गैलेक्सी का अंत कर सकता था।

49.	सुपर स्पेस वे (SSW)	ऐसा रास्ता जो नोकोईविड को ही बनाना आता था जिस पर चल कर नोकोईविड द्वारा बनाये गए स्पेसशिप प्रकाश गति से लाख गुना तेज चल पाते थे।
50.	किंग हीरा	ग्रीनलैंड के राजा जो की ऐंजलन प्रजाति के थे।
51.	क्वीन जोबा	ग्रीनलैंड की बहुत ही प्रसिद्ध व्यापारी। ये भी ऐंजलन प्रजाति की थी।
52.	ओला	हुम प्रजाति का कोलार्क का वफादार साथी।
53.	ऑटो सकर	एक ऐसी मशीन जो किसी भी रेडिएशन, एनर्जी या मलबे को सक कर लेती थी और उसके आसपास की चीजों को नुक्सान होने से बचाती थी।
54.	जॉली	एक्रिमियाँ नामूह प्रजाति का डायस का जासूस जो प्रोफेसर बोरो का पीछा मेज़ोल में कर रहा था।
55.	*एम्बेडेड रिस्ट चिप*	Embedded wrist chip एक ऐसी माइक्रो चिप है जो कलाई की त्वचा के अंदर अन्तर्निहित होती है और ये चिप अपने आप में एक सुपर कंप्यूटर है और घातक लेज़र फायर भी कर सकती है।

अनुलग्नक - चार - तकनिकी जानकारी

विभिन्न स्पेसशिप्स, उनकी गति और तकनीक तथा विभिन्न फास्टर देन लाइट (प्रकाश से तेज) यात्रा के साधन

शिप का नाम	सर्वोच्च गति	प्रयोग कर्ता	उड़ान तकनीक
फटल शिप	प्रकाश गति से 150 गुना तेज	फैलानी द्वारा धर्मा के म्यूवर्स में आने से 840 वर्ष पूर्व अविष्कार किया गया	अंतरिक्ष को अनुबंध और विस्तार करके एक वार्प ड्राइव जिसके लिए अन्तियम की आवश्यकता थी
इरीट्रियान शिप	**प्रकाश गति से 200 गुना तेज**	कोलार्क द्वारा धर्मा के म्यूवर्स में आने से 400 वर्ष पूर्व अविष्कार किया गया	अंतरिक्ष को अनुबंध और विस्तार करके एक वार्प ड्राइव जिसके लिए इरीट्रिया के ब्लैकस्टोन की आवश्यकता थी
निफ़्टी (जनक 290 जैसे)	**प्रकाश गति से 7500 गुना तेज**	थाइज़र की मदद से मिलांज ने धर्मा के म्यूवर्स में आने से लगभग 200 वर्ष पूर्व जनक 290 जैसे निफ़्टी	दो विपरीत प्रभारित टेकियोन एक दूसरे से मियान ड्राइव में भिड़ते है तो प्रणोदन के लिए असीमित ऊर्जा

<table>
<tr><td></td><td></td><td>जो एक इंटेलीजेंट स्पेसशिप था और अपने आप ही चलता था</td><td>मिल जाती है और वो स्पेसशिप को बहुत तेजी से अंतरिक्ष में एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाती है</td></tr>
<tr><td>ऐनियन शिप</td><td>प्रकाश गति से सवा लाख गुना तेज</td><td>नोकोईविड द्वारा बनाया गया धर्मा के म्यूवर्स में आने से लगभग 100 वर्ष पूर्व</td><td>अंतरिक्ष में क्वांटियम नामक मटेरियल से एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्पेस-टाइम को सक कर लिया जाता है और उस रस्ते पर ऐनियन शिप बहुत ही ज्यादा तेज गति से चल सकते थे</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>तरंग का नाम</td><td>सर्वोच्च गति</td><td>खोज /अविष्कार का समय</td><td>प्रयोग / तकनीक</td></tr>
<tr><td>ऐरिपो वेव्स</td><td>प्रकाश गति से 15,62,500 गुना</td><td rowspan="2">थाइज़र द्वारा बताया गया धर्मा के म्यूवर्स में आने से लगभग 200 वर्ष पूर्व</td><td>ये एक ऐसे मटेरियल से बनी है जो प्रकाश गति से तेज़ ही चलते है</td></tr>
<tr><td>प्यूर वेव्स</td><td>प्रकाश गति से 7,50,000 गुना</td><td>बाइनरी सूचना जैसे की हाँ या न इस वेव्स के माध्यम से दे जा सकती है</td></tr>
</table>

स्टील्थ वेव्स	प्रकाश गति से 62,500 गुना		जासूसों द्वारा अधिकतर प्रयोग जिससे वो एक दूसरे को गुप्त सन्देश भेजे जा सके जो आसानी से डिकोड नहीं किये जा सकते
ज़ीकण वेव्स	प्रकाश गति से 2,500 गुना		किसी भी जीवित या अचेतन वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचने के लिए उसको इस तरंग में परिवर्तित करके बीम किया जाता है

समय - विरोधाभास

थाइज़र ने टाइमेक्स समय से Xor और मैर्केल को परिचित करवाया और यह बतलाया की समय स्थान के अनुसार भी अपने आप को परिवर्तित कर लेता है। इसलिए यदि Xor से इरीट्रिया जो लगभग 1000 प्रकाश वर्ष दूर ऐरिपो वेव्स से सन्देश भेजा जाए तो वह सन्देश पृथ्वी के समयानुसार साढ़े पांच घंटे में पहुँच जाएगा।

सामान्यतः FTL – faster than light (प्रकाश गति से तेज) सन्देश या स्पेसशिप भेजने से समय विरोधाभास उत्पन्न होता है। पृथ्वी की भौतिकी के अनुसार यदि एक स्पेसशिप पृथ्वी से प्रकाश गति से 50% गति से किसी

गंतव्य के लिए जाता है। अब यदि दो वर्ष बाद ये स्पेसशिप इंस्टेंट मैसेज पृथ्वी पर भेजता है की FTL मैसेज भेजने की मशीन को समाप्त कर दो, तो भौतिकी के नियमानुसार ये सन्देश पृथ्वी पर दो वर्ष बीतने से पहले ही मिल जाएगा। मतलब स्पेसशिप के मैसेज भेजने से पहले ही पृथ्वी वासी उस मशीन को समाप्त कर देंगे। इससे कासेलिटी (Causality) की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

परन्तु यदि टाइमेक्स समय का प्रयोग किया जाए तो नहीं। क्योंकि इसके अनुसार हर स्पेस के बिंदु का समय अलग है। तो स्पेसशिप से जब वो इंस्टेंट मैसेज पृथ्वी पर आएगा तो पृथ्वी पर उस समय में परिवर्तन इस हिसाब से हो जाएगा की कासेलिटी प्रभावित नहीं होगी।

इस उपन्यास में बहुत जगह समय मिनिट, घंटो या दिनों में दिया गया है, वो केवल पाठक के लय को बनाये रखने के लिए है। जैसे इरीट्रिया पर जैसन को तीस दिन जो गए। इसका अर्थात यह है की उतना समय जितना पृथ्वी पर तीस दिन बीतने पर होगा। इसी प्रकार बाकी समय की गणना को भी अभिप्रेत करे।

***

दो दुनिया का वारिस
अनकही कथा
(भाग - एक)

डॉ. निशा शास्त्री, लोक प्रशासन में पी.एच.डी कर चुकी हैं तथा उन्हें प्रशासन मैनेज करने का तकरीबन एक दशक का अनुभव है। वो अभी एक बेंगलुरु स्थित आई टी कंपनी में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में कार्य कर रही हैं। वो साइंस फिक्शन में विशेष रुचि रखती हैं एवं अंग्रेजी भाषा में एक उपन्यास लिख चुकी हैं जिसे लोगो ने बहुत सराहा है।

Cover Image: chandlervid85

rajmangalpublishers r_publishers